

WIJWA

The Gazette of India

पारिकार से एकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 18, 1986 (षीष 28, 1907) No. 3] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1986 (PAUSA 28, 1907)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है, जिससे कि यह अलगलन संक के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate separate

भाग III_खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

्डच्च न्यायालयों, नियन्त्र ह और नहाते बापरीक्षक, संय लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यातकों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Countroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rullways and by Attached and Suburdinate O floor of the Forest near the limits in Indian

केन्द्रीय समर्कता आयोग म**ई** दिल्ली, दिनां रू 19, दिसम्बर 1985

सं० 1/2/85-प्रशासन-केन्द्रीय सर्त इता आणुक्त एतद्-द्यारा केन्द्रीय सर्त इता आयोग में स्थाई अवर सचिव, श्री कृष्ण ताल मन्होत्रा को विगेष कार्य अधि हारी के पद पर तदर्थ रूप से न्द्रीय संतर्कता आयोग (इमंचारी) नियम 1964 के नियम 9 अन्तर्गत वेतनमान ६० 1500-60 800-100-2000 में 17 विसम्बर, 1985 (पूर्वाह्र) 3 महीने की श्रवधि है लिय नियुक्त करते हैं।

सं 1/2/85 - प्रशासन - मेन्द्रीय सतर्कता श्राय्वन एतद् रा केन्द्रीय सर्कता श्रायोग में न्यायी श्रनुभाग श्रायकारी, मनोहर लाल को श्रवर सिन्त के एवं पर तदर्थ रूप से तनमान् रु 1200-1600 में 17 दिसम्बर 1985 (पूर्वाह्म) 3 महीने की श्रवधि के लिय नियुक्त करते हैं।

> मु० के० दीकि उप स्रा इते केन्द्रीय सतर्जता स्ना

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 सं० 2/8/85-प्रशासन---इस आयोग में 2-12-1985 (धाराम्स) को श्रीमती कुसुम प्रसाद, भारतीय प्रशासनिक 1--41601/85 सेवा (रामस्यान: 1960), सचिय, केन्द्रीय संतर्कता भायोग को प्रगुवर्ती प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने पर 3-12-86 से 31-1-1986 तक 60 दिन की भ्राणित छुट्टी दी जाती है। उन्हें भ्रयनी छुट्टी के साथ 1 भौर 2 फरवरी 1986 को जोड़ने की भ्रनुमित दी जाती हैं।

 छट्टी की अमाष्ति घर श्रीमती कुसुम प्रसाद की सेवाएं राजस्थान राज्य सरकार को सींघ दी गई मानी जायेंगी।

> कृष्ण लाल मल्होता सदर सविव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय संतर्फता **प्रायुक्त**

ामिक और प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेवण ब्यूरी

नई दिस्ती, दिनांक 19 विसम्बर 1985 सं० 9/15/85-प्रशासन-5--राष्ट्रपति ने श्री डी० शार० मिलक, संयुक्त सहायक निवेशक, सीमा सुरक्षा बल को 1 दिसम्बर, 1985 से एक वर्ष की श्रवधि के लिए केन्द्रीय धन्त्रेपण ब्यूरी में, प्रतिनियुक्ति पर, तदर्थ श्राक्षार पर धिशेष नार्य श्रीधनारी के कट में नियुक्त विद्या है।

> श्रार० एस० नागपाल प्रशासन प्रधिकारी (स्थापना) क्यें ए० व्यक्ती

गृह मंत्रालय महानिदेशालय के०रि०पु० **ब**ल

नई विल्ली-110003, दिनांक 19 दिसम्बर 1985

सं० घो०वो० 1971/84-स्थापना--महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० टी०के० राय को दिनांक 4-12-1985 पूर्वाह्म से 13-1-86 ग्राप्ताह्म तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्ता श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं ग्रो॰ दो॰ 1971/84-स्थापना-महानिवेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा॰ टी॰के॰ राय को दिनांक 14-10-85 पूर्वाह्म से 11-11-85 ग्रण्याह्म तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकि-सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्भ रूप से नियुक्त किया है।

सं० पी० सात-3/85-स्था०-1- राष्ट्रपति, के० रि० पु० बल के निम्नलिखित सहायक कमान्डेस्टों को कमान्डेस्ट के पद पर ग्रस्थायी रूप में ग्रगले ग्रादेश होने तक सहर्यं पदीश्वति करतें

2. इन्होंने उनके नाम के आगे दर्शाई गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भाल लिया है:—

ऋम सं०	ग्रधिकारी का नाम	कार्यमार सम्भालने की तारीख
1. श्री	भगतसिंह	8-7-85
2. श्री	(एस० म्रार० साहनी	8-7-85
		(भ गरा ह्न)
3.श्री	एम० सी० यादव	8- 7- 85
4. श्री	एम०के०टी० मर्गा	6- 7- 85
5. श्री	वी०पी० सरीन 🕠	1-8-85
		(भ्रपराह्न)
6. श्री	टी०भ्रार० घरोरा	6-7-85
7. श्री	पी० कुमार	6-7-85
8. श्री	महेन्द्र सिन्ह	5-8-85
9. শ্বী	'एन० के० विज	5-7-85
10. श्री	एन० पी० गुरस्य	6-7-85
1(1, श्री	पी० एस० साय रस	67-85
1,2, श्री	। ग्रार०एस० फीगल	2-8-85
		(भ्रपराह्म)
13. શ્ર	पी० ए स ० वर्मा	6-7-85
14. গ্ৰ	ो एस०सी० मिश्रा	12-7-85
		(भ्रपराह्न)
15. শ্ব	ो एन ्एस ० यादव	16-7-85
16. গ	ो एम० भ्राइ० दास	16-7-85
17. 8	ग्री एल ० एल० वैष् णव	6-7-85

प्रशोध राज महीप्ती सहायक निदेशक (स्था०) भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 24 दिसम्बर 1985

सं 10/20/84-प्रशा०-1---विभागीय प्रवोक्षति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एस-एन० चतुर्वेषी, उप निवेशक (आंकड़े संसाधन) को, जो इस समय भारत के महारिजस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त निवेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर तदर्य आधार पर कार्य कर रहे हैं, उसी कार्यालय में अगले आदेशों तक 30 अक्तुबर, 1985 के पूर्वाल से अस्थायी कमता में नियमित आधार पर संयुक्त निवेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर प्रवोजित द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 श्री एस०एन० चतुर्वेदी का मुख्यालय नई विक्सी मैं होगा।

शि एस वसी
 भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग निवेशक लखापरीक्षा, केन्द्रीय का कार्यालय कलकला दिनोक 19 दिसम्बर 1985

सं प्रशा ा/सी/जी शो ं / 470/116— निदेशक लेखा— परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता में निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारियों की लेखापरीक्षा प्रधिकारी के स्थान पर प्रस्थायी हैसियत से दिनांक 18—12—85 के पूर्वान्न से भ्रयता उस तारीख से जिस तारीख को उनके नामों के साथ दिये गये बींग कार्यालय में वास्तव में कार्यभार ग्रहण करते हैं, जो भी बाद में हो और प्रथले प्रादेश जारी दिये जाने तक, नियुक्त किये हैं। उनके नामों के साथ दिये गये भिषकारियों के समझ व पद भार प्रहण करने के निये रिपोंट करें:—

ऋ०सं० नाम	वींग/कार्यीलय जहां वे कार्यभार ग्रहण करने के लिये रिपोर्ट करेंगे।
सर्व श्री	
 भ्रमल हिमोर भट्टाचार्यंजी 	सं० जि० ले० परीक्षा (मार०ए०डी०टी०)
 विलीप कुमार भोष 	वही
 सत्यकमल चक्रवर्ती 	वही
4. सुनिर्मेल घोष	वही
5. समरेन्द्र नाथ चौ धरी	उप०जि०ले० यरीका
	(भार०ए०भाई ०डी०टी•)
अभिल चन्द्र वास	उप०जि०से० परीका
	(স্থাত)
 मुनील कृष्ण नालुकदार 	वही

7 प्रधिकारियों का क्रमिक वरिष्ठता निम्न प्रकार है 1. श्री भ्रमल किशोर भट्टाचार्येजो, (2) श्री दिलीप कुमार घोष, (3) श्री संस्थकमल चक्रवर्ती, (4) श्री सुनिर्मेल घोष (5), श्री समरेन्द्र नाथ चौधरी, (6) श्री ग्र थास (7), श्री सुनील कुष्ण तालुकवार।

सर्वश्री भनिल चन्द्र दास भौर सुनिल कृष्ण तालुकदार कलकत्ता में पदभार ग्रहण करने के उपरान्त तत्काल क्रमशः फरक्का, पोर्टब्लेयर के लिये भगले उपलब्ध ट्रेन श्रोर पानी महाज से प्रस्थान करें।

कार्यग्रहण काल और स्थानान्तरण का टी॰ए॰ सर्वश्री धनिल चन्द्र दास भीर सुनिल कृष्ण तालुकदार को सामान य नियमों के ग्रन्तर्गत उपलब्ध होगा।

सुनील उप० नि० ल० परीक्षा(प्रमा०)

महालेखाकार (लेखा तथा भिक्षकार) का कार्यालय उड़ीसा, भृथनेश्वर भवनेश्वर, दिनौक 17 दिसम्बर 1985

ज्ञापक सं० प्रशासन-1/माई०ए०डी०/29-गो०/1899-इस कार्यालय के श्री पी०एस० अय्यर स्थानापन्न लेखाधिकारी को दिनौंक 5-2-85 से महालेखाकार (लेखा एवं अधिकार) ारा स्थायीवत लेखाधिकारी संवर्ग में सहषं नियुक्त किया भाता है एवं यह नियुक्ती उक्त तिथि से ही लागू होगा।

> ग्रपठनीक हस्दाक्षर वरिष्ठ उप महालखाकार (प्रशासन)

संखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं कार्यालय: (निदेशक) नई दिल्ली, दिनौंक 23 दिसम्बर 1985

सं॰ 5222/ए-प्रशासन/130/83-85--प्रार्थक्य निवृत्ति ्रायु प्राप्त करने पर श्री एम॰ भार॰ रामाचन्द्रन, अस्थाई जापरीका मधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिनौक 30-11-1985 (भापराह्म) को सेवा निवृत्त हुए।

> भगवान शरण तायल संयुक्त निवेशक, लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व मई दिल्ली-11002 दिनौंक 30 दिसम्बर 1985 • प्रशासन-1/कार्यालय आवेश सं० 327---निदेशक ा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री एस० एन० मेहरा स्थायी जनुभाग ग्रिधिकारी ग्राप्त नहायक नेखा परीक्षा ग्रिधिकारी को स्थानापत्र लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के वेतन कम 840-1200 ६० में 20-12-85 अपराह्म से ग्रागे ग्रादेश ग्राप्त तक नियुक्ति करते हैं।

सं० प्रधासन-1/कार्यालय श्रादेश सं० 328-निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य-1, इस कार्यालय के श्री प्रीतम भिंह स्थायी श्रनुभाग ग्रिधिकारी श्रव महायक लेखा परीक्षा श्रिधिकारों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रिधिकारों के वेतन कम 840-1200 रु० में 23-12-85 पूर्वाह्म से भागे श्रादेश श्रीने तक नियुक्ति करते हैं।

सं० प्रशासन-1/कार्यालय श्रावेश सं०/329—निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री बर-याम सिंह स्थायी श्रनुभाग अधिकारी श्रव सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के बेतन कम 840-1200 रू० में 24-12-85 पूर्वीह्म से श्राग धादेश श्राने तक नियुक्ति करते हैं।

> मोहन खुराना उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

रक्षा मनालय

मार्अनेन्स फैक्टरी बोर्ड

डो॰जी॰मो॰एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा • कल रुसा-70001, दिनाँक 24 दिसम्बर 1985

सं० 16/85/ए/ई-1 (एनजी)--डी०जी०प्रिक० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को नर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर जिना प्रभाव के प्रत्येक नामों के सामने दर्शाई गई तारीख से, पदों पर पदोक्षती करते हैं :--

1.	श्री हरिप्रसम्न चक्रवर्त	स्थानापन्न	दिनाँक
	ए०एस०ग्रो०	सहायक स्टाफ	10-12-85
	(तदर्थ)	अफ ार	(पूर्वाह्न) से
	•		श्रगामा श्रावेश
			होने तक
2.	सुशील कुमार चन्दा	वही	–वही-—
	ए०एस०म्रो० (सद र्थ)		
3.	श्रीमती रानु दास	—वही —	वही
	ए०एस०ग्रो० (तदर्थ)		

एस० दानगुष्ता निदेशक/प्रशासन कृते महानिदेशक ग्राडनेन्द्र फैक्टरियाँ

श्रम मंत्रालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय न**ई** दिल्ली, कितंत्र 20 दिसम्बर 1985

सं॰ प्रशा॰-1/4(24)/80-केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी तरण, नियंत्रण ग्राँड अर्थाः) विथम, 1965 के जियम 9 द्वारा प्रदे शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रीर विभागीय पदोन्नत समिति की सिफारिश पर मुख्य अमायुक्तः (वे॰) विभाति खित अधिकारि को उनसे आगे दर्शाई गई तिथि से इस संगठन में मौलिक रूप से श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कि॰) के स्व पर नियुक्त करते हैं:--

			, ,	•
फ्र॰सं०	नाम	वर्तमान पर जिल पर काम कर रहे हैं	अम प्रवर्तभ अधि गरी (के०) के पद पर स्थाई होने की सारीख	टिव्यगी
1 2	2	3	4	5
श्री/श्री	मती			
1. एल०के		वरिष्ट श्रम अधिकारी, कांडला पोर्ट ट्रस्ट, गांधीधाम (कच्छ) ।	15-8-70	
2. ए०के०	राय	सहायक श्रमायुक्त (वेः०), धनवाय ।	7-11-72	
3. एस०के		सहायक श्रमायुक्त (के०) मुख्य श्रमायुक्त (के०) वा मुख्यालय, नई दिल्ली ।		
4. आर०ए	म ् श्रीवास्तव	सहायक श्रमायुक्त (के०), धनबाद ।	1-1-74	
5. एस०के	० देख	सहायक श्रमायुक्त (क्षे०), रानीगंज ।	1-1-74	
6. सी ०सी	oएस० रे §ी	सहायक श्रमायुक्त (क्षे०), बेलरी ।	1-1-74	
7. बेंग्० रा	मक्रुडण	सहायक श्रमायुक्त (के०) (प्रतिनियुक्ति पर) आई०आर०ग्रो०, सेन्द्रल वेअरहाउक्षिग कार्पोरेशन, मद्र	1-1-74 प्रस	
8. एस०एम	र० सहाय	सहायक श्रमायुक्त (के०) सेवा निवृत्त ।	1-1-74	
9. एस०आ	=	सहायक श्रमायुक्त (के०) कोटा ।	1-1-74	
10. एस॰पी	॰ पिपल	सहायक श्रमायुक्त (के०) मुख्य श्रमायुक्त का मुख्यालय, नर्इ दिल्ली ।	1-1-74	
11. ए०सी०	भाग	सहायक श्रमायुक्त (के०) सेवा निवृत्त ।	13-5-74	
12. बी०कें०	कपूर	सहायक श्रमायुक्त (के०) विलासपुर ।	1-1-75	
13. घो०पी	> शर्मा	महायक श्रमायुक्त (के०) बम्बई ।	24-1-75	
14. जी०पी	> ओशी	सहायक श्रमायुक्त (के०) बम्बई ।	25-1-75	
15. पी०के०	के० उन्नीमेन्नम	श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) सेवा–ित वृ त्त ।	1-€-75	
16. आर०र्व	ो० बोलूर	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	1-7-15	
17. सी० वि	ावरामाकुरुणन	बहायक श्रमायुक्त (के०) विशाखापतनम ।	22-11-75	
18. कुलभूष	ण विभाष्ठ	सहायक श्रमायुक्त (के०) (प्रतिनियुक्ति पर) । आई०आर०फ्रो०, सेन्ट्रल वेअरहाउसिंग कार्परिशन, भई दिल्ली ।	. 1-12-75	
19. सी॰टी॰	चोदीरमानी	श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०) सेवा-कि वृत्त ।	20-12-75	
	एस० बेंजामिन	श्रम प्रवर्तत अधिकारी (के०), सेवा–ित्वृत्त ।	20-12-75	
21. आर०के		सहायक श्रमायुक्त (के०), कलजत्ता ।	20-12-75	
22. भार०ए	-	अम प्रवर्तन मिधिकारी (के०) बेल री ।	20-12-75	

की/श्रीमती 4.3. एम॰ जे० खेमयन्दानी 4.4. एम॰ शिवारी 4.5. एम॰ शिवारी 4.6. प्रस्त शिवारी 4.7. एम॰ शिवारी 4.8. प्रस्त शिवारी 4.8. प्रस्त शिवारी 4.9. प्रस्त शिवार	
23. एमज्जै सेमज्दानी सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) सेबा—िवृक्त 19—2—76 24. एमज्ञितारी सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) सेबा—िवृक्त 9—3—73 25. इत्त सीज्ञ पलटानी सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) सेबा—िवृक्त 9—4—76 26. जारु बीज्ञ पलटानी सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) सेबा—िवृक्त 8—5—76 27. एमज्टीज क्ष्णानी सहायक स्रमायुक्त (कें) सेबा—िवृक्त 8—5—76 28. एसज्केज मिस्रा सहायक स्रमायुक्त (कें) ज्ञाणपुर 1—3—75 29. बीज्यल रामा अम प्रवर्तन अधिकारी (कें) बिलासपुर 1—6—77 30. पीज्ज्ञ टिह्ह सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) विलासपुर 11—6—77 31. एसज्यलम सहायक स्रमायुक्त (कें) ज्ञालपुर 11—6—77 32. पीज राजरत्सम सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) बर्ज्याक्षा 11—6—77 33. केज्ज्ञ अहल्त्वालिया सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) बर्ज्याक्षा 11—6—77 34. बीज्ञीज अहल्त्वालिया सम प्रवर्तन अधिकारी (कें) बर्ज्याक्षा 11—6—77 35. एमज्टीज सायवे सहायक स्रमायुक्त (कें) कानपुर 11—6—77 36. बीज सुन्दरसन कोज्ञीज स्रमायुक्त (कें) कानपुर 11—6—77 37. एमज्दीज सारंगी एलज्ज्ञोज (सीज्पीज) श्राज्ञ आरज्यमणुक्त (केंज्ञ) सावाय 9—12—77 38. टीज केंब्रटेशन सेत्रीय स्रमायुक्त (केंज्ञ) सनवाय 9—12—77 40. एसज्ज्ञेज मुल्लाजिया सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) सनवाय 9—12—77 41. एमज्ज्ञेज मुल्लाजिया सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) स्रवर्तार कामपुर 9—12—77 42. जीज्ञीज श्रीवास्त्व सम प्रवर्तन किमार्य किमार्य किमार्य 9—12—77 43. एचज्ज्ञेज स्रमायुक्त (केंज्ञ) स्रवर्तार किमान्य 9—12—77 44. एचज्ज्ञेज श्रीवास्त्व सम प्रवर्तन किमारी (केंज्ञ) स्रवर्तार किमार्य 22—2—79 44. रिक्ट्र पुळ्स सहायक स्रमायुक्त (केंज्ञ) पुत्तेज किमारी 3—6—79 45. सीज्यल्य स्रमायुक्त (केंज्ञ) पुत्तेज किमारी 3—6—79 46. एमज्ज्ञेज्जेज परमार सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) केज्ज्ञिज्ञ क्रिक्तिण सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) क्रिक्तिण क्रिक्तिण विल्लाल सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) क्रिक्तिण क्रिक्तिण क्रिक्तिण सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ) क्रिक्तिण क्रिक्तिण विल्लाल सम प्रवर्तन अधिकारी (केंज्ञ्ज्ञिज्ञ क्रिक्तिण क्रिक्तिण सम्बर्त अधिकारी (केंज्ञ्ज्ञ्ज्ञ्ज्ञ्ज्ञ्ज्ञ्ज्ज्ञ्ज्ज्ज्ज्ज	
25. बार सीर पलटानी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) बस्वध 9-4-76 26. बारव्यीव सिंह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) सेवा-विवृक्ष 8-5-76 27. एमव्टीव ख्यानी सहायक श्रमायुमत (केर) सागपुर 1-8-76 28. एसव्हेश मिल्ला लहायक श्रमायुमत (केर) कलकंत्ता 21-10-76 29. बीव्यसव रामा श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) बिलासपुर 1-6-77 30. पीर्वेश तिह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) ग्रमा 11-6-77 31. एसव्यसव मृत्या सहायक श्रमायुक्त (केर) जबलपुर 11-6-77 32. पीर राजरत्मम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) विव्यवाण 11-6-77 33. केर्वेश अहलुवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केर) विव्यवाण 11-6-77 34. बीव्यीव प्रवर्णन (सीर्वावण व्यवण व्यव	
26 आर०बी० सिंह अस प्रवर्तन अधिकारी (बें०) सेवा—िवृत्त 8-5-76 27 एम०टी० ख्यांनी सहायक श्रमायुक्त (बें०) निकास 21-10-76 28 एस०बें० मिल्रा सहायक श्रमायुक्त (बें०) क्लाकंत्ता 21-10-76 29 बी०एस० राना श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) बिलासपुर 1-6-77 30 पी०बें० सिंह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) ग्या 11-6-77 31 एस०एस० मृन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (बें०) जंबलपुर 11-6-77 32 पी० राजरत्वम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) बरेली 11-6-77 33 के०बें० अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) बरेली 11-6-77 34 बी०बीं० पाँढे एल०भो० (सी०पी०) सी०शो० श्री०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35 एम०टी० सायवे सहायक श्रमायुक्त (बें०), चन्द्रपुर 11-6-77 36 बी० सुन्दरेसन श्रेतीय श्रमायुक्त (बें०) आउचापुर 11-6-77 37 एस०सी० सारंगी एल०भो० (सी०पी०) श्रा० आर०एम० एल० 11-6-77 38 टी० वेंक्टेशन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) क्षमवाच 9-12-77 40 एस०पा० दिवेदी एल०भो० (सी०पी०) आउकेंने फैक्टरी, कामपुर 9-12-77 41 एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) श्रमवाच 9-12-77 42 जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) श्रमवाच 1-7-78 43 एच०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) श्रमवार 18-7-78 44 रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (बें०) भोगांक 22-2-79 45 सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) श्रेच्वीर 18-7-79 46 एम०कें०जै० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (बें०) श्रम्बई 1-7-79	
27. एम०टी० रूपानी चहायक श्रमायुक्त (के०) भागपुर 1-8-76 28. एस०के० मिल्रा सहायक श्रमायुक्त (के०) कलकंत्ता 21-10-76 29. बी०एस० रामा श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बिलासपुर 1-6-77 30. पी०के० सिंह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) ग्रया 11-6-77 31. एस०एस० मृन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (के०) जवलपुर 11-6-77 32. पी० राजरत्तम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) विजयवाइ। 11-6-77 33. के०के० अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बरेली 11-6-77 34. बी०डी० पाढे एल०भो० (सी०पी०) सी०शो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायवे सहायक श्रमायुक्त (के०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. बी० सुन्दरेसन श्रेतीय श्रमायुक्त (के०) आर्जपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०भो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 38. टी० वेंकटेशन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) क्षमवाद 9-12-77 39. एस०के० मुखोपाध्याय केलीय श्रमायुक्त (के०) अनवाद 9-12-77 40. एस०एन० द्विवेदी एल०भो० (सी०पी०) आर्जनेंस फैक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) क्षमलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) क्षमलार 18-7-78 43. एच०सी० मूलक्यवानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपास 22-2-79 44. रिकन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपास 22-2-79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) क्षण्डी०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जे० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) क्षण्डी० क्षण्डी० परमार	
28. एस०कें० मित्रा सहायक श्रमायुक्त (कें०) कलकंत्ता 21-10-76 29. बी०एस० राना श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बिलासपुर 1-6-77 30. पी०कें० सिंह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) गया 11-6-77 31. एस०एस० मुन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (कें०) जवलपुर 11-6-77 32. पी० राजरत्मम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) विजयवाङ्गा 11-6-77 33. के०कें० अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बरेली 11-6-77 34. बी०डी० पांडे एल०मो० (सी०पी०) सी०ग्रो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायचे सहायक श्रमायुक्त (कें०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. बी० सुन्दरेशन कोतीय श्रमायुक्त (कें०) कानपुर 11-6-77 हास्पीटल, फ्राँ दिल्ली 38. टी० वेंक्टेशन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) क्षत्र निकृत्त 29-8-77 39. एस०सी० सारंगी एल०ग्रो० (सी०पी०) आं अंतिय निकृत्त 9-12-77 40. एस०प्रा० दिवेदी एल०ग्रो० (सी०पी०) आं केंस प्रवर्तन कामपुर 9-12-77 41. एम०बी० जोतक श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्त्रव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) क्षत्रीर 18-7-78 43. एप०सी० मृत्यक्वानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) प्रो पाल 22-2-79 44. रिवन्द पुष्टा सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) कें०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०कें०जें० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) क्ष्र जिं०एफ०	
29. बीं एस० राना वा प्रवास अधिकारी (कें) बिलासपुर 1-6-77 30. पीं कें। लिंद वा प्रवास अधिकारी (कें) पा 11-6-77 31. एस०एस० मुन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (कें) जवलपुर 11-6-77 32. पीं राजरत्म श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) विजयवाड़ा 11-6-77 33. के के के के के के के के	
30. पी०कें जिह श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) गया 11-6-77 31. एस०एस० मुन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (कें) जवलपुर 11-6-77 32. पी० राजरतम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) विजयवाङ्गा 11-6-77 33. के०कें अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) वरेली 11-6-77 34. पी०डीं० पाँढे एल०मों० (सी०पी०) सी०श्रो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायषे सहायक श्रमायुक्त (कें०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. पी० सुन्दरेसन श्रेतीय श्रमायुक्त (कें०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०श्रो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 हाल्पीटल, भई दिल्ली 38. टी० वेंवटेणन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० पृखोण्ड्याय केलीय श्रमायुक्त (कें०) श्रमवाद 9-12-77 40. एस०एस० द्विवेदी एल०श्रो० (सी०पी०) आर्डनेंस फैक्टरी, कानपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) श्रमवाद 1-7-78 42. पी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) क्ष्मलार 18-7-78 43. एच०सी० मुन्दक्वानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) भोषाल 22-2-79 44. रिक्ट पुष्पंध सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. पी०प०एस० नायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) के०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जे० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) के०जी०एफ० 3-6-79	
31. एस०एस० मृन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (कें०) जवलपुर 11-6-77 32. पी० राजरत्म श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) विजयवाइ 11-6-77 33. कें०कें० अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) वरेली 11-6-77 34. पी०डी० पांडे एस०भो० (सी०पी०) सी०शो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायषे सहायक श्रमायुक्त (कें०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. पी० सुन्दरेसन केंद्रीय श्रमायुक्त (कें०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०श्रो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 हाल्पीटल, फर्न दिल्ली 38. टी० वेंक्टेशन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मृखोपाध्याय केंद्रीय श्रमायुक्त (कें०) धनवाद 9-12-77 40. एस०एन० द्विवेदी एल०श्रो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कानपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बंगलीर 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मृलयन्वानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्टा सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० नायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) बंग्बई 1-7-79	
31. एस०एस० मृन्द्रा सहायक श्रमायुक्त (कें) जवलपुर 11-6-77 32. पी० राजरत्मम श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) विजयनाइ 11-6-77 33. कें०कें० अहलूवालिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें) वरेली 11-6-77 34. पी०डी० पांडे एस०मो० (सी०पी०) सी०श्रो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायषे सहायक श्रमायुक्त (कें०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. बी० सुन्दरेसन केंद्रीय श्रमायुक्त (कें०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०श्रो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 हाल्पीटल, फर्न्न दिल्ली 38. टी० वेंक्टेशन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मृखोपाध्याय केंद्रीय धनायुक्त (कें०) धनवाध 9-12-77 40. एस०एन० दिवेदी एल०श्रो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कानपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) श्रेगलीर 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मृलक्नवानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) भोपाल 22-2-79 44. रिकन्द्र पुष्टा सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० नायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) श्रे०जी०एफ० 3-6-79 46. एन०के०जे० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) श्रम्बई 1-7-79	
32. पी० राजरत्म अम प्रवर्तन अधिकारी (कि०) विजयवाड़ा 11-6-77 33. के०के० अहलूवालिया अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बरेली 11-6-77 34. बी०डी० पांडे एल०मो० (सी०पी०) सी०भो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायवे सहायक अमायुक्त (के०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. बी० सुन्दरेसन केलीय अमायुक्त (के०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०मो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एस० 11-6-77 हास्पीटल, भई दिल्ली 38. टी० वेंक्टेणन अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मृखोपाध्याय केलीय अमायुक्त (के०) धनवाद 9-12-77 40. एस०एन० द्विवेदी एल०मो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कानपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) धंगलीर 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मृलक्वावी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिक्ट पुल्ख सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 45. सी०एन०एस० नायर अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) के०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जे० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) के०जी०एफ० 3-6-79	
33. के०के० अहलूवालिया 34. षी०डी० पांडे एल०भो० (सी०पी०) सी०भो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायवे सहायक अमायुक्त (के०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. षी० सुन्दरेसन कीतीय अमायुक्त (के०) कानपुर 11-6-77 उत. एम०सी० सारंगी एल०भो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० हास्पीटल, भई दिल्ली 38. टी० वेंक्टेणन अम प्रवर्तत अधिकारी (के०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मुखोपाध्याय क्षेत्रीय अमायुक्त (के०) धनवाय 9-12-77 40. एस०एन० द्विवेदी एल०भो० (सी०पी०) आर्डनेंस फ्रेक्टरी, कानपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोतफ अम प्रवर्ता अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव अम प्रवर्ता अधिकारी (के०) क्ष्वीर 18-7-78 43. एच०सी० मूलयन्वानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोषाक 22-2-79 44. रिकन्द्र पुष्पक्ष सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर अम प्रवर्ता अधिकारी (के०) बन्बई 1-7-79	
34. बी०डी० पांडे एल०मो० (सी०पी०) सी०मो० डी०, दिल्ली केन्ट 11-6-77 35. एम०टी० सायदे सहायक श्रमायुक्त (के०), चन्द्रपुर 11-6-77 36. बी० सुन्दरेसन शेतीय श्रमायुक्त (के०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०मो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एस० 11-6-77 हास्पीटल, फर्न दिल्ली 38. टी० वेंक्टेशन भ्रम प्रवर्तस अधिकारी (के०) सेवा निवृत्त 9-12-77 39. एस०के० मुखोपाध्याय केतीय श्रमायुक्त (के०) धनवाद 9-12-77 40. एस०एस० दिवेदी एल०मो० (सी०पी०) आर्डेनेंस फॅक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तस अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तस अधिकारी (के०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलक्वानी सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 44. रिवन्द्र पुष्टिश सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तस अधिकारी (के०) बंग्जी०एफ० 3-6-79 46. एस०के०जे० परमार श्रम प्रवर्तस अधिकारी (के०) ब्रम्चई 1-7-79	
11-6-77 36. बी० सुन्दरेसन केतीय श्रमायुक्त (के०), चन्द्रपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०ग्नो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 हास्पीटल, भई दिल्ली 38. टी० वेंक्टेणन श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मृखोपाध्याय केतीय श्रमायुक्त (के०) धनवाध 9-12-77 40. एस०एस० द्विवेदी एल०ग्नो० (सी०पी०) आर्डनेंस फैक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) इन्वौर 18-7-78 43. एच०सी० मृलयन्वानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोगाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बंग्लई 1-7-79	
36. बी० सुन्दरेसन केलीय श्रमायुक्त (के०) कानपुर 11-6-77 37. एस०सी० सारंगी एल०ग्रो० (सी०पी०) डा० आर०एम० एल० 11-6-77 हास्पीटल, ५६ दिल्ली 38. टी० वेंबटेणन भग प्रवर्त अधिकारी (के०) सेवा निवृत्त 29-8-77 39. एस०के० मुखोपाध्याय केलीय श्रमायुक्त (के०) धनवाद 9-12-77 40. एस०ए५० द्विवेदी एल०ग्रो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ श्रम प्रवर्त अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्त अधिकारी (के०) इन्वरेर 18-7-78 43. एच०सी० मूलबन्वानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुज्यक सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बंग्जई 1-7-79	
हास्पीटल, भई दिल्ली 38. टी० वेंक्टेशन भग प्रवर्तः अधिकारी (कें०) सेवा निवृत्तः 29-8-77 39. एस०के० मृखोपाध्याय क्षेत्रीय ध्रमायुक्तः (कें०) ध्रमबाध 9-12-77 40. एस०ए५० द्विवेदी एल०मो० (सी०पी०) आर्डनेंस फैक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ ध्रम प्रवर्तः अधिकारी (कें०) ध्रंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव ध्रम प्रवर्तः अधिकारी (कें०) ध्रन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मृलयन्वानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर ध्रम प्रवर्तन अधिकारी (कें०) ध्रम्बई 1-7-79	
38. टी० बेंक्टेशन अम प्रवर्तत अधिकारी (कें०) सेवा निवृत्त 29-8-77 38. एख०के० मुखोपाध्याय क्षेत्रीय अमायुक्त (कें०) धनवाद 9-12-77 40. एस०ए४० द्विवेदी एल०फो० (सी०पी०) आईनेंस फॅक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ अम प्रवर्तत अधिकारी (कें०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव अम प्रवर्तत अधिकारी (कें०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलवन्दानी सहायक श्रमायुक्त (कें०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (कें०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर श्रम प्रवर्तत अधिकारी (कें०) बेंच्जिं 1-7-79	
39. एस०के० मुखोपाध्याय क्षेत्रीय क्षमायुक्त (के०) धनवाद 9-12-77 40. एस०ए४० द्विवेदी एल०ग्रो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ क्षम प्रवर्तंग अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव क्षम प्रवर्तंग अधिकारी (के०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलयन्दानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तंग अधिकारी (के०) बंग्जि०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जै० परमार श्रम प्रवर्तंग अधिकारी (के०) बन्बई 1-7-79	
40. एस०एस० द्विवेदी एल०मो० (सी०पी०) आर्डनेंस फॅक्टरी, कामपुर 9-12-77 41. एम०सी० जोउफ अम प्रवर्तस अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव अम प्रवर्तस अधिकारी (के०) इन्वौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलसन्वानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर अम प्रवर्तस अधिकारी (के०) बे०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जै० परमार अम प्रवर्तस अधिकारी (के०) बम्बई 1-7-79	
41. एम०सी० जो उफ अम प्रवर्तग अधिकारी (के०) बंगलार 1-7-78 42. जी०सी० श्रीवास्तव अम प्रवर्तग अधिकारी (के०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलअन्दानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पं सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० नायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बे॰जी०एफ० 3-6-79 46. एन०के०जै० परमार अम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बम्बई 1-7-79	
42. जी०सी० श्रीवास्तव श्रम प्रवर्तग अधिकारी (के०) इन्दौर 18-7-78 43. एच०सी० मूलयन्दानी सहायक श्रमायुक्त (के०) भोपाल 22-2-79 44. रिवन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (के०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) के०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०के०जै० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बम्बई 1-7-79	
43. एच०सी० मूल बन्दानी सहायक श्रमायुक्त (कें.०) भोपाल 22-2-79 44. रिबन्द्र पुष्पध सहायक श्रमायुक्त (कें.०) पुने 3-6-79 45. सी०एन०एस० मायर श्रम प्रवर्तम अधिकारी (कें.०) कें.०जी०एफ० 3-6-79 46. एम०कें.०जै० परमार श्रम प्रवर्तम अधिकारी (कें.०) बम्बर्ध 1-7-79	
44. रिबन्द्र पुष्पंध सहायक श्रमा गुक्त (कें०) पुने 3~6~79 45. सी०एम०एस० मायर श्रम प्रवर्तम अधिकारी (के०) के॰जी०एफ० 3~6~79 46. एम०के॰जै॰ परमार श्रम प्रवर्तम अधिकारी (के०) बम्बर्ध 1~7~79	
45. सी॰एन॰एस॰ मायर अमे प्रकर्तत अधिकारी (के॰) के॰जी॰एफ॰ 3-6-79 46. एम॰के॰जै॰ परमार अमे प्रवर्तत अधिकारी (के॰) बम्बई 1-7-79	
 एम०के०जै० परमार श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०) बम्बई 1-7-79 	
। ৪. एच०डी० हासुरकर अम प्रवर्तत अधिकारी (के०), सेवा निवृत्त 25-4-81	
49. पी॰के॰ गोण्डाने अस प्रवर्तत अधिकारी (के॰), पुने 17-5-81	
उपर्युक्त मौलिक नियुक्तियां संघ लोग सेवा आयोग के पत्न सं० एफ० 12/27(5)/85-ए०यू०IV दिनांक, 11 दिसंब	बर, 198

उपर्युक्त मौलिक नियुक्तियों संघ लोग सेवा आयोग के पत्न सं० एफ० 12/27(5)/85-ए०यू०IV दिनांक, 11 दिसंबर, 1985 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से की गई हैं।

नव नाल, प्रशासिमक अधिकारी

इस्पात, खान भीर कोयला मंत्रालय (खान विमाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनौक 17 विसम्बर 1985

सं 12112-बी/ए-32013(प्रव्यधिव)/85- 19ए-पारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक बंक्षण के निम्नलिखित श्रद्योक्षकों को प्रशासनिक श्रिधकारी रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-व्रो०35-810-35-880-40-1000-द्रवरोठ-40-1200/ के बेतनमान के बेतन पर, श्रस्थायी समक्षा में श्रागामी मादेश होने तक, प्रत्येक के सामने वर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

भ॰सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
	1. श्री पी० बी० चक्रवर्ती	15-11-85 (यूर्वाह्न)
	2. कुमारी मीरा राय	18-11-85 (पूर्वीहा)

विनौक 18 विशस्त्रर 1985

एं॰ 12126-जी/ए-19012 (एम॰मार०प्रार०)/85। 19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक श्री एम०श्रार० रंगाचारी की प्रतातिक श्रिधितारों के रूप में उसी विमाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 रू० के वेसनमान के वेसन पर श्रस्थायी क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होंगे तक, 31-10-1985 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 12142-बीं।ए-32013 (प्रणाप्तिक प्रधिकारी) / 84/19ए--भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेक्षक, मारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रधाक्षक श्री एम० गणपति राव की प्रणाप्तिक प्रधिकारों के रूप में उसी विभाग में यमानुसार-650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, प्रस्थायी क्षमता में प्रागामी खादेश होने तक 24-10→ ∞ के प्रविद्ध से पदीक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनौक 19 दिसम्बर 1985

सं 1217 विं।ए-32013 (ब-खनि वि (बरिष्ठ), 85-19ए--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित खनिजविज्ञानियों (बरिष्ट) की खनिज विज्ञानियों (बरिष्ट) की खनिज विज्ञानियों (बरिष्ट) के खनिज विज्ञानियों (बरिष्ट) के खनिज विज्ञानियों (बरिष्ट) के खनिज विज्ञानियों (बरिष्ट) के खनिज विज्ञानियों विभाग में नियमानुरत्तर 1100-50-1600 के जेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में मागामी मावेज होने तक प्रत्येक के सामने द्यादि गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

च॰सं॰ नाम	नियुक्तिकी तिथि
1. डा॰ दिलीप कुमार	नाग 3101985 (पुत्रीह्म)
2. डा० देव कुमार सेन	3-10-1985 (पूर्वाह्म)

सं 1216 थि। ए-31013 | प्रबंध का | 85-19ए--राष्ट्रपति जी श्री के वे गुहा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रबंधक के पद की पुष्टि दिनौंक 31-7-82 से कर रहे हैं।

दिनौक 20 दिसम्बर 1985

सं 12196 मी/ए-19012 (3-जी० एच०) /83-19 मी - भारतीय भूव ज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (कनिष्ठ) भी गेविन्द हलदर को 21-6-85 (प्रयराह्र) से त्यागनज्ञ पर मुक्त किया गया।

दिनौक 23 दिसम्बर 1985

सं० 2220नी/ए-32013 (प्र०मधि०)/85-19ए-भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूषैगानिक सर्वेक्षण के निम्निखिलत प्रधीक्षकों की प्रशासनिक
पश्चिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार-65030-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000- द०

रोज-40-1200/ रूज के नेरातान के जेतन गर. प्रथायो क्षमता में, आगामो आदेश होते तक अन्त्रेक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

ऋ०सं०	ना	म	- 		नियुक्ति की तारीख
1.	શ્રી	सी०	म्रार०	चटर्जी	29-10-85 (पूर्वाह्म)
2.	श्री	क्षी०	एम॰	मंडल	4-11-85 (पूर्वाह्म)
				,	मित कुमारो निदेशक (कार्मिक)

सूचना भौर प्रसारग मत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई 400026, दिनां ह 16 दिसम्बर 1985

सं० ए-32014/1/84-प्रार०सो०--मुखा निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्रो एव० पो० श्रोवास्तव, स्थानाम् रिका- हिस्ट, फिल्म प्रभाग, बम्बई को उसी कार्यालय में. तदर्थ पाधार पर दिनौक 1-10-1985 के पूर्वाह्म से प्रमाला पादेश होने तक रूपये 840-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में मुख्य रिकाडिस्ट के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एत० एन० धार्मा प्रणातिक प्रधिकारी कृते मुख्य निर्मीता

कृषि मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरोक्षण निदेशालय फरीदाबाव, दिनौरु 24 दिसम्बर 1985

सं० ए० 19023/5/83-प्र० III--इस निदेशालय के विपणन प्रधिकारी श्री शालिग राप्त गुक्ल का दिनौक 30-11-85 को फरीराबाद में निधन हो गया है।

ज० कुःगा^र निदेगक प्रशासन **इते कृषि बि**तगन सलाहनार भारत सरकार

परमाणु कर्जा विभाग म्यूक्लियर विद्युत बोर्ड मम्बर्द-5, दिनांक 19 दिसम्बर 1985

सं० एत० गी० बीं०/3 (236)/85-स्थापना 11670--निदेशक (ग्रभियांत्रिकी) न्य्कियर विश्वत बोर्ड यम्बर्ड, इस बोर्ड के निम्नलिक्तित कर्मचारियों को प्रगस्त 1, 1985 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए इसी डैं में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी अभियंता ग्रेड एसं० बी०" नियुक्त करते हैं:--

स्या नाम	व्रतमान ग्रेड
नेष दास	वैज्ञानिक सहायक "सी" (स्थायी वैज्ञानिक सहायक "बी")
श्री एम० एल० डोंगरा	फोरमैन (स्थापी सहायक सु रक्षा ग्रा धि कारी)

टी॰ एस॰ भसवाल सामान्य प्रशासन श्रधिकारी कृते निदेशक (भनियोक्तिको)

राजस्थान परमाणु बिजली घर अणुशक्ति, दिनौंक 23 दिसम्बर 1985

सं० रागिवव/मर्ती/3 (2)/85/स्था०/124-दिनीक 1-11-1985---राजस्थान परमाणु बिजली घर के मुख्य प्रद्यक्षिक, इस बिजली घर के निजन कर्मचारियों को उनके साम के आने दिश्वत तिथियों के पूर्वाह्म से प्रागामी प्रादेश तक प्रस्थाई तौर पर वैज्ञानिक प्रधिकारी "एम०बी०" पद परस्थानायन्न

कप से नियुक्त करते हैं:-

क∘सं∘	ध्रधिकारी का	नाम वर्तमान पद	नियुक्ति की सारीख
1. श्री	शम्भू दयाल	वैज्ञानिक सहायक ''सी''	1-2-1985
2. ধ্রী	एम॰एम॰ गुप्ता	वैज्ञानिक सहायक "सी"	1-2-1985
3. গী	एस०मार० पटेल	वैशातिक सहायक "सी"	1-2-1985
4. श्री	के॰ एल॰ गुप्ता	फो(रमेन	1-8-1985
5 भी	पी० एन० गोयल	वैशानिक सहायक "सी"	1-8-1985

उपरोक्त मधिकारियों ने वैज्ञानिक ग्रधिकारी/एस०बी० के पद का भार उनके नाम के ग्रागे विश्वित तिथि के पूर्वी ह्या संभाज लिया।

> बी० जी० कुल रुणीं प्रशासन प्रश्विकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं

बभ्बई-400008, दिनांक 23 दिसम्बर 1985

संदर्भ 05012/भ/3/4914—भारी पानी परियोजनामीं के प्रधान पार्य कारी, श्री नवल कियोर नागर की भारी पानी परियोजना (कोटा) में 29 नवश्वर, 1985 (अपराह्म) से भागे आदेश होने तक के लिए अस्थायी कार में स्थानान श्री-वार्य कार्ना करने हैं।

सदर्भ 05012। मा 7। 4915—आरी पानी परियोजनामों के प्रधान कार्यकारी, श्री महाराजा जिल्लाई मधुसूदनन, रिए-कटर अनुसंधान केन्द्र, कलाक हम् के प्रवर श्रेणी लिकिक को भारी पानी परियोजना (मनुगुरु) में 14 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप में स्थानायन सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं

श्रीमती कें पी० कल्यागीकुट्टी प्रणातन पश्चिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

सं० ए-32014/5/84-ई०सी०--महानिदेशक नागर विमानन, श्री शार० डी० राम, संचार सहायक को (फिलहास सहायक संचार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर कार्यरत) 16-7-85 से श्रीर अगले श्रादेश होने तक 650-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक संचार प्रधिकारी के पेड में नियुक्त केरते हैं.

बी० जयचन्त्रन उप निदेशक प्रणासन

विदेश संवारसेया

बम्बई, दिनौंक दिसम्बर 1985

स० 1/566-स्था०--विदेश संचार सेवा के महातिदेशक एतद्बारा वस्त्रई शाखा के पर्यवेजकों सर्वेश्री श्रार०एन० भीट श्रोर पो० डी० एम० ए० एक्का को उसी शाखा मैं सदनुसार स्थानानन रूप में 18 मार्च, 1985 धीर 21 मार्च, 1985 पूर्वाह्म से प्रभावी श्रोर श्रामानी श्रादेगों तक उप परियास प्रवन्धक नियुक्त किया है।

> र० का० ठकहर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

यन श्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनाँक 23 वित्तम्बर 1985

सं० 10/119/03 - स्था० -- 1-- नेशा निवृत्ति की श्रवीध पूरी हो जाने पर श्री बी०के० शर्ना, श्रनुसंदान श्रधिक ारी वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनौक 30-11-1985 के अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए हैं। जे० एन० सक्सेना कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थानएवं महाविद्यालय

संगठन ग्रीर प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय, सोमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मई दिल्ली-110008, दिनां: 17 दिसम्बर 1985 फा॰सं॰ 532/9/83-ग्रीएमएस--श्री **पण्डी प्र**साद, कार्यालय प्रधीक्षक, निरीक्षण महा-निदेशालय, सीमा ए**व** भेन्त्रीय उत्पादन शुल्क, मई दिल्ली जो कि इस निरेशालय कार्यालय अधीसक पद पर कार्यरत थे, में संगठन एवं अ . सेवाएं निरेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शृहक, नर्विल्ली में अपर सहायक निरेशाक के पद पर ि कि -12-1985 (पूर्वाह्म) से कार्यभार संभाल लिया

नरेन्द्र कुमार व. निवेधक, सं० एवं प्र० से० नि० सीमा एवं के० उ० ग० प्रकृष कार्ड , टी. एवं., एस्., अ - - -- -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-पूना पूरा, दिनोंक 11 नवन्त्रर, 1985

निवेश सं 0 37 इंडे 2021/85-86—अतः मुझे अनिल कुमार, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरिजि को संग्वंगलानंग 17, 3 को/1 श्री नम्ना, प्लाट मंग् 17, बालिय गाँव में लर्ग्यर्ह, जिला था ना है तथा (क्षेत्रफल 2605 ची० फूट) है, तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुस्की में श्रीर जो पूर्ण रूप से विगत है) रिनिस्ट्रीकर्ती श्रीकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त निरीक्षण, श्राजंन रेंज, पूना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमाम श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पासा बजा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा को लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) पंधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात :—— ?—416GI/85 मैं सर्स देशिया एंड एसोसिएट्स, कोर्सी विजय, सेवरी नाका, बम्बई।

(मग्तरक)

2. श्रीमती उमिला बेत, जयन्ती लाल को ठारी, श्रीर श्रन्य श्रक्षोक चेववर्ष, देवजी तत्तती मार्ग, दाता, बुन्दर, बस्बई।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के "कप् कार्यवाहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 4 4 5 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृथ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए वा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शां अश्व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/2021/85 86 जो जुलाई, 1985 को पश्चित्र स्नायकर स्नायुक्त निरीक्षण, धर्जन रैंज, पूना के दफ्तरमें जिल्ला गया है।

> ग्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रानैन रेंक, पूना

दिनौंक 8-11-1985 मोहर:

प्रकृत सार्व हो पुर पुर कार्यान

स्थाप स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुभना

शास्त्र ब्रुक्टर

आर्थाभय, सञ्चयक आयकार बाब्बल (विरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० राज०/पड़ा०/ग्रा० ग्रर्जन/2636--ग्रतः मुझै, मोहन सिंह,

बायकार शांधनियमं, 1961 (1961 का 43) (पिस्ते इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियमं कहा प्रथा हैं), की चार 269-स के नभीन सकाम प्रीचिकारी की वह विश्वास धारने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धा, विस्ता बीचस नावार सूच्य 1,00,000/- रा. से नीधका है

म्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, है जो तथा जोधपुर में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनौक 20 भग्रैल, 1985

को प्योंकत सम्बक्ति के उचित्र बाचार मून्य से का सी क्यमान तिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुखे मह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकाद से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण विचित्त में दोस्कीयक रूप से अधिक नहीं किया गया है

- (क) वर्ष्यरण से हुई किसी बाव की बाधत, कक्त अधिनियंश के अधीन कर दीने के वन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी बज या बज्ज बास्तियों को, जिल्हों प्रारतीय शाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत विधिनम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तिरिती ब्यास प्रकट नहीं किया नया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने को स्मीनका के किस।

कताः वन, उपत विभिन्निक भी नारा 269-नं नै वन्तरक मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री भगवानदात डोगरा, पुत द्रीवान चन्द श्राह्मण, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रसन्न चन्द बाफना पुत्र सुगनचन्द, निवासी 14 इण्डस्ट्रीयल एरिया, जीधपुर। (भग्जरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन् के जिए कार्यभाविमां करता हूं।

बन्द बंबीच के बर्बन के बंबेय में कोई भी भाषीए :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 रेवश की सर्वीध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अविध, यो जी सर्वीध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पृथानक व्यक्तियों में से सिहसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति कृतारा अभोहस्ताक्षरी के पार किसी का में किए जा सकेंगे।

ल्बर्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कन्दी और पदों का, वो अपहां अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

वन्स्यी

प्लाट नं. 1. भगतसागर कालोनी, जीधपूर जो उप पंजियक, जीधपूर द्वारा क्रम संख्या 1480 दिनांक 29-4-85 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरपित है।

> मोहन सह. सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

दिनकि 10-12-1985 मोहर: अरूप नार्डाः दौ ः एन_ः एस_{ः नारान} नार

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यामन, सङ्घायक भागकार नागुनत (निर्दाक्षण)

मर्जन रैज, जबपुर

जयपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश संख्या राज०/सहा० भा० भर्जन/2637—भतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनिश्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनक क्यान उपना अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,,00,000/- र . के अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या युकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विष्या है), रजिस्ट्रीवर्ता भिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, सारीख । भन्नेल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान अतिरक्षम के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह निक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य , उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बीड कस्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय गया गया प्रतिफल , निम्नितिसित उद्वेषय से उचत अन्तरण सिचित में अस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अंतरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या इससे अचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती वृवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तिमों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती लीला पत्नी श्री गोपालदास सिधी खत्नी ध्यास जी का नौहरा, जालोरी गैंट के बाहर, जोधपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केलागवती पत्नी श्री रामेश्यर दास अग्रवाल सेकिन्डरोड़, सरदारपरा, जोधपूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी अविदया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाछ सिकित में किए जा सकोंगी।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

मन्स्ची

एक दुकान स्थित नाना हाउस, स्टेशन रोड़ जोधपुर मय छत के व दूसरी दुकान की छत जो उप पंजियक, जोधपर द्वारा कम संख्या 1078 दिनांक 1-4-85 पर पंजीबब विकय पन्न में भीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन जिह सक्षम गतिकारी स**हा**मक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, जयपूर

तारीख: 10-12-1985

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के बधीम सूचना

भारत सरकार

कार्थांसय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांज 10 दिसम्बर, 1985

मिदेश सं० राजः ०/सहा ० श्राजंन/ 2638 --- मतः मुझे, मोहत सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात 'उन्त वभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित वाजार नृस्त, 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० व्लाट नं० 5,3 है, जो जयपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबन अनुसुची में भीर जो पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्री की लायां ज्यापुर में रिजस्ट्री करायां विमान प्रिमित्र में रिजस्ट्री करायां विमान प्रिमित्र में रिजस्ट्री करायां विमान प्रिमित्र में रिजस्ट्री करायां विमान विमान प्रिमित्र में रिजस्ट्री करायां विमान विमान विमान विमान विभाग 23 मजैस, 1985

- (क) अम्झरण के हुन्दं िन्ही बाद की गावस, उक्स व्यक्तियम के सभीन कर दोने के अन्तरण के व्यक्तिय को कभी करने या उबसे तथने के दृष्णि। के शिक्ष्य; बीस् /का
- (क) एसी किसी जाव का किसी भन या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या चन-कर जिनियम, या चन-कर जिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वी व्वारा प्रकट नहीं किया पना वा वा वा किया वाना वाहिए वा, कियान के स्विधा के लिए;

बत्ध वर, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण के, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री इःबाल श्रहनद, पुत्र श्री योख मोहम्भद, ईस निवासी 2545, गेट, हवसखां, देहली।

(भन्तर#)

 श्री प्रवीण कुमार एवं प्रदीप कुमार, निवासी 357 भोमियों की गली गोपाल जी का रास्ता, ज्यपुर।

(भग्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाओप ट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से .45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पार किसिक में किए जा सकें में:

स्पट्टीकरण :-- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, का उनुस् अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।आर्थिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

प्रनुम्ची

व्हाट नं 5/3, स्थित , गोथिन्द मार्ग, भार्दण नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर क्षारा, कम सख्या 1131, दिनांक 23-4-1985 पर पंजिबा विकय पन में भीर विस्तृत रूप है विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक्र) बजन रॉज, जयपुर

दिनौक 10 दिसम्बर, 1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज, जयपुर

चयपुर, दिनोक 10 दिसम्बर, 1985

भिदेश सं॰ राज॰/उहा॰आ॰ अर्जभ/2639—अतः मुझे, मोहा सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदशस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धीर जिउकी सं० मकान सम्भत्ति है धया जो अजमेर में स्थित है (मीर इससे उपाबद अनुसूची में घीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजिट्टीवर्ता अधिकारी के कार्याक्ष्य, अजमेर में रिजिट्टीवरण अधिवियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीम दिनांक अर्थेल, 1985

को प्रांधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोक्षित उद्देष्ट से उक्त अन्तरण लिखिश में बाखिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत छक्त अधिनयम् को भधीन कर वन्ने के अस्तुरक व द्यायस्य में कमी करने या उत्तवे वभने में स्विधा के चिस्; श्रीड√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तिको को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया धना या किया बाना वाहिए वा क्रियाने ये सर्विका से सिए;

 श्री उदयभान सिंह, सिविल लाइन्स, अजमेर।

(अन्तरक)

2. श्री आर० के० अग्रवाल, ए० एम० सी० नं०, 1135/28, अद्यं भगर, अजमेर।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के मर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 4--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी खं रें 45 दिन की अवधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीत वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकर्य।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वा उन्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया हैं।

धन्स्ची

मंकाम सम्पत्ति है रियत ए० एम० सी० 1135/28 आदर्श मगरः अजभेर जो उप पंजियक, अजभेर द्वारा, कम संख्या 768, दिशांक 4-4-1985 पर पंजियक विकय पत्र में भीर विस्तत रूप से विवरणित है।

भोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जतः जब, उक्त अधिनिगम की धारा 269-ण की अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारी (1) को अधीन, निम्ननिधित स्वित्वकों के अधीत् ----

क्तीक 10 दिस म्बर, 1985 मो**हर**ः

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिमोक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जम/2640—अतः मुझे, मोह्म सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

पौर जिसकी सं० मकाम सम्पत्ति है, जो अजमेर में रिवश है (पौर इससे उपायद अनुसूची में पौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजल्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजल्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अप्रैल, 1985

को पृथिक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल क लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पासा गया बितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण सिकित में शास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंदरक से हुए किसी बाय की शायत, उक्त किया वियम को अभीत कर दोने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या सससे अवने में सुविधा के लिए; बॉर∕या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के खिए;

कतः अव, उक्त नोधनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

 श्री सत्य नारायण गर्ग पुत्र श्री रामगोपाल गर्ग (अग्रवाल) निवासी पट्टी कटला, अजभेर।

(अन्तरक)

श्री बहायेव सिंह चौहाम,
 असिस्टैन्ट कमाम्डेन्ट, सी० आर० पी० एफ०,
 माजम्ट आसू ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया है।

यन्त्रुची

मकाम सम्पत्ति, जी-47 आनासागर सर्कुलर रोड, स्कीम अजभेर जो उप पंजियक, अजभेर द्वारा, कम संख्या 975 दिनांक 19-4-1985 पर पंजिबद्ध विकय पद्ध में भीर विस्तत कप से विवरणित है।

> मोहन सिंह पक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर सायुक्त (भिरीक्षण) श्रुजंग रेंज, जयपुर

दिनोक 10 विसम्बर, 1985 मोहर: सक्तम शाहं. टी. एम. एस.

बाएकत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

🕟 🖖 जयपुर, विश्रोक 10 विसम्बर, 1985

मिवेश सं॰ राज॰/सहा॰आ॰ अर्जम/2641—अतः मुझे मोहन सिंह,

भायकार निभिन्दम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से सिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-5 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (मीर इस्मे उपायद्ध अनुसूची में मीर जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 अप्रैल

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है ——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (च) ऐसी किसी बाव वा किसी भन वा बच्च आस्तिको की विनहीं भारतीय बायक र बिधिनियम, 1922 (1927 का ११) या उन्तर अधिनियम, या वाकार विधिनियम, या वाकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अध्वरितियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अध्वरिति वृतास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

भतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2---

- श्री बलदेव उिंह पुत प्रताप जिंह, खिख, भिवासी 441, पेजवर्ड एएड, एएड मगर, चन्डीगढ़, मुखायार आम श्री प्रेम/खिंह, पुत प्रधाप खिंह, ब श्रीमती हरप्रीतंकीर भिवासी चन्डीगढ़। (अन्तरक)
- भी सुरेशश्रुमार व श्री कियात चन्द पुत्र श्री जय चन्द राई सित्री, द्वारा, मोती मैकिकल स्टोर्स, सागानर। (अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक के पर सकेंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रत्वेत भव्यों और पर्यों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है!

वन्स्यी

ब्लाट नं. ए-5. जमनालाल बजाज, मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप वंजियक, जयपुर द्वारा, ऋम संख्या 923, विनाक 2 अप्रैल, 1985 पर वंजिबद्ध विकय पद्म में, भीर विस्तृत कप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जार्रु

विनोत 10 विसम्बर, 1988 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस:-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

भिवेश सं० राज० सहा० आ० अर्जन/2642—अतः मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिल्ला सं० फा.ट नं० 300 है, जो अजमेर में स्थित है (मार इसने उपायद्ध अनुसूची में म्रीर जो पूर्ण कप से वर्णित है) रिजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजमेर में रिजिल्ट्रीकरण मंघितियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीत दिलांक 22 अनैल, 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ईशावर चन्द अग्रवाल पुत्र श्री सरवनारायण, लिंक रोड, अजमेर।

(अरारक)

2. श्री गोर्जन दास पुत्र श्री नानिकराम,
श्री गोविन्द राम पुत्र श्री गोर्जन दास,
श्री मोहन दास पुत्र श्री गोर्जन दास,
300, आमा सागर, सर्कुलर रोड, स्कीम,
अजभेर।

(असिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाट तं० 300, आसा सागर सकुंलर रोड स्कीम, ब अजभेर, जो उप पंजियक अजभेर द्वारा ऋम संख्या 996, दिनोक 22-4-1985 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भीर विस्तु स रूप से विवरणिध है।

> मोहत सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, अयपुर

विजोक 10-12-1985 मोहर:

प्रकृष भार्⁴. टॉ. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

आयं लय, सहायक मायकर नाय्क्स (निरीक्षण)

ब्रर्जन रज, ज**क्**पुर

जयपुर, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देण सं० राज्ञज्याहा० ग्रा० ग्रजैः/2643→न्यतः मृक्षे मोष्ठन सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं पि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में रिजस्ट्रीवरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां क 8 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्दे हैं और क्ष्मेयह विवयास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, उश्वकों कायमाव

कि यथा प्रॉक्त सम्पत्ति का उत्तित बाधार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिसद्ध से बीधक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उत्तिय से उत्तर उन्तरण निस्तित में गास्तिक रूप में कवित पहीं किया गया हैं:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व को कभी अरने या उससे सकने में सुविधा के किया अधिका
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आहितकों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 192? (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट पहीं फिथा गया भा वा किया जाना चाहिए था, चिनाने में स्विधा के लिए:

जता: कब, उथता अभिनियम की धारा 269-म के अनुवरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत: जिस्तिसिक स्वयितकों, अर्थात :——

 भी दुर्जन पुत्र सोनी माली. निवासी मनाह दरवाजा, जोधपुर ।

(धन्तरमः)

- 2 (1) श्री राधा मृष्ण पुत्र श्री जयदयाल पंजाबी, निवासी बुद्ध की हाट, भरतपुर।
 - (2) श्री सतीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री श्यामलाल गुप्ता तिवासी-मैगोर तह० कुम्हेर।

- (3) श्री नग्पत सिंह पुत्र श्री चरवन निवासी--ग्राम दोहण्या तह० रूपवास, भरतपुर।
- (4) श्री कान्त शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी--प्राम बहनेरा तहु० व जिला भरतपुर।
- (5) श्रीमती बीता खत्री धर्मपत्ती सुभाष **चन्द** तिवासी श्रताहगेट, भग्तपुर ।
- (6) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मंघराज पंजाबी, विचासी-मानाहंगेट. भरतपुर ।
- (7) श्री अर्जुन सिंह, निवासी-श्रनाहर्गट, भरतपुर ।
- (8) श्री चन्द्र प्रकाण पुत्र वासुदेव प्रसाद सुनार. निघासी-लक्ष्मण मन्दिर, भरतपुर।
- () श्री सत्य भाग सिंह, धावड निवासी-लमारा कर्ना, तह० वयाना, भरतपुर ।
- (10) श्री . बंसीलाय पुत्र श्री पीतम सिंह जाट ियासी-ग्राम पाला तहरु कुम्हेर ।
- िषासी-साम पाला तहर कुम्हेर । (11) श्री सुगन्द सिंह पुत्र श्री कमला सिंह जाट, निषासी-कषण तहर नदवई जिलार भरतपुर ।
- (12) श्री गोथिन्द मिंह पुत्र श्री जीत सिंह निषासी—नाकपुर, तहु० कुम्हेर, जिला भरतपुर।
- (13) श्री राम जी लाल पुत्र श्री बाबू सिंह यादबः निवासी-गांच पीर नगर, जिला० भरतपुर ।
- (14) श्री बदर्शमिह पुत्र कजोरी जाट, विद्यामी गोलबागर रोड, भरतपुर। (धन्तरिती)

को यह स्थल बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को बर्बन 💐 सिष्ट् कार्बनाडियां करता हो।

उन्त संपति के क्वन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इत सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच थें 45 दिन की जबिंध या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीन से 30-दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकतें ।

स्वक्यकिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उबत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित बहुं। अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया ग्राह मवा है।

श्रनुसूची

जभीत खमरा नं० 97, चेक नं० 1, एक बीधा 15 बिल्था, को उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 544, दिसांक 8 भन्नेल, 1985 पर पंजियद विकय एवं में और किस्तृत रूप है विवर्गित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जक्पुर

विमांक : 10-12-1985

मोहर:

3-416GI/85

प्रस्त्र व्याद् , द्री , एन , एस , -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 10 दिसन्तर 1985

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० धर्जन/2644~--अतः मुझे, मोहन सिंह,

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जिन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिनत बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो भरतपुर में प्यित है (और इससे जनाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विधित है) रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय शरतपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक 19 मंत्रेल, 1985

मा पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के द्रायमान प्रतिफल की लिए अल्लिटिन की गई है और गुळे यह निष्ठवास करने का कारण है कि यथापूर्विकत समाति का उचित बाजार ब्रुच्च, उसके द्रायमान प्रतिफल में, एते प्रध्ययान प्रतिकल का केंद्र प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिवर्ते) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तथ गाया गया प्रतिकल, निम्तितिवित उद्वर्ष्य से उद्या अन्तर्थ जिल्ला विविद्या में बाक्तिकल, निम्तितिवत उद्वर्ष्य से उद्या अन्तर्थ जिल्ला विविद्या में बाक्तिकल क्ष्म के अधिक प्रतिक्रित विविद्या है उन्तर्थ में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिस्य में अधी करने या उत्तरो उपने में स्पिधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय का किसी थन या अन्य आरितयां को जिन्हों भारतीय आयलार अभिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धार-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्नारिटी अपन प्राप्त अपन अभिनियम, 1055 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्नारिटी अपन प्राप्त अपन अभिनियम (1958) के प्रयोजनार्थ कर्नारिटी अपन प्राप्त अपन अभिनियम (1958) के सिए;

अतः अव, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की ल्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---- श्री मान सिंह पुत्र निरिधाण सिंह नाई, निषासी—वाना भोटल, भरतपुर ।

(भन्तरक)

2 श्री श्यामलाल अभिती रेशमी देवी, श्रीमती मंजुदेवी, श्रीमती किरणदेवी, श्रीमती माया दवी, श्रीमती सीतादेवी श्री मंजूराम श्री राजकुमार एवं श्री बद्री प्रसाव निवासी शरतपुर । (पनतरिती)

का यह सूचना जारी करते प्रतिक संस्थित के अवन क लिए कार्याहिए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मी कांड़ों भी आक्षीप :----

- (क) इस सूचना क राजपत्र माँ प्रकाशन की सारील सं 45 दिन की अवाँध या तरगण्यत्था व्यक्तिकां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविचि, यो भी अविध बाद माँ समाप्ट झांडी हो, के भीतर पूर्वोक्त महिल्लामाँ में न निर्मा ध्वादिश देवादा;
- (म) इस स्पता क राज्यक मो प्रकाशन की सारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त क्यान अम्परित में क्रियक्ष किसी अस्य अनुवास क्यान अपहिस्ताक्षरी के पाव निधित में किस् का संकोंने ।

न्यस्थायक्याः—इसमी प्रयुक्त कथ्यो और पद्यों का, भी उपस् श्रीधिनियम की अध्याय 20 क मी परिकारिका ही, बच्ची अर्थ होगा जो उस अध्यास मी विवार स्कारी

सक्रम की

खसरा नं० 3019, की 11 बीघा 15 विस्था, जमीन का छठा हिस्सा, चेक नं० 3, भरतपुर, जो उप पंजियकभरतपुर बारा, कम संख्या 620, दिनांक 19-4-1985 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विधरणिस है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रॉज, जयपूर

विनोक 10 दिसम्बर 1985 मोहर:

प्ररूप आई. ा. एन. एस. -----

क्षायकर नाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निर्पक्षिण) श्राजैन रोज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रर्जाः/ 2645---श्रतः मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उवत अधिनियम' अहा गया है), की भारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी एं० जमीन है, तथा जो भातपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भरतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत विनांक 6 श्रवीत 1985

को पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही जोर मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पृत्रक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसि दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही अपि अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) यो सन्तरिक कारण कारण कि कारण के तर्मिक कम, निम्मानिक्तित एस्टिंग स्वार्थ कारण कि किया से तर्मिक

- (क) अन्तरण स क्षुद्ध जिल्ली आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कभी करन या उसस बचने मा सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

- श्रीमती बुद्धा पति, श्री भोगीराम.
 निद्यासी नागला. लीटा तर्० व जिला भरतपुर।
 (प्रन्तरक)
- 2 (1) श्री विभुवत नाय पुत्र श्री राम बाबू कायन्थ द्वारा सरकारी श्रस्तताल, भरतपुर।
 - (2) श्री पुरुषोत्तम लाल पुत्र श्री किशनलाल निवासी मी० गोपालगढ़, भरतपूर।
 - (3) श्रीमती सुषमा परित श्री सुरेशचन्द भारद्वाज निवासी मंडीरामदाम, मथुरा (यू०पी०)
 - (4) श्री एव मकात पुत्र को मोक्री जाट ।तिवासी मोक्राल गढ़, भरतपुर ।

- (5) श्री रामचरण सिंह पुत्र श्री टलराम सिंह जाट विधानी लग्न भैनोर, तह० कुम्हेर।
- (७) श्रो गिरियाण कियार समीपुत्र श्री टीकमराम समी मी० बामगोट, भरतपुर ।
- (७) भो आरायणदास पुत्र चूह्छमल सिधी, निदानी भयुरागेट, भरतपुर।
- (8) श्रीनती कृत्मनी देशी पत्नी श्री राम भरोसी लाल भीणा, निवासी नीमदागेट, भरतपुर ।
- (9) श्री शिषधत पुत्र शुभेरा राम जाटम, निवासी नदबई जिला भरतपुर।
- (10) श्रीमती राजा दुवे परित श्री सुरेग्शचन्द दूवे, द्वारा शिश्वित गुज्यर, जिला भरतपुर ।
- (11) श्रीन (1 वानानी देशी पत्नी श्री महेन्द्रशुमार खन्नी चिनानी गंगा मंदिर, भरतपुर।
- (12) भी नन्द्र मोखर पुत्र रामजीकाक जाट, द्वारा राजस्थान जिल्लामिन, भरतपुर।
- (13) श्री णेखरपद्म पुत्र मनीहर लाल राजपूत विवामी बुद्धकी हाट, भरतपुर।
- (14) श्री देवन्द्र शुनार पुत्र श्री शंभु दयाल कुलश्रेष्ठ, नां अजीवानात, लक्ष्मण मंदिर, भरतपुर।
- (15) श्री पुरे । दुवार पुत्र श्री **छीतरमल वैष्य,** भित्राती भारी वार वाग, भरतपुर।
- (16) श्रीमारि विश्मला देशी धनी श्री राम बाबू वैश्य, विशासी भारतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के शंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औं अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इत सूचना वा राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हे 45 दिन के भीतर उपकत स्थावर सम्मत्ति में दिलक्ष्म किसी अन्य स्थायत दुवारा, अभोहस्ताकरी के बाह्र किखित में किथे जा सकारी।

स्वध्दीकरण:--इसमे अयुक्त शब्दों और वदों का जो उन्ना अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, वहीं अथे होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रनुसूची

1 बीधा 15 विष्या थि भूमि खसरा नं 1726 वक नं 3, भरतपुर जो उप पंजियक, भरतपुर द्वारा कम संख्या 539, दिनांक 6-5-1985 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मो**ह**न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक[्] श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भरतपूर

दिनोक :10 दिसम्बर, 1985 मोहर: प्ररूप बाह्न, टी. एन. एस हान्याना

भायकर गींधनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्षण)

धजन रेंज, लखन ऊ

लखनऊ, दिनांचा 22 नवम्बर, 1985

निदेण सं० जी०आई० श्रार० स० 1 08/37ईई/ए**नवी०/**→-यतः मुझे, विनोद कुमार

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-श के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भीर िस्मिनी संव दुः। न नंव यूव जीव एफव 30 है, तथा जो 20-ए, शिवाजी भागी, लखनऊ में स्थित है (श्रांर इसने उपावद भनुसूची में श्रोर जो पूर्ण क्या ने विणित है) परिष्ट्री पर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज, लखनऊ भारतीय आयार अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 8-4-1985

को पूर्वोचत सम्परित के उचित बाजा रमूल्य सं कम के दश्यमान प्रांतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकार से जिथक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आम की बाबत, कव्य नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सूबिधा के लिए;

जत: कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं— मैसस रेजेन्सी टावर्स, "ब्रारोशही क्याः नं० 2, कपूरभला, नामिश्रवल काम्पलैक्मैंस, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाचित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं० यू०जी० एफ० 30, अपर ग्राउन्ट, क्लो**र, पर** एरिया 100 वग फीट, रेजेन्सी टायर्स में, स्थत 20-ए **शियाजी** मार्ग, लक्कनऊ । करारनामा अर्जन-रेज, कम संख्या 120 पर दिनांक 8-4-1985 की सक्षम प्राधिकारी लक्कनऊ द्वार, पंजीकृत किया जा चुना है।

> तिनोद **कुमार** नक्षम प्राधिका**री** सहानक मानकर मायुन्त (निरी**सण)** मजन रोज, **लखनक**

दिनांक 22-11-1985 मोहर: थक्षण आद. टो. एव. एम. ------

जायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के स्थान भूचना

भाषत संस्थार

कार्यांगय, सहावक मायकर मायुवन (निरोक्षण)

श्रजन रॉज, ल**ख**नक लखनक, दिनांव: 22 नवम्बर 1985

निदेशस० जी० प्राई० श्राप्त नं ० 109/347ईई/श्रजेंन/---ग्रतः मृझे, बिनोद कुमार

नायकार मधिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व शत्तर्म ६६को पश्चात् 'उक्ट मधिनियम' काल ममा है), की भारा 269-व को भनीन सकाम श्रीधकाड़ी की यह विश्वास कारम का कारण है कि स्थानर सुन्तरित, विश्वका जीवन बाजार मुन्य

1,00,000/- स. वे वरिक हैं

श्रीर जिल्ला सं अशिक्य नं 13 और 14 है, जो 11, एम०, श्री मार्ग, ह्वीबउल्ता, तम्या उन्ह, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिलस्ट्रीकृत अधिकारी के सार्यालय, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ भारतीय श्रीयकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रीर दिनों 38-4-1985

कां पूर्वोक्त सम्परित के उत्थित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हो कि यथाप्यास्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूक्ति, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मुक्ति प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक अंतरकों; और बंद-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाता गया प्रतिकास, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उस्त बंदरण विश्वित में राक्ष्मिक अप हो कथित गई। किया गया ही

- (क) अंतरण संहुई किसी नान की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में किनी करने या उसस बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (वा) 'एंसी किसी नाथ या किसी पन या जन्म जानिस्यां जां, जिल्हें भारतीय नायकार विधिवस्य 1922 वै1922 का 11) या स्वयं वरियोजना, या नियास के नधीन कर दोने के संसरण के दाधिका
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-भनकर अभिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया भा या किया जानां चीहिए भा कियाने में सुविधा से चिए;

कत्. तम, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भं, मं, इक्त अभिनियम की भारा 269-ण उपभारा (1) व्यं वभीत, निस्तीसीबत व्यक्तिसर्वा. अभात ह—— मैं उस हतवासिमा प्रापर्टीज, (प्रा०) लिं०, इतिकासिया कोट, हजरत गीत, लखनक।

(भ्रन्तरक)

1. मा ्नल एउ० कुमार (एच० यू० एफ०) (धन्तरियी)

को सह तुषमा घारी कारके वृशेषित संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां सक्त करता हैं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में क्रेस मी शाक्षीय :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की कारीय से 4.5 विन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अथिया, जो भी अविभ वाद के समाप्त होती हो, के मीतर प्रकाश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इन क्षक्यु के हालपत में प्रकल्पन की हारीय वे 48 दिन के भीडर उपक स्थापर सम्बद्धि में हिंच-बक्तुभ किसी कस्य व्यक्ति कुम्मरा मभोहत्साअरी के रास मिथिस में बिक्स वा ककामें।

स्वन्यीकरणः --- इसने प्रमुख्य वाको और वदों का, को स्वत्य व्यक्तिस्त्रज्ञ को संख्याय 20-का हो परिशाणिक ही, बड़ी अर्थ होना को उन्त संस्कृत में विकास समा ही।

BRUS

श्र. फिस नं 13, श्र.रे 14 भेर न्छ, फ्लोर पर पैमाईसा 599.52 या फिट, शामर्थ हाउल, में स्थित 11, एम जो व मार्ग, हवीबउला ६ म्पाउन्छ, लखनऊ । करारनामा जोकि प्राधिकारो, लखनऊ द्वारा, पंजीकृत किया का नुवा है।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल**ब**नऊ

विमीन 22-11-1985 नोहर : प्रकार नार्ष्, टी. एत. एव., -------

नायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के ज्योन द्वारा

मारल सरकार

कार्यांकर, सञ्जयक मानकर नानुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, विनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं ত জাত থাইত খাবে सं । 110/37ईई/श्रर्जन/—— धतः मुझे विनोद कुमार

काशकार समितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अभितियम' कहा गया है), की भारत 269-क के सथीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिवका अधित माजार मूल्य 1,00,000/- रह. से स्थिक है

श्रीर जिसकी मं० श्राफिश नं० 4, 5, 6 श्रीर 7 है, तथा जो 11, एम० ज.० मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाचक श्रमुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, श्रजैन रेंज, लखनऊ,भारतीयशायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 8-4-1985

को पूर्णकर सम्पत्ति को जीवत वाचार मूल्य से कम के रवसमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की नद्दे हैं और मुक्ते वह निर्धास करने का कारण हैं कि वथापूर्णकर संपत्ति का रविषय बाबार मूक्य, उसके रवस्थान प्रतिकास से एंखे रवस्थान प्रतिकास का पंचर प्रतिकास से भीभक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) को र अंतरिती (अन्तिकाँ) के बीच एंखे अन्तक्ष के विष् स्थ पावा पदा प्रतिकास का, निर्माणनिवाद उद्देश्य से स्थव बंदरण जिल्ला के वास्त ने

- (क) क्लारक सं हुई किसी बाय की बानत स्वक्त निधिनियन के नभीभ कार दोने के नन्तरक वी द्यिष्ट में कमी करने या उससे बचने में स्विका क निग्र स्विप्राः
- (क) एरी किसी जाव या किसी भन या कन्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर किमीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निर्माण्यम, या धन-कर विविधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निर्माणियम, विविध का विध का विविध का विविध का विध क

नतः नव, उन्त निधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में उन्त निधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के जधीन, निस्तीलियत न्यक्तियों, नर्थात् :---

- 1. मैं असं हलवासिया प्रापटींज (प्रा०) लि॰ हलया सिया कोर्ट, हजरतमंज, सखनऊ। (प्राप्तरक)
- भवातक । (भन्तरक)
 2. मस्टर ध्रुव हलवासिया (नाबा०),
 द्वारा पिता श्री एउ० एस० इलवासिया ।
 (श्रन्सरिती)

श्री मह सूचना बाड़ी करकं भ्वांभत्त सन्मृतित के अर्थन के लिए कार्यनाहिमां करता हुं।

वक्त सम्मृत्य के वर्षन के स्थाप में कोई भी नावांपः--

- (क) इस सूचना के राष्ट्रम में प्रकारण की तार्टी के वे 45 दिन की नवीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अजिधि, को भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के अस्तिर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की शारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ड्रच किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकारी के पाच तिस्तित में किए जा सकींगे।

स्यक्कीकारणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उपके जिल्लामा के क्ष्मार्थ 20-क में प्रिशादिस इ⁴, बही कर्ष होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

धनस्वी

श्राफिस नं० 4, 5, 6 और 7 सानबें नन पर पैमाईसी 1100 वर्ग फिट बागसें हाउप में स्थित, 11 एम० जी० मार्ग, नवनऊ करारनामा जोकि प्रार्जन क्षेत्र, कम संख्या 122 पर दिनां । 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुना है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज, ल**ब्बनक**

विनांक 22-11-1985 मोहर: बातकर क्रीभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांसय, तहायक सायकर माय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ , दिनांक 22 मवम्बर 1985

भिवेश संव जीव आर्डव शायव संख्या ।।।/37ईई/एक्बीव-यस: मुझे, विनोव कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुपित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जितकी सं० आफिस सं० 11 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग, हबीवउल्ला क्म्पाइण्ड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जम क्षेत्र, लखमऊ, भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, दिनांक 8-4-1985

कार प्रॉक्स सम्पत्ति के उपित नाकार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार प्रस्थ, उसके इर्यमान प्रतिफल से ऐसे इर्यमान प्रतिफल का क्लाइ-प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंगरिती मूंकंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकान निम्नसिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरक निवित्त में बाइसिकक क्ष्य से क्षिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते शुद्ध किसी शाय की शायत, उक्त अधिक्रियम के अधीन कर दीने के अन्तरक वी दायित्व मीं कमी करते था उन्नक्ष नकने मीं मुखिया को क्रिया, श्रीक निम
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्दन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अव. उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग के अमृज्ञक का, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अभीत, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनक (अन्तरक)
- (2) मास्टर शरद मलहोता (लाब) द्वारा पिना श्री एस० के० मलहोता

(अन्तरिसी)

को वह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मरित से अर्चन के जिल् कार्यकाहियां कारता हुए।

जनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के प्रवाप में प्रकाशन की ठारीख है 45 दिन की अविष ना उत्संबंधी व्यक्तियों पर श्वाप की उप्रीत से 30 दिन की अविध, को धी विधि ना के दिन की व्यक्ति ना की जाती से किसी व्यक्ति होते, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयाधिका १०---इतमे प्रवृक्त सन्दों नीर पर्यों का, को कार विभिन्नमा, के जभ्याय 20-क में परिमाणित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस सभ्याय में विद्या क्षा हाँ।

श्युषी

आफिस सं० 11 प्राउण्ड फ्लोर पर पैमाइसी 262.5 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित II, एम० जी० मार्ग हवीबउस्ला कम्भाउण्ड लखनऊ कराभामा जो कि अर्जन क्षेत्रक्रम संख्या 123 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहाय रु आयंकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखमऊ

विताक : 22-11-1985

मोहर:

प्रकार कार्ड . टी एन प्र.

शरककार कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के मधीन सुमान

भारत सरकार

कार्यामक, बहायक अध्यक्त वार्यका (निरोधक)

अर्जन रेज, लखभऊ

सम्बन्धाः (विनां स. 22 नवस्थाः 1985

मिवेश सं० जी० आई० आए० मं० 112/37ईई/एती----यतः मुसे। विनोद कुमार कुमार,

नावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पी 269-च के नधीन सक्षम श्रीधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका जीपत अवार मृख्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

भीर जिल्की संब्रु हान नंव युव जीव एफव-5 है तथा जो 20-ए जिल्की मार्ग, लखगऊ में स्थित है (ब्रीट उसमे उपाधद अनुस्की में भीर पूर्ण क्या में बर्णित है), रिजस्ट्री जिल्किशारी के कार्यालय, अभी क्षेत्र, लखगऊ, भारतीय आयक्तर अधिविधम 1961 के अधीत, दिस्सि 8-4-1985,

को कृषेकित सम्बन्धि के उचित बाजार मन्त्र स कम के श्रममान् प्रतिकार के नियम अन्तिया याँ स्टेंस के कि के कि कि कि कि स्थाप कि कि कि कि कि कि कि कि कि स्थाप कि कि कि कि स्थाप कि कि कि कि स्थाप कि कि कि स्थाप कि कि स्थाप कि कि स्थाप कि कि स्थाप कि कि कि स्थाप कि कि कि स्थाप कि स्थाप कि कि कि स्थाप कि स्थाप कि कि कि स्थाप कि स्थाप कि कि स्थाप कि कि स्थाप कि स्थाप कि कि स्थाप कि स्थाप कि स्थाप कि कि स्थाप कि स्था

- (क) जन्तरण वे हुई किसी शांत की वायत उपस सीपीरियम के जभीन कर दोनें में बातरण के दाधिस्व में कसी करने वा उससे अपने में शृतिभा के लिए; और/या
- (क) क्रेसी किसी कान वा किसी धन या करन आसिसों का, किसी कार वा किसी कानकर शिंधितयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधितियम, या वनकर अधितियम, या वनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) क्रं प्रयोजनार्थ मन्तरिती वृंकाण प्रकट नदी किया गा। वा किया बाना चाहिए था, क्रियान ते शुक्तिया के विक्रः

नक्ष क्षेत्र, उपक अधिनियम की भारा 269-ग के अमूसरक भी, भी, अन्य अभिनियम की भारा 269-म की उपकारा (1) को अधीन, निम्मसिनिक स्थानकर्यों, अर्थाह

- (1) मैं नर्व रेजेन्सी टावर्च ''प्रारोही''
 •ताक नं० 2. अपूर्यला नामधियल काम्प्लेन्स लख्यक । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमनी मंजू शुक्ता

(अन्तरितीं-)--

का यह नुषना कारी करके पूर्वोक्त सन्मित्त के अर्थन के सिध् कार्यशाहियां सूक्ष करता हूं।

उनक सम्मृति को अर्थन को संबंध में कांडों भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 वित्र की अवित्र या तत्सम्यन्ती व्याक्तवों पर स्वाम की ताबील से 30 दिन को अनिध, जो भी संबंधि काद में सभाध्य होती हों, के भीतर पूर्वेक्स क्षित्रयों में से विक्षी अधिस द्वारा;
- (क) इस स्पना को राजपण में प्रकाशन भी लागील में 45 दिन की भीतर उनत स्थावर सम्मिल में हिसनहभ किसी अग्य व्यक्ति क्यांग अग्रोहर् तक्षारी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त राज्यों करि वर्धों कर को उत्तर मेडिपीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, अभी अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया वर्धा हैं।

बनुसूक्षी

बुकाम सं० यू० जी० एफ० 5 अपर ग्राउण्ड फिलोर पर, पैमाइसी 90 वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स में, स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग लखनऊ /करापनामा जी कि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 124 पर दिसाँक 8-4-1985 को सदाम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत जिया ग चुना है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी यहायक आगक्त आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनक

दिलांकं : 22--11-- 1985

मोक्षर :

THE RULE ALL HER RECOGNISHMENT

नायनक्ष निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन सूचना

बारत प्राकात

कार्यासम्, सहायक मायकर मायुक्त (प्रिरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनक

जवान्त्र, दिमीक 22 मयम्बर 1985

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्या) इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व भी अधीन स्थल प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाजार मुख्य,

1.00.00/- रा. से अधिक हैं
भीर जिनकी संग्राप नंग्यु जीग्य एफान्म है स्था जो
20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाचक्क अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ, में भारतीय भायकर अधिनियम
1961 के अधीन, दिनांक 8-4-1985,

सी प्रेमिल सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से क्या के दश्यमान प्रितिक से मिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वों कर संपरित का स्वित नामान बृत्य, उन्तर्भ दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का दल्क प्रतिशत से सिथक हैं और संतरक (अंतरकों) और संतरिक (सन्तरितिमों) के बीच एसे सन्तरण के मिए तय पाया प्रवा अधि-का विस्तिवित सहारें किया गया है कि

- किं जन्मपूर्ण से हुई किसी बाब की बाबल, बसल विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने वर खस्त वसने में हुई निष्ठा की सिष्ठ; बीह/बा
- (ब) एसी किसी शाय का किसी। यह वा कर्स जास्तिकों की, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें वियोजनाथ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने कें व्यक्तिका विरोध के सिंग्स्

बर: बब, उनत विभिनियम की गारा 269-ए की बनुसरण वी. वी अभर विभिनियम की भारा 269-च की जनभारा (1) वी क्योर प्रभानिक व्यवसमार, वर्भात् अभाव अभावारा (1) (1) मैसर्व रेजेन्सी टावर्स "वारोही,, ब्लाक नं० 2, लखनऊ।

(अग्सरक)

(2) मिस काम्ता टेकचन्दानी

(अन्तरिती)

की यह सूचना कारी कारके पूर्वीकत संपत्ति के अर्थन के किस कार्यगाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हु---

- (क) इंड स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्ष्यांकपुत्रः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्स अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित् है, यही वर्ध होगा जो उस सध्याय में दिसा गया है।

वर्स्ची

शाप मं० यू० जी०एफ०-9 अपर ग्राउन्ड फिलीर पर पैमाईसी 110 वर्ग फिट रेजेसी टावर्स में, स्थिन 20-ए, शिवाजी मार्ग, स्थानक करारनामा जो की अर्जन क्षेत्र कम संख्या 125 पर दिनौक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनक द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनक

विमोक : 22-11-1985

मोहर :

प्ररूप आह . ती. एन . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिशांक 22 नवम्बर 1985

निवेश सं जी अहि आर सं 114/37ईई/एक्की---यतः मुझे, विनोद कुमार,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतर्वे इसके एएकास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हो कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुलाम संवयूव जीव एफ०-7 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा वासकण अिंदिसम की छारा 269 क ख कें अश्रीत सक्षम श्रीविकारी के कार्यालय लखनउ में रजिस्ट्री है, दिगाँव 8-4-1985.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अन्तरितियों) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त शिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कारी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) मेसर्स रेजेन्सी टायर्स (आरोही) अलाक सं० 2, कपूरणला कार्माशयल काम्प्लेक्स लखभऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० जिल्हल

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि सा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित -हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं० यू० जी०-एफ०-7 अर ग्राउण्ड फ्लोर पर पैमाइसी 95-वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स में, स्थित 20-ए शिवाजी मार्ग लखनऊ / करारनामा जो कि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 126 है दिनांक 8-4-85 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा फंजीकृत किया जा चुका है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरोक्षण) अर्जन क्षेत्र, लक्षमऊ ः

विनांक: 22-11-1985

मोहर :

प्रकृष' नाही_ल <u>हो . पुर्व</u>

बावकड विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्धीन बुक्रना

प्रारत तस्कार

सार्वाचन, बहारक भावकत भावन्त (निर्द्रीक्न)

अर्जेभ क्षेत्र, लखनऊ सखमऊ, दिमांक 22 नवम्बर 1985

भिवेश सं० जी० आई० आर० संख्या 115/37ईई/एक्की०----यतः सूत्रे, विनीद कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। अ स्थावर स्मासि, जिसका उचित बाजार मस्ब 1,00,000/-रा से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० दुकान नं० आई० जी० एफ०-12 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र, लखनऊ में भारतीय आयकर अधिन्यम 1961 के अर्धान, दिनांक 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुताक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य; उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अंतरितयाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि बित में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण वे हुँ भैं किंदी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के बंदारक के शायित्व में कमी करने वा उन्नते बचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हीं भारतीय भावकर निधितियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा वे सिंधः

सतः स्वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निचित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स रेजेंसी टाबर्स "आरोही" कताच नं० 2, कपूरथला कामिशियल काम्प्लेक्स लखाऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश सिंघल

(अन्तरिती)

को वह क्षेत्रा वाही काहके पूर्वोक्त सम्पत्ति क कारण के जिल्ह कार्यवाहियां कुक करता हूं।

जन्म राम्मील के अर्थन को सम्बन्ध में काहि के अप्राथ :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीक है 45 दिन की जनिय या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो जी अनिथ लाल में समाप्त होती ही, हो भीतर पूर्वीकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति हुकारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वादिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पन्ते का का नाम विभिनियम के अध्याय 20-ता भी तिहासीताल है, वहीं वर्ष होगा, जो एक कार्या भी विभागवा है।

- भ्रमुसूची

दुकाम नं ० आई० जी० एफ०-12 लोअर फ्लोर पर पैमाईसी 110 वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स में, स्थित 20-्, शिवाजी मार्ग संखनक। करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र, लखगऊ में कम संख्या 127 पर विमांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

> त्रिनोट कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनों के : 22-11-1985

मोहर:

प्रारूप बाइं.टी.एन.एस्.----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 नवम्बर 1985

मिदेश सं० जी० माई० आर० संख्या 116/37ईई/एक्की०---यस: मुझे, विनोद कुमार,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संव दुकान संव 13 है तथा जो 20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक 8-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफाश के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का ठारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया यबा प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्स बन्दरम किश्वत में बास्तविक रूप से किश्यत महीं किया प्या है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की, वावत, कक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य केलिए:

जतः जयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसूरण कें, में', उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की अपधारा (1) के कथीन, विस्तिसित व्यक्तियों, संशीत् क- (1) मैसर्स रेजेम्सा टावर्स "आरोही" स्ताक सं० 2, कपूरयला कामप्रियल काम्प्रीक्स मखमळ ।

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स भारतीय सैंनिटरी भीर हार्डवेयर स्टोर मखमकः

(अन्तरिती)

को यह स्थानः जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

बनत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नाक्षप हुन्त-

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध ेंडिंडी काल को या कुरास मार्गाताकारी के बाल विवित्त में किए या सकीते:

क्षक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त काक्यों और पर्यों का, की छक्त अभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में दिया प्रया है ए

वन्स्यी

दुकाम सं० 13, सोअर प्राउण्ड फ्लोर पर, पैमाइसी 110-वर्ग फिट रेजेम्सी टावर्स में, स्थित 20-ए. शिवाणी मार्ग सखतऊ/करारमामा जो कि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 128 पर दिमांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी सखनक द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है ।

> विनोव कुमार सक्तम भाषिकारी सहामक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लक्सक

विनकि: 22-11-1985

योहर :

प्रकल कार्याल क्षीत्र युक्त . एक . ल - - -----

वाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाबकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की वाबिस स्थान

aira arata

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिःतंक 22 मवम्बर 1985

भिवेश सं० जी० आई० आर० संख्या 117/37ईई/एक्वी०--धत: मुझे, विनोद कुमार.

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके नश्यात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 289-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका श्रीचत नाबार नृत्व 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

भीर जिसकी सं० दुकान सं० यू० जी० एफ-14 है तथा जो 20-ए शिवाजी मार्ग, लखभऊ में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के कार्याल, विशंक 8-4-1985,

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान बितिकत के लिए अंतरित की गई है और मूळे यह विश्वास करने का कारण, है कि संधाप्न कित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिषट से अधिक हैं है और बातरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नितिया संह्यों से एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नितिया सहस्वास से उन्तर जन्तरण सिचित में बास्तविक कम से कालका का की सिमा प्रमा है हमा

- (क) अन्तरन ते हुइं कियी बाय की वावत , वयक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्रमी करने ना चतक वयन में वृष्टिया के जिए अर्थ/वा
- (क) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या बन्य आहितयाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया बाता चाहिए था किया के ब्रियम के सिक्कः

नतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के नन्तरण की, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, विश्वसिद्धित व्यक्तियों, वर्धात् रू— (1) मैतर्स रेजेन्सी टायर्स "आरोही" ब्लाक ने० 2, कपूरथला कामशिवल काम्प्लेक्स संबनक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना जैन

(बन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्धित के बर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां कुरू करता हो ।

बन्द सम्बद्ध के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच हं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी सबिध याद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशत को तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याय अभाइस्ताकरी के वास विविधा में किस वा सकोंने ।

स्वव्यक्तिरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चे का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस वध्याय में विका क्या हैं।

यगृतुची

बुकान सं० यू० जी० एफ०-14, अपर ग्राडण्ड फ्लोर पर, पैमाइसी 95 वर्ग फिट रेजेन्सी टावर्स में, स्थित 20-ए, शिवाजी मार्ग, लखनऊ। करारनामा जो कि अजैंग क्षेत्र, क्रम संख्या 129 पर दिमोक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा कुका है ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण), सर्जम क्षेत्र, लखमक

दिशीच : 22--11--1985

: 78ि

हरूम आर्च_{ार} क्षी इं एम_ा एस

बाबकर विधितियत, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के वर्धीत सूत्रता

बारत तरकार

खर्यासक, प्रहासक नामकार नामुन्द (निर्द्राक्ष्म)

अर्जेम क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, विनोक 22 नवम्बर 1985

गिदेश सं० जी० आई० आए० सं० 118/37ईई/एक्वी०---यद: मुझे, विनोद कुमाए,

बायकर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसमें प्रकार प्रवाद 'उक्त अधिनियत' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति चिसका उचित बाबार मूच्य 1,00000/-छ. से अधिक हैं

मीर जिल्ला सं० आफिस नं०9 है सथा को 11, अशोक मार्ग, लखाऊ में स्थित है (मीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण कर से विगा है), रजिल्लीकता अधिकारी के कार्यालय अर्जन सोज, लखनऊ में भारतीय मायकर अधिक्यम 1961 के अधीन, दिलोक 8-4-1985.

की पूर्विका संपत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिकल के टिए अंतरित की गृही

हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंत-रण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण निखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया वया हैं

- (क) जन्तरम सं हुई किसी नाम की वास्त, एक जिथितियम के जधीन कर दोने के जन्तरक की दिस्तिय में किसी करने ने उससे नकते में सुनिधा के किए; बीर/सा
- (अ) रसी निक्सी कांध मा किसी जन मा कव बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकर की भीवसमे, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए जा, जिनाने में स्विधा की किए;

वतः अव, सक्त विभिनियम की भाषा 269-ग के वज्रवर्क को, मो. सक्त विभिनियम की भाषा 269-म की संभाषा (1) के अभीय, निकासिका व्यक्तियों क्षा वर्ष क्षा क्षा का भाषा (1) के अभीय, निकासिका व्यक्तियों का वर्ष क्षा क्षा क्षा का स्थाप क्षा का स्थाप क्षा का स्थाप का स्

(1) कुइन जन्स्ट्रक्शंथ प्रोर इंजीशियरिंग कम्पनी (प्रा०), लिमिटेड, लेखशेळ द्वारा डायरेक्टर

(अन्तरक)

(2) डा॰ राहुल सूरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र-में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ण) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हिसबद्ध्य किसी सन्य स्थावत क्वारा अधाहस्ताक्षरी के बात निवाद में किए का सकेंगे।

स्वाप्त केंद्र प्रमुक्त कार्यों और पर्वों का, को सबके विभिन्नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बना है।

समृतुषी

शाफिस सं० 9, सेकण्ड पलोर पर पैमाईसी 370 वर्ग फिट मस्टी स्टोरी बिल्डिंग काम्प्लेक्ट ओकि (वितय प्लेस) के नाम से आभा जाता है, स्थित 11, अयोक मार्ग लखनऊ करारभामा जोिं अजंभ क्षेत्र कम० संख्या 130 पर दितों स 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है'।

> विनोद सुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनोकें:: 22÷11-1985

योदर :

शक्य बार्च हो पुर एस.

अध्यक्षत्र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) को वृधीन धूलना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखरक

लखनक, दिनांचा 22 सम्बर 1985

निदेश सं० जी० झाई० झार० सं० 119/37ईई/एकवी०---धतः मुझे, विनोद कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अभिनियम कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्यास करने का आरण ही कि स्थावर सम्मित, जिसका जिल्ला वाजार मूक्ब 1,00,000/- रा. से अभिक ही

मीर िरकी संब आफिस संब 11 है तथा जो 11, मशोक मार्ग, लखनक में स्थित है (मीर इससे उपायक मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्रीय ती मिशारी के नामसिय, मर्जन क्षेत्र, सखनक, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 में रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-4-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वभाष्वोंक्त सम्प्रित का उचित बाबार मूच्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृति से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा ववा अतिपाल निम्नितिवित् उद्वेद्य से अक्त अन्तरण बिविष्ठ से वास्तिविक कप से कथित यहीं किया वया है ।

- (क) जन्तरण संबूदं किसी जाय की वावत उपस अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक की वासित्य में कमी करने वा उससे वचने थी सुविधा के:दिसम्, कांद्र/का
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या जन्य जारिसयों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर विधिनियम, शा धन-कर विधिनियम, शा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वाए प्रकट नहीं किया नवा था या किया थाना वाहिए था, छिपाने वें श्रुष्टिशा चे विद्यु;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) कुइन अस्ट्रनशत झाँर इंजीतियरिंग अस्ति (भा०), लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर

(भन्तरम)

(2) श्री एस० के० सेठिया एण्ड सम्छ (भग्तरिती)

को यह ब्यान कारी कारके न्यांक्त कमास्त के वर्षत के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

क्यत् बन्दीत्व के वर्षन् के सम्बन्ध में संदेश औं नाक्षेत्र--

- (क) इस सूचर, औ राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के अतिर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्पृतित दुवाराई
- (क) ज्ञस भ्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवबुध किसी कान्य स्थावत द्वारा कुभाहस्ताकरी के पास विविद्य के किस्य वा ककी ने

न्यक्रीक्षरणः — इसमें प्रयक्त कर्यों और पर्यों का, जो सक्स् अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाष्टिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या वसा हैं ॥

बन्स्ची

ग्राफिस सं० 11 प्रथम तल पर पैमाइसी 535 वर्ग फिट मल्टी स्टोरी विल्डिंग काम्पलेक्स में, जो कि (विनय प्लेस के नाम से जाना जाता है) करारतामा जो कि अर्जन क्षेत्र कम संख्य 131 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी स्थानक द्वारा पंजीकृत किया जा चुना है।

> िषतोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सह्यायन प्रायकर प्रायुक्त (विरीक्षण), पर्जन क्षेत्र, सुव्यनक

विनोग: 22-11-1985

मोहर:

नारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाशक) पर्जन क्षेत्र, शखनऊ

लखनऊ, दिनविः 22 मधम्बर 1985

निदेश सं ० जी ० झाई ० झार ० सं ० 120/37ईई/एक्बी ०---मतः मुझे, विनोव कुमार

नायकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस रसमें इसके परवात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00,000/-रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भाकिस सं० 3 में तथा जो 11, भशोक मार्ग, सखनक में स्थित हैं (भीर इससे उपायक मनुसूधी में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रिल्ट्रीनर्ती भीकारी के नार्यालय, भर्जन क्षेत्र, भारतीय भायकर मधिनियम, 1961 के भ्रष्टीन, दिनांक 8-4-1985 (लखनक)

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल के कृत्य प्रतिकल से अधिक है और बन्तरक (मन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण सिवित के बार प्रतिकल क्या से क्या मही है—

- (क) क्लारण से हुइ किसी भाव की नावस्त, सबस विभिन्निया के वधीन कर दोने में सन्दारक के शक्तिल में कभी करने वा सक्षण बक्तने में बुलिया भीतिस्त्र बाँद्र/वा
- (व) ऐसी किसी जाब वा किसी धन या जन्म .वास्तिवां की धिनहां भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्विया के निष्णा

बतः बदः, उक्त वीधीनयम की धारा 269-न की व्यवस्थ वी, मी, अक्त विधिनयम की धारा 269-न की उपधानः (1) के अधीन, निस्तिविक व्यविक्तयों, वर्धावः--- (1) मुद्दश पत्त्रपुषशन घीर दश्जीनियरिंग वज्यती (प्रा+) नि० शक्तक द्वारा कायरेक्टर ।

(घग्तरियी)

(2) बीमती पुष्पा नौदियाल

(भग्तरिती)

की यह सूचना भारी करके दूशीयत सम्मत्ति की वर्षन के प्रिए कार्यमाहिमां करता हों]।

बक्त सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच शं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियाँ पर स्वना की वामील व 30 दिल की अवस्थि, को भूदे वविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रकेतित अधिकारों में से किसी स्पन्तित इवास;
- (व) इस स्वना के वाजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व् 45 दिन के भीवर वक्त स्थावर सम्पर्ति में दिल्लापुर्ध किशी अन्य न्यक्ति युवाश मधोहस्कालरी के काम न्यिक्ति में शैकार या तकीं है।

स्वास्त्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त विधितियम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिशा नवा की

यम्बर्धाः

प्राफिस सं० 3 सेकण्ड फ्लोर पर पैमाइसी 525 वर्ग फिट मस्टी स्टोरी बिल्डग काम्प्लेक्स जोति वितय प्लेड के भाम से जाना जाता है, स्थित ॥, प्रशोध मार्ग स्वान्त क/द:रारमामा को कि प्रजैन क्षेत्र कम संख्या 132 वूर विनोध 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी स्वानक क्षारा पंजीकृत किया जा चुवा है।

> विनोद जुमार समम प्राधि हारी सहायस भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन क्षेत्र, लखनक

वारीच : 22-12-1985

THE I

प्रकल बाह्र ही एक एस . -----

जायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत प्रश्कार

कार्याजय, सहावक भाषकर शाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन स्रोतः ल**बन्छ** लबन्छ, दिनोक 22 नवस्वर 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार न्स्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

मीर िसकी सं व्यक्तिस सं 11 है, तथा जो 11, प्रशंक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (मीर इससे उपायद मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रीलती ग्रिविकारी के वार्यालय, पर्जन क्षेत्र, भारतीय ग्रायकर ग्रीवित्यम 1961 रिस्ट्री-करण ग्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिवीन, दिनोंक 8-4-1985,

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यमान इतिफल के निए अन्तरित की गईं और भूमें यह विण्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्वत्ति का उचित बाजार चन्य, उसके कायमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्निलिंबित उद्देश्य से उक्त अन्तरम जिल्ला में बास्त्रीयक रूप से किस्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उनत अधिनियम के जधीन कर दोने की अन्तरण की दायित्य में कमी करने या उससे वचने के सुनिधा के सिए: और/या
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी बन या कस्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया पत्रा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निया के सिए;

बतः कबः, एक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में,, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीनः जिल्लालिखा व्यक्तियों, वर्षात् :—-

(1) कुइ ह कन्तर हमान और इंजीनियरियं कं ० (प्रा० सि संखनक द्वारा डायरेक्टर

(बरतरक)

(2) भी खे॰ सी॰ चीपड़ा

(मन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

पनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ।---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की लघीं या शरसंबंधी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाकत की तारीब के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं. चही क्यें होता, जो उस अध्याय में दिया गया हैं श

बनुसूषी

धार्षित सं 11 से सण्ड पतोर पर पैमाइसी 535 वर्ग फिट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग काम्प्रेक्स जोकि वितय प्लेस के नाम से जाता जाता है। स्यित 11, धरोक मार्ग लखनऊ /करारनामा जो कि धर्णन क्षेत्र कि सं 133 पर दिनोक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी क्षानक द्वारा पंजीकृत किया जा चुना है।

विनोव कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण), सर्जन सेत्र, सखनऊ

दिनांक : 22-11-1965

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं जी० आई० श्रार० संख्या 122/37ईई/ एक्यू---यतः मुझे विनोद कुमार

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन उक्षम प्राधिकारी को, यह विरुग्तस करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 2 है तथा जो 11, ग्रमोक मार्गे, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनीक 8-4-1985

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाषा गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलियन में वास्तविक रूप से क्रिश्त महीं किया गया है ध—

- (कः) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए।

अत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) मुद्दक कन्स्ट्रक्शन ग्रांर इन्जीनियरिंग कम्पनी (प्रा०) लि० लखनऊ द्वारा डायरेक्टर
- (2) 1, डा॰ साविती चावला (अन्सरक)
 - 2. डा॰ सोबित चावला

3. अभी मनोज भावला (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राफिस नं० 2 यर्ड फलोर (तृतीय तन) पर मापैसी 530 वर्ग फिट, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग काम्पलैक्स, स्थित 11 श्रशोक मार्गे, लखनऊ करारनामा जोकि श्रजेंन क्षेत्र कम संख्या 134 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत दिया जा चुका .है।

> ्रीविनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक: 22-11-85

मोहर:

सक्य बार्ष , दी. युन् , युक् , ट्रान्स्य

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) जे अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयश्वर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांवः 22 नवम्बर 1985

जी० धाई० भार० संख्या 123/37 ईई/एक्यू--यतः मुझे विनोद कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मक्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं श्राफिस नं ० 7 है तथा जो 11, श्रमोद मार्ग लखनक में स्थित है (भीर उससे उपादक श्रनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोदर्ता अधिकारी के नामलिय

रूप स वागत ह), राजस्ट्रावाता आधवार। क कायालय कर्जन क्षेत्र, भारतीय आयादार श्र धनियम 1961 में राजस्ट्रीकरण काधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-4-85 को प्वेंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का समूद्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का समूद्य, उसके इस्यमान प्रतिफल के तिए ति वाचार वाचार अविकास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अतारात्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिबित उद्योध्य से उस्त जंतरण सिवित में वास्तिबक कम से कथित नहीं किया गया है इन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बावत सकत अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अध्या में सुनिधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अक्षः अक्ष, उक्त अभिनियम की भारा 269-का के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-का की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति स्पिक्तर्यों, अभित् क्ष---

(1) कुइवा वानसङ्ख्यान श्रीर इंजीनियरिंग वामनी (प्रा०) लि०, लखनऊ हारा डायरेक्टर

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत मल्होत्रा

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थान भारी करके पृत्रोंक्स सम्बस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हूं।

वन्तु बन्दारव के वर्षन् के बन्दन्य में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन की जबिध या तरसम्बन्धी स्पित्रयों पर स्वकः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्रयों में से किसी स्पित्र दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विम के भीतर अवत स्थावर नर्पात्स में हित-बद्द किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकर्ण।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ह अधिनियम को अध्याय 20-क में प्रिशायित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

वम्सूची

श्राफिस नं० 7 सेकन्ड फिलोर पैमाईसी 274 वर्ग फिट पर मन्टी स्टोरी बिल्डिंग काम्पलेक्स, स्थित 11 श्रशोव मागा, लखनऊ करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 135 पर दिनांक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लक्षनऊ हारा पजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

दिनोक 22-11-1985 मोहर: प्रकप धाइ टी.एन.एस.

बावरूर बाचिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प (1) की सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनक

संखनक दिनोंक 22-11-1985

जी॰ शाई॰ धार॰ संख्या 24/37ईई/एकपु---यतः मुझे विनीद कुमार बायकर क्षीपानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्मात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-रा के क्षीत सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्वार संपत्ति जिसका उधिक बाजार मूल्य 1.00.000/- उस्त में क्षिक हो

1, `0,00/- रह. से अधिक हैं

बीर जिडकी संव प्राफिस नंव 6 है सथा जो 11, प्रशेष मार्ग लखनक में स्थित हैं (और इस्से उपायद अनुसूची से और पूर्ण कप से विणित हैं), रिजर्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय अजंग क्षेत्र, मारतीय आयकार अधिकार 1961 के रिजर्ट्रीक रण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक 8-4-1965 को पूर्वाक्स संम्योस के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकत को गई है और मूक्षे यह विषयास करने का कारक हैं कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत से, एोसे स्थमान प्रतिकत का बेद्ध प्रतिस्था। के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त का निग्नितिस्था। के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त का निग्नितिस्त स्थ्रीक स्था संस्तिक अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिकत्त का निग्नितिस्त स्थ्रीक स्थित से सम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त का निग्नितिस्त स्थ्रीक स्थ्री स्था स्था हैं :---

- (क) श्रीतरण से हुई किसी नाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; करि/या
- (च) पंसी फिसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुधिधा के लिए।

नत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, खरत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीम, निम्निक्षित अधिकतयों, बर्धात :— (1) कुद्दाः कैस्ट्रक्रशन झीर इंजीनियरिंग धम्पनी (प्रा•) लिंक, सखनक, द्वारा कायरेक्टर

(सम्बदक)

(2) भीमती मुषमा धेड

(चग्त रिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्णीक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया करता है।

बक्त सम्पत्ति के बबंग के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की केनिय मा तत्सवंधी व्यक्तिमों पर स्वना को ताथील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद के समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्त्रष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, लो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिवा पया है।

यगृत्यी

द्याफिस नं० 6 सेशन्ड पलोर पर पैमाईसी 435 वर्ग फिट मल्टी स्टोरी विल्डिंग काम्पलेक्स में, स्थित 11, द्वियोश मार्ग, लखनक करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र कम संख्या 136 पर विनोक 8-4-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनक द्वारा पंजीहात विज्ञा आ चुका है।

> वितीय जुमार सक्षम ग्रंधिशारी बह्यवक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रंथन सेव जबनक

दिनांक : 22-11-1985

मोहर :

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निराक्षक) धर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनौक 26 नवम्बर 1985

निर्देश स० धाई० ए० सी० । एक्यू फरीदाबाद | 5 | 85-86:---धतः मुझे, थी० एस० खती,

बायकर बीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसमें प्रधात् 'उनत बीधिनयम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के बधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से बीधक हैं

भीर जिउनी सं॰ भूमि 87 कराल 10 मरला धीर बिल्डिंग 12/2 नायू रोड, फरीदाबाद में स्थित है (धीर इससे उपा ध्वा धनुभूची में भीर पूर्ण कप से वींगत है), रजित्द्री हलीं धिंछकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय ग्राम कर मींधिनयन है 1001 के पछीन सारीख 9-4-1085

को प्रवेक्त सम्मत्ति के जिनत बाजार मूल्य ते कम के क्ष्ममान प्रतिफल के जिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थाप्नींकत संपत्ति का उचित बाजार स्था, उसके द्रयमान प्रतिफल का से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का सन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (जतरकों) और जंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे जतरण के लिए तय वाया नवा प्रीक्ष- कन निक्निजित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिन्ति में वास्त-

- मेंक) संस्तरण पर हुई किसी बाय की बावत, बक्क वीधिनियम के सधीन कर दोने के सन्तरक के दायिक में क्यी करने था अससे बचने में वृत्तिथा के निष्ठा बीट/वा
- (क) एर्ती किसी बार या किसी वर्ग या सम्भू साहित्यों को, जिन्हें भारतीय सामक्ष्य विधिनवर्ग, 1922 (1922 का 11) या उच्च विधिनवर्ग का धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्परिती द्वारा सकट वहीं किसा च्या था किया काम वाहिए था, कियाने वे स्थिया के किए;

सतः वय, उन्त निर्धानियम की वारा 269-व की वनुवरण में, में, उन्त मीर्धानियम की धारा 269-व की वर्षधारा (1) के स्थीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, नेवांत् हरू

- मैंसर्ज बाराकित स्पूर (ग्रगरिको) प्रा० लि० मेहेक गारबंत रीक जालन्खर शहर। (धारवरक)
- मैसर्ज हंस विलय प्रा• लि० बुनाइटेड बैंक घाफ इण्डिया बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड, वस्बई।

(धन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके प्रॉक्स संबंधित के सर्वत भी जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

बक्त संवर्तित के वर्णन के सम्दन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिन की अवधि मा तत्त्रश्रामी व्यक्तियों पर मूचक की तासील से 30 दिन की ववधि, भी भी स्वधि नक्त में स्वाप्त होती हो, में भीता प्रविक् स्वधित्रयों में किसी स्वधित इतारा;
- (थ) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावय सम्योक्त में त्रिक्ट-बहुध विसी कत्य व्यक्ति द्वारा, जभोहरताकरी के रास निर्मित में किए का सकत्वे :

काकीकरण २००० इंसमी प्रयुक्त कन्यों बीर पर्यों का, को जनक बीचीनयम, के तथ्याम 20-क में परिभाषिक ही, नहीं नर्थ होता को उस कथ्यात में दिया परा ही में

वन्तुकी

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग 12/2 मयुरा रोड फरीदाबाद मैं स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय फरीवा-बाद रिजस्ट्री संख्या 258 दिनीक 9-4-1985 पर दिया है।

> बी॰ एल॰ खती समय प्राधिनारी सहायक बायकर घापुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज रोहतक

दिनीच: 28-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनौंक 2 विसम्बर, 1985

मिर्वेश सं • श्राई • ए० सी • /एर्यू /फरीदाबाद / 3/85-86:--श्रत: मुझे, बी • एस० खनी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धोरा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी भूमि 35 कनाल 13 मरला लाकर पुर तहसील फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपन्वज्ञ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यास्य फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख, 6~4~1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्दरित की गई ही और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रितिफल ग, ए स्वयमान प्रितिफल के पन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिभियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च कर्ी चपभारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री गंग राज सिंह पुंत्र श्री हरिकात एण्ड श्रादरण निवासी लाकर पुर तहसील फरोदाबाद। (मन्तरक)
- मैससं भ्रजय इण्टरबाइसिज लिमिटेड, बिल्डरज कोलिनिवर्स एण्ड एकतिहिस्ट्रिज, ईरोज तिलेमा बिल्डिंग जंगपुरा एकतिन्यत, नई विल्ली।

(भन्तरिसो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकेंगे।

वम्स्ची

संस्पत्ति भूमि 35 कनाल 13 मरला गाँव लाकरपुर सहसील फरीदाबाद में स्थित है जिन्न ना विवरण रिजःद्री कर्त्ता कार्यालय फरीदाबाद रिजस्द्री संख्या 182 दिनांक 6-4-1984 पर दिया है।

> बी० एल० खनी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुष्ट (निरीक्षण), भजैन रेंज, रोहतक

विनौंक: 2-12-1985

मोहर 🖫

प्रकष् बार्ड . ही . एन . एस . ------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक वायकर मायुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनौक 26 नवस्वर, 1985 निदेशसं० भाई० ए० सो०/एक्यू/पलथल/23/85-86:—प्रतः मुझे, खी० एल० खली,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें, इसके उद्याद उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के ज्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाद सम्पंता जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जि.की संख्या प्लाट 234 वर्गगज में पलवल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजिल्लोकती अधिकारों के कार्यालय पलान में भारतीय श्रीयकर अधिनियन 1981 के श्रीया, सरोज 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के सहसाम प्रितिपन के लिए बंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करन का कार है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी . आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के धंतरक औ दासित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा पर्वास, होर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उजन अधिनियम, वा अतं-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवंद्यान अद्योगर्ग द्रवाण प्रवास नहीं कि हा अव बा या किया जामा चाहिए चा, खिपाने में संविधा की बिए:

भतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक भी, भी सकत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन,, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।:— श्री मती कृणा देवी विधवा भोती राम निवासी पजनला।

(मन्तरक)

सर्वेश्री मदन लाल, मुरारी लाल, घोम प्रकाश पुतान लालू राम श्रोमती देवो रानो परनी चन्दर मान, हरीवन्द गनशत राम, पुतान घनश्याम घास, मोहल्ला इन्दरपुरो पलश्ल जिला फरीशशाह। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति क बजन क्षे गल्थ कार्यवर्शिह्यां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की सर्विध मा निस्मानिक की स्विधि पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति दवारा बभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंग।

वपृत्यो

सम्मत्ति प्लाट 234 वर्ग गज जो पलवल में स्थित है जित्रका ध्रविक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पलवल में रिजस्ट्री संख्या 57 दिनौंक 6/4-85 परदिया है।

> बं० एल० खन्नो, स्थाम प्राधिकारी सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) भनंत रेंग, रोहुतक

दिनांक: 26-11-1085

शास्य बाइं.टी.एव.एव. ******

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-क के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य , सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनीक 18 नवस्थर, 1985

सं धाई ए ए० सी०/ए ब्यू/हितार/1/85-86:--अतः मुहो, बी० एस० खती,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्च 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिड़िंग संगा भूनि 44 कताल 12 महते दिगाह में दिन है है (भीर इतने उनाबद अनसूनी में भीर पूर्ण का से विनित्त है) रिल्ट्रिक्सी भविकारी के कार्यालय हितार में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के भवीन दिनौक 2-4-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति को अवित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान बतिफल भी लिए अंतरित की गई है और मूम्के वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार बूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तविक कप से कोयत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ले हुई फिसी बाया की बावत, बक्त नियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व की कमी करने वा उससे बकरे की सुविधा की किंद्र; बीर/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की स्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना पाहिए था, कियाने में सुविधा को सिए;

भतः शव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनूबरण की, मी, धक्त अधिनियम की भारा 269-ग की वर्षाय (1) के अधीम, निम्नीसिक व्यक्तियों, अधीत :--- श्रोमतो हुरनेत कीर विश्ववा स० हीत्र्याल सिंह, घनर जीत कीत्रह पुत्र हरस्याल सिंह, हरजीत सिंह पुत्र हरदयाल सिंह निवासी मांक्स टाउन दिवार।

(सग्जरक)

अ. सर्वेथी घरणत दास प्रप्रवास पुत्र हुना राम धंपवाल, प्रजैन थास प्रप्रवास कर्ती प्राफ एव॰ पू॰ एक॰ सीमती प्रेम सता प्रप्रवास, परती प्रत्यम यास प्रप्रवास, धोतती प्रतृदाया अप्रवास परती प्राग्ति कुमार, विभव कुमार प्रप्रवाल, रवकोर प्रप्रवाल पुत्रात जब नाराजग, दुनो चय्य भग्राल पुत्रात हुना राम प्रप्रवास सतेरा प्रप्रवाल, स्थित प्रप्रवाल, पुत्रात कैलाज प्रप्रवाल, निरासो 5 प्रांत पार्क, दितार।

(मन्द्रीस्त्री)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उच्छंसम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अयिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पूर्वारः
- (थ) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्यबृष किसी कम्य व्यक्ति वृषारा क्षोहस्ताक्षरी के पाक निवित में किए था सक्षेत्र।

कडीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों यौर पर्यों की जो उसक श्रीभीनयम, से सभ्याय 20-क में परिशायित हाँ, बही श्रम होना के उस कथाम के दिया पदा है।

धनुसूची

समाति भूमि 44 कतात 12 वरो जो दिगाए में स्थित हैप्जितता मधिक जित्राग रजिल्ह्योकतों के कार्यातन दिगार में रजिल्ह्यी संक्ता 43 दिनीक 2-4-1985 पर दिना है।

> बी॰ एल॰ बन्नी, सद्दायत्र झायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रातीत रोंज, रोश्चतक

दिनौक: 18-11-1985

योहर :

प्रस्प बाडे .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज रोहनक

रोहतक, दिनाँक 2 दिसम्बर, 1985सं० भ्राई० ए० सी०/एस्यू/जी० एच० डी०/2/85-86:— भत मुझे, बी० एल० खत्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या भूमि 8 कनाल घरौन्दा जिला करनाल में स्थित है '(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री हत्ती श्रिधिकारी के कार्यालय घरौन्दा भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनौक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसे देश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक हैं शैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एमें अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उप्रदेश सं उक्त अन्तरण लिखित में आम्तविक रूप से कथित मुंचे निया गणा हैं:---

- (क) अन्तरण संहुषं िकसी अप की शावत, उक्त अधिनियम के अधीत कर येने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आएकए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पान्ट नहीं किया राग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः अब . उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों , मीं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—— 7--416GI/85 श्रीमती साविती पत्नी श्री बलवन्त सिंइ पुत श्री बजीर सिंह निवासी घरौंदा तहसील घरौंदा जिला करनाल।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री भोला राम (2) नाकली राम,
 - (3) सुरेन्द्र पाल पुत्रान श्री सौदागर निवासी घरौदा जिला करनाल।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा त्रो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

सम्रानिः भूमि 8 कनाल घरीन्द्रा जिला करनाल में स्थित है जिसका विवरण रजिन्द्रीकर्ता कार्यालक घरीन्द्रा रजिस्ट्री संख्या 136 दिनाँक 10~4~1985 पर दिया है।

> बी० एल**० खत्रो,** सक्षम प्राधिकारो, गडायह प्रायक्त प्रायक्त (तिरोक्षण) प्राजन रेंज, रो**ह्त**क

विनांक: 2-12-1985

महिर:

प्रकप भाइ . टी. एन, एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्स (निरक्षिण)

श्रजन रेंज रोहनक रोहतक, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

सं० भ्राई० ए० सो० एक्यू/फरीदाबाद/13/85-86:---मत मुझे, बी० एल० खती,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह निक्तार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या मकान नं० ई० 27 एन० म्राई. टी० फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के प्रधीन दिनौंक 23-4-1985।

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप में कथित नहीं किया एस है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निक्रम की अधीन कर दोनें की अंतरक की जाहिरक में कमी करने का अमलं अधने में जीवका की जिल्ला, बीव/दा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अस्य आस्तियों का. जिन्ही भारतीय आयकर विधिनवृद्ध, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के शोजरार्ध अन्तियमि हवारा प्रायट नेशी किसा गया था या जिल्हा कान महिला था, किसाब में सविजा

ं व्याः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

 श्री बख्गीश सिंह साही पुत्र श्री श्रीतम सिंह निवासी 6 डब्ल्यू० /5, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

 श्रीमती हरण नागपाल परनी श्री नेपाल दास नागपाल निवासी 5 ई/50 बी पी० एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति रवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- व्यथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पाम चिकित में विग्र जा स्कींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता. जो तस अध्याय में दिकः नदा हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट नं० ई० 27 एन भाई० टी० फरीवाबाद में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्री कर्त्ता कार्यालय फरीदाबाद रिजस्ट्री संख्या 844 दिनाँक 23~4~1985 पर दिया है।

> त्री**ः एलः खती**, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज रोहत ह

दिनौंक: 5-12-1985

में(हर:

प्रकृप् आह्रो, टी, एन , एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू/ जालका/2/85-86:---मत: मुझे, बी० एल० खती,

बायकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिस् इसको बायकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिस् इसको बायक इसको प्राथ कर की भार 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजकर मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जितकी संख्या 48 एउड 1 कताल 15 मण्ला गांव वीड़ फिरोजी तहसील कालका में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप रो वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कालका में भारतीय श्रायकण श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन दिनौंक 9-4-1985

का प्वापत सम्पत्ति क रामत बाला शाय सं क्रम के स्थामम्
प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाख
करने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उचिन बाजार
मूल्य, उसके दश्यान श्रीतकाल सं, एमं व्ययमान प्रतिक्रल का
बन्द्रह प्रतिक्रत से विश्व हो बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एमं अंतरक के लिए तम पाम। गया प्रतिका निम्निकिथित उद्देशिय से उच्च अंतरण जिखित में बास्तिकिक
क्य से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण संसूर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आण्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब . डक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अभीन , निक्मिलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :— श्रीमती तेजबन्त कौर पुत्ती श्री भगवन्त सिंह निवासी 61/3 छोटू राम, देहरादून।

(भ्रन्तरक)

 श्री भ्रानन्द सरूप पुत्र श्री हर बिलास मकान नं० 510 सैक्टर 8 चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

कार्य यह सूचका जारः कारक पुत्रावश सम्पर्गतः के मर्थन के शिष् कार्यकारियो फरता हो।

उक्ष सम्परित क अजन क सबंध में कोई भी आसरे ए-

- (क) इस भ्रुना के राजपत्र मं प्रकाशन की ताराधि वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीकर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रभावन की शादीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिचयक्य किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

नगृत्यो

सम्पत्ति भूमि 48 एकड़ 1 कनाल 15 मरला गांव बीड़ फिरोजनी तहसील कालका तहसील कालका में स्थित है। जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय कालका रिजस्ट्री संख्या 53 दिनौंक 9-4-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनौंक: 9-12-1985

माहर :

प्रकर बाह्री, टी. एम. एस. -----

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) यू अधीन स्पना

माइत चड्डबाड

कार्यातय, सहायव बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्डात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भाष 269-च है अधीन साम प्राण्डारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पात , विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान मेक्टर 14, मोनीपन में स्थित (श्रीर इंसमें उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोनीपन भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनोंक अश्रेन, 1985 को पूर्वीपत सम्पत्ति के उदित बाजार भून्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्व हैं और मूक्षे यह विश्वाध फरन का कारण हैं कि यभापूर्वीचर सम्पत्ति के जीवत बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस मान प्रतिफन का वन्छ श्रीत्शत से मधिक हैं गार कंत के (वं रक्षों) बीर वंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण को लिए तय पाया मन। प्रतिफल, निम्नलिश्वत ज देव से जनत सम्बर्ग का वन्छर का विश्वत में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया हैं :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसि किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कृष्ण कुमार मेहता
पुत श्री रतन लाल
96 डी० डी० ए उसफ सराय
नई दिल्ली।

(भग्तरक)

 सर्वश्नी मुन्दर शाम सतीय कुमार निवासी ए० 19 प्रेम नगर, सोनीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थता जा । कारके पर्योक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को संबंध में कोई भी वार्जप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ले 45 दिन की जयि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताराल से 30 दिन की अर्थीया, जां भी अविधि बाद में राप्ताशांती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मं में किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के र याय 20-क में परिभाषिट इ⁸, वहीं कर्ष ह ना जो उस अभ्यास में विसा गया है।

वन्स्यो

सम्पत्ति मकान सेक्टर 14 सोनोपन में स्थित है जिसका विवरण रिजम्ट्रीकर्त्ता कार्यालय सोनोपन रिजम्ट्री मंख्या 14 दिनाँक महीना श्रप्रैल 85 पर विया है।

> बो० एत० खन्नी, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) प्रर्जन रेंज रोहतक

दिनाँक: 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

रोहतक, दितांक 4 दिसम्बर, 1985 भिर्देश संबद्धाई० ए० सी०/एक्यू/कालका/४/85-86:→-श्रत : सक्षे, बी० एल० खबी,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिलियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित जिसका उचित खाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सक्या सक्षात ने 223 सेक्टर 8 पंच-कूला में स्थित है (और इसने उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिपात है), रिकिट्रीकर्णा प्रविद्यारी के कार्यालय कालका में भारतीय श्रायक, प्रीधितम 1961 के श्रधीत दिलीक 10-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, इसके स्थमान प्रतिफल के, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक च्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अत्तरक के दाियत्व मों कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

श्रीमदी राज की:
 विधवा स्थ० श्री हुकम सिंह
 विद्यापी मकान नं० 223 सेक्टर 9
 पंचकूला ।

(धन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र लाल यापर लिलासी सकात नं 2710 सेक्टर 38 सी० सण्डीगढ।

(अन्सरिवी)

को यह सूचना जारी करके प्रशिवस सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उब्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपण मं प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील सं 30 दिन को अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्त्ची

सम्पत्ति भूमि मकान नं० 223 नेक्टर 8 पंचकूला में स्थित है जिसका चिधनण रजिस्ट्रीकर्ना प्रकाियालिय कालका रजिस्ट्री संख्या 67 दिनांक 10-4-1985 पर दिया है।

बी० एल० खद्री मक्सम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहनक

दिनाक: 4-12-1985

मोहरः

प्रकृप बाह्युं, टी. एन. एस.,----

आधकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बधीन सूचना

बारत बरमाड

कार्यालय, सहायक नायकर नामुक्त (निरासक)

धर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/कालका/1/85-86:---मत:

मुसे, बी॰ एल॰ खत्री,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

जार जिसकी संख्या भूमि 32 कनाल 4 मरला गांव राम-गढ़ तहसील कालका में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालका में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख 1→4→1985।

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काकार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूक्च, उसके रूपमान प्रतिफल से, एवे स्थ्यमान प्रतिफल का गढ़ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण सिक्तित के बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ सं शुर्व किसी भाग को बाबत, उक्त विधिनियम के कधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविचा से सिए; बौद्ध/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अपने आस्तियों का जिन्हों नारतीय आय-कार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया जाना आदिए था, कियाने के स्थान के किया की किया

ं नतः नव, उनत निविधियम, की भारा 269-ग के बनुसरण मं में उनत निथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के न्यीन, निस्नीस्थित स्थायक्ष्यों, वर्णत् ह—— श्री जम्मू सिंह पुत्र श्री शंकर दास
 विवासी जय सिंह पुरा सहसील कालका
 जिला श्रम्बाला (न० रेथोरा कला सहसील मूरेना
 जिला मुरेना (एम० पी०)।

(मन्तरक)

 मैसर्ज एस० पी० स्पून पाईप कम्पनी हाउस नं० 1005 सेक्टर 19 बी० चण्डीगढ़ बारा श्री प्रवीण बिन्द लीस।

(प्रसरिती)

को बहु सुमना जारी कहके प्रतिक्त कम्पृति के वर्धन वे निए कार्यवाहिया कहता हुई।

तक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की तविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी ब्रह्मि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रांचिक्ष व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत् स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिकित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, वो उक्त विभिन्धम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित हैं। बही वर्ष होगा जो उस अभ्याद के दिवा भवा है।

नगृज्यी

सम्पत्ति भूमि 22 कनाल 4 मरला गांच रामगढ़ सह कालका जिला ग्रम्बाला में स्थित है जिसका विषरण रजिस्ट्री-कर्त्ता कार्यालय कललका रजिस्ट्री संख्या 4 दिनांक 1-4-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी. सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोह्नुतक

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 नघम्बर 1985 निर्देश सं० भाई० ए० मी० /एक्यू/हिसार/9/85-86:----भ्रत: मुक्षे, बी० एल० खन्नी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह³), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक ह³

और जिसकी संस्था प्लाट नं 2 ए पी भाप 22 कताल 4 मरले बीड हिसार में स्थित हैं (और इससे उपायक श्रुम्भी में और पूर्ण रूप में हाणित हैं), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय आयकर शिंक्तिसम 1961 के अधीन, दिनांक 11-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिष्ठन के लिए अन्तीरत की गई ही आँर मुक्ते यह विश्वास करने का अराण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उण्यति बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से सुधिकिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

क्तः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, संधीतः :—— श्रीमती तेज कौर उर्फ मुनी पस्ती श्री मोहन सिंह, नियामी ए०पी० बीड
 ज्या माडल टाउन स्टोन, सिरसा रोड, हिसार।

(भ्रम्तरक)

श्री जनार्यन दास जिन्दल
पुत चन्दू लाल
निवासी प्रीति नगर धर्मपाल
मी० ए० के मकान के पास।

(घन्त(रहीः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में स्पोर्ट भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की समित या सस्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, वां भी समित वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:----इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पदों का, को संबक्त विधिनियम, को वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा भे उस अध्याय में विचा पया है।

प्रनुसूची

सम्मत्ति प्लाट नं० 2 ए० पी० बीष्ठ हिसार में स्थित है जिसका धिष्ठक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्री संख्या 258 दिनोक 11-4-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज, रोहतक

दिनांक: 25-11-1985

त्रक्ष बाहे . बदै . एस .. श्रुष .------

नायकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को सभीन सूचना

भारत सरकार

सम्बद्धिया, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 नचम्बर 1985

निर्वेश म० प्राई० ए० मी० /एक्य/जगाधरी/ 1/85--86:---भ्रतः म<u>ु</u>झे, बी० एल० खर्त्री,

अध्यक्तर व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें क्रा परभात् 'जनत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- व के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पीस, जिस्का उचित वाजार मृत्य 1,, ●●, 900/- रह. से अभिक ही

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 19 एवं 30 शी गणेश लगर कालोनी जगाधरी में स्थित है (अं.र इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण कर से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जमाबरी में भारतीय आयक्तर अधि सम 1961 के **प्रधी**न, दिनांक 9-4-1985

को फ्लॉक्स तम्बद्धि के उच्चित बाजार मृल्य से कम के **र**श्ममान श्रीतकम के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्प्रिन का उचित बाजार करूब, उसके दूरवमान प्रतिकल से एसे दूरवान प्रतिकल का क्षेत्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंधरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकास निम्नलिकित उद्वदेश्य से उक्त वन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; कीर∕पा
- (क) एरेसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा ने किए;

क्तः बता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण र्ध, और, सक्त अधिनियम की भारा ≿59-व की इक परा (1) के अर्थाः, निम्नासिकत व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

and the control of th 1. मै० चौपड़ा लेन्ड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी जगावरी द्वारा रोभन लाल लिखा पूत्र राम जस, नियासी अम्बाला शहर। पुरूपातम लाल चौपड़ा पूत्र ज्ञान चन्द चीपड़ा निवासी 73, बुष्णा कालानी, वम्ता नगर।

(भन्तरक)

2. श्रीमती परबीत गर्ग परनी श्री सभाव चन्द्र गर्ग. श्रीमती कमलेग गरुहात्रा पतनी सिरी राम मल्होत्र। हरबन्य साथ अल्हे।बा पूत्र गालाज सि**ह मस्होक्षा** निकामी डाउल टाउन, नमना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीख** से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तासील स 50 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद सा समाप्त होता हो, के भीक्षर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में **हिसबद्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकें।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों औ. पदों का, अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, यही अर्थ हागा मां उस अध्याय में विया गया है।

अनु**सुधी**

सम्बत्ति प्लाट नं० 19 एन० 20 जो गडी श्री गर्भेश कालोती जगाबरी में स्थित है जिसका विवरण राजिनीकर्ना के कार्यान्य जगाधरी में रिजस्टी संख्या 123 दिनांक 9+4~1935 पर पिया है।

> ची० एन० खत्री, सक्षम प्राधिकारी, नम्धाक सामकः धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनोक: 21-11-1985

प्रभा आहें. टी. एवं. एवं. व्याप्त कार्या है. हो . एवं . एवं

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

अप्रकृति *ग्रेजकतात*

कार्यालयः, सप्तावकः शायकर त्राय्**वसः (**निर**क्षिण**)

ग्रर्जन रेज,रोहतक

रोहत ह, दिनांक 21 नवम्बर, 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या म० न० 395 पी० सै० 8 पंचकुला में स्थित है (स्रोर इसने उराबद्ध स्नतुमूची में स्रोप पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रिस्ट्री फ्तां स्रिधिकारी के पर्यात्थ जालका भारतीय स्राप्टर प्रिधितियम 1961 के सर्धात दिनांक 15-4-1985

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल का पन्धह प्रतिकल से अपि अन्तरका (जन्तकार) और अन्तरका (जन्तकार) और प्रतिकल हो परि अत्तरण हो लिए तथ दाबा प्रतिकल, निम्नितिखा) के दीन एम अत्तरण हो लिए तथ दाबा प्रतिकल, निम्नितिखा। उद्गीत से अस अस राम हिल्लिस

- (३) अन्तर्भ में हुई श्लामं अम्म ार्ग ब्रायन, सम्मन अभिमित्रम के अभीत कार दोने के अम्माराह में "अभिम्ल मां कमी कारणे था जरूने नवने में अधिकाल के लिए; शीर/या
- (बा) एसी किसी बाय ना जिस्की कर क्ष्य अस्थ अस्थित्यों कर्त, जिन्ही भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जान बाहिए था जिलाने में जुनिया की करे.

जन अब, उकत अधिनियम की धारा 260-ग व्यं अनुगरण भी, भी, जबत अधिनियम की धारा १६९-व की उपधारा (1) के अधीन: ¹नग्यलिखित व्यक्तियों, अधीन:—— 7—416GI/85 श्री शक्य निर्मात बनन सिंह निवासी 395 नैक्टण 8 पंचकुला, नहमील कालका।

(अन्तरक)

अी कुलदीस भाग रेखी पुत्र बन्धन्त भाग प्रहलूबालिया निधासी 3954 सै० 8 पंचकुला, नहसील धालका।

(अन्तरिती)

का यह स्वना अभी करके र्वक्त पम्पत्ति के अर्वन के निष् अवस्थाहियां गुरू करता हुं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिष श तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ष मूजना की तासील से 30 दिन की बनिष, जो भी अविभ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों में से कसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविज्ञ में किए का सकींगे!

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, अही अर्थ हांग जो उस शब्दाम में दिया गया हाँ।

अन्सूदी

प्रमाति प्राप्त नं 395 पी ने 8 पंचकृता में स्थित है जिउम प्रश्चिम विवरण रिस्ट्रीयनों के कार्यालय कालमा में क्षिस्ट्री संख्या 116 दिनांक 15-4-85 पर दिया है।

> बी० एन० खबी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जैंज, रोहनक

दिनांदः 21-11-1985

इक् कहा, दी . हुन . एवं . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन सुख्ता

शाहरू पहुच्या

कार्यासय, तहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्राजीन ोंज, रोहनक रोहना, दिनांक 18 नवम्बर, 1985 निर्देश मंश्राद्विश्यल सी०/एक्यू/कालका/5/85-86:---श्रत: मझे, बी० एन० खुली

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी प्रतक परजात 'उसत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 264-% के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का करण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 225 सें० 7, श्रर्जन ईस्टेट पंचकृता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर ने विणित है), रिजस्द्री हक्ती श्रिधकारी के कार्यालय काल हा में भारतीय श्रीयकर श्रिधनियम 1961 के श्रधीन दिन कि 16-4-1985

कां पूर्वाकत सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफास के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल के, एमें दश्यमान प्रतिफल का नद्राह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उड़ त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक औ दाबित्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा चे चित्र; और√वा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के विद्

अत: अज. उट त अभिनियम की भारा 269-म के अनसरण भे, भी, अक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अभीन, निस्तिनियित व्यक्तियों अभीत हुन्न श्री एदिन्दर नाथ पाल
पुत्र मुहन्द लाल पाल
निवासी मुह्न ने ए-201 वर्सी विला मोसाइटी,
4 बंगली रोड, श्रन्धेरी,
पश्चिम बम्बई।

(श्रन्तर ह)

 श्री मुभाष चन्द्र चीपड़ा पुत्र स्व० नाथू राम चौपड़ा श्रीमती सविन्दरा कुमारी चौपड़ा प-नी मुभाष चन्द्र चौपड़ा म० नं० 708 मै० 8, पंचकुला, तहसील कालका।

(अन्तरिती)

स्त्री स्त्रु श्रुपना शारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सक्त सम्मतित के सर्वान के सन्वाप्य के फोर्ड भी मार्काप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताकारी के वास लिखित में किए जा सकोंने।

स्यव्दीकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याम 20-क में यथा परिक भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास मे दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं 225 सैक्टर 7 ग्रम्बन ईस्टेट पंच-कुला में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण एकिस्ट्रीकर्सा के कार्यालय कालका में रिजस्ट्री संख्या 136 दिनांक 26--4--85 पर दिया है।

> बी० एल० खबी यक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायउर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, रोहतक

दिनांक: 18~11-1985

प्रकृष बाइ". टी. एम. एस. x - - ----

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मेपीम सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, राहतक

रोह्नक, दिनांः: 26 नवम्बर, 1985 निदेंश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/हिसार/7/85-86:----ग्रत्थे मुझे, बी० एल० खर्ता,

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमे इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं) कि आरा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाचार मूल्ब 1,00,000/- रुष्ट से अधिक हैं

प्रांश जिसकी संख्या 19 हनाल भूमि बीड हिसार में स्थित है (प्रांश इसने उपाबद्ध प्रमुख्नी में प्रांश पूर्ण रूप से विणित है), रिष्ट्रिक्नी अधिकारी के अधील हिसार में भारतीय प्रावकर अधिनियम 1961 के अधील दिनांक 19-4-85

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित को जार मृत्य स कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्स अन्तरण लिक्सिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खाँगत्व में कमी करने वा उद्देव बचने के सुविधा के लिए; मार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमांध-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्विना के निए;

अतः जब, उक्त व्यिभित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नधीन, निस्तिविकित व्यक्तियो∌ ⊈ार्षित ■—— श्री ज्ञान चन्द पृत्न लख् राम निवासी 3 बी एडीसनल वीरावाली बीड हिसार।

(म्रन्तरक)

मै० बी० डी० ग्रायल एण्ड जनरल मिल्स,
 6 कि० मी० सिरसा रोड, हिहार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्क्त बन्धीत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚁 🗕

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की टारींब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बनी क्याँक्तरों अर्थ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध वा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे तिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरताक्षरी के पास मिनिक में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जीभीनयम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या नवा है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 19 कनाल जो बीड हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के जायिलय हिसार में रिजस्ट्री संख्या 438 दिनांक 19-4-1985 पर दिया है। बीठ एलठ खबी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रोज, रोहनक

दिनांक: 26-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 28 नवस्वर 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्प्र/गुडगांव/1/85-86:-⊸श्रतः मझे, बी० एल० खत्नीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. मे अधिक हैं

म्रोर जिनकी संख्या प्लाट माण 516 16 वर्ग गत्र, गुड़गांव में स्थित ह (श्रीर 371) अशबह अनुशुची वे श्रीर पूर्ण रूप त र्गत है), रिल्ट्रोशची श्रिविधरी के अर्थात्य गुड़गांव में भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिप्रल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती सुमन कीच पत्नी कल्यान दास, निवासी फ्लैंट नं० 6 वीरमनी मिसन 24 मान रोड, दिल्ली-7।

(श्रन्तरह)

 श्री कर्म चन्द उष्पल पुत्र राम च द उष्पल द्वारापमं ० के० सी० उष्पल एण्ड कम्पनी 2679 गांधी भोटर मार्केट, कश्मीरी गेट दिल्ली--6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट माप 516 वर्ग गण जो कि गुड़गाव में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रिजस्ट्री संख्या 83 दिनांक 1-4-1985 पर दिया है।

> बी० एस० खनी यक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज,रोहतक

दिनांक: 28-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक रोडनक, दिशांक 26 नवस्वर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/जगाधरी/13/85—86:——अतः मुझे, बी० एल० खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिन्नकी संख्या मकाभ नं० 490 एल० माडल टाउम यमुना गगर में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय जायकर अधिनियम 1961 के अधीय दिनांक 22-4-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान धितफल के लिए अन्तिरत की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी बाय गा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री गुरप्रकाः सिह

पुत्र गण्डा सिह,

माडल टाउप, यमुना नगर।

(अन्तरक)

 कृष्ण लाल पुत्न सुन्दर चन्द,
 श्रीमती प्रेम कान्ता पत्नी कृष्ण लाल उषा रानी, मनोज कुमार, संजीव कुमार, त्रिवासी 490- एल० माडल टाउन, यमना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्वित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राज्यन में प्रकाशन की सारीत में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अंधोहस्ताक्षरी के शास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मुनाम नं० 490 एत० माडल टाउभ युमना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकृता के कार्यालय जगाधरी में रिजिस्ट्री संख्या 396 दिमांक 22-4-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खत्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनां ह : 26-11-1985

provide the contract of the second

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुधना

भारत सरकार

कार्यास्य, बहायक आयकर वायक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज, रोहलक

रोहतक, दिमांक 21 नवस्वर 1985

सं आई० ए० सी / एम्यू/कालका / 6/85-86:--अतः मुझे, बी० एल० खलो,

कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृज्य बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वसास करने का 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या महार नं 211 सर्वे नं 4 पंचलुला में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), राजिस्ट्री स्ती अधिकारी के व्यक्तिय वालका में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीप, दिनां ह

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य सं कम के ६ श्यमान प्रिक्त के लिए बन्तरित की गई है और धूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यणान्यीकर समित का उचित बाजार बन्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकात से शिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के गीच उसे अन्तरित से उच्छ अन्तरण के जिल्ला स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था

- (क) जन्तरण संहुई किसी अध्य की बायस, उक्क अधिनियम के सधीन कर योग के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बार/वा
- (क) एसी किसी लाय का किसी बन या जन्म वास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर बॉबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति देने कुनार किया गया था किया बाना चाहिए वा विजया में सुविधा के लिए।

अतः वंब, उवत अधिनियम की धास 269-ए के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के १धीन, निम्नीलिख्द व्यक्तियों, अर्थान् :—

- । बी मोहिन्दर सिंह पुल श्री दयाल सिंह, निवासी 211 सैक्टर 4 पंचकुता। (अन्तरक)
- श्रोमती अकुन्तला देवी पत्नी श्री मूल राज निवासी पावर पोटरी फार्म रेलवे रोड चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के निए कार्यग्राहिया करता हूं।

उक्त सम्बद्धित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबदूध
 ावसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, वा उत्तर श्री प्रयम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

सम्पत्ति मुकान नं० 211 सेक्टर 4 पंचकुला में स्थित है जिंका अधिक विवरण रिजिस्ट्री कर्त्ता के कार्यालय कालका में रिजिस्ट्री संख्या 143 विवाक 18-4-1985 पर दिया है।

> बी० एत० खती, स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, रोहतक

दिनों के : 21-11-1985

माहर :

प्रारूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहलक

रोहतक, दिनां 3 दिसम्बर 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्य्/फरीदावाद/1/85-86:--अत मुझे, बी० एल० खत्री

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,06,000/-रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संख्या मजान नं० 2253 सैक्टर 9, फरीदाबाद में स्थित है (म्रोर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 4-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कह के उच्चवान शितकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का जतरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्क, उसके उच्चमान प्रतिफल से, एसे उच्चमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकल का पंचा प्रतिकल से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितका, निम्निसित उद्देश्य से उक्त उन्तरण जिल्लित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरुण हे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) इसी किसी जाव वा किसी वन या अन्य वास्तिकों को, विन्हें भारतीय बाय-कर विभिन्नका, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, 1927 वन-कर विभिन्नमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला नेवा या या किया बाना चाहिए वा, कियाने औं सविशा के किया

करः वस्त्र, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वं, गें, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधिक, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थान् ह्यू- श्रीमती जागिन्दर कोर पत्नी श्री मुरजीत सिंह 1555/9 फरीदाबाद।

(अन्तरक)

- 1. (1) श्री श्रीभिवास कोशिक पुत्रश्री राम स्वरूप
 - (2) श्रीमती सरोज कोगज पत्नी श्री श्री निवास निवासी 734/7 सी, फरीबाबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्ये :--

- (क) इस सूचना के सावपत्र में प्रकारण की ताहरिक हैं
 45 दिन की मन्द्रिय मा तत्स्वक्यों का सूचना की तामील से 30 दिन की ननिय, जो भी क्याधि नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स म्बद्धित्वों में से किसी व्यक्ति हुवासा
- (व) इस क्लान के सावपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विल को औशर उनत स्थापर सम्पत्ति में हित्तबहुध हिक्की कम्ब व्यक्ति ह्वारा वभाहस्ताकरी के गास विश्व में किए वा सकों में।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

अससची

सम्पत्ति मजाप गं० 2253 थेनटर 9 फरीदाबाद में स्थित् है जिसका विवरण रिजस्ट्रीक्ती कार्यालय फरीदाबाद रिजस्ट्री संख्या 126 दिशांक 4-4-1985 पर स्थित है।

> बी० एक० खती सक्षम प्राधिकारी

तहाय र स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, रोहराक

दिनां क : 3-12-1985

मांहर :

प्रकप आई.टी. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 289-ए (1) के जधीन सूचना

المراجع المرازي المراوية المراجع الموالي والمعتبي المستوع فعست

मारत सरकार

कामरियः, लहारका कामकर लाख्यत (निरीकाण) अर्जेष नेतः, वित्तः

रोहर र, इति सं 2 कि.समर 1985 निर्देश सं० अक्टिंग् की क्रिक्त रहा प्रदासता. /85- 86:—असः मुझे, बीठ एक्ट कार्बा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सभन प्राधिकारों को पह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/-रा. से अधिक ह"

ष्ठीर जिसकी संकरा भूमि 14 ०५१२ । 4 भरता गाँव खोज किया तमहील अभ्याका में स्थित है (घोर १५६ उपाबद अनुसूची में प्रार पूर्ण कर व घोरता है), तक्तिव्हिल्ली अधिकारी के जर्याल जला के में सारवीय कायका अधिक्यम 1961 के अर्जाल, दिस्ते 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से का के क्रमजान पतिफक्ष के लिए अन्तरित की गृहां हों और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोये बश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम्पं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, शिम्मीत, यह एन्यास्य से उसत अन्तरण जिक्कित मों बास्तरिक एप से क्षीक्षण नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की, वाबस, उच्चत जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उपके जिने में सूक्तिमा के बिए; बोर/सा
- (५) श्रेसी किसी आम या किसी धन या अस्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, वा अस्व कर अधिनियम, वा अस्व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा धकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, (छपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अविजियम को ाा १,69-म को अनुसरण बैं, भा, उक्त अधिनियम की थाल 269-म की उपधारा (1) के अधीर, जिस्सीविक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. वर्बंभी राम म्रली.
 - 2. अगनाथ
 - . 3. प्रेम प्रकास श्रीसती बोडती विद्या

The state of the Control of the Cont

- श्रीमती प्रेम देवी पृत्ती श्री लालगराम पूत्र श्री बन्धी
- श्रीमती दुलारी विधवः
- 7 रामपाल
- 8. आ पुर्तान्द हुआ। अतिको हुआ देती पुत्री श्री हरपास सिंह उर्फ फूल सिंह तिवासी गांव संभाल हैंगी गहसील व जिला अस्वरणा।

(अन्दर्भ)

श्री तिरथ राम सर्मा
पुत्र श्री लक्ष्मण दान
जिल्लासी महाम नं० 172 ए० प्रेम नगर,
अम्बाला सहर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां गुरू करता हो।

क्रमत सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी अध्योप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (अ) इससूचना के राजनन में जनायन की तारीक से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएकहूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरों को पांच लिखित में किए वा सकान।

स्वकारिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्क बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, बही अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिखा क्या है:

अनुमुची

समात्ति भूमि 14 कनाय 14 घाला मान प्राप्त का पूर कामील व जिता अम्बाला में स्थित है। जिता विवास प्राप्त का प्त का प्राप्त का प्त का प्राप्त का प्त का प्राप्त का प्त का प्राप्त क

बीच एत्व ख्वी च्या प्रशिवासी भहासर आपक्र अपुक्त विशेक्ण) वर्षप्रमें मुल्लाङ्क

दिना र: 2-12-1985

प्ररूप बाइंटी एन एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुषना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश मं श्राई० ए० सी०/एक्यू/करनाल/11/85-86:---श्रतः मुझे, बी० एस० खन्नी,

कायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि 17 विघा 18 1/2 बिसवा करनाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं). रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के वार्यास्य क्रनाल भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 23-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित सावार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गर्ड हैं। और मुक्ते वह विश्वास करने की कारण है कि सभाव्योंक्त सम्मत्ति की उचित बावार मृत्य, सबके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल के पत्त्व प्रतिकाल से अधिक हैं और संसरक (अंतरकाँ) और संसर्तिति विभारिती (अन्तरितिवाँ) के सीच एसे अन्तरण के निरू तब वाया नया प्रतिकाल, निम्मीसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तरिक रूप से अन्तरण सिखित में वास्तरिक रूप से अन्तरण सिखित में वास्तरिक रूप से अभिन्त नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उन्हरं अधिनेत्रम की अधीय कर देने के बन्तरक की वाजित्य में कमी करने वा उन्नते वन्ने में सुनिधा के सिए! बरिं/का
- (क) एती किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा जै सिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :──
■─416GL/85

 श्री राम लाल
 पुत श्री हीरानन्द
 नियासी 17-18 णितन भालोनी, करनाल।

(भ्रःतरक)

 श्रीमती प्रेम मधोङ पस्ती श्री रोहित मधोक पुत्र श्री बहादूर चन्द निवासी 676/xiii श्रण्बन ईस्टेट, करनाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मितिः के वर्षत के तिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, को भी अविध बाद में समाप्त होती हते, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग्र;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की तासीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिंदा- यहुभ किसी व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पांच जिल्ला में किसे या सकती।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, को जक्त अभिनियम के बच्चाय 20-क को परिध्यक्तिय है, क्यूडी अर्थ होता, को उथ अध्याद की दिवा पत्रा है।

मनुबूची

सम्पत्ति भूमि 17 वियाज 18 1/2 बिसवा करनाल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय करनाल रिजस्ट्री संख्या 319 दिनांक 23-4-2985 पर दिया है। बी० एल० खन्नी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

दिनांक: 3-12-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक

रोहंतक, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 4 ए प्रीत नगर श्रम्बाका कैन्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 19-11-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री भगवात दास निवास 4 श्रीत नगर, अभ्वाला कन्ट।

(श्रन्तेपक्)

युन्न श्री बलदेव राय बाली पुत्र श्री बलदेव राय बाली निवासी 904 बी/5, मुहल्ला रोड लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्यक्ति मलान नं० 4 ए प्रीत नगर, **प्रम्बाला कैन्ट** में स्थित है (जिसरा विवरण रिजिस्ट्रीयक्ती सार्यालय ग्रम्बाला रिजिस्ट्री संख्या 39 दिनांक 19-4-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्राजन रोज, रोहतक

दिनांक: 9-12-1985

प्रकृष बाह[्]ं **टी. एन्**च प्रस<u>्त</u> अ नव अ

भागकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा %२२ के अधीन सूचना

भारत **तरकार**

कायिलिय, सहायक आयकर आधुक्त (निरोक्तण) श्रजंन रेंज,रोहसक

रोहतक दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/करनाल/9/85~86:—— भ्रत: मुझे, बी० एल० खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या दुकान नं० 19 पटेल मार्काट तरनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुभूची मैं श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रविकारी के कार्यालय सरनाल में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 12-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रीतफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल का बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बील एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रथा प्रतिक कत्त, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक रूप से किश्यत नहीं किया गया है :--

- (क) अध्यास से हुई किसी बाय की बायत उकत अधिक नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में किसी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए; जीव/या
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायकर जांभनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उस्त अपिनियंत्र, वा प्यान्तिक का पार्थन कर जांभनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया काला चांक्रिय था, कियाने के स्विधा अ जिंधा

यतः सथा, उत्तर अधिनिष्यम् की थारा 269-म श्री अभूगुरू में, में, उत्तरं मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 श्री रणजीत सिंह
 पृथवी पाल सिंह प्रतान
 श्री तेजा सिंह पुत्र निहार सिंह निवासी सदर बजार, करनाल।

(भ्रन्तरक)

श्री हरी राम पृत्न श्री साधु राम श्रीमती कोशिल्या देवी पत्नी श्री किशान चन्द श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री पुरूषोत्तम दास निवासी तहसील मोहल्ला धूरी जिला संगरूर (पंजाब)।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना बारो करके पूर्वोक्ट एम्परित के बर्बन के जिल्ल कार्यनाहियां करता हैं।

इवत बच्चिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप?---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिय, को भी जनिय का में समान्य होती हो, में भीवर पूर्वों कर व्यक्ति को से से किसी व्यक्ति होता है।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य स्थावत दवाया, अभोहस्ताशही के पास सिसित में किए जा सकती।

स्पष्टीक्षरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि दुकान नं० 19 पटेल मारकीट करनाल में रजिस्ट्री संख्या 253 दिनांक 17-4-1985 पर दिया है।

> बी० एस० खती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-12-1985

भाष्ट्रर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज रोहतक

रोहतक, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू/ग्रम्बाला/2/85-86:--श्रतः मझे, बी० एल० खन्नी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 966/4, ए० एम० मी० नादी मोहल्ला, ग्रम्बाला शहर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपा-बद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण एप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रम्बाला भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रिथीन, दिनांक 10-4-1985।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री तारा सिंह श्रामन्द पुत्र श्री निधन सिंह तरपत जीत कीर विधवा श्री सरदार सिंह, निवासी, 4559/3 हरी मन्दिर, ग्रम्बाला शहर।

(मन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी देवी विधेवा श्री राम किशन श्री हरबन्त लाल पुत श्री राम किशन निवासी, शाहबाद मारकडा तहसील थानेसर जिला कुरुक्षेत्र।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

> बी० एल**० खती,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) प्रर्जन रेज रोहतक

दिनां र: 7-11-1985

वक्त वार्<u>षः हो पुर</u>ु पुरु स्टब्स्क

भायकर मिनिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे मभीन सूचका

माउत संस्कार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 21 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० गृडगाँव//17/85~86— श्रत: मुझे, बी० एल० खती,

आयकर लिधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उचित्त वाचार बृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं भूमि 22 कनाल 15 मरला गाँव तहसील जिला गुडगाँव में स्थित है (श्रौर इनमे उनावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गाँव से श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रवीन दिनांक 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कन के क्यामान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गर्द है और मुभौ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कन, निस्नितिस्त उच्चोक्स से उच्य कन्तरण निकित में बास्त-विक कम से क्षित नहीं किया नवा है ए—

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी बाय की बाबत, उसते वॉभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के शायिक में कमी करने या उपसे बचने में सूबिशा से तिए; बीट/वा
- (क) एँसी किसी नाय या किसी भने या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में नृष्टिचा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री राम रिष्ठपाल पुत्र श्री तेजराम निवासी करतार पुरी, तहसील व जिला गुडगाँव।

(अन्तरक)

(2) मैं दीप सिक्का इस्टेट (प्रा०) लि०, 1/5 ग्रनशल भवन, 16 कस्तुरवा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को सह सुबना बादी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन की तिह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्क्स संबंधि से अर्थन से संबंध में कोई भी शाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की जनपि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की स्वीध, को बी अधि वाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंने।

लक्कीकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

करवरी

सम्पत्ति भूमि 22 कनाल 15 मरला गाँव चीना तह० व जिला गुड़गाँव में स्थित हैं जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गाँव में रजिस्ट्री सं० 341 दिनाँक 15-4-85 परंदिया है।

> बी० एल० खन्नी मक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज, रोहतक

तारीच : 21-11-1985

प्रकार कार्यु, की, दन , पुरु , -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

शारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर वायुक्त (निवर्णकार्य)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाँक 25 नवम्बर 1985 निवेंग सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/नरवाना/2/85-86-श्रतः मृक्षे, बी० एल० खत्नी,

भाषकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

श्रीर जिसकी सं० भूमि 16 कनाल 6 मरला नरवाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरवाना में भायकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन तारीख 15-4-1985 भो पृत्रीक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूट्य स कम के रस्त्रमान श्रीतफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, उसके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, असके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, असके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, असके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, असके रस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अस्पमान प्रतिफल का पन्त्रम, असके रस्त्रमान से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफ एसे अस्परण के लिए तय पामा गमा प्रतिफ एसे अस्परण के लिए तय पामा गमा प्रतिफ हम्म से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर देने के अन्तरण की दामित्व में कभी अर्ल या जससे वशाने में सुविधा से बिए; और/बा
- (थ) श्रेसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को थिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 े या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री शेर सिंह पुत्र श्री उदमी निवासी, नरवाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामधारी श्री राम निवास
पुतान श्री मंगल चन्द निवासी, नरवाना ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनद संपरित को अर्जन को संबंध भी कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार.
- (च) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्भास में हिराबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकांगे।

स्यब्धीकरणः — इसमा प्रयुक्त बक्दा और गवा का, जा जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हाना जो उस अध्याय में विका समा है।

अम्स्ची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल 6 सरला वर्ग गज नरवाना सें स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रोहनी कार्यालय नरवाना में रिजस्ट्री सं० 102 दिनाँक 15→4→1985 पर दिया है।

> नों० एल० खन्नी तक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

अतः अव, अक्त भौभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त जीजनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जजीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् :----

तारीख : 25-11-1985

मोहरः

प्रस्य गार्व दी. एव. एड.....

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाँक 26 दिनम्बर 1985 निदेश सं० त्राई० ए० सो०/एक्यू०/हिसार/5/85-86--

ग्रतः मुझे, बी० एल० खती

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि 43 कनाल 15 मरला गांव ग्रिप नगर तह व जि हिसार में स्थित है (और इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिसार भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनांक 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिसित में मास्तिक स्थ से कथित नहीं किया व्या है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्स ग्रीभिषयम से शभीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा से शिष्ट; बीड/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धम या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा और विदाः

जतः अब, ७०तः अधिनियम, को भारा 269-म को जनुसरण में, हैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) औ अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तिस्तों, अर्थात् क्राच्य (1) श्री राम शरण 2. श्री गोविन्द लाल पुालान श्री केसर दास निवासी गाँव व डा० खास श्रार्य नगर, तहसील जिला हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्री स्रोम प्रकाश
2. श्री महेन्द्र सिंह पुतान
श्री लक्ष्मण निवासी गाँव व डा॰ खास
ग्रार्य नगर, तह० व जिला हिसार।
(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाधोप 🌬 🖟

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मुंबोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किए वा सुकेंने ।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उच्छ अधिनियम के बभ्धाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सभ्यास में दिवा समा है।

ध्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 43 कनाल 15 मरला गाँव आर्व सगर, तह० विजला हिसार में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय हिसार में रिजस्ट्री सं० 316 दिनाँक 15-4-1985 पर दिया है।

बी० एल**० खती** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, रो**इसक**

तारीख : 26-11-1985

प्रकृष बार्ष की . एन . एस् . -------

भागकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नागृक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहत्तक रोहतक, दिनाँक 21 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी० |एक्यू०|डी० एल० श्राई०| 7/85-86--श्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ज्लाट नं 37 2428 वर्ग गज एफ इण्डस्ट्रीयल लैण्ड इम्टेट मेंबला महाराजपुर, जिला फरीद बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1961 के श्रधीन तारीख 2-4-85

को प्रांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को श्रममान प्रतिक्ष को लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिक्ष्ल से, ऐसे श्रममान प्रतिक्ष्ल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक्षल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिकित में वास्तविक्ष कम से किथन नहीं किया गमा है -

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबस, उबस अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में त्रविधा के लिए; आह्र/वा
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धर्म या बस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिष्ट;

नतः जय, जनत निधिनियम की पारा 269-ग के जन्तरण ने, भी, उपत जीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निध्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) इण्डियन कार्ड लॉचिंग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई पूना रोड,पीमपरी पुन । (ब्रन्तरक)
- (2) जोस्ट इंजीनियरिंग मेहता रोड, वस्वई (नव मैंसर्स जोस्ट इंजीनियर कम्पनी लि०), इन्द्रा पलेन 'एम' न्लाक कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुसुची

सम्पत्ति भूमि प्लाटनं० 37, 2428 वर्ग गज डी० एल० एफ०, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 1 मेवला महाराज पुर जिला फरीदाबाद में स्थित जिल्लका वित्ररण रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय दिल्ली रजिस्ट्री सं० 601 दिनांक 2-4-85 पर दिया है।

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रावी रेंज, रोहनक

सारीख : 21-11-1985

मोहरः

ब्रस्य बाह्य . ट. एम. एस. - - ---

जावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुवना

भारत मरकार

कार्यासम् , सहायक आयक्तर आग्तन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक रोहनक, दिनांक 25 नवस्वर 1985 निदेश-सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/हिसार/8/85-86---अतः मुझे, बी० एन० बना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को . यह विद्यान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्ला उपित बादार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 68 कराल 3 मरला साथ में मकान गांव ब्लाक बाव रक्तबीर हिमार में स्थित है (और जइसमे उपावथ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिमार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख 30-4-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान बीतफल के लिए कन्सरित की गई हैं और बुम्से यह विद्याम करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे व्यथमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिद्यात से कपिक हैं और बन्तरक (अन्तरकार) बार बम्मरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के लिए तथ बागा गया प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देष्य में उक्त अन्सरक सिचित यो नास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथक बीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ख़िली किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियों को विक् नारसीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरसी देशारा प्रकट उन्नों किया गणा का या किया जाना साहिए था. कियाने में अविधा के लिए;

क्तः क्ष, तक्स अधिनियम को भाग 269-म के अनुसरक को, की, उदात प्रतिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्मिजिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— 9—416GI/85

- (।) औं तरवंस गिर पुन श्री ईंग्बर गिंध् विकाश ३५ भी चोट दिसार पास्य आफिस पुणासि तहरू विभिन्न दिसार। (अस्तरक)
- (2) श्री जमबन्त सिह् 2 श्री मुने : सिह श्री प्रताप सिह् पुतान चीधरी मनीनाम िवासी मनवा भवात पर्यंत इस्टेट ने० 2, नवर्षक छावा चीक, हिमार।

(धन्निरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के बाज्यन्थ में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस सूचना के राष्ट्रचन में प्रकाशन की तारीख से 45 जिल की अवधि यह तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृशेंकत व्यक्तियों की वे कियी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- व्यूप किसी अन्य व्याक्त द्वाप जाहरूसाक्षण के एस लिकिन में विज्ञा का सकीये।

स्थयनं वरण ---हमान प्राप्ता गवतो और न्यां का, जो सक्त अधिनियमः के बन्धाय 20-क में परिभाषि है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया समाही :

गनमुची

सम्पत्ति भूमि 68 कनाल 3 मंग्ला साथ में मकाह गांद ब्लाक नावरा विष्ट, हिसार में स्थित जिसका विषरण रिजिस्ट्रीकर्ना कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्री गं० 632 दिलांक 30-4-85 पर दिया है।

> वी० एल० बता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्ष्त (निरीक्षण) श्रत्य रेंज्य रोहतक

नारीख: 25-11-1985

ब्ररूप जाइं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

भत्यातम अक्षयम अयक्षर **माय्कत (निरीक्षण)** प्रार्थन रेज, रोहतक

िदेण लं० श्राई० ए० मी० /एक्यू०/গুड़गांघ/14/85—86— श्रतः मुझे, बी० एल० खदी।

अवस्य ऑशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सूमि 4 बीघा 13 विण्या गांघ सिकन्दर पुर व्यानी जिला गुइमान में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रमुखी में और पूर्ण का ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुइमान में रजिस्ट्रीकरण अधिलियम, 1961 के अधीन नारीख 11--1-1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान विकल को लग्छ अवनीरत की गर्म है और मूझे यह विषवास करने की कारण है कि वधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूझ्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल का बन्दह, प्रविद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाका गया प्रतिफल, विम्निटिश्विस उन्नयेश्य से उन्त अन्तरण विक्तिकार अवस्थित कर से किया गुरी किया गया है :----

- अन्तरका मा हुए किसी आय की शब्द, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने या उमसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 करें 11) या उकत अधिनियम, या असकर अधिनियम, या असकर अधिनियम, या असकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविभा के निरु:

बाहा: सब, उक्त ऑभीनेयम की भारा 269-ग के जनुकर्य को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) की बाजीन, निम्मालीसल व्यक्तियों, वासीस :---- (1) श्री नवल सिंह श्री लखमी चन्द श्री श्रीचन्द श्रीमती बिरहा देवी पुत्री श्री हेतराम निवासी गण सिकन्दरपुर घोसी, जिला गुड़गांव।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं । अनुराग कन्स्ट्रभगन्म कम्पनी प्रा० लि०. 24, नरेंन्द्र प्लेम पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का वह सूक्ष्या जारी करकं पृथोक्त सम्पति के अचन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की क्यिंघ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिस्
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण;— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्यूजी

सम्पत्ति भूमि 4 विघा 13 विघ्वा सिकन्दर घासी जिला गुड़गांव में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय गुड़गांव रिजर्स्ट्रा से० 305 विवास 11-4-85 पर दिया है।

> बी० एल० **ख**त्नी सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 25-11-1985

माहर :

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकाष्ट

अर्थालय, सहायक आयकर नायुक्त (निसीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिशांक 26 नवम्बर 1985 निदेण सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/स्मिर्ड़ा/27/85--86--ग्रतः मुझे, बी० एल० खन्नी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रति । १८६ की की की कहा प्रया हो), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आँर जिसकी मं० दुकान नं० ई० पी० 713 रेलवे रोड, रिवाड़ी में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विभिन्न हैं), जिन्दीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, रिवाड़ी में आयकर अधिक्यम, 1961 के अधीन नारीख 10-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक स्रथमान प्रतिफल सं, ए ए द्रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तिक अप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे शक्त में युविधा के लिए; मार/या
- (क) होती किसी आम था किसी धन वा जन्म वास्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा जिल्ला जामा बाहिए था, कियाने में सविधा के सिए।

स्रतक्ष अवन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की विवृत्तरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधास (1) अं अधीन, निम्निसिक्ष व्यक्तियों, उक्ति ह— (1) श्री प्रभुदमाल श्री ओम प्रकाण पुतान श्री हावन दास निवासी मोह्हला नई बस्ती, रिवाडी ।

यन्तरक

(2) श्रीमती गांति रानी नागपाल पत्नी श्री हरीचन्द नागपालडेटिस्ट, रेलवे रोष्ठ, रिवाई। ।

(अन्तरिती)

(3) श्री मुरजीत सिंह इत्यादि धाई० एन० एस० आफ स्व० श्री सर्वारा सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह निवासी गाप नं० ई० पी० 710 से 713 रेलवे रोड, रिषाडी ।

(बह व्यक्ति जिसके अधियोग भें सम्पत्ति है (

ನ್ನೂ ಕೃಷ್ಣಿ ವಿಜ್ಞೂಪಿಕ್ಕಾರಿಕ್ಕಾರಿ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್ ಮಾಡಿಕ್ಕಾರಿಕ್ಕಾರಿಕ್ಕಾರಿಕೆ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್ ಕ್ರಾಮ್

का वह सूचना वारों करक प्रांचल सम्पास के अवन क जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सकारणा व्यक्तियों पर स्थता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मन्ति बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्ववित स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्थान के रामपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किस जा सकरेंगे।

स्वाचित्तं :---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदीं का, का अवत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका मया हैं।

अनूसँची

सम्पति दुकान नं० ई० पी० 713 रेलदे रोड, विदाई। में स्थित है जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रिजाई। रिजस्ट्री सं० 5ह्म दिनांक 1.0 ·4--85 पर दिया है।

बी० एल० ख्**ती** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर चायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, राहतक

तारीख: 26-11-19**8**5

अरूप नाइ. दी. एन. एउ .-----

धाववार अधितियम, 1961 (1961 का 43) **की धाडा** 269-व (1) के मधीन सुपना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जागृक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिसांक 26 नवस्वर 1986

निर्देश म० आई० ए० मी० /एक्यू०/िक्षाड़ी/28/85--86--

श्रतः मुझे, बी० एल० खत्री

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इसके प्रश्नात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और हर जसकी लंश भाष नंश ईश्यी 711 रलवे रोड रिचाड़ी में स्थित है (और इसम उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रिचाड़ी में आयकार अधिनियम, 1961 के श्रधीत वारीख 9-4-

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथाप्यांकित सम्पत्ति को उश्वित आपार कृत्य, उसके रश्यमान प्रतिकान से एसे दृश्यमान प्रतिकान का निम्न प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया यया शृतिकान निम्नोजिसित उश्विक से अवत बन्तरण है जिल्ला प्रविक्त का अन्तरिक के सिक्त के लिए तथ पाया या शृतिकान निम्नोजिसित उश्विक सुर्विक स्था है जिल्ला मुद्रा के सिक्त सुर्विक स्था है जिल्ला सुर्विक सुर

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय क। बाबत, जाक्छ नियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाव या किसी धन था अन्य बास्तिकों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भव- का अधिनियम, पा भव- का अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के स्थीजनार्थ अन्तिरित्ती बुजारी प्रसद्ध रिक्टा किन की स्थीजनार्थ अन्तिरित्ती बुजारी प्रसद्ध रिक्टा किन की स्थाजनार्थ आनित्रित्ती बुजारी प्रसद्ध रही रिक्टा किन स्थीजनार्थ अधिका जान भारतिस्य या, कियान की सिक्ट

कतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण को, औं गजत अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) हे ब्राधीन जिस्तील**विक व्यक्तियों, व्यक्ति ३**—

- (1) श्री दुर्गा प्रसाद श्री गुरेन्द्र कुमार पुत्रान श्री धेवन दास मोहल्ला नई बस्ती, रिवाड़ी । 'श्रतरक)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार नागपाल पत्न
 श्री हरीचन्द्र नागपाल, डैंटिस्ट रेलवे राड, रिवाझी विश्वी सुरजीत सिंह इत्यादि एल०एच०एस० त्वेट श्री सरदारा सिंह पूत्र, ज्वाला सिंह निवासी गाप नं० ई० पी० 710 से 713 रेलवे रोड, रिवाईं। ।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभीग में

सम्पत्ति है)

का यह सूचमा जारी करके प्यॉक्स सपरिष्ट के अर्थन के अिए जार्थनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्तन के नम्बर्ध में कोई भी बाबीर ह---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तालीज से 30 दिन की जबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाव विविक्त मों किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कर्ष होगा को उस क्ष्याय में विका गवा है।

श्रन्सूची

सम्पत्ति दुकान नं० ई० पी० 711 रेलवे रोड, रिचाड़ी में स्थित है जिसका चिवरण रिजम्ट्रीकर्ता के कार्यालयः, रिचाड़ी रजिस्ट्री सं० 19 दिनांक 9 4-85 पर दिया है ।

बी० एन**े खनी**

सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख : 26-11-1985

प्रकप आइ".टी.एन.एस. -----

आध्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

बार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, रोहनक रोहान, दिनों 2 दिसम्बर 1985 निर्देश एक आईक एक सीक/एक्यू फरीदाबाद/7/85-86 --अतः मुझे वंक एक खरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

प्रोति िसको सँ० प्लाट 1187-88वर्ग गण, सेक्टर-11 फरीदाबाद में लेखन हैं (मोर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का प्रविधा है) क्षेत्रकृतिको अधिकारी के कार्यात्य फरीसपाद अस्तित कार्यात्र अधिनम 1961 ण अधीन विकास कर्मा

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप (बाबत, उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कर्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अर्थक । निम्नसिवित स्थिक्तिमाँ, अर्थातः :---

- (1) था जे० सी० गरीवर पूत श्री ईम्बर दास ग्रोबर श्री एम २ त्य ग्रावर पूत श्री जे० सी ग्रोबर नि० . 451--एन माइन टाऊन, जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्री दीप कालगा पुत्र श्री के० एस० कालरा पि ग्रीत पार्क, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां भूभ वरका हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन दा सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 प्रिंग को जबिय या सहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरण:——इसर्म शय्यत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 1187-88 वर्ग गज, सेक्टर-11 फरीदाबाद में स्थित है जिल्लामा विवरण प्रतिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फरीदाबा प्रजिस्ट्री सं० 513 दिलाम 16-4-85 पर दिया है।

> बी० एल**० खती,** सक्षमं प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिसांक :-- 2-12-1985

मोहर 🕫

प्रक्प आईं.टी.एन.एस. ----

भारतर अधिनियम, 196; (1961 का 43) की भारा भारा 269-क (1) के अभीन मुक्त

HERE MARKET

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, रोहरा रोहतक, दिशांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्यू अम्बाला/5 /85-86-अत: मुझे बी० एस० खती,

शासकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसबे असके प्रश्वात 'उक्त व्योधिनयम' कहा एमा हो), की आर 59 ब के अभीन सर्वाय प्रशिक्ता को वह विकास कार्न का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 2 कनाल 12½ मरला अम्बालामें स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीस्ती विकासी के बांयित्य अम्बाला में भारतीय आयकर अधिभियम 1961 के बांगि विकास 18-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने को कारण है कि स्थाप केंद्रत सम्मित का लाखत बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल के ति स्थाप केंद्रत सम्मित का लिए ज्ञा निर्माल के ति विश्वास प्रतिकात से जिल्ह है और विन्तर्य (अन्तर्यों) और विन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के जिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्मितिका उन्वर्ध्य से उन्तर कन्तरण जिल्हा में स्थाप प्रतिकात से अन्तर्य के स्थाप स्थाप प्रतिकात से संस्थित के सी कार्या प्रतिकात से साम्तरिक कार्य के कार्य करने सिर्माण स्थाप प्रतिकात से साम्तरिक कार्य के कार्य कार्य कार्य से उन्तर कार्य क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उसत अधिनियम की स्थीत कर वीत्र के अन्यदक की वायित्व में कभी करते के उत्तम नकते हैं सर्विका स निय; और/शा
- (ण) एसी किशी जार वा जिल्लों वह या कार आस्तियों को, जिल्लों नारतीय शाय कर एडिएनियम, 1922 (1922 वह 15) या उन्दर्भ अभिनियम, या वनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विद्या जाना चाहिए था, जिल्लान ये मुविधा वे विद्या

खत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) श्री लख्मी चन्द्र पुत श्री भानू राम नि० ग्रम्बाला शहर (अन्तरक)

(2) बाबा हरभजन सिंह (2) बाबा जागीर सिंह बेला बाबा सन्त गुरमुख सिंह जी, कार सेवा बाला वि० पेहवा, ।

(अन्तरिती)

हा सह स्वा शारी करके प्यास्त संपत्ति के वर्षन के शिष्ट कार्यवाहिया वृक्त करता हूं।

उक्त संपत्ति की अर्थन की संबंध में काई भी बाशप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ब 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति विक्तिन में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीक रण: -- इसमें अयुक्त धनदीं और पदीं का, वो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहीं अर्थ होगा वो उस मध्याय में विका न्या हैं।

arandi

सम्यक्ति भूमि 2 कनाल $12\frac{1}{2}$ मरला अम्बाला में स्थित है जिल्लका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय श्रम्बाल। में रजिस्ट्री सं० 405 दिशांक 18-4-85 पर दिया है।

> वी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनाक:- 9-12-1985 भादर प्ररूप आइ . टी. एन. एस .----

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निनदेश सं० ग्राई ०ए०सी० एक्यू० फरीदावाद 9/85/86

अत: मुझे बी० एल०खती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 सी इन्डस्ट्रीयल ईस्टेट-1 फरीदाबाद में स्थित है ग्राँर इससे उपाबद अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिकियम 1961 के अधीम दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक्क निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृबिधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, रिम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) में उर्स विकास पारस लिन, फरीवाबाद (अन्तरक)
- (2) मैसर्स एत् वी० एस० सन्तज घण्ड सुन्नान एच० यू० एफ० 18 ती डी० एल० एफ० इवडस्ट्रीयल इस्टेट-1 फरीयाबाय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए ज सकींगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया दें।

ग्रन्मुची

भूमि इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 18-सी डी. एत० एफ० इन्डस्ट्रीयल ईस्टेट-। फरीदाबाद में स्थित है जिसका जिवरण रिक्ट्रीकों कार्यक्षिय फरीदाबाद वें रिजस्ट्री सं० 734 दिनाल 18-4-1985 धर दिया है।

> बी० एल**ं खती** चझम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) वर्जम रेंज, रोहलक

विषां :- 29 -11-1985 मोहर : प्ररूप बाइ .टी .एन .एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षक) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रास० ए० सी/एक्यू/फरीदाबाद/4/85-86--अत: मुझे बी० एल० खती,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 341 16—ए अरबन ईस्टेट फरीदाबाद में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और जेति रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; बरि/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मुकिश के लिए।

- ·1· श्रीमती आर० लक्षमण, 92 रिवन्द्रा अगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री प्रशोतम दास अग्रवाल पुत श्री गुरु प्रदाद नि॰ 2D/71 पी॰ स्टेट बैंक कालोनी सेक्टर-5 फरीनाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकाव नं० 341 सेक्टर 16-ए अरबन ईस्टेट, फरीदाबाद में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 200 दिनांक 6-4-1985 पर दिया है।

बी० ए ल० खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिशांक: 5-12-1985

क्षकर बाद्द', ट\ एम एस , -----

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के वभीत सुभवा

बारत सरकात

कायांत्रम, सहयक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनाक 5 दिसम्बर 1985 निर्देग सं० ग्राई० ए० सी०/एवपू/अगाधरी/14/85~ 86→-मन: मुझे, बी० एल० खन्नी

आस्थकर अधिनिधार, 1961 (1961 का 43) जिसे हत्त में इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की भारा 269-श को अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कोर जिसकी सं० भूमि 17 बिया 7 बिसवा गाँव तेजकी सञ्च० जगाधरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मैं और पूर्ण रूप से घणिंग हैं), रजिस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यांच्य जगाधरी में भारतीय श्रायकर प्रजिन्दिम 1961 के प्रधीन दिनोक 24 4-1985

भी पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिटिक्त को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार ब्रुख्य, अक्ष्में क्ष्ममान प्रतिकास न एंग स्वयमान प्रतिकास का लिए का मान्य प्रतिकास का लिए का मान्य प्रतिकास का लिए का मान्य प्रतिकास का लिए का पाया भागा प्रतिकास का स्वयमित के क्षीय ए से जन्मरण के निर्माण पाया भागा प्रतिकास का स्वयमित का स्वयमित के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक के सम्बद्धिक का स्वयम्य से उच्या अंतरण सिक्षित के सम्बद्धिक स्वयम स्वयम स्वयम का स्वय

- (क्ष) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दिश्वित्व में क्रमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (पा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कविभा के सिए:

भी पूरत पुत्र श्री पंजचा ति० गाँव तेजली सह० जगाधरी
 (भ्रग्तरक)
 श्री कालीन्दा कोलरेटिच हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड
 यमना नगर।

(घरतरिती)

की यह स्थाना भारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन की विकर कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालीय :

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, चो भी अवधि अदि से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में विका पदा ही।

म्स्ची

सम्पत्ति भूमि 17 विधाज 7 विसवा गांव तेजली तह० जगाधरी में स्थित है जिसका विवरण रिजल्ड्रीकर्जी कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री संख्या 444 दिलांक 24-4-1985 पर दिया है।

> बी० एल० खनी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

बत: अव, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सूर्ण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

程刊布: 5-12-1985

मोहरः

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 नघम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एम्यू जगाधरी/62/85--86--श्रतः मुझे बी० एल० खदी,

हामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्रेसके पश्चात् 'चन्त्र अधिनियम' कहा गया है"), की बादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 170 ए माछल टाऊन यमु नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 22-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तःरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त गणि-जिथितियम के अभीत कार देने के अन्तरक के दानित्य में कभी कारने या उससे क्याने में सुविधा की किए;
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या अथ्य आसिसकी को जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपस अभिनयम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजपार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, किपाने में मुनिधा के सिए; जीर/चा

अतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिभियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्मिनिकत व्यक्तिस्तों, जर्मात् ॥——

अभिनी शमीम राष्ट्रंपन धमं पत्नी श्री स्वामी नाथ न रावयन नि० 170-ए० मार० माछल टाऊन पमना नगर।

(भग्तरक)

 श्रीमती सरला रानी पुत्री श्री साधु राम निषासी लाडवा जिला कुरूक्षेत्र, श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री शिष प्रसाद नि० गांव मुस्टफाबाद लह० जगाधरी।

(मन्डरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के तिल्थ कार्यकाहियां करता हो।

उन्त उम्मत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाध्रंप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की स्विधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या क्वा हैं।

नगराची

सम्पत्ति मेकान नं० 170-ए धार माइल टाऊन यमुना नगर में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रोक्ती कार्यालय जगाधरी रजिस्ट्री सं० 398 दिनांक 22-4-1985 पर विद्या है।

> बी॰ एल॰ खती सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

विनोक:- 26-11-1985

प्रकृष् वाद्य<u>ेत्</u>द्री<u>ः वृत्रक्ष</u>्यः _अन्यस्थानसम्

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-न (1) के बसीन क्षता.

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

मर्बं ते रेंज, रोहसक

रोह्नक, दिनांक 21 नवस्वर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्यू करनाल/7/85-86---अस: मुझे, बी० एल० खसी,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिक्के इक्कें इक्कें इक्कें इक्कें परचात् 'उक्त मिनियम' कहा पना हैं), की भाषा 269-का के सभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह क्षित्रका करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, किक्क अधित वाक्कर नृस्व 1,05,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० इन्डल्ट्रीयल शेंड कुजपून रोड, करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस से वर्णित है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिमांक 15-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्त को जीवत बाजार मृज्य से कम को क्यानात शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसको क्यामान प्रतिफल से एसे क्यामान प्रतिकल का पम्बर्ध प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए स्य पाया गया प्रतिकल निम्निलिख्त उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिवित में बास्त-विकास कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्भ सं हुई किसी नाम की गावत, अन्न नहीं किसी कर योगे के बन्तरण के द्वारियल में कमी करने या उससे बचने में सुन्निया से जिए; ब्रॉर/मा
- (w) एसी किसी बाम या किसी भग या बन्ध बास्तियों कहे, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधियकत, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधियकत, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिसी द्वारा त्रकट नहीं किया का या या या किया जाना चाहिए था, कियाने में ब्रिका के सिक्;

क्तं मब, उक्ट विभिनियम की भारा 269-ए के बन्दरण कें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) ऐ बभीन, जिल्लिखिक व्यक्तिस्मीं, अभित :---

- (1) श्री गोपाल दास पुत्र श्री जाल चन्द्रांम० 90 ए० डी बजीर चन्द्र कालानी करनाल । (जन्तरक)
- (2) सर्व श्री टेक चन्द अग्रवाल नुत श्री गणेश दास श्रीमती निर्मल बती पत्नी श्री टेक चन्द अग्रवाल श्रीमती अभिता गुप्ता पत्नी श्री हिष श्रोम श्री नवल िश्योर श्री मधु सुधम पुतान श्री टेक चन्द अग्रवाल एण्ड पुतान लोहा बाजार कपूर बला (पंजाब)

(अन्तरिती

टाईगर रवड़ इन्डस्ट्रींग कुंजपूरा रोड, करनाल। (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

करें बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के हिसक् कार्वकरिक्षां जुरू करता हु।

उक्त सम्बक्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की बन्धि, जो भी जनभि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पणि में ड्रिट-क्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यब्दोक्करणः - इसमे प्रयुक्त सम्यों और पवों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, कही वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

सम्पत्ति भूमि इन्डस्ट्रीयल गाँउ तृंजपूरा रोड, करपाल में स्थित है जिसका विवरण राजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय करनाल राजिस्ट्री सं० 210 विमांक 15-4-1985 पर दिया है।

> बी० एन० खती सक्षम प्राधिःगी **सहायक आय**कर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रैंज रोहतक

दिनांक :-- 21-11-1985 मोहर: प्रकप बाह्र¹.टी.एन.एस. -----

in the contract of the contrac

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षक, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नामपुर

कानपुर, विभाक 4 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० एम/684/85-86--अतः मुझे, एच० आर० वास्

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें दबने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिस्ना सचित बाजार मून्य 1.00.000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० आर० 11/122 है सथा जो राजनगर में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस से बॉलत है). रिजस्ट्री तर्ता अधिकारी के बायलिय गाजियाबाद में रिजस्ट्री करण अधिक्यम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रिष्ठिक को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार बून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया प्रया है :--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अभिनित्रक के जधीन कर योग के अन्तरक के बाधित्व में कभी करून या उधके वचने में सुविधा के सिस्; बरि/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या जन्य आफ्तियाँ की. जिन्हों भारतीय आब्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोध-नार्थ क्लीरिती ब्वास पकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जातिए था कियाने में सुनिभा की किया

- (1) श्री रिविन्द्र नाथ बजाज पुत्र श्री शान्ती स्वरूप बजाज नि० आर० 11/122 राजनगर गाजियावा**श** (अन्तरक)
- (2) श्रीमती करूणा अग्रवाल धर्मपत्नी श्री० वी० के० अग्रवाल नि० के० सी० 103 कवि सगर, -गाजियाबाद ।

(धन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोक्ट संपरित के अर्थन के सिद्ध कार्यग्रहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस द 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दाप्त सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियां में संकिसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्वाप किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमी प्रमुक्त शब्दी और पक्षी का, वो उपक अधिनियम के मध्याय 20-क मी परिभाषित हो, नहीं अर्थ काना जो उस अध्याय में विद्या नथा है।

पनुसूची

भवत नं• थार॰ 11/122 राजनगर गाजियाबाद।

एच । भार० वास संसम प्राधिकारी सहायस धायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) नर्जन रैंज, नानपुर

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन,, विक्निसिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

विमाकः -- 4--11--1985 मोहर : प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

कानपुर, धिनांक 4 नदम्बर 1985

मिर्देश सं॰ एम-685/85-86--अतः मुझे, एच• आए० थास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिन्नि सं० 25/398 है तथा जो राजभगर में स्थित है (मौर इससे उपाबक्क अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिल्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 30-4-1985

को पूर्विस्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृन्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोजित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उनत अन्तरण निमित्त में नास्विक कप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा को सिए; बार/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, स्वत अधिनियम की बारा 269-म की अनुसरण भें, में, स्वत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के संभीन, निम्निमिक्त व्यक्तियों, संभीत :---

- (1) श्री अशोक चन्द्र शर्मा एस/ग्रो श्री विनोद चन्द्र शर्मा भियासी 234, स्टय भिकेतन् भानकपुरा नई दिल्ली 21 (अन्तरक)
- (2) मैं । मित्तल इंजिनियरिंग वर्षस प्रा० लिं । हाय मैनजिंग डायरेक्टर भूषण लाल मित्तल पुत श्री ताराचन्द मित्तल भिवासी 12 आवास विकास कालोनी सिविल लाइन्स मुरावाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मकाम नं 10/152 राजनगर कवडे एरिया 2080

एच• आर॰ वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

विनोक: 4~11~1985

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांकवः, सहायक शामकर कायुक्त (विद्रीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

काभपुर, धिनोक 10 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० एम० 687/85-86--अतः मुझे एच० मार० दास.

नायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० चक नं० 126 है तथा जो सुरजपूर में स्थित है (भीर इससे उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण इप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दावरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16 16) के अधीन 19-4-1985

को प्रोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ववा प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस्ति के स्थान वहीं किया थया है ---

- (क) अन्तरम् सं हुवं किसी बाद की नावत , उपध विधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तर्क के दियल में कमी करने या उपसे वचने में सुविधा के किए: बाड/ना
- (वा) एस किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संभाषा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया की किए?

सत: सन, उस्त समिनियम की धारा 269-न के सन्तरक मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के सभीम, निम्नसिवित स्थितियों, स्थीत् :--- (1) जयपान एस/भी रामफुल आर०/म्रो डा० खास सह० दादरी गाजियामाद

(अन्तरक)

(2) गोपाल कुमार विकीरपका का एस॰ म्रो सीताराम श्रीपराशक आर॰-भ्यों ने॰ 58, ग्रेटर--कैलास ii मर्च दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्वना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के सर्वत् के सम्बन्ध में कोई भी सार्थप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील तो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकरेंगे।

अवस्थित क्षेत्र प्रमुख्त शस्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

चक मं∙ 120 सूरजपूर वावरी गाजियाबाद

एष० ष्यार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रॅंज, कानपुर

विश्लोक: 10-12-1985

इस्त् बार्च . थी . हर . वर 🗻 ----

बाधकर विधितियम, 1963 हैं 1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्तण) अर्जभ र्रेज, कान्यूर

कानपुर, विशोज 10 विसम्बर 1985

निर्देश सं० एम 688/85-86-अतः मुझे ए**च०** मार० घारा

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के लभीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 626-666012-4207 है तथा जो हवीसपूर में स्थित है (प्रार इससे उपायक अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिल्ट्रीकरण अधिक्यम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-12-1985

कां प्वांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यांकाय बितायत को सह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का प्रक्रित से बिथक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरक को सिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नितिकत उच्चक से उचित कन्तरय किला है निम्तिक क्या से किला नहीं वि स्या है :----

- (क) नन्तरण सं हुन्दं कियो नाव की नावस, समस अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के यायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जौड़/वा
- हिंगी किसी जाव था किसी थम या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 2269-च की अपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थर-[——

- (1) वेद राम पुत्र श्री रषुत्रीर सह० दादरी गाजियाबाद (अन्तरक)
- (2) लक्ष्मी स्वरूप अग्रवाल पुत्र समिदा मन्द निवासी 15/1 आसफ अली रोड, मई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक पंगीत में हितसक्ष किसी अन्य स्थाकत इवारा के पासरी से बान विवित में किए वा बक्षें।

रुपक्दीफरण :---इसमें प्रयूक्त कक्दें चीर पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय प्र विद्या गया है।

पगुसूची

62 से 66 तक 68 तथा 428 तह् वादरी, गाजियाबाद

एव० आरं० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (शिरीक्षण), अर्जन रेंज, काम**्र**

दिनांक :- 10-12-1985 मोहर : धक्ष भाइ^क. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन सेज, कानपुर

कामपुर, दिशांक 10 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० एम० 689/85-86—-अतः मुझी एच∙ भार० दास

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विर्ध इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन इक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. स अधिक हैं

भोर जिसकी सं० 42/ है तथा जो गुलावड़ी में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजिल्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्योक्षय दाहरी में रिजिल्ट्रीकरण अधिक्षियम 1908 का (1908 का 16) के अधीत दिनांक 30-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जोषत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिप्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिसन्त से,

एसे श्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वित उद्वादय से अक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बावत, धनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एरेसी किसी आय या किसी धर या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नही किया १५० से या किया अना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1)कंबल सिंह पुक्त भीम सिंह निवासी खुर्वे दावरी गाजियाबाद

(अन्तरक)

(2) राजेन्द्र सिंह पुत्र घोमप्रकाश सिंह निवासी 30 फरोज शाह रोड, मई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप

- (क) इस सुचना को राजपन में प्रकाशन की तारीबा स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में रामाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारता अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शक्तें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

नं 421 पाम गुलावड़ी दावरी

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सद्यायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

मतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के उन ाम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ----

वित्तीन: 10-12-198**5**

शोहर प्र

भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनौंक 10 दिसम्बर 1988

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी- सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ं. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 67, 69, 429 है तथा जो हबीबपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धीन, तारीख 24-4-1985.

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मुल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ं अगर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है क्

- (कः) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शय, उद्धः अधिनियमं कौ धारा 269-गं के अनुसरणं मा, मौ, अवत अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन . निम्निसित व्यक्तिगें, अर्थात् :---

 श्री वेद राम पुत्र रवुकीर, गाँव ह्बीबपुर, दादरी, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मन स्वरूप घग्नवाल पुत्र श्री संचित्रतानम्ब 15/1, घाणक धली मार्ग, नई विल्ली। (धन्तरिती)

—सदैव---

(बह व्यक्ति, जितके **मधिमोग में** सन्ति है)

4. ---सर्वेष---

(वह व्यक्ति, जितके बारे में **घधी-**हस्ताझरी जानता है कि यह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 शिभ की अधिम्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के अधि प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वत भर्ग कारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितब द्रश्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

शब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

वसरा नं० 67; 69 और 429 हवीबपुर, दादरी।

एव० धार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर

सारीख: 10-12-1985

(ग्रन्तरक)

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजॅन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 11 दिसम्बर 1985

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) तिकां इतमें इसके वस्थात् 'वस्त अधिनियम' कहा वस ही, की धास 269-कृ के नभीव बस्तम माधिकारी को यह विस्तास करने का सारण है कि स्थानर सम्मरित, विस्ता स्थित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 50 है, तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाव में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 23-4-1985

को पूर्नोक्त संपत्ति के उर्देषत वाकार क्ष्म से कन के जनकान प्रतिकाल के निष् नंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि वधान्योंका बंग्मित का जीवत वाकार प्रत्य उसके उपवान प्रतिकाल से, होते जनकान प्रतिकाल का अन्तर विश्वास से अन्तर (जन्तरकों) जीर अन्तरिती (जन्तरितायों) के बीच एके अन्तर्भ के जिए तब् पावा नमा प्रतिकाल, निम्नतिविक्त उद्योग से सकत सम्मारण निम्नतिविक्त उद्योग से सकत सम्मारण निम्नतिविक्त उद्योग से सकत सम्मारण निम्नतिविक्त अन्तरिक स्था के क्षिण जहाँ किया स्था है हरू

- (क) बन्दरम से हुई किसी बाय की शावत, उनह विधिनियस से वधीन कर दोने के अन्तरक से वादित्व में कनी करने वा उत्तर्व वचने में सुविधा के किए; बीर/वा
- (च) एंती कियी नाय ना कियी भन वा अभ्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, बा प्रभोजनार्थ नंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वै किया।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्रीमती निर्मेल ज्योति बजाज परनी श्री नरेश कुमार बजाज, 56, मांडल टाउन, गाजियाबाद।
- श्री नूतन प्रकाश स्थानी पुत्र ग्रीम प्रकाश प्रेमी निवासी यह जी०-58, मेहरू नगर, गाजियाबाद। (मन्तरिती)
- 3. —सदेव—

(वह व्यक्ति, जिसके घिषोग में सम्पत्ति है)

4. —<u>तर्देव</u>----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घट्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 पिन की जनीय या राज्यें के व्यक्तियों पर कृत्या की सामित के 30 जिन की बनिथ, थी औ अमित या में समाध्य होती हो, के श्रीहर प्रवेशक कार्यकां में वे जिसी कार्यक कुरकार;
- (च) द्रव स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थावत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक विश्ववित में किए वा सकेंगे।

क्राम्बीकक्रम :--- इसमें प्रमुख्त सम्मा धीर वर्षा का, वह समस् वरिशीनवर्ग, के सभ्याय 20-क में परिशायित ही, वहुरे वर्ष क्षीना को उस बच्चान में विका क्या ही।

धनुसूची

वर्षे जी-5B, मेहरू नगर, गाजियाबाद।

एच० ग्राए० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, कानपूर

तारीब: 11-12-1985

मोहरः

क्ष्म नार्ष्_थ स्रो_त पुर**्व पुर**्व स्थान

बावकर विधितिप्रथा, 1961 (1961 का 43) का पारा 269-व (1) के वधीन कुलना

साहत बहुकाड कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (फिर्टीकान)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौक 10 दिसम्बर 1985

निवेश तं एम 697/85-86--- प्रतः मुझे, एच । भार दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ों 269-क की अधीन सक्षम प्राध्यिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

पौर जिसकी सं० 122 है, सथा जो दोसपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, खुर्जा में रिजस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन, सारीख 17-4-1985

की प्रविक्त सम्पिक्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान वित्तिक के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृस्य, उसके द्वयमान प्रतिक्त से, एसे द्वयमान प्रतिक्त का पन्तह प्रतिक्रत से अधिक है और पंतरक (अंतरकों) और पंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिक्रत, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त बन्तरण चिकित में बास्तिक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) बन्दार्क से हुई कियी बाय की बाबत, उक्त बिधितियम के वधीन कर दोने के जन्दारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिध: बीड/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी थण या जन्य जास्तिथी की, जिन्हें भारतीय जायकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जिनियम, या धनकर जिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थया या वा किया जाना जाहिए था कियाने में वृतिया के जिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के विभीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती विरमा देवी बेवा श्री लीलाधर, गाँव दोसपुर, खुर्जा, बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

 श्री गजे सिंह पुत्र प्रताप सिंह, श्राम नगर, दिल्ली-92।

(भ्रन्तरिती)

उ. —सदैव—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

---तर्वेष---

(वह व्यक्ति, जिलके बारे से म्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिस् कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रायवत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीस से 30 दिन की शनिध, को सी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (ण) इस ब्रुचना के ख्यापन में प्रकाशन की शारील है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकों ने।

स्वक्षीकरणः-इसमें प्रवृत्त सन्धां और पद्यों का, की अवस अविनित्तम, के मध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना को उस सध्यान में दिशा गया है।

वनुसूची

नं॰ 122, दोसपुर, खुर्जा, बुलन्दशहर।

एच० मार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-12-1985

प्रकृष वार्षः टी. एन. एस्. न ल ह न हर कावफाड विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के ज्योन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, बहायक जायकर वायक्त (निर्देशिण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एम्०~702,85~86—श्रतः मुझे, एय• भार• यास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 117 है, तथा जो मिल कपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 9-4-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से फम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृषिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कृषिन्थ को कभी करने या असुसे समने ये जुनिया के दिए; कहर/या
- (क) प्रेसी किसी बाव वा किसी भन वा जन्य आस्तियों को, रिजन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वै खिए:

कंदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री रामेश्वर सिंह पुत्र हरी सिंह, निवासी— मिलक पुर, गाजियाबाव।

(भ्रग्तरक)

 श्री मानन्व स्वरूप सिहल पुत्र श्री नन्व विशोर सिह, गौव हवीबपुर, गाजियाबाद।

(प्रन्तरिती)

3. ---सदैव----

(बह व्यक्ति, जिसके मधिभोग सें सम्पत्ति है)

4. —सर्वेष—

(बह व्यक्ति, जिसके बारे से **पछी-**हस्ताक्षरी जानता **है कि वह** सम्मत्ति से हितव**ड है**)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप क्र--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी ध्विभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां ध्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथांहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

पनुसूची

चेक मं॰ 117, मलिकपुर, गाजियानाव।

एव० भार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपूर∄

बारीब: 10-12-1985

(अहर:

प्ररूप आई.टी:एन.एस.-----

नायनार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायॉलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 12 विसम्बर 1985

निवेश सं॰ एम॰-709/85-86---मतः मृशे, एव॰ बार॰ वास,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं स्थान जो हको कत नगर मैं

श्रीर जितका सं० 2/2347 हे तथा जा हकाकत नगर म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से व्यापत है) रजिस्ट्राक्षित प्रधिकारी के कार्यालयः सहारतपुर में रजिस्ट्राकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पृथोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रमान प्रतिफल से, ऐसे स्रमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिछु और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरेण कें, भी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) कें सभीभू, निम्मजिक्ति व्यक्तियों अर्थात् क्रि

- 1. श्री रोधा फुल्ण गौधी पुत्र जस्सा राम निवासी सी ० 6/11 राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बाल कियान सहगल पुत्र रतन लाल सहगल निवासी जवाहरपार्क, सहारनपुर।
 (भ्रन्तरिती)

3. --- स देश---

(वह व्यक्ति, जितके धिधमोग में सम्पत्ति है)

₄. —सदैव-—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रद्रो -हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

सकान मं॰ 2/2347, हकीकत नगर, सहारतपुर।

एक आर दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कातपुर

तारीखः 12-12-1888 बोहरः प्रकार, बाह्र हो हो पून्, पूस् - - - -

नावकंड निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) को नगीन सूचता

THE SERVE

कार्यानम्, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौर 12 दिसम्बर 1985

भिषेश सं• एमं०-710/85=86--ग्रतः मुझे, एच• घारा• दास,

नायकर अभिनियक, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनतः अभिनियम' कहा गया है'), की भाष 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मुख्यः 1,00,000/-रा. से अभिक हैं

भीर जिलकी सं० है तथा जो लखीरा में स्थित है (भीर इससे उपानद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, रहकी में रजिस्ट्रीकरण भिधितयम, 1908 (1908 का 10) के भन्नीत, तारी था 12-4-1985

को पूर्वोज्य सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य है का के क्यमान्
प्रतिफल के मिए बन्तरित की गई है बौर मुझें यह विश्वाब करने का बारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार बूच्य, उसफें दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्ष्य से अधिक है बौर अंतरक (बंतरकों) और बंतरितीं (अस्ती राज्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया नवा क्रीजिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया नवा है।

- (क) अन्तरम वे हुइरे किसी आम की कान्यन करते गोन्दिन्त की अभीन कर वेचे की अन्तरक की राज्ञित की करी कुछने वा क्यूडे कुछने की कृतिका के सिए; आंड्र/या
- (क) यूसी किसी भाग या किसी भग या नृत्य आस्तियों की, जिल्ही भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत नभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए ना क्याने में सुविधा में सिंग;

वतः वस् वयतः विधिन्तनः की गास 269-य के वनुवस्य मा, जी, उनतः विधिनयमं की भारा 269-य की उपभागः (1) के वर्षामः, रिक्निविविव व्यक्तियों , वर्षांह्यं क्रक्क भी संवीध कुमार पुत्र भी भूषण लाल, गाँव लंढीरा, सहारतपुर।

(धन्सरक)

2. श्री घन्युल मंत्रीर पुत्र इसामुद्दीन लंडीय, सहारतपुर। (मन्तरिती)

a. —तर्व**य**—

(बहु क्यक्ति, नियुक्ते प्रधिमोग में सम्बन्धि है)

4 -- 38 8---

(बंद व्यक्ति, जितिक बारे में जन्नी-इस्ताकरी जानता है कि बद् सम्मति में दितबद है)

को यह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन से सम्बन्ध में कोई भी बाहोप ह---

- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की सनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की सनिध, को भी सदिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वना के राजप्त में प्रकाशन की ताड़ीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अभोहस्ताकाड़ी के पास सिक्ति में किए का सन्देंगे।

स्वाह्मीकरण १----इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पद्मों का, जो सकत वाधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा, जो उस बध्याय में विद्या बहा की कि

मधुनुषी

वर्षि-वर्षीया, वहनी, बहारतपुर।

्एच्० मार० वास सज्जन प्राधिकारी सद्यायक मामकर भाषकत (निरीक्षण) भजेन रेंज, कानपुर

तारीकः 18-12-1986*-*

वोष्ट्र :

नामकर नीधीनयम 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक वायकर वायक्त (निरम्सल) भर्जन रेंज, कातपुर

कानपुर, दिनीक 11 दिसम्बर 1985

निवेश सं० एम०-711/85-86--- मतः मृशे, एच० बार० वास,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवे इसके पश्चात् 'उकत अधिनाम' कहा गा हैं), कौ भारा 269-भ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० के०-35 है, सथा जो कीर्तिनगर में स्थित है (भीर इससे ज्याबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, दावरी में रजिस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, सारीख 9-4-1985

को प्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भूल्य सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रेवह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरका) और (चन्तरिश्वर्य) के बीच एसे अन्तरच के जिए तम नाम नवा प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वर्ष से उपत अन्तरच मिनिक अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया यहा है हु-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त वीध-नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्व में कड़ी करने वा अवसे वचने वें सुविधा के बिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा अस्य क हिस्तयों को, विश्वे धारतीय बायकर निश्चियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तं नी नियम, वा चन-कर निश्चियम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किम गवा था किया बाना शाहिए था, छिपाने ६ र विश्वा के सिए; और/या

बतः वन, उक्त विभिनियम को भारा 269-ए के बन्दरण में, में, अक्त विभिनियम की भारा 269-ए की बनभारा (1) के बभीन, जिल्लीकिक व्यक्तियों, वर्षांस् क्ष्म

- भी सरवार हरिक्ष तिह पुत्र सरदार सन्त प्यारा सिंह, निवासी ए-253, सूर्य नगर, गाजिनावाद। (भानतरह)
- श्री किशोरी लाल वर्नी पुत्र वेंनी राम, निवासी— के०-35, कीसिनगर, नई दिल्ली।

(बन्तरिती)

3. ----सरीव- --

(बहु व्यंक्ति, जिसके प्रधिभोग हैं। सम्पत्ति है)

4 --- तदेव---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में धंधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितवद्ध है)

को यह अपना कारी करके पुत्रीक्त सम्मृत्ति के कर्बन की जिए कार्यकाहियां सुरू करता हुं।

बबत सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र मों अकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष वक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सक्ति।

स्वध्वीकष्णः ----वृत्तमी प्रमुक्त सक्यों और पर्यों का, जो जक्त वीधीनयभ के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, तहीं अर्थ होता को उस्त अध्याय मी दिया पता ही।

बगुनुबा

६०-253, सूर्यं नगर, गाजियाबाद।

एंच० मार० दास सजन प्राविकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-12-1985

मोहर.

प्रकप आहें ही एवं एस हुन=----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कातपुर कातपुर, दिनौक 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं∘ एम०-712/85-86-भतः मुझे, एव• भार• दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्रित्त, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो साहिबाबाद मैं स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीनर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद मैं रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के गर्धान, हारीख 8-4-1985.

को प्योंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रण्यमान श्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्याकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्हितिसत उद्देष्य में उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा वायित्व के लिए; बार/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को तिया;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त सोधिनयम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन निम्निसिंखत, व्यक्तियों, स्थित् ह—

- श्री भवल कुमार जैन पुत्र श्री लखपत राय जैन, मनान ग • 5245, सदर बाजार, विल्ली → 6। (भ्राप्तरक)
- अभी सुरेन्द्र फुमार जैन केयर भ्राफ मैं० कालटेक होतरी मिल्स बारा हिन्दू राव, दिल्ली→6। (भ्रन्तरिती)
- a. —सदैव—

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग नै सम्पत्ति है)

4. --- तवैय---

(बह व्यक्ति, जितके बारे में श्रवी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

का यह सुधना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कांड्रों भी वाक्षेत्र र—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण १---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

शहीयानाव दादरी, गाजियाबाद।

एष० घार० दास स्थान प्राधितारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-12-1986

प्रकृप नाइ", डी., एन., एवं. प्रकृतकार

नामकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन त्याना

भारत श्रदकार

कार्यात्मक , बहायक बायकर बायकर (विरक्षिण) धर्णन देंग, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० एम०—725/85-86-- मतः मृते एव॰ जार० दात, नावकः क्षित्रवनः 1961 (1961 का 43) (निर्वे इसमें इसके नक्षाल जिक्द विभिन्नवनं कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृस्व।.00,000/- रा. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० 13/438, 438/1, 13/1473 है तथा जो खुर्य व कला गर्वरा में स्थित है (मीर इसने उगावदा

बन्सुवी में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रिजिल्ट्रीकर्ती

अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रिजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 6-4-1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, स्थक रण्यमान प्रतिकाल में, ऐसे रण्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रीशक्षत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (केशिरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया अतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक, रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क्या) अन्तरण में हुई फिती आय की वाबत, क्या विधिनियंत्र की वधीन कर दोने के कन्तरक ने वायित्य में कमी कड़ने स्व प्रकले क्याने में अधिका के स्विष्ट; वॉट/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन या जन्य आस्तियी कर्ते, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट वहीं किया गया, वा किया चाना चाहिये ना, क्याने के हिन्दा के स्थित के सिक्त

- (1) श्री महेश दत्त भिश्च नृत श्राशा राम देववन्द सहारतपू (ग्रन्दरक)
- (2) श्री घरकत मली पुत्र मो० घषतर मो० डोलीखाल सहारनपुर

(मन्तरिती)

(३) सर्वेव

(वह व्यक्ति जिउने श्रिक्षेग्र में सम्पत्ति है)

(८) सदीव

(वह व्यक्ति जितके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को यह मचना जारी करके प्योज्य संध्यक्ति के वर्षन **के जिए** कार्यवाहियां करता हो ।

सकत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कीड़ी भी जाओर :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों दर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध, ओ भी मंदिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति इश्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्री के पाइ तिचित में किए आ सक्तेंगे।

स्वकाकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनृपुषी

13/438, 438/1, 13/1473 सहारनपुर

एच० धार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

दिनाँक: 12-12-1985

पोहर :

क्ष्मप् नार्द् , हो , एन , एस , नामनाता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारक तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, कानपुर

कान्पुर, दिनौंक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० एम-738/85-86--श्रतः मुझे एच• श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० के० एच० 43 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (भौर इमसे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधितियम, 1908, (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास ऋरते का कारण है कि यंआपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकाल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) करनारण से हुई कियाँ जाव की गावल उक्त अधितिस्था को अधीन कार दोने को जन्मरक वै सारित्य में कभी कारने या उससे राजने में स्विध् जो निम्ह और/वा
- (त) इनी किन्दी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ऐका चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अस् , उक्त विधिनियम् की बाद्य 269-त कं वन्सरश में , मैं , उक्त विधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के वधीन , निम्निसिचित् व्यक्तियमें , अर्थान् ह—

- श्रीमती कृष्णा नैयर पत्नी बी० डी० नैयर, निवासी के० एच०-43, कवि नगर, गाजियाबाव । (गन्तरक)
- श्रीमती पत्नी स्व० सुरेश चन्द्र भग्नवाल, निवासी मेह्रूक नगर, गाजियानाव।

(घरतरिती)

3. ---तदीव----

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. ---सदैव---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में सम्रो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह् सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वास्त्रेय ८— . (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन करी नारीय

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में से किस्सी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पार निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का, वो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिसा गण हैं।

नम्स्ची

मकान नं० के० एच०-43, कवि नगर, गाजियाबाद ।

एच० म्रार० दास सक्तम प्राधिकारी सहायस मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 0-11-1985

भोद्वर :

प्रकृप कार्ष. टी. एन. एत्.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सञ्चयक भायकर वास्त्रचं (शिर्यालक)

घर्जन रेंज, कानपुर

कानपुरः विनाक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एम० क्री०--59/85--86---मतः मुझे, एच० भार० दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रेमार् उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 252 है, तथा जो राजेन्द्र नगर, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वेद्रादून में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम को १ श्वमान शितफल की लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाब करने का बारवाने कियापायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र वाजार मूह इसके बृश्यमान-प्रतिषक से, एवे वृश्यमान;श्रीतिषक का प्रश्रह्मंत्रिता से प्रविक से बार क्लरक (अग्तरकों) और बग्वरिती (अन्तर्धितवीं) के बीच ऐसे चग्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षव; विश्वसिविध उद्देश्य से इस्त प्रस्तरक निकान में बास्त्विक अप से चिनत वहीं

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबब, अक्त विधितियम के अधीन कर दोने की बन्तर्क वो दायित्व में कमी कर्ल वा उससे बखने में सुविधा के सिष्टु बह्मि/का
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या कर्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिन्यम, वा भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया वाना वाहिए वा, जिपाने में सविभा की सिए; जार/वा

जतः अव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनुकरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निजिबित स्यक्तियों, अर्धात्ःस्म श्रीमती सूरजमुखी पत्नी एस० एस० पचौरिया 97/2, राजेन्द्र नगर, देहरादून।

(ग्रन्तरक)

- श्री के० पी० शर्मा, 30-श्री०, खुइबुड़ा, देहरादून। (अन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग सें सम्पत्ति है)

4. धन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के हैं तर्

सक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र है---

- (क) इस स्वास के राज्यम में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वास की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो और स्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बहुव किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्युक्त सम्बं प्रयुक्त सम्बं और पदा का, को सक्य विभिन्नमा, को अध्याय 20-क में परिशाधित हूँ, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा वसा है।

and the

नकान मं० 97/2, पुराना. नया नं० 252, राजेन्द्र नगर, देहरादून। (427.51 वर्ग मीटर)

> एव० स्नार० दास प्रक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज; कानपुर

तारीख: 11-12-1985

प्रकृष् आहें.टी. एन. एस., -------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थान

बारत् बरकारु

कार्याच्या, शहायक आयक्तु आयुक्त (निर्द्रासम्)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनौंक 11 विसम्बर 1985

निदेश सं• एम॰ की॰-69/85-86--मतः मुझे, एच॰ भार॰ दास,

नायकर लिप्पियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गक्काल 'उनत अधिनियम' कहा गया है), औं भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3/1 है तथा जो एस्टलेहाल में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, वेहरायून में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भंधीत तारीख 22-4-1985

को पुनोंक्त सम्परित को उपित बाजार मृत्य से कम को अवनात प्रतिकल को लिए अंतरित की गर्द है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य असके देवसान प्रतिकल का प्रतिकल के प्रतिकल से एसे दिस्सान प्रतिकल का प्रतिकल से एसे दिस्सान प्रतिकल का प्रतिकल से एसे अन्तरका (अंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा मदा जितकल, निभ्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिक के बास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उपने अभिनियभ के अभीन कार दोने के अन्तरक के यामित्य में कमी करने या उत्तर्ध वचने में सुविध्या के सिए; बहि/बा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी भून या अन्य आहितयां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थं अन्तिरती वृधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए या किया में सुविधा के लिए;

बतः का, उसत जीभीनयमं की भारा 269-व के बनुसरक में, में धनत जीभीनयमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के बभीव, निस्तमितिक अभिनतमं, सर्थात् :--- (1) श्रो सुरिन्दर चुन, (2) मनतार विद चुन,
 15-ए०, चन्दर रोड, वेहरादून।

(प्रस्तरक)

 मैं० माउन्टेन टूर रिसोर्ट होटल (प्रा०) लिं०, द्वारा श्री सुरिन्दर चुंग, 15-ए॰, चन्दर रोड वेहरादून।

(मन्तरिया)

3. घन्सरिकी

(बहु व्यक्ति, जिसके घक्षिभीग न सम्पत्ति है)

🛦 प्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिलके बारे में धर्मी-हस्ताकरी जानता है कि बह सम्मति में हितवह है)

का वह सूचना बारी करकं प्वांक्य सम्परित के वर्षण के लिय कार्यवाहियां सूक करता हो।

द्भवत संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्वभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध्यान में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी मन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताकरी के प्रवास सिविक में किए जा सकता।

स्वक्रीकरूण:---इसमें प्रयुक्त तथ्यों और वहीं का, वो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभावित है, वहीं वर्ष होगा को अध्याय में दिसा वदा है।

बन्स्ची

नं श्री, यस्टबेहाल, प्राजपुर रोड, देहरादुत ।

एंच• फार० वास अक्षम प्राधिकारी सद्वायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्मन रेंज, कानपुर

तारीच: 11-12-1888

बोहर :

प्रकृष नाव'्य दील पृत्य प्रश्नु र स्थानकार

बारकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की बधीन क्वमा

भाइत सुद्धसम्बद्ध

कार्यास्त्र, तहायंक आयकार आयुक्त (विद्वासिन्) प्रजीत रेंज, कानपुर

कानपूर, विनौंक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सक 'एम॰ 'डी०-78/85-86--मतः मुझे, एव॰ भार० धास,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का सारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- का संबंधिक हैं

धीर जिसकी सं० है तथा जो ईस्माइलपुर में स्थित है धीर इससे उपानद धनुसूची सें भीर पूर्ण रूप में विणित है); प्रिन्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कराना सें रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सारी अ

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दायमान अतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकल से अभिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पदा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्थ जिल्लाक में बाक्तिक कम से कथित सहीं किया प्रसा है :—

- (क) नंतरण से हुइ निसी आय की वायत उक्त बॉय-नियम के बंधीन कर योगे के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या क्ससे अचने में मुविधा के निर्मा बॉट/का
- (क) एसी किसी लाग वा किसी थन या जन्य बास्तियों की, फ़िम्हू भारतीय लागकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अभिनियम; हा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रकारणार्थ बन्दरिती बुवाय प्रकट नहीं किया वसा थ। या किया थाना वाहिए था, कियाने के स्वित्य के विश्वा

भतः जन, उनतं विभिन्नियमं कौ भारतः 269-मः के अनुसारकः भी, मी, उनतं विभिन्नियमं की भारा 269-च की अपभारा (1) के विभिन्न विकासित व्यक्तियों, वर्षात् हन्न

 श्री वीजेन्द्र कुमार प्रग्ड घन्य, रजौली हाउस, सहारनपुर।

(अन्तरक)

अशि धाबिर मली एव मध्य, पुढ ईशाहीन, इसनपुर सुहारी—मुजफ्फरनगर।

(मग्दरिती)

3. प्रासियो

(वह व्यक्तित, जिसके प्रधिभोग में सम्मत्ति है)

भन्तरितीः

(षद् व्यक्ति, जिसके बारे से प्रश्नो-इस्तामरी जानता है कि बहु सम्मत्ति में द्वितवद्व है:

को यह सूचना चारी करके पूचाँचस नम्पृतिक के नर्चन के सिक् कार्यनाहियां सुरू करता हुं।

·बबरा बन्नरित के वर्षन के संबंध में कोई भी कालेप ç---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी स्थितिहर्यों नद् सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, का औं व्यक्तियों में संग्राप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्थितिहरी में से किसी कित दिन सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं ह के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांछ विज्ञित में किए या सकों में।

स्वक्ष्यंक्रमः —इसमें प्रयुक्त कर्यों और पूर्वी का, को वक्ष अधिनियम, के क्ष्याय 20-क से परिभावित हैं, यही वर्ष हर्यस को उस अध्याय में विका नमा है।

धनुसूची

एक बाब (13-14-0), इसमाइखपुर, मुजयक्तरनगर।

एक० सार० वास संजन प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, कानपुर

चारींच: 28-11-1995

भोश्वर ।

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैंन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनौंक 28 नवम्बर 1985

निवेण सं ० एम० की०-81/85-86-मतः मुझे, एव० बार० दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बहुतात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- स्त. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 324 है, तथा जो परिजादों में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण कर से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्याजय, कैराना में रजिस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, सारीख 20-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रायमान प्रतिकाल से, ऐसे द्रायमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण चे हुन्द किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व वे कमी करने या उससे बचने में चूजिया के किए; वर्ति/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या करण आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया से स्विधा से सिए।

हतः वयं, उक्त आभानसम की भारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीय, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ्र— भी भनवार भहमद । ग्राम, भैराना मुजफ्फरनगर।

(भन्तरक)

- 2. श्रीमदी सहैदा पत्नी सीदा, कैराना, मुजपफरनगर। (मन्तरिती)
- 3. भन्तरिकी

(बहु व्यक्ति, जितके मधिभोग में सम्पत्ति है)

🛦 धम्सरिती

(वह व्यक्ति, जितके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितबद है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति चुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पानित्य :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त श्रीवनियम, को अध्याय 20-क में परिभाष्ट है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

एक मकान जिसका एरिया 324 गज है जो परिजादी कैराममुक्फर सगर है।

> एच० घार० पीम संसंग्रं प्राधिनारी संद्वायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीच: 28-11-1985

मोहर 🔞

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भृधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं० एम० डी० 87/85-86--- मतः मुसे, एप• भार० वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात्ं 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स॰ 6/780 है तथा जो कैराना सें स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचान से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्एविक स्ट्रंप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए? बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: रुष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत हम्म 1. भी सतेन्द्र सिंह, बडीत, भरठ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती राजबाला पर्ला ह्र्रीसिंह, ग्रा॰ दिन्डावली, मृजपफरनगर।

(मन्दरिती)

प्रतिकी

(बहु व्यक्ति, जितने प्रधिनीय में सम्मत्ति है)

भातरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से मधी-हस्ताभरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना पारी फरके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिख् कार्यवाहियां करता हो।

उक्ता सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ⊱ —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-कः में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं॰ 6/780 कैराना।

एच० घार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीच: 28-11-1985

मोहरः

प्राक्षः बार्ड् . टी : एक . एवं . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रयः , सहायकः भाषकरः भागकः (निरीक्षण) ग्रंजनः र्रेज, कानपुर

कानपुर, दिनौक । दिसम्बर 1985

निर्वेश 'सं•' एम० श्री०∺89/85--86---मतः मुझे, एव० धार० 'दासं,

वायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत व्यभिनियम' कहा गया ह"), की भाष 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार स्थ्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 748-क है तया जो बराल परतापुर में स्थित है (भीर इससे उपायद भनुसूबो में भीर पूर्ण इस्प से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 10-4-1985

न्द्री पूर्वोपत सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम को स्वयंबाय क्षेतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करेंगे का कारण है कि यभापूर्वोदत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असको क्ष्यंक्रान प्रतिकत में, एंसे स्वयंबान प्रतिकत का सम्बद्ध श्रीकशत से बाभक है बार संतरक (संतरका) और संतरित का प्रतिकत से बाभक है बार संतरक (संतरका) और संतरित (अन्तरित को के बीच एसे अन्तर्ण को लिए तब पावा गया प्रतिक्षण निम्निसित उद्देश्य से उन्त संतरण सिवित के बास्तिक कर कर के किस नहीं किया प्रा है है

- (क) शम्बरण वं शुर्द फिशी थात की वावस, उपत विधित्यम के अधीन कर दोने के वंसरक के दायित्व के सभी करने वा दबसे वजन के दुर्दिका क निष्ट: बोट/बा
- (क) ऐसी किनी नायामा किसी थन या नाम नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकार निर्मित्यमे, 1922 (1922 का 11) या उन्त निर्मित्यमे, का धन-कार शांभीनयमे, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना नाहिए था, जिनाने में सुनिशा के निर्मे:

अवः विवा तक्त वीधीनवम की भारा 269-य के अनुवास्त्र भो, मी, अन्त्र विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हो बधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, चर्माद :--- को राम कुमार पुत्र महाशेर प्रजाद, देहलो मैढ;
 मेरठ।

(मन्दरंग)

2. मैं शोबा फाईनेश्त कंं, आबू लेत, मेरठ तैग्ट, द्वारा प्रवीन कुमार गुप्ता, 46- गज बाजार-मेरठ सवर।

(प्रश्वरिती)

प्राविती

(बहु ध्यक्ति, जितके घक्षिमीग में सम्मति है)

८. प्रन्सरिती

(बहु व्यक्ति, जितने बारे से पत्री-हुस्तामरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हिंदबढ़ है)

की बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्षन में विक कार्यवाहियां करता हुं।

क्क्स सम्मत्ति के बर्चन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्स अ---

- (क) इक् सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की बनिभ या उत्ताबन्धी व्यक्तिकों के सूचना की तामील से 30 दिन की न्वभि, को भी नवभि वाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रवेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के एवपन में प्रकाशन की तारींव से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुष किसी जन्य म्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए वा सकेंगे।

जन्सूची

एक भहाता फैन्ट्री जिल्ला क्षेत्रफल 1470 वर्ग गण संस्था 748, सरालगरतापुर, भरठ।

> एव॰ घार॰ वाज समन प्राविकारी सद्यायक धावकर धावृत्त (निरोक्षम) धर्मन रेंन, कानपुर

तारीच: 9-13-19#\$

संदूर 🖫

१क्ष वार्वे ह<u>ि.युन् द्विष</u>्ट -----

बाउकर जीधीनमण, 1961 (1961 का 43) की जीवार 269-थ (1) के बाधीन स्वाना

भारत सरकार कार्थालय, सहायक भावकर जावृत्त (शिरीक्य)

यार्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निरेश मं० एम० डी०→89/85⊶86⊶⊸न्नतः **मुझे, एच०** श्रार० दास,

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किंचे द्वारें द्वारें द्वारें प्रस्ते परस्पा 'उक्त विवित्यम' कहा बना हैं), की बाख 289-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वार करवे का कारल हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 100,000/~ रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 156 है, तथा जो सानेत में स्थित है (और इस) उपावह शनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्या प्रधिकारी के कार्यालय, मेरेठ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिकितम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-4-1985

को पृथिपत सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य वे कम के स्थमान पतिकाल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जतके तहयमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रशिक्षत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती 'जन्निक्ति' के किन एके अन्तरण के लिए तय पाया नवा इतिकार, जिस्तिनिक उद्योग्य से उन्त बन्तरण विधित में

- (क) करतरण से हुई जिलीं बाय की बावत, क्या वॉथिवियन के संबीध कर दोने से सम्बद्ध के शियरण में कनी करने वा क्याचे बच्चे में सुविधा से किए। धरि/मा
- (वा) एसी किसी बाब या किसी थव वा बच्च वास्तियाँ को, चिन्हों भारतीय बाब-कर व्यक्तिकव, 1922 (1922 का 11) या उन्ते व्यक्तिकव, या धर-जर क्रीशिनराम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीवसीय अमरीरती हजारा प्रकट पहाँ किया क्या था वा सिवा बांवा वाहिए था, कियाने के मुनिधा के सिक;

मान एक एक क्यां **भारत की धारा 269-ग के अन्हरण** मो, गाँ जिल्ल आधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन, निमालिसित व्यक्तियों, अधीत् :----13—416GI/85 श्रीमती शकुन्तला देत्री पत्नी श्री सत्तीशचन्द्र, पुलिस लाइन---मरठ सिटी।

(मन्तरक)

2 श्री धरम पान सिंह पुत्र श्री लान सिंह, 142, प्रभात नगर, सेरठ।

(श्रन्तरिती)

8. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रन्तरिती

(वह व्यक्षित, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह युपना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के शर्यन वे तिहर कार्यमहिना करका हो।

क्या ब्रामित में अर्थन में संबंध में कोई भी शासीर :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पात लिक्ति में किए जा सकोंगे।

वन्स्की

एक मकान नं 156, प्लाट नं डी-172 (690 स्क मी) साकेत, मेरठ।

> एघ० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

मोहर 🗈

भूकपः अध्याः ठीः **एग**ः **प्र**कृतन्त्र सम्बद्धन

अलकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के बचीय कुचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपूर, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एम० डी०-95/85-86--ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इर के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवित याजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 590 है, तथा जो कनखल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-4-198**5**

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्यास करने का कारण है कि यथापुर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निसिस्त उद्दंपय सं उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्त्रविक बन के किश्त बहीं किया नवा है है—-

- (क) मन्तरम सं शुर्श किसी बाय की बाक्स , अभितिसम के बधीन कार दोने के अस्तरक के कारिक में कभी करने या एससे अपने में सारिका कं मिछ; सौर/वा
- (क्ष) एसी किसो जाय या किसी धन या जन्य वाज्यिको स्था, चिल्लो भारतीय अध-कर विधिनगण, 190 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिकियम, 1957 (1947 का २०) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नधा ६१ वर किया साना साहिए था. फियान थी स्विभा में सिए:

बत: बब, उबल अधिनियम को धारा 269-ग के बनसरण को, भी, इक्त काँभनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) 😘 मुधीन, निम्निसिसित व्यक्तियाँ, अर्थात ६—

- ा. मैं अक्षिल इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, हरिहार। (भन्तरक)
- श्री राजेन्द्र कुमार C/o राजेन्द्र कुमार णिवा होटल, हरिद्वार।

(धन्तरिसी)

3. ---तदेव---

(धह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---तवैष---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति भे हितबद्ध है)

को बहु सुषमा पारी करके पूर्वोक्त डम्पत्ति के वर्षम 🕏 विक् कार्यवाहियां करता 🖅 🗅

हमत बन्धति के वर्णन ले संबंध में कोई भी नाम्बेच् अ---

- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकासन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्थन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन के 30 दिन की वयाचि, को की वयि बाद में समाच्य होती हो, के भीतर प्रॉक्स का जिसायां में से किसी व्यक्ति इवासा;
- (थ) ६स स्पना क राष्यत में प्रकाशन की तारीचें वे 45 विन के बीतर उपत स्थावर सम्मतित में हित्यहम क्रिकी क्षम मानित - तुनारा , मधीवस्ताक्षणी के पांच विविद्ध मं भिए जा सकता।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, वो स्वयः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशापिक हैं, नहीं अर्थ होगा जो उच्च अध्याद में दिया गया 🐉

शेखपुरा-⊶कनखल, हरिश्वार।

एभ० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-1985

मोहर ह

प्रकृप नरहरी, ठीउ एमउ एडउ≌---

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के स्थीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० एम० डी०-- 9के / 85-- 86--- प्रतः मुझे, एच० श्रार० यास.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 850, 858, 852 है तथा जो खतौली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से क्रम के क्स्ममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्श्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिधाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल म, निम्मिसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक व बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्रम्त्रण से हुई किसी नाय की वानतः, उन्द अभिनियम से अभीन कर दोने ने बन्तरक से हावित्य में खनी नक्षने वा उससे नुमने में सुवित्या से सिए; बरि/वा
- (क) एसे किसी बाब या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ब्नाए प्रकट नहीं किया गया धा वा किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा वी सिस्

अत: अब, उद्धर अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण की, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्सीसिया अधिकार्यों के वर्षीय हैं—

- 1. श्री रजत शुमार पुल श्री राजेन्द्र शुमार, नि० प्रपर दोश्राब शुगर मिल--गामली, मुजफ्फरनगर। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० एच ० एल ० पेपर्स लि ०, द्वारा श्री सतीण चन्द्र गोयल, प्रोमोटर्स, मेरठ रोड़, मुजफ्फरनगर। (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधो-हरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त श्रमिति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षीय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध नाव में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युथ किसी व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के एड़्ट् निष्तु में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विभिन्यम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होया को उस अध्याय में दिया नेगा है।

नम्स्यी

खसरा नं० 850, 858-क०, 852/978 858/979 एवं 859/985--प्रान-- मगेरजपुर, खतौली।

> एच० धार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रोज, कान्पुर

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आ**इं**्र टी., **एन**., **एस**्,----

आयकर अधिनिहः 1961 (1961 का 43) की भारत 20 भ के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयुक्त (निराधिक) श्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 विसम्बर 1985 निदेणसं० एम० डी०-99/85-86---ग्रतः मु**से, एण०** भार० दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 853, 854, 855, 856 एवं 857 हैं तथा जो मुजफ्फरनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के करवनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित. बाजार ब्रह्भ, उसके द्वरयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंबिक्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल निम्निचित्रत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में अन्तरीयक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उन्त निवम के अभीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कनी करने या उसने बचने में सुकिया के क्रिस्श और/सा
- (क) एंती किसी आय या किसी भन वा कप्त आस्तिकों को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

अतः व्या उपत अधिनियम की धारा 269-न के बनुबरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों,, अधीत् ह—— श्री रजत कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार, इपर दोश्राबा शुगर मिल---शामली, मुजफ्फरनगर।

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० एख० एल० पेपर्स लि०, हारा सतीण चन्द गोयल पुत्र हरबन्स लाल, प्रामोटर्स---भेरठ रोड़, मुजफ्फरनगर।

(श्रन्तरितीः)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह पूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाह्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधं हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयाक्षिश्वाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रनुसूची

सम्पत्ति सं० 853-क०, 854, 855, 856, 857, 858, 979, तहसील जानसठ, मुजपफर्नगर।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शानपर

नारी**ण: 9-**12-1985

प्रकार नाही हो हो हुए प्रस्ता है । व व व व व

बायकर नीमनियन, 1961 (1965 का 43) की बाहा 269-म (1) के नमीप स्वना

ধারত বস্তুকার

शायां सदा, सहायक वायकर नायुक्त (निर्दाशन)

अर्जन रेज, कामपुर

कामपुर, दिमांक 28 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० एम० डी०-101/85-86---अतः मुझें, एच० आर० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६९- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 403, 436, 'है तथा जो मदारपुर में स्थित है (भीत इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से द्वित है) रिअस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सरधमा में, रिजस्ट्री तरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, हार्र ख 17-4-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं। और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरक ते हुई किसी आव की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक ते हुई किती आव की बाबत, उनते की, जिन्हें भारतीय र बकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ते अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के स्थानना अध्यापता अध्याप

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तिमी, अवीद् ह—

- 1. श्री पाजेन्द्र कुमाण, मदापपुण, भेरठ। (अन्तरक)
- श्री हरबन्स पुत्र श्री हिल्लिश, रोणस पुर, बेहली, डोरली, भेरठ।

(अन्तरिती)

3. अन्हर्रारती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि **बह** सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को **यह सूचना ज़ारी** करके प्र^{ें}क्त संपत्ति के अर्जन के **किएं** कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में श्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में माप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापः;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षर। के पाउ सिवित में किए का सकेंगे।

स्वकाकरणः---इसमाँ प्रयुक्त गळ्यों और पदी का, आं उक्त कृषिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्सूची

खसरा नं० 403, 436, मदारपुर, साधारा, मेरछ।

एच० ऑग० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज, कामपुर

तारी**य:** 28-11-19**35**

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज, कामपुर

कामपुर, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

मिदेश यं० के०-219/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. रो अधिक ही

ग्रीर जिसकी संव 12710/9 है तथा जो शिराला भगर, में स्थित है (श्रीर इसले उणबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में रिजस्ट्रोक्टण पिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तरीद 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मब्दूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री गुप दवालसिंह, 127/यू०/9, निराला नगर, कानपुर।

(अन्तर रु)

श्री विश्वम्भर दयाल पुत्र एल० एस० सिवारी;
 8/200, आर्य मगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋतागर्ण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋेलागण

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताकरी जामता है कि बह जम्मनि में हित्रजब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के नर्जन की लिख कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल्ल महुष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणिक हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हो।

मन्त्रची ।

म० नं० 127/य्०/9, मिराला नगर, कामपुर।

एव० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

तारीख: 3-12-1985

प्रकृष् आहें, टीयु इन्, एस्,-प्रज्ञानाः शासकार नीभीस्वस्, 1961 (1961 को 43) की भाषः 269-म (1) के सभीन सुखना

भारत सरकार

कार्यम्य, त्राव्य नायकर नायुक्त (निर्द्राक्त्र)

अर्जन रेंज, कानपुर

कामपूर, विमांक 9 दिशम्बर 1935

निर्देश सं० के:०-220/85-८6--अतः मुझे, एच० आर० दासः,

बांबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

में स्थित है (प्रीर इससे उपावस अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिक्ष गरी के कार्यालय कानपुर और जिसकी सं० है तथा जो वित्तमवा, कारपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

क्षां प्रशिक्त संपत्ति के अधित बाबार ब्रुप से का के दश्यात अग्निक के सिए बन्तरित ही गई है और मुख्ये यह विद्यास करने का कारन है कि यथा प्रशिक्त सस्प्रति का उचित्र बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकश का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ)के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाला प्रतिकशः का दे क्रिक्त असीं पामा गया है :---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी मात्र की वावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के किए; जोर्/का
- (क) एँसी कियी बास या किसी धन या बन्य शास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया बना भा या किया जाना चाहिए था, किया के बनिया के बनिया के बनिया के बन्या क

क्तः तथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अभूतरण वे, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-भ की उपभारा (1) वे व्यीव ् विकासिक क्षित्रवर्षे , अभूति में श्री माबा एक तुबं लिया राम, पुत्र करलाए राम, 133/38, जुड़ी, कार्यपुर।

(अन्दरक)

मै० भाडर्न गाडंश सह्ातरा आवास समिति लि०,
 5/16. बंगम पुरवा, लगपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रेतागण

(वह व्यक्ति जिलके बारे में अधी-हरूनक्षिरी जानता है कि वह सम्भत्ति में हिल्ला है)

को यह रूपना जारी करके पूर्याक्त सम्मित के नर्जन के किए कार्यवाहियां ६-रू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोहें भी लाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी , व्यक्तियों पर बुचना की टामील से 30 दिन की सवधि, को भी सवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर न्वॉक्ज क्यक्तियों में से लियी व्यक्ति प्रजाराः
- (च) इत स्चान के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितकपूच किसी जन्म स्थानत युगार, अधोहत्ताक्षरी के पाव तिचित में किए या सम्बंधे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होरेग करे तस वश्याय में दिया वसा है।

मन्सूची

खेत नं० 253, 271, 539, 540, 541, ग्राम विभगवां, कामपुर।

> ाप्तर आर० वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

तारीच: 9-12-1985

इक्ष बार्स, हो , एन , एच ,, ------

ज्ञाशकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-च (1) के संभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर

काभपूर, दिमांक 9 दिशम्बर 1985

भिदेगः सं० के०-221/85-86--अतः मुझे, एच० आर∙ दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 1183 आदि है एया जो वर्रा में स्थित है (प्रीर इसमें स्थानद अनुमूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिल्प्ट्री कर्ता ाधिकारी के कार्यालय, कामपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम-तारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्त तम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की, वायत, स्वयं विभिन्न के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कनी करने वा उत्से बज़ने में बृधिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा केंस्किए)

अतः सस्त, उक्त अविनियम् कौ धारा 269-ग के अनुसरण कौ, मी, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म कौ उपधारा (1) के अधीन, रिप्तसि**विक स्वतिकारों, स्थाँत ॥—**—

- भीमती सुन्दरी विधवा श्री राम चरन एव अन्य भिवासी, ग्राम बर्रा, जि० काभपुर।
 - (अन्तरक)
- 2: श्रीमती देवकी नगर सहकारी ग्रह भिर्माण समिति लि०, 130/100-ए० बगाही कानपुर। (अन्तरिर्हा)
- 3. क्रोतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. केलागण

(वह व्यक्ति. जिसके बारे में अधो-हस्तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्रा वह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचैन के अह कार्यप्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की अविचिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जविष वाच में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्णिक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कृतारा;
- (थ) इक्कसूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख धै 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हित्तवक्ष किसी कन्य व्यक्ति क्यारा कभोइस्ताक्षरी के संख् जिसित में किए वा सकरेंगे।

44.0

खेत नं० 1183, 1185, 1186, 1205, 1206, 1212, 1391, 1392, 1393-प्ती०, 1397, ग्राम बर्रा जिला काभपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरोक्षण) अर्जम रेंज, कामपूर

तारीख: 9--12--1935

प्रकृत बाहें, टी. व्य. प्रव. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर् भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दीक्क) अर्जम रेंज,कानपुर

कामपुर, दिमांक 9 दिसम्बर 1985 मिदेण सं० के०-223/85-86--अतः मुझें, एच∙ आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त जीविनयमें क्या गया ही), की बाच 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्नीर जिसकी सं० 70 है, तथा जो गंगापुर में स्थित है ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अववान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब किया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्विष्य से उक्त बंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्विष्य से उक्त बंतरण किया गया प्रतिफल कम से किया नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाव की बाबत, उपक अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक की द्यवित्य में कमी अस्ते या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध वास्तिकों को विक् धारतीय वायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) था अवत विधिनयम, या क्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविधा के किए।

शत: सब: उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :----14 ---416GI√85 श्री ज्योति प्रसाद पुत श्री लस्लू, नि० ग्रा० गंगापुर जिला, नामपुर।

(अन्तरक)

2. मै॰ नगर समाज सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि॰, कानपुर द्वारा सचिव मुरेन्द्र सिंह, निवासी के॰— 58, यशोदा नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

दक्त दक्षीत के वर्षन के संबंध में कोई भी नाकीय :---

(क) इक्ष सूचना के शावपत्र में प्रकाशन की ठारीय ते 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, वो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

हिंदी हुन सुन्ना के हाजुन्त के प्रकारत की तार्रीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हिन्नविध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकनें।

स्वकारण ह— इतमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, को उपके विधितियम, के वध्याय 20-क में परि-श्वाचित हैं, वहीं वर्थ होगा, को उस वध्याय में विया गया है।

नव चर्चे

बोत नं० 70, ग्रा० गंगापुर, जिला कानपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 9-12-1985

प्ररूप काई. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांस्था, सहायक भागकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिलांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० के०-224/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 465 है, तथा जो गंगापुर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्थालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यज्ञ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरूके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कां) अपसरण से हुइ किसी आप का अवस अधि नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीर व्ययकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री जसवन्त पुत्र श्री विश्राम सिंह आदि मि० ग्रा० गंगापुर, जिला कामपुर।

(अन्तरक)

 नगर रामाज सह जारी आवास समिति लि०, द्वारा सचिव मुरेन्द्र सिंह, भिवासी जमईपुर, कातपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋेलागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के कियू कार्यवाहियां करता हूं।

उकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अविदियों कर सूचा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी के वाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धक्रिरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिला गया है।

अनसची

खेत नं० 465, ग्राम गंगापुर, जिला कामपुर।

एच० अ**ार० वास** अ**क्षम प्राधिकारी** महायक आयकर आयुक्त (**मिरीक्षण**) अर्जभ रेंज, कामपुर

तारीख: 9-12-1985

रक्षे मार्चेत कीत हरता हरता हरता

बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 को 43) की चाडा 269-प (1) वे व्योद ब्याना

कार्यासम्, सङ्ग्रहः भावकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कामपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

भिषेश सं० के०-226/85-86-अत: मुझे, एच० **आर० दास**,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 601 है, तथा जो रहान लाख नगर में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीए पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त कथ्यति के उचित बाबार मून्य से कम के वस्यमान प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का करण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य वसके क्यमान प्रतिकल से, एसे व्स्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्निक्तिक उद्वेशय से उक्त अन्तरण लिखित वी बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) करतहम वं हुए कि जी जाम की वावण उत्तर विभिन्निक के जधीन कर दोने के जस्तरक के समित्य में कभी कुरने वा उसने वचने में स्थिभा के लिए; वीर/या
- कि होती कि को जान वा कि की भन वा करू जास्तिकों को, विनहीं भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनाथ जन्तिरती ब्यारा प्रकट वहीं किया प्रवा वा या किया बाना चाहिए था, कियाने के क्विया के विक्षः

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण को, की, उक्त क्षिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीब, निस्निचित व्यक्तियों,, वर्षात् क्र-- श्री हरभर्णन सिंह पुत्र सरदार गुरवचन सिंह, निवासी 12/7, त्रम्बा रोड़, गुमटी नं० 5, कामपुर।

(अन्तरक)

2. श्री फिगोर कुमार धवन पुत्र श्री आज्ञा राम धवन, निवामी जै०-2/97, डब्ल्यू० ब्लाक, जुही कानपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋेनागण

(वह न्यांक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क्ष करता हुं।

बनक सम्मरित के वर्षम के जम्बन्ध भी क्योदों भी बाक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राजुमन में प्रकारण की तार्हींच वे 48 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्वीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति वृदारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही बर्च हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

प्लाट नं० 001° स्तम लाल मगर, कामपुर।

एचं० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अ**जैम रेंज**़ **मान**पूर

तारीख: 9-12-1985

प्रकार आहे. दी . एक . एक . भागाना

नामकर निर्मानय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नभीन सूमना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिमांक 9 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० के०--230/85--86--अतः मुझे, ए**न०** आर० दास,

वावकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) (विद्धे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विधिनिय' कहा गया हाँ), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तंपन्नि जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- छ. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० खेत है तथा जो वरहट बोगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्त तंपत्ति के उभित्न बाजार मून्य से कम के क्ष्यवान प्रतिक्ष के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संवत्ति का जिल्ला बाबार मून्य, उसके क्ष्यवान प्रतिक्त से, एसे क्ष्यवान प्रतिक्षम का वृद्ध प्रतिकृत से विभक्ष है और अन्तरक (अन्तरका) बार क्षेत्र-रिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा भवा प्रतिकृत निम्निनिस्ति उद्दोष्य से उक्त बन्तरण विभिन्न में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक को बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) होते निकी नाम का किसी भन या नन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, दिनाने में सुविधा को जिए।

नकः जन, उनक विधिनियम की भारा 269-व के जनूसरण वें, में, उनक विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीज, निम्निशिश्वत स्थितियमें, वर्णास् संस्थ

- श्री शिव शंकर, शिव नारायन, शिव कुमार आदि निवासी रिक्बी पुरवा, महाराजपुर, जिला कानपुर।
- 2. श्री कुंबर पाल पुत्न हजारी लाल, निवासी रिक्खी पुरवा, महाराजपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरिती)

3. केतागण

(वह क्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(बहु स्थितः, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह तुमना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के नर्जन के लिएं कार्ववाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्वकानिका :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनियम के जन्माय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं कथीं होगा जो उस अभ्याय में विका नवा ही।

गम्सूची

खेत स्थित वरहट जीगर, जिला कानपुर।

एच० आर० दास संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्रक्ष बाइ टी एन एस-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० के०-232/85-86--ग्रत: मुझे, एच०ग्रार० दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें स्वकें पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 127/183-डब्ल्य०-1 है तथा जो साकेत नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-85 को पूर्वों कर संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल

- के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भो बास्तिक रूप से कांचत नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

क्स: क्य, उपत वाधानयम की भारा 269-म के बन्दरण में, में, उपस विधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बभीग निम्बतिकत व्यक्तियों, वर्षात :--- श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी सरदार अजीत सिंह, निवासी सामने रेलवे स्टेशन सीरपुर कागज नगर, अदीलाबाद (आंध्र प्रदेश)।

(ग्रन्तरक)

2 श्री अशोक कुमार गांधी एवं जुगल किशोर गांधी 124-ए०/246, गोविन्दर नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

3. त्रेतागण

(वह व्यक्ति, जि**सके ग्रधिभोग में** सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वा भी अवधि बाद में समाधा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

127/183-डब्ल्यू०-1, साकेत नगर, कानपुर।

एव० स्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीक: 9-12-1985

मोहर .

प्रकद आहे. ही. एवं. एकं, न्यानानक

नामफार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मारुत तर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं॰ के॰-236/85-86---ग्रतः मुझे, एच॰ भार॰ दास

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25-वी० है तथा जो दादा नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उशके दश्यभाग प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्धा प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरितीं (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्िलीकृत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलिक में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (भव्ह) अन्तरभ संहुष्ट किलो साम की शक्त , शक्त किलिया के अभीन कर दोन के अन्तरक के बाबिस्थ में ख़ब्दी कारने या छत्रते वचने में ख़ुकिथा .
 छ निष्टु श्रीक्र/पा
- (क) एची किसी नाम मा किसी भन वा नम्स नास्तिकों को जिन्हों भारतीय नामकार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या जनत निभिन्यम, मा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया समा का या किया वाला वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

 श्री शंकर मल जाजोरिया पुत्र श्री पार॰ के॰ जाजोरिया, 25-श्री॰, वावा नगर कामपुर। (प्रस्तरक)

2 श्री ईश्वर लाल राकेश जन्द, विश्वेश्वर दास, क्रिज मोहन, 109/363, और टी॰ रोड़, कानपुरर।

(मन्तरिती)

3. जेसागण

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में धम्मक्ति है)

4. ऋतागण

(कह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्षन के किस् कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस क्षमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षा वाच में समाप्त हाती हो, के शीखर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितकबूच किसी बन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाड़ सिविश्त में किए आ सकरेंगे।

स्थानीकरणः -- इसमें अयुक्त सन्दों नीर पर्यों का, यो वास्त विभीनयमः, के अभ्याय 20-कः में शीरवासिक हाँ नहीं वर्ष होगा वो उस सम्बाद में दिया प्रवाही।

नपूज्यी

प्लाट मं० 25- रिः, दादा मगर, कामपूर।

एष० मार० दाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंब; कावपूर

ातः बाब उक्त की भीतरः। की भारा 269-म के अनुसरक कं, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, निम्मसिवित व्यक्तिवर्ग, अवस्थि ——

तारीख: 2-12-195

प्रकृत वार्ष . ही . एत . प्रस

भाषकार अभिनित्रमा, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-मा (1) के अभीन सुपना

बारक दशकार

कार्यक्रिय, सहाज्ञक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपु**र**

कानपुर, विमांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० के०-237/85-86---श्रत। मुझे: एच० झा९० दास,

श्रीर जिसकी सं० — है तथा जो — में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 30-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल को निष्ण अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने अस्म है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके असमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत है अपि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया रथा अतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अन्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सम्प्रस्य ते शुद्ध किसी बाग की नावत, उपस् वीवित्यम के अभीन कार बोने के जन्तरक खे वावित्य में कभी कारवे वा उत्तरों वचने में बृविया के जिए; बाहु/बा
- (ब) ए'सी किसी बाब या किसी धन या कस्य वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय बाब-कार विधिनियम, 1922 र 1922 का 11) या उन्तर विधिनियम, या नन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के किए:

वतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विक्तिविक्त व्यक्तियों,, अर्थात् ः— श्री जम जम टैनरी 90/254, हीरा मन का पुरवा, कानपुर।

(प्रन्तरक)

2 श्रीमती वीना ग्रग्रवाल, 15/255, सिविल लाइन्स, कानपुर।

(अन्तरिती)

ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारों कारकें पृथींबत सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

वस्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस क्षमा के राजपदार्थों स्थाधन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तरपंजधी व्यक्तियों पर मृजना की तार्थाल सं 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध गांद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों यो सं कि सी क्ष्मित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष मा श्रकाशन की तारीचा वे 45 किन के भीतन तक्ष स्थावन संयक्ति मी हिस्सबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ किसित मी किए या सकीने।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मकान नं० 6224 कानपुर में है।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण') श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-195

आयकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के लीत सुबला

भागा गरकार

कार्यालय , सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० के०--240/85--86----ग्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षान प्राधिकररी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर एक्पीत . जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रुक्त से शिक्षक है

और जिसकी मं० 117/54/78 है तथा जो रावतपुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजि श्री हिंग हिंग है। के आर्यालय, कानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उच्चिल लाजार मूल्य से काम **के दश्यमान** प्रतिकल के लिए कोलिया की ग**र्ड और** मुक्ते यह विश्वास

मुक्त यह विश्वास
करने का कारण है कि कि कि कि कि मित्र सम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान कि कि कि कि मित्र के एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्निकित्तन उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवास में बास्तिया कर के कि कि कि एस

- (क) अन्तरण ले हुई िकसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीय. निम्नलिबित व्यक्तियों, अधीत ह—

- 1. श्री नरायन दास खन्ना पुत्र स्व० श्री केशर चन्द्र खन्ना, 117/एम/78, काका देव, कानपुर। (यन्तररु)
- 2 श्रीमती चन्द्रावती पत्नी श्री राम श्रवय एवं श्रन्य, 117/एम /78, रावत पुर, कानपुर। — (श्रन्तरिती)
- 3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में मधो-हस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

म० न० 117/एम/78, रावतपुर, कानपुर।

एच० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख। 9-12-1985 मोहर।

प्रकृत बाइ . बी . एवं . एक . ------

भाग-हर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कान**पु**र

कानपुर, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० के०--241/85-86---अनः मुझे, ए.च० भार० दास,

बायमार विविधिया, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इत्तर्थे इत्यर्थे वश्यात् 'अवत विधितिययं' कहा गया हैं), की बारा 269-थ के समीन सवाम प्राधिकारी को यह विस्तास बारमें का आरण हैं कि स्थापर सम्मित्त, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 27-4-1985

को पूर्विक्षा सम्मित्त के अचित वाजार मून्य से कन के स्वमान शिक्त के सिए अम्मिरिती की गई और मूजे यह विश्वास करने को कारण है कि यसमूर्वोक्स सम्मित्त का उचित वाजार मून्य, असमो स्वयमान प्रतिपत्त से, ऐसे क्रयमान प्रतिपत्त का प्रमुख प्रिक्त के अविक है और अस्वरक (अन्वरक्षों) मीर अम्बरिती (अम्बरितियों) से बीच एंडे बन्तरच के तिए उच गया परा प्रतिपत्न विश्विक्ष उद्देश्य से उच्च अन्वरच तिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (६) जन्मरण लें ह्यूपं भिन्नती आय की दावत , उपन्छ लिथितियम के अधीय कर दोने के सम्बद्ध के ध्वयित्व में कमी करने या कस्तते नचने में सुनिक्त के लिए; लीर/का
- (भा) एंडी किसी बाय या किसी वर्ग वा बन्ध कारिस्तकों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोच-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा फिया बाना चाहिए था कियाने में सुविभा के किए.

्रजा: अब, **सम्ब स्पिनियम की भारा 269-व के बन्दरण** मो, मो, डाक्न औधतिसम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीत: विकास का**चिमों** कर्मात् १८----15---416GI/85 1- श्री सखा मन जाजरिया, पुत श्री भार० के० जाजीरिया, 23 -ए०, दादा सपर, कानपुर। (प्रन्तरक)

 श्री दिनेत नाम एवं अल्य, 25-ए०, दादा नगर, कानपुर।

(प्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्याक्त, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जातना है कि वह सम्मत्ति में हिनबढ़ है)

को सह बुकरा कारी करके पुर्विक्त सम्भाष्ट के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कांड्रो डाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवीं या तरकस्वन्धी व्यक्तियों पद स्वाप्त की ताबील से 30 विन की अभीं दे को भी अधीं वाद में क्षाप्त होती हों, के जीतर पर्वोक्त व्यक्तिया न मां किसी नार्वित ख्वारा;
- (थ) इस सूचना के संकारन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की भीतर उक्त स्थावत सम्मति में हित्तकपूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकरी के शक सिविश में किए वा सर्वोगे।

अनुसूची

प्लाट नं ॰ 25-ए, दादा नगर, कानपुर।

एन० श्रार० दास पंजस प्राधिकारी सड़ामक श्रायकर व्यायृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारी**य**ि 2-12-1985

पहण आहाँ ती एत. एस. ------ 1. श्री

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की

भारत परकार

कार्यासय, सहायक वाष्ट्रप आगुनत (निरीकाक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कामपुर, दिनौँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० के०-242/85-86-प्रत: मुझे, एच० भार० दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर यायित, जिल्लाम छिचत बाजार मूल्य 1,00,000/- का से बर्धमक है

भीर जसकी सः है तथा जो श्राजाद नगर कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उगाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजिल्लीकर्ता श्रविकारी के कार्यात्य कानपु में रिजस्ट्रीकरण श्रवितियम, 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन, तारीख 24-4-1985

को पूर्विक्त संतीत का एकिए का अप मुन्य से बास के दश्यमान प्रतिकास को लिए सन्तरित की हुए हो। जी कि वृक्षे यह विकास करने का स्मरण ही कि अथायुर्विक्त सम्बोध का अधित बादार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल के मन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्द्रिती (मन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ मामा गया प्रतिकाल, निकालियित उद्योध्य से उक्त अन्तरक निकात में साम्याविक एक से मुख्य नहार कि सा एक की के

- (क) बनारण में हुई फिनी जास की बाबता, जाकत व्यथिनियम को अधीन कर वांचे को प्रकारक को वायिएक भी कार्यी कार्यक प्राप्तान को तिया वायिए। को निया: वारि/वा
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) वा उक्त शिक्तियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, का 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरहित हुलान प्रकट नहीं किया गया था या निज्ञा जाना नाहिये था कियाने में खे किया;

जत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26०-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसरों, अर्थान :--- 1. श्री लक्ष्मी शंकर सेठ, 2ए /228 ए, **धाजाद** नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

 डा० गर्नेश शंकर लेठ, पुत्र शिशि मेठ, 2 ए/2 28 श्राजाद नगर, कानपुर।

(ऋग्त रिती)

3. केसागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋेलागण

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्वविद्या करता हुं।

चक्त संपरित के अर्थन संबंध में को**ई भी बाक्षेप** है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष अधिकतयों में में किसी व्यक्ति वृतारा;
- (प) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद निस्ति में किए जा सकरें।

स्वय्हीकरणः -- - इसमी प्रयुक्त शब्दों और धवाँ का, वो अवस अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

यन्भूची

जायदाद-- धाजाद नगर में।

एव० आर० रा। सक्षम पाधिकारी यहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं 269-व(1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यां बर, उद्दारक नायकार मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाँक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सब केब-247/85-86-- श्रतः मुझै, एवब भार*ा*म,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उकत अधिनियम' जहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षण प्राण्यिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्त्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 84/195 है तथा जो कारवालो नगर, सें स्थित है (श्रांर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 10) के श्रिधीन, तारीख 24-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृन्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों तत सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (जन्तरज्ञाें) और अतिरती (जन्तरितिमाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का अधित, उक्स अधिनिजम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-सार अधिनियम, 1957 (1957 आ 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिश्या गरा सा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

कतः कभं, उक्त कधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसंयों, अर्थात् :-- श्री राम हिंदुपुर । लिया एम, निवासः 84/195 कारवालो नगर, छातपुर।

(भ्रन्तरक)

2. थासनी नरका देवा अधिपार जन्नो प्रतित मोहन अधिपार, निवासी 84/195, कारवाली नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

केनागण

(बहु ब्यक्ति, जिसके प्र<mark>ाधिभोग में</mark> यस्यत्ति है)

4. केतागण

(यह व्यक्तित, व्यक्ति कर में अधी-हुस्ताक्षरी जातता है कि वह तस्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह राजमा करन अन्य भूगायत सम्पत्ति के अर्थन के । लक्ष् कानवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति का लजन की लजन रू काई भी आक्षप :---

- (क) इस सुधान को राजपत्र मो प्रवाशन की तारीस से कड़ दिन की अवधि पर उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रवित को का लाजिन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाध्य होती हो, को भीतर प्रविक्त विविद्या में पिसी कोचन दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो क्सि- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास विख्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत भीटिकार, जी अध्याय 20-क मा प्रिमाणित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसुची

म० न० ४४/१९४, धारताला गगर, ज्ञानपुर।

एव० ग्रार० वास गलम प्राधिकारी महायक ग्राधहर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंग, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्रस्य नार्ष<u>ः</u> द<u>िः एतः, एतः, राज्यानामाणाय</u> नायकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से अभीत सूत्रना

भारत सरकार

कार्यासव, सहावक बायकर बाय्क्स (निरोक्स्)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिशांक 9 दिशाबर 1985 निदेश सं० के०-249/85-86-श्वनः मुझे, एव० भार० दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए उक्त अधिनियम अझा नया ही), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने कारण ही कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से जीभक ही

भोर जिसकी स० 25/एथ०-16/सी०-1 है तथा जो इन्द्रा नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध प्रमुम्ची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर से रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 29-4-1985

को चुनों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य ते कम के करममान शितफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त क्षम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से ,, ऐसे श्वयमान प्रतिफल को पन्छह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रित्नों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपत बिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में मृबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्धाः

बतक जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ले नभीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री मोशीलास मोता श्रात्मक स्व० ग्रम्भु नाथ मोता, 149/12. शास्त्री नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- श्री राज कुमार मेहरोता भ्रात्मज स्व० श्री श्रार० एप० मेहरोता, 111/440 प्०, श्रशोक नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. केतागण

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(यह व्यक्ति, जितके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि **यह** सम्पत्ति से हितबढ़ हैं)

को यह सूचना जारी करक पुरावत सम्पत्ति के अधन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उक्त सम्पत्ति में हित्यव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, वा उन्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यया है।

बनुब्र्ची

म० नं• 25/एन• प्राई• जी०/ब्लाक सी०--1, इन्द्रा नगर, कानपुर।

> एच० घार० दास सक्षम प्राधिकारी स**हाबक घा**यकर घायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

भूक्ति भारती हो। एक एक , ac accommence

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में बभीन सुचना

जारत सरकार

कार्यंत्रयः, सञ्चयक नायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रामपुर कानपुर, दिनाक 9 दिसम्बर, 1985

भिदेश मं० के०~252/85~8⊙—ः?ाः मुझे, एच**०** आप० दास.

कामकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसने इसने प्रकार प्रकार का 43) (विसं इसने इसने प्रकार प्रकार का का 43), की भारा 269- क के बचीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्रोधित बाबार ब्रह

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संव है तथा जो देहली स्वासपुर में स्थित है (श्रार इसके त्याबाइ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है). रिनिस्ट्रीकर्ना अधि तरी के कार्यान्य, कार्युर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

को पूर्वोकत संपत्ति के बीचत बाजार मृत्य स कम के बश्यमान बतिफल के लिए जन्तरित को गर्व हैं जीर मुखे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्परित को उपित आगाः मृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल के, एोगं बश्यमान प्रतिकत के पेन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एोगं अंतरिय अ निस् तम पान पना परि-क्स निम्नानित उप्रदेश्य से उनत कन्तरण निष्ठित में यास्त-विक स्प हो किया गर्वा हैं:---

- (का) अन्तरण वं शुर्ध किली जान अपी अधित क्षण्य विभिन्नियम को जभीन कर बोने को अन्तरक वास्तित्व को कशी करने वा जससे अन्तरे से स्विधा को किए; अपि/वाः
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियां करो, जिन्हों भारतीय जायकार की धीनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त की धीनयम, या जन कर जी धीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सदिती दुवारा प्रकट नहीं किया क्वा था वा किया जाना शाहिए था, स्त्रियां में बृष्टियां के सिए;

कतः वर्षः स्थल अपितियात्र भी भारा 269-व की कन्वरम् मो, मी, उत्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविक्त स्थानित्यों, अर्थात् :--- श्री राम अबनार, छोटै लाल, गि० ग्रा० टटिया भगवती, जि० जानपूर।

(अन्तरक)

- नेहरू समापक सहकारी आवास समिति लि०, नानपुर द्वारा राचिव, जोगेण्यर प्रसाद त्रिपाठी 128/35—जी० ब्लाक, किदवई मगर, कामपुर। (अन्तरिती)
- 3. केहागण

(व**ह व्यक्ति, जिस**के अधिभोग में सम्बक्ति है)

ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हरूनाक्षरी जामता है कि बह सम्पन्ति में हितबड़ है)

को यह स्थान थारी करके पूर्वोक्त वंपरि अ वर्षक के सिक कार्यवाहिया करता हो।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी सार्वाच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की नवीध या तत्सकार्थी स्थीवतया पर सूचना की बामीस से 30 दिन की नवीध, को की नवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वावध व्यक्तिश्वों में से सिसी स्थीनत बुकारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में त्रकावन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिटित में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा वशोहस्ताक्षरी के क्षव विविक्त में किए जा क्कीं।

स्वकारिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में बधा परिभाविस है, वहीं अर्थ होगा को उस कथान में विदा गया है।

श्<u>रमुखी</u>

स्रोतः स्थित देहली सुजानपुर, जिला कानपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

तारीख: 9-12-1985

प्रकल आई. टी. एस . एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कामपुर, दिनाक 9 दिनम्बर 1985

निवेण सं० के०-253/85-86--अतः मुझे, एव० आर० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० 127/ डब्ल्यू० आई०/1/40 है तथा जो साकेत भगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के जार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-4-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूक यह विक्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पत्कृद्ध प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बायत, उक्त मधिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक के वायिस्व मों कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के जिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बस्य आस्तियों स्त्री, खिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

कंकः वंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा श्री दर्जन सिंह तुली पुत्र अमीर सन्द एवं अन्य, 127/6, एच० बतान्त गांविन्द मगर, कामपुर। (अन्तरक)
- श्री विजय कुभार गुणा वर्ज्यान्द्र कुमार गुप्ता, कं०/आ० आत्मा राम विजय कुमार, 49/63 नया गंज, काभपुर।

(अन्तरिती)

3. केनागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. क्षेत्रागण

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हरताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्ट- बय्थ किसी व्यक्ति दनारा, अभोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसुची

म० नं० 127/ डक्ट्यू०आई/०1-40, लाकेन सगर, कामपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

नारी**ख**: 9—12—1985

महिर 🕫

प्रकार बार्ड, टी. एन. एस. - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

AND THE RESIDENCE THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERT

भारत एएकार

कार्यालय, बहायक आयकर वाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, कामपुर कामपुर, दिशांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ए०-274/85-86--- अतः मुझे, एच० **आर**० दास,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किस इसमें इसमें प्रकार (उदत मिपिनियम) कहा गयर हैं), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वान कारन का कारण है कि रपावर सम्प्रित, 'जिस्सार जिल्ह बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० — है तथा जो मऊ आगरा में स्थित है (श्रीर इजी उताबद्ध अनुमूची में ,श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्री इर्ती अधि तरी के जार्थालय, आगरा में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1900 (1903 का 16) के अधीन, तारीक्ष 4-4-1985

को प्रोंधत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि एथाप्तिया गम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफाल में एक रश्यात प्रतिफाल के पन्द्रह प्रशिशत में अधिया ही तेर अध्यासक (अन्तर्यति) और मृत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, जिम्मिजिसित उद्वेश्य में उसत अन्तरण लिखित में अस्तर्यक हम से अधिमा नहीं किया गया है....

- (बा) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबता, उक्त विश्वियम के लोगांच कर योग र अवस्ता र विश्वियम को बाजी कारत का उसस प्रवर्ग मी स्वीकता, के निरुष्ट विद्या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निया जाना उन्हिए था स्थिमने में सूर्विधा के सिए;

भतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नालियित स्पक्तियों, स्थीत :---- श्री विनोद कुमार जैन पुत्र श्री भगवाम धास जैम, नि० 5/487, कटरा इतवारी खां नाई की मण्डी आगरा।

(अन्दरक्)

 देव नगर सहकारी गृह मिर्माण मिसि लि०, आगरा के०/आफ श्री देव पाल सिंह।

(अन्तरिती)

3. —त**वैव**—

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अवो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां कुरू करता हैं।

उक्त सम्परित को अर्जन की सम्भन्ध में को**ड़ भी जाक्षेप**:--

- (क) इस स्वमा में राजपण में प्रकासन की तारीस स 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामीन से 30 दिन की अमिश्र, की भीड़ व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीड़र क्योंकिंग व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति बुदारा अधोहस्ताक्षरी को साथ विकास माजिस ना विकास म

स्वकातिकरणः ------श्रमसी अभ्वत्त काव्या आंग्र पद्धा का. को जन्म विधिनियस को सध्याय 20-का जो वरिधानिकर ही, वर्षा अभ श्रामा जिल्लाम प्राप्त का किल कार्या

(51000) वर्ग गर्ज 1 बीघा 17 धिस्वा बाके मीजा मऊ मुस्तिकल तहरु व पर० आगरा।

> एव० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख': 9-12-1985

प्रकल वाहु^र . डी . एत . एत . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनोक 9 दिसम्बर 1985

निवेश मं० ए०-276/85-86--- अतः मुझे, एच० आर० वास,

बार कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वते इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा की अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने व्या कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, फिसका उविश्वत बाबार मूस्य 1.00,000/-रु. से बिधक हैं

भीर जिसंकी सं० 19 है तथा जो भोगीपुरा अत्मरा में स्थित है (भीर इतने उत्त्वित्व अनुभूवी में भीर पूर्ण एवं से विवाद है), र्रावस्ट्री इती अधिकारी के उत्तिव्या आगरा में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अभीन, नारीख 2-4-1985

म्बं प्रशिक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य ते कम के ध्यमान प्रिक्त के कि लए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वें कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके देख्यमान प्रतिकत्त से, एंगे देख्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिकत से बिधक है जोर पंतरक (बंतरकाँ) जीर संतरिती । जंतरितियों) को भीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, रिन्निक्ति चित्र उद्ध्वें पे से किया गया है :---

- (क) कन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत. उक्त शिक्षिणियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की शिक्षिण में कभी करने या उत्तर बचने में स्विधा
- (स) एसी किसी भाग या किसी भन वा जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 भा 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकृत नहीं किया गया भा या किया जाना अहिए भर, स्थितने में सुविया भी निय;

भंतः भन्नः, उभर्तः अधिनियमं की धारा 260-र की अन्सरण यो. मी डाल्य रुधिनियमं की धारा 260-र यो एण्डएएः ﴿1) ५ अभीतः, टिट्टिनिसिंख व्यक्तियों, वर्धातः ---- श्री घेरे पुत श्री भोतः भि० अलितया, भौजा भोगीपुरा तह० च पर० आगरा।

(अन्तरक)

- 2. नीनिगिरि अह्कारी आवास समिति लि॰ द्वारा श्री प्रेम दल पाठण, भोगीपुरा आगरा (सचित्र) (अन्तरिती)
- 3. **---**नर्दव---

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति ही)

4. ---तदंब--

(बह व्याक्त, जिसके धार में अधी-हरताक्षरी जानता है कि वह राम्पत्ति में (इतब्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में अर्रेष्ट्रं भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध गांव में शगाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यातः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपत्ति मों हितब्ब्धे किसी अन्य स्थिक्त ब्यारा अभोहरताक्षरी के पास निधित मों किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, को लग्याय 20 का में परिभाषित ही, यही अर्थ होना को अस अध्याय में विया संसाही।

वनस्थी

कृषि भूमि 3 बीघा, 3 बिस्वा खाता नं० 19, स्थिति | वाके मौजा अलबक्षिया भोगीपुरा, आगरा।

> एच० आर० दाम संधम प्राधिकारी इहायक आयक्ष्य अयुक्य (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

हारो**ख**: 9-12-1985

प्ररूप आर्द्र.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० ए-277/85-86--प्रतः मुझै, एच० भ्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 35 हैं तथा जो श्रागरा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-4-1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमाण ेलए बन्सिरत की गद्द है प्रतिकश विश्वास मभ्जे यह करने का कारण कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ट अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियानों में सविधा के सिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मो. मो. नक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) पे रणीन निम्नित्ति स्थितिस्यों, वर्षात् क्षां 16—416GI/85 श्रीमती ऊषा वंसल पत्नी श्री के० सी० बंसल, बेलन गंज, आगरा।

(धन्तरक)

श्री निहाल चन्द्र जैन पुत्र श्री खान चंद्र जैन,
 १ स्टेट बैंक कालोनी, ग्रागरा।

(अन्तरिती)

3. ⊸~तथैं व⊸-

(बह सम्पत्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. →-तथैच---

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकड़ है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ हतोगा जो उस कथ्याय में दिशा गया है।

मन्स्यी

प्रोपर्टी नं० 85, एरिया 572, स्वा० यार्ड स्थिति श्रागरा में।

> एख० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्रकष बार्ड .टी . एन . एस 🛫 ------

शायकर सिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर बायकर (निरीक्षण)

भ्रजन रोंज, कानपुर

कातपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए०~297/85-86--- प्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० 13 है तथा जो प्रागरा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19--4~1985

को पूर्वोकन सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रात्तफल को लिए अन्तरित को गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल को गम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण निकाल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की बावत, बचत अधिनियम के अधीन कर वाने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों धर्म जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविध्य के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को, अन्सरण गः, गः अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलियित व्यक्तियों, अर्थातः :--- मे० श्रनिल मेटल इण्डस्ट्रीज, हे० आ० किरावली अगगरा।

(अन्तरक)

2. मैं० अभिल मेटल इण्डस्ट्रीज, रोलिंग मिल्म डिवीजन हे० प्रा० 24/173, बाग राम सहाय, लोहा मंडी, श्रागरा।

(अन्तरिती)

3. ---तर्थंैच---

(थह क्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --- तथैं च----

(अह क्यक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृश्वकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मैं जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार किसिबत में किए जा सकरें।

स्पद्धो अर्थ : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अन्स्ची

प्रोपर्टी खमरा नं० 13/3-3-14, मौजा कलवरी।

एच० प्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

नारीख: 9-12-1935

मोहरः

५कन् अन्तर्भे . टी . ६न् . एष . -------

na antigram de la comercia de la comunicación de

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को नभीन सूचना

मारक बरकार

कार्बासय, सहायक कार्यकर वायुक्त (निरीक्षक)

भ्रजंन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए०-304/85-86---भ्रत मुझेः एघ० भार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिथकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो मेरिस रोड़त, अलीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिवारी के नार्यालय, अलीगढ़ में, रिजिस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-4-1985

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का गड़ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बाम्तर्वेष्ट रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की धावत, उबत शाधिनियम के बजीन कर दाने की बन्तरक के रायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृदिया के खिए: न्योर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की, विका धारतीय बाय-कर विधिनियम, १922 (1922 का 11) या उत्पत्त अधिनियम, में भन-कर अभिनियम, में भन-कर अभिनियम, पित्र का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्प्रिपारी में सुविधा के सिए;

अंतं अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-त के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त अधिनतीं, अभीत क्

- श्री रसीद जमशेद पुत्त श्री इरसाद म्रली खां, निवासी खुरशेद मंजिल, बागपत, मेरठ। (म्रन्सरक)
- श्री विनोद कुमार सिंहानिया, श्रीमती ऊषा सिंघानिया मैरिस रोड़, श्रलीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. →-तथैं ब⊸--

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

3. ---तथैव---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में फ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है दिः बह सम्पत्ति में हितबब है)

स्त्री सङ्ख्या बादी करके प्याँकत सम्परित के अर्थन के क्षिण् कार्यवाहियां करता हूं।

उच्य तस्परित् के अर्थन से तस्वन्य में खंडे भी साक्षप 😘

- (क) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकीय।

न्यक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कक्कों और क्कों क्या, को उनके कथिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित है, सही कर्थ होंगा जो उस कथ्याय में वियो गया है।

भनुसूची

474.16 वर्ग मीटर भेड़ हाउस, मेरिस रोड़, मलीगढ़।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

ता**रीख 9-12-1985**

मरूप **बाइ**ं <u>टी पुन पुत्र उक्तान्यक</u>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ए०-328/85-86--ग्रत मुझे, एच० ग्रार० वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके वरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 110 है तथा जो नामरसलपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीर्ज्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, तारीख 29-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कल्क्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के सिद्;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री राम निवास पुत्र श्री बांके लाल, निवासी टुन्डर वाला जी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुराजो देवी पत्नी श्री कृष्ण, नि० बाके नागर रसूलपुर, फिरोजाबाद।

(भ्रन्तरिती)

3. --तथैव--

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---तथैव---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिल- अह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी अं पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्रिया:—इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदी का, जो उक्त वर्षेत्रियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

वन्युकी

एक किता मकान नं० 110, बांके नमार रसुलपुर।

एच० भ्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रज, कानपुर

नारीख: 9-12-1985

प्ररूप आहें दी. एन. एस.-----

साथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश स० ए−329/85−86−−श्रतः मुझे, <mark>एच०श्रार०</mark> तस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 51 है तथा जो निजामाबाद फिरोजाबाद में स्थित है (स्रार इससे उपाबद्ध स्ननुसूनी में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के स्रधीन तारीख स्रप्नैल 1985

को पूर्विक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का प्रहू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविद्य रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

. अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अमृज़रण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म क्की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री महेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री श्री बूज गोपाल शर्मा, निवासी बाई पास रोड फ़िरोजाझाद।

(भ्रन्तरक)

(2) फ्रेन्डस सहकारी श्रावास समिति फिरोजाबाद द्वारा श्री श्रीनिवास गुप्ता निवासी हनूमान गंज फ़िरोजाबाद।

(श्रन्तरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सथैव

(बह व्यक्ति, जिसके बारे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माख्यीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

श्रनु भूची

38047 वर्गकीट का एक प्लाट जो बाके मौजा सुख-मलपुर निजामाबाद फ़िरोजाबाद में स्थित है।

> एच०म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्रकर नाइं. टी. एवं. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंन, कान्प्र

रागपुर, दिनाव 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए-331/85-86---यतः मुझे, एच० श्रार० वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'इन्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अधीन मक्षम पाधिकारी को यह शिष्टास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो पुरानी मंडी फिरोजा-बाद में स्थित है (श्रीर इपस उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्री एती श्रीध हारी के ार्यालय फिरोजाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियस, 1908(1908 ा 16) के श्रीयीन तारीख श्रश्नेल 1985

का पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल भे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार अधिक है और अतरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तिक) के अधि एक अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, निम्निबिक्त उक्षरेम से उसत बंतरण निम्निक में वास्तिक है के अधि अभित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाघ की बाबचा, उक्त अधिनियम के बचीम कह दोने के बन्तरक के बावित्स में ककी ककी वा उन्नवे अकर्त में वृतिभा के लिए; बहुं/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या कत्य ब्रास्तियों से किसी किसी किसी किसी कि विकास किसी से (या कि कि कि) में अध्या किसी समस्ता कि भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सुदीप चन्द्र चतुर्वेदी पुत्र श्री सुबोध चन्द्र चतूर्वेदी, निवासी चौकीगेट फ़िरोजाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुम जैन पत्नी श्री प्रमोद कु० जैन कि अन्य निवासीगण चौकीगेट फ़िरोजाबाद।

(भ्रन्तरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके

द्राधिभोग में सम्पति है)

(4) तथैय

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है हि बह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सृचना आरो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध मां आई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां ंर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समारत होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से रिक्सी व्यक्ति द्वारा.
- (स) ६स सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में किए । ब्युथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के ग्रस निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्दिकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बहाँ अभे उत्पात का उस अध्याय के दिया गया ही।

प्रनुसूची

श्राराजी प्लाट बाके मोहल्ला पुरानी मंडी फ़िरोजा बाद।

> एच०म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रैंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप प्रकृ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत साकार

कार्यालयः, सहायक आयकः आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जंन रेंज, लुधियाना

मुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चन्डी/1/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव मकान नंव 710 है तथ: जो सैक्टर 8बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण विणित है), रिजस्ट्री जो श्रीधिकारी के रार्यालय, वण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिलयम, 1908(1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक श्रील 1985।

कां पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार एमें रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रशिष्ठत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य सं अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्द आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पृतिकाणी, अर्थात :---- (1) श्री ांग्य देव पुत श्री श्रायकमूर अपूर तथा श्रीमति प्रमंत खन्ना पत्नि श्री एगकणूरक खन्ना, निवासी 363, डी-II, वितय मार्ग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह गहल (एव०यू०एफ़) हारा इसके इर्ता श्री गुरदीण सिंह गहल पूज श्री दला सिंह , निवासी एस-470, ग्रेटर कैलाश पार्ट II, सई देहली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविध, फी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिस्टिंग में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिसा गया है।

अनुसुची

म तान नं० 710 सैक्टर 8 बी, चण्डीगढ़ (प्रथित वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख मंख्या 604 माह ग्रिप्रें 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लारीख: 10~12~1985

मोहार :

प्रारूष आई.टी.एन.एस. .

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नावकर वाब्क्त (निरीक्क)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनⁱरु 10 दिसम्बर 1985

निवेश सं० चण्डी०/3/85-86--यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

अध्यकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० मकान नं० 3203 है तथा जो सैक्टर 21 डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उगग्रद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण वर्णित है). रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कृत के दश्वनाम पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास इसे का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का न्याह प्रतिक्षत से जिनक है और बन्तरक (जन्तरकाँ) भीर अनिस्ति (अंतरितिवाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष्ट् तय पावा एवा प्रतिक्स, निम्मलिचित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिचित व वास्तिक रूप से कवित नहीं विद्या पदा है है—

- (क) जन्तरण संहुद्धं किसी आम की बाबत उक्क अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य क कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए और/वा
- (ब) एसि किसी जाब या किसी भन या बन्व वास्तियों को, जिन्हों भारतीय कामकर जिथिनियम, 1922 1,922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर आधिनियम, या भन कर आधिनियम, या भन कर आधिनियम, या भन कर आधिनियम, या भन कर याजनार्थ कर्नारती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जात: अब, जक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुकार-भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इंडिजीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्धात:--- (1) (i) श्री हुनम चन्द पत्न श्री कुन्दन लाल (ii) श्री प्रेम कुमार पुत्र स्व० श्री लाम नाथ प्रवने लिए तथा बतौर जनरल श्रटानी (iii) श्री भगवन्ती देवी, (iv) श्री प्रकाण चन्द (V) श्री संतोष कुमारी कमशः पत्नि, पुत्र, पुत्री स्व० श्री राम नाथ (vi) श्रीमित विद्या पुत्री स्व० श्री राम नाथ द्वारा जनरल श्रटानी श्री प्रेम कुमार निवासी मकान नं० 1216, सैक्टर 21वी चंडीगढ़ (Vii) श्री देणबन्धु पुत्र श्री राम नाथ (viii) श्रीमित शीला रानी पत्नि श्री भीम सैन गुप्ता सभी निवासी मकान नं० 1216 सैक्टर 21वी, घंडीगढ़।

(ग्रन्तर कः)

(2) श्रीमित हरभजन कौर लाला पति श्री दर्शन सिंह, डा० तजेन्द्र सिंह लम्बा तथा श्री जगदीश सिंह लांबा दोनों प्रतान श्री दर्शन सिंह लांबा द्वारा श्री जगदीप सिंह लांबा निवासी एष०सी०एफ नं० 65, फ्रेज 7 मोहाली।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रिप :---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीस से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में तजाबा होती हो, के भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अभोहस्ताक्षरी के सास निवित में किए जा सकोंचे।

ल्लाक्करणः — इसमें प्रयुक्त सम्बा नौर पर्यो का, वो अन्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, नहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गना है।

अनुसूची

मकान नं० 3203 सैंक्टर 21डी चंडीगढ़। (ग्रर्थात वह आयदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 21 माह ग्रप्रैंल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र पिह सक्षम प्राधिकारी_, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10- 12- 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाग्रक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चंडी ०/4/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रठ. से अधिक है भ्री जिसकी सं० मकान नं० 17क 1/2 भाग, है तथा जो सैक्टर 21ए, चंडीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रीर पूर्ण वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख श्रप्रैल, 1985 को पर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्दिशिवत अधिकतयों, अर्थात् :— 17—416 01/85 (1) श्रीमिति हरमिन्द्र कौर पाटिल श्री पी०एन० नाथ, निवासी मकान नं० 17 मैक्टर, 21ए. चन्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री हरदित्त सिंह, निवासी ऊना ग्रब मकान नं० 17 सैक्टर 21ए, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जार' करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्भाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्माना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयंक्त शब्दो और पदों का, जो जकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हों, यही अर्थ होंग को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

मकान मं० 17 का 1/2 भाग, सैंक्टर 21ए, चण्डीगढ़। (म्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 24 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

सारीख: 9-12-1985

प्रकृष आहें. टी. एन. इसं.- -------

नायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

MINE STEEL

कार्गातय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 9 दिसम्बर 1985

निवेश सं० चण्डी०/८/८५-८६---भ्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषचे इसमें इसमें प्रकार 'उन्ति अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-स को अभीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपरिता, जिसका उचित गाजार मूम्भ 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 568, है तथा जो सैक्टर 36 बी, चंडीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण वर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक अभैल 1985

को पूर्वीक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के कामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (४) एमी किसी बार्य या किसी भन या अस्य अस्मित्यें की, भिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के एएं अनार्थ सन्तरिती दुशारा पकट नहीं किया गया था शा किया अस्त भाहिए था, कियाने में मुनिधा की बिए:

श्रहः **धव उपल जिभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण** मो, प्रो, नास्त अधिनियम की भारा 269-म **की उपधारा (१)** गोजनीत विकासिक कोजनका, श्रामित १५-- श्री मेहताब सिंह पुत्र श्री संतोख सिंह,
 निवासी मकान नं० 568,
 सैक्टर 36 बी, चण्डीगढ़।

(भन्सरक)

(2) श्री भर्जुन सिंह जौली पुत श्री जोध सिंह, श्री गुरविन्द्र सिंह पुत्र श्री भर्जुन सिंह जौली, निवासी मकान नं० 333, सैक्टर 17ए, चण्डीगढ़।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथेक्ति संपरित के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां कारता हो।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीक भं 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अयधि, जो भी अवधि बत्द में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तींकत स्वन्तिया में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकारन की हारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबढ़ के किसी अन्य व्यक्ति दवारा बधाहस्ताक्षरों के पास लि। धन में किर का मकेंगी।

स्पष्टीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ग्रनुमुची

मकान नं० 568 सैक्टर 36बी, चण्डीगढ़। (ग्रयौत् बह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुखियाना के विशेख संख्या 5 माह भ्रप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाबक मामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, लुधियाना

तारीख: 9-12-1985

प्रस्य बार्षः, डॉ. व्यक्त प्रस्तान्य व्यक्त

- जायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

षाउक सङ्कात

कार्यामय, सहायक जायकार काम्बद (विरोक्सण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनौंक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी ०/12/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवे इसके पश्चात् 'स्वतः विधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00000/-रः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 34, सैंक्टर 19 ए है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रप्रैल 1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) वस्तरण से हुइ किसी नाम की वावत, अक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामिल वे कभी करने मा उससे वचने में सुविका के जिइ; शौड़/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उत्तत विधिनियम की धारा 269-ग के वमुसरण मं, मं, उत्तर अधिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) श्री सेशन लाल पुत्र श्री पन्ना लाल, निवासी मकान नं० 34 सैक्टर 19ए, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी जनरल श्रदानीं श्रीमिति श्रजीत कीर परिन श्री मेहर सिंह, मकान नं० 669, सैक्टर 33बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री धर्मबीर सिंह पुत्र श्री जतवन्त सिंह, श्रीमित सर्वजीत कौर पति श्रो धर्मवीर तिह, निवासी मकान नं० जे-12/15 एच/2/8, बौलिया बाग, राम काटोरा, वारागसी । (प्रतिरो)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वांक्य समस्ति क अर्थन के निष्ध् कार्यवाद्वियां कार्या हों।

बन्द सम्मरित को वर्जन के सम्बन्ध में कोड़' भी आक्षेप :-

- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 स्थि की अवश्चित ना तत्संस्वन्थी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकर व्यक्तियों में से किसी स्वृतित ब्रवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस स 45 दिन के सीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म ज्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए था नक्षेत्रों

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 34, सैक्टर 19र, चण्डीगढ़। (श्रयित् बह् जायदाद जो कि रजिस्ट्रीक्ष्ती श्रधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 91 माह श्रप्रैल 1985 के तहन दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र निह सक्षम प्राधिकारी सहायक आजकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच : 11−12−1985

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूर्धना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी० $^{1}14^{1}85$ -86----श्रतः **मुझे**, जोगिन्द्र सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 149 सैंक्टर 16 ए हैं तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रींर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्राधीन दिनाँक ग्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उन्त जिथिनियम के जधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, किपाने में सुविभा के लिए;

जतः जयः उक्त जीभीनयम की भारा 269-य के अनुसरण पों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारार (1) के जभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्धाब्द्र—

- (1) श्रीदन्द्रपाल सूद पुत श्री ग्रानन्त राम सूद, मकान नं० 149 सैक्टर 16ए चन्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री हरजीत सिह, धमबीर निह, बलबीर सिह तथा नरेन्द्रपाल सिह्युतम् श्री जसबन्त निवासी 122 नया बाजार, मेरठ छावनी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबव्ध किसी बन्ग व्यक्ति द्वाररा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त बिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान नं० 149 मेक्टर 16ए, चण्डीगढ़। (ग्रथीत् वह जायदाद जो कि रिनिस्ट्रीकर्ता, श्रिधिकारी, चंडीगड़ के बिलेख मंख्या 109 माह श्रप्रैन 1985 के तहन दर्ज है)

> जंगिनद्र सिह सक्षम प्राधिकारी **सहायक भायक**र आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1985

मोहरि 🗈

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धीरा 269-च (1) के जंधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी/17ए/85-86-→यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

गावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृष्ट 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

अं(र जिसकी मं० मकान नं० 76 है तथा जो सैक्टर 5, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ऑप इसमें उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलाक अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तय पाया च्या मृतिफल, निम्नलिखित उच्चेदिस से उच्च अन्तरक कि सित्र में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है ह——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में नृतिशा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी नाम का किसी भन या नन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम सा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अअ, उस्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में. और, उका जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नभीत :—— (1) सर्वश्री फिष जिल लिया, मेजर कीर्ति इण्ण लूथरा, श्रीमिति प्रभा कसतूरिया, श्रीमिति 'मरिनलिनी प्रेम लाल की श्रदितिया तल्यार तथा लिलत मोहन तलघार, सभी नियासी डी-104, ईस्ट श्राफ कैलाण,

(अन्तरक)

(2) श्री विकम सहगल पुत्र श्री नेंत्र १ प्रणा महगल, निचासी 4/90, फर्म्ट फलीर, कानाट स्कंस, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

(3) मेसर्स गुजरात इस्टेट (प्रार्श्वेट) लिमिटेड, 17, नारा खम्या रोड, नर्ष दिल्ली।

> (बह व्यक्ति, जिसके अधिभौग में सम्पन्ति हैं।)

का यह नृष्यना जारी करके पृथोंन्स सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

क्ष्य अदीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि -नियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुपूषी

मकान नं० 76 सैक्टर 5 चंडीगढ़। (ग्रथित् वह जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी दिल्ली के विलेख 718 माह श्रप्रैल 1985 तथा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 369 माह जून 1985 के तहन दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना ।

वारीख: 11-12-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निबेश सं व खर्ड / १ए/85-86--- यतः मुझे, जीगिन्द्र सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. संअधिक हैं और जिसकी मं० मकाद नं० 405, फेज मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धॉंगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985 को पर्वोक्त सर्पाः को उचित बाबार मल्य संकाम को दश्यमान प्रतिफाल को लिए अपेरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है भाष्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इत्यमार अतिकाल से एमें इत्यमान प्रतिकाल की पनेक्क प्रशासत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण

निकात में बास्तविक रूप से अतिथत नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुद्दै किसी आव की, वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी आब या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत: जब, उक्त जिमिनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, जवात् ध-

- (1) ता तेत्र राज बेदी पुत्र श्री गुरुवित्ता मल, मकात नं० 3119 सैक्टर 40, चन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
 - (2) श्री सुजान सिंह पुत्र श्री बुध सिंह, एच-ई-79 फेज 1, मोहाली तहसील खरड़।

(प्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के खिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वांक्स स्थितयों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकरी।

स्पर्वाकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः स्या है :

मन्सूची

मकान नं० 405 फेज VI_I , मोहाली तहसील खरड़। (स्रयात् वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 24 माह भ्रश्नेल 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-12-1985

मोहरः

प्रकृष आई. टी..एन. एस. -----

अप्रयक्तिर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना

स्धियाता, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेण सं० खरष्ट्/1 बी/85-86----श्रतः मृद्ये, जोगिन्द्र सिंह,

लायकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० मकान नं० 523 फेज हैं तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908. (190के का 16) के आधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत को क्षिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से प्रस्क है और अंतरित (अंतरितयों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिस्हें भारतीय आयं-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री चन्द्र मोहन खन्ना पुत्र श्री बगोसवर नाथ खन्ना निवासी--मकान नं० 1254 सैंक्टर-21बी, चन्द्रीगढ़।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमिति बलवन्त कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी जबालापुर , जिला सहारनपुर (युव्पी०)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहिया करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों इर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी खर्वी से बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्वा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिद्ध हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया संया हैं।

वन्त्र्यो

मकान नं० 523 फेज IV मोहाली तहसील खरड़, (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 36 माह ग्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-12-1985

शक्य **नार्**. दी. एन. एस., -----

बायकर बाधिनियब, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बधीन सुखना

नारत धरकार

कार्याक्षय, सञ्चायक काम्कर कार्यस (चित्रीक्रण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० खरड़/1सी/85-86----ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव मकान नंव 279 है तथा जो फेज II, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और उसने उपाबद प्रमुस्यों में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजल्ट्रिकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजल्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीत, तारीख अप्रैल, 1985। का न्वोंक्त तम्बल के उषित वाजार मुख्य से कन के वश्यकान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्रे यह निश्वास करने का कार्य है कि सथाप्योंक्त सम्पत्ति का उषित वाजार मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का कन्त्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ वाबा गया प्रतिफल्य, निम्नलिखित उत्वर्ध्य से उक्त अन्तरक

तिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियल में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आम या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै भ्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा अक्ट नहीं किया भ्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निष्

बकः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियो , अर्थात् :--- (1) श्रीमित महेन्द्र कौर पत्नी श्री हरनाम सिंह, निवासी-मकान नं० 169 फेज II मोहाली, बतौर श्रदानी श्री बलबन्त सिंह पुत्र श्री चानन सिंह, द्वारा मै० एम०जी० 'ग्रमोका गर्ल्ज कालेज, सर्राहद मंडी जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री गोकल चन्द, निवासी-मकान नं० 568, मैंक्टर-36बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के एक्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस् गया है।

वन्सूची

मकात नं० 279 फेज I^I, मोहाली तहमील खरड़। (मर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के त्रिलेख संख्या 117 माह श्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधित्तरी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-12-1985

प्रकृप बाइं.टी. एन. एस. -----

नाय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेज, ल्धियामा

लुधियामा, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० 2125/1ई/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह, नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचाइ 'उक्त मिर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

श्रीर जित्तकी सं० मकान नं० 52 है तथा जो फेज VI मोहाली तहमील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के आधीम, तारीख अप्रैल, 1985

मा प्रांतित संपत्ति के विषय नाजार मृश्य वे कम से जाननाम प्रिष्कत के विष् मन्दरिक की नहीं हैं और मुक्ते वह विस्ताध धरने का कारण है कि नेपार्गित्व धर्मित्व का विषय नाजार ध्रूब, उसके अन्यान प्रीडिक से देवे अन्यान प्रीडिक के धन्म प्रीडिक के देवे अन्यान प्रीडिक के धन्म प्रीडिक के बीच एक विषय (अंकरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिक लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधि-विसम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध शास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया बाना चाहिए घर, छिदाने में मुजिभा खें जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें. में अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 18—416 GI/85

(1) श्रीमित परमोद बाला सूद पत्नी श्री शिव कुमार सूद, निवासी ना जन नं∘ 2006 मैक्टर-23सी, जण्डीनढ़।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमिष् वेद कांप्र पत्नी श्री संतोख विह भाटिया तथा अमर्जीत सिंह भाटिया पुत्र श्री संतोख सिंह भाटिया, विवासी-मेकाम नं० 52, फेज IV, मोहाली तहसील खरड़।

(अन्मरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इत स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्तंबंधी व्यक्तियों पर स्वाना स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;

रणस्वीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उन्ह जायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्⊤िकत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्यां हैं।

मम् सूची

मकान नं 52 फेज IV, मोहाली तहसील खरड़ ग्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख मंख्या 165 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10-12-1985

भाषकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के जभीन स्वना

भारत तरकार

अर्थालय सहायक बायकर वाय्क्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ल्धियामा

ल्धियामा, दिशांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० खरड़/।जी/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, श्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०- हो भिना सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 16 कमाल 7 परला है नथा जो

गांव दाऊ, तरसील खरड़ में स्थित हैं (ग्राँर इसमें उपाधड़ अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908(1908 का 16) के आधीम, तारीख अप्रैल 1985 का पूर्वों क्स सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कन के द्वस्थान प्रस्काल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का किए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का किए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का किए का अधिक है और अंतरित का उचित बाजार पृत्य उसके द्वस्थान प्रतिफल से, एसे द्वस्थान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (बंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल नियनित्वित्त उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिक्ति में

वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है ए---

- (स) अस्तरण से हुई किसी जाव की वासत, जनत अधिनियम को अभीन काह दोने के अन्तर्क के प्रतिपत्र मों कमी करते या तकसे अधाने मों कृतिका अस्तर्क जीता क्रिक्त
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में जिल्हा को सिए;

अतः अधः, उत्रः अधिनयम की भारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उप्रत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री क्लार सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, भिवासी बस्ती बाता खेल नहसील जालन्धर बतौर अटार्नी श्रीमित सुरेन्द्रपाल काल पत्नी स्व० श्री राजवीर सिंह उपल, भिवासी—-बस्ती छावा खेल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत सिंह अरबाल पुत्र श्री बूटा सिंह, निवासी—-मकाम नं० एच-35, ग्रीम पाके एक्सटैंशश, मई देहली।

(अन्तरिसी)

को सङ्ग सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियों कारता हु

उन्त सन्तरित के अर्जन के संबंध में कोई भी नाखेर :---

- (का) इस स्थान को राजधान को तारीक्ष सं 45 हैं इस की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पए सूधना कि तामीक से 30 दिन की समित को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहरा;
- (व) इस यूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर लक्त स्थावर सम्मन्ति में दिश-वहूथ किसी मन्य स्थावत द्वारा मभोहस्तासरी के पास निवित्त में किन्यु का सकेंगे।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सक्षा थें।

धनुसूची

भूमि 16 कनाल 7 मरला, गांव दाऊ तहसील खरड़। (अथित् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 209 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना ।

नारीख: 9-12-1985

प्रकार बार्ड, टी एन्. एक. -----

मायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मेपीन सुचना

संस्त भरकार

कार्यालय, सहारक जारकर मार्युक्त (निरीक्त्)

अर्जन रेंज, लुधियामा

स्थियाका, दिशोक 9 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० खरड़/6/85-86—अतः मुझे जोगिनद्र सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि 7 तथाल 15 मरला है तथा जो गांव दाऊ तहसील खरह में स्थि। है (श्रीर इतले उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणि। है) प्रजिन्द्री कि अधिकारी के क्रायालय खन्ड में, प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीत, मारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बीधित्यस के मधीन पार दोने के बंतरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में खिल्था रें निष्; बॉट/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भग या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उन्तत सीधिनियम, या अन-कार अस्तियों स्वाप्तियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा से बिहा;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री करतार सिंह पुन्न श्री जीवन सिंह, निवासी-समाम नं० 218 सैंक्टर-332 वण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह अटबाल पुत्र, श्री बूटा मिह, एन~35 ग्रीभपार्क एक्सटैंशम, नई देहली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त अञ्चलित के अलीन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति से वर्षन से सम्बन्ध में सोह' भी बालेंग ३---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की व्यक्तियां पर स्वना की तामीक से 30 दिन की ज्यकित को भी भी विकास की तामीक से दिन की ज्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (व) इत स्वना के ख्वपन में प्रकाशन की क्षारीश के 40 दिन के मीत्र उक्त स्थावर सम्मति में हित्बबुध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, नभोहस्ताक्षणी के पार मिवित में किस वा बकेंगे।

न्यच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदारें का, हा अक्ट अधिनियम - के अध्याम 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया। नया है।

अनुसूची

भूमि 7 कमाल 15 मरला जो कि गाँव दाऊ तहसील खरड़ में स्थित है (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 831 माह मई, 1985 के तहत दर्ज है।

जीगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्द श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-12-1985

मोहर 🧓

प्रकम बाह्", की. एन, एस, -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

शास्त्र बरकार

कार्यासय, सहायक जासकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज,³ [लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 9 दिसम्बर 🖟 1985

निर्वेश सं० खरड़/9/85-86,---अत मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्वे इसके परचात् 'उचत मधिनियम' कहा गया है कि पारा 269-च के सभीन तक्षत प्राधिकारी को यह निषयात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका अचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से नीभक है

और जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 12 मरला है दूर्तथा जो गांव वाऊ तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खरड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मत, 1985

को पूर्वेक्स सम्मिति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्सरित की नद्दें हैं और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रकिक्त का निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निष्कित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) अंतरण स हुई किसी नाय की बाबत, उक्त श्रीभित्यम् के स्थीय कार दोने के संतरक के सामित्य में क्सी करने था उक्त वचने में सुविधा क सिए; बॉर/बा
- (च) एसी किसी अंग या किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारसीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्यं प्यांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा वा किया वाना वाहिए था, कियाने के सुविधा के सिए:

कतः शवः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ए के बनुसरण वो, मी: अक्त विभिन्नमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) वे वर्धान्तः ग्रिम्मिशिवः व्यक्तियों, वर्जात् हिल्ल (1) श्री करतार सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, नियासी——वस्ती बाबा खेल तहसील जालन्धर बतौर ग्रटानी श्रीमित सुरेन्द्रपाल कौर विधवा श्री राजबीर सिंह, निवासी बस्ता बावा खेल, तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह ग्राटवाल पुत श्री बूटा सिंह, एच-35, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूषना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इच सूचना के सावचन के अकाकन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया १५ सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, ओ भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हिंदी बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्याक्षणी के पास निवित में किए का सकेंचे।

स्वक्रिक्शणः---इसमें प्रयुक्त संस्कृत और पर्वो का, को उनक्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं सभी होगा, को उस अध्याय में विया गया ही।

नगृज्यी

भूमि 6 कनाल 12 मरला गाँव दाऊ तहसील खरड़ (ग्रथित् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 1055 माह मई 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्रौ सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना ।

तारीखाः 9-12-1985

मोहर 🗓

प्रक्य बार्ड टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/ाबी बी०/85—86→अतः मुझे, जोग्ण्डि सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उन्नित् बाधार मूख्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 2 कनाल मरला 1/3 हिस्सा है तथा जो गांव बल्ना माजरा तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण लग में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित गाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित गाजार मृस्य, उपके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) तन्तरण सं हुई किसी आध की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में किमी अपने या उक्कर यावने में सुविभा के सिए; आर्थ/या
- (क) एेसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

काण: अब, उन्त निर्मानयम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिक, व्यक्तियों, जर्यात् ह— (1) श्री फौजा सिंह पुत्र श्री केहर सिंह मकान सं० 2565/12,, गली कमबौश्रा कटरा गेर सिंह, श्रमृतसर बतौर श्रटार्नी खास श्रीमती भुरजीत कौर पत्नि श्री फौजी सिंह, मकान सं० 2565/1, गली कमबौश्रा, कटरा शेर सिंह, श्रमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरजीत सिंह श्रटचाल पुत्र श्री बूटा सिंह, तिचासी मकान नं एच-35, ग्रीन पार्क एक्सटैंशन नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का श्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई शाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इस स् 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिक में से किए का स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्ची

भूमि 2 कनाल 3 मरला जो कि गांच बल्लोमाजरा तहसील खरड़ में स्थित हैं (प्रथीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 79 माह प्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नुधियाना

दिनांक : 9-12-1985

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारक सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/2ए/85-86→-श्रतः मुझे, जोशिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार नृत्व :,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव मकात संव 892 फेज उबी-2 है तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985,

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकास के लिए बंतरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकास से, एसे दरयमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकात से प्रशिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और प्रश्विकित विश्विक है और प्रश्विक के लिए तय वाचा बचा प्रतिकास का पन्नह अविद्यार्थ के बाज एसे प्रश्विक के बाज एसे प्रश्विक के लिए तय वाचा बचा प्रतिकास का पन्नह का विकासित्यों) के बाज एसे प्रश्विक के लिए तय वाचा बचा प्रतिकास का पन्नह कि का वाचा वाचा प्रतिकास के लिए तय वाचा बचा प्रतिकास का पन्नह किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुइ किसी बाय की बावता, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आम मा किसी भन वा जन्म शस्तियों की; जिन्हें भारतीय मायकर धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पिनियम, वा जन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती दुवाड़ा प्रकट नहीं किम। गया पर पर किया जाने करते हैं किम। ग्रीप के किया जाने करते हैं किम। वा पर किया जाने करते हैं किम।

कतः सक, तक्त स्थिनियम की धारा 269-म के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० ग्रार० श्रग्रधाल पुत्र श्री नन्द लाल,
 निधासी—576/11बी, चण्डीगढ़ ।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्री तेग सिंह छाषड़ा निधासी --- एफ -- 3/3, माडल टाउन, दिस्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृवोकत सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध मा सत्मंत्रभी व्यक्तियाँ वर भूवना की तात्रील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्राह्मारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो खक्त . विभिन्निसम, के कश्याय 20-क में यथा परिकारण के हैं, वहीं अर्थ हारण जो उस्त अस्थाय में दिवस शक्षा है।

श्रनुसूची

मकान सं० 892 फेज 3बी-2, मोहाली तहसील खरड़/ प्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 213 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-12-1985

प्रहरूप आर्ष्ट्रां.टी.एनं.एसं.----- (1) श्री जसवीर सिंह पुत्र श्री शुरुजन सिंह

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेण सं० खरड़/2सी/85-86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आवकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रमात 'एयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्त जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं जायदाद सं 536. है तथा जो फेज-I. मोहाली तहसील खर इ में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण विश्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी में कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985,

वा पूर्विक्ष संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिक्षक के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्षत संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिक्षल से, एसे स्थ्यमान प्रतिक्षल का पंचा प्रविक्षत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल कि निम्नितिश्वात उद्देश्य से उचत अन्तरण निम्नितिश्वात उद्देश्य से उचत अन्तरण निश्वित में बास्तिबक्ष स्थ से स्थित नहीं किया गया है है—

- (क्) अंदरण से हुई किसी आय की बाबत, जनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः अतः आंधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जसवीर मिह पुत्र श्री गुरजन सिह निवासी—-सकान सं० 617 मैंक्टर 16डी चण्डीगढ़ बतौर ,धटानीं श्री रिष कुमार एडवोबेट द्वारा मकान सं० 617, सैंक्टर 16डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी मकान न० 1615, सैंक्टर 38-बी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिवा गया है।

अनुसूची

जायदाद मं० 536 फेज--I, मोहाली तहसील खरड़ / (प्रधांत बह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता शिधकारी, खरड़ के बिलेख संख्या 251 माह प्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9·12-·1985

प्रकृष भाषं. टी. एन. एस .-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा >69 व मारे ले **अधीन बचना**

MINTER BUTTON

कार्यालय , सहायक आयकर आयृक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियनाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/2डी/85-86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्र', मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की रणधारा (1) के कर्षान, निम्निचित स्यक्तियों, अभिति र-⊶- The second secon

(श्रतन्त्क)

(2) श्रीमती राम कौर पन्ति श्री ज्ञान सिंह, तथा श्री पृतपाल सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, निवासी प्राइम रोड, मोलबी हाता, णिमला। (शन्तरिनी)

व्यं बहु शुक्रना वारी करके प्वांक्त मध्यत्ति से वर्षर के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध मां कोड़ों भी आक्षोप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की धामील से 30 दिन की बन्धि, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवाहा?
- (च) इत सृथना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीच सं 45 विन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूथ किसी जन्य स्थितित व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वाहितयम के अध्याय 23-क में परिभाषित ही, बहु वर्ष होंगा को उस् अध्यास में किया स्वाहित

जार संची

णाप कम पलैट सं० 62 फेज 5 मैक्टर 59 मोहाली तहसील (खरड़ अर्थात वह जागदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी खरड़ के चिलेख संख्या 362 माह श्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जं।गिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर सायुक्त (िरीक्षण) स्रर्जन रोंज, लुधियाना

दिनांक : 9-12-1985

प्रकार कार्री टी एन एस -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की भाग 260-च /1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक गायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/90% 85-86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायन र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हो), की धार 269-स के नधीन मक्षम प्राधिकारी कते, यह निश्नास करत का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हो

और जिसकी सं० भूमि 52 बिघा 14 विसवा है तथा जो गांध कुरड़ी तहसील खरड़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रन्भूची में और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के पाधीन, जिन्हेंक श्रील, 1985.

को पूर्वो त सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्तोंकर संगरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिक्षम सं. एसे स्थ्यमान प्रतिक्ष्त का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अंत-रेग्नी (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिक्षत, निम्निविधित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिख्ति में गम्मिविक रूप से क्षिक नहीं किया गया है है----

- (क) अन्तरण य शुद्ध किसी श्राम की भाषाय, सन्तर शिर्मित्यम के सभीन कार देने के अन्तरक के सामित्य में कमी कारने या उससे अपने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ए.भी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयां का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्थत अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गा था रहा जाए काहिए था, खिपाने से सिविध के लिए;

बतः सम, उस्त स्थिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में. भें उस्त स्थिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) के सभीट निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए—— 19—416GI/85 (⊥) श्री जरनैल सिंह पृत्त शी केहर सिंह, निवासी - - गुरड़ी तहसील खरड़ ।(धन्तरक)

(2) दी पंचणील कोष्ठापरेटिव हाउस बिल्डिंग नोसायटी लिमिटेड, कोठी मं० 706 सैंक्टर 20ए, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के फिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त तम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों बर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समान्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से रिक्ष की कार्यित स्थारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकाये!

न्यंख्डीकरण :— इसमें प्रगुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपर श्रीधीनयम, के लघ्यान 20-क मा परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

भूमि 52 बिघा 14 बिसवा जो कि गांव कुरडी तहसील खरड़ में स्थित हैं (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़के चिलेख संस्था 390 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

जीनिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10·13-1985

महिर 🖫

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिशांक 10 दिसम्बर 1985 निदेश मं० खरड़/2जी/85--86---प्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

ार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ज इसके पश्चात 'अवत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट सं० 880सी-881 है तथा जो फेज 3बी-2 मोडाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुजुनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, खाउँ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिश्तियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अप्रैल 1985,

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते, का फारण है कि एष्णपूर्वीक्त सम्पत्ति क उचित शाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशिंगितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निभ्ने लिखित उद्दोख्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में भविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर एपिनियम । १*९६ /* (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--मोहर :

- en en en en en en alta en de la companya de la compensa de la companya del la companya de la c (1) श्री रमेण चन्द्र तथा मुकन्द गुप्ता पुद्रान श्री बेद प्रकाश गुप्ता तथा श्री वेद प्रकाश गुप्ता पुक्ष श्री श्भ राम निषासी भेनी भाभा तहसील मानमा जिला⊸-भटिका ।
 - (अन्तरिती) र
 - (2) श्रीमती बिमला पत्नि श्री मिलखी राम निवासी गांव सबौर जिला पटियाला । (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वे /त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

बन्द सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में करेंद्र भी वाक्षेप --

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोज से 45 विन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वक कड़ी हामील से 30 दिन की नविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् रकसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधाष्ट्रस्ताक्षरी के पान लिखित में किये का सकीगे

रपटाफरण:--इसमे प्रयक्त बाब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, उही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया हा।

अनुसुची

प्ताट मं० 880सी--881, फोज 3बी--2 मोहाली तहसील खरड/(अर्थात वह जायदार जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या 401 माह अप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है)

> जागिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, न्धियाना,

10-12-1985 दिनकः :

प्रकृप बाह्र हो. स्व. एक.----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरक्तर

कायालय, रह्मयथः जायकर मायुक्त (विद्वीकृत्)

प्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985 निदेश सं वरड़ /2एच/85--86---अतः मुझे, जागिन्द्र

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इक्यों इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की पाछा 269-च के बंधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, थिसका उपित बाबार बक्ब 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 38 कवाल 18 मरला है तथा जो बड़ माजरा, तहसील, खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबत ुचनुसूची में और पूर्णरूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खण्ड में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1985,

को पूर्वीकत सम्परित के अभित बाजार मूल्य संकम के जनवान प्रतिकास के सिए अन्तरित को सर्द हैं और जुने वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उपित बाबार म्ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंका प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिसी (बन्दरिविदाः) के बीच एसि अन्दरण के सिए तब पाना ख्वा प्रतिफरा, निकासिक्त जन्दिका से उन्त अन्तर्य निविद्य े बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- ्रीको बन्धारम् सं धूप्र' मिली मध्य को पासक कार क्षीपरिषय के मधीन कर दोने के कन्कक वी वायित्व में कभी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; नौर/वा
- एसी किसी आव या किसी भन वा जन्य शास्तिकों हों, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा त्रन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27). के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था खिथाने में सुनिधा के सिए:

बल अब, उक्त विधिनयंत्र की भारा 269-न के बनुसरण 🚌 🖈 उक्त अभिनियम की भारा 269-व की डपवादा (1) क् मधीन, जिल्लीकसिश व्यक्तियो, वर्षाक् धन 🐃

- (1) श्रीमती जाजा, श्री कल्मा मिह, श्री खबीर सिंह पुत्र श्रीध्रज्जु निचासी⊸⊸वड़ माज⇔ः तहसील खरड़ । (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स एम० पी० मशीन (प्राई०) लिमिटेड कमानी, बड माजरा, राजिस्टर्ड श्राफिस, 123/ 393, फजल गंज, कानपुर द्वारा श्री हरदीप सिंह डायरेक्टर कम्पनी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचवा बारी कारके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

सक्त सम्बद्धित के अपने के सम्बन्ध में कीई भी आप्रांप 🧺

- (का) इस स्थाना के राज्यक्षा मां प्रकाशन की दा**रीय थ** 45 बिन की अवधि वा सत्धम्यन्धी स्विधसयों पर भूचना की ताभीकर वे 30 थिन की अविभि, यो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हां, के भागर व्वाक्ति व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस स्थान के समप्त में प्रकाशन को सारीख स 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्परित 🕆 े उत्तबक्ष भिन्नी अन्य म्याज्यस बुवारा नयांहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्प**व्यक्तिकरणः — इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उवस मिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गवा 🕊 🕦

भ्रन्सूची

भूमि 38 कनाल 18 मरला जे। कि बड़ माजरा, तहसील खरड में स्थित है (श्रयीत वह जायदाद जी कि रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी, खरड के विलेख संख्या 429 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्जहै।

> जोगिन्दर सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्यन रेज, लुधियाना

चिनांक : 10-12-1985

म्हद् वाहें . टो. एवं एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाथक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुक्किनना

लुधियाता, दिलांग 10 दिसम्बर 1985 निदेश मं० सिमला/७/85---४ठ----श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

माथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मति. जिसका उचित वाजार गृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जाददाद मं० 70, दी माल हे तथा जो जिमला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाग्रद श्रंनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ती श्रिष्टिकारी के कार्यालय, शिमला मैं, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अप्रैल 1985,

को पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) जरा से हुई किया नाम अर्थ बाक्स, तक्स जिल्लानियम के अधीन कर दोने के जनसरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्रुवने में सूज़िया की किए; क्योंग/का
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों क्यं, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 2.) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) हिमाचन प्रदेस कांग्रेस का
- (2) श्रीमती स्वेन्द्र वालिया, पत्नी श्री महाबीर वालिया, निवासी 207, प्रा जुवालिया स्ट्रीट खन्ना द्वारा श्री ओ पी० वालिता। मारीना श्रनेक्सि, दी माल, शिमला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हक्त सम्पतिस के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचता की तामीन से 30 दिन की अविध, को औं अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा:
- (च) इस स्चना के राज्यक मं प्रकाशन की तारीं से सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उन्स जिम्मिनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विसा स्या है।

वन्स्यी

जायदाद सं० 70 दी माल शिमला (अर्थात् वह जायदाद तो कि रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी शिमला के विलेख संख्या 364 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

> जागिनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुष्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 10-12-1985

प्रकृष मार्डं.टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्रण)

अर्जन रेंब, ल्धियाभा

लुधियामा, दिनांक 10 दिसम्बर 1985 निदेण सं० नालागढ़/3/85-86-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/- रह. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भृमि 26 बिषा 15 बिसवा है तथा जो गांव टाहलीवाला तहसील नालागढ़ में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नालागढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 10) के अधील, दिशांक अप्रैल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बर्धमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतर्य (अंतरकों) और अंतर्रित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया मया है:—

- (क) जैतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जैतरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में तृतिभा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय जाजकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः। जब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीप, निम्कीसचित स्पक्तियों, अर्थात "──

- (1) सर्वश्री चेतात, तेजराम, भरता, पुताम, श्री खुशला सम निवासी गांव टाहलीवाल तहसील भालागढ़ द्वारा श्री एस० एउ० मुलतानी मुख्यारे आम, भिवासी—वरील में एसटेट भारारी जिमला । (अन्तरक)
- (2) मैसर्स गेलीप गेलःटीयज, प्राईवेट लिमिटेड गांन टाहलीवाल तहसील वालागढ़ द्वारा श्री दीप राज सुपरवाईजर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिष् कार्यबाहियां शुरू करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काहे भी मार्क्ष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी व्यवधि या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांतर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदार स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकेंगे।

स्वाचीकरण: --- इतमें प्रयुक्त अब्दों और पवाँ का, जो उक्त जीध-निवम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

क्रूपुर्वी

भूमि 26 विघा, 15 किशवा जो कि गांव टाह्मीबाल तहसील नालागढ़ जिला सोला में स्थिए हैं (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नालागढ़ के विलेख संस्था 137 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र निह सक्षम प्राधि नरी सहायक आयकर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिमाँक : 10~12-1985

प्रकप माई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियामा लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० लुधियामा/11/85--36---अंतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिल्ला सं का मान सं की मान निर्माण की सिर मानी स्ट्रीट, मिल्लार गंज लुधियाचा या 3/4 भाग में स्थिए हैं (स्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विभाग है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाचा में, रिजिस्ट्रीवरण अधिक्तियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल.

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य म कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार शृष्य, इसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का लंक प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निष् तय पाता गण्य प्रतिकल, निम्नतिषित उद्योग से उसत अन्तरण मिकिल में बान्तिकल कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः कतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधि,, निम्निविद्या न्धिवसयों, अर्थात् ।— (1) त्रा मुरजीत सिंह, नेहा जिह पुतान श्री णादीजिह श्रीमती सुरजीत कीर विधवा तथा कंवलजीत जिह इंदरजीत सिंह पुतान तथा दलजीत कीर, भरेन्द्र कीर मनजीत कीर पुत्रियों श्री बचन जिह, ग्रारा मैं० विरदी साईकलण, इंडस्ट्रीयल एरिया-बी. लुधियाना ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती चांदकीर विधवा तथा सर्वश्री मुख्यानीहर, मोहम सिंह, दर्मन सिंह, अमरपाल, सिंह, सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्रान् श्री संत सिंह भिवासी—बी-15-230 कूचा निरंधारी सं० 2, जी० टी० रोड, लुधियाना ।

(अन्तर्भरती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति को अर्जन की संत्रथ में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

मकाम सं० बी-15---230 का 3/4 भाग, निरंकारी स्ट्रीट, मिल्नर गंज, लुधियाला (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री π र्ता अधिकारी, लुधियाला के दिसेख संख्या 139 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

जागिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिशांक : 11-12-1985

प्रकथः बाह्रां, टी. एकः, एखः -----

भायकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्दाक्रक)

अर्जन रेंज, लुधियाभा

नुधियाना, दिनां र 6 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० ल्धियाना/88/85--86---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उन्दर अिनीनयम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उभेधत आजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिस्की संव महाभ नव श्री-24-729/2 का 1/2 भाग है सथा जो तरफ पाराबाध न्यू साजप्रभग्न तहसील ल्हियाना में स्थित हैं (श्रीप हस से उपाद्ध अनुस्ती में श्रीप पूर्ण रूप से दिणिल है) पिजस्ट्रीदर्शा अधिवारी के वार्यात्य ल्हियाना में पिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1968 (1968 वा 16) के अधीन विनांक अप्रील 1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि एथल्पवेकित संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके ध्यमगर प्रतिफल में, गोमें ध्रयमान प्रतिफल मा पन्दह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिशि (अन्तरितियाँ) को बीच एमें अन्तरण में लिए तय गाया गया प्रतिकृत, निम्मलिखित उद्वेक्ष में उक्त बन्तरण निम्मलिखित उद्वेक्ष में उक्त बन्तरण निम्मलिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्हें किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीधितिसस के सभीन कर दोने के अन्तरक जे शास्तिक में कामी कारने या उससे अपने में सीविधा है तिए: और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योज्नार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने भें सुविधा के लिए;

असतः चया, उपत विभिनियम की भारा 269-ग की वनसरण हैं, मंं, उदस अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तिसमां, अभित् :---

- (1) श्री द्रीण कुमार पुत श्री श्रोम प्रशास पुत श्री वरंजीलाल नियासी---1289 राजेन्द्र भगर, लुधियामा । (अन्तरक)
- (2) श्रांमती स्लेह लता पत्नि श्री विजय कुमार श्री विजय कुमार पुत्र श्री क्रिज लाल निवासी—1687 बसंत कुटिया मालेरी गली लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्षक करता हुं।

जक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कार्ड भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीनर पर्वाक्ति स्वित्यों में में किसी व्यक्ति दवारः
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पार! लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर अर्थ उत्तरा, को उत्तर अध्याय में व्ययप्र पना है।

मनुस्वी

मणान सं० बी-26-729/3 हा 1/2 भाग नरफ काराबारा लुधियामा/(अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता गिधकारी लुधियामा के विलेख संख्या 913 माह अप्रैल 1985 के सहन दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

विमांक: 6-12-1985

प्रभूषा **र्याद**्टी . एन् . एस् ,

शास्त्र कि पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

वस्ति सरकार

कार्यात्रयः, सङ्गायकः आयकः र आयुक्तः (विरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

त्रिवेश सं॰ लुधियाना/117/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 कां 43) (जिसे इसमें इसके पञ्जात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. ते अभिक हैं

भीर जिसकी संव महास संव बी-3!-1138/1 का 1/4 भाग है तथा जो मुंडिया कला दहसील लुधियाना में स्थित है (भीर इसमें उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रिक्ति अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में श्रीकर्ट्राकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या बन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिटी द्यारा प्राट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अं किए:

अतः अव, उक्त वीधिनियम को धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधील, निस्तिचित स्थितकों, अधीत् ६—

- (1) श्री वलवन्त सिंह पुत्र श्री मोता सिंह निवासी—गांव मुडिया कला, तहसील लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र पाल शिह नाबालिंग पुत्न श्री हीरा सिंह द्वारा उसके पिता तथा नेचूरल गाडियन श्री हीरा-सिंह पुत्र श्री नरजंन सिंह निवासी—मकाल संब्बी—3—1386/1, मुडिया कलां लुधियाना द्वारा मैं विस्तृतिकारसिंह लिंक रोड, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए वा सक्तेंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित : हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका श्वा हैं श

वन्स्यी

मकास मं० बी-31-1138/1 का 1/4 भाग का 1/4 भाग का 1/4 भाग, जो कि गाँव मूडिया कलां तहसील लुधियाका में स्थित है। (अर्थात वह कायदाद जो कि र्राधिस्ट्रीय तो अधिक कारी, लुधियाका के विकेख संख्या 1317 माह अप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह संधम प्राधिकारी सहायक आयाकर आयुक्त (किरी**क्षण**) अर्जक रेज, लुधियास

वित्तात : G-12-1985

मोहः :

प्रस्य बाइ' ही इन एम ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा लुधियामा, दिनांकः 10 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० लुधियामा/103/85-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकास सं० बी-XI-1093 जा भाग है तथा जो इकबाल गंज, लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणितहै),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंबरितियों) के वीच एसे वंतरण के लिए तय पांवा गया प्रविफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुदं सिक्सी बाद की बावस, अबह विधिनियम के वधीन कर दने के बन्तरक के खितर वें क्रमी करने वा उचने बक्कों में हुरिया के क्रिय; बार/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया बा वा किया जाना चालिए का, कियाने में खनिया के सिए।
- वसः जवः, उन्त विधिनियम की धारा 269-व के अमृद्यरण में, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारः (1) के वधीन. निम्निसिंखत व्यक्तियों, वर्षात् :— 20—416GI/85

- (1) श्री कृष्ण लाल पुत्न श्री चानन दास, निकसी--132 िदबई मगर नगर, लुधियाना (अन्तरक)
- (2) श्रीमती काशल्या देवी पहित श्री लाल चन्द , प्या सर्वश्री वेद प्रकाश, अशोक कुमार पुतान श्री लाजवन्द निवासी—बी—IV—, 427, चाावल बाजार, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पृष्टिक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहिन करता हुं।

उचत सम्बन्धि के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी आवाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के खजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध तिस्थित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाविश है, बही अर्थ होना, को उस अध्याय में दिया यवा है।

अनुसूची

मकाम सं० बी—XI 1093 का भाग जो कि इकबाल गंज, लुधियामा में स्थित है (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाला के विलेख संख्या 1111 माह अप्रैल 1985 के तहर दर्ज है ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनं । 10-12-1985

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार कार्यालया, सहाक्ष्क आयकर <mark>आय्वत (निरीक्षण)</mark> अर्जाः जेंज, लुधियामा

नेपियाका, दिलांक 11 दिवस्थर 1985 निदेश सं० लुधियाका/31/85-86--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चरत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मृल्य 1,00,060/- रा. से अधिक ही

श्रांप िशकी सं कि माधार सं बी-18-3699/बी है तथा जो माडल आभागोड, प्रश्नदीत ई एप्प्रवाई हम्पताल, लुधियाना, ता ।/ अस्था, में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्राप पूर्ण कृष में विभिन्न है), प्रतिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय, लुबियासा में, प्रतिस्ट्री हंगण अधिभियम, 1908(1908 सा 16) के अधीय, दिसांच अप्रैस 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्षेण एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत न्या गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, धिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाल नाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अंत. अने. अक्ट. अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, िस्तिनिक्तिका व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) श्री अन्द्रशास पृद्ध भी लम्मू राम , महेन्द्र राम पृद्ध श्री गतू राम तथा अन्य , जवाहर नगर नैमा, लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) श्री गुरदीण सिद्ध पुत्र श्री गुरदित सिद्ध, ७५ न्यू माङ्ग टाउल, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की त्मील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, से भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्याक्टीकरण: --इसमें प्रय्थत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकाम सं० बी-18-3699/बी जा 1/4 भाग, माडल याम रोड, नजबीक ई० एन० आई० ह्म्पतान, रोड, सुधियाना (अर्थात बहु जायबाद जो कि रिजिस्ट्री इनी अधिकारी लुधि-यामा के बिलेख संख्या 607 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, लुधियाना

दिनांक : 11-12-1985

्राक्ष्य कार्ड टी. एन. एस. - - -

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाछ भारा 269-व (1) के कभीन सुधना

भारत दरका

श्रम्यांत्रव, सहायक आयक्तर आयुक्त (नि.रीक्रण) श्रर्जन रेंज-2, बस्वई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेण मं० लुधि०/55/85-86--जिस्सम् , जीमिन्द्रसिंह, शायकर श्रीभीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 1,00.000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं जायदाद अं जी-2 1543/39 है तथा जो भादों है हरऊन, लुधिययं में स्थित है (घीर देने उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से बिंग है), र्राज्यही जो अधिकारी के कार्यालय, लुधियां में, र्राज्यहीं करण अधिक्यम, 1908 (1908 रा. 16) के अधीत, दिनों है अपेन 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिप्रकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा प्योधित सम्पांक का जांचत बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिकल सं, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-सिस्तत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीचत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण सहित्र जिल्ली जाल की बानता, उक्स संधिनियम के अभाग कर दनि के बन्तरक के स्वित्य में कमी करने था उससे अपने में सुविधा क जिस्ह महिन्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्य था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

नतः अव, उक्त निभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्कीलिशत व्यक्तियाँ, अधीत :---

- (1) श्री साहर सिंह पुत्र श्री स्वर्ण मिह अपने लिए स्था बर्तार अक्षानों श्री जोगिन्द्र सिंह तिधू पुत्र श्री सज्जन सिंह, निवासी—डी, कराया नगर, लुधियान। (अलार ह)
- (2) श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री भगत सिंह, श्रीमती वरयाम कार पत्ति श्री भगत सिंह, निवासी—38 नेहरू नगर, लुधियाना । (असारिती)
- (3) 1. मेसर्स टाडा ज्यूलयर्ज,
 2. बिनडसर होटल
 3. न्यू इंडिया इंगीरेंज क०,
 बी-II--1543/39. भादाइ हाउल, लुधियामा ।
 (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सर्प्यात्त के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, अंभीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्वक्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जायदाय मं० बी-2-1543/39, भादीह हाउप, लुधि-याना (अर्थात बह जायदाद जो कि रिजिम्ट्रीएतो अधिनाची, लुधियाता के विलेख संख्या 409ए माह अप्रैल 1985 के इहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह अक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण),** अर्जेल रेजि, लुधियाना

বিষয়ে · 10-10-1985

मेहर:

प्रकप् बाइं.टी.एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाला

लुधियाना, दिलांक 9 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० लुधियाता/17/25-86—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पर्वात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिल्ली सं महान सं वी V---1279/, पुराना तथा बी--VI83 (तथा) जा 1/5 भाग है तथा जो मध्येपुरी, कूल सं । लुधियाम म स्थित है (श्रार इन्ते उपाबढ़ अनुभूची में श्रार पूर्ण रूप से बींगा है) परिस्ट्री वर्षी कि जायित्य लुधियामा में प्रतिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीम बिसी । प्रीप 1985.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरितयों) के शिष अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित ध्रविष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रिशत शहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अस: अस, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिकियम की धारा ७६९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसंस्त काव्यियों, अर्थात् क्र—

- (1) सर्वजी तीवात चन्द, अणो व कुमार, सतीण कुमार, पुद्राप श्री मिरशारी ताल ततेला, खनार चिया चोड़ा वाजार लुधियाचा, श्री विषय कुमार पुत श्रीमती णीला देवी पत्ति श्री ज्ञामलाल, विवासी—वी-67-किवलूनगर लुधियाना तथा श्री गिरी राज कुमार पुत श्री श्रीम श्री श्री (अस्तरक) (अस्तरक)
- (2) श्री मदन लाल जैन पुत्र श्री खरौती लाल, तथा श्रीमती प्रकाण रानी पत्ति श्री मदल्लाल, 1368 बागवाली गली, लुधियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करको पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

ग्रनुसूची

न प्रक्षिय मंद्रा $31+\cdots 1279/1$ (पुराता) तथा यी $-V1-\cdots 86$ (प्रक्ष) हा 3/5 भाग, मध्येपुरी, बूचा संव 1, लुधियाका (अयी वह उत्पद्ध यो कि रिजिस्ट्री कि अधिकारी, लुधियाका के धिलेख संद्र्या 252 माह अप्रैल 1985 के तहर रजे हैं)

गंगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांदा : 9-12-1985

मंहर :

प्रका कहा ही इस एस.-----

जाग्धार अभिनियम, 1961 (1961 मा 43) की पास 269-म (1) के नमीन स्पना

भारत परमार

श्चार्यानव , बश्चायक बायकर वायकर (निहक्किण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० लुधियाना/18/85-86-- श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 200 क के अधीन बक्षन प्राधिकारी को, वह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्वित्त वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्नकी सं० म जान नं० 1279/1, (णराना) तथा बी-6 -86 (नया) का 1/5 है तथा जो माधोपुरी, कूचा नं० 1, लुधियाता, में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के जार्यालय, लुधियाना, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रग्रैल. 1985

को पूर्वोक्त संस्थिति के तीयत बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रशिक्षण को सिए अन्तरित की यह है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्थ्य, उसकी दश्यमान प्रतिकास औ, एसे दश्यमान प्रतिकास का पंदाइ प्रसिक्षण से बॉम्फ ही बीर अंतरिक्ती (अंतरिक्ती) को बीच एसे बसरण को सिए तम पामा गया प्रति- क्ष्य, निभ्यतिकात उस्कारण से स्वयं अन्तरण सिक्षित में बास्थायक स्था में किया नहीं किया गया है:---

- (क) बण्डास संहूद किसी बाम को बाबत, उक्स बॉर्भान्सम की संभीन कह दमें को क्यास्क की कांबरन में कमी करने या उच्छे क्याने में सुविधा को लिए; बीर/या
- (क) एंडी किकी जान या किकी धन या बन्न बारितयों को, विन्हें भारतीय बानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ श्रृन्तिरती स्वाय श्रन्तर नृही किया गया या हा किया बाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट (1) श्रीमित शीला देवी पित श्री श्याम लाल, निवासी—बी-67 किचलू नगर, लिधयाना, श्रीगिरी राजकुमार पुत्र श्री ग्रोम प्रकाश, निवासी—202, कच्ची गली, लिधयाना, श्री विजय कुमार पुत श्री बिहारी लाल, 68 लब रोड, लिधयाना तथा सर्वश्री शीवान चन्द, ग्रशोक कुमार, सतीश कुमार, पूत्रान श्री गिरधारी लाल, निवावी—तनेला खजान चिया, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल जैन पुत श्री खैराती लाल, तथा श्रीमति प्रकाश रानी पत्नि श्रीमदन लाल जैन, 1368 , बाग वाली गली, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 जिन का अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समारत होती हो, के भीतंर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्मत्ति में द्वितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्यांहस्ताक्षरी के शास लिखित से किस का सकेंगे।

क्ष्मीकरण: इतमें प्रयुक्त बब्दों और वहाँ का, थी उक्क लीधिनयम के अध्याम 20-क में पीरभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस स्थ्याम में दिया मगा है।

बन्सची

मकान नं० बी-V-1279/1, (पुराता) तथा बी-VI-86 (नया) हा 1/5 भाग, माधोपुरी कूचा नं० 1, लिधयाना । (अर्थात वह जायदाद जो ि रिलिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० 253 माह अर्प्रेल 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक् श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, लुधियाना

तारीख: 9-12-1985

अरूप बाह्^र, सी. एम. एस./ ------

बायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) की बाधीन न्यना

यारण्सः स्ट्रिया

स्थायां सहायक बायकार अध्यक्त (भिरक्षिण) ग्रजन रेज, लुधियाना

नुधियाना दिनां छ दिरणवर, 1985

निर्देश मं० लुधियाना/19/85-86--- प्रतः मुझे, जोगन्द्रि-सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं मान नं बी-V-1279/1 (पुराना) तथा बी-VI-86 (नया) ा 1/5 भाग है तथा जो माधोपुरी कूचा नं ि 1, लुधियाना में स्थित है (स्रीर इससे उताबढ़ सनुभूची में स्रौर पूर्ण रूप से वणि है), पितस्द्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिक्ट्रीकरण स्रधिन्यम, 1908 (1908 पा 16) के स्रधीन, तारीख स्रशैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पंति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक बश्यमान प्रतिज्ञल न एम्स बश्यमान प्रतिफल का धन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के जीन एन प्रनित्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्निकी के विश्व कर्तिका के किश्वित में वास्तिक ल्य से किश्वित महीं किश्वा गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त किथ-"मजस अ अभीन कर दोने के अन्तरफ के वाशिए में कक्षा करने या उससे बचम में मुविधा के लिए; भीर/या
- (खं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 १९४८ का ११) कर स्थित के धानवभ, या धन-कर अधिनियम, 1957 राजा, कर ११) क अधिकाश अन्ति शी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा के निए;

कतः अस उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीविजय गुमार पुत्र श्रीविहारी लाल, 68 कलब रोड, लुधियाना, श्री गिरीराज कुमार पुत्र श्री श्रोम प्रकाश, निधामी-202, रच्ची गली, लुधियाना, श्रीमित्त शीला देवी परिन श्री क्याम लाल, बी-62, क्चिल् नगर, लुधियाना तथा सर्व श्री दीवान चन्द, अशोक कुमार, सतीश-कुमार, पुत्रान श्री गिरधारी लाल, निवास- तनेला खजानचिया, चौड़ बाजार, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल जैन पुत्र श्री खैराती लाल तथा, श्रीमित प्रकाश रानी परित श्री मदन लाल जैन, 1368, बाग वाली गली, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्मति के अर्जन के सिए काविष्टियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कांद्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पास जिकित में किए का सकों से !

सम्बद्धीकरण हिल्लाइसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उसस अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अथ हागा जो उस अध्याम में दिया श्या के ह

मन्स् चौ

महान नं बी-V-1279/1, (पुराना) तथा बी-VI-86 (नया) हा 1/5 भाग, माबोपुरी, कूचा नं 1, लुधि-याना। (ग्रयति वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीहर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना, के विलेख सं 254 माह ग्रप्रैल 1985 के तह दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकार्ध्री उहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, लुधियाना

नारीख: 9-12-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आवश्राप क्रिक्निया । १६६४ (१९६1 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक काण्डर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, ल्थियाना

ल्धियाना दिनों 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं ० ल्बियाना/20/85-86--- श्रवः मुझे, जोगिन्द्र-

नायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रभात 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - फ. से अपिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मः ान ां० बी-V-1279/1, पुराना () तथा बी-VI-86 (नया) ए। 1/5 भाग है तथा जो माधोपुरी, कूचा नं० 1, ल्धियाना में स्थित है (श्रीरइस्से उराबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णारूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीयनी भ्रधिकारी के कार्यालय, ल्धियाना, में रजिस्द्रीलर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, नारीख श्रप्रैल, 1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उपित वाकार मृत्य से कम के क्यमान को लिए अन्तरित की मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है िक पर्वोक्स सम्पत्ति का उमित बाजार मुल्या, उसके रश्यमान प्रति-फेल से, एसे दश्यमान प्रलिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एैमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया म्यत हुं ैं :---

- (क) अन्तरण में हुन्दें फिली आब की बाबत, उसक विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अ≩िल¥; और∕या
- (भा) छोनी किसी वारण यह एक्सी भन यह अन्य आहिस्त्यों को, जिन्ह[े] भारतीय आयकर विश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 📽 प्रयोजनार्थ अन्सरिती दशारा प्रकट नहीं किया गया भा क्या क्रिक्स क्षाच्या क्षा क्रिक्स था। दिल्या रेजी साविकार के लिए;

अत: अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन : निम्निनिक्ति व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्री गिरीराच धुमार पत्न श्री योग प्रताश, 202, राज्वी गली ल्घियाता, श्री वित्रप कुतमार पूड श्री बिहारी लाल, 68 कतब गोड. न्धियाता, श्रीमित शीला देती एत्नि श्री श्याम लाल, बी-67 िनल तरफ, लिध्याना तथः पर्वर्था दीवान चन्द, भ्रशो∌ कुमार, यतीश कुमार, पुत्र श्री गिरधारी लाल, निवाबी-तबेला खजानचिया, चौड़ा बाचार, लुधियाता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदन ताल जैन पत्र श्री खैराती लाल तथा श्रीमति । प्राय पानी एत्ति श्री मदन लाल जैन,। निवासी--1368 वाग वाली गली, ल्धियाना (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर नरचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी केबीं बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्ट न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सनना के राजपत्र में प्रकाभन की तारीस से 45 दिन अ भीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में स्थिए पा मुळीं।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर अर्थ सामा भी तम कथाय की विका अस्ट्राह्म क्षेत्र

प्रनुसूची

म हान नं० बी-V-1279/1 (पुराना) तथा बी-VI-86, (नया) का 1/5 भाग, माधोपुरी, कूचा नं० 1, लुधियाना । (भ्रयति वह जायदाद जो ि रिल्स्ट्री एती ग्रधिकारी, लुधियाना, के विलेख मं० 255 माह श्राप्रैल, 1985 के यहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय ः र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज. लुधियाना

नारीख : 9-12-1985

मोद्धर :

प्रसप आहु ही एस एस----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आय्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/21/85-86- यत: मुझे, जोगिन्द्र-

सिंह, भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर रूप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ! 00,000/- उन से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्त बाजार मृत्य ये कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवॉक्त सम्पत्ति का उन्ति बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिन्ति उद्देश्य सं उन्तर अंतरण निश्चित में बास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाथित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मंजु तर्षा सलोनी पुत्नी श्री भगवान दास, निवासी-4/4, डक्ट्यू० ई० ए० करोल वाग, नई दिल्ली (ग्रन्त्रक)
- (2) श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह, निवासी-मकान नं० बी-॥, 1372, जी०पी० औ० रोड, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जात के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शक्ष बिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसंची

मकान नं० बी-।।-1372 का 1/2 भाग, जी०पी०ओ० रोड, लुधियाना । (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी, लुधियाना के विलेख सं० 921 माह ग्रप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, लुधियाना

तारीख: 6-12-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड दी एन एस -----

भायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक **आयकर जायुक्त** (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना विनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश मं० लुधियाना-90-85-86---अत। मुझे, जोगिन्द-सिंह,

अामकः अधितिसम, 1961 (1961 का .:3) (जिसे इसमें इसके ादार 'उवत अधिनियम' कहा गया है'), की वारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रङ. से अधिक **हैं**

और जिसकी सं० मकान नं० बी-॥-1372 का 1/2 भाग, है तथा जो जी०पो०ओ० रोड, लधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रक्रिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्योक्त संपति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशह से अधिक 🥂 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; अरीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर! को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या ^९नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मानेजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सविधा के लिए:

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण वं, तं ज़क्त ऋधिनियम की धारा १६९-ध की उपधारा (1) - अभि निकालि**सित व्यक्तियों , अर्थात् :---**

²¹--416GI/85

(1) मंजु तर्षा सालोनी पुन्नी श्री भगवान दास, निवासी-4/4, डब्ल्य्०ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह पुत्र श्री धम सिंह तिवासी-मकान नं० बी-॥, 1372, जी०पी०ओ० रोड, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के बर्जन धे लिए कार्ययाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, कै भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**क्ष) इस स्**चना के राजपत्र में प्रकात्रन **की तारीख से** 45 दिन के भीतर उक्द स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिकुस्ताक्षरीकेपास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गमा है।

श्रनुसूची

मकान नं० बी-॥-1372 का 1/2 भाग, जो०पी०ओ० रोड, ल्धियाना । (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख मं० 926 माह धप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6-12-1985

प्रकृष जाद**े**,द<u>ी...</u>एन <u>. शु</u>ख्य...------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , तहायक जायकर बायुक्त (रिन्डीबाज)

म्रर्जन रेंज, सुधियाना

सुधियान, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना /53/85-86—यतः, मुझे जोगिन्द्र सिंह

असमकार का धिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इचार्के इसके पहलाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क रहे अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बक्ति, जिसका रुचिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० मकान नं० 2 बी-7-128 का 1/3 भाग, है तथा जो विडी स्ट्रीट, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिक्ष हारी के वार्यालय, लुधियाना में, रिजट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन तारीख ग्रिक्ष, 1985

को पूर्वोक्त रुम्पिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अरने का कारण हा कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभिन्न माजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है जोर मन्तरक (जन्तरका) जोर जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वैश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित है बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (%) अत्यारण संहुद्दं किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: प्रीर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए:

जत: जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च के जनुसरण वाँ, वाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : निरमितिकित न्यक्तिस्वाँ विश्वाति ए—

- (1) श्री टेक चन्द भाकू, पुत श्री विशन चन्द, निवासी मकान नं० बी-7-128, पिडी स्ट्रीट, लुधियाना (ग्रनारक)
- (2) श्री जोगिन्द्र कुमार पुत्र श्री मुंशी राम, मकान नं० वी-6-23 पी मालेरी गली, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुक करता हुं।

डक्ट सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिश्र या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी वयि कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत सूचना को राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बक्य किसी अन्य विकाद द्वारा अध्यहस्स्थाक्षरों के पास सिविक में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शंक्यों और वहाँ का, को उक्त अधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया हैं।

भगुसूची

मकान नं बी०-7-129 का 1/3 भाग, पिंडी स्ट्रीट, लुधियाना (अर्थान वह जीयदाद जो ि रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 404 माह अप्रैल के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-12-1985

त्ररूप बार्च. टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के कभीन सुभना

ं भारत त<u>र</u>कार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना 25/85-86——यतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-2 128 का 1/3 भाग, है तथा जो सिंडी स्ट्रीट, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध श्रनुसूची भें और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधितारी के जर्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम् के क्ष्यमान्
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य
ससके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पत्तक्क्ष् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् उचित्रपाना नवा प्रतिकल, निम्निक्षित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में बास्तांबक क्य से किथा नहीं किया नया है हि—

- (का) मन्तरण से हुन् किसी जाद की बाब्द उपस विध-नियम के जभीन कर दीने के बन्दरक के वादित्य में कभी करने या उसके वचने में सुविधा के सिवे;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अच्य आस्तिकों करो, बिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्विभा खे तिए;

अतः अब, उक्त औधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टेक चन्द पुत्र श्री विश्वन चन्द, निवासी बी-7-128, पिडी स्ट्रीट, लुधियाना ।

(ग्रन्तरम)

(2) श्री सुभाष कुमार पुजान श्री रोशन लाल, निवासी मकना नं० बी 6-23 पी, कूचा मालेरी गली, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्कत को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपह्लि के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशत की तारीं स से 45 दिन की जनभि या अत्संबर्भ व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पृत्रे कि व्यक्ति सुगरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशने की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा करोंगे।

स्थळीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में रिशाधित हैं, वहीं अर्थ द्वागा, को उस अध्याय में दिया सवा हैं।

नवृत्त्वी

महान नं बी-7-128 हा 1/3 भाग, थिडी स्ट्रीट, सुधियाना (ग्रयीत वह दावाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सुधियाना के विलेख संख्या 746 या श्रत्रेल 1985 के तहत क्रि है)।

जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-12-1985

योहर:

प्रस्प बाह्र ही. एन. एस.

जायकर किंपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 विसम्बर, 1985

निर्देश सं० लृधियाना/93/85-86—-ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी संव मकान नंव बीव-।।-1372 का 1/12 भाग है तथा जो जीव टीव रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैस, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। पूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से एन्स्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्यिंग्य में कबी करने वा अससे बचने के ब्रिंगिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मंजु वर्षा सालोनी पुत्ती श्री भगवान दास, निवास 4/40, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई विल्ली।

(अंतरक)

 श्री कुलबन्त सिंह पुत्र श्री भ्रमर सिंह, निवासी बी०-॥-1372, जी० पी० औ० रोड, लुधियाना ।

(मन्तर्सी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्य किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्भूची

मकान नं बी०-।।-1372 का 1/12 भाग, जी० पी० ओ० रोड, लुधियाना । (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, लुधियाना के विलेख नंख्या 98 । माह भ्रप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है) ।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, लुधियाना

तारीख: 6-12-1985

मोहरा

प्रकृत बार्च . सी. एन् . एवं

बायक्टर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत स्वका

नार्थ सङ्काक

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना /94/86-86---यतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

कायकर कॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्का प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० म जन नं० बी-2128 का 1/3भाग, है तथा जो विडी स्ट्रीट, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद अनुसूत्री श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनर्स्ट्री-हर्सा अविज्ञारी के हार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रत्रैं 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित जाजार मृत्य से का के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई ही और मुक्त मह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित भाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे मृत्तरण के सिए तब बाग नया प्रतिफल, निम्निनिवित उष्वेष्य से उक्त जन्तरम् सिचित् में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तर्ज से हुई किसी जान की बानत, अक्स अधि-नियम से अधीन कर्र दोने के अस्तरक के बाहित्य में कमी करने वा अससे वचने में सुविधा से सिए; और/वा
- (भ) मुसा किया जाम पाकिसी पन मा जन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के सिन्द;

% श्रः अव, उपस विभिन्नियम को भारा 269-वं की वनुबद्ध में, सी उनत अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) की अधीक निम्निक्ति व्यक्तियम स्थानिक्ति ।

- (1) श्री टेक चन्द भाकू पुत्र श्री बिशन चन्द, निवासी महाय नं० बी-7-128, पिंडी स्ट्रीट, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विरेन्द्र कुमार पुत श्री रोणन लाल, निवासी मनान नं० बी-6-239, मालेरी गली, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

इक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना खे राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि होई में समाप्त होती हो, जो भी सर पूर्वेक्स स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना क जनपत्र में प्रकाशन की तारोब हैं
 45 दिन के शीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति दुनारा अभोहस्ताक्षरों के
 पास लिसित में किए वा सकार्य।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, यही वर्ण होगा को उस बश्याय में दिया गया है।

मन् सुची

मकान नं बी-7-128 हा 1/3 भाग, पिंडी स्ट्रीट, लुधियाना (प्रयति व जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्मा प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 988 माह धप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर **भायुक्**त (निरीक्षण) **भ**र्जन रेंज, लुधियाना

वारीख: 10-12-1985

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.,------

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना,दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/120/85-86—यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह् श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जी-2469/8-1ए है तथा जो तरफ़ सैव, लुधियाना, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीक्ची श्रिधिदारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-्य के अनुसन्धः में, में, उकत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री बलदेव राज ब्रहुजा पुत्न श्री सिह्ब रोम नियासी बी-5-306, इसलामाईया स्कूल रोड़, लुधियाना।

(श्रंतरक)

(2) श्री जसपाल सिंह कालडा पत्न श्री जय सिंह कालरा, निवासी बी-24-69/8-1 एप्प्कालापी नगर, लिधयाना।

(भ्रनरिती)

की यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

मकान नं० बी-24-69/8-1ए, तरफ़ सैदा, लुधियाना (ग्रयात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1347 माह श्रप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मजन रोंज, लुधियाना।

तारीख: 10-12-1985

प्रकृष **वार्ष**्टी, एन, एव_{ं र}-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-व (1) के अधीन स्प्ना

भारत तरकार

आयंजिय, राहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्ण) अर्जन रेंज, लिधयामा

ल्धियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० लुधियाः । / 121/85-86—अत:, मुझे, जोगिन्द्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्ति मं भकान नं बी-24-69/8-1-बी है तथा जो तरथ सैवा, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिजारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियग, 1908 (1908 जा 16) के अधीन होसीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में अभित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्त्ररण सं हुइं किसी बाप की बाबत, उक्त जिथिनियस के जभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविध्या के लिए; आरि/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पढ़ांजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं िकया गण्य का या किया जाना वाहिए था, कियानों में तृतिभा वाहिए था,

जतः जस, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अर्थान, िम्निचित्रित व्यक्तियों, अचित्र किन् (1) श्रीपाल सुनीक्षा अहुजा परिन श्री बलदेव राज आहुजा निवासी बी-5-306, इसलामाईया स्कूल रोड, लुधियाना ।

(अंधरक)

(2) श्री गुरप्रभाष सिंह कालड़ा पुत्र श्री जय सिंह कालड़ा भिवासी बो-24-69/8 आई काशमीर भगर, लुधियामा

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उपल सम्पत्ति के कर्षन के सम्भन्ध में कोई भी बाधीप प्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिवित में किये जा सकेगी।

रणकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

मनस ची

म हान नं वी-24-69/8 1 बी. तरफ सैया, लुधियाना (अर्थान वह जायदादं जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 1348 माह अप्रैल 1985 कें सहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज, लुधियामा

सारीख : 10-12-1985

माहर:

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.

माम्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन स्वना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धिया भा, दिभांक 6 दिसम्बर 1985

त्रिवेंश सं० लुधियामा/79/85-86-अत:, मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- '5. से श्रीषक है

भीर जिसकी सं मान्य नं वी-18-339 (कोठी मं 641 आर) जा 1/4 भाग, है सथा जो माडल टाउन नं अधियाना में स्थित है (भीर इसमें उपावस अनुमूची में भीर भीर पर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिवारी के कार्यालय, लुडियाना में रिजस्त्री गरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) में अधीत होरील अभैन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के शिए अन्तरिष्ठ की गर्द है और मुन्ने यह विश्यास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से ऐसे पृत्यमान प्रतिक्षल से ऐसे पृत्यमान प्रतिक्षल से ऐसे पृत्यमान प्रतिक्षल से ऐसे पृत्यमान प्रतिक्षल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरिण के लिए तम पाया गया प्रतिक्षा, निम्निलिखत उव्योद्य से अक्त अंतरण मिखित में बान्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है : —

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पुष्पिन्द्र कुमार पृत श्री हरबन्त नाल, निकासी मकान नं० 641- आर, माडल टाउन, लुधियाना । (शंहर ह)
- (2) श्री श्रजीत सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह निवासी 641 आर॰ माखल टाउन, लुधियाना। (श्रंतरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परिता से वर्जन के निक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परि। के बर्जन के सम्हान्य के कोई भी बालंब :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्य होती हो, के भीतर पृशीक ध्यक्ति व्यारा:
- (ख) इस सूचना के राज्यक में एकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मास्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्सकारी के पाम लिखित में किए बासकों ने।

स्पष्टिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद। का, जो उक्क विधिवयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्रिया जो उस अध्याय में विधा स्थाप है।

अनुसूच?

मकाम नं० बी-18-339 (कोठी नं० 641 आए०), का 1/5 भाग माडन टाउन, लुधियाता। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री क्यों अधिकारी लुधियाता के विलेख संख्या 836 माह अप्रैल, 1985 में तहन दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लुधिमासा

गॅर**ीख :** 0-12-1**9**85

अक्स बार्ड, टी., एत., एक.,-------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जे सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक नायक र नायुक्त (निरीधान)

अर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियामा, दिनांक ७ दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना /82/85-86—प्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह भायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान न० बी-18-339 (काँठी न० 641 अर०), का 1/4 भाग, है तथा जो माइल टाउम. लुधियाना में स्थित है (श्रीर इनसे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

ने पृथित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यक्तन प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम के को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गरूप, उसके रश्यमान प्रतिकाल से एसे रश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुइ किसी अध्य की बावत उक्त अधिक नियंत्र की धापीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कामी करने या उत्तर तथने यें सुविभा के कियो; अहि/धा
- (क) रोती किसी बाय या किसी भन्न वा अन्य वास्तियों भी, चिन्हों भारतीय सामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो अधोजपार्थ कन्तरिसी द्वारा ध्यन्ट नहीं किया क्या भा वा किया बादा चा हुए जा जिलाने में कृतिभा जो किया

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

22-406 GI/85

 (1) श्री पुलिन्द्र कुमार पुत्र श्री हरबन्स लाल, रिकासी मजान नं० 041 आर०, माडल टाउन, लुजियाना।

(भ्रंतरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुक्ष श्री त्रलबीर सिंह सिवासी ७४० कारक, भाङा टाउन, लुधियाना। (ग्रंतरिती)

की यह स्थना कारी करके प्रांक्त सम्परित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में और भी मार्क्षण हुन्य

- (क) इब ब्रूच्या के राज्यभ में प्रकासन की तारीक वे 45 दिन की बर्गीं का तरसम्बन्धी अभितासों पर स्चना की तानीस से 30 दिन की नगिम, को भी अगरिंग दाद में बनाप्त होती हो, के भीतर प्रजेतल अभितासों में वे किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस ब्रुचना के प्रचपन में प्रकानन की तारील ते 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था बक्तेंने।

स्वक्रीकारणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिधार्यका ही, वही वर्ष होगा को उस अध्यास मा विका कमा है।

धनुसूची

मकाम नं० बी-18-339 (कोठी नं० 641-आर०), का 1/4 भाग, माडल टाउम, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि र्याप्टीकर्ना अधियारी लुधियाना के दिलेख संख्या 852 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र पिह् शक्षम पाधिकारी सहायक आयशन आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा रोज, लुधियाना

वारीखाः 6-12-1985

प्रकृत वार्ड टी. इत. एड. - - - ---

আয়ক্ত প্রতিধানিয়ন, 1961 (1961 **বন 43) আনি** গণ্য <u>26</u>9-ম (1) **के अभीन ব্যব**ন

भारत बहुकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) अर्जभ रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिशांक 11 दिसम्बर 1985

भिर्देश मं० ल्धियामा/131/85-86—अतः, मुझे, जोगिन्द्र शिह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल जे सभीन अध्यम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित नाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिसकी सं० भूमि 6 कमाल 15 1/2 मरला है तथा जंगांव टीनी तहसील लिशिता से स्थित हैं (श्रीण इससे नापवड़ अनुस्क से श्रीण पूर्ण कप के विशित्ते), कि ट्रिं-यक्ती अधिकोरी के अर्थात्य निध्याम से पित्र ट्रीकरण अधिकियम, 1808 (1908 का 16) के अर्थ म अर्थन अर्थन अर्थन 1985

के प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुस्त से का के अवकात शिका के विकास कार्य का कारण है कि प्रथाप्कीयत संपत्ति का उपित बाजार कार्य का कारण है कि प्रथाप्कीयत संपत्ति का उपित बाजार अवका, उसके इत्यमान प्रतिकत का कारण का कार्य कार्य कार्य इत्यमान प्रतिकत का कार्य कार्

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि प्रशंजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा

सकः स्था, उत्रथ जांधनियम् की भारा 269-थ की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग्य (1) ्राती विकास विकास स्थापित केला

- (1) श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री गुरमेज सिंह, गांव टेरी तहमील तथा जिला लुधियाना।
 - (श्रं₁रक)
- (2) श्री अमृतदेव सिंह पुत्र श्री अवतार गिंह, डब्न्यू जैंड ए.-14, मिति ह पार्क सई दिल्ली। (ग्रंनिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को सम्मन्थ में कांद्री मी नाशीप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अयुधि, को भी वयधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (क) इन शुक्रना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितवसूथ फिकी सम्य व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताकरी के पास निमित्त में किए का महोंगे।

स्वक्टाकरण:----इसमें प्रयुक्त तस्वों बीर पर्वों का, जो अवस अभिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में विका गया ही।

<u> भगताची</u>

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला, गाय टेरी तहसील लुश्रियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजम्हीकर्ता अधिकारी) लुश्रियाना के विलेख संख्या 1485 माह अप्रैल 1985 के तहुश दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह मक्षम पाधिकारी सहाय ५ अत्यप्टर अत्युक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना ।

नारीखा: 11-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन संजन्म

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना /131-ए/85-86---यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 6 लनाल 15 1/2 मरला है तथा जो गांव टेरी तहसील लुधियाना भे रिश्वत है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची भे श्रीर पूर्ण विजित है), रिविस्ट्रीय स्पि श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिवस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 था। 16) के श्रिधीन नारीख श्रिप्तेल 1985

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इपबबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त नम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उच्चेश्य से उनत अंतरण विश्वित में शास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) वन्तर्थ ने हुई किसी जाय की वान्त्र, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय वा किसी भन या अध्य आस्तिवी को, चिन्हें भारतीय जाय-कर निभिन्नय, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभन्यभ, या भन-कर अभिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती त्थारा प्रकट नहीं किया नया चा वा किया चाना चाहिए था, ख्रिपाने में तृतिभा स्तिथा के लिए,

बतः वन्द्र, इन्त विविवयं की धारा 269-ग के वन्द्ररूष में, में, उक्त अधिन्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री प्रकाश सिंह पुत्र गुरमें ज सिंह गांव टेरी, तहसील लुधियाना ।

(ग्रंतरक)

(2) श्री बलजीत राज देव सिंह पुत्र श्रवतार सिंह वासी 2183, मुणताक गंज, लुधियाना।

(ग्रंतरिती)

को वह तुष्पना भारी करके पृत्रोंबत सम्मरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

बक्त बन्गरित के वर्षन के संबंध में काई भी वाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर लक्त स्थापर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थिति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकंग।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का सं उपव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विश्वः नया है।

अनुसूची

भूमि 6 कताल 15 1/2 मरला गाव ढेरी तहसील लुधियाना (भ्रथात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधि-कारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 1376 माह भ्रप्नैल के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह; मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-12-1985

प्ररूप बाई.टी. एन. एस. ------

सायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० लुधि/131 बी/85-86—-ग्रनः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 15 1/2 है तथा जो गांव ढेरी, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण विणित है), रिक्ट्रिक्सी श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख श्रप्रल 1985

1908 (1908 का 16) के अधीन नारिख अप्रल 1985 को पूर्वेकित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, उक्त शीधनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के बिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) श्री प्रकाश सिंह पुत श्री गुरमेज सिंह गांव ढेंरी तहसील लुधियाना।

(स्रंतरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह निवासी. डब्ल्यू० जैंड ए० 14 मालक पाकँ, नई दिल्ली (स्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए। प्रेवारिंड्गंगुड़ ह**ा**ंडुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इससूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला गांव ढेरी तहसील लुधियाना) (म्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1394 माह श्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-12-1985

प्रकृषः वादः .टी<u>. ए</u>न्. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन रोंज ल्धियाना

ल्धियाचा, दिनांक ा दिसमगण 1985

िर्देश सं० लुधियाना /72/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 200-च है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धालर मंपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00.000/-छ से सिधक है

प्रौर जित्ति सं० महान तं० बी-18-3958/11 (पलाट तं० 160) हा 1/2 भाग, है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (प्रौत इससे उपवाज प्रमुखी में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), प्रिस्ट्री एक्ती प्रशिक्षारी के कार्यालय लुधियाना में प्रीस्ट्री एरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रप्रौत 1985

द्वा पर्विक्त सम्मस्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान असिफल के सिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्विक संपत्ति का उचित बाजार पृथ्य उपने रहण्यान परिफल में एसे दश्यमान प्रतिफान का अन्तर प्रिफल में अधिक है और मन्तरक (जन्मरकों) नीर जन्त-रिती (कर्मरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निक्तियों एक उद्देष्ट्य से उच्च बन्तरण जिचित में बास्तिक अप से क्षिण नहीं किया नवा है क

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कुद दोने के सन्तुट्टम क श्रीक्षण में अभी करने से प्रसमें भवने में स्विक्षा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आभ गा किसी धन वा बन्ध आसियां को, किन्हें भारतीय भामकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्से अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाधनाथ बस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में हरिया के लिए;

क्तः भवः, अक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग कै कन्सरण मी, मी, अक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :—— (1) श्री रण्लोद जिह्न पुत्र श्री निहान जिह्न, निवासी 160 माङल टाउन, लुधियाना।

(भ्रतरक)

(2) श्री अक्षताल विह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी 1105, हरनाम नगर, लुबियाना

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में प्रकार होते हो, के भीतर प्रवेक्ट कासित मों में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस पूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीक में 45 दिन के भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रश किया। अन्य व्यक्ति इंदारा अधाहस्ताक्षरा के धास लिकिस में किए जा सकता।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्तयमा, की जन्माय 20-का मी वरिभाषित हाँ, वहरी अर्थ होगा भी जन में दिना। गया हाँ।

अमृसुची

मकान नं० वी 18-3958/11 (पलाट नं० 160) का 1/2 भाग, माइक टाउन, लुधियाना (प्रयात वह जातूबाद जो कि रिस्ट्रीकर्त्ता अधि ारी, लुधियाना के विलेख संख्यार 720 माह अर्थेल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाय र स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्गन रेंज, लुधियाना

नारीख: 11-12-1985

श्रम्प आर्थः थीः एतः एसः------

नायकर अधिनियम, 196, (1961 म 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सुचना

मारुष् प्रकार

कार्यालय, सहायक अयकार श्रामृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० म जन नं० वी-18-3958 (प्लाट नं० 160) का 1/2 भाग, है तथा जो माइल हाउस लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित हैं, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधिना में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, नारोख श्रप्रल 1985।

की पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित धाषार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय केंगे बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के सायत्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के फिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय ायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ले अधिनियम, ना भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्हों में सुविधा है लिए;

बसः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, अक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्री तरल सिंह पुत्र निहालरोच सिंह निवासी 16 माडल हाउस, लुधियाना।

(ग्रंतरक)

(2) श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह, 1104, हरनाम नगर, लुधियाना।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुजुर्जी

मकान नं० बी-18-3 पी58 /1 (प्लाट नं० 160) का 1/2 भाग, मालंड हाउस, लुधियाना / (प्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 786 माह अर्पेल 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 11-12-1985

मोहर।

प्रकल्प आहर्ष टी एनः रूमः <u>००००</u>०

काष्ट्र अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, तहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रजंत रोंज लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्वोश सं० लुधियाना/13/85-86—म्प्रतः मुझे जोगिनद्र सिंह,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), यो कि धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं बीXXVI 318 (काठीन 62) का 1/3 भाग है तथा जो साउथ माडल ग्राम, लुधियना में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रन्धुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत)है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनिमिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख शर्में च 1985।

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान शितिफल के लिए अंतरित की गर्इ है और मुक्ते यह व्यवास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उत्तके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रविक् कब, निक्नसिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण निकित में बास्क-विक रूप से की भत नहीं किया गया है :—

- (क) तस्तरण में हुई किसी श्राय की शक्त, उक्द बीधीनबम के बधीन कर दोने के अस्तरक कें क्रियल में कमी करने या उग्नवे बचने में मेनिधा स्ने सिए; क्रीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

अतः वयः, उक्त जिभिनयम की भारा 269-ग के जन्दरक भों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) वै सभीकः, निम्नसिचित व्यक्तिस्यों कथाति :— (1) श्री मोह्न जिंह पुत श्री गुण्यित सिंह, 6 माउथ गाउन ग्राम लुधियाना

(श्रतरक)

(2) श्रीमिति अभूत और परिन श्री श्रवतार सिंह, माडल ग्राम लुधियाना।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचनः जारी कारके पृथंकित सम्पत्ति के अर्थन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी बाक्षेप ड---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों भें से रिक्सी स्थिक्त द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावः सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते गाः।

स्वक्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में क्लिस गया हैं।

श्रनुसूची

मकान नं भो XXVI 318 (कोठी नं 62) का 1/3 भाग साउथ फ़ैंडल ग्राम, लुधियाना (ग्रयति वह जायदाद जो कि प्रजिस्हीकर्ता ग्रिधियानी के विलेख संख्या 201 माह श्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह् नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राग*ा*र श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज ल्**धियाना**

नारीख : 11-12-1985

प्रसद् आहे हो. एत. एवं .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जेश रेंज लुधियागा लुधियागा, दिशांक 11 दिसम्बर 1985 वर्षेण संक लिधियागा (69/85-86—यतः सबे जे

निर्देश सं वृधियामा/69/85-86---यतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिल्ला सं० माकर नं० बी० 318 (कोठी नं० 62) है तथा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्रौर पूर्ण विणित है), रिजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिपियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीर लारीख अप्रैल 1985।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी व्याप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना नहिंद था विद्याने में निष्धा के लिए;

अतः अर्थः अतः अति ाणं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय निम्हिसिंखत व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री मोहन जिह पुत गुरक्ति लिह वासी 62, साउथ माडल ग्राम लुधियाना।

(अंतरक)

(2) श्री अवतार खिह पुत्र हरी सिंह 62, साउथ माडल ग्राम लुधियाना।

(अंतरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथा हस्ताक्षरी के पाड़ सिहिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

बन्स्ची

मकाम नं० बी-18 318 (कोठी नं० 62) साउथ माडल ग्राम लुधियामा (अर्थात वह जागदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी लुधियामा के विलेख सं० नं० 632 माह अप्रैल के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर कायुक्त (किरीक्षण) अर्जंक रेंज, लुधियाना

तारीख 11-12-1985 मोहर :

प्रक्रम नाइ', द्धे, एन, एस.-----

भायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना लुधिना, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० लुधियाना /115/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र लिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० माका नं० बी-23-658 है तथा जो बाईपास रोड, शेंरपुर कयाल लुधियामा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण वणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियामा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985।

का प्रविकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-मर अधिनियम, ११९७७ (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बता: अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ जी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23-416GI/85

(1) मैं अर्ज कौमन वैल्थ सिपिनिंग तथा नीटिंग मिन्ज, (प्राई०), लिमिटेड द्वारा जी०पी० ए०श्री रमन भल्ला पुत्र श्री मममोहन भल्ला निवासी 353/2 ए० हीरा सिंह रोड़, लुधियम।।

(ग्रंतरक)

(2) श्री ज्ञानचन्द बारूल पुत्र श्री महाबीर प्रणाद दिवासी बी-6-423 कूगकर्त्ता राम, लुधियाना (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों दर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकीन।

हा क्या प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त वायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नवा है।

बन्स्ची

मकान नं० बी-23-658 का हिस्सा 3 बाईपास रोड़, शेरपुर् लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधिशिश के विलेख संख्या 1278 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, लुधियामा

तारीख 11-12-1985 मोहर:

प्रकार बार्ड .टी .एन एस ------

बायकर वोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा बारा 269-व (1) के अधीन सुचना

नारत धरकात्र

कार्यास्तर, सहायक बायकर जायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना लुधियाना, दिनां र 11 दिसम्बर 1985 निर्देश स० लुधि०/10/85-86—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह बायकर ब्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्के बसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'वसका द्रिष्ठ वाकार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्राँश जिसकी मं० कोठी नं० 27 जे (बी 20-1221/51) है तथा जो सराया अगर लुधियाक्षा में स्थित है (ग्राँग इसमें उपाबद अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रुप से विणित है), एजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय लुधिता में रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय लुधिता में रिजिस्ट्रीकरण अधिकार, 1908 (1908 का 16) अधील नारीख अप्रैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि ग्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवां) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गवा प्रतिफल, भिम्निमिश्त जब्देश्य में उस्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्यारण सं शुर्श किसी जान की वस्त्रत , उत्तर विधिनियम के वधीन कर्ड़ दोने की बन्त्रक के सावित्य में कमी कर्ड़ने या उन्नर्थ वर्षण में कृषिण। के लिए; जॉर/या
- (था) एथी कियी बाव वा कियी पत्र वा सम्ब कारिसवी का, जिल्हें भारतीय वाय-जार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनसे विधिनियम, ज्ञा भनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहियेथा. कियाने से वृद्धिया के विद्युः

शतः तम, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की वनुसरण थाँ, सी. अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भू वृधीन निजनियमिक स्वित्या श्रीकृत्या शर्माट् , ज्या

- (1) श्री एवेन्द्र िंह् ग्रेवाल पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह् निवासी 1028 सैक्टर 21बी, चंडीगढ़। (भंतरक)
- (2) श्री इन्द्रााल निह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह, जगजीत सिंह पुत्र श्री कुलदीप निह, श्रीमिति मनजीत कौर पत्नि श्री जोगिन्द्र सिंह, जगजीत कौर परिम जगजीत सिंह, श्रीमिति गमन कौर परिन श्री रजेन्द्र सिंह, 172 ए, सराया नगर, नुधियाना। (श्रावरिती)

को बहु बूचना चारी करके प्यॉक्ट सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं ।

बक्त सम्परित के बर्वन के नम्बन्य वो कोई भी बाखेंपः--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 48 दिव की वर्गीय या तत्त्रमन्त्री म्यक्तिकों वर ब्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बर्गीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध रिक्वी कव व्यक्ति इवारा वधोहस्ताकरी के शह सिकित में किए वा सकोंगे।

श्यक्तीक रण:---इसमें प्रयुक्त संबंधी और पर्वो का, की उथक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा क्या हैं 10

अनुसूची

कोटी नं० 27 जें (बी-20-120/51), सरा**या नगर,** लुधिपिता, (अर्थात वह जोयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, लुधियिया **के** त्रिलेख संख्या 122 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधि तारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा

तारीख 11-12-1985 मोहर :

भ्रक्य बार्च : दी .युन् : युक् :-----

नामकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

TIME THE PARTY.

श्रावस्ति , बहायक बावकार बावुका (निर्देशक)

अर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना दिनांक 11 दिसम्बर 1985 मिर्देश सं० धुरी/1/85-86—-अतः मुझे जोजिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि बीवा 8 बिलवा है तथा जो धूरी जिला सगरूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधियनम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख अप्रैल, 1985।

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गर्ह है और मुक्ते वह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बृह्य, असके व्यवमान प्रतिकल से, एवे व्यवमान प्रतिकल स्थ पन्द्रह प्रतिक्त से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तिकति (अंतोरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पामा नवा प्रतिकल, किन, जिन्निक्षित उच्चेष्ट से उच्च जन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य स कथित नहीं किया प्रशा है =--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त भृतिकृतिकृत वी वाचीय कर दोने के ज्ञानुक को कर्तवस्थ में कनी करने या उक्त नज़ने में पृत्तिका के जिल; क्षीड/वा
- (क) एची किसी नाय वा तिस्ती भन वा नन्त नास्तिनों को जिन्हें बारतीय बाद-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम वा वक्कर व्यक्तियम वा वक्कर व्यक्तियम वा वक्कर व्यक्तियम अन्तिरती ह्वारा प्रकट नहीं किया वक्षा था या किया बाना वाहिए था, कियाने में व्यविधा के शिष्ट;

अतः अवः, उथतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिसिस व्यक्तियों, अधीस :--- (1) मैसर्स तुलसी राईस एण्ड जनरल मिल्ज द्वारा हिस्सेवार श्री शाम लाल राज कुमार, काँगल कुमार. शील कुमार, रवि कुमार सभी द्वारा श्री शाम लाल, निवासी धूरी जिलासंगरूर।

(अन्दर)

(2) मैंसर्ज शंकर राईस एण्ड जनरल पिल्ज द्वारा हिस्सेंदार श्री अशोक कुमार, श्रीमित बिमला देंबी, राजेशवर दास जिन्दल बतौर कर्ता उसके एक० यू० एफ० मैंसर्स राजेशवर दास एण्ड सन्ज, श्री बिनोद कुमार, श्रीमिति किरन लाल, श्रीमिति राजरानी सभी निवासी धूरी जिला संगरूर।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नार्श्य हु--

- (क) इस स्वया के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 किन की नवीं प्रवास स्वया स्वया की तारीच है पर स्वया की तानील से 30 दिन की नवीं प्रवास की स्वया की स्वया की स्वया होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इक स्थन के राज्यन में त्रकालन की तारीज के 45 जिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्तित स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए या सकोगें।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रमुक्त सम्बां और पर्यो का, श्री उत्कत विभिन्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी वर्ष होगा, को उस कथ्याय में दिया गया

नग्स्ची

भूमि 9 विघा 8 विसवाजो कि धूरी जिला मंगरूर में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी, धूरी के विलेख संख्या 159 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-12-1985

प्रारूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रोंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांव 6 दिएम्बर 1985

निर्देण मं० लुधियाना/2ए/85-86→-ग्रत. मुझे जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० नी XX/1195/21 प्लाट नं० 211/ ा 1/8 भाग, है तथा जो सराया नगर, लुधियाना में स्थित (ग्रौर इससे उपाब्द प्रमूचुची में ग्रौर पूर्ण विणत है), रिक्ट्रिजिन प्रिधि हारी के आयेलिय लुधियाना में रिक्ट्रिजिरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिदें की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोद बहादुर प्रणाद पुत श्री जे० बी० प्रणाद निवासी 21 श्राई सरायानगर, लुधियाना श्रव महान नं० 128, सैक्टर 112, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)-

ರ ಕರ್ನಾಟಕ್ಕೆ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಸಮಾರ್ಥಗಳ ಮುಖ್ಯಕ್ಕೆ ಮಾಡುವ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿಕೆ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಮುಖ್ಯಮಿಕ ಮುಖ್ಯಮ

(2) श्रीमति सुरेन्द्र कौर पहिनश्री मनजीत सिंह, श्रीमनजीत सिंह पुत्र श्रा बचन सिंह निवासा (ई) सराया नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यष्ट्र स्वना जारी करके प्रशेक्त सम्परित के मर्जन के निष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

मकान नं बी XX1195/21/प्लाट नं 21 1) का 1/8 भाग, सराया नगर, लुधियाना/ग्रथित वह जायदाद जो कि रजिस्ट्राकर्सा ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 21माह ग्रप्तेल 1985 के तहहा दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रजैन रेज, लुधियाना

नारीखा 6-12-1985 मोहर: प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

नायकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-प (1) के सभीन सूचना

मीरत बरकार

कार्यांक्य, सञ्चयक वावकार वाध्यक्त (विद्योक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांदः 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियिना /109/85-86⊷-ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

गामकर अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (जिले ध्रवसे इसके प्रधात (उनत अभिनित्रमं कहा गया हाँ), की भारा 259-क के अभीन सभाग प्राधिकारी को वह विश्वाद करने का भारत हाँ कि स्थापर सम्परित, जिलका उचित वाजार मुक्क 1,00,000/- रा. से अधिक हाँ

ग्रौर जिसकी संव माहान नंव वी 318 (कोठी नव 62) का 1/3 भाग, है तथा जो साउथ माइल ग्राम लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक श्रनसूचा में ग्रौर पूर्ण रूपसे विणत है), रिजस्ट्रोक्त श्रिधकारी के कायिलय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अर्थन 1985

भी पूर्वोंकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल वे का के क्यानान शितफात के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह बिह्नास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य नसकं दर्वत्वा प्रतिफाल म, एसे दश्यमान प्रतिफाल का बनाइ भित्रकत सं अभिक है बीर अन्तरक (अंतरकों) और बंदरिती जनतरितियां) के बीच एक अन्तरण के जिए सब पाना बना प्रतिफाल, निम्नलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अभूस्तिक अप से क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किभी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के शिवत्व में नेशी करने या उन्ने केचने में स्विधा चे लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी अध्य था किसी सन था अन्य आप्तायाँ की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उथत अधिकियम, ए। धन- कर अधिकियम, ए। धन- कर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) व्ये प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया थ्या का या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

कतः कः अक्त अधिनियम का धारा 269-ग के बन्धरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह निवासी 62, साउथ माडल ग्राम लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रवतार लिह पुत्र श्री हरी सिंह, निवासी 62 माउथ माडल ग्राम, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन की अनिधि या तत्संबंधी क्यक्तियां पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए वा सकोंने।

श्वाक्षीकश्याः—-इसम प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं कि होगा को उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मकान नं बी XXIV-318 (कोठो नं 621 का 1/3 भाग, साउथ माइल ग्राम, लुधियाना । (ग्रथित वह जायदाद जो ि रिजस्ट्रीफर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1182 माह ग्राप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाय भ्रायक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नाराखाः 11-1271985

भाहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० लुधियाना/64/85-86—म्प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जायदाव नं बीत 15-953 तक 1/5 भाग है तथा जो इंडस्ट्रीयल एरीया बी लुधियाना में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसुनी में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-इर्ना अधिवारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्री एरण अधिनयम, 1908 (1908 ए। 16) के अधीन नारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्र) उत्तम सिंह पुत श्री सुन्दर सिंह, निवासी प्रताप हाउस, प्रदाप नगर, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज मान सिंह एण्ड सन्ज, बी- XV977 इंडस्-ट्रीयल एरीयाजो सुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्वव्यक्ति एषः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं बी-15-959 का 1/5 माग, इंडस्ट्रीयल एरीया बी, लुधियाना। (भ्रथित वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोबक्ती भ्रधिवारी लुधियाना के विलेख सस्या 503 माह भ्रमुंल, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुरत (निरीक्षण) सर्जनरेंज, लुधियाना

तारीख: 12-12-1985

मोहर 🖫

शक्य वार्ड .दी . एन . एस . -----

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/116/85-86→अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं जायदाव नं बी-XV959 है तथा इंडस्ट्रीयल एरिया बी, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद मनुसूची में ध्रिमीर पूण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रमेल 1985 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्वमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिकात से विश्वक है

र³र अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एंसे अंटरण के ⁶लए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिसितित उद्विक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित हीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाब की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः जब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में, पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधरूर (1) के अधीन निक्तिपिसिर अधितयों सर्थार्ट :--- (1) श्री उत्तम सिंह पूत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी प्रताप हाउस, प्रताप नगर, लुधियाना।

(अन्सरकः)

(2) मैंसर्ज मान सिंह एण्ड सन्ज, बी, 15-977, इंडस्ट्रीयल एरिया बी ल्धियाना।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षत की तारीच से 45 दिन की अमीभ या तत्तं वंभी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकींगे।

स्पक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नगुजुनी

जायदाद सं० बी—XV—959 का 1/5 भाग, इण्ड-स्ट्रीयल एरिया-बी, लुधियाना, /(भर्यात वह जायदाद जो कि रिजस्ड्रीकर्ता सिधकारी, लुधियाना के विलेख मंख्या 1285 माह सम्रैल 1986 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-12-1985

प्रथ्य आहां ही एन एस

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--व (1) की अभीत सुवता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० लुधि/57ए/85-86--भ्रतः मुझे, जोगिद्र सिंह,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व क्लाने इसके प्रणात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एस० सी० एफ० सं० बी—XX—1160/63 का 1/2 भाग, तथा जो हरतार ीह् बराया नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हती भ्रधि हारी के कार्यानय, लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक भ्रप्तेल 1985

को पूर्विकत संपत्ति के उजित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफर्ता के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि सथापूर्विकत सम्पत्ति का उजिए बाखार कृष्य, उनके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यजान प्रतिफल का पण्डल प्रतिकत ने विधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और बण्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एरे अन्तरफ के किए हम सना गवा प्रतिफल निम्नतिवित उज्वोदन है उपल बन्दरक जिवित में बास्तविक क्ष्य ने क्षयित सूत्री किया बना है:----

- (क) अन्तर्भ सं हुर्च किसी साथ की आजम लक्ष्म नाँच-रिव्हाल के समील कार दोने नो बन्तरफ के राजिस्थ के करी करने वा करावे क्याने में शृथिका के सिद्ध; नाँग/वा
- जिले होती किली काथ या किसी धर या अन्य वास्तियाँ की, चिन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्हें जिलितियम या भेत कार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-गार्थ जन्तीरती द्वास प्रकट नहीं किया पत्रा था स किया गारी पाहिए था छियाने में अविभा अ निकार,

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीर निम्नसिकित अधिकार्य वर्णन ३(1) श्री श्रवतार गिह पुत्र श्री बंता सिंह, निवासी——बी—XX-1160/63, सराय नगर, नुधियाना ।

(अन्तर्ह)

(2) श्रीमती महेन्द्र कौर परिन श्री तजेन्द्र सिंह साहनी, निवासी——41ए, सराया , नगर, लुधियाना । (श्रनारिती)

 अंत नह ब्रुचना जारी करके पूजींकत कल्मीत्त के बर्चन के सिन्द कार्यवाहियां करका होत्।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांच 🛊 🖚

- (क) इस ब्या के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृत्यन। की ताबील से 30 दिन की वस्थि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्विकत काविसाओं में से किसी स्मिन्त ध्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 विन के जीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किती जन्म व्यक्ति वृषद्ध अक्षाहेस्साक्षरी के पास सिवित में किए वा बच्चेंगे।

स्पष्किरणः---- इसमें प्रवृक्त शब्दों बीर पर्यों का, को कक विधीनयक के सभाव 20-क में परिभाषित --हाँ, वहीं कर्ष होता, को उस अध्यात में दिया पत्रा हों है।

ग्रन्नो

एस० सी० एफ० मं० बी-XX-1180/63 का 1/2 भाग, करतार सिंह, कराया नगर, लुधियाना। (श्रथीत वह जायदाद जो कि रिक्ट्रीकर्ता अधिदारी, लुधियाना के दिलेख संख्या 447 माह अप्रैल, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्दर सिंह ाक्षम प्राधिकारी सहायक **भाय**कर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज, लुधियाना

विनांक : 6--12-1985

धरूप बाइं हो, एन, एस,----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं॰ लुधियाना/66ए/85-86-प्रतः मुझे, जोगिन्द्र स्थि,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00000/रूपये ये अधिक हैं

गौर जिसकी सं० मकान सं० बी-20-1355 का 1/3 भाग, है तथा जो सरफ काराबारा, लुधियाता, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण विजि है), रिलस्ट्रीकर्ता प्रधिशारी के कार्याक्ष्म, लुधियाता में, रिलस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिस्में) के बीच एसे जन्तरण के लिए उस पासा गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरू निकित शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त जीच-अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्टरक के वाजित्व में कमी करने या उससे जचने में सुनिधा के जिस् और/या
- (का) एसी किसी अप्य या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अस्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुनिधा को सिए;

- (1) श्रीमती परमजीत काँर पतनी श्री प्रमश्जीत सिंह, निवासी—गांव वीपराम जिला—फिरोज्युर। (धन्तरक)
- (2) श्रीमती दर्शन कौर पत्नी श्री लाम सिंह तथा श्रीमती सत्तवन्त कौर पत्नी श्री राजिन्द्र सिंह निवासी--3895, हीरा रोड, लुधियाना । (ध्रम्दरिती)

न्त्रे यह सूचना आरी करको पृवाँक्त सम्मत्ति को वर्षम को निर् कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की क्षामौल से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक को 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आर्थ उन्ह अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

नगसंची

मकान सं वी-20-1355 का 1/3 माग, सरफ काराबारा, लुधियाना /(अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 521 माह प्रप्रैल 1985 के सहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, लिधयाना ।

दिनांक : 11-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुभना

MISS SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लुधिय

लुवियाना, दिलांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/66/85-86--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26:) क अधीर रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मस्य 1,00,000/- राष्ट्र से अधिक है

श्रौर जिल्लकी सं जिल्लान नं जी-20-1355 का 1/3 भाग है तथा जो तरफ लाराबारा, लुश्चिमाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के लार्याज्य, लुश्चियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक श्रीशैंल, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे द्ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंट्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रणंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए.

अरु: सब, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, दिम्मिलिखित अधिक्सयों. अधीर्त :--- (1) श्रीमती परमीत कौर पत्नी श्री श्रमरवीत विद् गांव—बोपाराम जिला फिरोजपुर ।

(भन्तरकः)

(2) श्रीमती वर्शन कौर विधवा श्री लाम सिंह तथा श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह, 3895, हीरा रोड, लुधियाना ।

(भग्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को शब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मकान म॰ बी-20-1355 का 1/3 ाग, तरफ काराबारा, लुधियाना। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 614 माह अप्रैल 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सह।यक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मजन रेंज, लुझियाना ।

विनांक: 11-12-1985

वरूप बाई.टी.एन.एस: -----

बावकार भृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन नुबना

बारक करकार

कार्याजय, बहायक जायकर जायुक्त (निर्मेक्षण)

नानकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधीनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्तम प्रीधिकारी को यह विश्वात करने का आहल है कि स्थावर संपरित, विश्वका अधित बाबाद मूक्य 1,00,000/- रा. संगधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान सं० 2051 सैक्टर 21सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्नैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृश्य से कम के क्यमान प्रतिकत के सिए बन्हरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुख्य सबसे क्यमान प्रतिकत्त सं, एवे क्यमान प्रतिकत क्य बुद्ध भीतवत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्दरण से सिए तब धारा नवा प्रति-क्य विश्वसिद्ध सब्दर्भ से उन्तर बंधरण निवित में बास्तविक क्य से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) नन्तरम् चं हुइं चिकी नाम की नावक उपक् निविष्ण के नथींच् कर देवें के नम्बहुक की वसीवरक में क्रमी कड़ने ना उवके नमने में सुविधा को क्रिए; नीर/या
- (क) क्षेत्री किसी नाय वा किसी भून वा नम्य वाक्तियों करें, विन्हों भारतीय नाय-कर मिश्तियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा क्ष्मकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्ष्मोपनार्थ कर्नारती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना लाहिए था, कियाने वें तक्षिण के सिद्ध;

कतः। अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण वें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वै वधीय निम्नविधित स्वितियों, अर्थात् ः— (1) श्री अवतार सिंह औलख पुत्र स्व० सरदार मेहर सिंह औलख । निवासी—मकान नं० 2024 सैक्टर 21सी चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिम्मत सिंह पुत्र स्व० मेहर सिंह तथा श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नि श्री हिम्मत सिंह , निवासी— मकान नं० 430 सैंक्टर 22ए, चण्डीगढ़ ।

(श्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परिश के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्याजित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ज) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों ने।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया वया है.

अनुसूची

मकान सं० 430 सैक्टर 22ए चण्डीगढ़ (प्रयति वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 72 माह भग्नैस 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (नि क्षिण), श्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-12-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी गढ़/5/85-86+-प्रतः मुझे, जोगिन्द्रसिंह, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके। प्रशास उत्तर अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारा है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उत्तर बाजार मूस्य 1,00,900/- रा. से अधिक हैं

जोर जिसकी सं॰ मकान सं॰ 3296 है तथा जो सैक्टर 15डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, दिनांक प्रप्रैल, 1985 को पूर्व से प्रधान के प्रधान के प्रधान के प्रधान के प्रधान के प्रधान के किए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उपित बाजार सूक्य, उसके अस्यमान प्रतिकत से, ऐसे उस्थान प्रतिकत का पंक्ष प्रतिकृति से अधिक है और अंदरिक (अंतरकों) और अंदरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कर जिम्मिनिसत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्क-विका कर के स्थित बहीं किया बया है द—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अभि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व यो क्सी करने या उससे बचने में शिवधा के लिए; वरि/मा
- (स) देशी किसी बार्य वा किसी भग वा अन्य वास्तिओं का, विभाग भारतीय जाव-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अभिनियम, या भन-कर वर्षभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना बाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अदः वब, सक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसर्थ का, मी, सकत विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा रिंग} के सभीत, निम्निमिक्त व्यक्तिस्थें वभीत क्र---

(1) श्रीमिती शाम कौर पत्नि श्री मोधन सिंह, निवासी—कोठी सं० 3296 सैन्टर 15डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव गोपाल पुत स्व० श्री जगतराम गोयल निवासी—उपर कैयू , शिमला । तथा श्रीमती पम्पा सूद पत्नि श्री सत्यापाल सूव निवासी--सैक्टर नं० 6, बुशाहर हाउस, राम जाजार, शिमलण प

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के **छिए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उथतः सम्पत्ति के ठर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अधित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ किसिक में किस् का सकेंगे।

स्थळकिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त स्थिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका द्या है।

धन्स्ची

मकाम सं० 3296 सैक्टर 15डी, चण्डीगढ़/(प्रयति वह जायदार जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ को बिलेख संख्या 32 माह प्रप्रैल 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगित सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रेंज सुधियाना

विनाम : 10-12-1985 :

करण (साक्षेत्र की) श्रुत , एषा : ----- ~ ०००

नामकद्र स्थिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्थन।

भारत सरकात

<u>फार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)</u> मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निवेश सं० काडी / 6/85-86--- ग्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पथ्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 209-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० साईट सं० 314 है तथा ओ मौटर मार्केट एण्ड कर्माशयल कैम्प्लेय्स, मनी माजरा, (यू०टी० चण्डीगढ़) में स्थित है (और इस । उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित है), रिजिन्द्री हर्जा अधिकारी के कार्यालय, चण्डी ह में, रजिल्द्री हरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत. विनोक प्रप्रेल, 1985

थांप्**वीवत्त सम्पत्ति को उभित वाजार म्**ल्य **शेकम को दश्यमा**न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपरित का उचित** वाजार मुल्या, उसके परयमान प्रतिफल से, एसे परयमान प्रतिफल की पे**.इ** प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्नलिसित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫

- (क) मन्तरण सं धुर्च सिसी वाय की वावस, तक्र अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक 💐 वायित्व में कभी करण या उत्तर वक्ष वक्ष में बृद्धिश के सिए; करि√क्रा
- (क) एेसी किसी अाय या किसी भन या अल्य आस्तियाँ क्षे, जिन्ही भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957. (1957 噺 27) क प्रयोजनाथ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाग किया जाना जाहिए या, क्रियान में सर्विधा 🖷 सिए।

जतक अब, क्षत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक वील में कु सक्क विधिनियम की भारा 269-च की उनभारा (1) **च वर्धात , निम्नसिवित व्यक्तियाँ), प्रश्रांत् हः—्ः**

- (1) श्री प्रेम चन्द पुत्रश्रीसन्तराम, निवासी--गांव सतीनपुर डाकवाना गुला, जिता--कुषकक्षेतर (हरियाणा) (मन्तरक)
- (2) श्रीदलजीत सिंह पुत्रश्री मेहर सिंह, कोठी सं∘ 108, सैं₹टर 7, पंचकुला, जिला ध्रम्बाला (हरियाणा) ।

(भन्तरिती)

को तह सूचना जारी करके पुर्वों क्त सम्प्रीट्स के वर्षन के लिए कार्यभाक्षियां करता हैं।

्च व्यव∵संपत्ति को वर्जन को सब्ध में करेंद्रों भी वाक्षोंचे ३----

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स से** 4.5 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पह सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्ड
- इस स्थान के राजपत्र में प्रकाहत की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राच लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्कीकरकः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में 'विश्वा श्या है।

वनुसूची .

ए**रा० सी०** एफ० साईट सं० 314, मोटर मार्केंट एण्ड कर्माशयल केम्प्लेक्स मनीमाजरा माजरा (यू० टी० चण्डीगढ़) (भर्यात वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ 🖣 विलेख संख्या 53 माह धप्रैल 1985 के तहत वर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सद्यम प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज, लुधियाना

विनक्ति : 10-12-1985 ... महिए 🔠 🕠

प्रकृप बार्ड ही. एन. एसं. १४४---४५८

भारकर सर्भितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कभीन स्वना

भारत वरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 तथम्बर 1985

निवेश सं० माई० ए० सी०/एकपू०/1/एस० मार०-3/4-85/1-- मतः मुझे, भार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भाव 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अचीन सक्षम प्राधिकानी को यह विश्वास करने आ कारक हैं कि न्यावर प्रमान, जिनका उच्चित बाबार म्रूच्य 1,00,000/-फ से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रा० मंं 30/187ए है तथा जो विक्रम विहार, स्यू बनल एटोरी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली में रियत है (और इसते उपाबद अनुसूबी में पूर्ण रूप से वींगत है), रजिस्ट्री- कर्ती अधिकारी के कायीलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण पश्चित्यम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, विनीक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को स्थित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान अतिकत्त को लिए अंतरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का ज्यित बाजाइ मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकृत्व से, एसे स्थ्यमान प्रतिकृत का क्लाइ प्रतिशत से क्षिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्वा अतिकृत, निश्नितिकात उद्वेश्य से उक्त बन्तरण कि बिक के बास्तरिक कर से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण ठ हुइ किसी बाय को बाबच, उक्त क्षितियुन् के झ्पीस के इं योगे की कंतरक के शीवत्व भी कामी कारने या उसके बचने में सुविधा के किए; खरि√या
- (ण) ऐसी किसी नाय ना किसी ध्रुत या अन्य जास्तियों करें, विन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता विभिन्नम, या धन-कार ब्रिशिनमम, 1957 (1957 का 27) के प्रखेचनार्थ अंतिरियों धुवारा प्रकट नहीं किया गया या ना किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिग्रः

बन: वन, उक्त व्यथितियम की भारा 269-म के वेम्सरण के, के, रक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) वै वधीय: विभक्तिकिक व्यक्तिकों

- (1) श्री मोहनलाल भाटिया सुपुत्र कन्या लाल निधासी--शाहै/118, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हीरालाल और मनोहर लाल सुपुत्र देता निवासी----30/187-ए, चिक्रम बिहार, लाजपर्ते नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह स्वता वारी करने प्वॉक्त कम्पत्ति के कर्वन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के क्वांत को सम्बन्ध में कीव् भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि ने तत्त्वस्वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ने से साम में सनाप्त होती हो, के भीतर क्लॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्लारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-वहूभ किसी अन्य स्थित इवारा अधोद्धलाखरी वे वास सिचित में दिये वा सकरें।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों नौड पवों का, जो उक्त नीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, को उस अध्याय में दिना देश हैं।

वम्सूची

प्रोपर्टी सं 30/187-ए, जिक्रम विहार, स्यू **ब्बल** स्टोरी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेंग सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुत (निरीक्षण), भर्जन रेंज-ा, दिल्ली, नई दिल्ली

विनोक्ष : 22-11-1985

योद्धर:

प्रकप बाह्य, दी त्यन त्यस त्यास्य

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निर्दीक्षण) छाजैन र्रेज- 2, नई दिस्सी नई दिस्ली, दिनांक 25 नवस्थर 1005 निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० शार०-3/

4-85/2--- अतः मुझे, आए० पी० राजेश, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से विधिक हैं।

सीर जिसकी सं अधम पलार, घपरासी है तथा जी क्याटर मैनानिन बिल्डिंग एन-इन्-38, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिल्ड्री नित्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दल्ली में भारतीय रजिल्ड्री नरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक मार्च 1985,

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त बिधिमियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; जरि/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर रूधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याचा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

कतः कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, बच्चीतु :--- (1) श्री इन्दरजीत सिंह घरोड़ा ई-57 कींव नगर, नई दिल्ली

(अग्डरम)

(2) श्री मनीताल जे० भट्ट 2. पुष्पा एम० भट्ट र-104, गटर कैलाश-2, नर्री दिल्ली

(मन्दरिवी)

का यह सूचना जारी कंरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्रोप ;---

- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वो का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिता द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांत सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

षन्स्ची

प्रथम खण्ड चपरासी क्वाटर सहित मैजानिन क्लोर एन॰ ई-38, प्रेटर कैलाग-2, नई विस्ली।

> धार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (िरीक्षण) धर्जेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोंक : 25-11-1985

महिर 🥫

प्रकृष कार्^क्टी. एन , एस . ------

्मलकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की "वाद्य 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, रेच्च दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 25 नघण्यर 1985 निदेश सं० श्राईं० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० घार०-3/ 4-85/3--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मुस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव तावादी 27 वर्ग गण है तथा जो स्टालून प्लाट नंव 3, बनाक-एन, ग्रेटर कैसाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूवी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिप्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारती। रिजिप्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी।, दिनांक भार्च 1985

को प्वेंक्त सम्पिश के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य असके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ है कथित नहीं किया प्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, सकत अधिनियम के अधीन - कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा खै निशः और/बा
- (स) ऐसी किसी बार्य या किसी धन या अन्य आस्तियां कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

शतः अव, अवत विधितिषम की धारक 269-क की वण्डरणे की, मीं अवत विधितियम की धार 269-च की उपधारा (१)ं की अधीन, निम्नकिखित व्यक्तियों अर्थात र---- (1) श्रीनती सुधा वश्रवान पतनी सुमाय चन्दर वश्रवान द-87, पेटर कैलाधान 2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह चाचला सुपृत्र स्वर्गीय श्री श्रीतमिस् चाचला भेसमें मनी राज कुमार पत्नी श्री राज कुमार जैटामलानी । निवासी---4, स्ट्रीट सं० 4, हाउस सं० 23 शी/ 331, राजगढ़, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी कारके .पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिस कार्यनाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन हो तबध मा कार्ड भी बाह्रोप उन्ने

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय चं 45 दिन की अविधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तितमां पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के माझ सिवित में किसा जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पहिशामित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो यस अध्याय में दिका यहां हैं कि

बनुसुची

एटालून प्लाट नं० 3, बजाक मं० एन, तादादी 27 वर्गे गज पेटर कैलाश-1, भार्केट, नई दिल्ली

> भार०ंपी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶1, दिल्ली, दई दिल्ली→110002

विनोक : 25-1-1-1985 थोहर ब प्ररूप बाह्". टी. एन*्* एस_{ः राजन}

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्थान

भारत सहसार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जे। रेंज-1, नर्धे जिल्ली

तर्धे दिल्ली, दिनांक 20 नव्यवर 1985

िदेश सं ारिं ए० सी र/एपनू०/:/एस० प्रार०--3/4--85/4 --नतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम जीधिकारों को यह विश्वास करने का इरिंग हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं॰ एिटा 1932 वर्ग फीट है तथा जो गाप एस-51, ग्रेटर फैलाय --2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद प्रतुर्वी में पूर्ण कर के प्रतित है), रिक्टिशार्ती श्रीव-कारी के कार्यात :, वर्द दिल्ली में भारती। रिकट्रीकरण श्रीव-विवन, 1908 (1903 का 16) के प्रवीत, दिनंक मार्चे 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिकत्त को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांचत संगत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एंगे अवसान प्रतिपत्त का पन्दह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिपत्त किमितियों उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निविक के बास्तिकत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निविक के बास्तिकत किथा प्राप्त की सिए तथ पाया प्रार्थित के बास्तिकत कर से किथात नहीं किया प्राप्त है दिन्स

- (क) अस्तरण से हुई किसी शाय की बावत, उपक प्रिमिय्स के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करने गा उसने अपने में मुविधा के निरुष्, बौद्ध/या

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी: उक्त बीधिनियम की धीरा ∠69-य की उपधारा (1) के अधीष, निम्नलिसिय स्पितियों, अर्थांत ६—— 25—416GI/85 (1) हिण्डन रवर प्रा० लि० द्वारा ४१० ग्रहन भेड्रा, ८८, नवशुण मार्केट, गाजियाबाद (यू० पी०)

(प्रग्तरक)

(2) 1 श्री मोर्न भाई मन्त्री जनी 2. श्री कृष्ण मन्त्री यनी सुनुत्र सी-54, मई फेयर गार्डन, नई हिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया कर्ता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपाय में जाताशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वता को ठाणील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्मान होती हो, के भीतर प्रांकित क्यांच्या में से कियों चितित हवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिति द्वाय अधाहस्ताक्षरी के पाद लिखित में दिएं आ सकेश ।

स्पब्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां अक्त कि विश्वित्यम की संध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

र्वेसभेंड तासदी 1332 फो फीट । शाप प्लाट मं० एस-51, ग्रेटर कैलास∼2, सई दिल्ली ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोंज-1, दिल्ली, तथ्च दिल्ली-110002

दिनोक : 26-11-85

प्रास्त वार्ड . दी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेंज—I, न**ई** दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 25 नवम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०~3/ 4~85/5~~श्चतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नावकार निर्धानवम 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें परवास् 'उन्स निर्धानवम' सहा गया है), की भारा 269-स के अभीन बस्तन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बस्ति विस्ता उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से निर्धक है

और जिसकी सं प्रापर्टी सं 15/93-93-ए, है सथा जो लाजपत नगर-4, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्मील के उचित बाजार मृस्य से काम के कामान प्रतिकल के निए अन्तरित की नहीं है जोर मुर्जे यह विकास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार महस समके कामान प्रतिकल सो, एसे रूपमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त जन्तरण सिवित में अस्सिनिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) जलरण वे दु: किया जान की वायुक्त ध्रम्य निधित्त्व की नधींन कर दोने की अच्छिक की शायित्व में कभी करने वा क्याचे नक्ष्म में कृतिक्या के निष्: न्द्रि/वा
- (ख) एसी सिम्ती नाय या किसी थन या नम्स नारिसकों करे, जिन्ही भारतीय नाय-कर न्यिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निवास, या अनंकर निवास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिधा ने लिए;

भतः भवः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग में बंगुसरण मं, मं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (गो के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अधान ॥——

- (1) 1. श्रीमती लाजवन्ती पत्नी स्वर्गीय फकीरचण्य निवासी--- 17, करन नगरी, जम्मू (जेएण्ड के) द्वारा चिरेन्द्र कुमार सुपुत्र स्वर्गीय फकीरचण्य, हाउस सं० 8, राजिन्द्र बाजार, जम्मू वर्तमान नद्दे दिल्ली में रह रहे हैं।
 - मास्टर विपिन गुप्ता 3. मास्टर संजय गुप्ता
 मास्टर संजीव गुप्ता सुपुत रचुबीर चन्दर और मदर पदमा गुप्ता ।

(ग्रन्तरक)

(मन्दरिती)

ना सह सूचना बारी करके पृथांक्त संपत्ति को धर्मन को तिक् कार्यवाहियां चूच करता हुं।

उक्त तन्त्रीत के वर्षन के तन्त्रत्थ में कोई वाक्षीय :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 किन की अवधि या एत्सन्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

रनक्तीकरणंड—इसमें प्रयुक्त कर्मा और पूर्वों का, को उक्त बायकर इं, बड़ी अर्थ होगा यो उस अभ्याय में किया इं, बहीं अर्थ होगा यो उस अभ्याय में विशा बुबा हैं।

नम्स्यी

प्रापर्टी सं • 15/93-93-ए, लाजपत नगर--4, नई दिल्ली

भार० पी० राजेख सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनॉक : 25-11-19865

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ------

बाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क से अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्तक) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 25 नवस्वर, 1985

निर्वेश सं० घाई ए० सी०/एक्यू०/1/एस भार-3/4-85/ 86- मतः मुझे, भार पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूख्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं० नं० बी-37, तादावी 100 वर्ग गज है तथा जो, धमर कालोगी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद धनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण धिविनयम, 1908 (1908 का 16) के धधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के लिए अस्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकाल का पूर्व प्रतिवात संबंधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिकास निम्नितियों उद्देष्ट से उक्त अन्तरण कि लिए तम से बास्तरिक के संविद्य ने उक्त अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरण संबुद्ध किती आयः की बाबतः अक्त नियम के अधीन कर योगे के बंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए। बीप/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औं बिए:

वर्ध कर, सबस विधितियम की भारा 269-म के बनुसरण की, की, सबस विधितियम की भारा 269-म की स्पृथारा (1) के वर्षान, निम्मविधिक जीवतारों, क्यांच 8--- (1) श्री राम लाल पृथरा सुपुत गंदा मल निवासी 10/45, महरु नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ एल॰ करदम सुपुत्र शिवलाल निवासी एल-2/ 20-ए, डी डी ए फ्लैट्स, कालकाजी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कीहाँ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के गस तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरणः -- इसमें प्रयूवित शब्दों और पवों का, ओ जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

सीज होल्ड पलाट नं॰ डी-37, तादादी 100 वर्ग गण श्रमर कालोनी, साजपत नगर-4, नई दिल्ली ।

> श्रार० ी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीच : 25~11~1985.

अक्ष काइ. टी. एन. एस् नमनम्ब

जामकर जोभीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, नई दित्ली मई दिल्ली, दिनांक 26 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-3/4-85 _ल 7---भत: मुसे, आर० पी० राजेश,

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं वादादी 215 वर्ग गज है तथा जो एस-488 प्रीटर कैलाश-1, नई दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्री कर्ता अधिकारों कार्यालय, नई दिल्ली में रजिल्ट्री करण अधितियम, 1908 (1908 पा 16) के प्रधीत, तारीख अप्रैल 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बित्कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में अस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर लोगे के अन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के ब्रिनुसरण बी, मी उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निवनियमित व्यक्तिकार जनाता (1) श्रीमती प्रेम लता, एस-488, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री सी॰ एल॰ पुरी एन्ड धदर्स, एस-488, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रग्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथोवत सम्पत्ति को अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन-की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हों, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुयारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गळगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमी अयुक्त गब्दों और पदों का. को अकत अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विया न्या है।

मन्स्घी

पहली मंजित, तादादी-215, एस-480, ग्रैटर कैलाश-1, मई दिल्ली ।

> द्यार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक षायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) षर्जन रॅज-1, मई दिल्ली

सारीज : 26-11-1985 -

प्रात्य बाह्र टी एन. एस -----

शायकर मेधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्त)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस मार-3/4-35/ 86--मत: मुझे, शार० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पम्सात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन तका शीधकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एरिया 208 वर्ग गज है तया जो फर्स्ट और दूसरा ख़ुण्ड पार्ट प्रापर्टी नं० ई-126, ग्रैंटर कैलाग-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसते उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिल्ट्रीकरण प्रवित्तिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीब मार्च,

कां पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाना गया प्रतिफल, जिन्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिल्लामियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे घणने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर निधिनियमें, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अस्तिनयमें, या धन-कर अधिनियमें, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

खतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखिङ चिक्तयों, अर्थाट म्न

- (1) थी भाम नारायन अग्रवाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अन्हैया लाल निवासी ई-126, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) शानी जोहर परनी गुरजीत सिंह जोहर सी-170, पैटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48।

(मन्तरिती)

की यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्धन के विश्व कार्यवाहियां करतः है।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आहे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीर्वत विकतयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में. प्रकावन की स्थाब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति के हित बूब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास विधित में किए पा सकते।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त पथ्दी और पदों का आ उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया है।

वन्स्यी

प्रापर्टी नं० अथम खण्ड और दूसरा खण्ड प्रापर्टी नं० द्र-126, वैटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1, सादादी 208 वर्ग गजा।

> पारं पी० राजेश स्वम प्राधिकारी स्वायक पायकर प्रायुम्त (निरोजण) प्रजैन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 25-11-1985.

प्रकर बाह् हु हो, एवं, एवं,-----

साधकर सरिविषयम, 1961 ई1961 का 43) की पाछ 269-म (1) से धरीन सूचका

STEP SERVE

कार्याक्य, बहायक बायकर बायुक्त (निद्वांक्य) क्राजैन रॉज~1, नई दिस्सी नई दिस्सी, दिनांक 25 नदम्बर, 1985

निर्वेश सं० प्रार्थ० ए० सी०/एवपू०/1/एस प्रार-3/4-85/ 9---वत: मुझे, प्रार० पी० राजेश,

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरनात 'उनत विधिनियम' कहा नया हैं), की वास 269-स में व्योग समाम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का बारम ही कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वम उचित् वाचार मुख्य 1,00,000/- रतः से अधिक ही

बौर जिसकी सं॰ 100 वर्ग गण 1 बी/59, है तथा जो लाजपत नगर, नह विस्ली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिःद्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विस्ली में रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधिकात, तारीख मार्च, 1988

को पूर्वोक्त संस्थित के स्थित बाबार मुख्य से कम के दश्यमान मित्रक के सिए बन्तरित की गई है जोर मुझे वह विश्वास करने क्षा कारण है कि व्यापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबाइ मुख्य, बच्चे दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का निक्त प्रतिकाल का निक्त प्रतिकाल का निक्त प्रतिकाल का निक्त प्रतिकाल के निक्त के न

- हैको बन्ताइन से हुए जिल्ली शाय की वावत करत श्रीष» दिवस से भूपीय कर योगे से बन्दरक से साधित्य से करी कहने वा वावते बजने में श्रीयभा से जिल्हा करि/क
- हैंच) प्रोची किसी भाग ना किसी वर्ग ना मन्य मास्तिनी को विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वर्ष कर अधिनियम, या वर्ष कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा ना ना किया बाना नाडिए था, कियाने में सुनियम के विकार

नकः स्य उपय मीधीनम्म की पारा 269-त में मनसरम् तो, भी, भारत सीमीनम्भ की धारा 269-त की वर्षपाडा (1) ने वर्षात्र विभावित्रक काव्यक्तंत्र वर्षात् क्र--- (1) श्री एस० प्रार० कोहली सुपुत्र प्रभीर चन्य 1 बी/59, माजदत नगर, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) भीमती साविती दुटेजा पत्नी बी॰ सी॰ है दुटजा, (2) मिस सुनीता सुपूती भी कोक नाय, 1 बी/59, भाषात मगर, नई दिस्सी।

(पलिखी)

को वह स्थान वारी करके द्वींक्य सन्गरित के कर्यन के विक कार्यमहियां करता हूं है

बच्या बंपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी मासेप ह--

- (क) इस स्वाम के ,रावपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन की जबधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, वो की क्विध वाथ में समाप्त होती हो, ने भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ वें वे किसी व्यक्ति स्वासः
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-बहुभ किसी अन्य स्थानत स्थान, सभोहस्ताक्षरी के सक्ष डिकिट के किस् का करेंगे।

मनुसूची

भाषटी मं भाषा/59, साजपत नगर, नई दिल्ली, वर्ग सज 100 ।

> भार॰ पी॰ राजेस, बसम प्राधिनारी बहायन भागनर भागुनत (निरीतण) भर्यन रेंब~1, नई दिल्ली

वारीय : 25-11-1988

भोहर ।

प्रकल नाही, हो, एन ब एक ब कार्य

नावकड विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के वधीन स्थना

नारत सरकार

कामोनन, स्हायक नायकर नायुक्त (निह्यक्किन) भर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० घाई० ए० सी०,एनयू०/1/एख घार-3/4-88/ 10--- घतः मुझे, घार० पी० राजेश,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की अरा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मुख्य 1.00,000/- रा. सं अधिक हैं

मौर जिसकी सं० कृषि मृमि 17 बीधा 13 विस्था है तथा जो साधारा मं० 3/17, 3/24, 8/4 और 8/4, गांव जौतापुर, तहसील महरौली में स्थित है (और इससे उपाबस मनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई विस्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाबार मूख्य ते कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्षें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल का प्रेम व्ययमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे बन्तरण के सिए तय पावा नवा प्रतिक क्या निम्मतिबित उद्देश्य से उच्त बंतरण विवित्त में बास्तविक क्या निम्मतिबत उद्देश्य से उच्त बंतरण विवित्त में बास्तविक क्या से किंचन नहीं किया चया है क्या

- [क] बन्तरम् में हुई किसी बाव की बावक, उपक अभिनियम के कभीन कर दोने के बन्तरक के श्रूपित्य में कभी करने या उतके क्यमें में स्विधा के किए: बॉर/बा
- (ख) एसी किसी नाम या किसी पत्त मा जत्म नास्तिक स्तो, जिन्ही भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोच-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया पता था वा किया जाना पाहिए था कियाने में स्विधा वी किए।

बकः नव, उनत विश्विषय की पाछ 269-म से बनुबद्धन वे, वे, अपत विश्विषय की भारा 269-म की उपभारा (1) वे नभीत, विस्तविद्धित व्यक्तियों, बच्चीत् हु--- (1) भी राजिन्दर कुमार पाहुचा पार० एव० वलरा, सुमील कुमार पाहुचा, रविन्दर कुमार पाहुचा भीर सत्या बीर पालिक पार-836, मई राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(यन्तरक)

(॥) गुल केर कारपेट प्रा० लिमि०, ए-12, बन्दना विक्थिन, 11, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली। (धन्तरिक्की)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त श्रम्मीत्त के अर्थन के निव कार्यनाहियां करता है।

बक्त सम्मति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वासीय रू

- (क) इस स्थना की राजपन में बकावन की तारींच की
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर
 स्थना की तामील से 30 दिन की वर्ताभ, को शी
 वर्ताभ वाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वे किय
 व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति वृत्रायः
- (क) इस स्वता के राजपत्र में अकाशन की तारीश व्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृति किसी अन्य स्थावत इवारा अभोइस्ताक्षरी के वार्क मिवित में किए वा शकींचे ।

स्थळीकरणः —इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदी का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजाणि ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा नवा की श

धन्स्यी

कृषि मूमि 17 बीमा 14 विस्था खसरा नं० 3/17, 3/24, अ/4 क्षीर 8/7 गांव जीनापुर, तहसील (महरीली)।

यार० पी० राजेल संक्षम यक्षिकारी बहायक सायकर प्रायुक्त (निरीकण) सर्जन रॅब-1, नई दिस्सी

तारीच : \$2-11~1988

वोहर :

प्रकृप नाव टी रुपू एवं -----

नातकर मिनिस्तात , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत सुचता

भारत सरकार

क्रार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जंन रॉज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाक 25 नवम्बर, 1985

निर्वेश त० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/।/एस प्रार-3/4-85/ 1/1-भारः मुझे, प्रार० पी० राजेश

बायेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 262-व के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित मानार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ंधीर जिल्ला सं एरिया 15 बीवा 14 बिस्या स्वि भूमि है तथा जो अनेतापुर तहतील में हरोती, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीट इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में प्रीट पूर्ण रूप से विल्ली में एजिस्ट्री स्ली प्रियारी के सार्थास्य, नई दिल्ली में एजिस्ट्री एरण स्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमात प्रतिफल का पुन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-प्रति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल निम्निचित्त उद्भवेष्य से उक्त संतरण लिचित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) नम्परण संहूद किसी नाम की नावत, उकत निधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उद्देश क्षाने में जूदिया के निष्: अडि/ना
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिदी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना पाहिये था, प्रिश्वन में अधिकार के सिए:

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरक कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन श्रिमनलिश्चित व्यक्तियों, अधीत :----

- (1) श्री राजिन्द्र कुमार घडुआ, श्रार० एस० बत्तरा, सुनील कुमार श्राहुआ, रिवन्द्र कुमार श्राहुआ श्रीर सत्या वीर मिति है, श्रार 836, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री वीरेन्द्र शिषोर गुलाटी मास्टर विशाल गुलाटी (छोटा) श्रीर (छोटा) मास्टर वहन गुलाटी 3-4/ का० लिशामुदीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(भागतिस्तीर्धि)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त संपत्ति के वर्षन के निय कुत्र्यवाहियां करता हूं।

श्रम्य सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप

- (क) इस सुष्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्ता की तामील से 30 दिन की सर्विध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका स्विसी में से किसी न्यक्ति हवारा:
- (वा) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिट बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए जा सकी।

हुम्ब्ह्रीकररू: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, वो उस अध्याय में दिया प्या है।

धनुसुची

कृषि भूमि तावावी 15 बीमा 14 बिस्सा खसरा नं 3/16, 3/25, 8/5, 4/21/2, भीर 7/1/1 गांव जीनापुर (तद्सील मेहरोली)।

भार० पी० राजेय, सक्षम प्राधिकारी सहातक आधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भागैन रेंग-1, नई दिल्ली

तारीख : 25-11-1985.

प्ररूप: नाइं. टी. एम्. एव , ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्ञ-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस श्रार~3/4~85/ 12⊶श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसात उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० बरसाती। सेट, दूसरा खण्ड है तथा जो ई-219, ग्रीटर कैलाश-2, राई दिल्ली मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची। में भ्रीत पूर्ण स्थास संभित्त है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रीध तरी के वार्यालय, नई दिल्ली में राजिस्ट्रीत रण श्राधिनियम, 1908 (1908) का 16) के ज्यांति, तारीख मार्च, 1935

को पूर्तिकः संपत्ति के तरिवत बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का व रण है कि यथाण्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं िकया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की भावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

(1) श्री शरनपाल सिंह।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसैस् कुसुम ल्ला, 82-ए, डी डी ए, एल० ग्राई० जी० फ्लैटस्, राजारी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्मरिसी)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के गर्वन के निए कार्यवादियां करता हुं।

उपन संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माओर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किमी स्यक्ति स्वारा
- (स) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार बिश्वित में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः—हमर्म प्रयूक्त खब्दों और वर्षों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में ।रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गदा हो।

अनस्यी

बरसाती सेट, 2 दूसरा खण्ड ई-219, ग्रैटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेनरेज~13 नई दिस्ली

5 बतः वन उक्त अभिनियम की धारा 269-न में बन्यस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीयः निम्तिचित स्मिन्तयों, वर्षावः :--- 26—416GI/85

नारीख: 22-11-1985

प्रकार नाद्र स्टी. एन .एच .,------

नायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का 43) **की भाडा** 269-व (1⁾ के **नभी**न सुचना

भारत बहुका

कार्याज्ञ , सहाथक जायकर जायका (निरीक्षण) श्रजन रेंग-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1985

निटण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर/-3/4-85/13:—-अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर भिक्षकी सं ० एम- 66, है तथा जो ग्रैटर कै ताथा-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से लिएत है), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालग, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, नारीख गार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाउर, मृत्य, उसके ध्यमान प्रिक्षिल से, एसे ध्यमान प्रतिक्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षें) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिक्रल निम्नलिक्षित उद्वेदय में उक्त अंतरण निवित्त के बास्तविक कप से कवित नहीं किया नवा है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बायत उक्त ब्रिक्टिक के क्यीन कर दोने की जंतरक की यासिक र कभी करने वा असमें बचने की समिश्य की क्षिक: और/वा
- (ख) एकी किसी आए या किसी धन या बन्य लास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (१९९९ अते 11) या उन्ते अधिनियम, या नकार लीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अंतरिको द्वारा अकाट नहीं किया गुगा था पा किया जाना शाहिए था निरुप्त विकास विकास के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीय: जिस्मीनिमित स्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री कंबल इन्दर पिह, ई-51, एत डी एस ई, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) अञ्चलता घाट लिस प्रा० लिमि०, ए-66, ग्रैटर कैलाजें 2, नई दिल्ली, ए-6, रिंग रोड़, एन डी एम ई-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत अध्यक्ति के सर्वन का जिल्हा कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यां कियों में किसी व्यक्ति इवारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास जिख्य में किन्न का नकीयो।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हो. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो.

अम्ुरी

खाली प्लाट 1 एम- 66, ग्रैटर कैलाश- 2, नई दिल्ली।

भार० पी० राजेश ःक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण), श्रजंभ रेः:- 1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1985.

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिवां 🔾 22 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू/1/एस श्रार--3/4/85:---

1 4--श्रतः मुझे, श्रार० पी० ४।जेश,

अप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धाँर जिसकी संज्योगर्टी नंज 9, शाय तज 9, 88 वर्ग गण है तथा जो जंगपुरा, मार्किट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड धनसुची में पूर्ण रूप में वर्णित है), किस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिस्ट्रीकरण धिधित्यम, 1908 (1908 म 16) के धिधन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री हरदेव सिंह सुपन्न स्वर्गीय श्री वीर्राह्म निवासी सी-1/222/लाज्यन नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुभाय कुमार मुंजल सुपुत्त नंद लाल मुंजल (2) सुसुष्मा मुजल हिनी निर्माना पुमारी पहनी नंद लाल मूंजाल, निवासी 2/बी/26, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं ० शाप नं ० 9, जंगपुरा, मारिट, नई दिल्ली तादादी 99 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 22-11-1985

प्रस्त् आर्थः दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत दशकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस प्रार-3/4-85/ 16---श्रवः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायक क श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५१ थाता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 था को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सभ्यति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ऋौर जित्रकी सं० प्रावर्टी नं० सी-1/80, है तथा जो लाजपा नगर, नई दिल्ली 100 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौरडनरे) उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण कर से वर्णि : है), 'जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीज्ञाण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन, तारीख भार्च, 1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एभे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-ारती (अतोरितियाँ) के बंध्ये एपा अभरण के विध् लंब पाया सथा प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में हास्ताबक मप स काथन नहीं किया गया **ह**ै:----

- (क) मंतरम् चे हुई किसी मान की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोन के बंतरक को दायित्व में कभी करन या उससे वचने में सनिधा क निष्; सरि/या
- (व) एसी किसी भाव या किसी पन या अन्य बास्तियो को, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाता चाहिए था, छिपात माँ स्विका के लिए,
- कतः वन, उकत विधिनियम की भारा 269-ग को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रीनती लिखा पती पत्नी स्वर्गीय राम लाल नियासी 6/630-ए, गोबिदप्री, ाल क्वाजी, नई दिल्ली । (अन्तरक)
 - (2) श्री प्रकाश भाटिया सुपुत्र स्वर्गीय कन्हैया लाल और र्जुब भाटिया सुप 🛪 श्री गोताल भाटिया विवासी सी $-1/\omega$ 80, लाजपत नग , नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारास स 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरूण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रापर्टी नं ० सी- 1/80, लाजपत नगर, नई दिल्ली तादादी 100 वर्गगज।

> म्रार० पी० राजेश. सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेजI. नई दिल्ली

नारी**ख**: 22-11~1985.

प्रक्य बाई. दी. एन. एस. ------

बायकर निर्धातसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के बाकीन स्वना

मारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्तिका)
भार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांच 26 नवम्बर 1985
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस भार/3/4-85/

नायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसमें दस्में पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम ओक्कारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० एरिया 342, 30 वर्ग गण है तथा जो पलाट नं ० 17, ब्लाक-डी, रेलबे एएप्यूजीय रेहेबिलिटेशन भीर हार्जासम विस्डिंग सोसाईटी, बहापुर, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीकर्ता श्रिक्तारी के एर्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रिकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 एग 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

की पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रति-कन निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण व हुइ कि की भाव की बावत उक्त विध-विश्वम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य मो कामी कारने या उनले बचने में सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करो, जिन्हों भारतीय काधकर निर्धानियम, 1922 (1922 की 11) वा सक्त मधिनियम, या भन-नार जांभिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रशंकनार्थ कल्लरिसी बुंबारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वैत्था न्ये लिए;

शक्तः वयः, उत्तक्त विधिनयम की भारा 269-ग के वनुतरर में, में, उत्तक्त विधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (१) कें जभीतः, निम्तमिकिक विकित्यों, कलांक् ः—

- (1) श्री बदरीनाथ सुपुत्र गोपाल स्वर्गीय ग्रार० के० गोपाल (2) प्रापुन्तला देवी पत्नी बदरी नाथ गोपाल निवासी बी-2/85, सफ़दरजंग इंकलव, नई दिल्ली-16 । (श्रन्तरक)
- (2) चम्पाः बगला पत्नी श्री विनय बगला, निवासी— बी-66, एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह कृषना कारो करक प्रांकत तस्मिति के मुर्वन के विष् कार्यनाह्नया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुमूची

पलाट नं ० 17, ब्लाक डी, एरिया 342, 30 वर्ग गज, रेलवे रिष्यूजिस रिहेबिलिटेशन एंड हाउसिंग को मापरेटिव सोसाईटी, बहापुर, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेंन रोंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26- 11-1985.

प्ररूप **नाइं.टी.एन्.एस**्----

नायनक् निथिनियम, 196-1 (196-1 का 43) की भाषा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज−1, नई विरुली

नई दिरुली, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/।/एस धार-3/4-85/ 18:--म्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

मानकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'चकतः अभिनियम' कहा गमाह"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि रूथावर अस्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ह्य ा,**●७,** ७७०/- रा. से अधिक हैं।

म्रौर जिसकी सं० एरिया 321 वर्ग गत्र है तथा जो बी-277, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इससे उपाबड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिए है), रहिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के शायित्य, नई दिल्ला में भारतीय रन्सिट्टी हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के ग्रधीन तारीख, मार्च, 1985

का प्रॉक्त सम्पक्षि के उक्ति बाजार मूल्य से कम के पश्ममान त्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार **मृत्म, अक्षक व्यवसान प्रतिपक्त से. शास** दश्यमान प्रतिपक्त का बंद्रह प्रतिकात से अधिक ही मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नसिधित उद्बेश्य से उसत बंतरण सिधित में नास्त्रीकक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (का) मन्द्ररण संहुद्धांकती बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधील कर दोने के बन्दारक करियम में कामी करने या सकते वचनी में बर्गिया कॅ भिए; वरि∕पा
- 'ता) **ए सी** किसी अग्रय या जिल्ली धन या अन्य आस्तिक को, जिल्ह[ा] भारतीय आचकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वर धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया वाला वाहिए था, कियलों में तुविधा के लिए;

वदाः वयः, धनव विधितिनमं की धारा 269-न के अपवारण मा, मा, अक्त आर्विधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्रो अधीयः, निम्नसिवित स्वनित्तयाँ, अध्यक्ष ः—

(1) श्रीमती गुलाब विचा उत्नी हैमराज विचा, बी-277, ग्रैटर फैलाश→1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) सरस्वती होस्डिंग प्रा० लि०, पंजीकृत कार्यालय 3/6, देणबन्धु गुष्ना रोड, पहाड़ गंा, नई दिल्ली डाधरेक्टर श्री प्रदीप श्रग्नवाल ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्मिकि के अर्जन के सज्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यक्ष स 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील म 30 बिन की अर्जीय, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्तीक्त ज्यक्तियों में में बिक्सी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचका के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर तक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्तित बुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मा किए जा सर्वोगे।

स्वकारिकरणः ——इक्षमें प्रभुक्त कर्का और पदाें का, जो उक्त नौनीनयम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वही कर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी -277, ग्रैटर कैताश -1, नई दिल्ली, तादादी 321 वर्ग गज ।

> म्रार० पी० राजेश, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

तारी**ख**: 25-11-1985.

इयम् आर्ड्टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

मारत चरका

नार्यालय, परायक जायभर काय्कत (निरीक्षण) श्रर्जन रेजि-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 22 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/ 1/एस श्रार-3/4-85:— 19:- -श्रा∃: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर जिथानियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यात करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टू बैंड बाथरूम टू डाईनिंग है तथा जो दूसरा खन्ड, 1/10, श्रविभाजित शेयर ई-540, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार सूस्य से कम के क्रायम प्रितिकल के लिए अंतरित की गई और मूफे यह विकास करने का कारण हैं कि सथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इध्यमान प्रतिकल स. एत्से इध्यमान प्रतिकल का पन्झें प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिकी (अन्तरिकार्ते) के सीच एसे अन्तरिक है लिए तब गाया गरण प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषस्यों से उनता सन्तरण सिवित में खान्तरिक एसे कान्तरिक स्वाप्त स्वाप्त से कान्तर सन्तरण सिवित में खान्तरिक एसे कान्तरिक से कान्तरिक कान

- (क) जन्तरण सं हुई किती बाय की बाबत, उक्त याधीनयम् वे अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वखने में सुविधा के निए; बाँड/बा
- (भ) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जारित्य! का, जिन्हें भारतीय आव-कर गरिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या टक्त अधिनियम, श्रा कर अधिनियम, श्रा कर अधिनियम, श्रा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, क्याने में सुविका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भाटिया भ्रपार्टमेंट, ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह उप्पल एन यू एफ, सी -- 58, फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(भतरिती)

का ग्रह सुचना जारो कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां मुरू करता हुं।

उपल सम्परित के अर्थन के सम्बंध मा कार्च भी अध्यप 🗝

- (क) इस सुकना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुजना की तासील मं 30 दिन की अवधि, जो भी जयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

न्पच्टोकरण:---इरामें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गवा है।

मन<u>ुस</u>्ची

2 वह ैं 2 बाथरूम | डाइनिंग $\frac{8}{16}$ 2 खन्ड 1/10; प्रविभा-जित शेयर, ई-540, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> श्रार०पी० राजेश, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

तारीख: 22-11-1985.

मोहर 🗈

प्रस्प थाई. टो. एन्. एस. ------

भागकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र महायक बायकर बाब्क्त (निडिस्नण) ग्रजंन रॉज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस म्रार-3/4-85/ 21:--म्रातः नुझे, स्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपित्त, जिसका उणित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और िक्षित संव हाथि भूमि 5 बीघा 2 विस्ता है तथा जो केसी नव 176 माहत, गांवा विजवा का, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विषत है), रिजस्ट्री इसी भिष्ठारी के ार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण भिष्ठात्माम, 1908 (1908 तम 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसं दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचौजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सण, उक्त ऑधनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुभाष सुपृत्र मुनी राम निवासी पहाड़गज, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरक)

(2) मैंसर्स लायम एण्ड कम्पनी (कोन्स्ट) प्रा० लिमि० 115, ग्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी नासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जांभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पर्वोक्स व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चत में किए आ सकर्ग।

स्थाप्कीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघा, 2 बिस्वा कमी न ० 176 माइन (5-2) गांव-बिजवासन, नई दिल्ली ।

> मार० गी० राजेग सक्षम मधि कारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंजे∸1, नई दिल्ली

तारीख: 22-11-1985.

प्रकृष कार्यः ही. एव**. एव**.------

बापकर वॉभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-च (1) के वभीन स्चना

भारत सरकार

कार्वाक्षय, सङ्घरक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस म्रार-3/4-85/ 22:-- मत: मुझे, भार० पी० राजेश,

बानकर मिथिनियम, 1961 (1961 या 43) (निन्हें इसमें इसमें प्रथात् 'उफ्त विधिनियम' कहा गया ह"). औं नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी स० कैमी न० 176, माइन (7-0) है तथा जो 7 बीघा, कृषि भूमि गांव बिजवायन, नई दिल्ली में स्थित हैं (ब्रांट इसने उपावड अनुसूची में ब्रांट पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकरी मिश्रारों के नार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिश्रानरण, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, नारीख मार्च, 1985

को प्रिंकत सम्पत्ति के तिवत बाजार मृत्य सं कम के स्थमान अतिपत्त को निष् अंतरित की गई है और मुओ गई विस्तास करने का कारण है कि यथापुनेंकत सम्पत्ति का उचित नाजार भूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमृत् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्मलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण सिवित में बार्स्टिक कम से कांभव नहीं किया गया है ।

- (क) बन्तरण वं हुई कियी बाय की बायत, उपक अधिनियम के लभीन कर दोने के बन्तरक के शियरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों का, जिल्हां भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयन या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना आहिए था कियाने में सविधा के लिए;

बतः वयं उपत विधिनियमं की भारा 269-मं से बनुकरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-चं की उपधारा /।) वे क्रारीय: निजनिविक व्यक्तियों, वर्षात 8----27----416 GI/85 (1) मैरार्स जी एल किना एण्ड अणोधा स्टेट्स बारा**खम्बा**, रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरङ्)

(2) में सर्स सी आयल एण्ड कम्पनी (कन्सट) प्रा० किमि०, 115, प्रमुल भवन 16 के जी मार्ग, नई । दल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना वारी करके प्यॉक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्यत बस्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी स्थितियाँ पर स्वान की सामील से 30 दिन की अथि।, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकीने।

स्वयतिकरणः — इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त जिथित्वयम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक इ, कही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वन हैं।

अन्यूची

कृषि भूमि ताबादी 7 बीधा कैमी नं 176 माइन (7-0) गांब-बिजवासन, नई दिल्ली ।

> श्रा२० पी० राजेण, सक्षम श्रिष्ठकारी, महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

हारीख : 22-11-1985.

मोहरः

The state of the second second

काशकर क्रीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 259-स (१) के अभीन क्यान

बारत सहकार

भाषांलय, म**ह**ाउठ आयकार **आयुक्त (निरांक्षण)**

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां २ 22 नजम्बर, 1985 निर्देश सं० श्चाई० ए० मी०/एफ्यू०/1/ए श्चार-3/4-85 23:--श्चन: मुझे, श्चार० पी० राजेश,

आग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचान 'नकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1 पर 300/-क से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जी—151, काल्याजी नई दिल्ली है तथा जो 200 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विण त है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनिवम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णि माजार मृत्य वे कम के दरमान प्रितिएक के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का उन्ह्र प्रतिकृत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंकिरिकिकों) के भिक एसे अंतरक के लिए तम पामा ममा प्रतिकृत कर मिम्निलिक्ति उद्योदन से उक्त अन्तरण मिनिकत में वास्तिक

- (क) करनारण सो हुन्दै किसी जाब की बावस उनक स्वीध -नियम के ज्यीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्स में कभी अपने या उससे अचने में सुविधा के निए; कौर/या
- (ख) एकी ऐकारी आह मा किसी धन या अध्य जात्सियों हो। जिल्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिक्षा जा जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिका जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिका

कतः जब, उक्त बाँधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीनः, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) श्री देविन्द्र कुमार ग्रीर मुख्त्दिर कुमार, ग्री ए →1/94 पश्चिम बिहार, नई दिल्ली →63.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देश राज उदान, ई-292, ग्रैटर कैलाभ-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए ।

बक्त सम्परिश के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिय या तत्सम्बन्धी स्पवित्तयों पर सूचना की ताजीन से 30 विन की नविभ, को भी जनिय स्त्राप्त होती हो, के भेंडर एक राज्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित्र के बिश अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलका में जिल्ला का सकान ।

स्पर्काकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो स्थल विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्श हुलेगा जा उस अध्याय और लिया पदा ही।

अनुसूची

जी-151, कालकाजी, नई दिल्ली, 200 वर्ग गर्न ।

श्चार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 22-11-1985.

अवस्य साह". टी. एत. एत.

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्थान

भारक बहुन्तर

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 25 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस म्रार-3/84-85/24:--म्रत: मुझे, म्रार० पी० राजेश,

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थामर सम्परित, जिसका उचित बाबाद मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भार जिसकी मं० सी-62, तादादी 323 वर्ग गज है तथा जो डिफोंस दालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), शिंग्स्ट्री एती अधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को ब्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिक्षल से, एसे स्थमान प्रतिक्षल का पन्सह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के नीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित जब्द स्य से जक्त अन्तरण निविद्यत में वास्तिवक रूप से क्षिण निक्रा एका गया है:—

- (क) बलारच वे हुए किसी बाव की बावत : इसके विधिनियम की सभीत कर दोने के बलारच के वासित्व में कमी करने या उससे बचने से सुनिधा के बिय; सरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी पन का बाल बासिस्कों करों, जिल्हों भारतीय जाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 1) या सन्द्रज बिधिनियम, बा धनकर बीधिनियम, बा धनकर बीधिनियम, बा धनकर बीधिनियम, (957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्दरियी धुनारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना बाहिए या कियान में सुविधा के बिए;

शतः अव, उसतः विभिन्तियमं की भारा 269-ए की अनुसरक वें, वें, अक्तः विभिन्तियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) श्री राजिन्द्र नाथ गुलाटी हर्ता (एच पू एफ़), सुपुत्र श्री चुन्ती लाल गुलाटी, जिवासी—बी-1, हरमेश हाउप, 1989, हंबेट स्ट्रीट, पूना-1 द्वारा संबैधानिक जनरल एटोरनी श्री कैलाश नाथ गुपुत्र स्वर्गीय हकुमत राय महता, जिवासी डी-2/80, पंडारा रोड़, नई दिल्ली।

(श्रन्सरक)

(2) श्री गुरेश बत्तरा सुपुत चरन दास बत्तरा, निवासी ए-55, मालविया नगर, नई दिल्ली-17.

(भ्रन्तिरती)

को वह सूचना बारी करके प्रांचित संघारत के अवन के विषय कार्यवादियां कारता हुई।

जनत बंदित के वर्षन के संबंध भ" कोड़ भी आक्षेप . ----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की नामील म ्त विद्या की वर्ताप, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के पीतर प्रांक्त व्यक्तियों में में किसी कावित युवादा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र भी अकाशन को ठाउरिक के 45 दिन को भीतर उपरा का अप सम्पन्ति में ।हराजकुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास रिनीयत में किए या सुकीन।

स्वाकं रणः -- इतिमे प्रयुक्त कत्वां आरि पक्षां का, भां उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं वर्ष होंगा, भो उस अध्याय में दिशा ग्या है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी प्रापर्टी न० सी- 62, तादादी 325 वर्ग गज। डिफ़ेंस कालोनी, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेशं, सक्षम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण), श्वर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

तारीख: 25-17-1985

मोहरः

शक्य आहें, टी. एन. एस.,------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-छ (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस आर—3/4—85/ 25—अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रीप जिसकी सं ० एस-308, तादादी 300 वर्ग गण है तथा जो स्रोटर कैलाश-2, ५ पिल्ली में स्थित है (स्रीप इसरे उपावक अनुसूची में स्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ही तो अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय रजिल्ही वरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमां प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से विभिक्त है और जन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिसत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण, से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (भेती किसी लाय या किसी धन या जन्य गास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर गीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर गीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कै लिए;

लतः अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≝— (1) मैं । आतुरी एस्टेट प्रा० लिमि । जारा डायरेक्टर गुरबक्श सिंह भाहपुरी ए- 5, पम्पोक एन्दलैंब, न दिल्ली ।

(अन्तर्फ)

(2) श्रीमती णुक्ता हैनु चन्दरमती पत्नी एच० एन० राम चन्दरमती 2. डीगभा इन्दरु त्रासवानी पत्नी आई० वेस्वनी (3) बा० आर० वधवानी पत्नी राजू सदवानी, निवासी एस-368, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत सम्मृतित के वर्णन के सम्मन्त में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए ज मकने।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्त्रों और पतों का, बो उक्क अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय कें दिया गया है।

मनुसूची

एस-368, तादादी वर्ग गज 300 ग्रैटरकैलाश-2, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, नई विल्ली

नारीख: 22-11-1985.

प्रस्त नार्षा, डी. एस., एक,, प्राप्त

नावकर निभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यासम्, सङ्ग्यक मायकर भागुका (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एनयू०/।/एस आर—3/5-85/ 26:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इसकों करकात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भ्रोर जिसकी सं० ई-581, है तथा जो ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इ.स. उपायत अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ड्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, गई दिल्ली में आएतीय रजिस्ड्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अश्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिस उद्देश्य से उक्त अंतरण निविस्त में धास्तिक क्ष्म से कमिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्ब आस्तियां को, जिन्हें भारतीय वाबकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कत: वंब, उक्त विधिनियम की भार 269-वं के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं की उपधारा (1) के बंधीन. निम्निसिक व्यक्तिगयों, संबंदि --- (1) मैं० धाहपुरी इन्वज्रटमेन्ट (प्रा०) लि०, 5/70, उब्बल्यु० ई ए०, उन्नेल बाग, नई दिस्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती गुलाब देवी पिन्चा ग्राँग श्री राज पिन्चा, निवासी-ई-581, ग्रंटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

जनत तंपति के वर्षन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी क्योंक्स दवादा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर जबन स्थावर सम्पत्ति में हिन्नवर्ष कियी बन्ध व्यक्ति क्वारा विभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में निष्ट था सकतेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क मो परिभाषिद है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

जन सम्ब

दु एन्ड हाफ सटोरीयड सिन्गल यूनिट हाउस नं०-581, ब्लाफ 'ई' तादादी-400 वर्ग गज, ग्रैटर कैलाम-2 नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश. सक्षम प्राधिकारी, सहायकआयकरआयुक्त (मिरीक्षण), अर्जम रेंज– 1, न**ई** दिल्ली

भारी**य :** 11-12-1985.

AND MIN', 43 . 47 . 48 . HARRESTERN

बायकद नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाछ 269-ण (1) वै नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंभ रंज -1, नई दिल्ली

भई दिल्ली, दिभां र 25 भवम्बर 1985

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/।/एस आ४—3/5—85/ 27:—अतः मुझे, आ४० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुक्क 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी पंज भादार्दा 562 वर्ग गज है। या जो ई-544, ग्रैटर कैं राग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीण इन्नष उपायद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स संपरित को उभित बाजार मृत्य में कम के ध्रयमान पितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास फरने का कारण है कि सथागुर्वोक्त संपरित का उभित बाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं तुर्द किसी जाम की वायक, वर्षक अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक वें शक्तिक में कनी करने वा अध्ये नुष्ये में सुनिया में किए; कोंद्र/या
- (अ) एसी निस्ती बाव का विस्ती अन का वान्य आस्तिको का, जिन्ही भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) में अबदा अभिनियम, का अनकर व्यभिनियम, का अनकर व्यभिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ध्वार प्रकट नहीं किया नवा था वा विस्ता जावा जाहिए था कियाने में अर्थिश की किया के अर्थिश की किया किया की किया किया की किया किया की किया किया

नतः नव, उस्त निमिनियम की भारा 269-न के ननुसरण में, मैं, उस्त निमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क नभीन निम्मसिसिक स्थानतार्थों अभात ए--- (1) अमर हाउस विल्डिस द्वारा बी० बी० अग्रवाल मुपुत आर० आर्थाल, सिवासी बी-47. एम डी एस आई, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अपार सिंह सुपुत्र मानक सिंह द्वारा एटोरनी श्री पी० एम० खन्ना भुपुत्र गोपाल दाख खन्ना ए-45, चन्दर मगर, जमकपुरी, दिल्ली।

(अन्यस्ति)

को यह सूचना चारौ करके पूर्णीक्त सम्मित्ति को अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त रम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जातीय ::--

- (क) इस स्थवा के राजपण में अकाशन की ताराच छं 45 दिन की अविध या तुरसम्बन्धी स्पन्तियाँ पर स्थान की अमीन में 30 दिन को अविध, वो भी जबीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रायत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंग।

स्पर्धाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याव में दिसा वर्षा है।

नम्स्ची

रियर पोर्शन दूसरा खण्ड नं ० ई--544, तादादी 562, वर्ग गज, ग्रीटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजे**श,** मक्ष**म** प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, गई दि**स्ली**

नारीखा : 25→11-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वामा

भारत सरकार

कार्यावय, तहायक मायकर आयुक्त (मिप्रीवाण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमां रु 25 भवम्बर, 1985

निर्देश स॰ आई० ए० सी०/एक्यू०/।/एग সাপ-3/4-85/ 28:—अत: मझे, आर॰ पी० राजेश,

बायकर कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवनास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिसकी मं० द्रेस शोवर ग्राउंड फ्लांर है तथा जो प्रापर्टी तं के 84, बताक-एम, तादादी 295 वर्ग गज ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मुस्य से कम के उपयोग
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ये यह विश्वास करमें
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति कम उपित
प्राचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एन
स्यमान प्रतिफल के वन्यह प्रतिकत से अधिक है
और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
वीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निक्नितिचित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित
रहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, कन्तर अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्मरक थे दायित्व में कभी करने या जससे बचने में सुविका के विष्टुः जीद/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आहिसाओं को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती कुनारा अकट नहीं किया अथा भा या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्श

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में. गें. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भातृ:--- (1) श्री देविन्द्र कुमार सुपुत्र स्वर्गीय हर गोपाल भीर श्रीमती विनोद सरीप पत्नी देविन्द्र कुमार भिवासी ई-84, ग्रैट५ कैलाण-1, मई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एभ० के० बिल्डसं (प्रा०) लिमि० द्वारा डायरेक्टर मभजीत सिंह 36, भई राजिन्द्र भगर, भई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

कांयह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्क संपरि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेंप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की सविध ना तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूपना की तासीच है 30 विन की अवधि, को भी अधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (च) इस सुभना के राजपण में प्रकातन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबंध किसी जन्म स्थानित ब्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किस का सकेंगे।

स्पत्नीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त करों और पत्नों का, वो अकत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ., वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह शें

मनुसूची

प्रापर्टी नं० 84, ब्लाक एम, 295, वर्ग गण ग्रैटर् कैलाश-1, नई दिल्ली ।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

नारीखा: 25-11-1985.

प्रकृष अहर हो. एवं. एस. 🔻 - -

জায় লাম প্রায়ের প্

भारत बरकाङ

कार्यासय, तहायक वावकर भागनत (निराक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 28 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू।/एस आर—3/4—85/ 29:——अतः मुझे, पी० आर० राजेण,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इस्में इराक्ते परभाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संन्याति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० एम - 49-ए, है तथा जो हाल हाली, अई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में शार पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्री हर्ता अधि हारी के हार्यालय, नर्ड दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

करे पर्योवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से साम के कायमाय प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एतं कायमान प्रतिकाल का गंग्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्क अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं इच्च किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के ब्रोन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के कमी करने या उक्क ब्यने में सुविधा के सिए, बाँद/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा कन्य आस्तियां की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्ध अस्तिरती इवारो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सर्विधा के निरा

बर्धः वर्ष उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मोहम्मद अफा ह पुत्र मौहम्मद इक्तीया ह, शिवासी— 5383, रहमान स्ट्रीट, चांवनी चौक. दिल्ली ग्रीर मोहम्मद अशफाक पुत्र मौहम्मद इक्तयाक, निवासी— 5419, रहमान स्ट्रीट, चांवनी चौक, विल्ली।
- (2) श्री दीपक भाटिया पुत्र श्री ख़िलोक चन्द भाटिया, निवासी-सी-की-64, ईस्ट आफ कैलाश, मई दिल्ली।

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिश कार्यवाहियां क्रुक करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीय से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध नाद मों समाप्त होती हो, के शीतर पृथेकि । व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के शीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, के उद्यन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

मन्सूची

प्री० बैरिंग प्लाट नं० एच-19 ए, तद(दी-200) वर्ग गज, कालकाजी, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीच : 28-11-1985.

मोहरः

प्रकृप आहाँ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीय स्वाना

भारत धंस्कार

कॉर्योलय, सहायक बायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 26 सवस्वर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/।/एस आर-3/4-85/ 30:--अतः मुझे, आर० पी० राजेशः

वार्यकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० एरिया 196 वर्ग गज है तथा जो शाप नं० 66, एम, ग्रैंटर कैलाश—1, नई दिल्ली में स्थित है (धीर इससे उपावक अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कीरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितातों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाध्यिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-में की उपधारार (1) के अभीन,, निम्निलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रींमती प्रेमवर्ता सेठ पत्नी स्वर्गीय आ४० एन० सेठ भिवासी——6007 जवाहर मगर, सच्जी मन्डी विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भूषन कुमार उप्पल सुपुत स्वर्गीय श्री मुलक राज उप्पल शिक्षासी ए-2/35, सफवरजंग एनकखेब, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-25 में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सृची

सादादी 196, वर्ग गज 1 शाप पलाट नं ० 66, ग्लाक-एम पैटर कैलाश-1. ५६ दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1985-

प्ररूप आइ रे.टी. एन. एस. - ल-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

भई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर, 1985

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस आर—3/4—85/ 31:—अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्सार जिल्ली सं एरिया 223 वर्ग गण है तथा जो ब -1, वेस्ट जिजामहीत नई दिल्ली में नियत है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व पर ने विणा है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकाण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, कारीख मार्च, 1985

को पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके ख्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री तारा चन्द दीवान सुपुत्र पुरुषोत्तम कास दीवान भिवासी भी-2-85 ए, लारेंस रोड़, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) रेडियम नेमिकस्स वन्सं (प्रा०) लिमि०, डा० जेड् रहमाम मय्यर भिवासी 4348/सी-सी, ग्रंसारी रोड्, दरियागंज, मई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृबोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख धी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तावादी 223 वर्ग मज, बी-1, मिजामुद्दीम वेस्ट, मदै विस्त्री ।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अजैंम रेंज-1, मई विस्सी

सारी**स**: 26-11-1985.

इक्स आहे. ही. एन्. एवं., ५---

नावकर म्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) वे अधीन स्वान

बद्धात् बहुन्कर

कार्यासय, बहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अजैम रेंज-1, मई दिल्ली

नई विल्ली, दिमांक 28 मनम्बर, 1985

णिवेंश सं० आईं० ए० सी०/एक्यू०/रू/एस०आर०-3/4-85/ 32:--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विको इसमें इसमें इसमें प्रकार, 'उन्ता अभिनियम' कहा नया हैं), अभी भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरम हैं कि स्थावर बंपरित, जिसका खिला बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भार जिसकी सं० जी-41 (बी) है तथा जो काल नाजी, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेषित सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानान मिलक्ष के सिए अन्तरित की नहीं ही और मुझे वह विकास करने का कारण ही कि संभापवाँक्त तम्मत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके स्थानान प्रतिकत का बाजार नृत्य, उसके स्थानान प्रतिकत का बाजार मिलक प्रतिकत का बाजार प्रतिकत से सिक ही जोर मेतरक (अंतरका) बार मंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बामा गया मितकन, निम्निजिदित जन्तरेव में उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) ब्रुग्तरण वे हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बल्तरक वें वाक्तिय में कभी करने ना उक्कों दवने में ब्रुपिधा के किए; बीर्/वा
- (क्य) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्यकर मिभिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अभिनियम, यर चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिकी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में व्याख को किथा

वर्णः वयः, उक्त विधितियम की भारा 269-म की वन्तरण वा, मी, उक्त वृधितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्मविक्ति व्यक्तियों, कर्णत् :---

- (1) श्रीमती मनोरमा देवी परती स्व० श्रो आवार तथ मिवासी-जी-41 (बी), अलकाजी, भई दिल्ली। (अन्दर्भक)
- (2) श्री जवाहर लाल पुत्र स्व० श्री भोगा राम, भिवासी 329/331, मुनीलघाट कालोनी, नई दिल्ली। (अनारिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्छ सम्पत्ति के अवस्थान के व कार्वनाहियां मूक्त करता हो।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राज्यन मों प्रकाशन की तारीख का 45 दिन की जनींचे या तत्सेंबंधी ज्यानिएयां अक क्चना की तामील से 30 दिन की अवध्य, आ मी जनींचे बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पर्योख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) वस् जुनना के राज्यस्य के प्रकारक की सार्थाक्ष से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्प्रीश्त की सिक्ष- वस्य किसी काम व्यक्ति एकारा, जभाहरूशभाव के वास मिनिक में किए का सकीये !

स्वकाकरण: ---इतमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधि-निवंत के बच्चाव 20-क माँ परिभाषित हैं,
वहीं सभी डोगा, जो उस अच्याव की दिया की

पनुसूची

प्रौ॰ बैरिंग नं॰ जी-41 (बी), कालकाजी, नर्ष दिल्ली, ता**वाबी-**100 वर्ग गज।

आए० पी० किजिस, सक्षम श्राक्षि ऽी, स**हामक आमकर** झायृक्त (क्षिरीक्षण), **अर्जन** रेंज~1, क**ई** दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्रकृप बाईं्टी . एन . एस , ------

जायका जिम्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीत स्वारः

मार्त सरकार

नगरंशन, सञ्चायक आयमर नायमत (विद्यास) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, बिनांक 25 नवम्बर, 1985,

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/।/एस—आए-3/4-85/ 33:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्रथम खन्ड श्रीर बरताती है तथा जो फ्लोर प्रापर्टी नं ६ ६ 5368, ग्रैटर कैलाम पार्ट-2 कई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित, है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम सारीख मार्च, 1985

शतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्में में विषयां करने का अरण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसमें दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकत से लिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नवा प्रति-दश्य दिस्मी कित उद्देश्य से उसत अन्तरण विश्वित में वास्त्विक का वे किया नहीं किया गया है है—

- हिन्दी मन्त्रपण व कृष्ट किन्दी माथ की बावता, जनक मिनियम के अभीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी कर्रदे या उनके स्थल में सुविधा के किन्द्र; क्षीर्/या
- (क) एसी किसी जाय शर् किसी धन ना क्ष्य वास्तिकों को, विन्हों भारतीय वासकर जीवितवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवितवस, वा बन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रवाधनाथ कन्द्रीरिशी ध्वास प्रकृत महीं किशा स्था भा ना किशा जाना बाहिए या, कियाने जी विकास को विकास के विकास के विकास के विकास के विकास की विकास

अतः सम असर मधिनियम की धारा 269-म की समृत्यक में, में, असर स्थिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) में अधीन, निस्तितिकक अविस्यों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती आधा चाधरी पत्नी सुरेश चांधरी, िदासी-ई-368, ग्रैटर कैलाय, पार्ट-2, पई दिल्ली। (अन्सरक)
- (2) प्रमिला सलवानी पत्नी जीव पीव सलवानी, श्री राजेश सलवानी सुपुत जीपी शलवानी, मिस सुमन पलवानी सुपुत्नी जीपी सलवानी भिवासी-श्री-2, तुलसी विहार, धम्बई-400018.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के जिये कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समिध, परे भी समिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद विविद्य में किए वा सकनी।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्या है:

वप्तुची

प्रथम खण्ड भीर बरसाती पलौर, प्रापर्टी नं ० ६-368, ग्रैटर कैलाश-2, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

तारीख: 25-11-1985.

प्रका नाई. टी. एक. एउ. :=====

लाग्रकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 त्थ (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, भई दिल्ली

भई दिल्ली, दिशां रु 22 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-3/4-85/ 34:--अत: मुझे आर० पी० राजेश,

बायवर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् जिस्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाखार मृस्य 1,00,000 /- रा. से अधिक है

मीर जिल्लको सं० वृत्तरा खण्ड, 2 कमरे, 1 हाल, 2 दयायलट्स भीरएम रसोई है त्या जो प्रो०ई—126, प्रैटरकैलाश—1, नई दिल्ली में स्थित है (प्रोर इतते उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज:ड़ी हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भातीय रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च, 1985

को पुन्हें बत सम्पर्ति को उचित नाजार मूल्य सं कम को स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निक्सास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पर्ति का उद्भित नाजार नृक्य . उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे स्व्यमान प्रतिफल का प्रमुख सं प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्सरितियों) के नीज एसे अन्तरण को लिए तय पाम प्रसा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक क्य से कथित महीं किया प्रधा है 4—

- (क) बन्तरम क्रे हुई किसी बाथ की बावत सकत किंपिनयम के बभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी क्यूने, बा उससे बचने में स्विधा के तिएह बाँड/बा
- (w) एसी किसी जाय या किसी भन या जम्म मास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1,922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया ख्या था या किया वाना वाहिए था, कियाने जे स्विका की सिक्ष

बतः अव, उनत विधितियमं की भारा 269-गं. के बनुस्त्रणे वी, मी, उनत विधितियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के बंधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातं :--- (1) मिसैन साह्नी जोहर पत्नी गुरजीय जिह जोहर सी-170, ग्रैंटर कैलाय-1, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तुलसी जान जी बरतदानी सुयुत्र गोबिन्द शम घरनदानी (2) रेखा रानी टी बरनदानी पत्नी तुलसी दास वसंदानी, निवासी-27, बंगलो रोड़, दिल्ली-7.

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्साक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्रकेर्ण; ----इसमें प्रयुक्त प्रकां और पदों का, थी उक्त विभिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गक्षा है।

सन्तर्दे

दूसरा खण्ड 2 कमरे, 1 हाल, 2 टवाइलट्स, एक रसोई भौर स्टोर। प्रा०, नं० ई-126, ग्रैंटर कैलाश-1, मई दिल्ली।

> आर॰ पी॰ राजेश, सक्षम अधिकारी, सहायक सायकर आयुक्त (दिरीक्षण), अर्जम रेंज-1, मई दिस्सी

सारीच : 22-11-1985.

पोइर :

प्रकृषं नाइ.टी. एन. एस-----

भाषकर मीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत तरकार

कार्याचय, शहायक नाय्कर नाय्चत (निरीक्षण)

भजंत रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनीक 22 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/एस-आर-3/4-85/ \$5:-अक्षः मुझे, आर० पी० राजेश.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

पार जिसकी सं व हाउत न ॰ ई-190. है सथा जो ग्रैटर कैलाश-1, जई दिस्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में पीर पूर्ण का से वाजत है), रिजस्ट्री क्लां अधि कारी के कार्यालय, पई दिस्की में पारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अभैन, 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति से जीवत बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्र कि विद्याल करिक की पद्म हैं और कुछ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह विश्वास करने का कारण हैं कि यका प्रांक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके स्वयंत्राम इतिफल से, ऐसे स्वयंत्रान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं जीर वितरक (वितरकों) और वितरिती (वितरितियों) के बीच एसे बम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित ख्रुष्टिय से स्वत्य बम्तरण सिम्मित में बास्तिवृक्त कम हो क्रिक बहुद किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत, उक्त वीधिनयम के अधीन कर योगे के असारक के वायित्व यो कमी करने या उससे बचने को बुविधा के विद्या: बीर/सा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य अवस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधियोजनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया पया का वा किया चाना चाहिए था, जिपले में बुनिया के तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) की अधीन निम्मलिखित स्वित्तकों, नवीत् :---

- (1) इति कवरजीत सिंह गुजराल पुत्र श्री गुरवण्यम सिंह, भिवासी जी-26, मस्जिद मीठ, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री गुरजीत सिंह जोहर पुत्र श्री अजीत सिंह जोहर, भिवासी सी-170, ग्रैटर कैलाश-1, भई दिल्ली। (अम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रक्त सर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हो।

बन्द संपत्ति को नर्जुन को संबंध में कोई भी नाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की वनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीव सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंबव्ध किसी कम्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाविश हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अरू एकी

श्वाज्य नं • वै-190, पैटर कैलागा-1, नई दिल्ली ।

आर॰ पी॰ राजेंश, सक्षम अधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) सर्जम रेंज-1, मई दिल्ली

तारीब : 22-11+1985.

षोहर :

वक्त मार्केट क्षीं प्रकृत प्रकृत के अ अल्ल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-म (1) के बधीन मुचना

mice exem

कार्याजय, बहारक बायकर वाय्क्त (रेनरॉक्स) मर्जम रेंज-1, मर्द दिल्ली

नदै दिल्ली, दिमांक 22 मबम्बर, 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/\$/एस-आर/3/4-85/ 36:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात जनत निधिनियम क्या नया हैं), की भारा 289-क के अभीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं । सिगल स्टोरी हाउस, है तथा जो 100 वर्ग गर्ज 1-बी/77, लाजपत मगर, मई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत, उक्त किसिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के सिए;

(1) भी घरम पास खहुर, 1—ई/104, साफरत नगर नई दिस्ती।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र शुमार कालरा, 1-ई/104, लाजपत मगर, नई दिल्ली।

(बलिया)

न्द्री यह सूचभा जारी करके पुत्रीकतः सम्परितः के बजीत के निवद्ध कार्यभाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रताशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाड़ सिसित में किये जा सकेंगे।

स्वकाष्ट्रियः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्व नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

प्रवस खण्ड हाउस नं • 1-जी/77, लाजपत नगर, मह दिल्ली 100 वर्ग गज ।

> थार० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक थायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जेम रेंज-1, **पर्द दिल्ली**

नतः शव, उक्त श्रीधिनियमं की भारा 269-गं के जन्सरण ते, मी, उक्त श्रीधीनयमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नसिवित स्थितसों, स्थात् रूल्ल

सारीख: 22-11-1985

योहर :

थक्य बाह्" हो। युष् . **एव** . नरंगनपण्डार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूच्या

माइट परका

कार्यीलय सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिसांक 25 सवम्बर 1985 भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू/।/एस—आर--3/4--85/ 37:---आ: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके प्रधास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1.90,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जि.की सं० 200 वर्ग गज है तथा जो के -100, ए बी, कालना जी, कई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विना है). रजिल्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, कई दिल्ली में भारतीय रजिल्ही करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, कारीख मार्च, 1985

को पृचेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास केरीने की कीरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ेंह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिश्वत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण जिलित के बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (थ) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सकत बिध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक खे शावित्य में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री भरेन्द्र भाषां रामान्यं कुलकरमी सुपुत्र श्री राग्याय गनेश कुलकरनी भिवासी—के-100, ए बी, कालकांजी, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कांशी राम बंसल सुपुत्र लाला अका दास, जे-3/ 362, श्री श्री ए फ्लैटस, कालकाजी, गई दिल्ली। (अरारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्द संपत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां गुरू करता है।

उस्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर के विकाशों में से किसी क्यें किस इंबारो;
- (वं) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगें।

स्यक्तीकं रण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हुँ, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में किंटा स्वां हुँ॥

बन्स्ची

प्रापर्टी नं • के-100, ए बी, कालकाजी, नई विस्ती सावादी, 200 वर्ग गज ।

> आरं पी० राजेग संक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (िरीक्षण) स्रजंश रेंज-1, पर्य दिल्ली

बतः, अव, उक्त अधिनियम की शाग्र 269-च के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारों 269-च की उपधारा (1) अबे सधीन, निम्निचित व्यक्तियों, सर्थात् ह---

तारीखं: 25-11-1985

प्ररूप बार्ड ुटी ु एन , एस .-----

बाबकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 26 भवम्बर 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-आर-3/4-85/ 38:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार अध्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं तादादी 325 वर्ग फुट है तथा जो पर्लौट नं 325 वर्ग गज, डिकेंस कालोती, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणात है), रजिल्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्रीकरण अधिमयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीं मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अञ्चरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित के गरुविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है :---

- विश्व के व्योग कर देने के बन्दरक के बायिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की विश्व को बायिए के बन्दरक के बायिए में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की विश्व को बायि।
- (व) ऐसी किसी आय वा किती धन वा बन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के सिष्ट,

क्त: बब, उक्त विभिन्निय की भारा 269-ग के, बनुसरभा की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लिखित व्यक्तियों। अधीर उक्ति किस्ति विभिन्न विभिन्न की अधीर विभन्निया किस्ति विभन्निय किस्ति विभन्निया किस्ति विभन्निया किस्ति विभन्निया किस्ति विभन्निया किस्ति विभन्निया किस्ति विभन्निय किस्ति विभिन्निय किस्ति विभिन्निय किस्ति विभिन्निया किस्ति विभिन्निय किस्ति विभ

- (1) मेजर ए० के० मिलिक सुपुत मुलखराज मिलिक सी०-94, डिकेंस कालोनी, नई दिल्ली कर्ता मेजर मुलकराज मिलिक ग्रीर संस (एच यू एक०)। (अन्तरक)
- (2) कंवलजीत सिंह सुपुत्र श्री सर्ज्जम सिंह निवासी-बी-52, डिफेंस कालोनी, मई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाओप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान सिसित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका नथा है।

वन्स्यी

तादादी 325 वर्ग गज, डिफेंस कालोनी, **मई दिल्ली** पलाट नं० बी-52।

> तरिक्षी शाजिस, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्र आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभरेज-1, भई दिल्ली

तारीब : 26-11-1985

प्रकृप बाइं टी.एन एस . -----

आयकर **अर्थिनियम**, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत परकार

कार्यका, सहायक कायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जम रेंज-1. मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/४/एस०आर•-3/4-85/ 39--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं बी-19, डिफेंस कालोनी है तथा जो मई दिल्ली तादादी 325 वर्ग गज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स तम्मरित से उपास नामार मृत्य से कम की दक्तमान शिक्षक के जिए जन्तिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का स्वाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दिरित्यों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तिक रूप से कार्या नया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त आधि-निवन के बधीन कड़ दोने के बन्तडक के दारियत के कमी करने वा उससे क्यने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) होती किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों किहें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिहती दूषारा प्रकट नहीं किया ग्या वा वा किया आना आहिए था, कियाने में सुविधा के किया

जत: जब, डक्त जीधीनवब की भारा 269-ग के बन्नरण मो, मो, उपत जीधीनवब की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निन्नितिबस व्यक्तियों, नभीत् १(1) दि कैंपिटल लिमि॰ 19, आर॰ एम॰ मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) रोहित्सवा चंद सुपुत कृषना चंद भौर मिसैस मीना चन्द पत्नी श्री रोहित्सवा चंद ृनिवासी-बीजी-7, एम डी एस ई-2, मई दिल्ली-49.

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्मत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोर दे-

- (क) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्क्ष्यक्ती व्यक्तियों पर त्वना की तानीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी स्वीध वाद में बनाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स स्वतियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस त्यना के प्रावपन में न्कावन की सारीय के 45 दिन के शीएड उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-क्व्य किसी नम्ब व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकड़ी के पाय सिविस में किए जा स्क्रेंने।

रुपक्षीकरणं - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उन्स अधिकृषक के सम्बाद 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होगा को उस सम्बाद में विका पदा हैंडि

समस्यो

बी-19, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली, दादादी 325 वर्ग गज।

> आर०पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, मई दिस्ली

तारीखः: 25-11-198≸.

प्रकप बाई.टी.एन.एस.------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसम, सहायक सायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, मई दिल्ली

गई दिल्ली, दिमांक 25 मवस्यर, 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/।/एस-आर-3/4-85/40:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० तादावी 400 वर्ग गज, है तथा जो बंसत बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिकास के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिकास से एसे बश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिवत उद्बोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बालायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त वीभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उत्तसे बचने में सुविभा के सिए; और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हा

कतः सम उक्त विभिनियम की भारा 269-ग-को सनुसरण मो, मी, अक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारार (1) के बभीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) अरिन्दम सैम सुपुत्र स्वर्गीय अमार जांता सैन, भिवासी सी--145, सर्वोदय एनकलेव, नई दिल्ली । (अन्नरक)
- (2) डा० गोपाल सिंह सुपुत्र स्वर्गीय आत्मा सिंह, मिसैस इन्दरजीत गोपाल सिंह पत्नी गोपाल सिंह, भिसैस जसलीन सिंह सुपुत्री डा० गोपाल सिंह निवासी—7, पूर्वी मार्ग, बसंत बिहार, मई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

हाउस लीज होल्ड पलाट नं० डी $-\epsilon/20$, तादादी 400 कर्म गज । बसंत विहार, मई दिल्ली ।

आप० पी० राजेश, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज---1, मई दिल्ली।

सारीख: 25-11-1985.

मोहर 🛭

इक्य बाइ', टी, एन, एस्,

न्यामापु नाभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-थं (1) के नभीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिली

नई विल्ली, दिनांक 25 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० भार०/3/4-85/41---भतः मुझे, भार० पी० राजेश,

बावकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उनते मधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-व के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कालन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक है

भौर जिसकी संख्या बना एरिया 2296 वर्ग गज है तथा जो प्रापर्टी नं० 96, वैश्व रोड, नई विल्ली में स्थित है (और इससे छपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिल्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रें रूरण प्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के धिधीन, दिनांक मार्च, 1985

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और कुन के वह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपक्ष है, एसे स्थ्यमान प्रतिपक्ष के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और क्लरक (अप्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे क्लरक (अप्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे क्लरक के किए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नसिखित उद्देश्य के स्थल क्लरण कि सिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त मियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी धन वा क्य कास्तिकों को, विन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में वृत्तिधा के सिक्;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री रमानी सुन्दरम
 पुत्र भी एन० सुन्दरम
 निवासी 94/1, बैंग्रर्ड रोड, नई दिल्ली-1
 (प्रन्तरिडी)
- 2. श्री प्रवीतं कुमार ग्रग्नवाल पुत्र श्री ग्रात्मा 'राम निवासी 68, बबर रोब, नई दिल्ली 1। (प्रग्तरिती)

को यह सुभाग जारी करके पूर्वोकत सम्परित के अर्थन के किए कार्यसाहियां करता है।

बन्ध सम्पत्ति के क्यान में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 2--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तर्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि यो भी अविधि बाद में अमाप्त होंगी हों, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्लाकिरणः ---इसमें प्रयुक्त सक्तों और पर्यो का, को उसत विधिनियव, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ होगा, को उस बध्याय में विधा क्या है।

पनुसूची

चायदाय सं॰ व्लाट नं॰ 10, ब्लाच नं॰ 80, नीग्रम एस 98, वैग्रर्ड रोड, नई विल्ली-1, तायाची 2289 वर्ग फीट।

> घार० थी० राजेस, समम प्राधिकारी, बहुायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्षेन रेंच दिल्ली-1, नई थिल्ली

दिनोक: 25-11-1988

नोहर:

प्रकृष काई. टी. एत . एस . ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भाषा 269-म (1) को नभीन मुचना

भारत सरकार

कार्याकर, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 विद्यान्वर, 1985 सं॰ धाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/1/37ईई/4-85/1627:---धतः मुझे, घार॰ पी॰ राजेश,

नायकर निर्माणयम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके परचार् 'उनत निर्माणयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों का वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित्त, चिसका उपित नामार मुख्य 1,00,000/- रह से स्थिक है

और शिसकी संख्या एलैंट में० 207 है तथा ूंजो 19, बारा-चम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व धनुसूची में पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्री हर्ता ग्रह्मिशारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रह्मिनयम, 1961 के ग्रह्मीन, तारीख ग्रील, 1985

को पूर्वोक्य सम्पत्ति को उचित बाजार बूस्य से कम के क्ष्यभाग शितकान को लिए बन्तरित की नहीं है और मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरियी (बन्तरितियों) की बीच एसे बन्तरण के जिए तब पास जवा प्रतिफल, निम्नतिकित उद्देश्य से उच्छ बन्तरण सिविक के वास्तिक क्ष्य से क्षिया नहीं किया गया है हु---

- (क) बन्दारण के हुए किसी नाम की बावता, उत्तक मिनियम के नभीन कर बोने के सन्तरक से शनियम में कभी करने या उसके मचने में सुविधा के किए; सरि/सा
- (व) हैची किसी अन म। किसी धन मा जन्म जारिका को, जिन्हों भारतीय सामकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधमार्थ क्लारिती व्याप प्रकट रहीं किया गया था मिना वाना वाहिए था, क्लिया में स्विधा के लिह;

बद्ध: वर, संबंध विधितियम की भाष 209-न के अनुसरक में, में, अबत विधितियम की भाष 269-न की स्थापाय (1) के नभीम, निम्मतिबिध व्यक्तिकों, महर्ति क्र-- मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेशन,
 1006, केचन जुंगा, 18, धाराखम्बा रोड,
 मई दिल्ली।

(मन्तरक)

मै० श्रीमान इन्टरनेशनल (प्रा०) लि०,
 डी-94, हिमालया द्वाउस, 23,
 कस्तूरबा गांधी माग, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचवा के उजपन में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्य अविकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअपी के पास सिक्ति में विग्र जा सकोंगे।

स्पानिकाण:---- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उपह अभिनियम, के अध्याय 20-क में दरिशालिक हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

weeks with the same of the sam

पसैट मं॰ 20%, वूसरी मंजिल, त्रोपोजिस मस्टी स्टीरी बिल्डिंग कर्मांचल, धरूणाचल, 19, बाराबस्था रोड, नई दिल्ली-सांबाबी 500 वर्ग फिट।

> धार ी० राजेश; स्थाम प्राधिकारी, सहायक पायकर धायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंग्र-1, दिस्सी मधे दिस्सी

तारीख । 2-12-1988 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भाषा (1) के सभीन स्थना

भारत चंडकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रॅज-1, नई विरुली

मई दिल्ली, विनोक 2 विसम्बर, 1985

निवेंश सं॰ माई॰ ए॰ सी॰/एनंयू/1/37ईई/4-85/1628.— मत: मुझे, मार॰ पी॰ राजेश,

ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से गाँधिक है

जीर जिसकी संख्या फ्लाट नं० 313, है तथा जो 2, तिलक भाग, नई विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद भनुसूची में पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई विल्ली भारतीय धायकर ध्रधिनियम, 1961, के ध्रधीन, सारीख ध्रप्रैल, 1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाज़र बूक्द, ससके स्थमान प्रतिकार सं, एस स्थमान प्रविकास का बुक्द, ससके स्थमान प्रतिकार सं, एस स्थमान प्रविकास का बुक्द प्रतिकार से मिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच होंसे बंत्रच के बिए बद बाया प्या प्रतिकार, निम्मीसित्त उद्योग से स्वत बंतरच विकास से बास्तीयक रूप से क्यान नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण वं हुई रिकारी बाग की नायक, उपक् वर्षिशितय के अभीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उच्च नेचने में सुविधा के फिए; जीक्ष का
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अच्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय जायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धृत्कंद्र व्यिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिरिती द्वारा प्रकश्च नहीं किया वंदा चा वा वा वा वा वा विध्या में स्विधा की सिर्या

भवत भव, उन्त मुभिनियम की भारा 269-न के बन्धरक भी, भी, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की ज्यभारा (1) जो क्यीन, निम्मविधित व्यक्तियों, धर्मात क्र- 1. मै॰ रविन्द्रा प्रोपरटीज (प्रा॰) लि॰, 2. सिमक मार्ग, नई विल्मी।

(प्रस्तरक)

अधि हेमन्त चड्डा, एम-44, ग्रीटर कैलाश-1, मई विस्ली।

(प्रम्तरिती)

को यह स्वता-कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त बन्दरित के बर्बन के बन्दरभ में कोई भी बालेंच :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध कार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में सं किसी अपितत स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारीब ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्षभ किसी कम्य स्थावत दुवारा, सभोहस्ताकरी वे राष्ट्र विविध्य के लिए वा कर्केंचे ।

स्वाधितक :-- इसमी प्रयुक्त शस्यों और पहाँ का, वो उक्त विश्वित हैं। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में दिवा वया हैं की

पनुसूची

पलट नं• 313, तीसरी मंखिल, 2, तिसक मार्ग, नई दिस्सी, तादाी 1800 वर्ग फिट ।

> धारं पी॰ राजेश, धक्तम प्राधिकारी, बहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज--1, नई विस्ती--110002

वारीय । 2--12--1985 पोदुर:

प्रकथ बाहै दी. एन. एस. १०-----

नायकर अधिनियम, : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचमा भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

सं• झाई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-85/1627:---झत: मुझे, झार० पी० राजेश,

नायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निश्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च में नभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 8 है, तथा जो 19, बारा-बम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर

प्रधिनियम, 1961, के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 1985 को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भून्य से कम के दरगमान प्रतिकत्व के लिए अन्तरित की गई है और पृष्ठे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसकें दरगमान प्रतिफल से,, ऐसे दर्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिग्रत के बिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) नंतरण ते हुई किसी बाय की बावत, बक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक हैं दासित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जोर्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिनों की जिन्ही आर्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा की जिए;

् बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अर्थ ।, जिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— मै॰ कैलाश नाथ एण्ड एसोसिवेटस
 1006, कंचन जुगा, 18, बाराखम्बा रोड, गई दिल्सी।

(प्रत्यमर)

अमस्टर सचिन शर्मा और भास्टर सुसन्त शर्मा (दोनो माइनर) द्वारा पिता एन०/जी० भी डी॰ धार॰ समी, डस्ट्यू॰ 129, पैटर कैसाश-1, नई दिस्सी।

(प्राप्तरिवी)

ना यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् न र्थमाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के नर्पन के सम्मन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) रत सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगे। वो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

धनुसूची

क्लैट नं॰ दूसरी मंजिल; तावादी 500 वर्ग फिट, प्रोपोजिट पस्टीस्टोरी कर्माणयल बिल्डिंग, 'घरूणाचल, 19, बाराखस्त्रा रोड, नई दिल्ही।

> मार० पी० राजेश, धन्नम प्राधिकारी, बहायस भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई विस्सी

वारीव : 2-12-1985

प्रकप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बामकर आयुक्त निरोक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या सी०--33, है तथा जो एन० की० एस० दै०, पार्ट--1 नई विल्ली, में स्थित हैं (और इसने उपायद प्रमुद्ध में पूर्ण रूप से विल्ली, राजिस्ट्रीनिसी अधिकारी के कार्यालय अर्जन रज--1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) यौर अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उच्चेंश्य से उच्न अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई अिली आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस्से बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आम या किसी धन या क्या वास्तियों को, जिन्हें भाररतीय बाय-कर किशिनयम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किथिनियम, या धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उन्तर विधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) को बधीन, निम्ननिधित व्यक्तियमों, अर्थात् :---

- श्री श्रमप भटनागर और श्री श्रमप भटनागर, सी०-33, एत० श्री० एस० श्री०, पाई-1, मई दिल्ली।
- श्री एम० एल० वर्मा और श्रीमती साधिती देवी, 671, कोटला मुवारकपुर, वर्ष दिल्ली।

(घन्डरिती)

(मन्दरक)

को यह सूधना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हूं।

जबत सम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकर्गे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त वान्यों और पवाँ का जो उस्त निय-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृत्यी

मन्द प्रोरान, सीव-33, नई दिल्ली साउच एक्सटेग्शन-1, नई दिल्ली, तादाधी 985 वर्ग फिट।

> न्नार॰ पी॰ राजेश, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

सारीख: 2-12-1985

मोह्य :

प्रकृप कार्द्द , ट्री_ट एन<u>ः एस् _{स्थानसम्बद्धमान</u></u>}

अध्यकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारत 269-च (1) के वधीन स्चमा

भाउत जरका

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्रक)

धर्जन रेंज 1, मई दिल्ली

नदी दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

तिर्देश सं० स्राध्वे० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-85/1631---श्रतः मुहो, श्रार० पी० राजेश,

श्रायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

और जिसकी तंब्या पत्रैंट पत्रेचियां मंजिल, है तथा जो 34, फिरोजराह रोड, वह दिल्ली में वियत है (और इससे उपा-वड़ अनुद्वा में पूर्ण कर से विणत है), रिजर्द्वीकर्ती अधिकारी के कार्यातरा, अर्जन रेज-1, वह दिल्ली भारतीय मायकर सिंधित्यमं, 1961, के अधीन, तारीख अप्रैल; 1985 को पूर्णक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से बिधक है और अंतरक (अंतरकरें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया बितफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित बे ज्यस्तिक कर से किवित वहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जान की बावस, सनक अधिनियम के अधीन कहें दोने से जन्तरक से दायित्य में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और
- (क) एसि किसी माय या किसी धन वा वस्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय अथकर जिधिनियम, 1922 € (122 कि 11) या लिंह अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कि गा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए।

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीत: निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हु----30---416GI/85 विकास चन्द्रा और चिनित चन्द्रा,
 ईश्चर नगर (ईस्ट) मथुरा रोड, नई दिल्ली।

(पन्तरक)

2. श्रीमती तानी भागेषा और श्री राजीय भागेषा, निवासी-18 जी, महारानी बाग, निक विल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड भी बाओप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध गढ़ में अविध गढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड सिक्ति में किए जा सकेंगे।

वन्त्रची

फ्लैट साउब टाकर, पांचवीं मंजिल प्रोपोजिट मस्टीस्टोरी बिस्डिंग, 34, फिरोजगाह गोड, नई दिस्सी, नावादी-1844 वर्ग फिट।

> हार**० पी० राजेश** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर पायुक्त (नि**रीक्षण**) शर्जन रेंज-1 **नर्श** दिस्सी

तारीख: 2-12-1985

इक्स बाइं . टी., एन., दुसं . -----

प्रायकार श्रीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (म) (1) के स्थीन भूमना

मारत बरकार

कार्यातव, सहायक कामकार वायुक्त (निर्देशका) ग्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

मिदेंश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4--85/1632:-----भत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इनके वश्याल् 'उक्त मधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च को नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 103, है तथा जो 7, टाल-स्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसं। उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961, के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985।

का प्रोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के अवसान विकास के सिए जंतरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ण है कि वधायुनोंकत सम्पत्ति का अधित बाधार मृत्य, उसके ध्रवमान प्रतिकास से, एसे ध्रवमान प्रतिकाल का धृत्य, उसके ध्रवमान प्रतिकास से, एसे ध्रवमान प्रतिकाल का धृत्य प्रतिकात से जिपक है जीर जंतरक (जंतरका) जोर जंत-रिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाय: ध्रवा प्रतिकाल निम्नित्तित्व स्व प्रदेशिय से उक्त जंतरण सिकित के वास्तिवक स्व से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ते हुइं किसी शाय की बाबत, स्थल अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के विधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विभाग और/वा
- एसी किसी बाय या किसी भन या बन्च जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया आना जाहिए था, खिपाने यो स्थिता के सिए;

अतः थयः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-म के अनुसरण बाँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीकः, निस्तिनिक्ति व्यक्तियाँ, जर्मात हः— मै० मार० के० इन्टरनेशनक [एन→8, प्रैटर कैलाग→1, [नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 मै० जीत एयर ट्रौसपोटैंगन (प्रा०) लि०, आई०--23, महारानी बाग, नई विल्ली।

(मन्तरिति)

को सह पुत्रमा भारी करने पुत्रों कर कमिस ने वर्णन के किए कार्यमाहिमां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी विकतमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के वच्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस बच्याय में दिया गया है।

मचर्चा

फ्लैट नं ॰ 103, पहली मंजिल, 4-7, टालसटाय माग, नई दिल्ली, तादाबी 443, वर्ग फिट।

> भार० पी॰ राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 2-12-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बावकर विभिनियन, 1961 (1961 व्य 43) का भारा 269-म के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० मार्द्द ए० सी०/एक्यू/37र्द्दि/4-85/1633---म्रतः म्से, मार० पी० राजेश,

नायकर निभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्कें इसके पहचात 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से निभक है

और जिसकी संक्या पर्लंट नं० 509-ए है तथा जो 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर प्रधिनियम,

1961, के प्रधीन तारीख प्रप्रैल, 1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके का मान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं शिषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण तिक्ति में बास्तिक रूप से कृष्ण नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण खेहुई किसी बाब की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (व) एके हैं किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्— मैं० प्रगती कन्ट्रक्णन कस्पनी (देविका टावर)
 चौथी मंजिल, सटीला हाउस, 73-74,
 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरबीर सिंह राही और मास्टर ग्रिंगिश भुवेजा (माइनर) यू/जी श्री हरबीर सिंह राही निवासी 26/52, पंजाबी बाग, (वेस्ट) नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रक्षपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाच में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निकास में किये जा सकी।

स्यद्भीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

बुकिड प्लेस नं० 409 -ए, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, देविका टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी-405 वर्ग फिट ।

> श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निर्माक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली

म**ई** दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

मिर्वेश सं० श्राष्ट्रि० ए० सी ०/एक्यू / 1/37 र्ष्ट्य / 4-85/1634--भतः सुझे, श्रार० पी० राजेशः,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भक्कार्स 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्त्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 20, हैं तथा जो 80, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिल्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर प्रधिनियम,

1961, के अधीन, तारीं अ अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के परियमान श्रीतफल के लिए बंसिंग्त की गई हैं और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण हैं कि यक्षाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकास सं अधिक हैं और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स मिर्मालिखित उद्वोदय सं उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक दन से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बंतरण सं हुंद किसी आय की वावत, उक्छ विधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; वार/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्तिथा के किए।

क्यः जयः, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वा, वा, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, जिल्लामिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— मैं० सुरेश चन्दर, दिनेश चन्दर, निचास 537, चोदनी चौक, विल्ली।

(प्रन्तरक)

श्री पी० के० जैन (एच० यू० एफ०),
मास्टर अयशीत सिंह
पुत्र जसबन्त सिंह और
श्री मानोर जैन
पुत्र श्री एल० झार० जैन,
पुत्र श्री एल० झार० जैन,
पुत्र विल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संवित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ एम- 20, 83, नेहरू प्लेस, नई विलंगी तादाशी 680 वर्ग फिट।

> मार० पै॰ राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (िरीक्षण) मर्जन रेंजण-1 मई दिल्ली-110002

तारीखः 2-12-1988 मोहर्षः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस------

माधकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रज-1, िल्ली

नर्ध दिल्ली, वित्तंक 2 दिसम्बर, 1985

नियेश सं० ऋई० ए० सी ः /एक्यू / 1/37ईई/ 4--85/1635- --मत: मुझे, आग० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मृल्य 1,00,030/- रा. से अधिक हैं

भौर शिक्षकी सं० प्लाट 19, ए है तथा जो :नाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इ.). उशबद प्रमुद्धी में पूर्ण रूप से परिवत है). रिजास्त्री एति शिक्षकारी के कार्यालय मर्जन रेंज- 1, नर्प दिल्ली भारतीय आपकर अधिनियम, 1961, के अधीर, तारीज अप्रैल, 1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान तिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एंसे द्रायमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अंधीन कर दोने के अन्तरक को दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कर प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रिंपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) वै अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियमें नथीतः—— ा. मैं० क्विका कल्द्रपात (प्रा०) लि०. 15/4581, श्रम्भवाल रोड, दरिया गंज, न**र्ष दिल्ली**।

(भन्तरक)

2. डा० एस० के० तस्या, िवासी एस- 41,, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली और डा० शास्त पासरिचा, निवासी डी-4, श्रन्सारी नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्डिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित- के सित अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्तक्तरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मन्सूची

कर्माभयल फ्लैट, तादादी 337 वर्ग फिट, तीतरी मंजिल, बिल्डिंग अन्दर कन्स्ट्रक्शन प्लाट नं॰ ए 19. कवाट सर्कस, विद्या

> मार० पी० राजेश, सलम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीजण) श्रजेंन रेंज-1,नई दिल्ली

वारीच: 2-12-1985

भोहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियन, 196 श् (1961 का 43) वर्ग वारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, दिल्ली

नषे विल्ली, विनोस 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी॰/एक्यू/ 1/37ईई/4-85/1636:--मत: मुझे, भार० पी॰ राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम धेवली, नर्ध दिल्ली में लियत हैं (आर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञ हैं), रजिन्द्री हती श्रधिकारी के कार्यालय, फर्जन रेंज-1, नर्ध दिल्ली, भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1931 के प्रधीन, तारीख धप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का जीचल नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्ती (अंतिराह्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित स्व्येपय से उकत अन्तरण जिवित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जात की वालत्, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने से अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरतीं ब्वारा प्रकट महीं किया गवा या या किया जाना चाहिए या, क्रियाने वें स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात :— मैं० कोनसोलीडाटिङ महचिन (प्रा०) लि०,
 भैं०- 93, लाजनदनगर-1,
 नष्ठ विरुत्ती।

(मन्तरक)

श्रीमती बी० कामबाटा,
 162, जोर बाग, नई दिल्ली।

(मतरिसी)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तत्र्यत्ति के वर्चन के किए नार्यनाहियां करता हो।

बनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जविभ या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जो उक्त जीभीनियम, के अभ्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विका गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादादी-1, चिमे, 13, बिम्बे, खसरा नं 8/2, रेचन्यू इस्टेट, ग्राम-देचली, तहसील महरोली, मई हिस्ले ।

धार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-1 नई दिल्ली-110002

वारीय: 2-12-1985

मोश्वर:

प्ररूप जाइ^{*}.टी. एन. एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रज-1 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पलेट नं 1402, हैतथा जो 89; मेहरू पलेस, नहें दिल्ली में रियत है (और इससे उपायद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से धणित है), रिजिस्ट्री हतीं अधिकारी के कार्यालय धर्जन रेजिला, नई दिरली भारतीय आयकर श्रीक्षित्रम 1961, के श्रीक्षा, तारीख श्रील, 1985

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी आवत अकत जिभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारः प्रकट नहीं किया गया था ये किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

मै० कि० एल० ओसवाल एण्ड सन्स,
 301, मचदूत, 94, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली (प्रश्तरक)

2. श्रीमती सरला रायजादा पत्नी भी सुशील कुमार रायजादा, डी-40, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिस्सी।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्परित के राजीन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (फ) इस स्पना के राज्यव में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अयिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पाकां करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त लिक-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

पत्तैट नं ॰ 1402, 89, मेहरू पलेस, नई दिल्ली (सकीपर टायर), तादादी 409 वर्ग फीट।

> न्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजेंन रेंज 1 दिस्सी,

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त राधिनियम की धारा 269-च की संपंधाराः (1) को अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् —

सारीख: 2-12-1985

मोडर 📜

प्रकष बाइं. टी. एन : एस : -----

थायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण)

श्रजैन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 10 दिसम्बर 1985 निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/4--85/1423/ 892---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जातका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्सा (जिसे विश्वास का विश्वास है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ए/2, ज्लाट नं० 2, बताक नं० 95 है तथा जो भाकिट रोड, गोल माजिट, यह दिल्ली में ध्यित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विश्ति है), रिकासीमती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेजें 3, यह दिल्ली भारतीय प्रायंकर अधिनियम, 1961 अधीन, तारीख प्रमेल, 1985

को पूर्वे वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि दृश्यमानित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नु प्रतिसत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कम से कथित नहीं किया गया हैं:--

- पूँक) जंक्षरक से गृद्धे किसी बाय की बाबल, उथस विवित्यम को अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे व्यने में सूबिक। को चिए; शर्दि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अंति के के अपन्य का स्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अंति के कि किया मा अस-कर अधिनियम, या भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ संतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया अना भाहिए एए, कियाने में हुविधा के निरः

बतः करा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) अ अभेग जिल्लामिकिट व्यक्तियों, वर्षात् क्रमा 1ं मैं० शी० एल० एच० युिवसँस लि०, एच० ओ० 21--22, नरेन्द्रा पलेस, संसद् मार्ग, नर्द दिल्ली।

(घग्अरक)

 भीनती तापोती शुःशुः शाल परती श्री श्रीभताप शुःशुः घाला, भार० 18, साउथ प्षषटेग्यन, पार्टे-2, गर्द विल्ली।

(अन्त्ररिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद
 सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो त्री
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वा वा 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हित विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी वा पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनस्ची

एपार्टमैंड नं ए/2, प्लाट नं॰ 3, ब्लाक '95. मार्किट रोड, गोत मार्किट, नई बिल्ती, नाबाबी 1274.65 वर्ग फुट।

> श्वार० पी० राजेश, मन्त्रप्रशाधिकारी, सहायक भायकर श्रापुष्टा (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 नई दिल्ली,-110002

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस . -----

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, दिल्ली नई दिल्ली, तिसक 2 दिसम्बर 1985 निदेणमं०श्चाई० ए० मी०/एक्यू/1/37ईई/4--85/1638---श्चनः मुझे, आर०पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्रा फ्लेट नं बी-2 है तथा जो प्लाट नं 36, केलाम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के प्रधीन, नारीख अप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जंबरित की गई है और मुफे यह विश्वास अरने का कारण है कि मथलपूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकाल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से आपक है और अंतरक (अंसरकों) और अंत-स्वी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपन्त, निम्निशिवा उक्ष्यका से उक्त अंतरण शिवित में धारतीयक रूप से कीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य बास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर बौधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क अधिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ताना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, प्या अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (*) अधीय जिल्लामिक व्यक्तिकों, **समीत ह**रू • 31—41601/85 म० ईलाईट डिचलोपर्स (प्रा०) लि०, 115, फ्रन्सल भचन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 म० राम दिता जिबन्दा राम, नारंग पब्लिक चेरीटेवल ट्रस्ट, ए/43, न्यू फैंडम कालोगो, नई दिल्ली।

(ग्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हो।

उसत सम्मित के अर्जन के तंबंध में कार्द भी अव्योग :---

- (क) इस सूचना के राध्यम में प्रकारण की सम्बंध से 45 दिन की अवधि का सरकारण अधिराधों पर सूचना की सम्बोध से 30 चिन की समित को की जनविश नाद में सम्बोध होती हो, के भीकर पूर्वेच्य व्यक्तियों में से भिन्नी अधिनक दणाया;
- (व) इस स्कूलन के सम्बद्धन में अस्तान की सम्बद्धि से 45 किए को भीकर स्थानर स्थानिक में दिश्यमपुर्थ किसी अन्य स्थानिक कुनारा अभोक्त्साकरी के राव निर्मित्त में सिक् का सम्बद्धि।

वन्यूची

फ्लैंट नं० बी-2, प्रोपोजिंड ईलाईट हाउस, प्लाट नं० 36, कम्यूनिटी मेन्टर, कैलांग कालोनी, एक्सटेन्गन (जमरूद पूर) नई दिल्ली, तादादी 420 वर्ग फिट।

श्चार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1 दिल्ली

तारीख: 2--12−1985

प्रकार शाहर दीं । ह्या . एका , १००० वर्गा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 260-य (1) के अधीन स्वनः

MITT HERITA

भगितिकः, सह्ययः गयकर नायकत (निर्धिकः)

श्रर्जन रेज-! दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-85/1639---

श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बाग 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 503 है तथा जो 38, नेहरू पलेम, नई दिस्ली में स्थित हैं (और इसने उराबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय प्रार्चन रेंज-1, नई दिल्ली. भारतीय श्रायंकर अधिनियम, 1961 के श्रिधीन, नारीख श्राप्रैल 1985

करे प्यांकत संपक्ति के उण्यार बाजार मृत्य में कर के दश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास अपने का का यह कि संध्युवेंक्त संपित्त का प्रधित जाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्मालिकित उद्ध्वेंच्य से उक्त कन्तरण लिखित में भ्रत्यांवर क्षण र क्रिश्च प्रशितिकार ग्रांकर कर्तारण है —

- (क) जन्तरण से हुद्दे किसी जाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के अधीन कार धाने के जन्तरक की बाधिस्य वी कभी करने या उनमें जवने मी मृतिधा के लिए; जॉर/बा
- (ण) एमी किसी शय या किसी भन या अस्य बास्तियां का जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बाकत अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशरा किट नहीं किया गया था या किया बाला चाहिए तो, जिल्हाने में मित्रिश के जिल्ह.

लेशा अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण थी. भी, उक्त अधि।यम की धारा 269-च की संग्रास्त (+) है अधीर: िजनिविधित व्यक्तियाँ, अभीत :---- मैसर्भ अन्मल प्रोपएटीज एण्ड इन्डुल्ट्र (प्रा०) लि०, 115, प्रन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रातिना सम्बन्धलं, पत्नी श्री वाई० सबरघालं, निवासी 18, सर्कंस एवेन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करल हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यात्रस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींगर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख ते 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरण:—हगर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 503, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली नादादी 584 घर्ग फुट।

ग्रार० पी० राजेण, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, दिल्ली

नारीख: 2- 12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनाँच 2 दिसम्बर, 1985 सं० फ्राई० ए० सी० एवेन० एक्यू/1/37ईई/4--85/ 1640: --अत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्ब 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 817, हैं तथा जो 14 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसके उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण काण्ये पणित हैं), रिजस्ट्रीजर्ना अधिकारी के कार्याला, नर्ग; रजना, नई दिल्ली, भानी; उपाकः प्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीण श्रप्रैन, 1985।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब बाला गवा -प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकिस में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (कः) अलरण सं हुं हुः किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीप कर दोने के गंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, रिप्रपान में स्विधा के लिए;

अतः अन, उत्कल अभिनियम, की भारा 269-न के अनसरक मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, अभित्:— मैं० श्रन्सात श्री। एटीज ्एएड इन्डम्ट्रीज (प्रा०) लि०, ज 115, श्रन्सल भवन, 15, ज कस्तूरबा गांधी मार्ग, ज नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ब्रिज किसन सी० श्रो/इन्डिया एजेन्ट्स (र्राज०), अवःगध्य माउसन ब्लाक 'एच. कताट सर्वस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारो करक पर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तबंध हो कोई भी बाक्षेप 😥 🕟

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध गद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ।हत-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिश द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—-इसमें प्रवृक्त शब्दों और पंदों का, का अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुक्षी

पलैट नं > 816, धम्बा दीप, 14, कस्तूरजा गांधी माग, नई दिल्ली, तादादी 450वर्ग फिट,

> आ^ए० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्गून रैंज 1 विल्ली

नारी**ल**: 2-12-1985

प्रकप काइ. टी., एन., एस. -----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 सं॰ ग्राई॰ ए. सी॰/एक्य/1/37ईई/4-85/16

सं० ग्राई० ए. मी०/एस्य्/1/37ईई/4-85/1641।— ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1323, है तथा जो 89, नेहरू पलेस, नर्फ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से बाणत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख अर्पेल 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया नया है छ-

- (क) बनारण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया बाना बाहिए था खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती गीतल चडुा
 ए-5 ग्रैटर कलाश इनक्लेब-1
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

चौ० क्रिज मोहन सचदेवा
 130 गोल्फ लिक, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के** जि**ए** कार माह्या करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा हैं।

प्रमुस्ची

फ्लैट नं० 1323 89 नेहरू पलेस, नई दिल्ली तादादी 385 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-1, दिल्ली

तारीक . 2--12--1985 मोहर ः प्रकप . बाइ . टी . एन . एस . - - - -

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/4-85/1642:---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं
और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 413 है तथा जो 26 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरण के सिए तब श्वा गया प्रतिफल निम्निविष्ठ उद्देश्य से अवत अन्तरण कि सिए तब श्वा गया प्रतिफल निम्निविष्ठ उद्देश्य से अवत अन्तरण निम्निविष्ठ उद्देश्य से अवत अन्तरण निम्निविष्ठ उद्देश्य से अवत अन्तरण निम्निविष्ठ में वास्तिक स्प से किया गया गया है है

- (क) जनसरण संहुदं किसी आय की बाबत उक्तः विधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशिस्त्र में कभी करने या उससे अचने में भूषिया के जिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अर्जाशकों को जिन्हों भारतीय आय-कार ब्रावित्यम मार्ग्याय अर्था का जिन्हों भारतीय आय-कार ब्रावित्यम मार्ग्य श्री (1922 का 11) या उक्त अर्थातियम श्री धन-कर अधिनियम, 1957 (19)57 वा १३) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था छिपान में स्वित्या स्वीत्यम

जत: अब, उक्त विभिनियम की धारा 269-स के अनुसरक्ष में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की अपभारा (∤) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— श्रीमती चन्द्रा मितरा ए-25 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री ए० बी० मितरां ए०-26 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष खं 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर गूचना की तानील में 20 फिन की अपित को भी अविध बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वी क्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण : इराजे प्रयुक्त शब्दों बाँद पर्दों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुसा है।

ग्रन् सूची

फ्लैट नं० 413 (वन रूम आन फ्लैट नं० 4) मल्टी स्टोरी बिल्डिंग 'कैलाश' 26 करतूरवा गांधी मार्ग नई दिल्ली तादादी 190 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीकः: 2-12-1985

प्रक्षप बाह्र', टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्**य**ना

महरूल सुर्वे अंतर

अमन एक, स्टायक नामिन्द आयुक्त (निसाक्षण)

ग्रार्नेन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्/1/37ईई/4-85/1643:—- ग्रातः मुक्ते, ग्रार० पी० राजेश,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का अपरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी, संख्या स्पेस नं० 12 ब्लाक है तथा जो लंस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय प्रजंन रज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर

ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख ग्रेंगैल, 1985
को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित आजार भूट्य स कम के दश्यकान
प्रतिकल के लिए गतिरत् की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास
करन का कारण ही कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उनित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिवास से अधिक ही और अंतरक (जंतरकां) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रतिकत नप से विधित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण चंहुइं किसी मान की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व मा कमी करने या उसस वचन मा स्विधा के सिए। बरि/वा
- (श्रा पाने हैं, ए) कि के कि कारी का उदान करीन, हैं। हार, एकाड़ा कारनी सकार निष्टीनयम, 1950 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या नवकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अध्याजनार्थ अन्ति रही द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, जियाने में कादाभा ने सिष्ट.

अतः अव, उक्त स्थिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उवत अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (!) के अभीत, प्रकारिकीचत व्यक्तियों, अर्थात् ---- मै० नेहरू पैलेस होटल लि०, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

कुमारी रमा बहुल
 पुत्री स्व० श्री दिवान चन्द बहुल,
 निवासी 27/55 ओल्ड राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांह्र भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र मों प्रवासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के शीतर मोजित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निरीधत में किए आ स्कोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिमियम, को अध्याय 20-क में परिश्राचित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्या क्या है।

धनुसूची

स्पेस नं० 12 सातवीं मं**णि**ल ब्लाक 'ई' होटल कम-कर्माणयल कम्पलेक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ताबादी 569 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीक: 2-12-195

प्रकार बाह्र है है। एक. एक. न्यानन्यक

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा १६९-म (1) से नपीन स्पना

मारत म्रह्मार

क्षाभान्तयः, तहायकं बायकर वाम्क्ष (विद्रीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिशाक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-**ईई**/4-85/ 1680--अतः मझे, आए० पी० राजेण,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतने इसके परभाक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उषित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 1504, है क्या जी 11. कस्तुरबा गांधी पार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इसमे उपाबद्ध अनस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी इर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जभ रोज-1, एई दिल्ली में भारतीय आत्यकर अधिनियम, 1961 के अधीन, वारीख ःप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के सबसान वृतिफल के लिए जन्तरित की गर्द **है जीर** भूकी : **बहु विक्वास कारमें** का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का त्रीचत्र बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल ते, एसे क्यमल पतिकस का पंद्रह प्रतिवात से गाँभक ही गाँउ मन्तरक (मन्तरकाँ) और अन्ति (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरम के सिए इय पाया ंया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िमक्ति मं वास्तविक रूप से बिधक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या वन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या अन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणभाषे भारतीयती क्यारा प्रकट नहीं किया लगा था जा किया प्राप्ता भारित भा कियाने में नुविधा 🥱 िलाए ।

चर्च खन । अञ्चल कर्ष्यानिकश की भारा 260 स **के असमरण** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को कभौगा, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. मै० अन्तल प्रापर्टीन एण्ड इण्डरदीज (प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16 कस्तूरका गांबी मार्ग भई दिल्ली।

(अस्त्रयः)

2. श्री नुधीर अरोडा श्रीमर्ता सुदेश अरोडा सी०/श्रो० श्री एस० पी० अरोडा मिवासी 1/67 कार्ति नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिकी)

का यह सुचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्वन के लिए कार्यवाद्वियां करता 🐉 ।

उन्त संपत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप ;---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की ता**री**य क 45 दिन की बयभि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यवस्थि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त न्या, क्लामों में से किसी न्यक्ति द्वारा,
- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकानन की तारीक है 45 विन को भीतर जनत स्थानर सम्पर्ति न क्रिस-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सधाहस्ताक्षरी अ पास सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्वव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में बभा परिभावित है, बह्री अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

प्रनुसूषी

फ्लॅंट नं० 1604. अम्बा दीप, 14, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 400 वर्ग फिट।

> आप० पी० स्केश ाशम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-! दिल्ली, भई दिल्ली-110002

वारी**ख**: 3-12-1985

मोहण:

अरूप वार्ड.टी.एन.एस.-----

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालयं, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

नर्ष्ठ दिल्ली दिनांगः 2 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1645--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- स के विभीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंति, जिमका उचित याजार मृत्य 1.00,000/-रा. से विभिक्त हैं

गौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 817 है तथा जो 14. कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाब द ध्रनुसुनी में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख इ.प्रैल 85 का पृषेंपर संपत्ति के जीनत नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफ न के निए जन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्योंक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य से उनके दश्यमान प्रतिफ न के दश्यमान प्रतिफ के सीए जन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्योंक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य , उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ति प्रतिक से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और प्रनिरित्ती (जन्तरित्वां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ न , निम्मलिबित उद्देष्य में उनत बन्तरण निस्ति भे वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, अवस विभिनियम के विभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभय के लिए; और/या
- (व) एची किसी या किसी भन या बन्य शिस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, रिज्वाने में सुविधा ने निष्

. जतः अथ, उक्क जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में मैं, उक्त जीभीनियम की भाष 269-में की उपभाग (1) के अथीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० अन्तल प्रोपर्टीज एन्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिं० 115, अन्धल भवत, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।
- 2. कमारा रितिका अरोड़ा (माइनर) कुमारी मीता अरोड़ा (माइनर) यू०/जी० श्री आर० के० अरोड़ा, सी०-85, ग्रेट्र कैनाण-1, नई दिल्ली। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सभ्यत्ति के अर्जन क लिए वार्त ग्रह्मिं करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यियतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए का सकेंगें।

स्थव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

ग्रन्यूची

फ्लैट नं० 817, श्रम्बा श्रीप, 14, सस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, नादादी—345 वर्ग फिट।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ना**री**ख: 2--12-19**8**5

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) यथारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांद 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/

1646--अतः भृक्षे, सार० पी० राजेश,

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उनत अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 815 है तथा जो 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्था से विणित है), रिजस्ट्री ति श्रिधितारी के कार्यालय, कर्जन रोंगा, नई दिल्ली, भारतीय श्रीयकर श्रिधितियम, 1961 के श्रधीन तारीख श्रग्रैन, 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापृतिकत सम्पत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिकत सं, एसे स्वयमान प्रतिकत का नंद्रह प्रतिस्तत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नीनिस्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिक्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अंतरण सं हुई किती धाय की बाबस, उक्त कांभिनियम को अभीन कार देने की अन्तरक औ दावित्य में कभी कारने या उससे वचने में सुविधा के निग; बार/बा
- (क) ऐसी किसी अप मा किसी पन या कन्य क्रास्तियों की जिन्हों भारतीय वासकर विभिन्निम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अभीजनाथ अन्तिरित इंडारा प्रकट नहीं किया गण अर के किया गण के किए;

 मै० अन्सल प्रोगर्टी। एण्ड इण्डस्ट्रीन (प्रा०) पि०, 115, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी सागं, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 श्री गोवाल कृष्ण, श्रीमती उवा कृष्ण, मास्टर संजीव कृष्ण, मास्टर सौरभ कृष्ण, एच०--22, लाजपत नगर--3, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचनः बारी करके पूर्णेवत सम्परित के वर्षन के जिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विशेष शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म इसारा
- (क) इस मृत्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास निरीक्त में किए जा सकता।

भ्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त हन्दों और पर्यो का जो अवदं अधिनियम, ने अध्याप 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

जनसंची

फ्लैट नं० 815, श्रम्बादीी, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी---450 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्तमा व्यायक्तर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोजें 1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 2-12-1985

प्ररूप आहर् , टी , एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/4~85/ 1647—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- क. में अधिक हैं

प्रीर निज्ञी संव पर्नेट नंव 819 हैं नथा जो 14, कस्तूरब
गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध
धनुमुखी में प्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिस्ट्री ति प्रधिवारी के लार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
प्राय र श्रिधिनयम, 1961 के प्रधीन, नारीख अप्रेल, 1985 को पर्वाव सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रत के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रिष्ति से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्निजिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखत में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० भ्रत्सल प्रोपर्टींच एण्ड इण्डस्ट्रींच (प्रा०) लि०, 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरका गांधी मार्ग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुषमा साहनी, श्री गुलकान साहनी, सी०/ श्रो० श्री जे० पी० साहनी, निवासी--263, करदान साहिब किला, बरेली (उत्तर प्रदेश)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 814, श्रम्बा वीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, मई दिल्ली, तादावी--450 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजश गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—1 विल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 2-12-1985

प्रकृत कार्य . दर्ग . एत् . क्ट ., -----

शायक्थर निधितियम 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्वासय, बहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्क)

ध्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए.० सी०/एक्यू/०1/37-ईई/4-85/ 1648--ग्रात: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसने इसके प्रध्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृश्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 808 है तथा जो 14, पस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधनारी के वार्यालय, श्रजेंन रेंअ-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायक्तर अधिनयम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रशेंल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रवमान बत्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वात करने का कारण है कि यभापनोंक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृस्य असके द्वयमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितक सम् निन्तितियों उद्योगन वहीं किया वस्त क्या निवित्त में बास्त- विश्व स्थ से इसित नहीं किया वस्त हैं क्या मार्थक स्थ से इसित नहीं किया वसा हैं---

- हुँक) अन्तरक वे हुन्दं किसी जान की बावसा, अवस अद्देशनिक्त को नचीन कर दोने की जन्तरक औं खरियल में कती करने वा उचने बचने में सुविधा औरियए। धरिंश्या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कः, में उक्तं अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनियक व्यक्तिकों, अर्थात् क्रि मैं० म्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि॰, 115, ऋन्यन भवन, 16, अस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० सैलर्स बर्थ इन्डिया (प्रा०) लि०, सी०/ओ० कुमार महेन्द्र सिंह --तरावलर एल०बी०-2, अन्धल भवन, 16, सस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (प्रन्तरिती)

को मह सुचना जारी करके पूर्वेक्तः संपर्कतः के वर्जन के रिक्रंश्व कार्यवाहियां करता हुई ।

जनत संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हा, क शीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिनबच्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधेहस्ताक्षरी
 के पास जिल्लित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्णा और पर्वो का, को उच्छ विभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बहुरी वर्ष होगा को उस वध्याय में विका वर्षा हैं।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं ० 808, श्रम्बा दीप, 14, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादादी—505 वर्ग गज। फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2~12~1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/37—ईई/4—85/ 1649—श्रत. मुहे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रू से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंग नं० 807 है तथा जो 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रजून रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय प्रायक प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख प्रप्रैल, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त गिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् (— प 4. के॰ अन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि॰, 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मै० सैल्सवर्थ इन्डिया (प्रा०) लि०, सी०/ओ० क्मार महेन्द्र सिंह तरावलर-एल०-बी०-2, धन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गांधी मार्थ, नई दिल्ली। (श्र-नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैट २० 807, श्रभ्वा दीप, 14, कस्सूरवा ग'धी मार्ग, नई दिल्लो, ताडा ी---505 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

प्रकाष बाद्धे. सी. एस. एस्.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1650----ग्रत: मुझे, श्रार० थी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम', अक्त गथा है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर नस्पणि, जिसका उप्तित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 804 हैं तथा जो 14 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985 को प्रजाह स्थानित हैं एकिए राजार मुख्य से अप औ स्वयमान प्रतिफल को लिए जस्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीवत संपरित का उचित वाजार मूल्य, उरावे द्रश्यमान प्रतिफल रो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अनरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) को वीस एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्वत में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त ब्रिधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूविधा को लिए; बार/या

नतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मैं० श्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती ज्योती ओबराय, मास्टर दिपक ओबराय, 13/28, डब्ल्यू-ई-ए कैरोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध मा काइ' भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थें 45 दिन को अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियाँ में कि सी त्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना की राज्यम में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-गङ्भ गिमी बन्य व्यक्ति कृतरा अक्षाहुस्ताक्षरा के पास विभिन्न में विस् जा सकता।

स्पन्डीकरण '- इसकं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिंदिनयम के अध्याय 20-क में यथा रिशाबित हैं, वहीं जर्थ होंगा उस स्थाय में दिया

नम्स्ची

फ्लैट नं० 804, श्रम्बा दीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, तादावी---400 वर्गफिट।

> ग्रार० पी॰ राजेण क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजं⊸1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

मोहर 🛭

प्रकम बार्ड . दी . एवं . यस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्चना

भारत सरकात्र

कायालय, सहायक लायकर मायुमत (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/1/37-ईई/4-85/ 1651--श्रत. सुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजीर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203 है तथा जो 14, कस्तूरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख अशैल, 85
को पूर्वों कत संपर्तित के उचित बाबार मृस्य से कम के द्वस्थान
प्रतिकत है निए जन्तरित को गई है बार मृश्वे यह विश्वाद्य
करने का कारण है कि सभापूर्वों कत सम्परित का उचित बाबार
पूच्य, उसके द्वस्थान प्रतिकल से, एसे द्वस्थान प्रतिकल का
पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया
बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दर्श के से उक्त बन्तरण लिखित
का वास्तिकक रूप से किवत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शय की बावत, उक्त विधित्वत, वे स्थीद कर दोने के बन्दरक के वामित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के शिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय पा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिधम या बन-कर अधिनिधम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा था का किया वाना नहीं हुए था, छिपाने में कृषिया के स्विधः

भतः भवः, उन्त निय्नियमं की भारा 269-व की जन्मरण मो, में दक्त नियमिस की धारा 269-व की उपधारा (1) में निर्धाद, भिक्कितिक्त व्यक्तियों, सर्थात् :--- मैं० ग्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०,
 115, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
 नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

 डा० सुहल दुग्गल, श्रीमती जासलीत दुग्गों, पी→7, होज खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की बहु स्वना जारी करके प्वॉक्त अध्यक्ति के श्रश्त के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बक्त संपत्ति के क्षर्यत के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राज्याय में प्रकाशन को तारीस से 45 विम् की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की नामील से 30 विन् की सविधि, को भी वंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचक व्यक्तियों में से किसी स्थितर स्वारा;
- (क) इस ब्यान के राजपण में अकावन की शारींच से 45 वित्र के औरएर क्यत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्द व्यक्ति वृतारा मध्योहस्तासदी से गास सिरियत में किए जा कर्तों ने 1

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त ब्रीमीनवर्ग, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस कथ्याय में दिवा स्वाहीं।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं॰ 203, श्रम्बा दीप, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नर्ष दिल्ली, तादादी--450 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

प्रस्य आहाँ,दी. एन . एस

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 2 दिसम्बर 1985
निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/1/37-ईई/4-85/

बायकर मिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गरा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारन है कि सभापनोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1652---भ्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1606 है तथा जो 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 85

का पूर्वांक्त सम्परित के उचित नाजार मूलय से कम के श्रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है जौर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्स संपरित का उचित बाबार मूक्य, उसके श्रूरमान प्रतिफल से एसे श्रूरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्क करने, निम्तिविद्य उद्विक्य से उच्च क्रूर्य प्रशिक्त में वास्त्रिक क्रूर्य से अच्छ क्रूर्य स्वित्य में वास्त्रिक क्रूर्य से अच्छ क्रूर्य से बिच्न नहीं क्रिया प्रशा है ——

- (क) अन्तरण से **हर्इ किसी आय की बाबत,** उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाँगस्य में कानी करने शावासे अधने शें बृह्यिक के किए; कीट/का
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अस्य ऑस्तियों को, विन्हें भारतीय शायकर मेथिनियनम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-स्य विधिनयम, 1957 (1957 का 2.7) को प्रयोजनार्थ सम्सरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया प्राप्त काना का दिए भा, कियाने वे स्वीवश्य के लिए;

वत. व.व. जना जीवनियम की भारा 269-न वी वनुवरण मो, मी, अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की मधीन निकलितिकार व्यक्तिस्यों, अर्थाण :--- 1. मै० ग्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नानक ए० भाटिया (एक० यू० एफ०) कर्ता एम० ए० भाटिया, ग्रानन्द ब्रदर्स (एच० यू० एफ०) कर्ता मनोहर लाल, मदन बतरा, सी०/ ओ० शालु एजेन्सी, 105, मधुबन, 55, नेहरू प्लेस, नर्ष्ट् दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्जन के सिए हार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं \$5 विन की जनिभ सा तत्मान्तन्थी स्थितिकां वर सचना की मामीस से 30 विन की जनिभ, को भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्यक्रीकरणः --- इसमें प्रमुक्त श्रम्भां भीर वर्षों का, को उक्त वीधीनयम के अध्याव 20-क में वीरभावित इ, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याव में दिया वर्षा है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 1606, श्रम्बा दीप, 14, कस्तूरबा गांधी नई विल्ली, तादादी—300 वर्ग फिट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-1 2-1985

मोहर 🗈

प्रकृष मार्च, टी. पुन्, पुष् ु । त ...

ं बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्थना

WINDS SERVE

कार्यास्य, बह्मयक सामकर साबुक्त (निर्मामक)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

तिदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1654--- म्रत: मुझे, म्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अधित बाजार मूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एरिया 484 वर्ग पिट है तथा जो स्पेस 11ए०, 9 फ्लोर, ब्लाक ई०, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाषार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार सूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया क्या प्रतिफल, निस्मलिक्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण किकित ले बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृषिधा के सिए; वार्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. मैं० नेहरू प्लेस होटल्स लिमि०, इरोस सिनेमा, बिल्डिंग, जंगपुरा, एक्सटेंशन, नई विल्ली। (मन्तरक)
- 2. श्री धर्मेन्द्र गडोबा और शालिन्दर गडोबा, सुपुष्त स्व० डी० श्रार० गडोबा, निवासी--31/10, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-8।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाबीप :---

(क) इस स्थाना को राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधावित ग्या है।

अनुसूची

स्पेस नं० 11-ए०, 9वां खन्ड, ब्लाफ ई, होटल फम-कर्माशयल काम्पलैक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-8।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

मेन्हर 🖫

प्रका शार्ष .टी.एन.एस. ------

क्षायफर लिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश मं० प्राई० ए० मी०/एतयू०/1/37-ईई/4-85/1955— भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षप प्राधिकारी का' यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहार मृत्य 1,00,900/- रह. से मिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं 155 वर्ग फिट हैं तथा जो प्लाट नं 988-ए गली नं 9, गोविन्दपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 के ग्रीधीन, तारीख अर्प्रैल, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिनी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य ते उक्त जन्तरण जिल्हा के वास्तिक क्य के किया नहीं किया वहा है :—

- (क) बंतरण से हुई किती आय की वाबतः, उक्त विभिनियम के सभीन कर दोने के बंतरक के दाबित्य में कभी करने वा उन्तुचे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन जा अन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय जानकर जिभीनजन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिजन, बा धनकर अधिनिजन, बा धनकर अधिनिजन, बा धनकर अधिनिजन, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षोजनार्थ जंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं कि बा भया था किया जाना चाहिए था, स्थिपार्ट बा स्विभा के लिए,

शतः श्रेश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण श्रेष, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ं अधील नितम्हितिखित व्यक्तियों, अधित् :---33—416GI/85 श्रीमती कुमुम लखीता, जी-47, कालकात्री, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कविता लिखना और मास्टर लवेण लिखीना (छोटा) ई-511, ग्रेटरकेलाण, पार्ट-2, नई दिल्लो। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी कारके प्योक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाग्त होती हो, के भीतर पूर्विक अवित्यों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस अधिना के राजपत्र में प्रकाशन की शास्त्रिक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए या सकेंगे।

स्पाकारण :----इसमें प्रवृक्त सन्तों और पर्यों का, जो उल्ला श्रीभीनयन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसा अध्याय मा दिया सन्तर हैं।

ग्रनुसूची

प्रोपर्टी नं० 988-ए, गली नं० 9, गोविन्दपुरी, कालका जी. नई दिल्ली, नादादी--1500 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज--1 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

नारीख: 28-11-1985

प्रस्व बाह'. टी. एन. एम.

बायश्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (।) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्बांतय, नहायक अध्यक्तर बायकत (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज--1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं अप्रई० ए० सी गुए क्यू न 1,37-ईई न 4-85/ 1656--- मतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा यथा हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एरिया 276.6 वर्गगज है तथा जो प्लाट नं० 141, सुखदेव विहार, नई दिल्ली नजदीक ग्रोखला से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वा वित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एंखे द्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से विभक्ष है बार यह कि वंदरक (वंतरका) बार बंदरिती रिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तब गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश में तकत अन्तर्भ निम्निलिखित व्याप्तिका किया गया है हिन्से

- (का) जन्तरक से हुई कियी भाव की बाबट, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के अत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) प्सी किसी टाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनरूर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं विद्या गया था या किया बाना चाहिए था ियानी से सविधा के लिए;

भतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के बधीन, निम्निलिमित ाक्तियों, अर्थात 1. श्री ग्रनिल सूद सुपुत्र एल० एन० सूद, ए-47, नई फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रो संत कुमार सुपुत श्री भवताथ चौधरी, 130, हरी नगर, श्राश्रम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीं में भी जनिंध होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से निन्धी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे!

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, मो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

अनम्खी

प्लाट नं० 141, सुबदेत्र विहार नजदीक स्रोखला, नई दिल्ली, एरिया 276.6 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेश सन्नम प्राधिकारी तहायक यायकर यायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

तारीख: 22-11-1985

मोहरः

भागकर वाँभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्ति 269-व (1) के विभीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्ष्ट दिल्ली, दिनौंक 29 नवम्बर 1985 निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4- $8<math>\sigma$ /1657--ब्रुतः मृह्ये. श्रार० पी० राजेश,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एरिया 900 वर्ग फुट है तथा जो प्लाट नं जी-78, बी, कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई, दिल्ली में भारतीय आयकर श्रिधितियम, 1961 के श्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रध्यमान भिक्काल की लिए अन्तिनिक्त की गई ही और एक दिस्ताल करने का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, रक्तके रक्ष्यमान प्रतिफल से एसे द्रवस्थान प्रतिफल को प्रदेश प्रतिकास अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिधियों) के बीच एसे बन्तरण से मिए त्य याया गथा विकत्त, निम्मा निकत उद्देश से उच्त अन्तरण चित्विक्त में उच्ति अन्तरण सित्विक में उच्ति अन्तरिक कर से किथित नहीं किया गया ही हु---

- (क) नग/रम है हुन्दें किशी नाम भी नार स, उन्त भी तिनयम के सभीन कर दोने में अन्तरक के दासित्य में कारी करने के अभी कमाने तो मुलिया में विभा स्वर/भा
- (क) पंची किसी जाम या किसी धन वा ताल जारिसवाँ को चिन्ही भारत / माधकर ज विविवत , 1922 (19,12 का 11) या स्वता / विविवस , वा धनफर जीविवस , 1957 भा 27) के प्रवोध नाम जन्म कर्मा क्या प्रभाव नहीं किया मना चा चिन्ना चाना प्रतिहत् था. विवेध में सुविधा के प्रवेश.

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

 श्री दरो पर्दा ननोमल मोटवानी, श्री अनूप कुमार ननोमल मोटवानी, श्रा राज कुमार ननोमल मोटवाना, श्रोमती भानु प्रकाश ननोमल मोटवानी डी-8, सिधी कालोना, प्रसीरा मार्ग, नजदीक वरली, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती राज रानी मनो, मधु मनो जी~291, नानकपुरा, नई दिल्ली~21।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्री में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संवर्धा व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसर्ची

प्लीन प्लाट नं० जी-78-बी, कालकाजी, नई दिल्ली पंजीकृत सब-रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीज्ञण) श्रर्जन रेंज−1 दिल्ला, नई दिल्ली−110002

नारीच: 29-11-1985

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1658—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित माआर मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसको सं० एरिया 500 वर्ग फुट है तथा जो फ्लैंट नं० 1101-ची, 6, महरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपाबंख अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्वज्ञान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास् करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ६श्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलित में बान्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैं० प्रगति कन्स्ट्रक्शन कं० (देविका टावर), 4 खन्ड, शितला हाउस, 73~74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती रोमी बधवा, 357, जोनपुर, मेहरौली, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना **पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए** कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी है है 45 बिन की शविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वना की तामीन से 30 बिन की सविध, जो भी जनिय नाव में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति व्यक्तियों
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बच्च किती बन्य व्यक्तित द्वारा मधोइस्ताक्षरी के गढ़ निविद्य में किए वा स्कीणे।

ज्यस्थीकरण:--इतमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के जन्भाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा, जो उस कन्माय में दिया गया है।

नन्स्यी

500 वर्ग फिट 1 फ्लैट नं० 1101-बी, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, देविका टायर, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेजे-1 दिल्ली, नई रिल्ली-110002

तारीम : 28-11-1985

प्रस्प आहें. टी. एन. एस:.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 स्व 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहाचक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँठ 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1659--ग्रतः मुझे, ग्रार० र्रा० रागेश,

आवकार शिविनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्काल 'उक्का अधिनियम' कहा गवा ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिल्हां सं० एरिया 525 वर्ग फिट है तथा जो फ्लैंट नं० 1101-ए०, 6 नेहरू फ्लेस, नई दिल्ला हैं स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रायकर अधिकारी के जार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आगहर अधिकार अधिकार कारीख मार्च 1985

को र्वोक्स सम्पत्ति को उपित बाजार मृष्य सं कम के कश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई ही और मध्ये यह विकास करने का अभरण है कि वधापृष्ठोंक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृश्य, असके द्वसमान प्रतिफल से एसे द्वसमान प्रतिफल का पंजा प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिपति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिपति ते विच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफार निकासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में धास्तिक रूप सं करित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त निम-निवन के नभीन कर देने के अंतरक के दामित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिभा के लिए;

बतः अध, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मीं उत्तत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (☆)ः इंजियोन, जिल्लिकार: यक्ति**तरों, अर्थात् ्र—** ग मैं अाति कस्स्ट्रक्यात कं (देशिता टावर), वीक्षा खण्ड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

2. मैं । राजीको इंजीनियरस प्रा० लि०, 204, प्रगति हाउस, 47-48, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना अवरा करके पूर्वीक्स सम्बन्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वाकरण व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में द्वितवबुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणं: - इसमें प्रयुक्त करदां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 1101-ए, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, देविक टावर, 6, मेहरू प्लेस, नई दिल्लो, नादादी---525 वर्ष फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षत प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1 दिल्ली, नई दिल्ली→110002

ता (च: 28-11-1985

श्**क्ष**् वाद[्]्टी . **एन् . पुन**्न-------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के न्धीन स्थान

भारत चरकार

भाषांलय, सहायव आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज−1, ाई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू ०/1/37-ईई०/4-85/ 1660--म्रतः सुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा यश हैं), जी भारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काश्य हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र वाकार मृख्य 1,00,000/- रहा. सं अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० 500 वर्ग फिट मिडन बेसमेंट नं० 8 है नथा जो 21, बाराजम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रायकर श्रीधकारी के नार्याच्या, श्राजन रेज 1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 के श्राधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वात करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके शब्दमान प्रति-कल तं, ए ते क्यमान प्रतिफल का पंत्रह श्रीतफल से अधिक हैं और मंतरक (अंतरका) और मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच दृषे भंतरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीस्थित क्यूस्क्य से उक्त संतरण सिचित में वास्त्रमिक क्य हे कवित्र क्यू ग्रिक्स गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अक्छ जीभीनियक के मधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उत्तसे ब्लाने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (थ) एसि फिर्स कार थे किसी धन वा बन्य जास्त्यां का जन्ह आरतीय आवकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धन-वह विधिनयम, या धन-वह विधिनयम, या धन-वह विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के असेवनार्थ असीरती द्वारा प्रकट वहीं किया यथा भा वा सिमा बाना वास्ति वा, कियाने में सुनिधा के विधा

नतः अव, उन्त विभिनियम की भारा 269-म न निम्परण व', मैं, उन्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र-- मिसीन जीगिन्द्र कौर ६-565, ग्रेटर कैलाण,-2, १६ दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मिसेज िशा चन्दरा, 54, मनफोर्ड वे, चीगवेल एसेक्स, द्वारा श्रार० के० गर्ग, 33, एस०-एफ० -एस० हाउस, शोख सराय-1, नई दिल्ली-110017।

(ग्रन्तरिती)

कार मह भ्वना जारी करके. प्योक्त सम्पत्ति के सर्वन के निष्

उनक सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कार्य भी वासीप 🔑

- (क) इस स्पना के राष्म्य में प्रकाशन की तारीस से 45 किए की जनिम का तारसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तालीम से 30 दिन की जनिम, को भी जनिम बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से कियी ध्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 पिन के भीतर उच्य स्थावर संपत्ति में द्वित-वक्ष किसी जन्म क्यक्ति इत्रास अधाद्वस्ताक्षरी के ास जिल्हित को किए जा उद्धान ।

स्वक्षीकार्य :—-प्रतमे प्रयुक्त सन्दों भीर पर्यों का, को क्ष्यस् व्यक्तिमृत्यस् के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ क्षांगा का उस अल्यान मा ३६ मा गया हैं।

अनुसूची

मिडल बेसमेंट नं० 8, 21, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली तादादी 500 वर्ग फिट।

ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्रापिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बिल्ली, नई दिल्ली-11000

ता**रीख**: 29 11-1985

माहरः

प्रस्म भाष्ट्रै. टी. एन. एक 🖟 =====

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांद 28 नवस्बर 1985

निदेण मं० प्राई० ए० ती०/एक्यू०/1/37—ईई०/4-85/ 1661——प्रत: भुझे, आर० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन स्थान एकिकारा को यह विक्याम करने का कारण हैं कि स्थानर स्थापित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० जी-11 है तथा जो 38 नेहरू प्लैंस नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनियम, 1964 के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंहरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे कन्तरण के लिए तम प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योच्य से उक्त अन्तरण किलित में वास्तविक मूण से किला नहीं किया गया है:---

- (श्वर) अन्तर्भ में हुई किस्ती माथ की मावान, उक्त भृषिनियम के क्लीन कर बोर्ट के अन्तरक को बामित्व में फ्रमी याग्रे मा उक्तर क्लों मिन्छ। को लिए; लॉर्ट्या
- (क्ष) ध्रेस किसी बाय यह किसी भन वा अन्य आस्तिओं को जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था कि या जाता पाहिए था. कियान में स्थिका औं स्वार !

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मां, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. मैं० म्रंान प्रोपर्टीच एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि०, 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

 मेसर्स धीरज कैंट, 304, आध्दीप हेली रोड़, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी रूपको पूर्वोक्क सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविविधा तत्नार अन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) अस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारास्य में 45 दिन के भीतार उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दितबहुध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अथोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण ---वसर्घे प्रयूपत सन्दर्भ और पर्धे त्रह, जो अक्स विभिन्नम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, त्रहीं जर्भ होंगा को अप्रकार के जिला नया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ जी॰ एफ-11, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम ग्रधितारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-11-1985

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त निरीक्षण) श्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवस्बर 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एय्०/1/37-ईई०/84-85/ -6620---ग्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एरिया नं० 560 वर्ग फिट है तथा जो पलैंट नं० 407, 38, नेहरू प्लैंस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन नारीख मार्घ 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उन्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— मैं० ग्रंलज प्रोस्टीं एंड इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमि०, 115, ग्रंसल मवत, 16, के० जी० मार्गं, नई दिल्ली।

(अन्तरदा)

2. मैं० गुलमोहर होटल: (प्रा०) लिमि०, 2-इ/16, र्श्रमारी रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वला के राज्यत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध था तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सम्यत होती हो, के भीतर पृवेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस रामात के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अला व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्या 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो रास अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रन् स्ची

फ्लैंट नं० 407, 38, नेहम्स प्लेस, नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेण नक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायवार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-11-1985

में(हर:

प्रकप आई.डी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक) धर्जन रेंज-1, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, विमोक 29 मधम्बर 1985

निदेश सं० धार्षे० ए० सी०/एकपू०/1/37-**१६०/4-85/** 1663--- धतः मुक्षे, धार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

सीर जिस्की सं० फ्लैंट नं० 406, है तथा जो 38, नेहरू क्लेंद्र, नई दिल्ली में स्थित तु (ग्रीर इससे उपायत्र अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिअस्ट्रीरित अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंग्र—1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख अर्थन, 1985

का पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दिश्यमाल धितफान को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

बत. अब, उपर अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैं० धन्सल प्रोपर्टीज एण्ड क्षण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०,
 115, धन्सल भवत, 16, बस्तूरबा गोधी मार्ग,
 मई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. मै॰ गुलमोहर होटरस (प्रा॰) लि॰, 2-एफ/ 16, धन्यारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपास के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे अं दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में दिवा यस है।

वनस्वी

वस्र मं॰ 406, 38, मेहक प्लेस, नई विरुली, तावादी -

म्राट० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायक्तर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

ता**रीख**: 29-11-985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43<u>)</u> की धारा 269-म (1) के मधीन स्थनाः

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायु**वस (निर्दालन)** अर्जम रेंज-2, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 मवस्थर 1985

निवेम सं० श्राई० ए० सी०/एनय ०/1/3 7- ईई०/4- **85**/ 1664--श्रतः गञ्जे, श्रार० पी० रााजेण,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में हमके परुधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मल्य 1,60,000/- रह. में **अधिक हैं**

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 408 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनसुषी में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख प्रप्रेल, 1985 को पूर्वो कर सम्मन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकृत के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि संथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बस्य, उसके सम्यमान प्रतिकल में, एसे स्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एरेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-थल, नियनलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

> (36) जन्सहरू में शुक्र किसी नाथ की बाबस , विधिविद्य के व्योग कर दोने के बन्तरक के दादित्य के अपनी करने वा एससे बचने में सविधा के किए; क्षेप/ग

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय जायकर जीभीनवन, 1922 (१९२२ का 11) या उक्त अभिनियम, का भन-कर अभिनियम, 1957 (1**95**7 **का** 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपेधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 मैं धन्सल प्रोप्टीं एप्ड इप्डस्ट्री (प्रा०) शि॰, 115, ग्रन्थल भवन, 16, कस्तुरबा गांधी मार्गे, नर्फ किल्ली।

(धन्तरक)

 मै० गृलपोहर होटल्च (प्रा०) लि॰, 2~एफ/ 16, मन्धारी रोष्ट, बरिया गंधा, नई विस्ली। (ग्रन्सरिती)

को बहु सुमना बारी करुके पुन्तिक सम्मरित के नर्मन के जिल् कार्यशाहियां करता 🛍।

उक्त कमरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप्:----

- (क) इस स्वता के रावपन में प्रकारन की राष्ट्रीय है 45 दिन की जनभि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचया की दामील से 30 दिन की बन्धि, यो भी जन्धि बल में बनान्य होती हो, के शीक्षर पूर्वानक व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इक त्वता के रायदण में प्रकादन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अस्य व्यक्ति वृतारा, तभोइस्ताक्षरी के शास निवित्त में किये वा वर्कों ने।

स्वयद्भिक्षरण:----इसमें प्रयुक्त , कन्यों और पर्यों का, जो जनक कशिकियम के कथ्याय 20-क में परिभावित हुँ, बहु अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया नवा है।

व्रमुख्यी

फ्लैंड नं० 408, 38, नेहरू खेस, मई विल्ली। ताबादी-580 वर्गफिट।

मोधरः

मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, विस्ली, नई विरुती-110002 तारीखा 28-11-19

प्रकृत नाहु ती पुन पुर्व हरकारणावस

कारकार निविनयम, 1961 (1961 मा 43) की अपनार 269-व (1) में स्वीत स्वता

साइक वहका

कार्यांक्य, सहायक जायकर वायक्त (विरीक्षण) प्रजंत रेंज-1. नई दिली

नई विल्ली, दिनांक 29 नवस्थर 1985 निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई०/4-85/ 1868--- ग्रत। मझे, ग्रार० पी० राजेश,

भागकर बाँगिनयम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसको इसको पश्चात् 'जनत विभिनियम' कहा नवा हाँ), की भारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विभिक्त है

और जिसकी सं० 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उरावद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रमेल, 1985

मां प्रॉक्त बम्मित के उपित बाबार मृत्य से कम में दश्यमान श्रीसक्त के लिए बन्तरित की वह है। बर्ग मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि मजापूर्णनेत सम्मित का उपित कन्तर मृत्य उत्तरे क्षरमान शिक्क है है है हन्यवान ग्रीतक्त का व्यवह प्रतिसंत समिक है कीर संत्रक (नंतरका) और संवरित (वंतरितिया) से बीच एसे संतरक के सिए व्यवस्था ववा प्रशिक्त, विकासिक क्षर क्षर क्षरमा विकास समिक के विकास का क्षर क्षर क्षर के स्थाप कर के सिए क्षर क्षर के साम के स्थाप का स्थाप की सम्मित के साम के क्षर का वहाँ किया करा है हम्मित की वास्तिवक कम के किया वहाँ किया करा है हम्मित

- हैंकों अन्तरण से हुई कियों नाम की वानवा उनके आधिमनर से अधीन कह बाने में अन्तरक से क्ष्मित्व में क्रमीं कहने या उत्तर बच्चे में स्विधा में सिद्ध माँड/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या जन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार विभिन्नयम, 1922 (१९22 का 11) या उन्ति जिपिनयम, या जन-कर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) विभाग प्रवासनार्थ जन्तरिती त्यारा प्रजट नहीं किया गया वाला वालिए वा जिपाने में सुविधर के जिए।

क्रि: सब, सम्बत्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हो, हो, समत विधिनियम की धारा 269-म की उपवास (त) हो बधीन, निस्तिनियस व्यक्तितों, नर्भात् :--- 1. मैं॰ म्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा॰) लि॰, 115, म्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं गुलमोहर होटल्स (प्रा०) लिमि०, 2-एफ०/ 16, मन्सारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को वह गुणना प्रारी अच्छे पूर्वोक्त सन्परित के अर्थन के चिन्न कार्यवाहियां करता हुं।

क्या सम्मत्ति के क्यांन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारीच है 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी क्षित्रिया पर क्षाना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित त्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राज्यक को प्रकायन की तारीच की 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपालत में हितबहुध किसी सम्ब व्यक्ति बुनारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिचित में किए जा सकते।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 403, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 584 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख। 29-11-1985 मोहर।

भक्क बार्ड, टी. एन् एक् ------

भायकर म्थिनियुम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च् (1) के अधीन सूचना

बाइव बरका

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 नवस्वर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1-/37-ईई०/4-85 1866---भत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात जिसे उसमें कहा गया है), की धाउ 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ फ्लैट नं॰ 410 है तथा जो 38, नैहरू फ्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिल्लीकर्ता श्रधिकाी के कार्यालय, अर्जन रेंज→1, नई दिल्ली में भारतीय

षायहर अजितियम, 1961 के अजीत, तारी अ अजैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान विश्व के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार रूज्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित मों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिवफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में अस्तिक रूप में अधित नहीं किया गया है है—

- (का) बन्तरुण से हुन्दें किसी बाय की बाबस क्या विध-विवस के अभीन कर दोने के बन्तरुक के समित्व के कमी करने या इससे वचने में सुविधा की मिए. औद्व/वा
- (क) होती किसी जाय या किसी वन वा जन्य वास्तियों का, जिन्ही आपतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये स्विधा के सिष्ट;

क्स अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन जिल्लीजित व्यक्तियों, अर्थात् क् 1. मै॰ धन्सन प्रोपर्टीन एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा॰) लि॰, 115, प्रन्सल भवन, 16, कस्तूरमा गांधी मार्ग मर्ष विस्सी।

(भन्तरक)

2 मैं गुलमोहर होटल्स (प्रा०) .लिमि॰, 2-एफ/
18, मन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।
(मन्दरिदी)

की यह सूचना बारी कर्फ वृद्यांक्य सम्मरित् क अचन क लिए कार्यमाष्ट्रिया करता हुः।

अवदा सुम्मरित के वर्षन् के सम्बन्ध में कॉई भी बार्शप् है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी खुविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ख्यांचतां में सं किसी स्पन्ति इतारा.
- (ण) इस सृचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं ध 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपोत्त में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षदी को पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त काव्यों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया व्या हैं॥

बन्स्ची

पलैंड नं० 410, 38, मेहरू प्लेख, नर्ष दिल्ली, तावादी 880 वर्ग फिंड।

> धार० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वा विष्य : ३9—11—19**85**

धोहर :

प्रकप बाही, टी. एन. एस. - - -

नावकर मधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प्(1) में सधीन सुपना

भारत चरकाड

काशीलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज,नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 29 नवस्वर 1985 निर्देश सं॰ धार्ष० ए जसी०/एक्यू/1/37र्ष्ट्र/4-85/1687 ----धतः मुझे धार० पी० राजेश.

बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इस से अश्वात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-स के विभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिष्ट बाबार मुख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलट—नं० 409, है तथा जो 38, मेह में पलेस नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी में अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली, में भारतीन आयकर अधिनयम 1961. के अधीन दिनांक अप्रैल—85,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम को दश्यमान श्रीसफन को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निक्नास कर्ष का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रभुद्द प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिवक क्य

- (क) अन्तरण सं हुई किसी साय की नावत उनद अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किस्; सरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय सावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भग-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था वा किया जाना चाहिए था जिन्हां हैं सुविधा के सिए।

सतः वस, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के बन्सरक के, के, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की छपभारा (1) के क्लोक, निय्नविधिष्ठ व्यक्तियों, वर्धात् क्ल- 1. अंतर्ल प्रोतर्टीक एण्ड उण्डस्ट्रिज (प्रा०) लि॰ 115, प्रन्सन भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नर्ष विल्ली।

(घन्तरक)

भै॰ गुलमोहर होटल्स (प्रा॰) लि॰, 2-एफ/ 16, अंसारी रोड़, दश्या गंज, नई दिल्ली। (झन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्जन की खिक् कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आकोप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर यूजना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को नीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार.
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मी हित- बंद्रभ किसी बन्य व्यक्ति दुवार अधाहस्ताश्वदी के वास तिवित में किस वा सकेंगे।

त्यकाकरण:—-इसमं प्रयुक्त सन्दा और पद्मां का, वां अक्छ गिंभीनयम, व्हें कथाय 20-क में परिशाविक हैं, वहीं वर्ष होता, भां उस वश्याव में दिया यक्षा हैं।

यम् सुची

पर्लंड नं॰ 409, पेहरू प्लेख, नई विल्ली, वादावी 480 वर्षे पृष्ठ।

> बार॰ पी॰ राजेख सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन राज-1, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

सारीय: \$9-11-1988

धोक्षर :

प्रसम्प कार्षः दी , एव , एव , हन्नानारकका

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत संस्कार

भाषांत्रम, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौक 29 नवम्बर 1985 निदेश सं० माई० ए० सी०,एक्यू०,1,37-ईई०,4-85, 1668-- मतः मुझे, मार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूक्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, है तथा जो 38, भेड्ख फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इससे उपाबद मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय मायकर मर्थिनम्म, 1961 के मधीन, तारीख मंग्रैल, 1985

को धूनोंक प्रकृति के जीवत बाजार मूल्य ते कम के ज्यमान शीवफन के लिए बन्तरित की गई है नीड़ मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूनोंकत सम्पत्ति का उचित बाबास करने का कारण है कि वथापूनोंकत सम्पत्ति का उचित बाबास क्ष्म विकले क्ष्ममान प्रतिफन से, एसे स्वयमान प्रतिफस का पंचा प्रतिकत से विभक्त है और बन्तरक (अंतरकों) जीर संतरित (वंबादितियों) से बीच एके नंतरक के विश्व दन पाना बना प्रतिक का पंचानिविद्य बहुदोस से क्षम बन्दरम विविद्य में बन्दिक का बंकिक नहीं किया बना है किया

- हैंकों बन्यडम चे हुई कियों बान की वावता; उनका वीधीययम के अधीन कर घेने के बन्तरक के बादिएक में कुमी कड़ने वा उससे ब्लाई में बुद्धिक. के बिद्ध: बीद√वा
- (च) प्रेसी किसी भाग या किसी भग या सम्म वास्तियों को जिन्हों भारतीय आग्न-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सक्त विधिनयम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अनुसरिती वृत्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, स्तियों वृत्वारा से विद्या की तिए;

आत: अके, उपनत विधिनियम की भारा 269-न के, अनुसरण के, के, उन्त विधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के नधीय, विध्वविधिक व्यक्तिसों, बर्बाद् :--- मै॰ धन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि॰,
 115, धन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग,
 मई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. मैं गुलमोहर होटल्स (प्रा०) लि०, 2-एफ०/ 16, घन्सारी रोड़, बरिया गंज, नई दिल्ली। (धन्सरिती)

को सह प्रमुख प्राप्ती कारने पूर्णाता जन्महिल् से अर्थन से सिन् कार्यवाहियां सुके करता हुई ।

बन्द बन्दात्त में वर्षन के सम्बन्ध में कोई ही बाबोद्ध--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अकिथ बाद में समाप्त होती हो, को भीरार पृत्रों किस करकिए में से सिसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृष् किसी अन्य स्थावित ब्वाय अधिहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकर्ण।

स्वक्षीकरणः:-----दसमें प्रयुक्त सन्दों नीड पर्यों का, वो सक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, बहुी कर्ष होगा जो उस अध्याय में किया प्यादीध

पगृस्ची

पत्तैद मं० 402, 38, नेहक प्लेस, नई दिल्ली, सादादी 485 वर्ग फिट्टी।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, विल्ली, नई विल्ली-110002

हारीब,: 29-11-1885

योष्ट्रर :

पक्त साह .टी एक. एस. -----

कावकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) में सभीत क्वल

शास्त्र वरमात

कार्यावश, सहायक जायकर जायकर (विश्वीक्षक)

प्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनौक 29 नवस्वर 1985

निवेश सं० धाई० ए० सी०/एमयूवा:1/37-व्हेंक 44-25/ 1.669--- बतः मुझे, धार० थी० राजेश, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमे इमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269 क के सभीत सक्षम पाधिकारी को. वह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर संपरित जिसका सचित बाबार मुख्य

1.00,600/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० क्लैंट नं० 411, है तथा जो 38, मेहरू
प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक धनुसूची
में भीर पूर्ण रूप से विल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी
के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली में, भारतीय शायकर
पश्चिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख भन्नैल, 1985

को प्रवेशित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रिनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित वाजार बृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से विश्वक है और बन्तरक (जन्तरका) और जंतरिती (वंतरितियों) के बीथ एसे अंतरण के निए तब वाया गया प्रतिक कन, निम्नलिवित उद्वेशय से उक्त बंतरण विश्वक में बाला-विक्य क्य से कथित नहीं किया गया है हु----

- (क) नन्तरण से शुद्ध किसी बाव की वावत, उन्तर विध-णियम के वधीन कर दोनें की वासरक की दायित्व में कभी करने या उद्यक्त क्या सुविधा की सिस्ट-वरि/वा
- (च) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिभा खें किए:

अक्ष: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नोतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- भै० फासल प्रोपटींज एष्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) सि०,
 115, सम्सल भवन, 16, कस्तूरका गींधी मार्ग,
 नई विल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. मैं गुलमोहर होटल्स (प्रा०) लिं०, 2-एफ०। 16, धन्तारी रोइ, वरिया गंज, नई दिल्ली। (सम्बरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रशेषत सम्मन्ति के बर्चन के बिक् कार्यनाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यपः 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 4.8. दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीश से 30 दिन की बन्धि, वो भी वन्धि बाव में समाप्त होती हो, के जीतश पृत्रीकर व्यक्तियों में से किसी कांजित कृताय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशका की खाडीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकों ने।

स्यव्यक्तिकरण:----इतमें प्रयुक्त क्षेट्यों जीर पदों का, विशेषिक स्विधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में दिसा विशेष हैं।

अपूर्वा

फ्लैंट नं० 411, 39, मेहक प्लेस, नई दिल्ली, तादाबी 450 वर्ग फिट्ट

> धार० पी० राजेन मक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीचा: 29-11-1985

मारून बाइं.टी.एन.एस.

बायकर की धीनयम, 1901 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के वधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याजय, तहायक मामकर कायुक्त (निरीक्तन)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वती इसमें इसमें परभात दिवत अभिनियम कहा गया हैं), की भाष 266-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कहात हैं कि स्वावर संपतित, विश्वका प्रवित्त वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० पजैट नं० 204 है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई विस्ती में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिर्ट्रीकती भिक्षिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई विल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख भन्नेस, 1985

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतृष्णम के निए जन्तिरित की गई है और यूभे यह जिल्लास खरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार जूका, उसके दश्यमान प्रतिपत्त्व से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का कृत्व प्रतिकृत से विभिन्नः है गृरि ज्ञारक (वंतरका) और ब्रिसीरती (बन्तिरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तस पाग ह्या प्रति-कृत्व विक्तिसित् स्वादित्य से उच्छ अन्तरण सिक्ति में वास्थ-

- हैं के लगारण के हुए जिल्ही नाम की बानक, उपक विधिनयम के बाधीन कर दोड़े के बासरक की बारिकम् वे काली करने वा स्थाप वसमें में श्रीक्श्य में बियु; श्रीए/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी घन या अन्य वास्तियी को, विक्रू भारतीय बाय-कर वीभीनयम, 1922 दें 1922 का 11) वा उन्त विभीनयम, या नक्कर व्यक्तिसम्बद्ध, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ कर्नारती ह्याराप्तक नहीं किया क्या या या किया काला वाहिए वा क्रियान में हरिका के दिवस के दिवस

नमः भव, वश्त श्रीभृतितम् की वारा 269-त् से, अनुसरम् भा, भी, समत स्थितियम् की शास 269-च की स्पर्धास (1) से सभीन विस्तृतिस्थात स्थानस्यो स्थात ह— मै० धन्तल प्रोत्टींज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०
 115, धन्तल भवन, 18, कस्तूरबा गौधी मार्ग, मई दिल्ली।

(भग्तरक)

श्रीमती सरोज सेठी, श्रीमती रिव भितन, निवासी——
 42/48, पंजाबी साग, नई दिल्ली।

(पग्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किंद्र कार्यवाहियां चुक करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षी :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूपना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा पया है।

धन्स्यो

पनैट में • 204, घम्जा विष ,14, कस्तूरमा गौधी मार्ग, वर्ष विस्त्री, सारायी—480 वर्ग फिटो

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जक रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 28-11-1985

चोडर :

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस. ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, विनाँक 28 नवम्बर 1985

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/4~85/ 1671——अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201 है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज−1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख भारील, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्ष्यमान शिक्षण के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार नृज्य, उसके बच्यमान प्रतिकास से, इते बच्चमान प्रतिकास का रुच्छ प्रतिकात से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्य पामा गमा प्रतिकाल निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संशुद्ध किसी आय की वावत कक्त जिल्ल जिल्ला की वधीन क्या को से अन्तरक की शांवित्व के कभी करने या उत्तर्स वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किथी जाव वा किसी भन या जस्य आस्तियों की, जिन्हीं आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अत: मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

35-416GI/85

 मैं० भ्रन्थल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, श्रन्थल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी तारा गुप्ता (माइनर) ,श्रीमती मन्जुला गुपता, निवासी~-96, माडल बस्ती, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत निधिन्यमं, के अध्याय 20-क में पहिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

मन्सूची

फ्लैट न० 201, श्रम्बा दिन ,14, कस्तूरबा गाँधी मार्गे, नई विल्ली, तावादी--400 वर्ग फिट।

> न्नार० पी० राजेश नक्षम मधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जेन रेंज⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली−110002

तारीख: 28-11-1985

ध्यक आई . ती . एम . एख . -----

भागकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

ं कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्म<mark>ाक्षक)</mark>

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1672-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इस्में इसकें पड़कार, 'उक्का अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्य करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट न० 202, है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार बूल्य से कम के क्लामान प्रतिफल के निए अंतरित की पह है और मुफ्ने यह जिल्लास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त तंपत्ति का उपित बाजार क्लाम, कबके दरबमान प्रतिफल से, एसे दरबमान प्रतिफल का प्रविद्य का प्रविद्य प्रतिशत निपक्त की अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) और अन्तरिक्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय प्राया नवा हिक्कन, निम्निनिचत उद्वेदिय से उक्त अन्तरण निम्निनिचत प्रविद्य से उक्त अन्तरण निम्निचत प्रविद्य नहीं किया गया है है ——

- (क) वस्तरण से तूर्य किसी क्या की वस्तर, उक्स वृषिनियम के वसीन कर देने के वस्तरक के शक्तिक में कती करने या समसे क्या में मुख्या के सिए; और/भा
- (क) एसी किसी बाब या किसी अन या बन्त आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयांकनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था कियाने में रिक्या विश्वा से जिल्हा किया वा किया जाना चाहिए था कियाने में रिक्या से जिल्हा

बतः अव, उक्त विभिनियम को धारा 269-ग के जनुसरक माँ, माँ, उक्त विभिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) को उन्नीर जिस्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् हरू में भन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, भ्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी सुरिन्दर सोंधी, बी-87, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्परित के वर्चन के लिए कार्यवादियां करु करता हुं:

उन्त बन्परित से अवंत के सम्बन्ध में कोई भी आवीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की जनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिश्र नाव में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रमांक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित बुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान जिल्ला में किए का सकेंगे।

स्थाकीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्ष निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

अमृस्थी

फ्लैट नं॰ 202, भ्रम्बा दीप, 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, मई दिल्ली, तादादी-450 वर्ग फिट।

> म्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जेन रेंज,- 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

मो हरः

एकप बाद' । टी । एव । एव ।--

नायकर मीर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुर्थीय सुम्बा

भारत सरकार

कार्वालम, तहायक कायकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 28 नवम्बर 1985

बायकर विधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रथात 'उनत विधितियम' कहा नवा हैं), की धार्य 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का साहित हैं। कि स्थाबर सम्बंधि जिसका उचित वाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं।

घौर जिसकी सं० पलैट नं० 810 है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, अर्जन रेंज⊸1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख श्रश्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कल्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करा को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तियक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) बच्चरण से हुन्दी किसी नाथ की बाबत , कन्छ बहिन नियम को जभीत कार बोने को नस्तरक को बाबितक नो कभी कारणे या उन्नस बचने नो स्विधा को जिए; बीए/वा
- ेण) एंसी कियी नाय या किसी धन या नाय आस्तिकों का जिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में स्किथा के स्विधः

त्रतः अव, उक्त विभिनियम की भास 269-व की अवस्य को में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभी।, निम्निसिचिव क्यक्तियों, व्यक्ति

 मै० प्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ० एम० पी० डी० एसोसियेट्स, ए-1/18; सफदरजंग एन्क्लेब, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्विक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृवचा के राजपन में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ता में हितबब्ध किसी जन्य क्वितिस इकारा मभोहंस्ताक्षरी के पात जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-- धतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सू ची

फ्लैंट नं० 810, भ्रम्बा दिप , 14, कस्तूरबा गाँधी मार्गे, मई दिल्ली, तादादी-615 वर्गे फिट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज∼1, नई दिल्ली दिल्लो−110 002

तारीख: 28-11-1985

प्रकृष कार्यु हो . एवं . एक ,, कार नव पर प्रकृत

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) हाँ। भाष 269-म (1) के मभीन स्वता

तारत तर्जार

कार्यालयः, सहायक मायकर मायुक्त (नि<u>र्</u>दीक्क)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 28 नवम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1674--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 809 है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रजस्ट्रीकरण श्रायकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख भन्नेल, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह एतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य झास्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिपाने जे स्विभा के सिए;

गत: गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसदण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैं० श्रन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिं०,
 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्गे,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मै० प्रकाश एसोलियेट्स ,110 मेघदूत, 94, नेहरू चिलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

· उनत सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाश्वन की तारीश्व से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
 - (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल्य लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थ्यतीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्धों का, जो उनक्ष अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्त्रिक इं. अही अर्थ हांगा को उस अध्याय में विकासया है।

बन्त्या

फ्लैंट नं० 809, श्रम्बा दिप , 14, कस्तूरवा गाँधी मार्गे, नई दिल्ली, सादादी--450 वर्ग फिट।

> न्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

मोहरः

प्रकप आहें दी, एन एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याशन, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्ष्ण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवस्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1675---श्चतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० एरिया 425 वर्ग फिट है तथा जो फ्लैट नं० 209, 14 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), आयमर अधिमारो के मार्पात्य, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्विको सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रिथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके ब्रिथमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रिथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय बाबा ग्या प्रतिफल निम्निवित उद्वेष से उच्त सन्तरक सिवत में बास्तविक क्यू से कथित महीं किया गया है?—

- (क) जल्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बलाये में तुर्दिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों फा, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, मा धन-लर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया आ सा किया जाना आहिए था, जिन्माने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें. में. उप्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अधीत्:—— गे॰ अंसल प्रोनर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा॰) लि॰, 115, अंगल भवन, 16 के॰ जी॰ मार्ग, नई विस्ली।

(भन्तरक)

 श्रीमती नीता ग्रग्नवाल, बी-4-58, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली-29।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्रवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य विकत ब्वारा अधोहस्स्याकरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्धी और पत्नी का, को अन्ता जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पर्लंडि मं ० २०९, घमवादीप, 14 के ० **की ० मार्ग**; **नई** ावेक्ली, 425 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज−1 विस्ली, नई विल्ली→110002

तारीच: 28-11-1985

प्ररूप आहू". टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियमे, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ए+पू०/1/37—ईई/4—85/1676—ग्रतः मुक्षे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-क की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 806, है तथा जो भ्रमवावीय 14, कैजा मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), आयगर भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, नारीख मार्च, 1985

की प्रविक्त संपरित के उत्तित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्विष्य से उसत अन्तरण निस्ति भें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है ए---

- (क) बन्तरक तं हुइं किती शाव की शावत, उनक् मीधितियम के अधीन कर को के बन्तरक के शावित्य में कभी करने या उनसे वचने में स्विधा में सिन्द; मीड/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कत्य बाहिस्तयों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन्-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाला बाहिए था, क्षिता में सुनिया भी सिए;

कतः अन, अनत निर्मिगम की भारा 269-ए के अनुसरण मो, मी उथल जिभिनियम की भारा 269-ए की उपभारत (1) के अभीन, निरमिश्चित व्यक्तियों, अभित् हरू- मैं० श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, श्रंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मिस रीना मानन्द (माइनर) यूजी डा० (मिसेन जे० मानन्द ई-11, डिफेंस कालंगी, नई विल्ली। (म्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके वृजीकत सम्परित के वर्षन के जिय कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविधिया तत्संत्रंत्री क्यक्तियाँ पड़ स्वना की तामील से 30 विन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा बकोंने।

स्वष्यीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्ची

प्लैट नं० 8056, धमवा दीप ,14, के० जी० मार्गे; नई दिल्ली।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप बाइ टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नधीन स्थान

अप्रत स्पन्तर

कार्यासय, सहायक भागकर आगृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

नई विल्ली, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/137-ईई०/4-85/ 1677--धतः मुझे, भार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशाद 'उल्ला अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-क से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 819, है तथा जो 14, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची सें और पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा के श्रधीन, तारीख भर्जल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पास के उपित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगा) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल ोमनलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी साथ की शायत उक्त अधि-नियम के अधीन कह दोने के बन्तरक के दायित्व में अभी करने वा उसके बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (बा) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्नत, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनी ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था विश्वा पानिया जा बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जन: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ओ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र— मैं० भन्तल प्रोनर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०,
 115, भन्तल भवन, 16, कस्तूरबा गौंधी मार्ग,
 नई विल्ली।

(भन्तरक)

2. मास्टर यूविन्दर मानन्द यू./जी० डा० जे० मानन्द, निवासी--ई०-11, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

की वह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काझें क्ष्म

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्षित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारी के के 5 दिन को भीतर ज़क्त स्थावर सम्प्रीत में हित-भूष्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीं करण: ---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पतों का, को छ०। अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यह हैं।

वनसची

फ्लैट नं 819, ग्रम्बा दींग, 14, रु:तूरवा गाँधी मार्गे, नई दिल्ली, ताबाद्री— 450 वर्गे फिट।

> मार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप बाह्र ,टी . एन . एस . ------

नावकर विधितियय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना भारत तरकोर

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज्ञ-1, नई दिल्ली

नई विल्ली. दिभांक 3 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/4—85/ 1678——आतः मुजे, आर० पी० राजेश,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट न० 1201 है तथा जो 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, ५६ दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जंग रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिमियम, 1961 के अधीम, तारीख अप्रैल,

को प्राेंक्त सम्पेंदित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पेंदित का उचित बाजार मृत्य, असके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिखत से अधिक है बार बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्दोस्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण वे हुए जिसी बाव की शतक, क्या वृधिनियम के स्थीप कर यो के क्यारक के समित्य में कर्म करने या उपसे ये क्यारक के सिए; सार्/भा
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के परोप्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अधः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धः 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियंः, अर्थात् :— 1. मैं० अन्यस प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, अन्यल भवम 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग मर्ड दिल्ली,

(अन्तर ह)

2 श्री मैं० के० एस० भट्ट (एच-पू-एफ) 9, निजाम्दिन ईस्ट, मई घिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पृतित के मर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्परित के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप क्र---

- (क) इस सूचना को राजपणी में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजकत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिन में उत्तर के रास

स्पक्षीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस नध्वाय में दिना ववा ही।

मनुसूची

पलेट नं 0-1201, अस्वा दीप, कस्तुरबा गांधी मार्ग मई दिल्ली, हादादी-800 वर्ग फिट,

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-1 मई दिल्ली

विभोक : 3-12-1985;

No Company and the control of the co

प्रकार काहा हो एक एक ना कार्याना ।

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के क्रफीन मुख्या

भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिभांक 3 दिगम्बर 1985,

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एनगु/1/37ईई/4—85 1679——अत: मुझे, आ४० पी० राजेश,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं० फ्लैट नं० :505 श्रीए :1506 है ाथा की कस्तूरवा गाधी मार्ग, वर्ष जिल्ली में स्थित है (श्री इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण कर स विकार है), प्रजिस्ट्री- यत्ती अधिकारी के वार्यालय, अर्जन रेज--1, वर्ष लेल्ली में भारतीय आयकर अधिक्यम, 1961 के अधिक, वारीख अप्रैल, 1985

कां पूर्वोक्तः सम्परित के उषित बाजार मूल्य में काम क इव्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्त-थि रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषत व्यक्तियों, अर्थात् :--36—416 GI/85

 से० जनाम प्राप्तिक एण्ड इण्डस्त्रीत (प्रा०) वि.०., ११५० व्हाल भवार १० इस्तुल्या गाँवी मार्ग भई विल्लीत

(अस्य (기원)

2. मैं० नेपाल बात्य (संदर्भ 5.4) तथ प्रवासिक एक का ल्या की द्वार भंजाबा

(अन्दर्भिती)

का यह स्वना अरो करक प्रांक्ति नम्परित के अर्जन के लिए कार्यनिर्धा शुरू करता हूं।

उस्त संपत्ति के अजन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृच्या के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्वित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंटनं र 1505 और 150**6 श्रम्बा रम्**या (४ एम्<mark>तू का गांधी</mark> मार्ग इर्क दिवसी कान्द्रदी— -1000 वर्ग फिटा

> ा ० पी० पाजेश एक प्राधिकारी

नद्रापात अस्य १ १८५२८ (सिरीक्षण) राजि विद्यास विस्तर एकि दिल्ली 110002

नार्जीका: 0+! 5+ ±985

वक्ष बाह्". टी. एम. एस. -----

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन मुखना

बाइव चडकाड

ालय, **सहायक कायकर भागृक्त (गिरीक्षण)**ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985
मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू/1/37ईई/4~85/1644----: ग्रान: मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

अत्यक्षः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का वह विक्वास करने का कारण है कि ।भावर सम्पत्तिः, विक्का उचित वाचार स्म्य 1,00,000 र र . पे अधिक हैं

और जिसकी हंख्या फ्लैट नं 818 है तथा जो 14 कस्तूरबया गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है) में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम, 1961, के अधीन, नारीक अर्थेल, 1985

अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीक अप्रैल, 1985 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित् बाजार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, देसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे बन्तरक के बिए तय पाया यवा प्रतिक्त क्रम किन्निनिम्ल उद्देश्य में उक्त अस्तरक निर्माणत के बाम्सीकक

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाब का बाबत, उक्त माधिनियम के अभीय कार दोन के बन्तरक स गाधिनक में कमी कारने या उससे अथने में ब्राजिका स्व १८११ जीवर भन्ने
- लं रसी किसी बाय या किसी पन वा बन्य आस्तियाँ करे. चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन कि निम्निसित व्यक्तियों, कर्धात :--

 मै० ग्रन्सल प्रोपरटीज एण्ड इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रवतरक)

 श्री सुरेश विरमानी,
 श्रीमली नीना विरमानी सी०ओ विरमानी एसोसियेट, ई-1, कनाट पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुषता जारी करके प्रविक्त मम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता है

उक्त सक्यक्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की सबिध, खों भी कविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेशिक आक्रिक्श हों से किसी क्यों क्या विभाग स्थापत होती हो, के भीतर पूर्वेशिक
- (स) इस सूचनः कं गुजपत्र कं प्रकासन की ताराचा : 45 दिन को भीशा उक्त स्थापर सम्पत्ति मो हितबक्ष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किथि में फिए वा सकीयें।

स्वतीकरणः -- इसमा प्रमुक्त शब्दों स्वरं पद्यों का, को स्वयक्ष स्वीतिक्षण से स्थाप 20-क में परिश्राण्ड हैं, यही वर्ष होता तो उस संभ्याभ्य में दिया पथा है।

वनसूची

फ्लैट नं० 818, ग्रम्बा दीप, 14, कस्सूरबा गांधी मार्ग, नर्ष दिल्ली तादादी 535 वर्ग फिट,

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीक: 2-12-1985

प्रक्ष्य आधै.टी.एन.एस.-----

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैत रेज=ा, त्रष्ट दिल्ली क्षड दिल्ली, दिशांट 3 दिशस्त्रण 1985

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1681--अतः मुसे, जल्ला० पी० भीगाः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त 'घिनियम' का गया है') की भारा 269-च के अधीन सक्षम पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्नेष्ट नं० १०३. हे तथा जो 38, नेहरू प्लेड, पर्छ दिल्ली में स्थित हे (श्राट इ.) जापाय उनुभूती में भ्रांप पूर्ण का ने धींगा है), प्राविष्ट्री की अधि गरी के स्पर्यालय, अर्जन रेज—1, पर्छ (स्पर्या में, भारतीय अधि गरी अधिनियम, 1961 के अर्थात, प्राविश काल, 1985

कर पूर्विक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृन्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसं दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुइ किसा अय के बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किली भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ मन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- अन्सल प्रोपटींज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०,
 115. अन्सल भवत 16. उस्तूरचा गांवी मार्ग,
 नई दिल्ली ।

(अस्तर ग्र)

 मै० गुलमंहिर होटल्स (प्रा०) लि०, 2→एफ०/ 16, अन्सारी रोड़, दरिया गंज, भई दिल्ली। (अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र जै प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

जनुसूची

फ्लैंट नं० 404, 38, नेहरू प्लेस, भई दिल्ली सम्बादी 360 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेण उक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 3-12-1985

प्रकप आड .टि. एन . एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, गई दिल्ली

गई दिल्ली, दिगा 3 दिसम्बर 1985

भिवेश में अर्डि ए० मी०/एस्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1682-अर: मुझे, आए० भी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार ('उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर भिनको सं० फ्लैंट नं० 405 है एथा को 38, नेहरू प्लेक, वर्ष (दल्ती से स्थित है (और इस्ते उपायद अतुभूती में श्रीर पूर्ण रूप स विभिन्न है), प्रतिस्त्री वर्ष अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-न, वर्ष दिल्लीमें भारतीय आयाल अधिवयम, 1961 के अधीर वारीख वर्षण 1985

का पृत्रों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निचत में बास्तिक रूप के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संदुर्द किसी आम की वावत, उच्च अभिनिवन के अभीन कर दोने के अन्तरण के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुक्रिभा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी भन या बन्ध आस्तिनों को, बिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य के अनुसारण
मी, मी, उत्तत अधिगयम की धारा 269-व की अपधारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

 अञ्चल प्रोबर्टीन एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिए 115 अन्यल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, वर्ष दिल्ली।

(अन्तर्क)

2. मैं० गुलमोहर होटल्म (प्रा०) लिं०, 2-एफ०/ 16. अन्धारी रोड. दिया गंज, गई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के सिद् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिवतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त जब्दों और पढ़ों का, जो उक्त बिध-नियम के बच्चाय 20-क में परिभाष्टित है, बही कर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 405, 38, नेह्म् लेस, नई दिल्ली, तादादी 360 वर्ग फिटं।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली110002

ता्रीखाः 3-12-1985

मोह्र्र :

प्रस्यं नार्षं. टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर अध्यम्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं श्राई० ए० मी०/एक्यू०, 1/37—ईई/4-85/ 1683—-श्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा ?69-म के अधीन स्थान पाधिकारी की यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 401 है तथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, नारीख ग्राप्रैस, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सृविधा के लिए; और/या
- (ष) एसी किसी आय दा चित्रमी पत या कस्य अधिकाले का, जिल्हा भारतीय आयकर अधिकासम्, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिकासम्, या पत-कर अधिकासम्, या पत-कर अधिकासम्, 1957 (1957 का 50) वर्ष प्रतिज्ञार अन्तरिती दुवारा प्रथा नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसाह मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थातु:--- म्रन्यल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि॰, 115, म्रन्यल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० गुलमोहर होटल्स (प्रा०) लि०, 2-एफ०/
26. अन्सारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

का यह स्थान आरा अस्क ध्याक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए अर्थिमाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति क अवस्य क गवध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यां क द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निकास में किए जा सकोंगे।

ल्पण्डीकरणः ----इसगो पय्कत शब्दों और नदों का, आ उत्तर अधिनियम के लक्षाय 20-क भा परिभाषि । हैं , यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

ननसची

फ्लैंट नं० 401, 38, नेह्रू प्लेस, नई दिल्ली, नादादी 476 वर्ग फिट।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्क (तिरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 3-12-1985

प्रकृष , आर्च , शी. एग , एस , ------

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन मुख्या

मारत स्रकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज- 1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1-37-ईई, 4-85/ 1684--म्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1414-ए० है तथा जो 38, मेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख अप्रैल, 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार सून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्दा है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के कीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नितियत स्वर्ध में उक्त लंदरण सिवित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का:11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जलः अवः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- गृह प्रमुल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डप्ट्रीज (प्रा०) लि०) 115, ग्रम्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. डा० धर्मवीर णर्मा, श्री विवेक दुग्गल, मी/ओ० न्यू दिल्ली पोली क्लीनिक, के०-35, कनाट सर्कम, नई दिल्ली।

(थन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीयत सम्पत्ति के अजन के निक कार्यवाहियां शरु करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के मंबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की हाररेष हैं। 45 दिन के भीतार उत्तर स्थाजर समर्गत को हिन-बर्ध किसी अन्य त्र्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमा प्रयापत शब्दा शीर पटा था। यो अका अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट नं 1414-ए०, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी 450 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोंज-1, दिल्ली नई दिल्ली -110002

नारीखा: 31-12-1985

माहर:

Tanta producti de la como cambia e en adestrar de disensa de al como de la como dela como de la como dela como de la como

प्रकृष बाइ'. टी, एन. एस.-----

आवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्स (निरीक्षण)

प्रजेत रोज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक अंदिसभवर 1985

निदेश सं ० आई० ए० सी०/एक्य ०/1/37ईई/4-85/1685-अतः मुझ, आए० पी० राजेश,

चायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व धरे मधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्छित बाजार मृत्य 1,00,000/- एतः से अधिक हैं।

और जिसकी संव पलैट नंव 1216, है तथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनसुची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालयः अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के उध्यमान प्रतिपत्रक के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्याँक्त संपत्ति का उचित वाजार मुक्य हासकी बाध्यमान प्रतिफाल सं एसि बाध्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह भीतशत से अधिक हों. और अनारक (अंतरकों) तीर कलरिती (अन्तरिशियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तम पाया नया प्रतिपाल निम्नसिधित उद्देश्य सं उक्त वस्तरण सिधित वो एउन्छायिक स्थ्य से किथित नहीं किया गया है उ

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत , अनत मधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे बचने 💣 सुविधा के विष्: और/वा
- (क, एसी किसो अप या किसी धन या अन्य **वास्तियाँ** का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम सा पंतकर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नेथा था था किया जाना चाहिए भर, जिल्लाने ले श्रीवधा के सिष्,

इत: अथ, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसर्च में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्रन्मल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115. अन्मल भवनः 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, न**र्ड** दिल्**ली**।

(अन्तरक)

मनोज श्रप्रवाल, नी∵ज प्रप्रवाल, यू/जी० एन० पी० ग्रथमाल, कुमारी मिवता बी० काबडी, कुमारी सकती बी० काघाडी, यू०/जी०, श्री बी० एन० कावाडी, निवासी----184, सिद्धार्थ इनक्लेच, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के प्रिए कार्यधाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---- े

- (क) इस स्थाना के शखपन में प्रकाशन की **तारीय है** 45 विन की अविभ सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 विन की जब्धि, को धी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त **व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारः**;
- (स) इस त्थनाके राज्यत्र में प्रकाचन की उपरीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोद्वस्ताक्षरी के पांच तिवित में किए वा सकेंचे।

ल्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उच्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में वरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याक मे विया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 1216, 38, नेहम्य प्लेस नई दिल्ली तादादी 598 चर्गफिट।

> श्रार• पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक कारका, आयुक्त (नि**रीक्षण**) प्रजेन रोज-1 दिल्ली गई दिल्ली-110002

नारीख: 3-12-1985 मोहर '

श्रद्भ बाहे . ८३. एन . एस . ---

भाष्यकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भागालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी॰/एक्पू०/1/37-ईई/4--85/1686--- श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बाय्कर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-छ से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1211, है नथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में ल्था है (और इसने उनावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रवीत तारीख श्रील. 1985

का पृशाक्त संपत्ति के तिचत आकार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल दिम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बासविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण संहुदं किसी बाय की शब्त, उब्स बीविनियत के अधीन कर दोने के वंतरक के दायित्य मों कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: बॉर/या
- (च) एसी किसी बाव वा किसी भन वा बन्ध जास्सिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्टान्स्स अस्तिभी देवास अबट नहीं किया गण या या नियम राज्या स्वास प्राप्त के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की यारी 269-ए के अनुहारण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिकत व्यंक्तियों, अर्थात :--- 1. मैं० अन्सल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्रालोक बारमहर्कान्या मी/ओं इंडिएम् एस० प्रमुखान, निवासी- 15, दरिया गंज, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करकं प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ध भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के प्रचपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को अनिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्ग व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जा उस कथ्याय में दिया स्वा हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं । 1211, 38 नेहरू प्लेस, न**ई दिल्ली,** नादादी 450 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजण मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुवन (निरीक्षण) अर्जन रोज-ा, जिल्ली, नई दिल्ली--110002

ातरीखा:: 3--12--19**8**5

मोहर

क्षण नाह[े]ं, क्षी_ल हुन_ल हुन्_ल क्रान्स्ट

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक नायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/1687--अत': मझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- र से अधिक है

भीर जिसकी सं० जी० एफ० 9 है तथा जो 38, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में थ्यित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीमती मधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में मारतीय आयकर पश्चित्यम, 1961 के अभीत, तारीख अप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि दश्यपूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एने ध्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए उस स्वा गया प्रतिफल, निम्तिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी बाय की वावस, उत्तर बीधीनयम से अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूबिया के जिए; बीर/या
- (भ) एसी किसी या किसी भन या जन्म जास्तिनी को जिन्हें भारतीय जायना अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ. इ. बिधिनियम, बा. भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा से बिहा:

का कर इक्षम विभिन्निय की भारा 269-ग के बनुसरण के, मी, उक्त अधिवियम की गरा 269-प की उपचारा (1) वे अधीर जिस्सिलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— 37—416 GI/85

- 1- धन्सल प्रोनर्टीन एण्ड इण्डरद्रीन (प्रा०) सि०, 175, धन्सल भघन, 16, कस्तूरबा गांधी सार्ग, नई दिल्ली। (धन्सरक)
- अगस्टर मारत खोसला, कुमारी भाषना खोसला, पू०/ जी०, श्री राक्षेण खोसला. निवासी-ए०-49, न्यू फेंब्स कालोनी, नई दिल्ली।

(पग्वरिती)

न्त्री यह सूचना जारी करके पूजे नत सम्परित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हूं।

बाबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाबीर ह---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 4.5 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामी? से 30 दिन की अवधि, यो बी अवधि नाव ए समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाड़ा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितककृष् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड चिक्ति में किये जा सकती।

लक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहरें का, जो अवक जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, नहीं अर्थ होगा. जो उस नध्याय में दिका गया ही।

वन्तुनी

प्रतिट नं० जी० एफ०-- 9,38 नेहरू प्लेस, नई विक्ली, सादावी-- - 500 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेन समम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज--1; दिल्ली, नई दिल्ली--110002

नारीख 🔧 3- 12- 1985

मोह्नर:

प्रचम् जादौ. दी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'गरा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत प्रत्याप

कार्यातव, बहायक वायकर वायकर (निर्यातन)
प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 3 विसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई०/4-85/ 1688---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं समा देश र जाता जिल्ला नियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी० एफ०—10 है, तथा जो 38, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज—1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961 का धारा के श्रधोन, तारीख श्रश्रैल, 1985

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि बधा पूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके क्यमान प्रतिफल से, एमे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निक्निविचत उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण ते शुद्ध कियी नाव की शावत, अवक अधिनियम के श्रीम कह की के अन्तरक के शामित्व में कनी करने वा उससे वर्षने में सुनिधा के लिए; बीर/मा
- (क) एंसी किनी नाव वा किसी धन या नन्य नाक्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ व्यवस्था वृत्तिरही दूनारा श्रव्य नहीं किया नवा ना ना किया नाम वाहिन्य वा किया में लिका के लिए;

णतः वय, अव्यः वियोजनम् की भारा 269-व के निमृत्राण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :---

- भग्सल प्रोपटींज एष्ट इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि॰,
 115, भग्सल भवन, 16, कस्तुरवा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली। (भग्सरक)
- 2. भी रमेश बी काली, 304, भाशा विव, हैली रोड़, मह दिल्ली।

(पन्तरिती)

को यह त्कना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्वनहियां करता हूं।

उक्त कम्पन्ति को कर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ह—-

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अपीच या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर
 श्वना की तामीय में 30 दिन की अपीच, मो की
 अपीच पाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजनम में प्रकाशित की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पाक निविद्य में किस वा क्केंचे।

रवक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, वो उनक जीभनियम, के अध्याय 20-क में परिधावित है, वहीं नर्भ होगा को उस मध्याय में दिया नवा है।

प्रमुशुची

पर्कंट नं० जी० एफ०~10, 38, नेह्रक प्लेस, नई दिल्ली तादादी 427 वर्ग फिट।

> धार० पी० राजेस संसम प्राधिकारी सहायस प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई किलो-110002

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

हक्य बार्ड . सी . एन . एस . ------

बाइकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं

बारक बहुन्धार

कार्याक्षय, सद्दायक सायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 3 विसम्बर 1985.

शिदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1688--मत: मुझे, मार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवसास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूल्य 1,00,400/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं स्पेस नं बी - 24, है तथा जो 38, मेहरू प्लेस, नहैं दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-1, नई दिस्ली में भारतीय भामकर धिधिनयम, 1961 के धभीन, तारीख धर्मेल, 1985

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमन श्रीतकश को लिए अंतरित को नह है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-द्रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पासा नवा प्रतिकृत निम्मनिश्चित उद्देश्य से उच्न अंतरण लिखित वे शस्तिक रूट से द्रश्यक कहीं किया नवा है :---

- (का) अध्यारण को हुन्दें हिनसी जाय की बाबत, उक्त अधितियम को जभीन कर दोने को अध्यारक को बावित्य में कसी करने या उद्धरो नयने में तृतिथा के निए; बीर/ना
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को विष्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धर-कुत विधिनयम, या धर-कुत विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ विद्या रिती बुदार प्रकट नहीं किया गर्मा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा वे जिए ॥

वराः वर्ष उक्त नींधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, क्का व्यथिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) वी वधीन, निम्मिक्तिक व्यक्तिकों, न्यांति ह— 1. भारतल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, भारतल भवन, 16, कस्तूरवा गाँधी मार्ग, नई दिस्सी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देश बन्धु सूद पुत श्री श्रार० पी० सूद, श्रीमर्ति। शाँता सूद पत्नी श्रो देश बन्धु सूद, निवासी एल~12, कैलाश क्रिकालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पृष्ठीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

रक्ष स्माति के बर्जन के सम्बन्ध मों कार्य ती आक्षंप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस के 45 दिन की ब्रवीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीन से 30 दिन की अविधि, धों भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर राज्यां न माहलबम्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकींगे।

सम्बद्धिकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदा वृधिनियम के वध्याय 20-क में परिकाधिर इ, वहीं वर्ष होगा को एस अध्यास में दिका पदा है।

बन्स्ची

पर्लैट नं बी-24, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 455 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **फर्जन रेंज**⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

तारीख: 3-12-1985

बोहर 🕾

म्बन् वार्'.टी..एन..एक्...------

व्यवकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) का वाक 269-व (1) के विभीत सूचवा

बारक करकार

श्रायंत्रक, सङ्घायक कामकर नायुक्त (निर्वासन) क्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्लो, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निवेश सं अगई० ए० सो०/ए र्यू०/1/37-ईई/4-85/ 1680--- भतः मुझे, भार० पी० राजेश,

बावकर अधिनियम, 1961 (1967 का 43) (विषये इसमें इसके एक्वात् 'उन्त कि धिनयम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थान,र सम्परित, जिसका उचित बाचार धूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

पौर जिसकी सं० की — 5 है सथा जो 38, नेहरू क्लेस, नई बिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूवी में पोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज — 1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर पिंचिनयम, 1961 के अधीन, तारीख भन्नेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से तक के दृश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरिक्ष को नक्ष है जैर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्याप्तानिक प्रेपेट्व का अधिक वाचार कृष्ट, उसके उस्वमान प्रतिक स है, एंखे अध्यमान प्रतिक का विश्व का विश्व का विश्व का विश्व का विश्व के विश्व क

- हैंक) अन्तरण से हुन्दें किसी गांय की वावक, वर्ष ब्रीधिनियय के अधीन कर दोने के बन्तरण के शायित्व में केनी करने या वससे वज्ञने में सुविधा के लिए; ब्रीडिं/या
- (ज) देवी किसी बाम वा किसी पम वा बन्म वास्तिनी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के इसोबवार्ण जन्मद्विती जुवारा प्रकट नहीं किस पदा वा वा विका काला वाहिन्स वा, कियाने में वाहिना वे लिए।

बत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के बचीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 धन्सल त्रोनटींन एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०, 115, धनतल भवन, 16, कस्तूरना गाँवो मार्ग, नई विस्ली।

(मन्तरक)

2. सर्वित बुरीयू भॉफ इण्डिया; 407, सरस्वती हाउस 27, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कर्यमाहियां करता हु।

बन्द बम्प्रिय के भवंग के सम्बन्ध को खोड़ों भी आक्षण 💤

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की विविध या तत्स्य स्वाप्त स्थित या दिन स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्याप्त स्थान स्थान
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच ने 45 दिन के भीत र उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवहुच किसी बन्य व्यक्ति द्नारा न्थोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किस वा बकेंगे।

स्वर्धीकरणः - १वजी प्रवृत्तः शब्दी शरि पर्यो श्राहः को स्वयक्ष हिंगित्वम्, को वश्याम् 20-स ने प्रिमाणिक है, वही वर्ष होया थो उस् कृष्याव के विवा यवा है।

यन्स्य

बी—5, 30, नेड्क प्लेस, मई विस्ती, नावाबी —605 भगे फिट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1₃ विल्लो, नई विल्लो-110002

तारी**य**ः 3—12—1985

मोर् ।

प्रकप बार्षः दीः एनः पुरु ः =======

बायकर मिपिनियम,, 1961 (1961 का 43) की थाउर 269-क (1) के मधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक बायकर आयुष्ट (विरक्षिण) वर्णन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च चै अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट मं० 1214 है तथा जो 38, भेहक फ्लेस, नई विल्ली में स्थित है (धौर इसमे उपायस अनुमूत्री में धौर पूर्ण का से वर्णिन है), राजद्री तर्ती घिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-2, नई विल्ली, भारतीय भायकर धिनियम, 1961 के घर्षान, तारीख धर्मेण 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफश के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पत्त्रह शितसत्त से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण बिचित में बास्तिकल, निम्निसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण बिचित में बास्तिकल क्य से कथित महीं किया गया है ——

- (क) अन्तरभ से हुइ किसीं जाय की वाबत , बक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक की साथित्य वो कभी करने या उससे बचने यो सुविधा के किए; बरि/या
- (क) पंती किसी जाव या किसी अन या जन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या अन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के सिएं

वर्षः भ्यं, उक्त विभिन्तियम औं भारा 269-ए के अनुसरम को, मी, उव विभिन्तिम की धार 269-में की रेपेशारा (1) को वधीम, विक्वविविद्य व्यक्तियों, वर्षात् :--- मैं० भन्सल प्रोवर्डीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिं०,
 115; भन्दत भवन, 16, कस्तूरबा गौधी मार्ग,
 मई विस्ली।

(मन्तरक)

2. भी मीत काली पुत्र भी घार० बो० भाली, 304, घाषा बीप हैली रोड, नई दिल्ली। (घग्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्ने पूर्वोक्ड सम्पत्ति के अर्थन के निम् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पद्म स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी स्था व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए वा धकेंगे

स्यक्तिसम् १----इसमें प्रयुक्त कथ्यों जार पदों का, जो अवक अधिनियम से अध्याय 20-क में परि--भाषित हैं, यही वर्ष होगा को उस कथ्यक वे दिया गया है।

धनुसुची

परीट नं 1214, 38 मेह्य प्लेस; नई दिल्ली, तावाबी 880 वर्ग पुट।

> धार० पी० राजेस सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, विस्ली, नई विस्ली-110002.

तारीख: 3-12-1985

षोदर:

प्रक्रम बाह्", टॉ. एन. यह. -----

नावकात निधिनियम, 1961 1961 का 43) की वारा 269-न (1) के मधीन स्थान

मारत बहुकतू

कार्यायम, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिक) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नदै विल्ली, विनोंक 3 विसम्बर 1985

निवेश सं • धाई ० ए० सी ०/एक्यू०-1/37-ईई/4-85---1692--- मतः मुझे, घार० पी० राजेश,

बावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) (विधि इसमें इसके परवास् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार भृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 407 है तथा जो 34-एफ०, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इससे उपाबद भनुसूनी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्द्री ति मिंधिशारी के कार्यालय मर्जन रेंज-1. नई दिल्ली में भारतीय पायकर भीधनियम, 1961 से मधीन, तारीख मप्रैल, 1985

की पृथींचर सम्मरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमाध्य पिकस के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते वह विश्वास्य का कारण है कि यथापृत्रीक्त संपरित का उपित बाजार कृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का चल्क प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित का क्ष्यामान प्रतिफल का चला प्रतिकत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तर्भ की लिए तक पाया गया प्रतिकत, जिन्नसिवित उप्रदेश से उच्छ अन्तर्भ विश्वास का स्थापन का विश्वास का स्थापन का विश्वास का स्थापन का का स्थापन का

- (क) शन्तरण से शुद्द किसी बाय की बाबस, सबस वीधनियम के वधीन कर दोने के जन्मद्रक के व्यक्तियम में कमी करने वा नससे वचने में कृष्टिका के व्यक्तिया बाँकिया
- (क) एची किसी बाय या किसी घन या जन्त बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, दा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को बयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था या किया झाना बाहिए वा, कियाने में ब्रियम के बिक;

वर्गः वन, जन्म निर्मानयम को धारा 269-न व निमुद्द को , वी, सम्बद्ध निम्मान को धारा 269-व की उपधारा (1) के नभीन, विक्यविक्ति व्यक्तियों, नर्थात् :---

- मैं कैलाय नाथ एण्ड एसोसियेट्स, 1006, कंचन जुगौ, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- श्रीमती जया राजीव सक्सी शाह, 5, मगवान वास रोड, मई दिल्ली।

(मन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्णन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

वक्त ध्रमति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाओप ह-

- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की नवीथ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रश्न स्वमा की तामील से 30 दिन की नवीथ, वो भी नवीथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस पूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितववृथ किसी कर्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताकारी के पाक विविध में किए वा सकते।

बनुषुषी

प्लैट नं॰ 407, तादावी—1600 वर्ग फिट, एक घोषन कार पाकिंग, प्रोपोजिड मल्टोस्टोराइड ग्रुप हार्जीसंग स्कीम; घविसवर एपाटमेंट, 34, फिरोजधात रोड, नई विल्ली।

> धारः पी० राजेण सक्तम प्राधिकारी धहायक भावकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीच: 3-12-1985

बोहर:

AND MILE SE MAN ENGINEER

नामकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के गणीय चुचना

नारत सरकार

कार्यांतय, सहायक कार्यकर नाव्यतः (निरीक्षण) भजैन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निवेश सं॰ घाई॰ ए॰ सी॰/एनप॰-1/37-ईई/4-8\$/ 1693--मतः मुझे, घार० पी॰ राजेश,

वायकर विभिन्निम्स, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवे इसके प्रवाद 'उक्त विभिन्निम्स' कहा गया हैं), की वास 269-क के अधीन सक्षम ग्राधिकानी को यह विकास करते का कारल है कि स्थाधार संपरिता, विकास उचित वासर श्रुका 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० एल० जी० एफ०-51 है तथा जो 17, बाराखम्बा रोड, नई विस्ली में स्थित है (भीर इससे उपानदा अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर भविनियम, 1961 के भविन सप्रैल, 1985

को पर्वोवत सम्परित के बिश्वत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यभान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पर्ति का उचित बाजार क्ष्म, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का इंग्रह प्रतिशत से स्थित है और अंतरक (अंतरकों) और बंध-रिती (बंदरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाया प्रमा श्रीतफल, निस्नलिशित उद्देश्य से उस्त श्रीदरण जिविक की बास्तिक क्य से क्षित नृहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण ने हुए कियाँ बाव की बावत, बन्तर वीभीनवंद के बचीन कर दोने के संतरक के दाविता वो कती करने या उससे बचने के सुद्रिका के किए। शर्रिका
- (क) एसी किसी बाग या किसी वन या बन्स वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाग-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत विभिनियम, वा भनका विभिनियम, वा भनका विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट वहीं जिला क्या था वा किया जाता वादिए जा, कियाने में इंडिया के निए.

जतः जब, जकत अधिनियम की भारा 269-ग को जन्तरण जो. जी अकर अधिनिवस की बारा 269-व की स्पर्धारा (1) की अधीतः, निम्निसिकिय व्यक्तियों, सर्थातः :--- ये॰ पनोट दिस्स, 301, पेयदुत दिस्मिन, 84, मेह्रण प्रेस, नई विस्ता।

(धन्तरक)

 क्षीमर्ता ती • उमा कामात पत्नी की सी • पू० कामात निवासी:--- 13/3, इंस्ट पटेल नगर, नई विस्ली । (भ्रम्तरिती)

को हुई कुन्ता बाटी कारके प्रतित्व सम्मरित के नर्बन के सिल् कार्यवाहियां करता हुँ।

क्का क्यारित की वर्षन की सम्बन्ध को कीई भी बार्बाप अ-

- (क) इस सूचना के रावधन में प्रकाशन को तार्थन के 45 विन की नवीं मा तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर धूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी वर्षाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त म्यक्तियों में ते किसी म्यक्तिय दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण की प्रकाशन की तारींब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-वद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किस् का सकेंचे।

रन्त्वर्गेकरणः—ध्समे अयुक्त सन्दर्भ बीर वदी का, जो सन्दर्भ अधिनियम के स्थाय 20-क में परिभावित हैं। बहुत सर्थ होता को तस स्थात के क्रिक क्या है।

सनुस्रपी

एल जी एफ ०-51 (पहली बसमें स्ट) 17, बाराबम्बा है रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, तादावी--276 2 वर्ग फिट।

> घार० पी० राजेन समम प्राधिकारी संद्वायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

तारीब्र⁴: 3-12-1985

योहर्:

क्षण वार्षे हो प्राप्त प्राप्त क्रान्यक

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बारत सरकार

कांगीसव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नहीं विस्ती

म् दिल्ली, विशंक 3 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० अः है॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/1/37 है॰ है॰/4-85/ 1694--अत: मुझे, आर॰ पी॰ राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अभिनियम' कहा पता ही, की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जितकी सं ० पजैट न ० बी-4 है तया जो कैनाम कालोती। नहीं बिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूण रूप से विणित है), रजिल्ही इसी अधिकारी के कार्यालय, वर्जन रेंज-1, नहीं बिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अवीत, बिलंक अप्रैस 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के जांचत बाजार मूल्य से काम के सरमान इतिसक के तिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि वशापूर्वोक्त सम्परित का स्वित वाचार बूक्य, बतके सरमान प्रतिकत से ऐसे क्यमान प्रतिकत का बन्ध गतिबत से विश्व हैं बीर बंधरक (बंतरकों) और बंगरिती (बंति। तियों) से बीच एसे बन्दरंग से तिए तन शवा च्या प्रति-क्य विश्वासित स्वृत्येश से क्यंत बंधरण विश्व में बाक्तिक इन से कथित नहीं किया गया है है---

- हिंदी अनुसारण में हर्ष किया थान की नावस समझ वर्षि -नियम को अधीन कर बोने के अंतरक के दायिएय में अपनी करने या उपसे वचने में शुनिधा के लिए औद्ध/पा
- (क) इसी किसी वार्त ना किसी वर्ष ना कर्य नास्ति की, विन्तुं नारतीय नावकर मीधीनयन, 1922 (1922 की 11) ना बन्द न्यितियन, का वन-कर मधिनियन, का वन-कर मधिनियन, का वन-कर मधिनियन, का वन-कर मधिनियन, का वन-कर नावक्ष मधिनियन, विन्तुं की विन्तुं मुख्यारी व्याप्त वक्ष नहीं किया वना वा किया वाना वाहिए था, कियाने में कृतिया के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अक्रियोन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६── (1) दिलाईट डिबलोपर्स (प्रा०) लि०, 115, अन्यल भवम. 16, कस्तुरका गांधी मार्ग, गई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विषय कुमार अप्रवाल, निवासी एस-374, ग्रेटक् कैलाश-1, ५६ दिल्ली ।

(अन्तरिवी)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किस् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बनत संपर्तित के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप द---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बदिश या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिश, बो भी बदिश वाद में समाप्त होती हो, के भीत द पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किस का सकोंगे।

वन्स्वी

फ्लैट नं बी-4 प्रोनोजिङ ईनाईट हाऊस, प्लाट न 36 जम्यूभिटी सेंटर, कैलाम कालोनी एक्सटेंसन (अमरूबपुर) भई विस्ती।

> आर॰ पी॰ पाजेश संभम प्राधि ारी उहायत आयकर अत्युक्त (किरीक्षण), अर्थम रेश-1, दिल्ली, कई दिल्ली-110002

বিদান: 3--12-1985

क्ला कर्ता. दी. एवं . दश्. -----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 4-3) की थारा 269-च (1) के नभीन स्टब्स

बारह सकार

कार्याजय, बहायक शायकर कामुक्त (रिगरीकर्प)

अर्जम रेंज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 3 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/1/37 ई० ई०/4-85/ 1695—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नामकर निभानवन, 1961 (1961 का 43) (रिवर्स इसमें इसके प्रकार (उक्स निभानवन' कहा गर्म ही), की मास 269 स के नभीन सकत प्राधिकारी की यह निक्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिल्ला उभित गाजार मस्य 1,00,000/- रू. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503 है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, कई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायब अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, मई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिशांक अप्रैल 1985

को पूर्वीयक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिकास से अभिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, विम्नसित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तबिक सप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाध की वाबत, उक्त अधिनियम की कदीन कर बाँच के अन्तर्क के दासित्व में कभी करने या उसने वक्षाने में सुनिया के सिद्ध; व्योद/वा
- (ख) होती किसी समय या किसी जन या बस्त कास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अभिनियम, वा धनकर अभिनियम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (19// का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला काहित था, कियाने में सुनिया के किए;

क्ष्यः धव, उस्त क्षिणियम् की शस्त 266-न से अनुतर्ग 4". में उस्त अभिनियम् की भाष 269-म की उपभाष (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति :— 38—416GI/85 (1) सरदार अवतारजीत सिंह, 13-वी, पूसा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय वर्ष, एम-183 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त बंधील के अर्जन के संबंध में लोई भी बासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अवश्वान की तारीस स 45 दिन की अवित्र ना असम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायन सम्पत्ति में हितकक् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मांहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकें ; '

स्वक्रिक्तरणः—इसमा प्रवृक्त शब्दों मी, पदों का, जो उक्क अधिनिवस, के का तथ 20-का में परिभावित ही, वहीं कर्य होंगे, जो उस अध्याय की हिम्म गमा ही ॥

ममुस्ची

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-17 दिल्ली, मई दिल्ली-110002

दिसाक: 3-12-1985

इक्ट आहे टी. एन . एम : "-----

भाषकर व्यिभियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यात्तम सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, भई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/4—85/ 1696——अत: मुझे, आ४० पी० राजेश,

बावकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बुक्न 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट न०-617, है तथा जो 89, नेहरू प्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, दिनांक अर्जन 1985।

को प्रशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याना मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उजिस बाचार मृत्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रविक्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिवित उद्देश्य से स्वत अन्तरण निविद्य में बास्तिक क्या से किथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरभ वंहुदं किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनिक्क के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उद्दर्श कार्य में सुविधा के शिक्ष; करि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, विश्व प्राचित्रका, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने प्रस्तिका के दिव्य के दिव

बतः वन, उक्त विभिनियम, की भारा 269-म के वनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) राधिका इधवेसअमेंट, ए-69, न्यू फेंडेंस कालोनी, मई दिल्ली, ग्रांर रिशी विश्मानी एंड सन्स (एच-यू-एफ) सी-11 चिराग इधक्लेब नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सदीप अरोड़ा पुत्न श्री मोहम लाल अरोड़ा 4 अभिष्ठोख बंगली फार बंगलोषा अन्धरी (वेस्ट) बोम्बे।

(अन्दरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता हुए।

क्क क्रमारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंए :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीबं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विकिश बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पूचा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपन्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास

स्यक्तीकरण: — इसमें प्रमृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

मनुस्ची

फ्लैट न० 617. सकीपर टावर, 89. नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली, नादादी-560 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजिश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज-1 दिल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक: 3-12-1985

प्रकृषः **वार्ड**् **टी . एव . एव** ्ञारणाणाला

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन ब्यम

भारत सरकार

कार्यानय, श्रह्मयक नायकर नामुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जभ रेंज-1, भई दिल्ली मई दिल्ली, दिमां क 4 दिसम्बर 1985

पिर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/37 ई० ई०/4—85/ 1697——अतः मुझे, आप० पी० राजेश,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्कें इसकें परवात् 'उपत विभिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित् बाखार मूक्क 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं०-408-ए है तथा जो 6 नेहरू फ्लेस नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1 अई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिशांक अर्थेल 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मून्य से कम के क्याना निरुप के लिए जन्तरित की गई है और जुने वह विकास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्मरित का अधिक वाकार कृत्व, उसके क्याना न्रीतफल से, ऐसे क्यानु न्नीतफल का वेक्ष्य निरुप्त निरुप्त को विद्या का वेक्ष्य निरुप्त के विद्या कि विद्या के विद्या क

- (क) बन्तरण संहुदं किसी बाव की बावत, क्षावसं विधित्यम से अधीन कर दोने के बन्तरक की वायित्य में कमी करने वा उच्च वजने के सुविधा के सिए; बहु/या
- (स) ऐसी किसी शाय या किसी धन या जन्म शास्त्रयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या अव-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या यि या जाना जाहिए था, छिपाने में मृतिभा के तिव्ह;

सरः नगः, बन्तः अधिनियमं की धारा 200-मं सः सन्तरम वी, मी, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-मं की उपकाराः (1) वे स्थीनः, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, समावि ह—

- (1) प्रगती कन्ट्रकशन कम्पनी देविका टावर, चौथी मंजिल, सटीला हाऊस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रामा माथुर,श्री अखलेश चन्द्रा माथुर, तिवासी ई-12, डी-एस-आई०-डी०-मी, इंडस्ट्रीयल काम्पलेक्स, रोह्तक रोड़, वर्ड दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह सूचना चारौँ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिस कार्यवाहियां करता है।

उन्त नंपति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रकृप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरण हिन्सियों प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त बीधनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्भ होंगा को उस नध्याय में दिया वसा ही।

वरवृत्

बुकिड फ्लैट नं०-408-ए, मल्टीसटोरी बिल्डिंग देविका टावर, 6, नेहरू फ्लेस, मई दिल्ली, दादादी-210 वर्ग फिट।

> ं — आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, प्रई दिल्ली-110002

विमांक: 4-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

अग्राह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शास्त तरका⊪

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/4-85/ 1698—-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्त प्रतिभक्तारी को यह विष्थास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 503-ए, है तथा जो 6, नेहरू प्लेस मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुमुची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिप्तियम 1961 के अधीन दिमांक अर्थल 1985

की प्रॉक्त तम्पत्ति के जीवत बाजार मृश्व से कम के स्वयंताय प्रितिक को लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वाच करने का कारण है कि समाप्त्रॉक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृश्य, उसको स्थ्यमान प्रतिकल से एमे स्थ्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (संतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिकों) के भीव एसे अन्तरण के निए तम पाया व्या प्रतिकल, निम्नतिवित स्थ्यंत्व से स्वतः वन्द्रकों विद्वालय में वास्त्रिक स्था से कांचित वहीं किया वदा है ह—

- (क) बंधरण से हुए किसी बाव की वाक्स, क्षकर की प्र-पित्रम के नधीन कर दोने के बंधरक के वास्तिक में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए? बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अन्य बास्तियों की विन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा या सा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए।

वतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) व वधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, वधीत :-- (1) प्रगती कन्सद्रवधन कम्पनी (देवीका टावर) श्रीथी मंजिल, सटीला हाऊस, 73-74, नेहरू फ्लेस, **गई** दिल्ली।

(अन्हरक)

(2) मोहित अग्रवाल यू०/जी० आत्म अग्रवाल, 1998, त्राउगहारा, किनारी बाजार, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इब सूचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की बबीं में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए का दुवारा,

स्वक्षीकप्रवाः — इसमें प्रयुक्त कव्यों बीट पदी का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ववा हाँ।

नन्स्ची

बुकिड फ्लैंट नं० 503-ए, मल्टीसटोरी बिल्डिंग, देविका टावर, 6, नेहरू पलेस, नई दिल्ली, नादादी-210 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4-12-1985

प्रकल्प कार्ड. टी 🗸 एन . एस 🖟

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

TISH TENE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/37ईई/4-85/1699----ग्रत: मुझे ग्रार० पी० राजेश,

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्वावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 509-ए है, तथा जो 6, नेहरू प्लेस, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनयम, 1961 के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को प्रशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंस के क्यायाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्णोंकत संपत्ति का उचित बाजार श्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का श्ल्यह प्रतिकास से अधिक है और संतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिसिस बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- [क] मध्यक्षण में हुए हिस्सी बाय की बायस क्या विश्वतिक्य में वर्षीय बद्ध को में बच्चरक में व्यक्तिय में क्यी क्यमें वा उपने नमने में बुविधा में सिक्; क्षेष्ट/वा
- (थ) होती किया जिल्ला का कियों वर्ष के अन्य वाहित्यों इ. डेजम्बू वाहतीन नाय-कर सरिपीयस्य, 1922 (1922 सा २४) प्रः वस्ता वोधिवस्य, वरः वन-कर सहित्यक्षिक्ष १९७७ (1957 का 37) के प्रशोजनाथ जन्द्रिक्ष वस्ता रेख्य प्रदेश किया गया या विकास जाना वाहिए का, कियाने वी वृत्यिक वी सिक्;

प्रगति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी,
 (देविका टावर) चौथी मंजिल, सटीला हाउस,73-74,
 नेहरू प्लेस, नई विल्ली ।

(मन्तरक)

मैं० वसन्त कुमार (एच० य्० एफ०),
 बी-1/89, सत्या मार्ग, चाणक्यपुरी,
 नई दिल्ली । (भन्तरित्ती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उपत प्रकारित के अर्थन के तत्वत्व में कोर्ड भी नाबीप ह---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्रारा;
- (क) इब कुमना के राजपन में प्रकाशन की ठारीय है 45 विष के बीतर उक्त स्थायर सम्मास्य में हितबस्थ किसी शम्म म्यानित इसाय सभोहत्तालारी के शब्द सिविश में किए का सकोंने।

नगरा च

वृष्टिंड, पलैट, नं• \$09,-ए , मल्टी संदोरी, विश्विम, वेषिका ठावर, 6, नेहरू प्लस, नई दिल्ली, तावाची 405

मार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंब-!, नई दिस्सी

बाह्य ज्या, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुबरण वो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अभीन, निञ्नलिकित व्यक्तियों, अभीत् :----

बिनोक : 4-12-1985

मोहर 🖫

प्रकृप शाई . दी . एम . क्स . -----

श्रायकत् विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/37ईई/4-85/1700---बत: मुझे, आर० पी० राजेश

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भौर जिसकी मं० भोप नं० 2-की है तथा जो खान मार्किट, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिपत्त को निए अन्तरित की नहीं है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्विच्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबता, शक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अस्तरक औं दार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; बॉड/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

भराक वन, जनर विधिनयम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्रीमती अमृत कौर, पत्नी स्व० सरदार सुरत सिंह, निवासी एम-64, ग्रेटर नैलाग-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री शिव नारायण महलोला पुत श्री सरोही लान महलोला, निवासी 147, विनोभापुरी, नई दिल्ली और मास्टर पुनीत महलोला पुत्र श्री शिव नारायण महलोला, निवासी 147, विनोभापुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिए कार्यनाहियां करता है।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

शोप नं० 2-बी, खान मार्किट, नई दिल्ली । तानाबी 59.5 वर्ग गण ।

श्रार० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोफ : 4-12-1985

मोडर 🛭

त्रकम ६/ह्र्यः, टी. एनः, एकः,-----------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निवेश सं० माई० ए० सी०/एनय्-1/37ईई/4-85/1701— मतः मुझे, मार०पी० राजेश

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० स्पेस नं० 12 है तथा जो ई ब्लाक, नेहरू पलेस नई दिल्ली में स्थित 'है (और इससे उपाबद ग्रन्सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक ग्रदैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अंतरण विचित में वास्तविक च्या से किया गया है है—

- (क) नितरण से हुई किसी बाय की वायत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या अन्य कास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहरीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने के सृषिधा के सिए।

कतः कवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अधीन:— मै० नेहरू पलेस, होटल्स, लि० ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स डुन मिनीरात्स,
 98, नाग विला रोड़, देहरादून (हिमाचल प्रवेश)
 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डंक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिश्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, द_े अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

धनुसूची

स्पेस नं 12, नीवीं मंजिल, ब्लाक 'ई', होटल-कम-कमशियल कम्पलेक्स, नेहक पलेस, नई दिल्ली तानादी--- 589 वर्ग फिट।

म्राए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेज-1, नई दिल्ली

बिनोक: 4-12-1985

क्षीहर:

प्रकृष बाह्य हो पुरान प्रकृतनाम

भागभर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की घोड़ा 269-म (1) के अधीन सुखना

बाइट बहुकाड

कार्याचन, सहायक नायकर नानुक्त (नि<u>र्</u>काण)

सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I,

नई दिल्लो, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्-ग्रस37ईई-4-85/1702---भरा। मुझे ग्रार० पी० राजेश

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्वें इसवें इसके पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से नधिक हैं

और जिसकी में प्लैट नं 104 है, तथा जो 7, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

क्षं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जैतरकों) और बंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबठ,, अक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वन्तरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- मै० राकेश क्रासला एन्ड सन्स (एच० यू० एफ०), ए-49, न्यु फैन्डस कालोनी, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मै॰ जीत एयर ट्राम्सपोर्टर (प्रा॰) लि॰, ग्राई-23, महारानी, बाग, नई दिल्ली।

(मतरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त'सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोहें भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकींगे।

स्पच्चिकरणः ----इसमें प्रबुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधि- र नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुषूषी

फ्लैंट नं॰ 104, पहली मंजिल, ७, टालस्टाय मार्ग, नई दिस्ली, तीं**दादी 446 वर्ग** फिट ।

> मार० पी० राजेश धक्षम मधिकारी सक्षायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनांक 4-12-195 मोहर । प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269-घ (1) के अभीन सुबना

भारत सरकार

भाशीलय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-ा, मई दिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 4 विसम्बर 1985

निदेश सं० धार्ष > ए० सी > /एक्यू-! / 37ईई / 4-85 / 1703---**ध**तः मुक्ते, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससी परचात् 'अवत अधिकियमा बला गया हैं), की धारा 269-व्य की अधिन संध्यः अधिकारी यहे, यह विश्वात करने का कारण है कि रथायर संपंति जिनाहा उचित बाधार मन्य

1.00.000/- रा ते अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201 है, तथा जो एच-1, कालका-जी, नई दिल्ली में श्यित है (और इसके उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्द्री हाजिला श्रिजित्री के कार्यालय भे प्रधीन निक्ति प्रप्रैल, 1985

को पुरोबर वंशीच के उवित शाजार मूल्य **से कम के दश्यमान** प्रतिकल के लिए अवरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने **का** कारण ही कि यथाएगीनत संपास का उचित बाजार मुल्य, जमदी रहे यात शतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रक्षित्रल र अभिष्य हु और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिवी (कर रिकिसी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पारण गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सं क्षीथत नहीं किया गया ह**ै** :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, व्यधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; व्यरि/या
- (ख) ए'सी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आपकर अधिनियम, (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या कर आधिका, 1957 (1957 **का 27**) क्षे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ७ या किया जात चाहिए था, छिपान मो सविधाके लिए।

बें, के, नाम की संग्रह की साम 269-घ की **उपधारा (1)** क प्रतिक व किश्वित न्यविषयों, वश्वीत् :---

1. मैं गलैंग्सी जिल्डसं (प्रा०) लि०, फ्लैंट नं० 3, सुद्ध बिल्डिंग, तेल मिल मार्ग, राम नगर, नई विल्ली ।

(भन्तरक)

 मैंसर्व सुरेश गोयत (एच० यू० एफ०), एस-83, पंचिशाला पार्क, नई दिल्ली।

(सन्तरिवी)

को यह सूचना ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवःहियां करता हा।

उदत संपाद के अजन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अपनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वतः की उक्षील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद ग तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स क्षिताको भी के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) देल भणना ५ सारपण ने प्रकाशन की तारीख से 45 देवन को स्ट्रिय नामक स्थालर संस्पत्ति मो हित-बद्ध फिली अन्य ध्यं छ द्दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास ितीसत भी किए ज वकीने।

म्यव्हिरण -- इक्षमे प्रयक्षा शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के शध्याय 20-क में परिभाषित है, इही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

धनुसूची

प्लैट नं० 201 (दूसरी मंजित), एच-1, कालका**जी** (म्रतकान्दा कश्युतिटी सेन्टर), नई दिल्ली, तादादी 700 वर्ग फिट ।

> भार० पी० राजेश सन्नम प्राधिकारी धायकर धायकत (निरीक्षण) सहायक प्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली

धिनांक: 4-12-1985

मोहर:

\$9--416GI/85

प्रकप आहें. टी. एन. एस., ------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

भारत सर्काह

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंब-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निवेश सं० धाई॰ ए० सी०/एम्य०-1/37ईई/4-85/1704---**घत:** मुझे, धार० पी० राजेश

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 था 43) (जिसे इसमें इंडको परकारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269-च के बधीन सक्षम प्रतिभकारी को यह किल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित काकार मन्य 1,00,000 / - रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 117, है, तथा जो 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, घर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के प्रधीन दिनांक प्रप्रैस, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार बुक्य से कम के व्यवस्थान प्रसिफल के सिए अन्तरित की गई है और मज यह विश्वनन करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त बन्धित का उचित शकार बुध्य, इसके क्यमान प्रतिकास से, एोर्ट क्यमान प्रतिकास का पेंद्रह प्रतिसत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देवेच्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (<mark>क) बन्तरण से मुद्द किसी बाय की</mark> शास्त्र, अक्ट व्यथितियम के बचीन कर दोने के हैं। एक है त्रामित्य में कासी कारने का उससे बचाने में यदिका ने निए; करिंदा
- (का) एँसी किसी काम या किसी धन या अन्य जारिनागी फो, जिन्हाँ भारतीय मायकार गरिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत सिंधनियम, सा भनकार अभितियम, 1957 (1957 ला 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना पाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

क्षतः तथ, जक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्सरक वीं, मीं, प्रेफ्स अधिनियम की धारा 269-त की प्राप्तान (1¹ कै अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्बाक 🖘

1. भी संजीव मेहरा पुत्र भी एस० पी० मेहरा, निवासी ४१हयू-64, ग्रेटर फैलाश-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री संजीव गुप्ता, . निवासी 56, सैनिक फार्म (खानपुर), नई दिल्ली।

(धन्तरिसी)

को सह सूचना जारी करको पुर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कर्मवाहिकां करता है।

बक्त संपत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण:----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन की मधीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अविधि, फ्रों भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अभ्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्योभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया 🐉।

वन्युकी

फ्लैट नं॰ 117, पहली मंजिल, 38, मेहरू प्लेस, नई दिल्ली, हाबादी 363 वर्ग फिट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई विल्ली

दिमोक : 4-12-1985

हर

The state of the s

प्ररूप आहुं.टो.एन.एस.-----

आग्रकर ऑपॉनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) धर्णन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांकः 4 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य-1/37ईई/4-85/1705---मत: मुझे मार० पी० राजेश

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (षिसे इसमें भश्चात् 'उपते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शोप नं० 1, है, तथा जो 47-48, नेहरू लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर ग्रिधनियम, 1961 दिनांक ग्रिपेस, 1985

का पूर्वांका संपत्ति के उभित बाधार मूक्य से कम के स्वरमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांकत संपत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल से पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के लए स्व पाया गया प्रतिकल गिम्निलिसित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिसित मे नास्तियक रूप से कम्यित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाक्त, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायिक में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (च) ऐसी किसी अप या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए।

खत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियभ की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :— श्रीमसी रेनु नस्था,
 डी-108, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(मन्तरक)

कृमारी सोनाली नन्दा और मास्टर सजीव नन्दा,
 ढी-108, डिफेंस कासोनी, नई विल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को बहु सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्बन्धि के नर्जन के सम्बन्ध को कोई भी वासने :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र वो प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिस्त-बद्ध किसी जन्म क्विति द्वारा, अर्थोहस्ताक्षरी की गांस सिविक में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरण:--- इसमें प्रकृति कर्कों और पर्दों वा, जो उमच समिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उक्त सध्याय में दिला गया है।

मन्स्ची

1/3 भाग शोप नं० 1 पहली मंजिल तावादी 630 वर्ग फिट 47-48 प्रगति हाऊच नेहरू प्लैस नई दिल्ली।

> ग्रार॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी बहायम भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक : 4-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985 निवेण सं० ग्राई०ए०सी०/एवय-1/37ईई/4-85/1706---मता मुहे ग्रार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित नाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० णाप नं० 89 है तथा जो लाज्यत नगर
नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध क्रानुची में और जो
सप से वाणत हैं) रिजादी क्रिकारी के दार्यालय
मर्जन रेंज-I नई दिल्ली में भारतीय क्रायकर क्रिकियम 1961

के द्वाचीत दिनांका केप्रैल. 1985

को पृथिकित संपत्ति के उनित वाजार मूल्य से कम की द्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई हा अर मूला यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उनित वाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतित्व निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण किश्वित मा नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निया; अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए।

अंत: अस, उक्त अधिनियान की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- खा० वेद प्रकास एन० बी०वी०प्रस० 3/एफ/21 लाजपत नगर नह दिल्ली।

(प्रन्तरम)

श्री सुनीत गावा
 ए-210 लाजनज नगर-1 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहिण करता हो।

उद्भत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि का तत्संबंधी क्यिकाणों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यींय, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मो से पिक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्भात को तिरीख से बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में दथा परिभा-पित हूं, वृती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

शाप नं० 85 सेन्द्रल माक्ट लाजपत नगर नई दिल्ली सादादी 400 वर्ग फिट '

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सज्ज्ञायक श्रायकर स्नायक (निरीक्षण) धर्जन र्रेज-। नई बिस्ली

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, नई धिरुली नई दिल्ली, दिनांक 28 तक्षण्य, 1985

निवेश सं॰ प्राई॰ए॰सी॰/ए यू-1/37ईई/4-85/1706ए---प्रतः, मुझे, प्रार॰ पी॰ शाबेश

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार संविध्त जिसका उचित बालार मृत्य

1,00,000/ रह. से ऑध्या हैं भीर जिल्ली संग्राहित नंग 038 दर्ग फीट हैं तथा की रोग्स नंग्राहित कर कार्य दं, दिक क्लेंग रहे जिल्ली में स्थित है (श्रीप दश्ते उपायक श्रुम्बी में भीरा पूर्ण हम् ते बणित ह) हालियारी के नायसिय, भावीन रेजिन, नहीं पिस्ली के महातीय भायत ए हालिनियम, 1961 के श्राम दिन्ह मार्च, 1985

कां पृशंकित संपत्ति को जिसा वाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को । तए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि अथापूर्वी के संपत्ति का अधिया वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंशे दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वंश्य से उन्त अन्तरण लिखिस में सास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, सफल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: बब, उबत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हिन्स

 म० पेट्रक पत्तीत होटलत विविद्येष्ट्र, द्वरीस विपेता विकित्ता, जंपसूत एक्ट्रियल, नई विल्ली-110014

(अन्तरक)

 श्री एउ० श्रार० शालन्द, (एच० सू०एफ०) सुपुत श्री राय बहादुर, एक० काबूल सिंह, लिक्सिश ए-91/14, बसंत बिहार, मई दिल्ली ।

(জন্দেরী)

को यह तूचना जारी धारके प्रशंवत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपप्त मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंद था संस्तेषी क्ष्यक्तावी पर सृष्या की समित से 30 दिन की संप्रांच, सी भी अविध बाद मी संगान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स म्याबितयों में स किसी व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवक्ति वि
- (क) एस सूचना दी राजपण में प्रदारन की तारीख से 45 विन हो भी तर उन्हें स्थानर हस्मति में हित- द्वारा, अपोहल्ताक्षरी कैं पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्पादीकरण:—इराजो प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिगम, को अध्याय 20-क में दिशा-हो, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हो।

अनुसूची

स्पेत नं 14ए, बाठवां खण्ड, ब्लाज़ ई, होटल - सम-कर्माराजल साम्यलैका, मेह्रूक प्लेट, सई दिल्ली, एरिया 638 वर्ग फीट।

> बार० पी० राजेश स्थ्रम प्राधिवारी सहायक बायकर बायुक्त (किरीक्षण) बर्जन रेंज-1, नई दिस्सी

दिनौंक : 28-11-1985

प्रकृष बाहुर . शी. एम. एवा. -----

सामकार क्षीपत्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत धरकार

आधानिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भाजन रें

नई दिल्ली, दिनां ह 4 विसम्बर, 1985 निदेश संब्द्धाईव्एव्सीव/ए यूव-ए/37ईई/4-85/1707----मनः मुझ भ्राटव पीव राजेश

नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधित रो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भौति दिस्की सं की एक प्राप्त-8 है, स्था जो 90 नेह्रू प्लेस, नई दिस्की में स्थित हैं (कि इससे उपाबद्ध अनुसुधी में भीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) का स्ट्रीन की प्रधिवारी के पायित्य भाजन रेंग-1, नई दिस्ती में भारतीय आयार आधिनयम, 1961 के प्रदीत दिनांक अप्रैन, 1981

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पंद्रह गिराशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जार की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे जिए; बांद्र√वा
- (सी किसी काय या किसी वन या कत्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर्मा विवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हर्षणा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— अा० धिता मेहरा प-नी श्री एन० घे० मेहरा और एन० घे० मेहरा, प्रत्न स्त्र० श्री बी०डी० मेहरा, निर्मासी ज-27, जंगपुरा, नए स्टेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रनारक)

2. मैं॰ चान्डोज इन्टरप्राइजेज, घी-37, राजारी गाडन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्विक्त मिलतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-धत्रध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिन्दत में किए जा सकेगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

घनुसुची

पलैट नं ० जी ० एफ ० - है, ग्राउन्ड पलीर, तादावी 307 वर्ग, फिट, वार्ड एरिया, बिल्डिंग नं ० 90, मान जरोबर, नेहरू फ्लैस, नर्ष दिस्ली।

ग्रार० पी० राजेश गक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक 4-12-1985 भौहर: प्रकप कार्ष. टी. एन. एस. ----

नाय्कर नाधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई रिल्ली, बिनांग 4 विजम्बर, 1985 निदेश सं० झाई०ए०सी०/एक्यू०-1/37ईई/4-85/1708---श्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश

नायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख क अधीन भक्ष्य प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है 'क रक्षाचर पर्वात्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

योर तिक्षि संव पत्नैट नंव की है, एयं जो 9, बाधार का रोड़, नई दिल्ली में रिकार हैं (धीर इसके एए बढ़ कहुत में में मीर जा पूर्ण रूप से विणात हैं) विराद्धी तो मिंचिया के पायरिय मार्जन रें-1, नत दिल्ली में भारतीय धायकर धिकियम, 1961 के धवीन, दिनांक धार्यका, 1985

को पूर्विक्त संपरित के उिचत बाजार मृत्य से कम के द्ययमान विकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मृत्य, उशके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक, है और अन्वरक (अन्तरकों) और अधिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया परिकल निकासित उद्देश्य से अक्त अंतरण निक्तित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हार्ड किसी जास की बाबल, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दाने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या जिसी धन या अन्य श्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा अक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भूषिका के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपकास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वर्धात् इ— 1. म॰ कैलाय नाथ एन्ड एसोसिएटस, 1006, कंचनजुगा, 18, बाराखन्या रोड, नहीं दिल्ली ।

(मन्दरक)

2. मैं० क्लाशिक गवर्नमेन्ट, (प्रा०) लि०, 72-73, निर्माण भवन, नारीमान प्वाईन्ट, भोस्बे।

(प्रग्तरिती)

को यह सुधना जारी करके ग्राधन अध्यास के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन की संबंध में काहे भी बाहोप :---

- (क) इस मुचना के राजपत में अकाशन की तारी हा सं 45 दिन की अविधि या तत्मप्यन्थी ध्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिता की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकियों में में किसी व्यक्तित द्वागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिसा गया है ।

बन्स्बी

रिनिडेन्टल फ्लैंटनं० बी, पांचकी मंत्रिल, प्रोपीतिष्ठ मल्टी स्टोरी यह पुत्र हाउडिय स्कीम, 'नीनिशिट एपाटमेन्ट', 9, बाराबन्या, रोड, नई दिल्ली, तादादी 1600 वर्ग फिट। धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनोक : 4-12-1985

प्ररूप काइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधितियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आनकर आयुक्त (निरीक्षण) घकंत रेंज्-I,

नई दिल्ती, दिनांश 4 दिधम्बर, 1985

निवेश सं० श्राई अए०सी०/ए यू०-1/37ईई/4-85/1709---भाः मुझे श्रार० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उल्ट डिबिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्ष्य ग्राधिकारी को यह विश्यास कारने का कारण है कि स्थायर संपीत, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर शिक्षी जो कार नं 80, एटा जी एक है, तथा जो 17, वा प्रवास रोड, पर्शीर जी स्थित है (और इ.स. उपाइ भागुमी में भीर जो पूर्ण कर के विणित है) भी स्ट्रीर ती श्रीध एरी हार्याक्त अधिन स्थापन, धनत रें :-I, नई दिल्ली में भारतीन आयकर अधिन नियम, 1961 के अधीर दियों अधीर श्रीक अधीर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, अक देव मान प्रतिकाल से एसे देवयमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकाल, रिम्नलिसित अद्वेश से अवन अन्तरण लिख्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयालगर्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस उपन अधिनियम की धारा 269-ए के अन्हरण में, मैं, उपन धीधिनियम की धारा 269-ए की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती नीलम धर्मा पतिन, मजर प्रदीप धर्मा, सी/म्रो : इन्टोरिफोशन िस्टम 118, म्यू दिल्ली हाउस 26, धाराखम्या रोड, नई दिल्ली। (म्रान्टर)
- 2. श्रीमती धनुराधा, गुण्ता, प-नी श्री ब्रिटांशय गुण्ता, निवासी 192, पाकी सन्त्राय, तेजीगढ़ (उत्तर प्रदेश) (धन्त्रान्ती)

को यह भूखना जारी कर के पर्वोक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जयत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पाना के राज्यत्र मी प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्माधी ध्यिलाणी पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि याद मी समाय होती हो, के भीतर प्रविकत
 ध्यितवर्ष में से दिस्सी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति व्यारक अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के लध्याय 20-क में युक्त परिक्रिक्त हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विशव प्या हैं।

वन्स्ची

सीर नं० 89, लीवर प्राउत्ह, फतोर, 17, धाराखस्था रोड, नई दिल्ली, लादादी 203 दर्ग फिट।

स्राद० पी० राजेश स्थान स्राधिगारी स्रहायात्र स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंत रोप-I, नर्षस्थिली

विनांक 4-13-1985 मोड्र : प्ररूप आहाँ, टी. एन. एव. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजन, राहायक मानकार मानुसर (निर्धाजन)

ग्रर्जन रेंजा,

नई दिल्ली, दिनांबः 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-85/861~─ श्रतः मुझे सुतील चोपडा

नामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा २६३-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 403, है तथा जो 9, विकाजज कामा पलैस, 'नई दिल्ली में 'स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुमुखी में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कायित्य श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय 'श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन दिनांदः श्रर्शेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके इस्यमान प्रतिफल से एसे सम्यमान प्रतिफल से रन्तर प्रतिफल से रन्तर (सन्तरकों) बार अन्तरित (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरण से लिए तब प्रया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्चेषय से उच्च अन्तरण जिला के सार कार्य कार्य

- (क) बंगरण से हुई किसी बाव की बावत, उन्स्व अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक से बादित्य में कमी करणे वा सबसे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय जावकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्ने अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

कतः जब, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरस् हो, भौं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वशिजिकक्क इन्डस्ट्रीज, सुल्तान गंज, अशिरा।

(भ्रन्तरक)

2. टावेरी ट्रस्ट, द्वारा ट्रस्टी मुमनजित चौधरी, डी-344, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थाना वारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की ठामीन से 30 दिन की बद्धि, को भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाशः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हितबय्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूखी

स्पेस नं० 403, चौथी मंजिल, बिजाजी कामा, पलैस, नई दिल्ली, नादादी, 550 वर्गा फिट।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नुई दिल्ली

दिनांक 10-12-198<mark>5</mark> मोहर :

40---416 GI /85

प्रथम बाह्य हो । एक । एक । अञ्चलनाय

भावकार निर्माननन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्योग स्वाग

भारत संस्कार

कार्यासय, बहायक वायकर बाय्कत (निरीक्षण) सहायक आयकर ब्रायमैंत (निरीक्षण) श्रजीन रोज 3,

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एमैंयू-3/37ईई/4-85/862---श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके पश्चात् 'उन्छ अवितियम' बहा गया हैं), की धारा 269-क ने नधीन सभाग श्रीधिकारी को, वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक्स-17 है, तथा जो होए खास, नई दिल्ली हू स्थित तु (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसुची में और जो पूर्ण रूप से बर्जात है) रिक्टिश्टीय क्रियारी के द्रार्थात्य, , शर्जर रेंड-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायर ए श्रीश्तियम, 1961 के श्रधीन दिनांक शर्जल, 1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री अधिवनी कुमार एर 6, रिंग रोग, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री भुवनेश्वर छाबड़ा छाबड़ा ट्रेडमं, फेहाहिल इन्डस्ट्रीयल एरिया, फाहहिल, कुवैत, सी/म्रो श्री एम० एम० महलोता 3/5993, देव नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा बारों करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्क बंबरित् क वर्षन के संबंध में कोई भी वालोप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी वस्थि गांव में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तिमार्ग में से फिसी व्यक्ति ब्यायः
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए आ सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उसत श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गवा हीं

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 'बीण पहली मेंजिल, प्लाट नं० एक्स-17, हौज खास, नई दिल्ली।

> सुनील चे।पड़ा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1985

प्रकल आई' ही एन एस . ----

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3.

ज नई दिल्ली, दिनां ह 10 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एवनू-3/37ईई/4-85/864---ग्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सीत14 है, तथा जो एन० डी० एस० ई०-2, नई दिली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित अं वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: वय, तक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण य, गं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) कुंक्य, तक्तिविषद व्यक्तिया, अधीण क्ल श्रीमती आशा रानी,
 निवासी ए-6, रिंग रोग, एन० डी० एस० ई०त1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शिव कुमार विज, श्रीमती उषा विज, निवासी 1, गैलनविल मैंलोज, लिवरपुल-25 (यू०के०), प्रेजेन्टली (वर्तमान) द्वारा श्रो ग्राई० पाक हार्नी। निवासा 3/360, लोधा कालोना, नई दिल्ली। (श्रन्तरिता)

का यह सूचना बारी करका पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या त सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वनरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त जब्दों और यदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्युवी

पलैट नं० 'साँ पहला मंजिल, सा-14, एन० डी० एस०ई-2 नई दिल्ली ।

> सुनो व चोपड़ा रक्षा प्रधिकारी सहायाः प्रायार आपुत्त (विरीक्षण प्रजंग रें:-3, नई दिल्ह

दिनांक 10-12-19**85** मोहर: प्ररूप बार्ड : टी. एन. एस. -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयक्कर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ऋ(ई०ए०सी०/एक्यू०-3/37ईई/4-85/865--स्नील चोपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

भीर जिसकी सं० सीत14 है, तथा जो एन० डी० एस० ई०-2 नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिलस्ट्रोकर्ता श्रीयकारी के कार्यालय श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रीन दिनांद श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्गमान प्रतिक्रण के लिए अन्तरित की पर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दर्गमान प्रतिक्रल से, एसे दर्गमान प्रतिक्रण का क्ष्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के भीच एसे अन्तर्ण के निए तब पामा गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त जम्तरण किंग्सर में बास्तिवंक रूप से कांश्यत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी नाय की शबत, उक्त निध-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसल देखने में स्विधा के लिए; कर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रिपाने में सृविधा के लिए;

बत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् हि—

 श्रीमती भ्रशा रानी, निसासी ए-6, रिंग रोग, एन० डी० एस०ई०-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री क्वांबम्बा निधु अग्रवाल , रमेश चन्द्रा, राकेश रनारग निवासी एच-89, साउथ, एक्सटेंशन,-1, रिंग रण र्रा नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्सेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था सकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया है।

धनुसूची

फ्लैंट ग्राउन्ड, फ्लॉर, (पिछला भाग), सी-14, एन० डी०एस०ई०-2,,नई दिल्ली।

> सृतील चोपड़ा सक्षम प्राधिःगरी सहाचक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज़-3, नई दिल्ली

दिनांकः 10-12-1985 मोहर: प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** धारा 269-अ (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक वायकर वाब्क्त (निर्काण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँ हा 1 हिष्मवर 1985 निदेश मं० आई०ए०मो०/एकप्-3/37ईई/4-85/866---अतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्चरण 'एएट मंधिनियम' कहा गण हैं), की भार 269-म के अपीन नक्षम एतिबंबानी का पा िष्वाण करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० सी- 14 है, तथा जो नाउथ एक्सटेंशन 2, नईदिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विध्वत है) राजस्ट्री तो प्रधिकारी के कार्यालय प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के ग्राधीन दिनौंक ग्रार्शन, 1985

को पूर्वोक्ट सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण से निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किली आध की बाबत, उचल अधिनियम के बधीर कर थेने के मन्तरक के वायित्य में कभी करन या उधर्य याजने में सुविधा क लिए; बरि/बा
- ्क) ज्ञांती केकी आयाम किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिल्ही भारतीय अध्यानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिन्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिन्तियम, विश्वा प्रयोजनार्थ अधिन्तियम विश्वा प्रयोजनार्थ अधिना अधिन्तियम विश्वा प्रयोजनार्थ अधिना अधिन्तियम के सिए;

भतः अदं, उयत् विधिनियमं वर्षे भारः 269-गं कं अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीनः, निम्नतिस्तितं व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा श्रीमती आभा रानी ए-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्री क्रिज मोहन गुप्ता, एव० यू० एफ० डी- 36, एन० डी० एस० ई०- 2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को मह शुक्रका जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकतः स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्य में किए वा सकींगे।

स्पर्वशिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यो का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहां अध होगा, जो उस अध्याय: में दिया गया ही।

यमस्यो

प्रोपोजड डोमैस्टिक स्टोर, स्पेस २० 'डी', लोग्नर ग्राउन्ड पर्लार, सी-4, साउथ, एक्सटेशन-2, नई दिल्ली।

> भुनील चोपड़ा तक्षम अधिकारी महायक आयकर आायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रंज- 3, नई दिल्ली

दिनौंक: 11-12-1985

माहरः

प्रथम मार्च . टी . एच् : पुत्र न्वान्यान

नायकर किपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

नारक ब्रकार

भावांक्रय, भहायकः जाण्यार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०- 3/37ईई/4-85/867---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ ः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6 है, तथा जो 1 कौणत्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्राय हर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाँक श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रितिक स से लिए अन्तरित की गई है कि मूओ यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से ऐसे देश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं आधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्भ के निष्वत्य ाया गया प्रतिकस, विस्मितिसित अन्वर्वदेश से अन्तर अन्तरिक निष्वत्य विस्तरित में बास्तविक क्य से किया नहीं किया वया है है—

- (क) अन्यद्रम नं हुई कि बी नाय की अवस्त, अवस् अभिनियस के बंधीन कर दोने के बन्तरक से दान्तिय के कमी कर्ष्य का अध्ये अवसे के सुविधाः के सिद्धु और बी
- (क) एसी किसी बाय या 'कसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय एय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया गमा था, कियाने में स्विधा के विष्

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि०, एल-34, कितीं नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती राधिका सुन्दरम ग्रीर मास्टर राजीव सुन्दरम ए-15, हौज खास, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के जि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सं कंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद यों समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स प्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धी किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे :

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्क बाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया वया हैं।

अम्सूची

स्पेस नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर नं०1, कौणल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, तादादी 224 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा त्य्यम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवा (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक: 10-12-1985

प्रकप वार्षं.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सम्बद्ध

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० श्राई॰ए॰सी॰/एक्यू॰-3/37ईई/4-85/868---अतः मेझे, सुनील चोपड़ा,

अधिनयम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिन बाजार मृज्य 1,00,000/- र.. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं यू ० जी० के०- 5 है, तथा जो 5, बिकाजी कामा पैलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उताबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन दिनाँक श्रप्रैल, 1985

को पर्वोवत सम्परिस के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास कितान का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रूप्यमान प्रतिकाल में ऐसे दूरस्थान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पांचा प्रभा अतिकात, निम्नलिसित उद्वेष्य से सकत अन्तरण सिकित के प्रसिक्त के सामा स्थापन

- (क) अन्यप्त संहार किसी जान की बाबत, उचत अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्यप्त के दायित्व में कनी कारने या उचले बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 को अंदितियम है। यन कर अधिनियम, 1957 (1947 को 27) वे प्योजनार्थ अन्तिरिधी द्वारा प्रदा किया गया था किया जाना चाहिए था, (ख्रेपाने में मुस्थिभ) वे तिथः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निष्तिस्ति व्यक्तियों, अ**धीत् य—** सं।मदत्त विल्डर्स (प्रा०) लि०
 56, कम्यूनिटी लेल्टर. ईस्ट ग्राफ कैलाण, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री किशन चन्द मोहिन्दरो ग्रौर श्री पंकज मोहिन्दरो,
 त, सेक्टर 19-ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि ना सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की वविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उपक अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-आवित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विदा पना हैं।

मन्स् ची

कियोणक यू० जी० के०- 5, उपर ग्राउन्ड फ्लोर, 5, बिकाजी कामा पक्षेस, नई दिल्ली, तादादी, 62 वर्ग फिट।

> मुनील चोड़ड़ा ाक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 10-12-1985

मोहरः

प्रकृष कार्ड. टी. एत. **एड**.-----

शायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

HICE EVERY

ार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्रण) श्रर्जन रेंज-3, नईकिल्ली नई दिल्ली दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश स० आर्र-ए०मी० एक्यू०- 3 37ईई 4-85 869~-भ्रतः मुझे, सुनील चोपडा,

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विच्याव करने का आरच हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका स्वित वाचार मृख्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी स० सी 14 है, तथा जो एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय स्रजन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाँक श्रप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्मत्ति के जीखत बाजार मूल्य सं कम के दूरयमान मिन्छल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत समपिता का उचित बाजार मूल्य, असके दूरयमान प्रतिकृत में, ऐसे दूरवमान प्रतिकृत का पन्द्रह अतिकृतः से विभिक्ष हो बार अन्तर्फ (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे सन्तर्भ के बिए तब पावा गवा प्रतिकृत्र का निक्रमिष्ठित उद्दरस्य ने उक्त कम्मरूप चिक्तिर में अन्तर्भ हुए से कथित नहीं दिस्या गया हो :---

- (क) अन्तरम संधूर्ण किसी काम की बावत, उथत वृत्तिविष्य के स्थीन कर दोने के जन्तरक से स्वीतरम में सभी करने वा उत्तसे बचने में स्वीतथ्य से सिष्; बीर/का
- (च) ध्रेती किसी मान या किसी धन या अन्य नास्तियों का, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धल-कर नाधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अक्षः अब उथक सभिनियम की बात 269-म की सनुसरण मं, मं, उभत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :— श्रीमती याका राता.
 ए-6, खा रोड, एन० डी० एस० ई०-1.
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)⊭

श्रीमती रितृ गर्मा,
 1360, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

इक्त बन्दील से वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नवींच वा शरकन्यां व्यक्तिकों पूछ सूचना की तानीस से 30 वित्र की नवींच, को भी भी व्यक्ति वाच में नवांच होती हो, के भीवर प्रवेतिक प्रक्तियों में कि वी व्यक्तियां;
- (क) इस सूजित के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य अधिक व्यास अभाह स्ताक्षरी के पास जिल्ला के जिल्ला का सकीने ।

श्रन्भूची

डोमैस्टिक स्टोर स्पेस न० एफ, लोग्नर ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं० सी- 14, एन० डी० एन० ई०- 2, नई दिल्ली, तादादी 229 वर्ग फिट।

> मुनील चीपड़ा सभम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक : 10-12-1985

प्ररूप जार्द हो . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37-ई०ई०/4-85/870-श्रत: सुङ्गे, सुनील चोपड़ा।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह निष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार स्ल्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

और जिसकी शंव बीव-5 है तथा जो 20 युमुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावह अनुमूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है) अध्यक्तर अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली. भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख अर्थेल 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्म से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्म, उसके इश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बाधितयम के सभीन अर दोने के जन्सरक के दायित्व में कनी करने क उत्तन अपने में स्विधा के सिक्ष; बार्डि/बा
- (क) एसा फिसी बाय या किसी अन बन्य बास्तियों स्त विनहीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर बिधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

न्तर अप, उन्तर अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्तर आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नालखित स्पिक्तियों, अर्थात्।— मै० औत्रमकोई इंजीनियर्स (प्रा०) लिमिटेड 18/48 कमणियल काम्पत्रेक्स, मालचा भार्ग, क्लियोमैटिक इनक्लेब, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती सरस्वती नायर और
 श्री एन० रामा कृष्णाय ई०-9, पैस इनक्लैव, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए आर्यवाहिया करता है।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधि या तत्सं बंधी ज्यवित्त यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यवित्त यों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--६समें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त शिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

मन्स्ची

बेसमेस्ट बी०-5, ओरियन्टल एगार्टमेस्ट-20, युसुफ सराय, नई दिल्ली, तादादी 315.26 वर्ग फिट।

> सुनील चोधड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली ।

नारीख : 10-12-1985

मांहर:

प्रकृप आई. टी. एन. यस.

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एवए ०-3/37-ईई/4-85/872--ग्रत: मझे सुनील चोपड़ा

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उका अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं एस०-4 ओरियन्टल एपार्टमेन्ट है तथा जो 20 युसूफ सराय नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड ग्रनसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिट्टीकर्ता अधिकारी क कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1962 के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान क्रीतफाल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मन्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ष्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है :---

- (क) बंतरण है हुई किसी बाब की नायत. सकत बिधिनियम के वधीत कर दोने की अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससं गवने वें सविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अपरिलयों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (त 922 का 11) या उन्त विधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए:

बत: सव . उक्त विधिनियम की धारा 260-ग के अनुसूर्य , मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, जिस्तिवित व्यक्तिकों, अर्थात 🧓

. 1 मै० ओक्सफोर्ड इंजीनियर्स (प्रा०) लि० 18, कर्माशयल कमप्लैक्स, मालचा मार्ग डिप्लोमैटिक इनक्लैव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जे० सी० चोवड़ा और श्रीमती कमल चोपड़ा, 3, को आपरेटिव सोसायटी, एन० डी० एस० ई०-1. नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह ध्वना बारी करके प्रजित सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के कर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट ध्यक्तियों में से किसी ध्वक्ति इवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिए! गया है

अनुसूची

शाप नं एस०-4, ओरियन्टल एपार्टमेन्ट, 20 युसूफ सराय, नई दिल्ली तादादी 336.70 वर्ग फिट ।

> स्नील चोक्डा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1985

प्रकल बाहै : टी : एन् : एस : ------

कायअसर जरिपानियाः, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-ज (1) के जधीन सुजना

भारत सरकार

कायतियः, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विस्ली नई दिल्ली, दिनांग 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०ए० ी०/एक्यु०/3/37-ई०ई०/4-5/873---भ्रतः मृद्दे, सुनील जोपड़ा

कायकार अधिनियम, 1:01 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 202 है तथा जो 20 युमुफ सराय; नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) एजिस्ट्रीएर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारी अप्रेजन 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूगे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिया उद्योश्य से उक्स अंतरण निष्कित में दास्तिवक हप मो कांथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/पा
- (स्र) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अस्त ऑधनियम की धारा 269-भ के, अनुसरण मं, मं, बक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् क्ष्र--- फार औक्सफोर्ड इंजीनियर्स (प्रा०) लि०,
 कशिमयल कम्पलेक्स, मालचा मार्ग,
 डिल्लोमैटिक इनक्लेव नई दिल्ली।

(श्रम्तरक)

 श्रीमती लक्ष्मी देवी. श्री टी० श्रार० श्रग्नवाल, श्राफताब, रितिका और ग्रोबर,
 225, सकुल रोड, जोश्राधारी,
 (हरियाणा स्टेट)।

(ग्रन्तरिती)

की वह मूचना बारी करके प्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हो।

नक्त सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध मों कोड़ी भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- -(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में विका नवा है।

श्रन सुची

ेफ्लैट नं॰ 202, दूसरी मंजिल, ओरियन्टल एपार्टमेन्ट, 20, कम्यूनिटी सेन्टर, युसुफ सराय, नई विल्ली, तादादी 382.75 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिसाँक : 12-12-1985

मोहर 🏅

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-3, फ्लैट नं० 308 है, तथा जो करम पुरा, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखिक उच्चिश्य से उक्त अन्तरण स्थितिया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी भाग की गायत, अवत गाँध-भियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्कर यचने में तुनिभा के लिए; गाँद/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए;

जतः स्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को बधीन, निम्मिलिश्वत व्यक्तिसरों, अधीत् : मै० उप्पल बिल्डर्स,
 ए-6, रिंग रोड, एन० डी० एस० ई०-1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्त रक)

 श्री इन्दर पाल सिंह पासिरचा और श्रीमती मनजीत कौर, जे-5/140, राजीरी गाईन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समात्ति मो हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रोपोजः ग्राफिस स्पंस, फ्लैट नं० 308, तीसरी मंजिल, सी-3, करम पुरा, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, न**ई दि**ल्ली

नारीच: 10-12-1985

प्रकार शहर १५ एवं प्रकार प्रकार । मैं उपप्रता विकरमें

अध्यक्तर अधिनिताम. 1961 (1961 का 43) **की धारा 269-य** (१९७७ लाधीन मजन

भारत सरकार

भाषांलय, महाधार आयार आय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, जिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सा०/एवप्०/3/37 ई०ई०/4 85/

875-- ग्रनः मुझे मुनील चें।पड़ा

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260 ख के अभीन सभभ प्राधिकारी को यह निष्यान करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रू. में अधिक है

स्रोगितिको सं० 30 ± है तथा चा ता० 3, काप पृता कम्पूनिटो सेन्टर, नई दिल्लो में स्थित है (स्रोग इससे उपायद अनुसूची में स्रोग पूर्ण रूप ते विकित है), योजाद्गी क्वी स्रक्षितारी के जार्यालय, स्रजीत रैंज नई में दिल्ली भारतीय स्रायकर स्रक्षितियम, 1961 के स्रक्षीत तारीख स्रक्षैल, 1985

की प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान वातफल के लिए बन्तिरत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करन का लारण हो कि यथावर्षोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हो और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निरम्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबिक ये वास्तिन के ल्या में काशिश नहीं कि से, गया है.

- (क) यन्तरण में शूर्ष किशी ग्रन्त की वाजध, उपने मधिवियम के संधीन कार दने के अन्तरक की दिश्वियम में फानी कारते या उसमें बचने में मृष्यिया के सिए; बौद/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिस्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए जा, कियान वें सृत्विता के सिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रण- मैं ० उप्पन 'बिल्डर्स, ए०-6, रिग रोड, एन०ड्रा०एम०ई०-1, नई दिल्ला।

(यन्तरक)

2 श्री पुरेण चन्द्र सन्द्रारी चौर श्रीमती विना भन्द्रारी, निवासी-ए-76, डबल सटोरी फ्लैट, रमेण नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह मुख्ता जारी करके प्यक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहरम करता हा।

उक्त सपिंध के अर्जन के सबस में आहि भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 किन की अविधि या तत्र्यं नधी व्यक्तियाँ पर
 मूचना को तागील में 30 दिन की अविधि, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृतीं क्व
 स्तीकाया में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वार अधोहस्ताक्षरी के णस । विभिन्न में किए जा मकार्य।

स्वकाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद अभिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्त्रभी

प्रोपोजिङ भ्राफिस स्पेंस फ्लैंट नं ० 304, तीसरी मंजिल, सो ० ३, करम पुरा कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तादादी 335 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी, महायक प्रावकर त्राबुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-3, नई दिल्ली

नारीख : 10-12-1985

मोह्यर 🤢

THE RIE ET . TT . UN . HOLLENGE HOLLENGE

सावकर समितियम, 1961 (1961 सा 43) की भार १८५ मा 📳 छे अधीन संस्था

HITH BURNE

कार्यालयः, वहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 दिसस्बर, 1985

सं अाई० ए० सी ०/एक्य ०/3/37 ई०ई०/4 85/876--ग्रतः मझे सुनील चोपडा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संर प्लाट नं र ए० 60 है तथा जो प्रीत नगर, को र श्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोताबटी, दिल्ली से स्थित है (ग्रीर इसले उराबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली, से भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के अश्रीन तारीख अर्शेल, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गई हैं। और मुभ्ते यह विक्लास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे बावरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बारहरिक रूप में क्षिण नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [स्व] एसी किसी बाद वा किसी पन या अन्य आस्टियों की. जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 15) या उद्देश अधिवित्रम, या -धन-कर प्रीधीनग्रम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात अ लुविया के जिल्ह

कतः कव डक्त अधिनियम की पारा 269-म के अनुसरण कें, में उक्त विधितियम की धारा 269-व की तपधारा (1) ने बना, निम्नीरिवित व्यक्तियों, नवांत् :---

1. श्री प्रेम नाथ ग्ररोडा. एच० 20, त्रशोक बिहार 1, दिल्ली । (ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गान्ती देवी पत्नी स्री स्रोम प्रकाश यादव, निवासी एच० नं० 362, कुइना बाहरी राम, चाँदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाधेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति रदारा;
- (छ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्थव्यकरण:--इसमे प्रयुक्त गुन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभावित हैं. वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया वसा है।

ए० 60, ताबाद्री 208 वर्ग गज, श्रीत नगर को स्नापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, दिल्ली।

> स्तील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आगकर आगक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 12-12-1985

प्रस्य कार्ड टी. एन. वृहा. ----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्वाना

भारत लस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

स० म्राई० ए० सी*्।*एक्यु०*| 3| 37-ई०ई०| 4- 85| 886--*म्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

शायकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० एक्स०- 17 है तथा जो हौज खास, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची सें पूर्ण रूप से विणत है), कार्यालय ग्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली सें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख ग्राप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमे अन्तरण के लिए स्थ माबा गया प्रतिफल, निम्नितिष्ठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिष्ठ में कारतिक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (ह) करनरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना किहिए था, क्रिपान के सुविध्य के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निरुम्भिनिय अधिकत्यों, अर्थात् :--- श्री यहेवनी कुमार,
 ए०- 6, रिंग रोड, एन० डो० एन० ई०- 1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

डा० (श्रीमती) नीना बोहरा,
 डा० निलम कुमार बोहरा,
 वाई०-83, हौज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

औं यह स्चना डारी करके एवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्कार के राज्यत में प्रकाशन का जारीत से 45 दिन के भीतार उस्त स्थापन सम्मतित में हिनजांच किसी जन्म व्यक्ति द्वारा क्राहरणाध्या के पास रिलीयन में जिल्ला मुद्देश

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अधे होता उठ उन अध्याय में चित्रत गया हैं।

अन्सची

पलैट न० 'ए०" ग्राउन्ड फ्लोर, एका 17, हीज खास, ईन दिल्ली।

> सुनील चुपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्वेन रोंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 10-12-1985।

प्रकृष बाह्य, टी. एन., एवं .-----

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के अभीत ब्रामा

भारत संस्कार

कार्यालय, महायक आयकार आयुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

सं श्राई० ए० सी । एक्यु ० | 3 | 37-ई०ई० | 4-85 | 887— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 | - क. से अधिक हैं श्रीर जिसकी स० एक्म०-17 हौ जे खास है तयों जो नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

सें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन नारीख अप्रैल,

1985

को पूर्वेक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवमाने प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्सरिक रूप से कौथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरमा से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए:

शतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् :-- श्री प्रश्वनी कुमार,
 ए०- ६, रिम रोड, एन० डी० एम० ई०- 1,
 नई दिल्ली ।

(यस्तरक)

 श्री घनिका बादरा ग्रीर श्रीमती उरमिला वारदा, प्रेरना समाज, रोड, अलीगह ।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सृचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित् के वर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुए।.

उक्त सम्बद्धि के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेण :----

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की विश्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का मकोंगे।

स्पव्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मम्सूची

प्रोपोजिङ रिसिडेन्टल फ्लैट न० 3, पह्ली गजिल, एक्प-17, होज खास, नई दिल्ली ।

> मुनील चोपडा सक्षम ग्रिश्व हारी, **त्तहाबक ग्राबकर श्राबुक्त** (नि**रीक्षण**) ग्रर्जन रोज- ३, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 10-12-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनयम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-85/ 1405/888-- अतः मुझे, सुनीलं चोपड़ा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० स्पेस नं ० - 206, 2री मंजिल है तथा जो पाल मोहन एपार्ट मेंट, 3, एन०डब्ल्यू०ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961, के ग्रधीन तारीख अग्रैल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के नायित्व में काणे कारने ए उसमें नेजार में मुल्यू रेलिए और/या
- (क) एसी किसी नाम वा किसी धन या जन्म वास्तिमां को, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्यांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नितिसित व्यक्तिकां, अर्थातः :— 42—416 GI/85

- (1) मैं० रिशी पाल प्रोपरटीज प्रा० लि०, 704, प्रगति टावर, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री के० सी० छाबड़ा, ए-26-1, तिलक गली, कश्मीरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण अ--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाह निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्था करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

स्पेस नं० 206, 2री मंजिल, पाल मोहन स्रपार्टसेंट, 3, एन० डब्ल्यू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादी-800 वर्ग फुट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाहै.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बारत संश्कार

कार्याज्य, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज- 3. नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं श्राई० ए० मी०/एक्यू०/37ईई/485/1418/ 889---धतः मुझे, सूनील चे।पड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च रहे अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० विग नं ०-सी, है तथा जो 5, यिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीरपूर्ण रूप मे विणित है), के आयक्तर अधिकारी के कार्यालय, श्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीख श्रप्रैंन- 1985.

का पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के रहयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते थह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के ंलए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्यंत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किमा काव की पायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, क्या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

नतः वह उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के अभूसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं० सोम दत्त बिल्डर्स प्रा० लि॰, 56, कम्यूनिटी सेन्टर, ईस्ट श्राफ कैलाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० कोम्पीटेन्ट बिल्डर्म, 101, कोम्पीटेन्ट हाउस, ब्लाक एफ, क्नाट प्लेम, नई दिल्ली।

(धन्सरिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्लोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संभी

विंग नं ० सी, लीग्नर ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं ० - 5, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी- 12, कार पार्किंग।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आग्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/3,7ईई/4-85/ 1419/890-- श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं०- 5, है तथा जो 1/3, पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख भग्नैल, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शारदा श्रपार्टमेंट प्रा० लि०, ए-6, रिंग रोड, नई दिल्ली, माउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमित शिश एम० महेण्वरी, 28 1, नातानीयौन का रास्ता, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

फ्लेट न० 5, ग्राउन्ड फ्लोर, 1/3,पटेल नगर, नई विस्ली, तादावी- 504, वर्ग फिट ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज- 3, नई दिल्ली

¹दनांक : .9-12-1985

प्ररूप आर्धः, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-?, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एन्यू०/3/37ईई/4-85/ 1422/891 श्रतः मुझे, सुनील चोगड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1311, पदम टावर है तथा जो 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई बिल्ली, में स्थित है (ग्रॉर इसने उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्णरूप में बिल्ती है), आयकर प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-3, नई बिल्ली भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख ग्रुपैल, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) राजकुमार चोपड़ा,
 बंगला नं० 2, स्ट्रीट नं०-5, शान्तीनिकेतन,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरः रा

(2) लार्ड ग्रुप हाउसिंग फाईनेन्स लि०, ग्रार-39, विकास मार्ग, शकर पुर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविभ यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विसत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं ०-1311, पदमा टावर, 1, राजेन्द्रा प्लेस, नई -दिल्ली, तादाबी-580 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली

तारीख: 9-12-1985

मोहर .

है

प्ररूप आर्ड. टी. एस. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के नचीन भूचना

बारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आवकर जाबुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश मं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-85/893-- म्रातः मृहो, सुनील चोपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० ए-161, है तथा जो 3, बीकाजी कामा ज्येन, नई दिल्ली सें स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन-रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त संपरित के उमित वाजार मूक्य से कम के क्यायाय प्रतिपत्न के निष् अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वाय करने का कारण है कि ज्ञापमांका सम्पत्ति का अण्त वाजार मूक्य , उसके क्यायान प्रतिपत्न सं, एसे क्यायान प्रतिपत्न का पंत्र प्रतिचात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसं अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिक का निम्नितियात उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निष्कत में वास्तिवक कप सं कथित नहीं किया गया है।

- (क) नम्बद्रण से शुर्ड किसी नाम की नानत, उपके निश्चित्रक के नभीन कर दमें के जम्बद्रक के दानित्व में कभी कदने या उत्तसे नभने में सुविधा के सिए; नांक्ष/ना
- (ण) ऐसी किसी जाव मा किसी धन या बस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया वाना चाहिए था जिसाने में तृतिथा के किए;

- (1) श्रन्सल प्रोपरटोज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि॰ 115, श्रन्सल भवन, 16 कस्तूरचा गाँधी मार्ग, नई बिस्ली।
- (2) मास्टर ग्रोवर मोहन पुरी श्रौर श्रीमित इन्दिरा-पुरी, सी०/श्रो० श्रार० एम० पुरी, निवासी--2/ए-1, गीतांजलि इन्क्लेव, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :---

- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की बनीं ना तत्त्वंत्री व्यक्तियों पर स्वना की दासीस से 30 दिन की बनींग, वो बी नकींग नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रीच्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में दिलबद्ध सिकी सन्द स्थावित द्वारा बभोहस्ताकरी के पास जिसित में किए का स्कोंने।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्का अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ क्षोगा, जो उस अध्याय में विका है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए०- 601, 3, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादादी- 296 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली

गक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, अर्थात् ----

मारीख: 10-12-1985

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/4-85/894--अत: मुझे, मृनील चोपडा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00.000/- रु. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० सी-14, है तथा जो एह०डी०एस०ई०-2, नई-दिन्ती में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अपुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने सम्योगय अर्जन रेज-3 मई दिस्सी, भारतीय में आयजन अधिक्यम, 1961 के अधीन, सारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुं के किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमति आशा रानी, ए-6, रिग रोड, एन०डी०एस०ई०-1, नई दिल्ली। (अन्यरक)
- (2) श्रीमति अनीता जिन्दल, 83-सी, गाँतम नगर, नई दिल्ली।

(अन्हारिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की द्यमील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ह[†], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

असमाची

डोमीसटिक सेवार स्पेस न०एफ, लोजर ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं० सी-14, एन०डी०एस०ई०-2, नई दिल्ली, ताबादी-229 वर्ग फिट।

> सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 10-12-1985

मांहर :

प्राक्षप आहुरै, टी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-अ, नई दिल्ली

मनई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० आर्ट० ए० सी०/एसयू०/3/37ईई/4-85/895—अस: मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर निर्मियम, 1'961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अकर अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीन सभाग प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार स्वच 1,00,⊕00/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 239/9, है तथा जो बीकाजी कामा पेलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, अर्जभ-रें ज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख अर्थेल, 1985

का प्वास्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य ते कम के अध्यमाः प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुवाँक्त संपत्ति का उभित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंवह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निमालिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- किल, निमालिखित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस अभिनियम के अभीन कर वेसे के अंतरक की बायित्व में कभी करने या उनसे वचने में सुविका से निए; बाँग्र/का
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर जिपिनियम, या धन- कर जिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्थिध के लिए;

बत: कब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को बन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् :---

- () कृत प्रथम। श. चढ्डा,
 4, डी ० एन ० एफ ०, इन्डस्ट्यल एरिया,
 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।
 (अन्तर्क)
- (2) मास्टर राजन वढ्ढा, मी-117, ामन्द भिकेमन, भई दिख्ली। (अन्तरिती)

की बहु जुमना चारी करके प्योंनत अम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) ह्व बृह्म के राज्यम में प्रकाशन की शारीन के 45 दिन के भीतर अस्त स्नाम्र सम्पत्ति में दिलक्ष किसी अन्य स्थानत व्यारा सभोहत्ताक्षरी के पार लिखित में किए था सकेंगे।

स्थाकीकरणः - जसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वा उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हूँ, वहीं वर्ध होंगा. वी उस अध्याय में दिश चला है ।

अनुसूची

फ्लेट नं०-239/9. बीकाजी कामा लेपेस, मई दिल्ली, नादादी-304 वर्ग फिट।

सुनील चोपडा नक्षम प्राधिकारी सह्यान आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3, नद्दी दिल्ली

सारी**ख**: 9-12-1985

माहर:

प्ररूप आर्थं ती एत एस -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त निरीक्षण)
अर्जन रें ज-3, मर्ड दिल्ली
नर्ड दिल्ली, दिमक्त 9 दिसम्बर 1985
निदेश सं० आर्द० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/4-85/896---अन., मझे, सुनील चोषदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एच-6 है तथा जो मस्जिद माँठ, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रायकर अधि हारी के जार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि भियम, 1961 के अधीन नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिबित मे बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती एंगेड़ नियारी, गिवासी-एफ-७४, ग्रीभ पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री बेंद प्रकाश चानता, 18/3, पन्त नगर, जंगपुरा, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

हाउस नं० एच-६, मस्जिद मौठ, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी कहासण आसका (भिरीक्षण) अर्जन रे ज-२, नई दिल्ली

तिरीख 9-13-1981 **मोहर**ः

प्रकर आहें.टी.प्न.एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिशास 10 दिसम्बर 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एनयू०-3/37ईई/4-85/ 897—अन, मुझे, सुनील चोपणा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर निपकी सं े 6, कौ ग्रह्मा पार्क है तथा जो होज खास, तई-दिल्ली में नियम है (श्रीर इसने उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणय है), श्रीयकर अधिनारी के कार्यालय, अर्जन रें ज-3 मई दिल्ली में भारतीय आयकर, अधिनियम, 1,961 के अधीन नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुख्ये यह विश्वास करने करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त तपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत्त से अभिक है और अंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल निक्तलिकत उद्वेषय से उच्त अंतरण सिचित में वास्त्रिक उप म कांध्त नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त बीचित्रवस में बचीन भार दोने के बन्तरक के रामित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए: भार/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा बन्ध बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण सें, में, अक्त जीधनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकिस कालिसमों खर्थात :----43---416G1/85 (1) पै० कौणल्या एजूकेशनल ट्रस्ट, इत्या श्री विवेश य्यूर ट्रस्टी, 11/4, बी, पुसा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) लेफ्टिंश कर्नज, जेश बीश कुचाल, 108, बसन्त इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना भारी करके पूर्वीवतः सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप ्र—

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 पिन की ननींथ या संस्थाननथी व्यक्तियों दर स्थान की सामील से 30 दिन की नवींथ, जो भी स्वीय बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत ह्यारा;
- (व) इंड स्थान के राज्यक के प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के शक्ष किरिशन के किए का सकति।

रक्तिकरणः — इतमें प्रयुक्त वस्तों जीर वस्ते का, को अवस विधिनियम दे अध्याद 20-क में वीरभाविक ही, वहीं वर्थ होगा. जो उस अध्याम में दिवा गया ही।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर यूनिट सी नं० ६, कौशल्या पार्क, हौज-खाम, नई दिल्ली, भादादी ६९० वर्ग फिट।

> मुनीन चोपड़ा ानम प्राधिकारी सहायत आयार अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-3, नई दिल्ली

दिनौक : 10-12-1985

प्रक्ष बाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

शास्त शरकार

सार्यात्रक, सहायक नायकर आयुक्त (निरीसन)

अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, विमांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्य़०/३/३७ईई/4-85--898—अतः मुझें, स्नील चोपडा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुष्ट से अधिक हैं

सीर जिसकी सं० प्लाट नं० 6, है तथा जो कौशल्या पार्क हौज-खास, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीण इससे उपाश्रत अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्य ने विणाद है), रिजिस्ट्रीयर्का अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयाज अधिकियम, 1901 के अशीर, तारीख अशैल, 1985

को पृथेकित सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपान के निरुष् अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंकत सम्पत्ति का जिल्ला नाजार मृत्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से एोसे क्षवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के श्रीच एमें अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्का निम्नितिसल एक्योंका है उपल अन्तरण लिखित में बारठिका कप से स्विध्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ फिली आव की बाबत, उन्तर अधिनियम के सभीन कर दोने के पार्व में दिखिल में कभी करने या उससे बच्चे में भविषा के जिल जीर/या
- (वा) प्रोपी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिशिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था पर जिल्हा हो । स्टीइस था, कियाने में सुनिधा के लिए:

अन्तर अब अक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यवित्यों, अर्थात :---

- (1) कौशस्या एज्येशनल इस्ट,
 द्वारा विवेक अपूर इस्टी,
 शिव(सी-11/4, बी, पूसा रोड, भई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम कुमार श्रौर शकेश गुलाटी, 984/7, महरोली, टी-1, चिराग दिल्ली। (अन्तरिती)

को बहु तुथमा बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के मिग् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्पा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन की नविंभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी वर्षीय बाद में समस्य होती हो, से भीतर पूर्वोत्तर कहिंगा में किसी व्यक्ति हुवाराः
- (क) इस स्थल के राज्यन में प्रकारन की रागीय है 45 दिन के श्रीतर क्या स्थानर सम्मति में हित्यहंथ ट्रेक्टी सम्ब न्यांक्त ह्यारा स्थाहरताकारी से शास सिक्तित में सिक्त भा सकी ने ।

स्वाधिकरण:--ध्रमी प्रयुक्त बक्ती नीर क्यों का, वो उनस बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, मुद्दी अर्थ हुनेश को तम अध्याय में दिक्त गरा हैं।

नमसची

बेसमेंट फ्लोर, यूनिट सी 6, कीशन्या पार्क, हीज खास, नई दल्ली, तादादी-635 वर्ग फिट।

नुनोतः चोपड़ा नक्ष्म प्राधि : री सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप शाह टी.एन .एस . -----

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 10 दिसम्बर 1985

भिदेश सं अाई० ए० सी ०/एवयू ०/ 1/37--ईई/4-85/ 1415/899--अत: मुझे, सुनील चेंग्यडा,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीए जिशकी संव यूनिट 'ई' फ्लैंट नंव 105 है तथा जो फ्लाट नव 6, कीशल्या मार्ग, हीज खार, गई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), विश्हीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयान अधिक्यम, 1961, के अधीक वारीख अर्जन, 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंर्तारत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्याने में मृतिधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- 1. मैं० कौशल्या एजेंक मनल ट्रस्ट द्वारा, श्री विवेक कपूर ट्रस्टी, 11/4, बी, पूसा रोइ, मई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती जया जेठली, निवासी 26, तुगलका श्रेश-कैन्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहिका बकुदा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्भूची

यूषिट 'ई' फ्लैंट में० 105, प्राट में० ६, कीजस्या पार्क, हाँज खास, नई दिस्ली, ताद ही 720 वर्ग पिट।

> मुर्ताल चीलडा सक्षम पाकित्वरी रहाद र अल्ला अपुनत (भिर्नाक्षण) अर्जन नेज-3, परन्नी, पर्द दिल्ली-110002

वारीख: 10-12-1985

प्ररूप आह््यें दी ु एन ु एस ॒-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, भई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिग्रम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/4-85/ 900--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव एचंव-103, है तथा को सोम बिहार, संगम मार्ग, आरव केव पुरम, अई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारी ख अप्रैल, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरितः की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

लेफ्टनेन्ट कर्नल एम० बालाकृष्णम् (रिटा०),
 18-ए०, कीयाजी भागं, पुने।

(अन्तरक)

 श्री टी० रामचन्द्रन, डी-1/183, सत्या मार्ग, चाणम्यपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त रुव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

फ्लैट नं॰ एच॰-103, 'सोप विहार' सगम मार्ग, आर॰ के॰ पूरम, नई दिल्ली, नादादी-120 वर्ग मीटर।

> भुनीत चोपहा ं अप प्राधियारी सहायक आयकर आयुक्तः (विरोक्षण) अर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारोख: 10—12—1985

वस्य बाह्र'. टा. एन्. एस . ---

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-च (1) के अचीन सुचना

भारत सस्कर

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैन रंज-3, गई दिल्ली

नई दिल्ली, दिशांन 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं आई० ए० सी०/एनयू०/3/37-ईई/4-85/ 901--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० 12 बीघे, 10 बिग्वे, है तथा जो मुसतातिल न० 79, विला न० 4, 5 और 6 मेहरौली में
'स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और 'पूर्ण रूप
से बिजित है), रिजिट्टीवर्ता अधिवारी के वार्यात्य, अर्जन
रेज−3, नई दिल्ली में भारतीय आयवर अधिवियम, 19€1
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

कां पृथित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कब के ध्यवमान शितक न के निए अंतरित की नई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हैं कि बथापृशिक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उत्तर्भ दश्यमान शितफल से, ऐसे दश्यमान शितफल का पल्दाह शितक से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्वा धीतफल, निम्नीकियत उद्दर्श्यों से उपत बन्तरण जिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया नै

- (क) बन्तहरू से हुई जिसी बाय की बायस, उनक बीधितियन के बधीन कर देने के बन्तरक के तरिक्त में कभी करने या उनसे बचन में सुनिधा के लिए; बीध/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी वन या बन्च बास्तिकी की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, अप वन-कर अधिनियम, 957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया बामा था, छिपाने में सुविधा के सिस्

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुकीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— मं० राम किशन एसोसियेट्स प्रा० लि०, ई-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री विनोद आहुजा पुत्र श्री ग्रो० पी० आहुजा, डळ्यू०-79-ए० ग्रेटर कैलाश-3, गई दिल्ली। (अनितरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (b) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सकेंगे।

स्यस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी—12 बिघे 10 बिस्वे मुसतातिल नं० 79, किला नं० 4, 5 ग्रीर 6, ग्राम मेहरौली, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा रुक्षम प्राधिनारी सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

लारीख: 12-12-19865

प्रस्थ नाइ<u>रं, ही . एन . एस . ----</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां म 28 पवम्बर 1985

लिदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/4-85/ 904---अत: मुझे, मृतील चापडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव प्लाट नंव सी—61 है तथा जो प्रीति विहार, हाउस बिविडग सोस्वर्टी निव्य तिव्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के वार्यालय, अवीर नेज-5 मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के उधीम अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के के लिए;

जत: क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्नरक थॉ, मॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारर (1) कृ अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियाँ, अधीत क्र— श्रो मञ्जुः पूरन गुणा, श्रीमती निर्मत गुणा श्रीमती णशि गुणा, श्रीमती दोषा गुणा, निवासी—22/ 37—ए०, लग्नाह मुगम, छित्तर रोह, आर० एन० पुण्म, कोयस्वतूर।

(अन्धरितो)

2. श्री मुभाप चन्द जैम, श्री जय प्रकाश जैन, श्री अशोक कुमार जैन, श्री प्रमोद कुमार जैन, श्री प्रमोद कुमार जैन, श्रीकृ राकेश कुमार जैन, पुत्र श्री मनोहर लाल जैन निवासी सी०~7 /9, कृष्णा नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में तमाप्त हार्गती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यश्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट न० सी—61, नादादी—570 वर्ग गण प्रीत, सगर, हाउस विल्डिंग, थोसायटी ति० दिल्ली।

> सुनात चीपड़ा सदाय प्राप्ते जरी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-10002

न्तर्भिष्द : 28+11-1985,

माहर :

प्ररूप आईं. टी. एत. 'एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एमैंयू०/3/37-ईई/4-85/ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है क्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 106, है मथा जो 9, यूसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में फ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिवारी के रायलिया प्रजीन रेश-3, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 के अधीन, दारीख अप्रैल, 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्पेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० बाम्बे बिल्डर्स (इण्डिया) (प्रा०) लि०, 18, क्रमिशियल ाम्प्रलैक्स, मालचा मार्ग, विपलोमैटिक इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती राधा रजनी बहादुरिया, 18-बी०, एम० श्राई० जी०, शेख सराय-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिद्धी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 106. (पहली मंजिल) प्ताट नं० 19. यूमुफ सराय, नई दिल्ली. 'म्रोरियन्टन एपाटंहुटॅ, नादादी 356.7 वर्गेज फिट।

> मृतील चोगड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-3, दिल्ली, नईदिल्ली-110002

तारीख: 10-!2-1985

प्रमण बाह्र हों. एव. एथ्.

बायकर समितियम, १०६१ (१०६१ का ४२) की पारा २६०-च (1) के अभीन स्पना

नारत तरकात

कार्याज्य, भहायक वायक र वायक (निरोक्स)

म्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/4-85/ 5-85/915--- प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

षायकर लिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पंपरित जिसका तोचत अपार मुख्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

श्रौ र जिसकी सं 101, 20, है तथा जो कम्यूनिटी सेंटर, युसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रींध-कारी के वार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भें भारतीय अायजर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख अर्थेक,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिस्फल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त संपर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना बाहिए था खिणाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० फोर फोक्सफोई इंजीनियर्स (प्रा०) लि० 18 ंमिणियल प्यालैक्स नालचा मार्ग, डिपलोमैटिय इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सोता पास मेहरा: जी-12, मस्जिद मौठ नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ए----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की बविधा, जो भी जबिध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए या सकोंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जवत निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं 101 (पहली संजिल) "श्रोरियन्टल एपार्ट-मैंट) 20 कम्यूनिटी सेंटर, यूसुफ सराय तई- दिल्ली, नादादी 346.10 वर्ग फिटा

> सुनील चेत्पड़ा सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुत (निरीजण) श्रजैन रोज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख्रुः 10-12-1985 मोहरः

प्रकप बाइं.टी.एन.एस..-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आञ्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली; दिनांश 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/4-85/ 5-85/916--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा भवा है), का धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एए०-5 है तथा जो 20 यूमुफ सर य, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीयर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3: नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधिनयम 1961 के श्रीकीन नारीख श्रर्जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाचार मृत्य से कम के क्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं). अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आहिसायों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के रिस्ए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् : —
44 —416 GI/85

1. मैं० श्राक्सफोर्ड ईजीनियर्स (प्रा०) लि०, 18, कर्माशयल काम्पलैक्स, मालचा मार्ग, डिपलोक्टिक इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं ॰ बालूजा शू कम्पनी, बी-27, कनाट पलेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सन्पत्ति औं अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

ज़ क्ल संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी जाकोप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वी का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसु अध्याय में विमा यस हैं ॥

- ग्रन्स्ची

सोप नं ० एस०-5, ग्राइण्ड फ्लोर, ग्रोरियन्टल एपार्टमेंन्ट, 20, युसुफ सराय, नई दिल्ली, तादादी--336.70 बर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा संजम प्राधिकारी सहायक प्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक्ष बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 207 है तथा जो 19, युमुफ रूराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँत इससे उपाबद ग्रनुसुची ह पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राजन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपैल, 1985

को पर्वाक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रियमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ने हुई जिल्ली बाघ की घावसा, अक्त अधिनियम के संबीद कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सूर्विधा के किए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना खाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः इतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रुपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. मैं वोम्ये किन्सं इन्डिया (प्रा०) लिंग, 18, दार्माणयत दमम्पलेक्म, मालचा मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शशि पुरी, निवासी--8/19, डब्ल्यू० ई० ए०, इरोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन वें तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- '(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पत्नीकरण:--इसमें प्रय्वत अवदों और पवाँ का, जो उकत अधितियम,, के अध्याव 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हो।

अमुसुची

फ्लैंट नं० 207, (दूपरी मंजिल "श्रोरियन्टल एपार्ट**ह्**ट) 19, कम्यूचिटी सेंटर, युसुफ नारा, नई दिन्ली, क**्टादी** 187.51 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायह श्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारी**वा**: 9-12-1985

मुक्प आहें हो पुर पुरु क्रान्य विकास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ् (1) में अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ऋर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांव 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/4-85/5-85/926--श्रतः मुझे, सुनीक चेलड़ा,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 303 है नथा जो 19, युमुफ सारय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं). रिस्ट्री तो अधिकारी के बार्यालय, अर्जन रेंक-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 के अधीन, नारीख अर्जन, 1985

का पूर्विक्त संपत्ति के जिल्ला वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंगे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नन्तर्भ ने हुई किन्दें नाव की नाम्त्र, जन्म निष्टिन्दन के स्पीप कर दोने के स्वारक में वादित्व में कर्नी करने या उससे वसने में सुद्धिया के लिए; और/या
- एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ। को, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विभा के लिए:

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह मैं० आवसफोर्ड इंजीनियर्स (प्रा०) लि०, 18, कामिशयल काम्पलैक्स, मालचा मार्ग, डिपलामैटिक इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरह)

2. मैं० सनम्लो इन्टरनेशनल (प्रा०) लि०, 108, जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चूचना की तामीज से 30 दिन की अविभ, को और बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (व) इस स्वना के राज्ञपत्र में प्रकाशन को लागाँध वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा तकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सुवा हैं।

वमसर्ची

फ्लैंट नं० 303, तिसरी मंजिल, "श्रारियन्टरल एपार्टमेंट 19, युसुफ सराय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 395.17 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

तरी**ख: 9-12-1985**

मोहर 🕫

प्ररूप आई ु टी... एन... एस...------

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० फ्लैट नं० 201 तु तथा जो 20, युमुफ सारय ,नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रधीन, तारीख अर्थेल, 1985

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबसः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: कम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखिस न्यक्तियों, अधीत् :--- मै० अभैंसफोर्ड इंजीनियसं (प्रा०) लि०, 18, मालचा मागं, कार्माशयल काम्पलैमैंस; पिलोमैंटिक इनमैंलेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. (ए) श्रीमती मौलि मिश्रा, 19, िवर्षी प्लेस, जिसोरी सिकल, दिल्ली कैन्ट, नई दिल्ली, (बी) श्रीमती निर्मेल लियाना, ई-71, पहली मंजिल, नन्दी भल्ला, 223, एस० एफ० एस०, डी० डी० ए० फ्लैंट, होज खास, नई दिल्ली। (श्रन्तरिंगी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करा हुं।

उत्त सभ्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 —

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पर्लंट नं० 201; दूसरी मंजिल, "श्रोरियन्टल एपार्टमेंट" 20, युसुफ मारय, नई दिल्ली, तादादी 404.51 वर्ग फिट।

मुनीन चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रोंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० नी०/एक्यू०/3/37-ईई/4-85/ 10-85/1091~-अतः मुक्ते, युसुफ चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शोप नं० एस०-6 तथा जो 19, युसुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिविनयम, 1961 के अधीन, नारीख शर्में ल, 1975

का पृथं अत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभी यह विश्वास करने करने को कारण है कि यथा पृथंकित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हमा से किथा गया है दिन्न

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंबी किसी माय या किसी भन या अच्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मधिनियम, का ध्यकर मधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, कियाने में क्षिशा को लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— मै० बाम्बे बिल्डर्स इंडिया (प्रा०) लि.०; 18, इनक्लेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मैं० बालुजा शू कम्पनी, बी-27, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोचत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूचना के राजपंत्र में प्रकाशाद की तारीख से 45 दिन को अवाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसुची

सोप नं॰ एस-6, ग्राउण्ड फ्लोर, 19, युमुफ सराय, नई दिल्ली, नादादी--675.90 वर्ग फिट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 9--12--1985

वच्च वार्षः श्रीः प्राः प्रसः -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीत सुचना

HIST SEWS

क्रायांलय, सहायक आयक्षर आयक्स (निरीक्षण). श्रजीन रोज--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदण सं० प्राई० ए० सी०/एलयू०/3/37-ईई/4-85/10-85/1092--- प्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-अ के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्याश करने के काइल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ए-9 है तथा जो नारायना रिसिडेन्टल स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीएर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

का पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान के लिए अन्तरित गड्ड मभ्रे विश्वास यह करने का कारण 🕏 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से., एसे इदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निभ्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के बुल्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने ने सुविधा के दिए; की की
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल नौधिनियम, या धनकर न्द्रीयिन्त्रम, या धनकर न्द्रीयिन्त्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया न्या वा या किया ज्ञाना चाहिए था कियाने में कृषिचा में जिए;

व्यतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1), चे अधीर निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ∴— श्री ग्रादित्या दतः 11-बी, राजेन्द्रा पार्क, पुसा रोड, नई दिल्ली।

(श्रन्सरकः)

 श्रीमती चन्द्रा खन्ना, श्रीमती रेनु महले बा, एफ-114, नरायना बिहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना आही कारके पृत्रों का सम्मारा में कर्जन की जिए। कार्यनाहियां करता हों।'

इस्त कुमारि हो अर्थन के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेत्र हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- '(च), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकर्ष

स्थव्योकरणः — इसमें प्रणुक्त बाक्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्यायं 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होया थो उस्य अभ्यायं में दिया व्या हैं॥

भनुसूची

खाली प्लाट तादादी-800 गज वर्ग गज, ए-9, नारायना, रिसिडेन्टल स्कीम, नई दिल्ली।

> मुनील चं।पड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1985

भोहर 🖫

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.=======

जायकर कर्तुंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सभीत स्वता

श्रापुत बरकार

कार्यालय्, सहायक बायंकर बाय्क्त (निरीक्ष्ण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 दिस्पवर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-ग्रार-2/4-85 2567----ग्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे इंग्लंड परचात् 'उक्त अभिनिस्म' कहा गया हैं), की भारा 269 ध क अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी० एल०-41, ब्लाक "एल०" है सथा जो हरी नगर, नई दिल्ली, ग्राम निहाड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिल्ली हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख ग्रिपीन, 1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार अन्त, असके दश्यमान प्रतिफास से, एसे दश्यमान प्रतिफास के शत्क प्रतिकात से कृषिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए द्रय वाया गता प्रतिफल, निय्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत को बास्त एस हो निया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत सकत जिन्न निवस के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कभी करणे वा उसके बजने में सविधा के विद्रु; कीक्य/का
- (ज) एंदी किसी जाब या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा है निष्ट;

कतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अमृसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च करे हएधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :-- श्रीमसी हरी देवी ग्रांत्रप पत्नी श्री एस० एल०' ग्रांत्रप, निवासी—-बी एल-41, बनाव "एल"-हरी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम सरन दास शर्मा पुत्र परिडेत पोह्कर दास, (2) श्रीमती श्रमरजीत शर्मा पत्नी राम सरन दास शर्मा, निवासी—डवल्यू०-जेड०-242-ए०, विरेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

ही। यह त्याना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिध् कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राज्यम के प्रकाशन की तारीं हैं 4.5 विन की संविध या तत्सम्बन्धी अधितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बन्द के स्थापन होती हो, से भीतर प्रोज्य स्थितनों में से निस्ती स्विच्य द्वास;
- (क) इक सूचना के राववन के प्रकासन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी कल्प व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाल किसिन में किए का सकते।

हक्क विद्रम्:--इतमें प्रमुक्त क्यों नीऱ प्रशिक्ष ता स्वक अर्डिशिवम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक इति यहीं वर्ष होगा जो स्त अध्याय में दिका मुखा हैं।

अनुसूची

हाउस नं० बी-एल-41, (प्लाट नं० बी-एल-41) ताददी--200 वर्ग गन, ब्यादः 'एल' हरीनगर, नई दिल्ली, एरिया ग्राम---तिहाइ।

> सुनील गोपड़ा सक्षम प्राधिकरी सहायक प्रायक्षर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीचः 5-12-1985

मोष्ठर 🕄

प्ररूप आई' दी एन एस .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1985 निदेण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्प्यू०/3/ एस० भ्रार०-2/4-85/2568--भ्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संब्धाट नंब्जी—11, बनाय-जी-एस 11 है नथा
जो हरी नगर, नई दिल्ली में स्थिन हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध सनुसुनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिक्ट्रीकर्ता श्रिधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रीकर्ता श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख मुप्तील 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी धून या बन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इिवन के सिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लाकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री गुरुचरन सिंह ज्ञानी पुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी--एफ-8, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुदेण कुमारी परनी श्रीजोगिन्दर लाल, निवासी——डब्ल्यू-जेब-161, विरेन्द्रनगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त कृष्यों बीट पर्यों का, वो धनक अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुना हैं है।

अनुसूची

प्लाट नं० जी-एल-11, तादादी--533 वर्ग गज, •लाक 'जी' हरीनगर, दिल्ली, एरिया ग्राम--िमहाड़, दिल्ली।

> मुनील चीपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-11-1985

जाकर बार्ड .टी.एन.एस.

मायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसम, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रॅंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांवा 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एकपू०/एस० ग्रार०-2/ 4-85/2569---धतः मुझे, सुनील कोपड़ा,

जायकर जिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

धीर जिस्की सं० 43 है तथा जो मादी पुर, पंजाबी बाग, नहीं दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसुर्वी में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीएली श्रिष्ठिएएरी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीएली श्रिष्ठिएएरी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीएएरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अभील, 1985 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से काम से इश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का एम्सह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्निजिसत उद्दोष्य से उकत अन्तरण शिवास में बास्सिक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई सिसी बाय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरङ अ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिम्; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी भन मा जन्स नास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक-कर मिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिद्ध;

जतः तथ, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक थैं, मैं, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग की उपधारा (१) जै अभीन, निकासियतं व्यक्तियमं, अभीत् :---45---416 GI/85

- भी राम नाथ विज पुत फकीर खन्द, निवासी 43, वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी धाग, नई दिल्ली। (सन्तरक)
- 2. श्री राकेण वैव पुत्र श्री जगा नाथ वैव, निवासी--18/20, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना होते।

इक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🎾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, को खक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विधा गया हैं।

षम्स्ची

क्लाट नं० 43, वेस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, एरिया ग्राम माद्योपुर, दिल्ली स्टेट, रिल्ली, लादादी---555.55 वर्ग गज, एवं निर्मित भवन।

> सुनील चोपका सक्षम प्राधिनारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप आई², टी. एन. एस. -----

ANNEL BARRELLE I SELEN I STERRE BERNER BERNER BERNER

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भाजन रों:--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 29 तकावर 1985

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-श्राप-2/ 4-85/2570---श्रतः मृझे, मृनील चौपड़ा,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उनत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिनारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भन्ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ग्रन्थ सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और तंतरण के लिए तथ गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी अप शा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अक्ष: अवः, उक्त अधिनियशः गी धारः १६९-ग के अनसरणः मी, मी, उक्त अधिकियम की धारः १६७-७ की उपधारः (६० ■ अधीन, निक्तिसिकित सार्किकतों, अर्थातः '--- श्रोमती प्रधाश देवी परती जैसन्त राय मदान, जिबासी सी -7, त्रिनातपुरी, नई दिल्ली। (भ्रम्तरात)

2. श्री बीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री मेहर चन्द, निवासी--नी-56 बी, इन्दरपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवंकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्रायाः
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ेल्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और ७६% औ, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

प्रो० बैरिंग नं० सी-56 बी, ग्राम नारायना, श्राबादी-इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा गक्षम प्राधिकारी महापड श्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज∼3 दिल्ली, नई दिल्ली−110002

तारी**ख**: 29-11-1985

प्ररूप आहे. टा. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के नधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, भहायक आगक्षर आयुम्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 29 नवम्बर 1985

निदेश सं बाई ए ए सी । / एक्यू । / 3/एस ब्राप्ट 2/ 4-85/2571--श्रतः मुझे, सूनील चोपड़,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उथत अधिनियम' कहा गया ह . की धारा 269-स के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूम्ब 1,09,000/- ए. से मुधिक है

मीर जिसकी सं जे 7/20 है तथा जो राजारी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसस उपावड श्रनभुची में भीर पूर्ण रूप से विण्य है), राजस्ट्री तो भ्रधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रप्र

कां प्रांचिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित क्षणाद मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल के पत्थह प्रतिकार से अधिक है वीर अन्तरक (अन्तरकों) और '(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया कस दिल्पालाख उद्देश्य सं उचत अन्तरण विश्वित में बास्तविक में बास्तविक कर्ष सं कांधत नहां किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व मां कमी करने या उसस बचने में सुविधा क निए; बांद्र/या
- ख) एस किसी आय या फिसी पन या अन्य आस्तिथा की, जिन्हें भारतीय आयकर सिंपिनयन, 1922 (1922 की 11) का अनी अपनेत आशीवस्त, या वन-कर सिंपिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया का दा किया आता का हिए था, छिपान मा स्रीयका के निए;

बतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अब्बरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन जिम्मी साम व्यक्तिया, अथीत :--

1. श्री क्रुज्य लाट पुत्र एवं श्री राम लन्द, निवासी— मे--7/20, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

TO THE STATE OF TH

2. थी (द्वारो) वन्द पुत्र महेन्या राम भौर सरला देवी पत्नी श्री सोहरी लाल, निवासी- -जे-7 ई-80, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

बी। बहु स्थना बारी करके पूर्वीक्स सध्यक्ति भी मधीन **थे जिए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति क अच्छ क संबाध में कोई मी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजण्य में प्रकाशन की धारीय थे 45 वित को अवधि या धारसम्बन्धी व्यक्तियों क्ष्य स्वता की हाभील सं 30 दिन की अवधि, जो सी व्यक्ति माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूखना है राजपक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष्ट् किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरा के पाड़ निचित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पादीकारण: लक्कारण १००० सभी और पदी का, जो उन्नत जीध-नियम के अध्याय 20-क भ परिभाषित ही, वहीं वर्ष होता, जो उस जण्याय भी दिया गया है।

अभूस्की

प्रो० सं० जे-7/20, राजारी गार्डस, नई दिल्ली, तादादी--145 वर्ग गज।

मुनील चोण्डा नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

प्रकृप बाह् .टी. एट .एस ुक्का करा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुन्नना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशक)

ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाय 29 नवस्थर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस भार-2/ 4-85/2572- भातः मझे, सुनील चोपड़ा,

ायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें जिसे परवाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा :89-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने की बार्प हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० जे०-12/63 है तथा जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इससे उपायद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिस्ट्रीकर्ता मधिकारी ार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 ा 16) के मधीन, तारीख मधील, 85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृष्य से कम को सम्यमान प्रिकल को लिए अन्तरित की गई है

भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकर सम्मास्त का उचित बाजार मृत्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, एं स स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तर्स का सिश्चित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी गाय की वावत, अक्ट् मिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक औं वापित्व में कमी करने या अससे वज्जने में सुविधा के लिए; गीर/भा
- (थ) ऐसी किसी जाव या किसी भग या कत्य बास्तिको को, विक्हें भारतीय वात-कर बीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीभीनयम, या भग-कर बीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिती दुवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना बाहिए था, क्रिया के वृत्तिका के दिस्सा के दिस्सा के दिस्सा के दिस्सा के दिस्सा के दिस्सा के दिस्सा

चर्छ क्य उन्तर अधिनियम की चाँछ 269-न स व्यक्तिस्य में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीत, निक्तिसिक्त स्पिक्तियों, संघात है—

 (1) श्रीमती उमला देवी परनी श्री राम प्रवाध (ए-52, विशाल इनक्लेब, दिस्ली, (2) दाक्ता दुगल परनी श्री धार० एन० दुगल, 5-ए/85 एन० शाई० टी०, फरीवाबाद, (3) शास्य धवन, (4) रानी महलोला, (5) दन्तु प्रमा, (6) लेखा भसिन, (7) शशि भरोड़ा, सी-ए०/ 13, टैगोर गाउँन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती निशा गुप्ता परनी श्रवन कुमार, 182, कटरा बप्यन, फतेष्ट् पुरी, दिल्ली। (श्रन्दरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथांक्ट सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उच्या सम्पत्ति की अर्थन की संबंध भी कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी मन्ये व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळकरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के बन्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस बन्दाय हैं विया पना है।

धनुसूची

भे 12/63 राजौरी गार्बन, नई दिल्ली, तादापी— 200 वर्गे गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 29-11-1985

मोहर ः

ERR WIE". 29. 44. 44.

नामकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन स्वान

भारत परकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरोक्षण) भर्जन रॉज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक ।1 दिसम्बर 1985

निवेश सं पाई ए० सी । एक्यू । 3 एस० धार • - 2 | 4-85/2573 - वतः मझे, सुनील चौपड़ा,

भावकर अभिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इस्कों इसको परवात् 'उनसा अभिनियम' कहा परा हैं), की पास 269-क से अभीन तकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार सूक्ष्य 1,00,000/- का से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० ई०-ए०-1/10 है स्था जो इन प नई दिस्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपायत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से यणित हैं), रिट्र्ट्रीनर्सा प्रधिवारी के गार्यास्थ, नई दिस्सी में भारतीय रिट्र्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 ला. 16) के भधीन, सारीख अजैल, 1985

कां पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कान के क्षयज्ञान प्रतिकृत के लिए जन्तिरित की पड़ी कीड मुर्भे वह विक्वास

करने का कारण है कि अभापनांकत सम्मीत का उचित नाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और क्श्तीरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे वन्तरण के सिए इस गाना गया प्रतिफल निम्मसिकित उद्देश्य से उन्त अार्च सिक्ट में नास्त्रिक रूप से क्षिय नहीं किया गया है कर न

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाद की बादत, उपक निर्मायन के अभीतं कर दोने के स्वाहुक के वाजित्य में क्यों कहने या उपके बादने के वृधिका के जिए; बाहु/वा
- (क) एकी किसी नाम ना किसी भन् वा नंत्रं मास्तिनी .की विष्टुं वास्तीन साथ-कर समितियम, 1922 (1922 का 11) या जनत सभितियम, ना भत-कर विभिन्नम, ना भत-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) अं असोजनार्थ सन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किसा वर्षा था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें स्विधा के सिए:

नत: नव, उक्त वीधनियम की धारा 269-म के बनुकरण वो, यो, उक्त वीधनियम की धारा 269-में की खंपशीय (१) के अधीय, मिन्नतिबिक व्यक्तियों, सर्वाट ४---

- 2. श्री राजेश गुलाटी पुत्र मार० पी० गुलाटी भौर मार० पी० गुलाटी पुत्र श्री एन० एल० गुलाटी, निवासी--- 7-ए/9, चन्ना मार्किट, करोल बाग, नई विस्ली।

(मन्तरिती)

को सह सुपना चारी करके पूर्वीका सम्मरित के वर्षन के किए। कार्यमहिमां सुक करता हुई क

इन्दे सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं में भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वेंगरा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिए-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए था सकेंगे।

न्यव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वा उच्छ वीधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित्र ही, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिवा वर्ष ही।

धनुसूची

प्रो॰ नं॰ ई-ए.-1/10, इन्वरपुरी, नई दिस्सी, सादाडी--250 वर्ग गंभ, खसरा मं. 1609।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर गायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीक: 11-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भागंन रेंज-3, नई विरुली
नई विरुली, दिनांक 4 दिसम्बर 1985
निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस भार-2/4-85/2574---भातः मुझे, सुनील घोषड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० एल० बी० एल०-90, प्लाट नं० बी० एल०-90, हैं तथा जो खसरा नं० 872 भीर 877, हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्रीकरण मिश्रिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिमस्ट्रीकरण मिश्रिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिमस्ट्रीकरण मिश्रिनायम, 1908 (1908 का 16) के भिश्रीन, तारीख भन्नल, 1985 का पूर्णेक्ट सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रीक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कोर अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बारितिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) वितरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक कर दिल्ला के अधीन कर देने के जन्तरक कर दिल्ला के अधीन कर देने के जन्तरक कर दिल्ला के खिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९ भन-कर अधिनियम, १९ भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया नवा जा का किया वावा चाहिए था, कियाने में सूरिका के सिए;

क्तः ध्वा, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के क्थीन, निम्नसिक्ति स्थानितयों, अर्थात्:-- 1. श्री बी॰ पी॰ भारकर पुत्र श्री होती साल, निवासी बी-एल-90, हरी नगर, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

2. श्री प्राई० पी० टूटेजा पुत्र श्री एस० प्रारं० टूटेजा बी-एल-90, हरीनगर, नई दिल्ली।

(भन्दरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उन्त सन्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का ताराच हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याक्तया पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भा
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य ध्वित द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बक्क हैं।

सम्स्यी

प्रो॰ नं॰ एल-बी-एल-90, प्लाट नं॰ बी/ एल-90, तादादी--208.6 वर्ग गज, खजरा नं॰ 872 घीर 877, हुरी नगर, नई दिल्खी।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कारी**ख**ः 4-12-1985

षोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंड:-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांड 11 दिगम्बर 1985 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/3/एछ० प्रार०-2/ 4-85/2575---श्चतः मुझे सुनीन चोगड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संव हाउड नंव 24/52 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबत मनुसूची में मौर पूण रूप से बिलते हैं), रिजस्ट्रें अर्त ग्रिधि गरि के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रें अर्ता ग्रिधि गरि के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रें अरण ग्रिधि नयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, नारीख ग्रप्रेंक, 85 को पूर्वें वत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों वत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक प से किथत नहीं किया गया है:—

- हैं को अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11): या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27): उ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ंशतः कवा, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, मिस्तोलिखत स्थानितया, अर्थात् ः—

- 1. श्री रोगान लाल ध्रत्रवाल पुत्र श्री जिना राम, निधासी —24/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रस्तरम)
- श्री प्रीतम सिंह, (2(गुरबच्च कोर, (3) मास्टर हरप्रीत सिंह, निवासी—24/52, पंजाबी बाग, मई दिल्ली।

(मन्दरिती)

की यह सूचना जारी वरक प्रवेकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 2-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्निय, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, से भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त घटनां और पतों का, भो जक्त विधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा भो जस्र अध्याय में दिया गमा है।

पनुसूची

हाउस मं० 24/52, पंजाबी घाग, नई दिल्ली।

सुनील चोरका सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3 दिल्ली, लई दिल्ली-11 Q002

तारीख: 11--12-1985

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्स)

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मुख्य 1.011,000/-च. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 208, व्याक नं० ए०-2, है तथा जो पंखा रोड़, रिसिडेंग्ट स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाचढ अनुसुची में श्रीर पूण रूप से विल्ली में भारतीय रिलिट्रीक्ता प्रधिवरी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिलिट्रीक्राण श्रधिवरी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिलिट्रीक्राण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को प्रोंबत संपरित को उचित वाचार मृत्य से कम के अध्याम विशिष्ठ के लिए जन्तरित को गई हैं जीर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंबत सम्परित का उचित वाजार कृत्य, उनके अध्यमान प्रतिफल से, एते अध्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिवात से अधिक है जौर जन्तरक (अन्तरकों) जीर जंतरिती (जन्तरितियों) को बीच एसे जन्तरण के लिए तम् पाया प्रवा प्रतिक्त का विश्वासिक क्या कि किया नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण वं हुइ किसी बाव की बावत, उक्ट श्रीपनियम के बचीन कर दोने के बंतरक के बाजित्व यो कमी कड़ने या उत्तरे वक्षत्रे में बृद्धिया के शिव्; बाह्र/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय झासकार मंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके निर्धानियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किना करना चाहिए वा, कियाने में कृषिका के सिहा;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, धी, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग की एउपारा (1) के अधीव, धिन्तिकित व्यक्तियों, अधीव :---

- 1. श्रीमती चन्दर नगरता सीवज पत्नी स्व० श्री केदा नाम सिम्बल, ए-2/208, जननपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरन)
- 1. (1) श्री गुरदयाल मेहरा पुत्र श्री किशत चन्द मेहरा, (2) श्रीमती सतीश मेहरा, पत्नी श्री गुरदयाल मेहरा, निवासी—57/1707, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

(भग्तरिती

को यह सूचना धारी कारने प्रॉक्ट सम्मत्ति के नर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्तर कम्परित के नर्जन के कम्बन्द में कोई' भी बाकीए:---

- (क) इब सूचना की एकपण में प्रकाशन की शारीख वें 45 दिन की अवधि या शस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपण मो प्रकाशन की तारीश है 45 दिन को भीतर अक्त स्थाबार सम्पत्ति मों हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताकारी के पांच निवित्त में किए वा सकोचे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त खड़ों और पढ़ों का जो उन्हें के जिल्हा के जिल्हा के किया 20 के में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस कथाय में दिया नेवा हैं।

भगृत्या

प्री॰ वैरिंग प्लाट नं॰ 208, ब्लाक नं॰ ए॰-2, पंा रोड रेसिडेन्ट स्कीम, नई दिल्ली, तावादी---231 वर्ग बीटर।

> सुनील चौपड़ा स्वतम प्राधिशारी सहायक बायकर भागुनत (निरीक्षण) भर्जन रोज –3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारामा: 29—11→1988

मोहर ।:

प्रकप - बार्डी, टी., एन्., एस., ----

नापकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन मुखना

गारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां ः ६ दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यु०/3/एस० श्चार०-2/ 4~85/2577--श्चतः मुझे, भुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पदचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण ्ै दि स्थाप्त संपत्ति, जिसका उच्चित् बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

श्रीर जिसका मं० डब्ल्यू० जेड०-409/1 है सथा जो हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री ति श्रधियारी के नार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री व्यक्त अर्धिनियम, र रीख अर्थन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उदित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिद्यत से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकार्ष) शौर जंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसं अंतरण के लिए तथ पाया क्या प्रतिफल निम्निसिस उद्देश्य सं उक्त बंतरण निविद्य में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंटरका स हुउँ रिकाडी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के बामित्व याँ कामी कारने या उसमें प्रथाने मी धृदिशा के निष्णु; काँद्र/वा
- (क) शंती किसी जाय या किसी धन क पन्त कास्तिती अहे, जिन्हों भारतीय काय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 वा 271 के प्रयोजनार्थ जन्ति रेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कामा जाना चाहिए था, खिपाने यो निवास के स्थि;

कत: खब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्रभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--49-416 CI '85

1. श्री निर्मल निंह ग्रीर कुलदीप सिंह पुत्र सरदार ठाइर सिंह, निवासी—बी०-एल०/15-एल०, ब्लादा, हरी नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2- श्री एमल कुमार सरना पुत्र श्री श्री किशन लाल, निवासी—ई-58, टैगोर गार्डेन, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

चनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मृचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से क्षान की तामीन से 30 दिन की सविधि, जो भी अवधि बाद मी मगाप्त होती हो, की भीतर प्रविक्त स्पिकतमी मी से चिक्ती स्पिक्त द्वास:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयूक्त करूरों और पर्वों की, वो उच्च अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिक्राधिक है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ं।

अन्स्ची

हाउस नं० डब्लू० जेड०-409/1, खसरा नं० 1499, प्लाट नं० 31, तादादी-- 240.11/18 वर्ग गड, जनक पुरी, हरी नगर, नई दिल्ली, ग्राम ृतिहाड, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 6-12-1985

प्ररूप आई , टी. एन. एस..----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोज- 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांः: 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 4-85/2578--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रूप्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 73-ए श्रीर 74 है नथा जो ग्राम ज्वाला हेडी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिक्ट्रिश्त श्रिष्टिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रिश्त श्रिष्टिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रिश्त श्रिष्टिकार श्रिष्टिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख श्रिष्ठल, 85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान श्रितफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वस करने का अंदरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ल्ड्यमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का वेक्ट्र श्रिष्ठात अर्था है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) को अन्य ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) लैं अधोन, निम्नलिखित व्यक्तितयों,, अर्थात् क्र— 1. (1) श्री जगदीश कुमार गुप्ता पुत्र नसीब चन्द गुप्ता, निवासी—हाउस नं० 15, रोड़ नं० 29, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, (2) श्री दलीप कुमार चपूर पुत्र श्री अध्या राज लाल चपूर, निवासी—हाउस नं० 9, ब्लोक नं० 28, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संजय कुमार जैन, पुत्र श्री मौजी राम जैन निवासी--24, ईस्ट एवेन्यू रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्ध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रथ्रवश्च शब्दों और पवों का, जो उसते अभिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

भूजशासी

्ताटस भूमि बैरिंग नं० 73 ए एवं 74, ब्लाक नं० 'सी०' तादादी---400 वर्ग गज, नजवीक रोहतक रोड़, दिल्ली, खसरा नं० 4/9, ग्राम ज्वाला हेड़ी, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रज़ेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-12-1985

माहर 🚁

प्रकृष कार्षः सी, धृतः, पृष्ठः, व्यवस्थानमञ्ज्यः

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीधक)

त्रजंन रोंज~3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दि:: 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०-2/4-85/2579--- ग्रतः मुझे, सूनील चोपड़ा,

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसंका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

यो र जिल्लो सं० एच 93/1 ए है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायज्ञ अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीलर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीलरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रैल, 85

को पृथिक का 16) के अवार, साराज नम्लय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का तारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके श्वरमान प्रतिफल से एसे श्वरमान प्रतिफल का पन्द्रह अरिशास अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नितिसत उद्योचय से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त विभिन्यम के अधान कर बने के अंतरक वें शियत्व में कभी करने वा उसते वचने में सुविवा के जिए, और/या
- (क) एेती किसी जाय या किसी अन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जोभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभनियम, या अन-कर जिभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा काल काहिए या, किएएडे को सुनिया जी जिल्हा

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निभनिसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात '---- 1. श्री जयलाल अभैर सुरः िह, पुत्र श्री भारत सिंह, नियासी - एच -93/1--ए, शिवाजी पाकं, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कनवात भन्डारी पत्नी श्री प्रशीक कुमार भन्डारी, तिवासी—-एस-10, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

बक्त सम्परित के बजन के सम्बन्ध भी कीड़ा भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा :
- (क) इस न्यां। क राजपात पात्रकाण का ताराख सं 4.5 जिन के भंदर राक्त र प्रशासकार पात्रकार पास निसी भन्य प्यक्ति इत्ता अकाइर अपने के पास निखत में किए जा सकेगे।

स्पाद्धीकरण्ड स्तमी प्रशुक्त शब्दा और पत्नों का, जो अक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शब्द से अवस्थि में दिया

जनसर्व

हाउस नं॰ एच-93/1-ए, तादादी--143 वर्ग गज शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नर**रीख**: 6-12-1985

प्रसन् वाह्", दी. प्र. एम. -----

नासकर आधानवस, 1961 (196-1 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्पना

भारत ब्रह्माह

कार्यांसय, सद्वायक भावतार बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांदा 5 दिशम्बर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/3-एय० ग्रार०-2/ 4-85/2580--अतः मुझं, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (चिन इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन क्षांत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4, रोड नं० 55 है तथा जो पंजाबी बाग, एरिया पादोपुर, दिल्ली कैन्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीयती ग्रिथि शिरोपिय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीयरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ग्रिथीन, नारीख ग्रिथिन, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यानार प्रतिकास को सिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वर्षाप्रवेशित सम्पत्ति का उचित बाजार धून्य उद्यक्षे स्ववास प्रविक्त्य को एस उपमान प्रतिकृत क्या बन्द्र प्रतिका के बीच एसं अन्तर्थ कि किए जय पाया गवा प्रतिकृत कि वीच एसं अन्तर्थ के किए जय पाया गवा प्रतिकृत किया कि किया विश्वास के बाला से किया विश्वास के बाला के किया व्यक्त क्या से किया की किया व्यक्त के किया की कार्यां के किया की कार्यां की कार्यां के किया की कार्यां की कार्यां के किया व्यक्त की कार्यां की कार्यां की कार्यां की कार्यां की की कार्यां की कार्यां

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाव की पाबत, अकत बीधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायरच में कुमी करने या उससे ब्लाने में बृविधा कुंबिए; बीड/या
- (क) एसी किसी साथ या किसी यन था कर बास्तयों को, विभट्ट भारतीय भाय कर को भी नयम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अभिनियम, या वनकर अभिनियम, गु957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिर्तं ध्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थितने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उनत भनिनियम की भारा 269-व की अनुसूरण में, में, उनत अभिनियम की ४ ७ 269-च की उपभारा (1) के सभीन . निम्मलिकित काकिनशों अर्थात् :---

1. श्री राम प्रकाम ठुकराल पुत्र स्व० श्री गनेश ठुकराल, निवासी—-54/7, झोल्ड राजेन्द्र नग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कामालयया प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री किणल लालजी अग्रवाल, निवासी---बिगमिक छाबुपो र ग्राफिस धिरूगढ श्रासाम, ग्राजकल 6/55, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह बुचना चारी करक प्राचित्त संपर्तित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अजन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्चना की तामीस से 30 दिन की क्वधि, जो भी जनिश्वाद में समाप्त दोती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।
- (च) इस ब्रुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति। व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निविद्य में किए या तकों ने।

च्चक्कीकरचः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यों का, को अवन अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाविक इ, नहीं चर्च होगा को उस ंध्याय में दिया चया है।

पन्सूची

प्लाद नं • 4, रोड़ 55, नादादी—-555.5 वर्ग गज, पंजाबी बाग, एरिया, ग्राम मादोपुर, दिल्ली स्टेंट, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 5-12-1985

प्रकृष बाह् .टी . एवं .एवं 2-----

भागकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर कार्यक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां 29 नवम्बर 1985 निदेश सं ब्राई० ए० मी०/एक्प्०/3/एप० भ्रार०-2/ 4-85/2582 -- प्रतः सुसे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बानार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिश्वकी सं० प्लाट नं०-ई०-श्रार०/शोप नं०-39, है नथा जो इन्दरपुरी एक हैं अन एरिया ग्राम नारायना, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपरो उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के श्रीर पूर्ण रूप से बिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के श्रिवान, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 पत्त 16) के श्रिवान, नारीख श्रिप्त के रिश्यमान श्रीतकल के लिए अंतरित की उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब् पाया गया श्रीतफल, जिम्मिलिसित उद्वरेस से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है 3—

- (क) अन्तरभ सं हुई किसी जाय की वावत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (w) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्रीमती हरजीत कीर पत्नी श्री प्रीतपाल, श्री सुरिन्द सिंह, श्री मीहिन्दर सिंह पुत्र श्री प्रीतपाल सिंह, श्रीर प्रीतपाल सिंह पुत्र श्री नवाब सिंह, निवासी 32, हाउसिंग सोसायटी, नई दिल्ली, एस ई० पार्ट-1, नई दिल्ली।

(धन्सरक)

2. श्रीमती कमलेश राना पत्नी श्री प्यारेलाल रामा, निवासी--भार०-ए०-52, इन्दरपुरी, नई दिल्ली। (भन्तरिती

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ट भी बाबोप:---

- (ब) इस स्पना के श्वापत्र के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्च्य किसी बन्य व्यक्तित व्वारा अभोहस्ताकारी के पास किसियत में कियों जा सकींगे।

स्वक्षीकरण:--इस में प्रयावत शब्दों और पर्वी का, को अवद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विका क्या है।

धनुसूची

्लाष्ट न० ई० झार०/शोप-39, तादावी-200 वर्गं गज, इन्दरपुरी एक्सटेंशन, एरिया ग्राम-नारायना, विस्ली स्टेट, विस्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रॉज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-11-1985

A HARMAGAN LIFE AND INCIDENCE AND

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत चरकार

कार्यामय, सहायक बायकार बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 29 तवम्बर 1985 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एकपू०/3/एस० आर०-2/ 4-85/2583--जत: मुझे, सुनील चेलड़ा,

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि नं० 9, रोड़ नं० 65 है तथा जो भलासं-डीं०, पंजाबी बाग, ग्राम सादोपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विल्ली में प्रांतर पूर्ण रूप में विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिविन्गम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

कं पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल की पन्द्रह प्रतिदृश्य से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। श्रीतफल, निम्निलिश्त उन्दृश्य से सक्त अन्तरक आधिक में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया यथा है क्ष्रे

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भौगृत्यिम के मधीन कर योगे के बन्दरक के याबित्य में कमी करने या उब्हें स्वने में बृद्धिया के जिल्हा कर्ति वा
- (क) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा भी शिष्

बतः वब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्म

- श्रीमती सावित्री वेनी पत्नी स्व० श्री बसन्त लाल, अग्रवाल, निवासी---3/14, रूप नगर, विस्ती। (ग्रन्तरक)
- 2 (1) श्रीमती राज रानी जैरी परनी स्वर्शी एमर्व एलर वैरी, (2) श्री अविजाण गैरी, (3) श्री धमेन्द्र। बैरी, (4) श्री मुपिन्दरा बैरी पुत स्वर्थ श्री एमर्व एलर बैरी, (5) श्रीमती लता बैरी पत्नी श्री अविनाश बैरी, (6) श्रीमती चितरा बैरी पत्नी श्री धमेन्द्र। बैरी ग्रीर (7) श्रीमती शिशा बैरी पत्नी श्री भुविन्दरा बैरी, निवासी—3 बैरी हाउस टाली गंज मर्जूलर रोड़, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

नहीं सह सुमना भारी करक प्रतिकत सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त कथ्दों कौर पर्दों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विया प्रया है।

अनुसूची

भूमि-नं० 9 रोड़-65 तादावी---279.55 वर्गं गंज क्लांस-डी० पंजाबी बाग ग्राम---मादोपुर दिल्ली।

> सुनील चोपड़ां सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनोंक: 29--11--1985

HART HOLD, AT, BUY, CO. ...

भागकर अधिनिष्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) वे अभीन क्षमा

ATSO HEWER

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (विरीक्षण)

अजैंप रेंज-3, पर्ड दिल्ली सर्वे दिल्ली, दिखंग 29 मुबम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस०-आर०-2/ 4-85/258---अरः मुझे, जुनीय चोपडा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिपबास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका जीवत बाजार मृत्व 1,00,000/- क. से अधिक है

धोर जिसकी संव हाउन नंव एफ०—19/1-ए० है तथा जो विरेन्द्र भगर, ग्राम-निहाड, दिल्ली में स्थित है (धार उससे उपायद अनुभूची में ग्रांत पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्री-कर्ता निधासी ने अधीनन, भई दिल्ली में भारतीय रिकस्ट्री-करण अधिदियस, 1908 (1908 ला 16) के अधीन, सारीख अप्रैन, 1985

को प्रवेषित मन्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के हस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं। और मृत्ये यह विश्वाल करने का कारण है कि यथाप्रवेषित सम्पत्ति का उपित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पादा नया प्रविक्तन ल निम्नितिश्वत उद्वास्य से उस्त जंतरण जिल्हित में वास्तिवक कम् से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुन्द किसीं बाय की बावत उक्त अधि-भियम के अधीन कर को की बन्तरक के दाधिरक में कभी करने वा उक्क विषये में द्विधा के लिए; बार/या
- (क) एसी जिल्ली साम या किसी धन वा सन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय सामकर किसीनयम. 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या धन-कार किसीनयम, १९५७ (1957 ता 27) में प्रयोजनार्थ करतीरती अंशास्त्र प्रकट नहीं विक्रमा मया था या किसा जाना साहिए था, किसाने में सुविधा के सिए;

क्त: अव, सक्त विधिनियम की भारा 269 क के अनुसरक में, में, इक्त विधिनियम की धारा 209 व सी कुक्पारा (4) के विधीन, निम्निलिंकित व्यक्तिसाँ, विधित क्रमान

- 1. श्री मालकिए िह पुत श्री विशाखा सिंह, निवासी— एफ०-19/1-ए, विरेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अम्सरक)
- 2. श्री हरभजन सिंह पुरु श्री सज्जन सिंह, शिवासी— क्यू० पी० 152, प्रितम पुरा, विल्ली। (अन्तरिती)

भा यह स्थान वारी करके प्कॉक्त सम्परित के अर्थन के जिए अर्थमहियां खुरु करता हूं।

बन्द्र सन्तारत के अर्थन के मन्त्रन्थ में कोर्ड भी बाओप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्थों पर सचन। की ताशीम से 30 विन की अनिध, को भी बच्चीय बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वीकर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति हुनारा;
- (क) इस स्वात के राजपण में प्रकाशन की तारीच च 45 विष के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में शिख-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के वास मिवित में किए वा संबंधि।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विका स्था हैं:

वन्स्ची

हाउस नं० एफ०—19/1—ए, विरेन्द्र नगर, ग्रास— तिहाज, मर्ड दिल्ली, लाटादी——150 वर्ग गज।

> मुनील चोपका यक्षम प्राधिकारी सहायक आयनःर आयुक्तः (भिरीक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 29-11-1985

माहर:

प्राक्य बार्ड की एव . एव . -----

नायकर निवित्यमः, 1961 (1961 का 43) नी याद्य 259-म के संभीग सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आवकर आवृत्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज-3, मई दिल्ली

मर्ड दिल्ली, दिभांक 🕕 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस०-आर०-2 4-85/2585--अतः मुझे, मुनील चोगडा,

जावकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्यमें क्यके प्रणाद 'अन्त मिनियमं कहा गया हैं), की धार्च 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बातर मूलव 1,00,000/- रह, से मिकक हैं

घोर जिसकी संव कोठी नंव 18, रोष नंव 52, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में घोर पूर्ण रूप में बिज्जा है), रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय क्लिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रीन, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के क्ष्यपान प्रतिपन्न के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नजिवित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्म क्ष्म से हुई किसी जायः की योजस्य, अवस नियस के स्थान कर दोने से संतरक के स्थानक्रय में सभी करने या स्थासे वचने में सुविधा के हिनासू भीर/ना
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अध्य बास्तियों के किस्तु आरतीक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनिवम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में त्रिका के लिए;

बतः नय उनतः निधनियमं की धारा 269-यः के जम्सरणं के, जी, अनतः निधनियमं की धारा 269-वः की क्ल्फ्यरः (1) के निधन, निकासिया व्यक्तियों, नर्थात् :---

1. श्री राज्यार जिंह पुत अथमल राह, भिवासी--18/52, पंजाबी बाग, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(1) अंद्यार प्रमिजित लिह पुत्र श्री रामिलिह (2) विधिनगीत लिह (3) राना सिंह, पुत्र करदार प्रमिजित लिह एन्ड सन्स ,िनवासी—डी-14/11, माङल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह तृष्या कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए कार्यभाष्टियां करता क्रुं।

क्यत सन्तरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिद बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थीनलयों में से फिखी स्थानित ब्रुवारा;
- (थ) इस ब्याना के राजपत्र में एकाधन की तारीचा से 45 दिन के भीतर जिला स्थावर सम्मत्ति में हिस्सब्ध्य किसी बन्ध स्थानित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के शस विश्वित में किस् वा सकेंगे।

क्षाक्रीकरण :---इसमें प्रकृष्य सक्यों गौर पदों को वो उपस मधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याद में विचा गया ही।

श्रनुबुची

कोठी नं०-18, रोड़ नं०-52, पंजाबी बाग, दिल्ली, सादादी—881.85 वर्ग फिट।

मुनील चोपहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

म्(रीख: 11-12-1985

प्ररूप कार्ड . टी . एन . एस ,,------

कायकर व्यक्तित्रमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक नायकर नावृत्य (निरक्षिण)

अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2 4-85/2586--अतः मुझे, स्नील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 45/25, है तथा जो प्रहलाद पुर. दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कृप में वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के नार्यालय, नर्षे नर्ष्ट दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख अप्रैंट, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नर्द और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्वति का उचित बाचार पत्थ, उसके क्यमान प्रतिकल के हसे क्यमान प्रतिकल का पत्थह प्रशिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्नीलीवत उच्चेक्य के क्यम अन्तरण लिखित में बालाभिक स्था में किया नहीं किया नवा है:—

- (क) जलारण ते हुई किसी जाय की वावता, उक्त जहीं परिनयन के जभीन कर दोने के जलारण की सावित्य में कमी करने या उत्तरे वजने में सुविधा के सिए; जरि/धा
- (क) एसी जिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, विश्वहें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विभा को सिए;

जतः ववः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूनरण मों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीनः गिम्मिकिक व्यक्तियों, अथित् :---

- 1. श्री बिज मोहन एक श्री सोहन গান, प्राय—— স্বাথকা বাংগী, সিশা গিলাকী (শ্ৰিণা)। (স্পায়ন)
- 2. मैं० रिक्को अतायक (इत्हिया) (पात) लि०, चाक मोतिया खान, नई दिल्ली द्वाप दार्यकेटर श्री पूरत कन्दा।

(अन्तिभित्ती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां गृरू करता हूं।

उन्हां सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कारेड़ों और आओप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तरलंबंधी एप तिरामें पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, की भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों. से भीतर युर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा:
- (व) इस सुवना के राजपत्र में पकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर गानीका में क्रित- क्यूभ किसी अन्य न्यक्ति दुवारा. अधानस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सर्कोंगे।

स्वत्विकरणः इसमे प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस उद्याप के विद्या गया होता

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी--6 बिहै 2 िण्ये, दिण्या न6 $45/25\left(2-16\right)$ 52/4 $\left(3-6\right)$, ग्राम प्रहलाद पुर, दिल्ली-4।

सुनील चोपड़ा सहायक आयक्तर अध्यक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज--3 दिल्ली, किंक्लि--110002

तारी**ज**: 11-12-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

काम्मला अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अ±६० ए० सी०/एक्यू०--/3/एस० आर०-2/ 4--85/2587---अतः मुझे, सुनील घोपड़ा,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाह् 'उदत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 स के अभीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं।

घौर जिसकी सं० 37, डब्ल्यू० ए०, रोड़, बलास 'सी०' है तथा जो पंजाबी धाग, नई निर्ल में स्थित है (ब्रॉफ़ इससे उपाबढ़ अनुसूची में ब्रॉफ़ पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त संम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रशिक्षक को लिए अंतरित की गई हो और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशय से अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिनिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल नियनिलिखन उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोथट नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम अन्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया पदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, भ, उक्त अधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, विक्किशियत क्यिन्तियों, अर्थात् ध— ा.श्री पक्षमत तिह, तिवासी— 37, डक्ल्पूर एर्स्स रोड्, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अस्तर ध)

 (1) श्री नन्द्र जिह. (2) जसकीर सिंह, (3) गुर्खार सिंह, सिवासी, 30/743, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37, डब्स्यू० ए०, रोड़, क्लास 'सी', पंजाबी <mark>बाग,</mark> दिल्ली।

मृतील चोपड़ा
सलम प्राधि गरी
सहायक आयाजभ अज्ञेषक (दिरीक्षण)
अर्जन रोज-3, दिल्ली, वर्ष दिल्ली-110002

तारीख: 13-12-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एन. एस.-----

नायकर जिमित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

भई दिल्ली, दिसा ह 29 सबम्बर 1985

ं निर्देश मं० आई० ए० मी०/एसपू०/3/एम०-आर०-2/4-85/2588/--अनः मझे, सनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-एउ. में अधिक है

श्रीर जिसकी संव आरव एव-74, खसरा नंव 1610, है तथा जो पाम-१८७१पण इन्द्रिप्पुरी एक देशन, पई दिल्ली में स्थित है (सार इ.६ ८५१बड़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण क्य ने बिल्ली है), अध्यक्षित अधिकारी के कायालय, भई दिल्ली में भारतीय प्रकिट्टीयरण अधिकारी के कायालय, 1908 का 10) के अवीत, अर्थिख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथांक्त सपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल स, ' इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इक से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के बनुवरण में, मैं, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-भ की अपभारा (1) के अभीन, किम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :—

- श्रीमती शांभा गुप्ता पत्नी श्री आर० के० गुप्ता, निवासी आर०-ए०-74, इन्दरपुरी, नई फिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रितम कॉर पत्नी श्री भगत सिंह, सलुजा, मिवासी हाउस नं० 1974/9, चूना मंडी, पहाड़ गज, मई दिल्ली।

(अन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

दक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उकत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

हाउस बैरिंग नंशाआर०-ए०-74, खसरा नंश 1610, स्थित ग्राम नारायमा, आबादी, इन्दरपुरी एक्सटेंशम नंश्य, नई दिल्ली, नादादी—200 वर्ग गज।

मुनील चोषड़ा नक्षम प्राधि परी सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 29-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूपं आहार.टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नर्ष्ट दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एत्यू०/३/एस० आर०-2/4-85/ 2589—-ानः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचार 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन उक्षम प्राण्यकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- ডে. सं अधिक है

श्रीर दिवकी संव भे -: अ/23--इ।, हे तथा जो रौजारी गार्डक, ग्राम-तथालुर, जिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे जगाबढ़ अनुपूर्वी के पूर्ण स्थारी वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि तथी के अशील, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिश्यम, 1908 (1908 का 18) के अशील, दिनांग अप्रैल

को पूत्रीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण हा कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दण्यमान अतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात स अविक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित के लिए तय पास प्रतिक्त, निम्हिलिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैलिकत में अस्तरिक का से किथल सही किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया थ। या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री उजागर सिंह उप्पल पुत्र श्री मनोहर सिंह, निवासी जे- । 3/23-डी, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मैं० मीता सन्स, 50.2, हाडीरकुली. चादनी चौक, दिल्ली, द्वारा पार्टनर श्री राम प्रकाश चान्डोक, श्री मदन लाल चान्डोक, श्रीमती शशि बाला, श्रीमती मुदेश चान्डोक श्रीर श्रीमती विना चान्डोक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- अध्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्रो० नं० जे-13/23-डी, तादादी 200 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरीया ग्राम-तातरपुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली ।

सुनील चोपडा सक्षम प्राविद्यारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोंक: 3-12-1985

बासकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीत स्थात

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिशीर 29 प्रवम्बर 1985

मिदंग म० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एख० आर०-2/4-85/2590—्कः भने, सनीर चोरहा,

क्रम्यकर क्रिंगिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिस इसमें इसके पश्चात् 'नकत अधिनियम' कक्ष गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी का यह विकास क्रमने का क्रमण हैं कि ल्यावर सम्प्रीत, जिल्लाका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर (जाका नं) हाऊउ नं जो मार १०, हा तथा जो फतेह नगर, नई जिल्ली में क्षिण है (स्रीप इनके उपायत अनुसूची में पूर्ण रूप से विधार है) जिल्ला हो अधि उसी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय जिल्हीं उसी जिल्ली 1985।

को पृष्विका सम्मत्ति को अवित वाजार मृत्य ते कम के द्वममान प्रतिकास को विद्य क्षम्परिती की पद्द और मुक्ते यह विश्वास कम्बे का नार्य है कि यणापृत्रीं कर ग्यापित का उपित बाजार मृत्य, अस्पर्व उपायान प्रतिकास है, इसे उप्यामान प्रतिकास का कम्बाह प्रक्रिकार में अभिन्छ है और अन्तरक (क्षम्तरका) और कम्बाहिती (अप्रतिकारी) में दीय एके धम्तरका के सिए तब कम्बाह प्रशिक्ष विभाग विभाग के दीय एके धम्तरका के सिए तब क्षमा प्रश्न प्रतिका विभाग किया नहीं किया गया है है—

- (क) बाररण मं हुदूर किसी जाव की बाबसा, जनस अभितियम के अपील कर योगे के सम्बारक मी स्विथान में कभी करने या धनमें नाम में सुविकत के लिए; बॉर/या
- ंष्णं) एंजी जिल्हों जास या गिन्स धन था अन्य आशिस्तां को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा १९५७ । १९५७ का २७) के प्रकोण-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या स्थिया काना चाहिए था शियानी में सविधा के सिए:

अवः कव, धमल अधिनियम की भारा 269-व के वयुवरण में, में, उका अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निष्मीस्थित व्यक्तिमें वर्षाक् क्र— (1) श्री मुभाग यालि । पुत्र रामनाथ भावक, विवासी डी-70, फनेह भगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एउनेन्द्र पात कीर पत्नी श्री एम० जे० तुराना, (2) श्री सतिन्दर पाल सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी-सी-145, अशी विद्वार, फेज 1, दिल्ली । (अन्तरिती)

को सह क्ष्या नारो फरके पृत्रोधक सम्मति के अर्थन का स्थ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तरहम्बन्धी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि भी की कविध पर्वोक्त स्वीध बाद में ज़नाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्वीकार्यों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उध्याप में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्वाव,र सम्मति के हिलक्ष्भ किती बन्य व्यक्ति द्यारा अवाहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए वा सकों ।

स्वक्कित्वः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्धें का, आ खब्द अभिनिधम के अध्याच 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ हांगा, को उक्त अध्याय मां दिया। गया है।

अनुस्ची

हाऊस न० डी-70, शवादी 200 वर्ग गत, फनेह नगर, नई दिल्ली ग्राम-तिवाड़।

> भूतीण चागडा सक्षम प्राधि तरी सहाय २ अध्यकर जागुक्त (विर्णक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनों र : 29-11-1985

म**र्ज्य नार्व**ु दौं तु पुष्_{रत्} हुव_{ान} - ॥ क्लान

शायफर निर्धानयमं, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) के लंभीन स्वना

बारक सहस्राप्त

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिलौंक 6 दिसम्बर 1985

निवेंश स० आई० ए० सी०/एत्यू०/3/एस०-आर०-2/4-85/ 2591--म्रातः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात उक्त मिभानयम कहा गमा है), का भाषा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आँग जिसकी सं० सी-201, है तथा जो हरी नगर. नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद समुस्वी में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक अश्रैल 1935।

को भूवोंक्त सम्पत्ति के उचित वादार मृस्य से कम के दरसमान प्रतिपत्त के निए जल्लित की गई है और मृक्षे यह पिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दरसमान प्रतिफल से, एसे दरसमान प्रतिफल के पंदर एति जल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए दन शका गवा प्रतिफल निम्निविस्त उद्देश्य से दक्य वस्तुरण निचित्त में वास्त्रींक रूप से कारति निम्निविस्त उद्देश्य से दक्य वस्तुरण निचित्त में वास्त्रींक रूप से कारति नहीं किया वस्तु है

- (क) अध्यक्ष्य से हुइ किसी जान की बानक, सकत नियम के नधीन कर योगे के अन्तरक के नियम किसी करने वा उससे नचने में श्रुविया के किए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय जायकर जिन्हें भारतीय वा चन्-कर जिन्हें किया 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना खाहिए था, जियाने में कृतिथा के निए;

शंक त्रच उथन प्रधिनियम की धारा 269-म की जन्मरण मा, मी, उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निस्त्रितिवार व्यक्तिर्थी, वसीत् क्र— (1) श्री मोहिन्यर विष्ठ, सं—201, हरी नगर, क्लाक टावर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वन्य पिह, सी--201, ह्री अगर, क्लाक टावर् नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को सह सूचना धारी करके पूर्वोक्त स्वयुक्ति के व्यति के सिक् कार्यनाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कादि भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकशन की तारी है 45 दिन की अविधि या तत्मध्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दवार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इतास अधोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकोगें।

स्वच्छोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित्र हैं, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में विधा गया है।

अभुसुची

हाऊस नं० सी-201, तादादी 200 वर्ग गज. हरी नगर, क्लाक टावर, नई दिल्ली, ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली।

> सुनील घोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

বিনাঁক: ১--12-1985

माहर:

प्रकप आई. टी. एन. एस . -----

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर गृष्टा

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, धई दिल्ली

नई दिल्ली, दिकांक 29 वयस्वर 1985

निर्देश म० आई० ए० मी०/एकम्०/3/एस-आए-2/4-85/ 2594---अन: मओ, सनील चाँपडा.

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी की धह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थादर सम्भीन किता किता किया याजार मुन्य 1,00,000/- राज से अधिक हैं।

श्रीप जिसकी संव प्रों नंव-11, रोड नव इक्तयूव ए, है सथा जो ग्राम मादीपुर कालोनी, पंजाबी बाग, वई दिल्ली में स्थित है (ग्रार इससे उपाबक अनुसूची में एणं तप से बणित है), र जिस्ट्रीकर्त्ता अधियारी के सार्यादण उद्विदली से भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिस्यस, 1905 (1908 रा 16) के अधीम, दिसास अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाकार मृत्य से काम के सक्तमान प्रतिकत्त के लिए बंदरिल को यह है जार मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्रवेदन सम्मित्त का उज्जित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत का उन्त्रह प्रतिकृत सं अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) मौर बंदरित (बंदरितियों) का बंध एक अधिक से एक अंतरक (अंतरकों) मौर बंदरित (बंदरितियों) का बंध एक अधिक सं उन्तर अंतरका निक्यालिकत उद्वेष्य में उन्तर अंतरका निक्यालिकत में गारत-विक स्प ते कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त विधिनिक्य के अभीन कार क्षेत्र के अंतरक वै विधित्य में कभी करने या असके क्याने में अविचा में असके कार्य करने या असके क्याने में अविचा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्ह नारतप्र काण्य र न्हें प्राथम, 1922 (1932 कर्र क्रिकेट कर्र कर्र क्रिकेट्स, या अन-कार अधिकार प्राथम (1957 कर्र 27) के प्राथम क्रिकेट क्रिकेट स्थाप प्राथम कर्र कर्र होते कि यह गया था या किया जाना आहिए था, जिल्हा में सृविधा वी विकास

बत:, जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वजीन, निम्नीतिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री गुरखनात सिह्न पुत्र भी जात्मा िद्ध, नियामी 12. वेस्ट एवेस्स, ये तली बाग, वर्ध दिल्ली ।

(: it = 7 T)

(2) श्री धर्म अतः मार्डनी एड सन्य (एल-पू-एफ) क्षा दर्जा श्री धर्म अलः मार्डनी, निवासी श्री—125, माया पुरी फॅज-ा, नई दिल्ली ।

(अन्यरिती)

का वह स्वना बारी करके प्रोक्त सम्मत्ति के कदेन के सिष् कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अक्षित या तत्मकानी अविकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेक्टि स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीनर उक्त स्थाप्तर सम्पत्ति मों हित- अद्भा किसी जन्म व्यक्तिस स्थाप्त सम्बोद्धन्याक्षणी के पास निवित्त मों किए था सकींगी।

स्याकीक रण: ----इसमा प्रयाभत शब्दों आर नक्षों का आ उत्सव विधिनियम की विध्यार 20-क मी परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, शरी गण अध्यक्ष बों दिया गना है।

अम्सूची

प्रो० नं०-12, तादादी 279.55 वर्ग गण, रोड़ न० डक्ट्यू० ए०, क्लास 'डी' ग्राम-मादीपुर कालोती, पंजाबी वाग, गई दिल्ली।

> सृतील जोपड़ा लक्षम प्राधि तरी सहाप्रक स्वयंका अस्तका (विश्**रीक्षण)** अ**जैन रेंज—3** दिल्ली, तरी दिल्ली—110002

दिशांक: 29-11**-**1985

प्ररूप आर्ड ती . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज∽3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-ग्रार-2/4-85/ 2595---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात 'उपल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथाप्तें केत सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 95, है तथा जो प्राम-तिहाड़, नई दिल्ली सें स्थित है (श्रौर इससे उपाधक अनुसूची सें पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौंक भ्रशैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विस्वास सारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य बुल्य, उसके स्थ्यमान ग्रीतफल से, ऐसे स्वयमान ग्रीतफल का बन्दह ग्रीतगल से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतिगित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निशिवाद उद्वरेश्य से उस्त बंदाइण निम्निश्वाद विस्त विस्त

- (क) बन्तरम वं हुइं किसी जाय की वाधद, उच्छ अधिवियम के जभीन कर दोने के जन्तरक वें वायित्व में करने या उससे बचने मीं सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बस: अब, जक्त अधिनियम की भारा ±69-ंग के बनसरण प्रॅ, मॅं. उपत अधिनियम की भारा 269-ंग की लगभारा (1) के अधीन, निम्नसिविद व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) श्री राकेश, उब्ध्यू-जैंड-115/ए, मिनाक्षी नार्ड नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायन अरोड़ा, 7/31, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कर्ने यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्प्रतित के बर्धन के क्रिश्व कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्ह सुम्ब्रित को बर्जन की सम्बन्ध मी आहा की साक्ष्मेर 🧀

- (क) इस त्या के राजपन में प्रकारन की तारीस दें 45 दिन की जन्मि या तरसम्बन्धी स्पितिसों दर त्या की तामीस से 30 दिन की अनिथा, वो भी बनीय नाद में समाप्त ताती हा, के भीतर पूर्वीक्स स्पित्ताों में से किसी व्यक्ति हवारा ।
- (ख) इ.स. सूथना के राजपत्र में करिना के करिन से 45 दिन के भीतर उन्स स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए जा मन्तेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वन्स्सी

प्लाट नं० 95. ग्राम-तिहाड़, नई दिल्ली, तादादी 203, वर्ग गज ।

> सुनील चोपड़ा अक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 6-12-1985

इक्यू बार्च्य हों । पुन्, द्व्यू-----

बायकर किंचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक कायकर वायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौक 6 दिसम्बर 1985

मिद्रोंश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस─आर-2/4-85/ 2596—मत्त! मुझे, सुनीक्ष चोनड़ा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत विधिनयम' कहा गया हैं), को भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि वधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी/99, है तथा जो खसरा नं० 539, फतेह नगर, नई दिल्ली, से स्थित है (और इससे उपावत भनुसूची सें पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, दिनौक श्रप्रैस 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त आधानयम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिरत में कमी करने या उससे वचने में त्रिवधा के बिए; और/पा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्ने लेखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 48—416 GI/85 (1) श्री सुभाष चन्द्रा, प्रशीक चोरड़ा, ललित चोरड़ा पुत्र श्री बनारसी लाल, करनाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायजन श्रीर इन्द्रजीत तिह श्रीर राजेन्द्र कौर, निवासी ए-3/81, जनक पुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो शब्दा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया है।

धनुसूची

सी/99, खसरा न॰ 539-200 वर्ग गज, फतेह नगर, नहीं दिल्ली।

> सुतील चोनड़ा सञ्जय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-3 दिस्ती, नई दिस्ती-110002

विनौक: 6-12-1985

प्रकथ आइ*,टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनिसस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन शुचना

. भारत सरकार

अध्यक्तिक, सहायक वाककार नामृत्रत (निर्दाणण) भूजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 11 दिसम्बर 1985

निर्द्रोण सं० ग्राई० ए ० सी०/एक्यू०/3/एस-श्रार-2/45-85/ 2597--श्रतः मझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5/181, है तथा जो खुभाय नगर, नई दिल्ली, सें स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधरारी के रार्यालय, नई दिल्ली, सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनौंक श्रील 1985।

को पूर्वोक्त राज्यित के उचित आकार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गर्ड हो की गर्म यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापृवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिपान से, एमे द्वयमान प्रतिपान का पन्तृह प्रतिवात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपान निम्नलिकित उद्वरेग से उन्त अंतरण सिकित में बास्तिक रूप से कृतियत नहीं किया म्या है।

- [(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोंत्:— (1) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री बुटा राम, द्वारा जनरल भटारनी श्री सरक्षार मर्जन सिंह, पुत्र सरदार विशन सिंह, निवासी ए-2/50, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली-4।

(ग्रन्तरक)

(2) सरवार अवतार सिंह पुत्र सरवार मोहिन्दर सिंह, निवासी 5/191, तिहाड़, सुभाष नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह त्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राध्यम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यकि रच :--- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गवा है।

धनुसूची

सरकारी बना हुई प्रो॰ एरीया 100 वर्ग गज, प्रो॰ नं॰ 5/191, तिहाड़-1, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनौक: 11-12-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बाह्र .. टी. वृद् . यह . ------

नाथकर निप्तिन्त्रमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न् (1) के न्यीन सुन्धा

क्रार्ट्स संह्यात

कार्यांतय, सहायक जायकर जायका ([नरींकण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 13 विसम्बर 1985

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-धार-2/4-85/2598-धातः मुझे, सुनील चोपड़ा

भागकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निध्यास करने का कारक है कि स्थायद सम्बन्धि, जिसका उच्चित बाबार स्थ्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रो० नं०-1/180, है तथा जो सुभाप नगर, नई दिल्ली सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौरु अप्रैल 1985।

को प्रॉक्स संपत्ति ने उपित नाकार मुन्य सं क्ष्म के कारवाय प्राविकत में निए सन्तरित की गई है और मुने यह निश्वास करने का कारण है कि सभाव्योंकत सम्मति का उपित प्रावार मृत्य उसके कारवान प्रतिकास से, प्रृष्टे कारवाय प्रविक्षा का वावह प्रतिकात से स्थान है जोड़ नंतरक (सन्तरकार) जोड़ कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देशें अन्तरण के लिए तथ पाना च्या हितका निष्टिक्षिक क्ष्म क्ष्म के वक्ष वंतरण विविद्ध में सम्बद्धिक क्षम के स्थाप क्ष्म के स्थाप क्षम के स्थाप क्ष्म के स्थाप क्षम के स्थाप के स्

- (क) अन्वरण से हुई कियाँ नाम की नाम्ताः, उपस् अधिनितृत्व में अधीन कर येथे के मृत्युरक में सामित्य में कमी करने ना बच्चे नुष्ये में सुनिया मी सिष्ट; मुडि/ना
- (ख) एकी कि जी बाव वा कि ली वन वा वन्य वास्तिकों को, विन्हों भारतीय बायकर अधिनित्त, 1922 (1922 का 11) या जनत बिधिनियम, वा धनकर क्षितिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिकों द्वारा प्रकट नहीं कि वा गया था कि वा श्रामा चाहित था कि वा श्रामा ची क्षित्व की विद्रा

(1) श्रो सुभाप चन्दर पुत्र श्रो केशो दास, निवासी 8-ए/2, तीला जातोतो, दिल्तो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जब देव पुत्र श्रो चुन्नी लाल, निवासी-1/180, सुभाष नगर, शिहाड़-1, नई दिल्लो।

(भन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वीयल अस्थित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

सम्बद्ध अध्यक्ति की अर्थम के राजन्य भे काई भी नासीय हुन्त

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन हो जनभेद ना सरावर्ष में व्यक्तिसमें पड़ मूखना की अमिश से 30 दिन की बवीच, को वी अमिश अदि ता ने जानी हों, के भीतर पूर्वों का नवीं समित को मां के किए सामित कुमारा;
- (ख) इस स्थान के राज्यम में प्रकारत की सार्चित के 45 दिए के भीतर एक्ट स्थावर सम्बंध के कित-बद्ध कि की अन्य स्थित व्यास, बध्ध स्ताकरी के पाक सिक्ट में किए वा स्टेब

स्थायतिक रणः ---- श्राम श्राम श्राम श्राम श्राम श्राम श्राम स्था श्रीम पर परिभाषित हो, पहिं अर्थ है। या या सम्भास में विका गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1/180, मुभाष नगर, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्ग गज।

भुनील चोपड़ा गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण जै, कें, अक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

दिनाँक: 13-12-1985

प्रकार, बाह्रीय दीय एक् एक व्यक्त

भावकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, दिनांक 29 नदम्बर 1985

निवश सं० आ६० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-धार-2/4-85/ 2599--यात मुझे, सुनील चीपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजारु मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 10, रोड नं० 70 है तथा जो पंजाकी साग, दिल्ली में रियत है (और इसने उनाबद्ध सनुसूची में और पुण रून से बर्गित है), रिजर्ड्मिक्ती श्रीधकारी के कार्यीलय, नर्ष दिल्ली में भारतीय रिजर्ड्मिकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रीक, 1985

की प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिक ल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कक्ते का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल है, एसे दश्यमान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित् में बास्तिक रूप के कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी नाम की बावत सक्त क्रिक नियम को बभीन भर दोने के बन्तरक के दायित्व के कभी करने या उत्तरे स्थाने में सुविधा के लिए: बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बाहिस्ता की, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए।

जतः गवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गे, में अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगीर सिंह पुत्र श्री उतम सिंह, निवासी- 10/70, पंजादी साग, दिल्ली ।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री चमस लाल पुत्र श्री मुन्नी लाल 61/6 रामअर रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पुर्वोक्त सम्परित की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बच्च बस्पति के बज़न के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप ह

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वता की तामील सं 30 दिन की भविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंदेश किसी बन्य स्थित द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो छक्छ जिथिनियम, भी अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका यस है।

मन्स्ची

10, रोड मं० 70, पंजाबी बाग, दिल्ली।

सुनील चोपका सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III दिल्ली, नद्व दिल्ली-110002

विनोक: 29-11-1985

मोहार 🛭

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) ग्रजैन रज-III, नई दिल्ली

नर्धे दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/3/एस-भार-2/4-85/ 2500---यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 5/59 और 60 है, तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री भर्ती धिकारी के कार्यौलय नहीं दिल्ली में रिजिस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, धप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ष्य, असके द्रायमान प्रतिक क् से, एसे द्रायमान प्रतिक का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षा, विश्वसिवित स्व्योद्य से उच्य बन्तरम् विविद्य में बाल्य-विक रूप से कृषित महीं किया पदा है ह—

- (५६) अन्तर्य सं हुई किसी बान की बावल, सकत विभिन्तिम के न्थीन कर दोने के बन्त्रक के दायिक भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; विद्यापा
- (व) इंसी किसी जाय या किसी वन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या व्यक्त अधिनियम, या व्यक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ श्र्वीचनार्ज जन्तिरती बुवारा प्रकार नहीं किया ववा वा किया कामा जानिय ते स्विधा के दिवस

नत्र जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-मं की अनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-मं की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, व्यक्ति :--- (1) श्री सितन्वर कुमार पुत्र श्री गोबिन्द राम, 5/57, तिलक नगर, राष्ट्र दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम ग्रोषर पत्नी श्री श्रश्नोक कुमार ग्रोबर, निषासी---17/40, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बाबत सम्परित के अर्थन के प्रश्वन्थ में कोई भी वालेप क-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वृद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनवृष् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पाव निवास में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

बन्स्ची

क्यार्टर मं॰ 5/59 और 60, तावादी 124 वर्ग गज, तिकक मगर, नई विस्ती।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्थंम रेंज-III विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनोस: 13-12-1985

मोहर ।

प्रकथ नार्व, टी, एव, एवं , -----

वाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से सभीन सूचना

नारक बहुन्छ।

कार्यातव, सहायक गायकर नायुक्त (पिड्रीक्षण) धर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 29 नवम्बर 1985

निर्देश सं० मा ६० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-मार-2/4-85/ 2601---यत:, मुझे, सुनील चोपड़ा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सीर जिसकी सं क्वाटेंर नं 5/57, 5/58 है तथा जो तिलक नगर, नहीं दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूबी में पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपनत बाजार मूल्य से कम के क्यमान बीतफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि जथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रवमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-दिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पया बीतफल, निम्निजिबत उद्वेद्य से उक्त अंतरण जिल्ला में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जीतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उनत सीप-नियम को अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने वा उसते वजने में सुविधा के जिए; बार/वा
- (क) इसी किसी बान या किसी धन वा नत्न नास्तियाँ को जिन्हों भारतीय वानकर बिधिनवन, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विधिनयम, वा धन-कर निधिनयम, वा धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना वाना वाहिए था, छिपान ने सुविधा के विद्य:

बक्क अब, उन्नक अधिनिसम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उन्नक अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) भी सितन्दर कुमार पुत्र श्री गोबिन्द राम, निवासी--5/57, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भनिता योषर पत्नी श्री सतिन्वर योघर, निवासी—17/40, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। र् भन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बियु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति को मर्पान को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की विवीध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की विविध, जो भी अविध बाद में समाप्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधिहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पव्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया नग्र हैं।

पग्स्पी

क्वाटेंर मं० 5/57 और 5/58, सादादी----128 धर्ग गज, विकक नगर, नई विस्त्री।

> सुनील चोपका सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रैंज-धा, दिल्ली, नधे दिल्ली-110002

विनोकः 29-11--1985

प्रकप बाहे, टी. एन्, एक्.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन यूचना

भारत चरकार

कार्यांक्य, सहायक बायकर वायक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज - 3, नदि विस्त्री

नर्षे दिल्ली, विनांक 29 नवम्बर 1935

निर्देश सं० छाई० ए० सी०/एमयू०/3/एस-फार-3/4-85/ 1040--कतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

"जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थान परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर्ज भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ज का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० (टी-1) है तथा जो गीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और
पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीयक्ता प्रधिवारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

को प्वोंक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के द्रवसान शित्रकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास सम्मे का कारण है ति यया पूर्वोंक्त सम्मिका जिवले वा बार मूह दूसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतित से स्थित है बीद सम्बद्ध (सम्बद्धों) और सम्बद्धित (सम्बद्धित में) के बीच ऐरी "सम्बद्धां के लिए तय पाया गया प्रतिस्क विस्ति सिंत स्थित से एक्त द्रवित स्थी किया से एक्त द्रवित स्थी किया से सम्बद्ध से सम्बद्ध स्था के स्था से सम्बद्ध से स्था से से स्था स्था से स्था स्था से स्था से स्था स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था

- '(क)' सन्तरण से हुई किसी साय की बावत , अक्त अधिनियम के स्थीन कर बाने में सम्बद्धक थें हायित्य में कमीं कृदने या उग्रहों बच्चने में सुविधा में सिए; ब्रॉड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पवा था किया जाना आहिए था, कियाने में बविधा की लिए; और/मा

शतः शवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, अधीर :---

(1) श्रीमदी कमल कारता एम० ए० पुत्री पंश्वित जय किशन जुतसी, परती श्री एम० के० काउलतेन, निवासी--क्वार्टर नं० 10-ए, मैटारोलंजिकल डिपार्टेनेंट क्वार्टर, लेखी कालोनी, नई दिस्ली, निवासी-61/1, मनमोहन बिल्डिंग, युसुफ सराय, नई दिल्ली।

(भग्तरक)

(1) श्रीमती निर्मेला जैन पत्नी श्री जयपाल सिंह जैन, िघासी 12/8, युसुफ सराय नई दिल्ली,

(2) बिमला देवी गुप्ता परती श्री लखमी चन्त्र गुप्ता, निधासी-- 201, गीतम नगर, नर्ध दिल्ली।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्षिप् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

राक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ए---

- (क) इस स्वमा के राजपन में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, चो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्थान के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पार्थ-किट्रम ह---इसमें प्रयुक्त सम्यों औह पतों का, जो उन्हें अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं जुर्ब होगा जो यस अध्याय में विका वसा हैं।

मपुजुर है

प्रो॰ बैरिंग, ब्लाट नं०-1, ब्लाक 'टी' (टी-1) तावाधी-203 वर्ग गज, रेजीडेन्शल कालोनी, प्रीन पार्क एक्सटेन्शन,
रेवेन्यू इस्टेट गुसुफ सराय, जाट दिल्ली, कुसुब रोड़, विल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-3 दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

चिनोक: 29-11-1985

प्ररूप आहें, ठी, एनं, एस₋₋₋₋₋₋

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-अ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यांबरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज∸3, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनौक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 3/एस०-श्रार-3/4-85/ 1041--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 7/42, है तथा जो छोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौक श्रश्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा रमूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिव है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निसिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

कतः क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 💴

- (1) श्रीवदी नाय, डी-1 ए/56, जनसपुरो, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वासदेव साहनो, श्रार-535, न्यू राजेन्द्र नगर, नहीं दिल्ली।

(भन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 थिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य घ्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त. अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

प्रनुसूची

सरकारी बने हुए घोरिजन्स च्याटेर बेरिंग मं॰ 7/42, घोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्लो ।

> सुनील चोतझ संभग प्राथि हारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज−3 दिस्तो, नई दिस्तो→110002

विनौक: 6-12-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) कर्नी भारा 269-थ (1) के जभीन स्थाना

भारत संस्कार

·कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस--धार-3/4-85/ 1041ए---- घतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसी इसवें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-को जे अधीन संक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थायर संज्यित, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० खसरा नं ० 775, 776, 806, 807, 808 श्रीर 809 है तथा जो ग्राम छनरपुर, नहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ती है), रिजस्ट्रीवर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, से भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक श्रिष्ट 1985।

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित वाजार मृत्य हैं अहे के असमान मित्रफल के सिए अन्तरित की गई हैं और वह निक्यास करने का कारण हैं कि यथाएगेंक्त सम्मत्ति का उचित वाजार कृत्य, उधको असमान प्रतिकत का प्रमुख, प्रतिकत ते अधिक हैं और असरका (अंतरका) बार मंत्रिती (अस्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना वया प्रतिकाल, निक्मितिका उद्विकारों से उसस अन्तरण कि सिक्त में कार्यका का सी कारण नहीं किया का सी हैं है—

- (का) अन्तरण संहुई किती यात्र की बावत उक्त विध-नियम की वधीन फर दाने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कित/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिते द्यारा प्रकट नहीं किया स्था या का का चाहिए था, दिल्याने स

(1) श्री कुलवन्त निह, दनेर निह पुत्र श्री भोला निह, वैगाम निह पुत्र श्री खुणहाल निह, ग्राम~छतरपुर, निवासी~वी 2/62, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली । तहसील मडरौली, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तर रू)

- (2) श्री प्रद्रीय कुमार पुत्र श्री एम० श्रार० मितल, निवासी-बी-2/62, सफदरजंग इनक्लेव नई दिल्बी।
- (4) हेम-जुन्ट चरिटेबल ट्रस्ट, डी-12, महारानी बाौ, नई दिल्ली, द्वारा ग्रस्टो सरवार ह्प्रीत सिंह। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितक्ध है)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काबनाहियां करता हां।

स्थात संस्थित के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्रोप :--

- (का) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की जनिक्ष मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी जचिष बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इब स्थान के राजपत्र में प्रकाचन की सारिका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्त-क्य किसी मन्य व्यक्ति वृत्रोरी अधोहस्ताकारी के पास सिरिक्त में किए का सर्वामे।

स्वयं किरणः — इसवे प्रमुक्त सन्यों और परों का, को अवस अधिकित्यं, को अध्यात 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होना, जो उस अध्याय में विका परा है।

वनस्ची

कृषि भूमि वैरिंग खारा नं० 775, 074 बीघे घौर 16 बिश्वे) खासरा नं० 776 (4 बीघे घौर 16 बिश्वे) खासरा नं० 806, (3 बीघे घौर 11 बिश्वे) खामरा नं० 807 (4 बीघ ग्रौर 16 बिश्वे) खासरा नं० 808 (4 बीघे घौर 16 बिश्वे) खासरा नं० 808 (4 बीघे घौर 16 बिश्वे) खासरा नं० 809 (4 बीघे घौर 16 बिश्वे) मासरा नं० 809 (4 बीघे घौर 16 बिश्वे) ग्राम छतरापुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3 दिल्ली, नई दिल्ली−110002

दिन[†]क: 12-12-1985

प्रक्रम बाह्र ही . एम . एस . ******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मध्य ग्रमा

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्द्रोश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-श्रार-3/4-85/ 1041वी--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं ० खमरानं ० 810, 811, 812, 813, हैं तथा जो ग्राम छतरपुर, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिन्द्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक ग्रप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और गंजिरती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में में गम्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकर नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा औं किए।

जतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के जन्सरभ में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री कुलवन्त सिंह, दलेर सिंह पुत्र श्री भोला राम, वयाम सिंह पुत्र श्री खुणहाल सिंह, निवासी छतरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रद्रीप कुमार पुत्र श्री एम० ग्रार० मितल, निवासी बी-2/62, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए आर्वविद्या करते हुं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेष :--

- (क) इस स्थान के राज्यण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में दिन-नद्ध किसी जन्म न्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उन्त व विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिवा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि बैरिंग खसरा नं० 810 (2 बिघे ग्रौर 8 बिश्वे) 833 मिन, (2 बिघे ग्रौर 9 बिश्वे) खसरा नं० 811, (4 बिघे ग्रौर 16 बिश्वे) खसरा नं० 812, (4 बिघे ग्रौर 16 बिश्वे) खसरा नं० 813, (4 बिघे ग्रौर 16 बिश्वे) ग्राम, छतरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक: 12-12-1985

प्ररूप मार्घः, टी., एत्. एसः -----बाषकार नापिनियमः, 1961 (1967 सर्व 43) कर्र भारा 269-क (1) के नभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 11 दिपम्बर 1985 निर्द्रोण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-श्रार-3/4-85/ 1042-श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित जिसका उणित बाधार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 52/34, है तथा जो रामजन रोड़ करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक श्रशैल 1985।

करे प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्व से कम को क्षत्रवात् वाँतफल के लिए जन्तरित की नई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि संभापनोंक्त संपत्ति का उचित साचार भूक्त, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवभान प्रतिफल का श्रन्तक प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिसी (बातरितियाँ) के बीच एखें अंतरक के लिए तब बन्दा नवा प्रदेष-फल निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नकारण चं हुए किसी आव की वावत, उक्क विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावितक में कमी करने वा उन्ने वकने में तुनिभा के किए; वीर/या
- (क) एंडी किसी बाब वा किसी वर्ष वा वान्य वास्तिकों सा, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत विधिनयम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जनतिरती ब्वास प्रकट नहीं किना बाना वा किया वाना वाहिए था, किनाने में स्विधा के सिए;

जतः जव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजियित क्विकारों, अधृत् :— (1) श्री कुलदीय सिंह, निवासी 52/34, रामजस रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली-4।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द गोयल पुत्र श्री गोपी राम, निवासी 47/4722-23, रैंगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचन, जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यशाहिया करता हुन्।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विषय की अर्थात का नरमण्डाको स्थितियाँ पर सूचका की बामीन से 30 विन की बनीन, सो भी अथि वास में अभाष्त होती की कि निजर पूजा के व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के आतर जन्मे न्यान में प्रकाशन की तारीस से बहुश सिसी जन्म व्यक्ति इतारा, अभोहस्ताकरी से पान कि किसी कर्य का नक्ष

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद होता मिन्नार्वित है, वहाँ अर्थ हारेस जो उस अध्याद में दिया गया है ।

वन्सूची

बिल्डिंग नं० 52/34, रामजन रोड़, वेस्टरन एक्सटेन्सन ए रीया, करील बाग, नई दिल्ली, तादादी 256, वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर घ्रायका (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक : 11−12−1985

नेहर:

क्रकप् बाद'. टी. धन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) %र्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमैंय्०/3/एस-आर~3/4-85/1043--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० के-28, है तथा जो एन-डी-एस-ई-पार्ट-2 नई दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपायब अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री रित्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अर्पेस 1985।

का विकित सम्पतित के उिषत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिएल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से आंधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संदुष्टं किसी शय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कार दोनं के बन्तरक वं क्राधित्य में कमी कारत या उसस दातत में सुविश्व के ग्लाए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या क्ष्म जास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लिया लिया जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः कव, उक्त अधिनियम दरी वारा 269-ग के अनुसर्फ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात ए—

- (1) श्री ाण पाल सेठी एंड प्रर्वस, 148-ए, सन लाईट पालानी, (डी० डी० ए०), नई दिल्ली । (ग्रन्तरः)
- (2) श्री शानदास णर्मा, बंगला 145, सेक्टर 19ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सचन क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को अर्जाध या तत्सम्बन्धी स्पोक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अपिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्पिननों में से किसी स्पब्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 4.5 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्ची

के -28, एन सी एस-ई, पार्ट-2, नई दिल्ली, उबल सटोरी, तावादी 200 वर्ग गज !

सुनील शपड़ा मक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां 🤃 28-11-1985

मोहर 🏻

शक्तप साद्र*. टी.ं एत. प्रस्.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम ज्वना

नाइत स्टब्स्ड

कार्यक्रय, सहायक नायकर नागुक्स (निरोधान)

श्चर्जन रेंज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमैंय्०/3/एस-आर-3/4-85/ 1043ए--यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

प्राँग जिसकी सं व मुस्तैली नं 33, है तथा जो ग्राम महरोली, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रींग इससे उपाबद्ध प्रमुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाका पाम प्रविक्तन, विभवित्तित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिवक्र रूप से कंशिय नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अभि-निवम को बधीन कर वाने के अन्तरक के खाबित्य में कमी करने या उससे बचने में गृजिधा के लिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्रांटेन्सार्थ अन्तिरती स्थारा प्रकट नहीं किया गया थे। या किसा के सार्विश के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ≟— (1) श्री रमेण गुष्ता, तरेण गुष्ता ऋौर श्रीमती ऋतिता गुष्ता, जनक रानी, तिवासी बी----7/117-ए, सफदर जंग इनक्लेव, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्राशिश गुप्ता (माइनर) पुत्र श्री सत्या नारायन गुप्ता, श्रोर विकास गुप्ता (माइनर) पुत्र श्री कान चन्द गुप्ता, निवासी एच-334, ग्रेटर केलाश-1, नई दिल्ली, 7/8 सचीन गुप्ता (माइनर) पुत्र श्री सतीश कुमार गुप्ता, निवासी--ई-274, ग्रेटर केलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पृष्ठांकत सम्मान्ति क कर्णन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की धारीब हैं 45 दिन की जनींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की धामीब से 30 दिन की बनीभ, को भी बनिथ याद में समान्त होती हो, के भौतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (थ) इस क्षमा के रावपन में प्रकाशन की तारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहथ किया जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंधित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, यो उनके विभिनयम, के बध्धाय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं वर्ध हिंगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी—3 क्षिषे और 3 बिश्वे, मुसतैली नं० 33, कीला नं० 3/1 (4 क्षिषे और 8 बिश्वे) मुसतैली नं० 33, कीला नं० 13/1, 4 बिषे और 16 बिश्वे, मुसतैली नं० 33, कीला नं० 8, 4 क्षिषे और 16 बिश्वे, मुसतैली नं० 33, कीला नं०—12, क्षिये और 16 बिश्वे, मुसतैली नं० 33, कीला नं०—9, ग्राम, महरौली, तहसीलें महरोली, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांदः: 12-12-1985

प्रकम नाष्ट्र<u>ें हो एन एस .----</u>

वायकर वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली ·

नई दिल्ली, दिनांकः 12 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एय०/3/एस-श्रार-3/4-85/ 1044--श्राः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० के~98, है तथा जब होज खास इनक्लेब,
नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण
रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीयत्तर श्रीधारी के दार्यालय,
हुनई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैस 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ह है और मृझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वावध, उनका वीधीनयन से नपीन कर दोने के नंतरक के दायित्य दो कही करने का करने नहने में बुरिन्था के विद्यु वीद/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के विद्राः

जबः शव, अन्य निर्मानन की पारा 269-न वे बन्दरण वे, ते, शवस अधिनियत की पारा 269-व की उपभारा (1) वे अधीन, निम्नुसिविक न्योक्तवों अर्थाद काल

- (1) जश्री राप प्रताप, निवासी के-98, हौज खास, नई िल्ली, श्रव निवासी सी-2 स्वामी नगर, नई दिल्ली (श्रम्तरक)
- (2) श्री मितन्दर देव निश्वारी पुत्र स्व० श्री शिव दयाल तिवारी, (2) श्रीमिती स्तेह तिवारी (3) श्री संजय तिवारी, निवासी एफ-68, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

कां ग्रह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए
 कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच चै 45 दिन की व्विधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मंत्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोइस्ताक्षरी को पाई तिचित मों किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः—इसमें प्रयुक्त कम्यां और पदां का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्यूची

प्रौ० बैरिंग नं० के – 98, हो अंखास इनक्सुव, नई दिल्ली सादादी 500 वर्ग गज ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकः श्रायमैंत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कामलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस-न्नार-3/4-85/1044ए---ग्रतः मृक्षे, सूनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विष्यात करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खसरा नं० 1215 भौर 1216 है तथा जो ग्राम-छतरपुर, सहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसुची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण ग्रिधिकारी के वायिलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान जितकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उनके द्रश्यमान प्रतिफल ने एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्धरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकल निम्नीकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिदित में बास्टिक कृष स किथा नहीं किया थया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, जक्द निवन के बधीन कर दोने के बंतरक के दाबित्य में कसी करने वा उचाते बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (का) एसी किसी आम वा किसी धन या अन्त्र आस्तिकों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गरुष्या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

नत: स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण वी, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वीकित, निम्लिनिकत व्यक्तिस्यों, अधित :---

- (1) श्री राम चन्द्र, राम सिंह, फुल सिंह पुत्र नायुषा, निवासी ग्राम-छतरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री संजय णर्मा पुत्र श्री पी० एस० शर्मा, श्रीमती शिंग गर्मा पत्नी श्री पी० एस० शर्मा, निवासी डक्ट्यू०-94, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को बह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हों, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

त्रमुची

कृषि भूमि तादादी 4 विधे ग्रीर 16 विध्ये, खसरा नं 1216, 4, विधे ग्रीर 16 विध्ये, खसरा न० 1215, ग्राम छतरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> सुनील **चोपड़ा** पक्षम प्राधि चारी सहाच*ः श्रायकर श्रायुक्त* (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -3 दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

दिनांक: 12-12-1985

प्रकृष करहाँ . टी . छन् . एस

बायकर मधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-स (1) के मधीन सुचना

शारत करकाड

कार्यासय, सहायक नायकर वायक्त (निरोधन)

ग्रर्जन रेंज-II], नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-स्नार-3/4-85/ 1046---यतः मझे, सुनील चोपड़ा,

कायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का अपन इं कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृन्व 1,00,000/- रा. सं,अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० हाऊस नं० जी-55, ग्रीन पार्क है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रिप्रेंल, 1985।

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नजार मृल्य से कम के इक्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल के लद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उन्तर विधिन्यन वो वधीन कर दोने के अन्तरक वो वायित्व में कनी करने या उसने वचने में सुविधा वे विष्ट; और रंश
- (क) ऐसी किन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका चे बिद्य;

वितः अव. उन्त विधिनियम की भारा 269-व के अन्सरण कै, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की बधीन, निस्तित्वित व्यक्तिसर्थे अधीन स्—-

- (1) श्रीमती मुशीला श्रयवाल, बिरला मित्स, दिल्ली-7। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ ईवरग्रीन स्वीट हाऊम, ए-30, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरितो)

को वह सूचना चारी करके प्याचित सम्बन्ति के वर्चन के किन्। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत बन्दरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जविष या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शक्ष
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पदों का, जो उसर् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सिंगल स्टोरी, पुराना बना हुम्रा घर, नं० जी-55, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, ताबादी---200 वर्ग गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-^III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 28-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-III नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौक 12 दिन्छ्बर 1985

निर्वेष सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-प्रार-3/4-85/ 1040ए--यक्षः मुझे, सुनील चोगड़ा,

बावकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करने हैं कि स्थावर संपरित. जिसका उजिल बाजार पृत्व 1,06,000/-छ. से अधिक है

भीर जिन्नकी सं० खसरा नं० 1213, 1212/1, 1212,2, 1214, 1202, 1209 और है हथा जो ग्राम छत्तरपुर, हहसील महरोली, नई दिल्ली में रियत है (ग्रीर इससे उपायत मनुसूची में और पूर्ण रूप से विकत हैं), रिस्ट्रीक्सी प्रधितारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजल्द्रीकरण प्रधितियम, 1008 (1908 का 16) के प्रधीन, प्रशैच 1985।

को पूर्वांका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यायमान प्रतिकल के लिए जलारित की गई है और मुक्ते, यह धिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यायान प्रतिकल का मंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितिकल निम्निनिसित उद्देश्य से उक्त क्तरण निकान में मास्टिसक लए में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण म हुई किसी बाय की बावत, उचल बीपिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बीर/बा
- (वा) कृती किसी जाय जा काली पत्र जा काल जाक्तियाँ करें, जिल्हाँ भारतीय जाय-कर जीपिनियम, 1922 (1932 कर 13) या उनत अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया बना था या किया बाना थाहिए था, विभाने में साजभा के लिए;

गतः वलः, उदतः निधिनियम की धारा 269-भ नः अनुसरण मैं, मैं, गमत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धायः निम्निल्लित व्यक्तियों,, अर्थात् ध— 50—416 GI/85

- (1) श्री राम चन्दर, राम जिह, फूल तिह पुत श्री नायुवा, ग्राम छत्रस्पुर, लहुतील महरीती, नई विस्ती।
- (2) ा श्री राम लाल जाहनी पुत्र श्री चान्ही राम आहनी,
 2 पवन कुमार नाइनी पुत्र श्री राम लाल आहनी,
 3 सुभाष चाहनी पुत्र श्री राम लाल जाहनी,
 निवासी 42-ए, फैंड्न कालोनो, नई दिल्तो, ईस्ट
 मथुरा रोड़, 4 भै० को तत्था फामर्स (प्रा०) लि०,
 ६-४,एन-डो-एस-६-1,नई दिल्तो, द्वारा डायरेस्टर
 मश्रा चीहरा, सी० एल० भेद्ररा खोर श्रम्बनो कुमार
 भेद्ररा (1/2)।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्मति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी स्यक्तियाँ दृष्ट स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेंक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवाराः
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा अथोहकाक्षरी के सब सिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्मप्दिकि रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ प्रतेगा, जो उस अध्याय में विया पदा हैं।

अनुसूची

फुलि भूमि बैरग खसरा नं० 1213 (4 जिने श्रीर 16 विश्वे) खसरा नं० 1212/1 0 जिने श्रीर 8 जिस्ने खसरा 1212/2 (4 जिने श्रीर 8 जिस्ने) खतरा नं० 1214 (4 जिने श्रीर 16 विश्वे) खतरा नं० 1214 (4 जिने श्रीर 16 विश्वे) खतरा नं० 1202 (4 जिने श्रीर 16 विश्वे) खतरा नं० 1209 (0 जिने श्रीर (2−1/2 जिस्ने जनर") 1210 (4 जिने श्रीर 11 विश्वे) ग्राम छतरपुर महरीजो, नई दिल्ली।

लुनोल चोन**ड़ा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) **श्रजैन रेंज**⊸3 दिल्लो, नई दिल्लो⊶110002

दिनौन: 12-12-1985

वांहर 🛭

अस्त्र मार्ड्डी, एवं, एकं, चार न लक्क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्थाना

मारत अरकार

कार्याज्य भदायक बायकर जायका (विरोधिक)
श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-मार-3/4-85/ 1046बी--यनः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कारण है कि रथाण सम्पत्तिः, जिसका पणित बाबार मृज्य आयका अभिनेत्रणान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एटजाए 'उद्धार अभिनियम' कहा गया है), की बाद 269-क के अधीन सक्षम शामिकारी करें, यह विश्वास करने का

ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 1225, 1179, 1226/2 ग्रीर 1240/2/2 है नथा जो ग्राम छत्तरपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली—4 म भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्राग्रैल 1985।

को पर्वोक्त संपर्तिक के उचित बाबार मूल्य से कम के दिल्लाक शितफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापनों कर संपत्ति का उचित बाजार बाल्य, उसके रव्यमान प्रतिकात से एंसे क्यामान प्रतिकत का पत्तह बितात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के दीया एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा वितास , विश्वासित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिलाह का प्रतिकार के लिए तब पाया गवा वितास का प्रतिकार का

- (क) अन्तरण स हार्ड फिसी बाय की बायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किया: और/शा
- (थ) एंसी किसी जाव या किसी थन या जन्य बास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या चन- तर विधीनगम, 1957 (1957 का 27) खें उसकर्तर्भ जन्तिएसी दूररी रक्त नहीं किया गया पर यह ज्या काना चालिए था. कियाने में नविधा के निद्धी

जल: अष्ट, उद्दर अधिनियम की भारा 269-व की जनसरूर में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) है (भीट किस्निसिक्स व्यक्तियाँ, क्रम्बं ३─० (1) श्री मती राम नन्दी पत्नी श्री पोखर सिंह फार सेल्फ एवं एम/जी पुत्र जीतेन्त्र पुत्र पोखर सिंह, राम सिंह, क्ष्या नन्द पुत्र श्री प्रभु, निवासी ग्राम छत्रपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

(ग्रनरक)

(2) 1 श्री राम लाल साहनी पुत्र श्री चन्दगी राम साहनी
2 सर्वन कुमार साहनी पुत्र श्री राम लाल साहनी
3 सुभाष साहनी पुत्र श्री राम लाल साहनी,
निवासी 42-ए, फैंड्रम कालोनी, ईस्ट मथुरा रोड़,
नई दिल्ली, (4) मैं० कोशल्या फामंस (प्रा०) लि०,
ई-8, एन-डी-एस-ई-1, नई दिल्ली, द्वारा
डायरेक्टर यक्षपाल मेहरा, सी० एल० मेहरा श्रीर
धश्वनी मेहरा (1/2 भाग)।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रवीवत संपत्ति के अस्ता की । अध् कार्यवाहियां करता हुए ।

हक्त सम्बन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप एनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी बविध बाद में समाप्त होती हों, के शीतर प्रचेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से वित्ववध्य किसी जन्म स्पक्ति द्वारा, कथोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

ल्लाकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्यों और पदों का, वा अल्ल आभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

कृषि मूमि वैरिंग खसरा नं 1225 (4 बिचे मौर 16 बिक्ने) खसरा नं 1197 (4 बिचे मौर 16 बिक्ने) खसरा नं 1197 (4 बिचे मौर 16 बिक्ने) खसरा नं 1226/2 (2 बिचे मौर 16 बिक्ने) 1240/2/2, (3 बिचे मौर 0 बिक्ने) ग्राम छतरपुर, तहसील महरीलों, नई दिल्ली।

मुनील ची गडा

तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनौक: 12-12-1985

मोहर अ

प्रकम कार्यः, दर्गः, एवः, एवः, ४ ल न न्यक

भायकर जांपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

श्चर्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ला, दिनाँ र 12 दिपम झर 1985 निर्देश सं० श्चाई० ए० सो०/एक्पू०/3-एस-भार-3/4-85/ 1046सी---पतः मुझे, सुनील चं/पड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ६सके अस्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), के, चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिल्लि सं० खसरा नं० 1205/1/1, 1205/1/2, 1205/2/2, 1199, 1204, 1285, 1195, 1286, 1196, 1200, है तथा जो ग्राम छन्रपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधक धनुसूची में और विजित से रूप पूर्ण है), रजिस्ट्रीयर्ली ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, ग्रुप्रैल 1985,

का प्यक्ति संपत्ति के उपितं शाजार मून्य सं कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बार मूओं मह विश्वास करने का कारण है कि वभाव्योंकर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर जन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिष् तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वंदय से उक्त अन्तरण जिविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहिष्टं किसी आय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समितन म कमी करने या उनके बचने हैं हिन्सा के सिक्ट
- (स) एसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्यापे के पूरिका के

अतः अत्र, उत्रत अधिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरण मों, मों, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) जो गधीन, निम्निजि**षत व्यक्तिको**ं स्थानित स्थानित (1) श्री जोतेन्द्र (माइनर) पुत्र श्री पोखर जिह द्वारा माँ एवं एन/जो श्रोमतो राम नन्दो पत्नी श्रोपोखर सिंह, राम सिंह, दया नन्द पुत्र श्री प्रभु, निवासी ग्राम छतरपुर, तहसील महरोलो, नई दिल्लो।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम लाल साहनो पुत्र श्री चान्दो राम साहनो (2) सर्वन कुमार साहनी पुत्र श्रो राम लाल साहनो (3) सुभाष साहनो पुत्र श्रो राम लाल पाहनो, निवासो 42-ए, फैंडन कालाना, ईन्ट मयुरा रोड, नई दिल्लो (4) मैं कौशल्या फार्न (प्रा०) लि०, ई-6,ए न-डी-एस-ई-1, नई दिल्लो, द्वारा डायरेक्टर यश्याल महरा, सो० एल० महरा श्रोर श्रथ्वनो कुमार महरा (1/2) भाग।

को बहु सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

कत्रत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी जासप है ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन को अयोध या तत्सम्मन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी बदीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुनारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिला भड़ा किसी अन्य स्थावत व्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए था सकेंगे।

स्वधाकरण -----समर्गे प्रयुक्त ग्रन्थों और पत्तों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय के रिया नया है।

भन्मुची

हिषि भूमि बेयरिंग खपरा नं० 1205/1/1 (0 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), 1205/1/2 (2 बिघे श्रौर 5 बिग्वे), 1205/2/2 (1 बिघे श्रौर 12 बिग्वे), खपरा नं० 1199 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1294 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1285 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1195 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1195 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1286 (4 जिये श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1286 (4 जिये श्रौर 16 बिग्वे), खपरा नं० 1200 (4 बिघे श्रौर 16 बिग्वे), श्राप छत्रपुर तहसील महरोलो, नई दिल्ली।

नुनील नाइ। यक्षम त्राधिकारो सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3 दिल्लो, नई दिल्ली-110002

विर्मांक: 12-12-1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, निर्मंद 12 दिरम्बर, 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/3/एस-धार-3/ 4-85/1047 ए०--प्रतः मुझे, सुनील चोण्डा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

भौर गितिकी संख्या खारा नं० 177, 220, 224, है तथा जो ग्राम खितरोनी, तहसील मह्राली, नई दिल्ली में रियत है (ग्रीर इत्ते उपाबत ग्रन्ती में पूर्ण रूप से बणित हैं), रिवस्ट्री तो ग्रीवितारी के त्यक्तिया, नई विरक्षी में भारतीय रिवरट्री एण श्रीवित्यम, 1908 (1908 ता 16) के मधीन, तारीख ग्रमल-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री मेहनाल, जाल चन्द, खणान सुम्न श्री सरापा, श्रीमती खणानी, विद्या, बीरो पुन्न श्री सरापा, निहाली, गुलाबो, पत्नी सरापा, निवासी ग्राम गिरोपनी, सहसील महरीली, नई धिरली
- (2) श्रीमती तृष्ला जैन परनी श्री मोहिन्धर मुमार जैन, निवासी डी-1 ए, ग्रीन पार्क, नई दिस्ली (भन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी शविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त गीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृषि भूमि बरिंग खसरा नं० 177 (4 बीवे भौर 16 विषये) खसरा नं० 220 (4 बीघे और 16 विषये) खसरा नं० 224 (4 बीघे भौर 16 विषये) ग्राम गिरोपनी, शहसील महरोली, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुकः (निरीक्षण) झर्जन रेंज़⊶3, नई दिल्ली

सारीख: 12-12-1985

प्रकृष् आर्थं.टी. एन. प्रास. -----

बाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक सायकर बायुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-3, नई दिल्लीनई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्येश सं॰ प्राई॰ ए॰ सी॰/ए यू॰/3/4-85/1049 ए--प्रशः मुझे, सुनील चोपकः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संन्या मुन्दाली नं 10, क्ला नं है तया जो 9 भीर 10, ग्राम महर्राली, तहसील महर्राली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीरहत्तने उपावन ग्रानुत्ती में भीर पूर्ण कव से विज्ञी- 4 में भारती। गरिस्ट्री त्रण अधिनियम, (1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख भन्नेल-85

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान लिए अन्तिरत गद्द हु क्रे की व्यक्ते यह विश्वास करने - का कारण कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके काउमाम वितफल से. एसे एक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं बरि अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिड सबुदोब्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है:---

- (%) अन्तरण सं हुई किसी आय की धावत, उचत मधिनियम के जधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आय गा किसी धन या बन्स आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्ति (तौ द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण में, में सक्त अधिनियभ की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीय निम्निजियन स्पिक्तियों, अधित् हि— (1) श्री अवर्धाः, मुस्तयार जिह पुत्र ची० मारायन जिह, निवासी ग्राम मसुदपुर, महरीली, नई दिस्सी

(झन्तरक)

(2) श्री मुरेण गुप्ता पुत्र री जें० कें० गुप्ता, निवासी की 5-7/117 ए, सफ़दरजंग इनक्लेंब, नई दिल्ली घीर श्री भी पी० नागपाल पु० श्री टी० श्री० नागपाल, निवासी 194, श्रद्धन्त इनक्लेंब, पालम मार्ग, नई दिल्ली

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बजॅन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-बहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के शस जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

कृषि भूमि शादादी 4 बीघे 10 विश्वे धौर 4 बीघे 16 विश्वे, मुस्तैली नं० 10, कीला नं० 9 धौर 10, प्राप्त महुन्तैली, अहुसील महुरौली, नई दिल्ली।

> मुनील घोपड़: सक्षम प्राधितारी सहायक भायकर भाषुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

सारीख: 12-12-1985

(अन्तरक)

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.------

ण्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याधन, वहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एड-भार-3/ 4-85/1048--भार मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार सूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

मीर िसकी संख्या प्रो॰ नं. 5734 मीर 5735 है ध्या जो करील बाग, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इसके उपाबद मनुसूची में मीर पूर्ण रूप से विणित है), रिकस्ट्रीक्ती मिन्निकारी के ज्यालिय, नई दिल्ली में मारतीय रिकस्ट्रीक्रण मिन्निमम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख ममें ल-85

को पूर्वो क्त सम्पत्ति को उभित बाजार मूल्य से कम को स्वस्मान कित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करण करने का कारण है कि सभाप्वेंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार भूक्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेंच्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी बाय की, वायत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाव या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, जबत अविनियम की धारा 269-ग. का जनसरफ तो, को, जबत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को जपीप/, जिस्तिशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ३---

- (1) श्री गौरी शंकर पुत्र श्री धुली घन्य, जियासी
 2571, बस्ती गंजाबीमान, घोल्ड सब्जी मन्डी,
 दिस्ती श्रीर तारा घन्य पुत्र बिला सारी, नियासी
 21/35, बेस्ट पटेल, नगर नई दिल्ली घौर राघे
 ध्याम पुत्र श्री हुन मज, निवासी 787, किशन
 गली, सुभाष रोड़, गांधी नगर, दिल्ली
- (2) श्री भगर सिंह वर्मा पत्न स्व॰ श्री घरा राम, निजासी ए-3/302, परिचम विहार, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबध्व किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच तिस्ति में किए या सकर्य।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस पया हैं

अनुसूची

इंबल स्टीरी, बॅरिंग नं० 5734 घोर 5735, वाड नं० 19, गती नं० 81, सादादी 75 वर्ग गज, खासरा नं० 604, खेबट नं० 1, खतीनी नं० 87, व्साह, 'ए' बस्ती रैंगर, करोल बाग, नई दिल्ली ।

> (मुनील चोतड़ा) सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 29-11-1985

श्रक्य बाह्र ही एन एत .-----

आयमर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकरह

रायां लय, सहायक वायकर <mark>बाय्क्त (निरक्षिण)</mark>

धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोंग 28 नवम्बर, 1985 निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस-सार-3/ 4-85/1109--धतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

धायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिल्ली संख्या 27, ब्लाक सी, है तथा जो गीन पार्क, एक्सटेंशन नई दिल्ली में रियत है (भीर इसके उपावस अनुसूत्री में भीर पूर्ण रूप के विल्ली में भारतीय रिजर्झीकर्ता मधिनारी में नार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजर्झीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) में मधीन, तारीख मधिन 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे खयमान प्रतिफल का पन्द्रह भोगिकल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्विषय से उक्त अन्तरण निचित्त यो वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया नया है ——

नन्तरण सं हुइ किसी नाय की वावत, क्रम्स विधिनियम के अधीन कर देने के वन्तरक खैं दायित में कमी करने या असने वचने में सुविधा से लिए; बीर/या

(क) एसी किसी बाय का किसी एए ता सन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जीयकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, या धनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान वाहिए था, किनाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित न्यवित्यों, अधीत्:— (1) श्रीमती संबीता जैन दास, निवासी सी→27, प्रीन पार्क, एक्टटेंग्रन, मई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश मल सिगहंबी प्रत स्व० श्री प्रकाश मल, श्रीमती सुशील सिगहंबी, निवासी ई०-65, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-1, नई दिल्ली (धग्विस्ती)

को यह सुभना वारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

अवत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्त में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पहली मंजिल, प्री॰ बेरिंग नं॰ 27, (डबल स्ट शी) क्लाक नं॰ सी, साक्षादी 1445/24 वर्ग फीट, हादायी हु 312 वर्ग गज, रिसिडेन्टल कालोनी ग्रीन पार्क एक्टटशन, मई दिस्ली।

सुनील चोपड़ा तकम प्राधितारी साय र मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जेश रेंज-3, नां विस्सी

तारीख: 28-11-1985

शक्त बाद् . टो. एन. एव . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

शारत सरकाड

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निर्दाक्षक) प्रजंत रेंज-3, नई दिल्ली

नर्षे धिल्ली, धिनांक 3 धिसम्बर, 1985 निर्वेश सं० श्राई० ए० मी(०/एम्प्०/3/एस० प्रार०-3/ 4--35/1050---श्रतः मुझे सुनील चीपशः बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया ह"), 📲 भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करूने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रतः से अधिक है त्रीर जित्रही सं० 4-ए/40, है समा जो ओल्ड राजेन्द्र तगर, हरे दिस्ती में स्थित है (और इसने उनाबद धनुसुनी न और पूर्व का से पॉयत है), रिक्स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायीलः, नधे दिल्ली में भारतीय राजिल्ड्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीत तारीख अप्रैल 1935 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान विकास के लिए बर्टिंग्त की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि संभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 🌬 स्य, उसके रायमान प्रतिपन्न से, एसे रायमान प्रतिफल के क्ल्बह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्निसिक्त उद्वरेग से जनत अन्तरण मिथित में धास्त्रिक च्य से कथित नहीं किया क्या 💕 🗠 🗝

- (क) बंतरण सं हुइ किती बाय की बाबत, उपत गंभागतत के अभीन धर गर्म के बन्दानक के वार्तिस्व से कामी कारने ना उपने बचने में सुनिधा के बिक्: गर्दि/या
- (क्री किसी बाब वा किसी भन वा बन्च वास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चवा भा वा किया बागा वाहिए था, क्रियाने में वृत्यिथा के जिए;

बतः नव, उक्त बधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण जें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त स्थितियों, वर्धात् के - (1) श्री धर्मन लाल, 4-व्य/31, ऑल्ब्ड राजेन्द्र सगर, नद्री धिल्ली।

(द्रस्तरक)

(2) श्री धरोक एन्ड कन्चल, 4-ए/40, अंत्रक्र³ राजेन्द्र नगर, नभी धिरुली।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यतिः के अर्थन के विद्युक्तियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी बाक्षण:---

- (का) इस सूचना को राचपण मो प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नवीं था तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की बामीन से 30 दिन की संबंधि, वो बी नवींथ नाव मा समाप्त होती हो, को भीतर प्रवासक व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-जिसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के शक्ष सिवित में किए का सकेंगे।

स्यक्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त कर्व्या और पदी का, वा उक्त विधिनियम, के क्भाय 20-क में परिभाणिक है वही अर्थ होगा को उस सक्ष्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

क्वार्टर मं० 4--ए/40, ओल्ड राजेन्द्र मगर, नई दिस्त्री।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीजण) प्रजैन रैंज--3, दिल्ली, नर्द्व दिल्ली

सारीख 6-12-1085 बोहर ॥ प्रक्य बाह्रें हो. एन. एस.-----

नाबकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निर्दाक्तक) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नचम्बर, 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० ग्रार०--3/4-85/1051---प्रत मुझे, सुनील चोपड़ा

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसमें पश्चास उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाचार मुख्य 1,00,00,0 रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एव-43 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स-ट्रैंगन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूकी में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नरीख मंग्रैल' 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) मन्तरण संहुइं मिन्ती भाग की जानत, उनस अभिनियम के प्रभीत 'हर बोने के अन्तरक के कांगरण में कनी करने या उनसे उपने में सुविशा के 'तिए; शीर/ना
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ४1) या उनता अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयापनार्थ अन्तिरिती द्वाध प्रकट नहीं किया नया वा किया नाम विक्रया नाम वाहिए या, कियाने में प्रविधा की निए:

(1) थ्रा प्रदीप कुमार, निवासी 6/28, शान्ति निकेतन, नई दिल्ली

(ध्रन्तरक)

(2) श्री चिर्त्जीलान जैंग, श्रीमती मृदुला जैंन, मास्टर संजीव जैंन, मास्टर दीपक जैंन (माइनर) निघासी एक्स→5, ग्रीत पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री मूलचंद एव श्रन्य (बह व्यक्षित जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृम्भ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं एच- 43, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर यायुक्त (निरीक्षण) शार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारङ्ख : 28-11-1985 मोहर :

प्रक्ष बाह्र .टी.एन.०स . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वनः

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश स० प्राई० ए० सी०/एक्य०/3/एस-प्रार-3/ 4~85/1052 ए--प्रतः मुझे, गुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मुस्तितिल नं 54 कीला नं 7, है तथा जो (4-16) 14 मिन (4-16)

3/1 (0-18) ग्राम महरौली नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रग्रैल 35,

को पूर्वेक्त मम्मित के उचित बाबार मून्य से कम के दरबमान प्रतिकत्त को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरयमान प्रतिकत से एसे दरयमान प्रतिकत के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीय के एसे अन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास के यो अधिक नहीं किया गया है जन्तर

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय जी सावस्त, जुक्कण अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अखने में सुक्रिया वे सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं ध्योजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिविधा खेलिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नीलिशन व्यक्तियों अर्थात :---

- (1) श्रीमती फुल विन्दरा पत्नी श्री एन० के० बिन्दरा. निवासी एल-34, ऋती नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मनीण खोमला पृत्न श्री बी० पी० खोमला, निवामी बी 3/48, सफदरजंग इनक्लेय, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने पृथींमत संपत्ति के नर्धन के निए कार्यनाहियां गुरू करता हुं ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्थान की तासीन से 30 दिन की नविध, को धी विधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी के बात निक्ति में किए जा सकीं।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, वो उन्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा को नस अध्याय में विदा गण ही।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 12 बीधे और 6 बिष्वे, बैरिंग मुसतैली नं० 54, कीला नं० 7 (4-16), 14 मिन (1-16), 4 (4-16), 3/1 (0-18) ग्राम महरौली, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

मृतील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∽3, नई दिल्ली

नारीखाः 12—12—1985 मोहरः प्ररूप आहूर.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

> अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस श्रार 3/ 4 85/1053 ब्रत ं मुझे, सुनील, चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए 54, है तथा जो हाँज खास, नई दिस्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र्र द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रप्रैल 85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्निलिखित उद्षदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

(1) श्री ओ० पी० महिन्द्रा पुत्र स्व० श्री कान्सा राम महिन्द्रा, निघासी जी 14, साऊथ एक्सटेंशन, 2, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) मास्टर समीर डींगरा द्वारा पिता एन/जी, श्री ए० के० डींगरा, निषासी 50, तिवोली कोर्ट बाल्यागंज, सरकुलर रोड़, कलकत्ता

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व<mark>ीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अथोहस्साक्षरी के पास निखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउंड ल्लॉर प्रो० नं० 54, तादादी 433 वर्ग गज, हौज खास, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 9-12-1985

माहर :

(भ्रन्तरक)

प्रकप भाइं.टी.एन.एस. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन त्यान

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक भायकर नाय्क्त (निद्रीक्रण)

श्चर्शन रेंज-3, नई दिस्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-2 4-85/1055--श्रत। मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 166, 1-ए० है तथा जो सफबरजंग रिसिडेन्टल, स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रप्रेल, 1985

को पूर्वों कर संपत्ति को अधित वाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथ।पूर्विका एपिए कि क्रियमान प्रतिफल का पल्छ शितशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंडे बन्तरल के लिए तब पाना बना प्रतिफल, निम्निलिशत उच्चेष्टम से उन्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-अधिनिय्व के बधीन कर दोने के बस्त्रक के स्विरद् के कमी करने वा उससे बचने में दुविधा के सिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्त बास्तिकों को, चिन्हों भारतीय अाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के किए।

क्त: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिम्बित व्यक्तियों, अधीत् स्वल्ल

- श्री राम गोपाल पुत्र स्व० श्री लाला राम श रन दास, 25/सी० रोइ, स्ट्रीट, कलकत्ता।
- 2 श्रीमती साबिबी देवी, निवासी--166, ब्लाक-ए॰ सफवरजंग रिसिडेन्टल स्कीम, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वत् के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त बन्गीति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्ष्मे :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, का भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजावक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (व) इव सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख के 45 विश्व के शीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी शून्य स्थावित ब्वाय कथाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्यों का, जो उकत वृद्धितियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं मर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

भनुसूची

ग्रन्सूची

1/2 हिस्सा प्रो० नं० 166, न्लाक 1-ए०, सफदरजंग रिसिडेन्टल स्कीम, नई दिस्लो, शादादी--303 वर्ग गण

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-12-1985

शक्त बाड'. टी. एन. एस.------

সামক স্বাধনিক : 3961 (1961 का 43) की भारा 269-ছ (1) के सभीन सुभन्

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक वायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/ 4-85/1056--अता मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इंश्वमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्य बाबार मूख्य 1,00,000/- उत्तर में अधिक ही

और जिसकी मं० 2176, है तथा जो चुना मंडी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुम्ची में और पूर्ण रूप से वन्यत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के अपनिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख धप्रैल, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बथाभूवेंक्त सम्पत्ति का उचिक्ष बाबार मृत्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से,, ऐसे रुप्यमान प्रतिफल का नमूह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिकल, अमन्तिकिथत उद्देश्य से उक्स अन्तरण सिविक में बादम करने कर से से अपनि अहाँ किया स्था है :---

- (क) अक्टरण के हुए 'कि की बाय की बायत क्या स्थित 'अवन्य के क्यीन कर योग में बायतक ने शामित के क्यी करने या उन्हों नमने में सुविका के बियो; बरि वा/
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन या कच्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उपस्त अधिनयम, या धन-जार गिर्धालयम, उ. 357 (1957 का 27) के जाना पर पर्यालयों क्यां प्रकट नहीं किया चना भा का जिल्ला प्रात्त वाहिए था, कियाने में बूरिक्शा की किया

कत. कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, बनुसरण थं, यं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1)-हे बधीन, निकालिकिक काकित्यों, धर्मात उन्न (1) श्री फ्लीर सिंह पुत्र स्व० सरदार दिवान सिंह निवासी—14/14, तिलक नगर, नई दिल्ली, (2) सरदार वजीर सिंह, निवासी—19/2— बी०, तिलक नगर, नई दिल्ली, (3) श्रीमती गुरचरन कौर, निवासी—13/10, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) मैं • भारत इस्टेट सन्ड बिल्डिस, 71, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह रामरित के जर्जन के राज्यन्य में कोई भी वासीय :---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की वविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविच्छ व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-व्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी वी पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षों का, को अवस विश्वित्यम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ह⁴, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

नन्स्ची

7/8, श्रनिडवाइडिड भाग श्री० बैरिंग नं० 2176, स्ट्रीट नं० 1, ब्लाफ नं० 8, चुना मंडो, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादाधी—186 वर्ग गज, खसरा नं० 955-956/ 878, बना हुश्रा प्लाट नं० 91

सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रा∄न रेंज−3 दिल्ली, नई दिल्ली−110002

तारीख। 12-12-1985 मोहर। प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्०/3/एस० ग्रार०-3/ 4-85/1058--ग्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 3/31 है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनृसूची में
और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख प्रप्रेल, 85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफाल से एसे रूप्यमान प्रतिफाल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती माहनी बाई, 3/31, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रोणनी बाई, 338, श्रर्जन नगर, गुडगांव, (हरियाना)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

क्यार्टर नं० 3/31, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिका रि सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई विल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 6-12-1985

भोहर 🛭

प्रकार कार्या और एमें एस उन्हरनामा

नावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-ग (1) के नंधीय सुजवा

लाचा बङ्गकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रकीत रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1985 निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एख० श्रार०-3/ 4-85/1059--श्रतः एको, सुनील चोपडा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∠69-श को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1040, ग्राम छतरपुर है तथा जो ॣॣ तहसील मेहरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख़ ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूस्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूक्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे कश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतर्क (अंतरका) और बंत्रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पास नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण चिचित में बास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ज्ञारण थे हुई किसी नाय की बाबतं, क्यक नीपनियम के वधीन कर दोने की अन्यारक के दावित्व में कनी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा के बिए; नीर/वा
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धर्म या जन्म जास्तियों कां. चिन्हें भारतीय जाय-कर जीभीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम. या धन-कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना नाहिए था, विस्पान म ग्राह्म के लिए:

जतः अस, उक्त अधिनियम का शार. 269-ग को अनुस्तरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती दलजीत कौर, फ्लैट "एल०" सागर एपार्ट-ं मेंट, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दिन्या खुराना, निवासी --- 5 ह, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की बहु शूचना चारी करके पूर्वोक्त संपाल के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

शक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भा आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिथ, वो भी अविध् नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्याहाः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए वा सकोंगे।

स्पाध्यक्तिरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

कुषि भूमि तादाक्षी-- 4 बिहे और 16 विश्वे, खसरा नं०, 1040, ग्राम--छतरपुर, तहसील मेहरौली, नई दिल्लो ट्युबबैन फार्म हाउस। वरीरह।

> सुनील चोण्डा सक्षम प्राधिकारी खहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्धन रेंज⊶3, दिल्ली, नई दिल्ली→110002

तारीख: 6-12-1985

प्रकथ बाहाँ. टी. एन. एस. -----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/ 4-85/1060—अतः मुक्षे सुनील चौपड़ा

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 1,06,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ए-41 है तथा जो एम० ही एस० ई०, पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध, अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्तय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1998 का 16) के अधीन तारीख स्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त बिधिनयम के अधीय कर दोने के बन्तहरू में बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; बीड़/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया शवा था वा किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सविधा के लिए;

जतः अवं, उक्त जिभिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण क्रें उक्त जिभिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ज्यीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, जर्थात् ६(1) श्री विजय कुमार दल, निवासी-185, डिफेंस कालोगी, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एस० जोम्स, पुर्वी स्व० थोम्स जोम्स, निवासी जायव णिलॉस, मेघालय ।

(अन्तरिती)

को यह बुक्का बारी कहके पूर्वोक्त सम्मरित के बर्बन के लिए कार्यवाहियां कहता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की वर्षीय या तत्स्वन्यी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षीय, जो भी वर्षीय बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इन्त स्थान के राज्यक में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित्तनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किष्ट या सक्षेत्र।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसल विभिन्दिम, के अध्याय 20-क में परिशासित है, बही वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा भवा है।

धनुसूखी

दूसरी मंजिल, हाउस नं० ए-41, एए० डी० एस० ई०, पार्ट-2, भई दिल्ली, साडादी 411 वर्गगण।

> सुनील चौपहा ्रक्षम प्राधिकारी महायव आयकर आहुका (धिरीक्षण) अर्जुष रेज-३, भई दिल्ली

दिनांक : 29-11-1985

प्रकप भाद . टी. एन . एस . -----

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिलाए । 3 विस्मयर 1985 निदेश में० आई० ए सी०/एवए०/३/एए० आर०-3/4-85/ 1061—अतः मुझे सुनील चीएना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

णौर जिसकी सं० खसरा नं० 619/3(0-5) 619/4(0-5) 619/6(1-19) 619/7(4-16) 619/8(4-13) है तथा जो ग्राम छनर पुर शहसील महरेकी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूवी में पीर पूर्ण हम से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के क.गिल्ण नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित दाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्त को लिए अन्तरित की गर्छ हो और मुठि यह विश्वास करने का कारण हो कि यथा पूर्वोक्त मंग्रीत का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप् में कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की दाबत, उक्त अभिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अप्रिन्तियों, अर्थात् :----52---416 GI/85 (1) भी तथ्या एक (०) भी विषय हुमार, (६) भी सोम उत्तरण (१) शीमती सपुचाई पिदामी 300 साम स्त्राणा लह्मील महरोली महीरिक्ती।

(44.4.2.v. P)

- (2) (1) খ্রা ঘাত হীত সম্রেশে,
 - (2) श्रीमती पृष्या जप्रवाल,
 - (3) श्री श्रात्प अग्रनवास,
 - (२) श्रीमती राज्यता अग्रासात्. निक्षामी-की-क96, २५ जिले १ वालीनी भई दिल्ली
 - (5) श्री पिषित्र महाजग
 - (६) श्रीमनी मीरा घरादा,

भिवासी 19, रिंग चोड, लाका । वगर-। नई विल्ली

- (7) श्री यणवेश महा यह (8) श्रीमती **संगी** नहाजन निवासी बी-44, श्रेटण कैलाण-1, क्टी दिल्ली
- (9) আ প্রেটিজ দ্বাত স্থালো,
- (10) श्रीमती विभेद परीहा,

निवासी ए-७५, डेल्स बारा स्थान, वर्ड दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण: इसमें प्रयुक्त करूरी और पदों का, जो उक्त जिल्लाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूनी

क्रांप भूमि तादादी 12 विषे 8 तिश्हें, खसरा न $^{\prime}$ 619/3 (0~5) 619/4 (0~15) 610/2(1~19) 619/7 (4~16) 619/8 (1~13), ब्राप खडार पर उहसीला महर्गली, सई दिल्ली ।

सुनीतः चांपडा १४४म प्रपित्र ग्रांची सहासका ११ समा १८१५३७ (शिलीक्षण) अर्चेप रोस-३, सई दिस्ली

विनों में : 13-12-1985

प्रकप जार्च हो एन, एस प्रस्तान

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

शारत ब्राउकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिन्ती

नई दिल्ली, दिनाए ,6 दिवस्वर, 1985 विदेश में० आई० ए० मी०/एनयु०/3/एस० आर०--3/ 4-85/1062--अन: मुझे मुनील चौषड़ा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वसास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीण जिसकी सं 3444, खसरा नं 2967/1820 श्रीर 3013/2314, णली नं 3, है तथा जो बस्ती रेगण्पुरा, करोल बाग, नई तिल्ली में स्थित है (श्रीण इसमें उणाबढ़ अनुसूची में श्रीण पूर्ण का से बाणा है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गई दिल्ली में रिकस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख अप्रेल, 1985 का पृत्रोंकर सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के रस्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल के एये प्रेलिक संपत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल का पंदह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (शंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के किए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण किवत में अप्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के समित्व के कभी करने या उक्की कुन्ने में कृतिया के सिए; बीह/सा
- (थ) एसी किसी आग या किसी भन वा अन्य जास्तियों करों: चिन्हों भारतीय कावक्रण विधिनवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा उन्य वाँभनिवस, वा वन-कर अभिनिवस, 1 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ करतीरती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जातिहरू वा, कियाने में सुविधा के सिर्मूश

नरा: नन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के नम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. रिम्निलिखत व्यक्तियों, नर्भात :--- (1) श्री प्रमाद कुमार जैंग, भिवासी—3363, चरिसते न कालोनी, करोल थाग, नई दिल्ली हारा जनरल अटारनी श्री शान चल्द पुत्र श्री छोटन लाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाण जी, निवासी-3444, गली नं० 2 श्रीर 3, रंगरपुपा, उरोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृबेक्ति सम्पत्ति से वर्षन के निष्
कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (क) इस मुखना के राजपक में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में दित- बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहेस्ताक्षरी चै पास लिखित में किए जा सक्तेंगे 1

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उच्च अभिनयम के अध्याय 20-क में परिश्राचित्र हाँ, मही अर्थ होता, को उस मध्याय में दिक क्वा है।

मनुस्यी

1/2 असंडिव।ईडिंड हाउस नं० 3444, तादादी 50 वर्ग गज, खसरा नं० 2967/1820 फ्रीर $3013/2^214$, गली न० 3, प्लाट नं० 27, ब्लाक नं० आर वार्ड नं० 16, धस्ती रैगरपूरा, करोल बाग, मई दिल्ली ।

मृतील चीपडा सझम प्राधिकारी राहायक आयक्दर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

विमाक : 6-1.2-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> अर्जन केंज-3, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनों ह 11 दिखक, 1985

मिदेश सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/३/ए३० आर० 3-4-85/

1063--अतः मुझे, सुनील चीपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 24/41 है तथा जो प्रोत्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड ब्लन्सची में पूर्ण रूप से विध्यत है) राजिस्ट्रीनित्री अधिकारी है: कार्यालय नई दिल्ली में राजिस्ट्रीनिर्मण अधिकियम 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल सो, एभे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती कला वर्ता और कुमारो पिर्मना, भिवासी 24/41; श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल .सिंह, मिवासी 2678, बिडन पुरा, करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनार्धर नंत 24/41, छोएड राजिब भगर, मई दिल्ली ।

सुनील चाँपड़ा स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (गिरीक्षण) सर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक : 11-12-1985

प्रकृष वार्ष्वा हो । एर् । एष् . अन्यवस्त्रक

भावकर गीधीतगम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) महे सुमीप सुम्रता

प्रारुष्ट सरकात

क्षायांनय_{ः।} सहायक वायकर वाय्वस (निरीक्षण)

अर्जभ रेज-3, नई दिल्ली न**ई** दिल्ली, दिशांश 12 दिसम्बर, 1985

निदेण मं० आई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस० अ०२०-3/ 4-85/1065ए--अतः नुझे, सुनील चीपड़ा;

बावकर मिर्गिनवन, 1961 (1961 का 43) जिसे एक में इस विकास करने का अभीन सक्षम प्राप्तिकारों कहा नया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, चिसका उचित बाजार मृस्स 1,00,000/-क. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं मुखादिल ने 00, कोला नं 11 श्रीन 20/1 है तथा जो ग्राम महरोली, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इससे उपायद अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय मई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अर्थन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उद्दे व्यवसान प्रतिकल से, एसे व्यवसान प्रतिकत का पंद्रह बृत्यित से विभक्त है और नन्तरक (बन्तरका) और अन्त्रिती (बन्तरितिका) के थींच एमें बन्तरक के निष् तथ पामा न्वा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण तं हुई किलीं जान की वाबत, उचत विभिन्निम के अभीन अर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेती किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियां ध्ये, जिस्हें भारतीय आव-तर अधिनियम, 1922 कि 11) या उसता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना आहिए भग्न कियाने में सुविधा के किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिस्त्यों, अधीतः ;—

- (1) श्री आणा राम पाल, मोहिंदर सिंह, करतार सिंह पुत्र श्री चदन्ती राम, भिवासी ग्राम मसूदपुर, महरोली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) रमेश गुप्ता, नरंश गुप्ता,
 गुत्र श्री जे० के० गुप्ता श्रीर
 श्रीमती अमिता गुप्ता पत्नी सुरेश गुप्ता,
 निवासी बी-7/117-ए, मफदरजंग इन्कलेब,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना आरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लियु कार्ववाहियां करता हुा।

उन्त संपरित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ध्वना में राज्यन में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की वनिभ या स्टायनची व्यक्तियों पड़ ब्यान की सामील से 30 दिन की वनिभ, को भी अवभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीत र उत्तर स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी बन्य क्यक्ति इवाय क्यांहस्ताश्री के पास विश्वित में किए जा सकते।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त सुन्धे नीह पर्यो का, वो स्वक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , कही वर्ष होगा, जो उद कृष्याय में दिवा नवा

वप्स्क

क्विय भूमि बैरिंग मुस्तैली नं 10, कीला नं 11, मेन ईस्ट, (2 बिघे ग्रॉर 9 विष्वे) 12 में , ईस्ट (2 विघे ग्रीर 12 बिष्वे) मुस्तैली नं 10, कीला नं 20/1, (3 विघे ग्रीर 12 बिष्वे) 11 मेन, ईस्ट (0 बिघे ग्रीर 12 विवे) 12 मेन ईस्ट (0 विघे ग्रीर 12 विष्ये), ग्राम महरोली, तहसील महरोली, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिभाव : 12-12-1985

मोहर 🐫

शक्य बार्ड. टी. एम. एव., उस्टन्स

नाथकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-न (1) वं अधीन सूचना

भारत बंदकार

कार्यालय, सहायव आयकर जायकत (विरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनॉक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/3/एस० आ र-3/ 4-85/1065-वी--अन: मुझे, सुनाल चाँपडा,

नायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात जिस्ती अधिनियम कहा गया है), की धार 269-ज है अधीन संग्रम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्त , जिसका उजित बाजार मुक्स 1,00,000/-रा. से अधिक है

पाँग जिस्ति। रं० खसरा नं०- 1177 (2-5) 1179 (1-33) है तफा जो 1091/1 (1-0) 1088 (2-2) 1089 (2-4) है तथा ग्राम छ नरपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्थ से बणित है) रिजिस्ट्री क्रित अधि गरी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीय अप्रैल, 1985

को पूर्वीयत सम्परित के उचित बाजार गूर्य ते कम के क्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोंक्त सम्परित को उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे रश शन प्रतिकाल का बल्द्ध प्रतिशत से अधिक हैं और जंत ६ (मंं दक्षों) और अंतरिकी (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए अप पाया नमा प्रतिकात, निम्निसिचित का नेत्व से उनक बन्दरण जिल्हित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिषित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अंग्म प्रकाश पृत्र मुस्तवी,निवासी प्राम छत्तरपुर, तहसील महरोत्री,नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) मैं० सूर्या उन्टरप्रइताउस (प्रा०) लि०; 1, कौणत्या पार्क, हीज खास, नई दिल्ली, द्वारा डायरेक्टर श्री एन० के० किन्दरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा । करके पुर्वोक्त संपरित के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्शन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में रास्त शोती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी प्राण व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण् ः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का त को जक्त जिभिनियम के ए याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ ह ना को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि बैरिंग खरारा नं 1177(2 विषे ग्रीर 5 विौ) 1179 (1 विषे ग्रीर 13 विषये) 1091 (1 विषे ग्रीर 0 विण्वे) 1088 (2 विषे ग्रीर 2 विण्वे) 1089 (2 विषे ग्रीर 4 विश्वे) ग्राम छत्र पुर तहरील महरीली, नई दिल्ली ।

मुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहाप्रकाणकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन टेंज-3: नर्ष दिल्ली

दिशांच : 12—12~1983

माहर:

प्ररूप कार्ड, टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनान 28 नवम्बर, 1985

निदेश गं० आर्ड० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 4-85/1069--अतः मुझे सुनील चापड़ा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिनकी गं० फ्लैंट नं० 201 जार-1 है तथा जो होज खास इनक्लेब पर्ड दिल्ली में स्थित हैं (श्रीत इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिलित हैं) रिस्ट्रीयनी अधिकारी से कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीय तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कर्न जीत सिंह70, रीगल धिल्डम, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रीता ग्रोबर फ्लेट नं० 201 आर-1 हीज खास, मई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त संपंत्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लंट नं २ 201, उपर आउन्ड फ्लोर, क्यर्ड एरिया 1005 बिल्डिंग आप-1, हीज खास इन्ह्लेब, सई दिल्ली, टोटल प्लाट एरिया 515.77 वर्गगण ।

> सुनील **चौपडा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीय रेंज-3, नई दिल्ली

दिसांक: 28-11-1985

प्ररूप आह्र .टी. एन., एस्,-=----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र~ः, नई दिल्ली नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँ र ित्रावण, 1985 निदेण स० आई० ए० सी०/एनए०/अ/एस० आण०→अ/4~85-143?-अतः मझे मुनील चंं/ध्या

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

प्रौर जिसकी मं० 1, बरार 'डी' है तथा जो ज्योति नगर दिल्ली में स्थित है (प्रांप इसने नगरिक अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रीकर्ना अधि परी के कार्यालय मई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक अप्रेर, 1985

फो प्वींक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यान प्रतिफल का कंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्परितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक कप से किंथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आद की अबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अस: छवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा ∠39-घ की उप गरा (1) के अभीर, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जीत विक्ष, पुत्र गायान बहादुर सिह, भिवासी—बी/47, ईस्ट ज्योति सम्ब, गातापता, तिस्कार।) (अस्त्रक
- (६) श्री कैलाश चन्द जैन, श्रीर श्री मती मधु जैन, निवासी→2पी, चन्द्रा माश्ररातपुरा, गाजिसाबाद (उत्तर प्रदेश)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें दे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिंधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया हो।

जन्सू भी

प्लाट नं० 1, प्रवास छी' तादादी 411.7 वर्गमज, ज्योति नगर, (ईस्ट एरिया) ग्राम गोकलपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> मृतील चौपडा गशम प्राधिकारी गशासक सम्बद्ध (सिरीक्षण) अर्थेय रेंग-3, सर्वे दिल्ली

दिमाँ कः 6-1*9*-1985

प्ररूप मार्थः द्रीः पुनः एसः वरः वरः

rundamenta erromenta person

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ड भारत 269 म (1) के अभीन सुमना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3. वर्ष दिल्ली नर्ष दिल्ली, दिवाक उ विसम्बर 1985 निर्देशसं० आर्ष० ए० सी०/एवपू०/ 4-85/1433-अत: मुझे सुनील चाँपड़ा

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), करें भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.35,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 2, प्रताक 'डी' है तथा जो ज्यांति तम दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (अंदर इसने उत्ताबक दन्तुव्वी में और पूर्ण इस में वर्णित है) दिल्ली में वर्णित है) दिल्ली में वर्णित है। वर्णित वर्णित प्रतिक्रिय 1900 के वर्णित वर्णित व्यक्त 1985

- को प्योंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथा प्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिपति से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उस्र कारतियों। मानतिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है कारतिक
 - (क) शृष्याच्य से द्वार्थ किसी काम का शायत संबद्ध अधिक विषय की अजीम कर दोनों को अन्तरका की दासिक बी कामी कारने या उसने संवस्त में सुविधा के लिये;
 - (व) एखी किसी नाय या किसी धन नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एक कर जाधिनियम, 1937 (1957 या 27) के प्रशासनार्थ निव्या हिस्सी ह्वारा प्रका नहीं किया स्था भा सा किया जाना नाहिए भा छिपाने में स्विधा से लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बो, बी, उक्त अधिनियम की भाग 269-थ की उपभारा (1) बो अभीन, निम्मसिखित अधिकत्यों, सर्भात है— (1) श्रीसती सुरिन्द्र कीर, पत्नी श्री कुलदीव सिंह, विवासी 1/83-बी/, रोहतास नगर, जाहदश, दिल्ली ।

(श्रन्तरका)

(2) श्रीनती नीक जैन परनी श्री सरेण कुमार जैन, सी/अं। रबर रोल्म एन्ड प्लास्टिक इन्टरप्राङ्जेज, जीव टीव रोड़, शाहदरा, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारौ कारके प्वेविक सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पर्तित को मर्थन को सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अओहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सक्षेत्रे

स्पष्टीकर्णः ---- एसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का , औ उक्क अभिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गुरा है।

मप्त्र

प्लाट नं० 2, ब्लाक 'डी' तादादी 379 5 वर्ग गज ज्योति नगर, ईम्ट एरिया शाफ ग्राम गोकलपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली सुनील चौपड़ा सध्यय प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

িনিক : 6-12**-1985**

भाहर 🛭

प्रकम बार्युः दीः, एवः, एतः -----

भागकर विश्वित्रवस्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के वभीन सुख्या

नारत बरकार

कार्बासक, सङ्घायक नावकर जायूक्त (विद्वीकाण) श्रर्जन रेंज--3 , नई विल्ली

नई दिल्ली' दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई०जी ए० मी०/एक्यु०/3/एस० ग्रार०--4/ 4--85/1434----ग्रन मुझे सुनील चौपड़ा

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मस्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं॰ ई-1/3 है तथा जो कष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रेल 1985

फो प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंस्वमान प्रतिफल से, होसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और बतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य स उक्त अंतरण जिख्ति में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाक्तिय में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों शहरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा दें लिए:

जत: जब, अक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कमीट गिरम्पितकित अधिकायों अधित ७— 5 3—416GI/85 (') श्री ओ० पी० भटनागर. पुत्र स्त्र० श्री वाल मुकन्द, निवासी ई /13. ऋष्या नगर. दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमतीज साविती देवी और श्री सुधीर कुमार गुप्ता, ई-14/5ए, कुष्णा नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यग्रिष्ट्र करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के तम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप 🎏 🖚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या उत्संत्री व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्थितित द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास निर्धित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो समझ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशापित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विका क्या है।

बन्स्ची

प्रोठ नं ० है--1/3, नादादी 273, वर्गगज, ग्राम गोन्डली' श्राबादी भ्रष्णा नगर, दिल्ली ।

> मुनील चौपड़ा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक धाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼3, न**ई** दिल्ली

अक्स बार्च हो पुन पुन हानाकारण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्याचय, तहायक जायर जायुक्त (निर्देश)

प्रशंद रेंज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1935

तिदेश मं० अई--4/37ईई/16594/84--85----अतः मुझे अ० प्रसाद

आयकर बिटिं अम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवा: ं ८ अत अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के मधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० दुकान नं० 2, इमारत नं० बी-1, श्रमधुत
नगर, छत्रपति फिंचाजी रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68
में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित हैं) और जिसका कराररामा श्रायकर श्रधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985
की पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्ष
रूप में किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) बीग्रहमद मियां ए० मखा।

(भग्तरक)

(2) श्रीमती ग्रहणा ग्ररविंद मिस्त्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्थन के किल् कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्थाकारण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भग्या है।

बन्स्वी

दुकान नं० 2, जो, इमारत नं० वी-1, श्रवधुत ंनगर, छत्रपति शिचाजी रोड़, दहिसर, बम्बई (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/16594/84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढ़ारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॅज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985 मो**इ**र : प्ररूप नाइ . टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1(161 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासदः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 2 दिसम्बर 1985

निदेश गं० श्रई-4/37ईई/16094/84-85---श्रत: मुझे अ० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 105, जो 1 ली मंजिल, लूईस अपार्टमेट 466 शिवाजी रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई--68 में स्थित है (और इसक उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

की पूर्व कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अर्ज का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गवा प्रतिफल निम्निजिबित उद्बदेश से उन्त सन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाब की वाबत, उनका नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वाबित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या बन्त आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिशा के लिए;

शबः वय, सक्त वीधीनयम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त वीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निस्नीलियित व्यक्तिस्मों, वर्षात् ∴--- (1) मेसर्स वैभघ बिल्डर्स

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती शशिला रामदास शेलार।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाष लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उचत अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं 105 , जो 1 ली संजिल, लईस श्रपार्टमेंट, 466 शिवाजी रोड़, दिहमर, (पूर्व), बम्बई--68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं श्रई-4/37ईई/16094/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्च० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

मोहर '

प्ररूप आध्राही. एन . एस . ------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर शामुक्त (निर्फ्राम)

अर्जन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/16473/84-85---- प्रत मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव प्रतेट नंव वी~12, जो इस(रत नंव ए-4 कें श्रवधृत कोव श्रोपव हाउसिंग सोसायटी लिव, छत्रपति शिवाजी सार्ग, वहिसर (पूर्व), वम्बई—6 में स्थित हैं (श्रीर इससे स्पाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिस ता करारानामा श्रायक्षर श्रिश्चित्तमम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्षार्यालय में रिजस्ट्री हैं. तारीख 1-4-1985

की पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिषात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीम एसे अन्तरण के लिए तय प्रमा मया प्रतिफल, निम्नितियां उद्वेषम से उस्त अन्तरण नितियां में वास्तविक क्य से किया गई किया गया है:—

- (क) बन्तरम सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के कासित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बार/बा
- (क) ऐसी किसी साय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्ता अधिनियम, या पनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने अर्थे खे सिक्षः

गतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती गीता विजय ध्रान्वेकर।

(भन्तरक)

(2) ग्राणोक वसंत रेगे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी कार्यप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस्तु सूचना के रावप्त्र में प्रकायन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बर्टित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद निवित में किए था सकीये।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

धनुसूची

फ्लेंट नं० बी-12, जो इम-7, नं० ए-4, भ्रंबधुन को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, छत्रपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ०सं0 अड-4/37–ईई/16473/84–85 भीर जो सक्षम प्राधिककी, बम्बई द्वारा दिनांहा 1-4–1985 को रिजस्टर्ड या गया है।

म्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय-१ श्रायकर ऋ।युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

प्रकृष बाइ . टी. एत . एतं . ------

शायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बर्धीन सूचना

भारत सरकार

कॉर्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां 2 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई -4/37ईई/16170/84-85----ग्रतः मुझे ए॰ प्रसाद

शायकर विधिनसम, 1961 (1961 का 43) (धिये इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुशान नं० 5, जो, धीरज अपिटमेंटस वामणराव सावेत रोड़, मराठा जलोनी, दिहसर, (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (योग इपसे उपावद अनुसुची में प्रौर पूर्ण च्या से बणित है) और जिसका जरारनामा आयजर प्रधितियम 1961 की धारा 269ज, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

कर पूर्वोज्ञस्य सम्मान के उत्तिष्ठ बाबार मुख्य से कम के स्थमान सित्पक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य बास्तिकों की, जिन्हें भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निल्मकिथिय ध्यक्तिक्यों, वर्षात् के—

- (1) मेसर्स ठाकोरभाई देसाई एन्ड सन्स । (ग्रनारक)
- (2) श्री विकम भ्रार० णरेख श्रीर ग्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह धूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बनत बम्मति के वृर्वत् के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावतयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 5, जो धीरज अपार्टमेंटस, वामणराव सांवत रोड़, मराठा कालोनी, दहिमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि क्रम स० ग्रई 4/37ईई/16170/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि उटी सहायक प्रायक अध्यक्त (तिरीक्षण) प्रजैन केंज-4, बस्बई

दिन^{रं}ः 2- 12-19**85**

प्रक्य बार्ड हो हर एवं

भावकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के भनीन बुन्ता

नारत चरकार

कार्यात्तव,, बहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनां र 2 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० भई-4/37ईई/16526/84-85---भत: मुझे ए० प्रसास

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

भीरज जिसकी सं० फ्लेट नं० ज 9, जो उसरी मंजिल, निर्मल निक्तन इमारत इक्ट्यू० एय० रोड़, दिहसर, (पूर्व) बम्बई — 68 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसजा जरारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के द्यायित्य में रिजस्ट्री है, तारीख — 4-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के बीचत वाचार मूल्य से कम के उत्स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थात करने का कारण है

कि सभाप्नोंकत सम्मत्ति का उपित नामार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रविकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के प्रश्नह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाना गया प्रतिफल, निम्मिसिक उन्दिक्त से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से क्षित किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सूचिका के निष्; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-न की जन्सरण में, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बबीतः निम्नीतिवित व्यक्तियों, अभित् लेल- (1) मेसर्सं कमल बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्री चांपणी खिमजीभाई गोगारी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अञ्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप हं--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विक की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्ति योक्ति व्यक्ति विक्ति विक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में क्यि-वर्ष किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिसिस में किए वा सकोंगे।

स्वक्वीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्रक्षों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सुची

फ्लैट नं० 9, जो 3री मंजिल, निर्माला निकेतन इसारत, उन्त्यु० एस० रोड़, दिहसर (पूर्व), बस्बई-68 में स्थित है। अनुसुची जैसां कि कम सं० श्रई-4/37ईई/16526/84-85 और जो लक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनोक 1-4-1985 को रजिस्ट के किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भाधुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

विनोक : 2-12-1985

श्रक्ष बाह्^{*}ः टी_ट एन_{स्ट} पुरुद्धः क्रम्मान्यस्य

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत सूचना

PRINT STATE

कार्यासय, सहायक मायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/16336/**84-85---**म्रतः **म्** ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे इसके प्रमात् 'उन्त अधिनियम' कहा प्या हैं), की धाम 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाबार न्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं किलंट नं मी/10, जो इमारन नं बी०-1, दिहियर श्री ग्रवधृत को० ग्रोप० हाउसिंग मोन यटी लि० छत्नपी शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबट ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणत है) श्रीर जिल्ला करारतमा श्रायकर गिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमल शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रविक्तल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का पल्छह प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्यस्थित (अन्तरितियां)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सन्द पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चित्र से उच्न अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बायबा, उक्का अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के काश्विक्त में कभी करने या उससे बचने में सूविका के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या भन या अन्य जारितयों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती बुनारा अकेट नहीं किया मना वा वा कि वा धाना चाहिए चा, कियाने में श्विमा के सिक्षः

वत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की वनुवरण वों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीव, निस्तिविवत व्यक्तियों, अर्थात् क्क— (1) श्री द्वारकानाथ सुवाम पडवाल।

(अन्सरकः)

(2) श्री मांताराम गोविन्द ठोंकरे झौर झन्य । (झन्नरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मात्त के क्वान के किए कार्चवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोध :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों धर स्थान की तानील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जनिथ नद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाखन की तारीच चे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए वा सकोंगे।

रक्किकरणः---इसमें प्रमुख्य सम्बंधित पक्षे का, को अक्य जीभीनजन, के अभ्यान 20-क में परिधायित ही, बड़ी वर्ष होगा, को उस अभ्यान में विधा भया ही।

ननुसूची

फ्लेंट नं० सी/10, जो इमारत नं० बी-1, **दहिसर श्री** भवधुत को० भ्रोप कहाउत्स्वग सोसायटी लि० छत्रपति भित्राजी रोड़ दहिसर (पूर्व) वस्बई--6के में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/16336/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्गई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी चेहायक आमकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज- 4 बम्बई

दिनांक : 2-12~19**85**

प्रकृत नाहरे . ही . एवं . एसं , -----

शावकार वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के वधीन स्थान

हारत बहुकार

कार्वासय, शहायकं वायकार नाम्यक (विरोजन)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बर्ष

ब्रम्बई दिनांः 2 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई--1/37ईई/16525/84-85----श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसफे प्रकार अकर अधिरियम कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, विसका अचित्र बाचार नक्ष्म 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, जो 5वी मंजिल, निर्मला निकेसन इमारत , इब्ल्यु० एस० रोड, टहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिस्ता करारनामा श्राप्तकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269√, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1+4-1985

को पूर्वोक्ष सम्परित के उचित वाचार मूक्य से कन के अवस्था प्रतिकास के सिए मंतरित की गई है जोर मुक्ते यह निक्षाय कार्य का कारण है कि वसाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाचार क्ष्म उत्तके अध्यान प्रतिकास से एंडे अवसान प्रतिकास का पत्त्रह प्रतिवात से विश्वक है और मंतरक (मंतरका) जोर बंबाएकी (बन्दारितवा) के बीच एंडे अन्तरण के सिए तव पांचा क्या प्रतिकास, निक्तिचित्त उद्देशन से उच्च कन्तरण कियात से शास्त्रीयक स्थ से अध्यान क्या कियात से शास्त्रीयक स्थ से अध्यान क्या कियात से शास्त्रीयक स्थ से अध्यान वाचा है अ

- (क) बन्तरण से हुद कियी शांक की बाक्ब, स्टब्स गांभानेयम के बभीन कर दोन के बन्तारक के शांमित्थ में कभी करने या उत्तसे बचने में सुनिशः के सिए; ब्रोर/मा
- (व) एंडी किसी नान ना किसी धन ना कम्य नास्थिएं को, जिन्हीं भारतीय नायकर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत नीधनियम ना धनकर नीधनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोधवार्ण अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया बना था ना किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

बतः स्व, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के बन्द्रस्य में, बी. क्वत अधिनियम की धारा 269-न की उपधार (1) को अधिकः, जिल्लीकीका अधिकार्थाः, अधिक 12--- (1) मेसर्स कमल बिल्डसं ।

(भ्रन्तरक)

(2) जवेरबेन विरजीभाई सावला ।

(भ्रन्तरिती) 🔨

को वह कुक्ता बाड़ी करके पूर्वांक्त कम्परित के वसंग के किए कार्वनाहियां कुक करता हो।

क्या बंदरित को अर्थन के संबंध को कोई भी काश्रोद :---

- (क) इस तूमना के रायपत्र में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन की समित या तत्संबंधी व्यक्तियों कर तूमना की तामील से 30 दिन की नविध, को जी जनभि नद में समाप्त होती हो, के भीतर गुर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत में प्रकावन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्बद्धित में दिखान स्थावर सम्बद्धित को किया जन्म स्थावर स्थावर सम्बद्धित को पास किया में किए या सकेंगे।

रक्कीकारण:---इसमें प्रयुक्त कको बौर पदो का, जो उक्त अधिनियम जै बच्चाय 20-क में वरिमाचित ही, नहीं वर्ष होगा जो जभ्याय में दिवा नवा है।

वनस्या

फ्लेंट नं० 15, जो 5वीं मंजिल, "निर्मला निर्देतन" इमारत डब्ल्यु० एस० रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िकम सं० श्रई-4/37ईई/16525/84-85 धौर जो अक्षन प्राधिनगरी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-4-1985 को रिनस्टई िय गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

मो**ह**रः

प्रस्प बाद्दे. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (गिरीक्षण)

यार्जन रंग-5. बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निवण मं० यई- 4/37ईई/ 16450/84-85 -- प्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यान उवत अधिनियम कहा गया हो), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यान करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंगिज जिसकी संब दुवान संव 3, संव जो तल माला, तंद धाम, इमारत अ तंव भाउमाहत पर रोड़, दिहसर (पूर्त), बम्बर्ड 68 में स्थित है (और इसमे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य से विणित है) और जिसान उत्तरनामा आया र अधिनियम 1961 की धारा 269 .. ख के अधीन बबर्ड स्थित सक्षम प्राधितारी के अर्थालय में रिजिस्ड्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वोद्धत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण ही कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अथके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रथिशत से आधक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तम पाया मास्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तम पाया मास्तिफल का पर से किथत नहीं किया गया ही:—

- ेंहाँ बनारण हैं हुई हिल्ली क्षाप्त की 2015 है कि अस्तिरक के अस्तिरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सूबिधा '४ लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किन्नि धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, दिएपाने में सविधा वै विद्:

णतः अब, उक्त अधिनियमः े धारा २८ . के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम क्ली धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत :---54 ---416GI/85 (1) मेसर्म बन्तानी एसोगिएटस ।

(अन्तरका)

(2) श्री अजनाल पी० पंढोार श्रांर श्रन्य ।

(भ्रन्तरितं।)

का यह सचना जारी करके प्वॉक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्वि से 45 विन की अविभ या जल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की नविभ, को भी अविभ नाद में क्लाप्ट प्रेती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में सं े के स्वित्स ब्वारा,
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा छंडोहस्ताक्षरी के पाव तिवित में किए जा सकरें

स्पब्सीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुभुची

दुशान नं ० 3, जो तल माला नंद धाम इमारत , भाउसाहब परब, रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई- 68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अस संब श्रई-4/37ईई/16450/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राप्ति शरी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिवस्टई िया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंच--4, बस्बर्ध

दिनांक : 2-12-19**85**

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निर्दाक्षण)

यार्जन रेंज-12, खम्बई

वम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई--4/37ईई16138/84--85---प्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी मं० दूरान नं० 2, जो तल माला, नंद धाम
इमारत, भाउसाहोब परब रोड़, दिहमर पूर्व), बम्बई-68
में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड यनुमूची में ग्रीर पूर्ण कप
से विणित है) ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम 1
1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्ट्रों है तारीख 1-4-1985
का पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह बिश्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकाँ) और उन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण निस्ति में
बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से **हुई किसी** आय की वाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएय में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मारविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण 51, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिणियित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मेसर्स दस्तानी एमोसिएटस ।

(अस्तरक)

(2) श्री रामिकगार जमना सिंह ।

(यन्त्रस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

दुकान नं० 12, जो तल माला, नंद धाम इमारत, भाउमाहोब परब रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रमुम् जैसा ि कम सं० भ्रई-4/37ईई/16138/84-85 थाँए जो सक्षम प्राधिः।री. बम्बई द्वारा दिनांः। 1-4-1985 को रिजस्टई िया गया है ।

ए० प्रशास सजस प्रधिकारी सहस्यकं आयक्त (तिरीक्षण) अर्जन रोज- 1. बस्बई

दिनों : 2--12-1985

प्ररूप भाइ .टी. एन . एस . -----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं 269-च(1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायस भावकार बाव्यत (निद्वीकाण)

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० ग्रई–4/37**ईई**/163**08/8**4**~85−-श्र**नः मृझे ए० प्रसाद

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार १69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लेट तंव प्/8, श्री 2री मंशिल, गृंलस्तात श्रपार्टमेंट, प्लाट तंव सीव टीव एसव 1053 एसव बीव रा दिहमर (पूर्व), बम्बई -68 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध/श्रमुची में श्रीर पूर्ण हम से विणित है) श्रीर जिसका घरार सामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269%, ख के श्रिधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

कत पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अतिरती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया थाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिंह;

कतः नश, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जमृतरण मी. मी. उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :-- (1) श्री अमीरअली प्रेमजी दोढीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कासमभाई मामजीभाई पटेल ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए/8. जो 2री मंजिल, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1053, मुजिस्तान श्रावार्टमेंट्स एस० ब्रि० रोड़, दिह्सर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं ।

ग्रनुसूची जगा कि क्रम मं० ग्रई-4/37ईई/1630884-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की र्राजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक ऋायकर झायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-4, बम्बई

दिनात : 2-12-1985

प्रस्प आहर्. टी. एन : एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/16389/84-85-प्रतः महो, प्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट मं० 6, जो, तल माला, राधाकृष्ण श्रपार्टमेंट, एस० त्रि० रोड. दिहमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणिन है), और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेथर्ग ठायर कल्पद्रवणन ।

(प्रतिभागः)

(2) डा० शैंसेंन्द्र कुमार जी० गायल।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्वाच यातलाम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्तिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिद्यम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 6, जो, तल माला, राधाकृष्ण भ्रपार्टमेंट, एस० त्रि० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रमुम्ची जैसा ि क० सं० श्रई-4/37-ईई/156389/ 84-85 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-4- । 1985 को रजिस्टई किया गया है।

> श्चर प्रसाद .सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्य आयुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रोज:-4, बम्बई-

दिवांक : 2-12 19**85**

प्रकप बाइ . टी. एन. एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज- 4, बम्बई बम्बई, दिनांद्र 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/16163/84-85- ग्रतः मुझे ग्र० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 11, जो, सुन्दरबाग को०-ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वि० रोड, दिहसर (पूर्व), वम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायं र ग्रोप-नियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दश्य पाया गया वितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित वहीं किया ग्या है है—

- पुँक) बन्तरण सं हुई किसी बाब का बाबत, उबल जीभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे वचन में स्विभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी सन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जामक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा की जिए;

क्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण से, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थाण ह (1) श्री बि० एस० विकासभन

(बंदरह)

(2) श्रीमती इत अशोब नेगांधी ।

(अधारिको)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

उन्त संपत्ति के अर्जन के संज्ञा में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्स्य की स्वितियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संभापत होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुवत कव्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैंट सं 11, जो, सुन्दरबाग को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० त्रि० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37 ईई/16163/84-85 ग्रौर जो सक्षव प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिवा है 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्रं० प्रस्**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज-4, वस्बई

दिनांक: 2-12-1985

प्ररूप आईं.टो.एन.एस. .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 २ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहायक आयकर आयक्तः (निरक्षिण)

श्रजीन रोजिं⊸ा. बम्बई

बम्बर्ध, दिनां ३ 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अही-य/37-ईही/16198/84-85 --श्रतः मुझे. अ० असन्दः

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप जिसकी मं० पत्रैट मं० जी०/2, जां, तल माता, दिह्मण संपीता वे(मायटी, वाय० अवप० तब हे लोड, हाफ प्राप्ठ ए० महाचे पोड, हिएस प्राप्ठ ए० महाचे पोड, दिहम । व्यवह 68 में स्थित है (श्रीप्रदेशमें उपाद्य श्रमुमूची में स्रीप्ट एण रूप में विणित है), श्रीप्रजिस । इराय-नामा प्राप्य उपविधित्यम । 1961 की वाप्त 269 उक्ष के अजीत, वस्प्रदेश मिलत । इस प्राधि उपी के अयीव में प्राप्य में प्राप्ट है। दिना उन्हों में प्राप्ट है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्षोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल निस्तिविक्त उद्देश्य में उक्त अंतरण किस्तित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहर्षं किसी अप की बाबल, उक्त अपितिबंद के अपित की दाने के सुन्द के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- ्तः एका स्मिनी अग्रव या जिसी धन या अन्य आस्तियां करी, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम,, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था., छिपाने के स्थाप के जित्रा;

क्तः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण माँ, जारा व्यथितिका की पाता 269-प की उपभाग (1) के अधीत, निम्सीलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

- (1) श्री राम प्रदाश जी**० गर्मा श्रीर अन्य** । (प्रान्तराः)
- (2) श्री वैकूठलाल मानूभाई मेहना । (ग्रन्सरिती)

को यह धूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नुर्वन् के सिष् कार्यशाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति ववारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास निस्त में किये का सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ----३ समें प्रय्वत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिशा न्या हैं।

अनसची

"क्लंट मं० जी -2, जो तत माला, दिहमर परिता सोला ईटी, बाय० प्रार० ताबहे रोड, श्राफ श्रार० ए० महाबे रोड, दिहमर (प) बम्बई-68 में स्थित ई ।

अनुसूची जैसा कि कम् सं० अई-4/37-ईई/16198/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिक्षारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> श्रव प्रसाद गक्षम प्राविकारी गहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रवंन रोज-4 **वस्यर्ड**

दिनांतः : 2-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेण सं० ग्रई-4/37—ईई/16161/84—85—-ग्रतः मुझे ग्र० प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फलैट सं सि० — 18 जो 4थी मंजिल दिहसर गीरव एच० एस० जोशी रोड दिहसर (पूर्व) बम्बई—68 में स्थित हैं (बीर इत्तरी उनावा वानुसुनों ने बीर पूर्व रूप से विगत हैं) ग्रीर विगत हरायाना वागार जीविता। 1961 की घारा 26 के खे अधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1—4—198 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह इतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त र्याधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री नेमकुमार कदूरपुरचन्द जैन

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती मुक्ताबेन पुरुषोत्तम भट्ट ग्रौर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी बरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजए में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फ़्लैट सं० सी०/18 जो 4थी मंजिल दहिनर गौरव एच० एस॰ जोशी रोड दहिसर (पूर्व) बम्बई-6के स्थित है ।

हानुसुची जैसा कि क०सं० हाई-4/37 ईई/1616 84-85 होर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां । 1-4-1985 को रजिजटर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4 बबई

বিনাত: 2-12-1985

प्रकार कार्य हो। एत , एस , क न व

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक अधिक र आयुक्त (निरीक्षण)

प्रणीत रीज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिगाँग 2 दिसम्बर 1985

निदेश स० अई-4/37-ईई/16369/84-85---अतः मुझे अरु प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्याद (उपत अधिरायम बहु पमा है), की भार 269 के के अधीर अपने अधिरायम कही की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप सम्पाय, जिल्ला अधिरा बाजार मुस्य 1,00,000/- राज्य से अधिराह है

ग्रौर जिसकी सं ० दुकान सं ० २०. जो तल माला, तन्य धाम इमारत, भाउराहेब रोड, यहिसर (प), वस्त्रई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध शत्सुकी से ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका वरारनामा शायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 वस्त्र के अधीन, वस्तर्थ स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-4-1985

कां प्रजीवत सम्बीतः के जीवत बरशार मुख्य है कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि लगापूर्वित सम्पत्ति का हिचत आजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिष्ठन से एवं दर्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निक्तिविवत उद्वेषण से उन्त अन्तरण क्लिक्त में सास्त्रिक हम से स्थित नहीं किया गया है

- (क) मतरण हे हहाँ कि ही भाग भी बाबता, जनत गिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए भेट/या
- (ल) ऐसी किसी नाय था किसी भन या जन्म आस्तियों का, जिन्हों भारतीय काज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए या खियाने में सुजिधा के नियह

अतः सबः उकतः अधिनियम की भारा 269-म के बन्धरण के, में, अकत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीर निम्नसिखित व्यक्तिये अर्थात् ः— (1) भेवर्ष दलानी ग्रासं। विरुद्ध ।

(अन्तरक)

(2) श्री रानकुमार परवानी सौर अन्य । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शूरा करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वोगे।

स्थव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुस्ची

"दुकान सं० 20, जो, तल माला, नन्द धाम इमारत, भाउसाहेब परव रोड, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क०सं० ग्रई-4/37–ईई/16369/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

श्र० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4 वस्वई

दिनाँक : 2-12-1985

१क्ष वार््ट<u>ी एन एस -----</u>

आयुक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत स्रकार्

कार्याच्य, सहायक अध्यक्त र वागुक्त (निरक्षिण)

म्पर्जन रेंज-4 अम्बर्ध बम्बर्ध दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश स० प्रई-4/37-ईई/16673/84-85-प्रतः मुझे, प्र० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त अधिनियम' तथा गया हैं), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट मं० 44/बी, जो, 4थी मंजिल, "चन्द्र-लोक" इ मारत, फाट जिसका सर्वे सं० 918, जे० एस० रोड, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनौंक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्थ्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्याक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यान प्रतिफल का बन्तर प्रतिपति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के यीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्वेष्य से उस्त अंतरण निम्नलिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंक्षेद्रका से हर्द किसी बाय की वायत्। खब्य अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे क्वारी को लिविधा के सिहर; और ीत
- (प) एसी किसी बाब या किसी अन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय तथ्य जिस्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जगा स्पेष्टण था, रिज्याने में मुस्या के भीका;

बता अब उक्त विभानयम की धारा 263 ग के अनुसरण के, वै, ज क्ल विभानियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के विभान, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--55--416GI/85

(1) श्री प्रविनाश एम० खिरे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शाँतीनाथ डी० पाँगरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार्री कहके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन की लिए कार्यपाहियां करता हुं।

जबता सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति ब्वाडा, स्थाहस्ताकरी से पास निवित में किए जा स्कीर।

स्मान्धीक दुण: - प्रसमें प्रयुक्त कर्ना और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

"फ्लैंट स० 44/बी, जो, 4थी मंजिल, "चन्द्रलोक" इमारत, प्लाट जिसका एस० सं० 918, जे० एस० रोड, दिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बद्ध

दिनाँक : 2-12-1985

प्ररूप कार्ह_ा दी_ं पुन<u>ः</u> पुरा_{क्रम्म}----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~ 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं ० ग्रई-- 4/37-ईई/16341/84-85--- ग्रनः मुझे, ए ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाह कचने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, श्रानन्द को०ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कार्टर रोड सं० 4, बोरिवली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावध् श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनाँक

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंदृष्ट अतिरात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्षेष्य से उक्त अन्तरण शिविद्ध में बास्तविक रूप से कोंकत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः को बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; मीर/था
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा की प्रस्तुः

अक्षः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) श्रीमतो एस० एव० चीहान ग्रीर ग्रन्थ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रंजना यार० पडुकोन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकों मे।

स्पच्छीकरण:--इससे प्रय्वत शब्दों और पक्षों का, जो जकत अधिनियमा, के अध्याय 20-क सें परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

"क्लैंट सं० 4.1, जो; 4थी मंजिल; ग्रानन्द को-ग्राप॰ हार्जिस सोक्षायटी लि०, कार्टर रोड सं० 4, बोरिवली (पूर्व); बस्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं 35-4/3716341/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र॰ प्रसाद पक्षम प्राधिकारी, सायक स्रायकर श्रायक्च (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-4, वबर्ड

दिनाँक : 2-12-85

क्ष्मण बाहु हो की प्रवास प्रवास

आयुक्ट अधिरित्यस, 1961 (1961 का 43), की बाडा 269-ल (1), की अभीन सुनाना

भारत सरकार

क्कायांस्य सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-4, अम्बई

वम्बई, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16448/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कहा, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाकार भूस्य ;

1,00,000/- रा. से अधिक **हैं**

ग्रीर जिसकी मं० फ्वैंट सं० वा 26, 2री मंजिल, पनपंन, दौलत नगर रोड मं० 3, मी० टी० एग० सं० 2544, प्लाट सं० 26, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इसरो उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एम से विणित है), ग्रीर जिनका करारनामा ग्रामकर श्रविनियम को धारा 269 जब के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1984,

- (क) अन्याप्त वे शुक्ष विश्वकी आय को बाव्य उपन व्यक्ति शिव्यक्त के बचीभ कर वेथे के अन्याप्तक के वाजित्य के कारी क्ष्म वा उसके स्वतं में शविषा के लिए; बीट/शा
- (क) एखी किसो बाद या किसी धन या जन्य वास्तिकों को, बिन्हें बारतीय वाय-कड़ विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनक विधिनयम या पनकड़ वृत्तिग्रिय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ ब्लिएसी युवास प्रकट रही किया ब्या वा वा बिह्या बासा आदिए वा, कियाने में ब्रियम के बिस्

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, जनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विकास किस्तु व्यक्तियमों कु अधीन विकास किस्तु व्यक्तियमों किस्तु विकास किस्तु विका

(1) श्री लालिब हुसैन कस्तूरी ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती वि० जे० दलाल ग्रीर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अम्मित ली अर्जन के दिसप्र कार्यवाहिया चुक करता हूं।

उन्हर सम्परित को वर्णन को सम्बन्ध में क्योर्ड भी आक्ष्मेप 🏗---

- (क) इस त्यमा के राजपन में प्रकासन की ताड़ी से 45 बिन की जबरिभ या तत्यंत्री व्यक्तियों वस स्वाम की तामील से 30 बिन की जबिंध, यो भी अपिथ या में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी प्रविश्व दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में फ़ित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकता ।

स्यव्हीकरण ः—-इसमें प्रेमुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उवत अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही क्यें होगा. वो उस अध्याय में दिया गना है।

मन्स्यो

"फ्लैंट सं० बी-26, जो, दूतरी मंजिल, समर्पन, दौलत नगर रोड सं० 3, सी० टी० एग० सं० 2544, लाउ सं० 26, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कर मं ई4/37-ईई/16448/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है !

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4 **बस्बई**

दिनौंक : 2-12-1985

। इस्प बार्ड्य दी_य एव<u>ं पुर</u>ुव-----

आयकपु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) खे अभीन स्वना

मारत चरकार

कार्यालयः) सहायक भायकर नायुक्त (निर्देक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/16666/84-85---ग्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्री जिसकी मं० फ्लैट सं० ई/1, जोतल माला, नेनसी काम्प्लेक्स को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनाक 1-4-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में ।।स्तिपक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत , उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया ना सा स्थित जाना जाहिए जा, जियाने में सूर्विधा ने लिए;

जतक अव , उक्त जिमिनियम की धारा 269-च के अनुसरण हाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के को अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ध—

- (1) श्री नरसिंह लक्ष्मण शेंट्टीगर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एरा० ग्रारं० वालमे ग्रारंथी पी० एस० वालमे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तिः को वर्जन क् लिए कार्यवाहियों शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सक्षेगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिवा यया हैं।

अनुस्ची

ज"पलैट सं० ई/1, जो, ता पाला, नेनसी काम्प्लेक्स को०→ ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, वेस्टर्न एक्छप्रेस हायवे, बोरि-विली (पूर्व), तम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क्र० मं० श्रई-4/37–ईई/1666684–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 1–4– 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

प्रसम् जार्डः दी. एन. यस

नायक्र विधिनियम । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के नेधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आवकर आयुक्त (विरक्षिण) अर्जन रेज-4, वस्बर्ध

मई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-4/37-ईई/16432/84-85--- स्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

वाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रभिक्तरों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,99,009/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 601, 603 स्रौर 609 जो, रोजन अपार्टमेंट, प्लाट सं० 468, 4था कस्तूरवा रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से बणित है), स्रौर जिसका करारनामा आपकर स्रिधितियम, 1961 की धारा 26 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985,

का प्रांवित सम्मत्ति के उचित काजार मृत्य से काम के व्यवसान्
प्रतिकत के सिए जंतरित् की नद् हैं करें मुक्ते वह निश्वति करने का कारण है कि सक्तपूर्वोक्त सम्मत्ति का उन्नित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे दश्यमान प्रतिकत का नलाइ प्रतिकत से निश्च हैं जोड़ नंतर्क (जंतरकी) और जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे नंतरण के जिए स्थ पाया गया प्रतिक स्थ निश्नितियाँ उद्वोद्य से स्वत जंदरण कि सित में नास्तिया का सिकत नहीं किया नदा हैं

- (क) अन्तरण त हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भक्तर अधिनियम, या भक्तर अधिनियम, या भक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, जिनाने में सुविधा के सिर्दा;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निक्मीजीसत क्यींसक्तयों, अर्थात् :--- (1) रांशन इण्टरप्राथजेस

(अन्तरक)

(2) श्री रविवदन वि० शहा और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सुजना जल्दी करेबो पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्षन के सियु कार्यवाहियां करता हो।

चनत सम्परित्र के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्मेप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के दाजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्नवस्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उच्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्यी

"फ्लैट सं० 601, 603 श्रीर 604 जों, रोशन श्रपार्टमेंट प्लाट सं० 468, 4था कस्तूरका रोड, बोरिवली (पूर्व), कम्बङ्गे स्थित है ।

प्रनुसूची जैंसा कि कि० र्स० प्रई-4/37-ईई/16432/ 84-85 प्रारं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-4, वस्बई

दिनांक : 2-12-1985

महिर:

प्रकम आहें टीं प्रकार १४ वर्ष व्यवस्थान

मायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की जास 269-म (1) के संधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक माथकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई--4/37--ईई/16536/84-85 प्रत:

मुझे, ए० प्रसाद, आसमाद, अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00%/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पर्लैट सं० 605, जो, 65ी मंजिल, प्रताप अपार्टमेंट्स, तीसरा वार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), /भीर जिसका परारनामा अध्यार अधिनियम, 1961 की की धारा 269 कुछ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुप्यभाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके उपयमान प्रतिफल से एंसे उपयमान प्रतिफल के बेहर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षम , निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क), बुन्तर्भ से हुंद्र' किसी नाय की बाबत धक्त निर्धानयम के निर्धान कार दोने के बन्तर्क वी कायित्व में कमी करने ना उससे यजने में सुनिधा के निए; बॉए/था
- (च) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियों, कां, चिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती धुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभा के सिक्ष

कता कव, उक्त जिथितियम की धारा 269-म के बनुसर्थ में, में उक्त जिथितियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बी० एस० तलकार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी० ए० थोरात।

(ग्रनिरती)

ार्थ स्था जारी कर्फ वृत्तीवट एञ्प्रित के वर्षन वे दिवप कार्यवाहियां करता हो।

जन्म क्रम्रित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई ही बावांद्र--

- (क) इस्त सूचना के राज्यक में प्रकासन की राष्ट्रीय से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिश्व बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इमारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्सि में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रिशियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस जुध्याय में दिया गया है में

प्रनृषुची

"फ्लैंट सं० 605, जो, 6ठी मंजिल, प्रताप श्रपार्टमेंट् तीसरा कार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है। श्रमुसूची जैटा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/16536/84-

85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ाराजा चना छू

श्र० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्र ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-4, **बस्ब**ई

दिनांक : 2~12~1985

प्ररूप आर्ष: टी. एन . एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्सर्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई- 4/37-ईई/16487/84-85-—श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

वायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इत्यों इसके परवात् 'उन्तः मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सवाम प्राधिकाणी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्बन्धित, विस्तवा अवित शायाद मुख्य 1,60,000/- का. ते अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं ० दुवान सं० 4, जो, हरेश शार्षिण मेंटर, दौलत नगर रोड सं० 3, बोरिवली (पूर्व), वस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प से बिणत है), श्रीर जिसका शरारनामा श्रायकर अधिनियम , 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्टी है, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पर्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पम्बद्ध प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में सारविकल क्य से क्षित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कनी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) हिंसी किसी बाब ना किसी भन वा बन्य बारितकों का, ज़िन्हों भारतीय बायकार अधिनियम 1922 र्वे 1922 का 11) वा बनल ऑस्ट्रीयसर्व, या अधिनयम के अधीन कर दोने के अंदरण को दायिश्व
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उन्त औधनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मंं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) ■ बार्षति, निकारितीशत माद्वितायों, सर्थात ६(1) श्री एन० एच० हेराई

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० ए० गिल्ल और श्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी क्रुके पूर्वोक्स संवित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बाधीय है 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिसबीं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस क्वारा;
- (क) इस सूचका, के क्षणका में प्रकाश की स्थानिक है 45 किया के भीकार जन्मत स्थानक सम्मानिक में किया बद्ध कियी जन्म कानित द्वापा अभोहरताकारी के यह सिक्ति में किए आ सकारी।

स्वाक्ष्मीकरणः:—-इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ और पर्दी का_ल जो जवन वरिश्रीयवर्ग के बध्याय 20-क में वरिशादित हैं बही वर्ष होना को उन्ह वध्याय में दिका भवा हैं।

मपसची

दुक्षान सं० 4, जो हरेश मापिंग चेंटर, दौलन नगर रोड़, सं० 3, बोरियली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ऋनुसूची जैसा कि कि नं अई-4/37-ईई/1648क/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि तारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण),** श्रर्जन रोंज--4, **बस्बई**

दिनांक : 2-12-1985

प्रकृष काइ . बी. एन . एस . ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज,- 4, अम्बई अम्बई, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई-4,37-ईई,16449,84-85--- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान सं० 25, जो, तल माला, दामतानी पार्क इमारत, वेस्टर्न एक्सप्रेस हुम्बे, कांदिवली (पूर्व), बम्बई—101 सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प्य में वर्णित है), अश्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की यारा 269 कल के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1985, क्यें प्वेंक्त सम्पत्ति के जिपन बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रहिक्त के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवत उद्वर्ष्य से उक्त अंतरण कि सित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्पित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भजकर अधिनियम, या भजकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भे तिए;

गतः जन, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनसरण में. में उक्त जिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निरामिसित व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) मिसर्स दात्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीजी० जी० शर्मा।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्ट सम्पत्ति को बर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपृति के लगान के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्साक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जनस<u>्य</u>

'दुकान सं० 25, जो, तल माला, वास्तानी पार्क इमारन वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, काँदिवली (पूर्व) बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16449/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टड किया गया है ।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी ्सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−4, बम्बई

दिनाँक: 3-12-1985

प्ररूप बाइ", टी एस, एस. - - -

गयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

फार्यास्य, सहायक आयकर आय्क (जिरोधण)
श्रर्जन रेंज-4, बस्बई
बस्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निर्देण मं० ग्रई-4/37—ईई/16335/84—85—ग्रतः मुझे, ए.० प्रसाद,

कायकार सीधिनियम, 196) महास्ता का 43) हिन्य इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो।, की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम कारन का कारण हो कि स्थायर सरपत्ति जिसका उपित बाधार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 22, जो, साई कुपा को०ग्रॉप० मोसायटी, उहाणूकर बाडी, नौदिवली, बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रतृसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्त्री है, दिनौक 1-4-1985

को प्रविधत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथाप्रविध्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, ज्यक दृश्यमान प्रतिफल स एमं उश्यमान प्रतिफल के उन्हर प्रविश्वात स अधिक है और अन्तर्य (बन्तरकों) और वृद्धिति (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निस्नितियों उद्देश्य से उस्त अन्तरण निर्मित्वत संविद्ध से उस्त अन्तरण निर्मित्वत से वास्तरिक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, जकत विभिन्निक के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करों के उस्में उनते के शृण्यि के लिए। आहु/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारताय अध्यक्त आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्याण प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था जिलात में मोजना के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों. अधीत् :---56---416GI/85 (1) श्री डो० एस० राव ।

हुमस्तरक)

(2) श्री श्रार० एम० लांगेकर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी का 45 दिन की अविध या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों कि सूचना की शामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड आफिश्चों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः----६समे प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उत्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभागिक हुँ, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय मा विक गया है।

वन संभी

"फ्लैंट मं० 22, जो, साई क्रिया को० श्राँय० सोप्तायटी लि०, इहाणूकर वाडी, कॉदिवली, बम्बई-67 में स्थित है। श्रिनुसूची जैपा कि ऋ० सं० श्रई-4/37—ईई/16335/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्र०प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रा युक्त (निरीक्षण), ग्रर्णन रेंज-4, अस्बई

दिनांक : 3-12-1985

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बस्वई

बम्बई, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/16218/8 4-8 5--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर आंधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल प्रकार अंधानियम, महा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 346-ए, जो, प्राण कुटीर, एस० सं० 65, एच० सं० 1, राम गल्ली, ग्रॉफ एस० वी० रोड काँदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्री है, विनाँक 1-4-1985.

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह दिश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिक इस से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण मंद्र किसी नाम मी नावता, द्वार अधि-निमम के नवीन कर दोने के जन्तरक के कशियक में कभी कारों या इसमें दूसने में मीन्यत के जिए; कार/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या क्या आस्तियों का, जिन्हें प्रारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ना अधिनियम, आ धनकर अधिनियम, आ धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुनरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, शिपाने ने भ्रियों के सिए;

बतः बन, उक्त ाधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) ने नुधीन, निस्त्रजितित व्यक्तियों, वर्धीन ः—

- (1) मिसर्स अजय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भारतीबेन एच० लाल । (अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके प्रतित्व सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप :--

- (क) इस त्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शैतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्वयमीकरण:--इरामें प्रवृक्त शन्यों आर प्रदों का, जो उक्त अधिनयम, ये कथ्याय 20 व में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा या उस अधाय में दिया नया है।

ग्रन् सूची

प्लॉट सं० 346-ए, जो, प्राण कुटीर, एस० सं० 65, एस० सं० 1, राम गल्ली, भ्रॉफ एस० वि० रोड, कॉदिवली (प), बस्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16218/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 3-12-1985

शक्य बाह्री ही , इस हम स्थाप स्थाप असर

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षामांसम, महायक मायकर आयक्त (निर्देशक)

श्रजंन रंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 3 दिशम्बर 1985

निर्देण मं० श्रई-4/37-ईई/16053/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात चित्रक अभिनियम अहा गया है), को भाग 369 ज के गणीन सक्षम प्राणिकारों को, यह विश्वास करने का काश्चा है कि स्थापर मपिल जिसकर स्थित काथार मूट

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 53 जो, 65% मंजिल, बी--विंग, दात्तानी स्रपार्टमेंट सं० 4, पारेख नगर, एस० वि० रे.उ. हो दिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (स्रौर इत्रथ उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधितियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित शक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1985.

को पूर्वोक्स संपत्ति के बिक्स का गर्द हैं कीर मुक्त यह विश्वास करने का करण है कि स्थाप्तिक सम्मास का अभित हायार करने का करण है कि स्थाप्तिक सम्मास का अभित हायार मुख्य, उसके क्यम्पान प्रतिपत्त से, एसे क्यमान प्रतिपत्त हो पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितेयों) के बीच एसे संवर्ण के लिए तम पाना भेंदा प्रिक्त का निक्तनिया क्यूबेक्स से उसके कन्तरण निक्रित में अधि कि स्पृष्ट के किस कुछ के किस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ स सूचे किया अध्य का सम्बंध अध्य विधिविश्व के अधीन कर वामें के अव्ययक वर्तपत्र के क्यी करने या सत्तव वचने में सुनिधा के लिए, वीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों का, धिनहां भारतीय आयकार गीनीनाम. 1927 (1922 का 11) या जवत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधापनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट हों। दिया प्रका का या किसाने में सुनिधन के लिए;

अस. ३ व. तथत अधित्यम की भाषा १**६६० व की धन्मपण** में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के बधीन, निम्न<u>ि</u>संखित व्यक्तिसीं, अर्थात् ३—

- (1) श्रीमती वि० जी० खंडेलवाल ग्रोर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) मैपर्स एक्सेल बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

की मेह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की अर्थक का निक ा ाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आयोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांध स 45 दिन को अविभि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को सामील सं 30 दिन को अविध, आ औ विभि वाद में स्थात होती हो, के भीतर पृथेविश व्यक्तियों ने स किसी व्यक्ति स्वादा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर मध्यत्ति में दिलबब्ध पितसी अन्य व्यक्ति व्यास अधिहस्ताक्षरी के बाद विचित्त में किए जा सकींचे ।

स्पन्धीकरण --इसमी प्रयूक्त शब्दी गीर पद्दी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी विका गरा है।

श्रनुमुची

फ्लैंट सं० 63, जं।, 65। पंजिल, बी-विग, रातानी अपार्टमेंट मं० 4, पारेख नगर, एय० वि० रोड. कॉदिवती (१), बम्बई -67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई—4/37-ईई/16653/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985को रॉजिस्टर्ड किया गया है ।

> ्र० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त '(निरीक्षण) त्राजैन रेंज−4, **बस्बई**

दिनाँक : 3-12-1985

प्रकृतः बाइँ. टी. एन . एक . -----

शासकर सौंधीनयत, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के संधीत स्वामा

मारव बरमार

कार्याचय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37ईई/16454/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), की भार 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को रह विश्वास करने यह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलैट सं० 21, जो, दूसरी मंजिल शिव दर्शन, शंकर लेन, काँदिवली (प), बम्बई-67 में क्रियत है (ग्रौर इससे उपावद मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है),

जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम

1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल स्था पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्थ बाया गया प्रतिपत्त, निम्नतिश्वित जन्तरण से सिए स्थ विश्वात में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबसं, सक्य अधिनिक्य के बाबीय कर दोने के जन्तरक के वाजित्य के कामी करने ना उनस अकरे में साजिया का भाषा: और/भा
- (क) एंती कियी नाव वा किसी भव वा अन्य शास्तियों को, विन्हें भारतीय नाव-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उपत निभिन्यम, या यम-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया पाता पातिस्स था, कियाने वें नृतिधा के सिक्धा

कतः वयः, उपत निभिनयमं की भारा 269-ग के जन्सरण को, मी, अकत निभिनयमं की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखतं व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भिमर्स एक्सेल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रलाल वि० झटाकीया ।

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारी कारके पूर्वोक्त बंदिस के वर्जन के विद् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

स बस संपरित के बर्जन के संबंध में काई भी जासीप एं--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स्व 4 45 दिन की बदिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बदिश, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी वन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए या सकतें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्ष का, को अवस्थ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा ंगे हैं.

नव्यूची

फ्लैट सं० 21, जो,दूमरी मंजिल, णिव दर्णन, णंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

त्रनुसूची जैंमा कि कि० मं० ग्रई-4/37-ईई/16454, 84-85 क्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टडं किया गया है ।

ए० प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 4-12-1985

मोहर .

प्रकप बाह् . दी. एन्., एन. --- (1)

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीम सूचना

मारत चरकाह

श्रियां लय, सहायक जायकर अध्यक्त (निर्वाका) श्रिजेंन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई--4/37-ईई/16455/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रचलित्य कियानियम बाह्य गया है), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उषित वाषार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लाट नं 12, जो, पहली मंजिल, शिव दर्शन, एस. वि. थी. रोड, म्यूनिसिपल गार्डन के सामने, कादि-वली (प), बम्बर्ध-67 मों स्थित हैं। और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित हैं। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। तारीख 1-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तर सितात से मधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ठय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिसित उद्वंध्य से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिक हम्म स्थ से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क) अभ्यारण से हुए किसी शाय की बाबत, उक्त स्वीप्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कनी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग गा किसी भन मा अन्य जास्तिन को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनीय जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना वाहिए था. कियाने में मिनिशा वी किए।

अक्षः अव, उक्त विधिनवन की धारा 269-न के वन्तरक में. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अकृति :--- (1) मेसर्म एक्नेल बिल्डर्म।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती ज०के० झटाकिया ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करने प्वॉक्त सम्पत्ति के नर्जन् के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षीप :---

- (क) इस स्वाना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकरी के पास निवित में किए का सकींगे।

स्थब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बां नीर पदों का, वा सकत जिभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा वो उस अभ्याय में विका वया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 12, जो, पहली मंजिल, शिव दर्णन, एस० चि०पी० रोड, म्युनिसिपल गार्डन के सामने, नादिवली (प), बम्बई 67 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37 ईई/16455/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकृष काही, टी एक, एस

आधकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्याक्यः, बहानक भागकर यागक्त (निरीक्षण)

श्चर्गन रेंज 4, बम्ब**६** बम्ब**६, दि**नांक 3 दिसम्बर 1985 निदेशमं० श**६** 4/37 **६६**/16451/84 85 श्रवः मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकार सं० 7, जो, तल गाला, णिव तिर्थ पांकर लें . कॉलिवली (प), जन्मई 67 में लियत है (और इसो उत्तराखा तुसूती में जो पूर्ण कर ने विणित है), और जिसका करा लोमा जावकर प्रियित्सिम, 1961 की बारा 269 कुख के अधीक, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिलाक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित आजार मृत्य से कम के अध्यक्षक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथायूवांकि संपत्ति का किवल शिकार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंबई प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (कन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तम पाया गया प्रकित्क निम्तिति से वहरोग से उक्त अन्तर्भ विविध में बक्त- विवध कम ने प्रथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुए के कि राम के बाबत उपस्य अधि चित्रक को सभीत कर का के प्रसाध के अधिक की सभी कर्नु मा समसं बचन में सुविद्य के किंद्र भार/मा
- (क) ऐसी किसी आय में किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 , (1922 का 11) या उन्धा अधिनियम, के पन कर अधिनियम, के पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किये. गवा था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

मत: अम उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मी, मी, उक्त अंबिनियम की भारा 200-घ ति उपधारः (१९ के सभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभात् :--- (1) श्री ए० प्रा५० संस्था।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० बी० शिमावत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वासोग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की बविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में संकिती व्यक्ति बुकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अक्षोहस्ताक्षरी के पास निर्माण में किया आ सकती।

स्पष्टीकारण -- इसमा प्रयुक्त भान्यों नीर पत्रों का, भी जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मों परिभाषित हैं, वहीं कर्भ द्वांगा को उस अध्याद में विका ार, ही

प्रनुसूची

दुकान मं० 2, जो तल माला, शिव्र तिर्थे, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई 67 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि गं श्र श्र 4/37 ईई/16451/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिशंक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्वत रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनांक : 3-12-1985

प्ररूप आई .टी.एन.एस.----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत संस्थार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

याजी रेंज-4, वस्वई वस्वई, दिलांक 4 दिसस्वर 1985 निर्देश सं० यई-4/37-ईई/16621/84-85 - त्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार ज्ला 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लाट नं 4, जो, तल माला, विनय इमारत, वत्सल को-कांप हाउसिंग सोसाईटी लि. सर्वों नं 89, एच नं 5, 6, 7, बांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) अधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का (16) के और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वितिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उपित बाजार दृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्णल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्णल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिष्णल, निम्निलिखत उद्देश्य से उपन मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुइ कि सी शाय की लाउत, उक्त सींभिनियम के सभीन कर दने के अन्तरक सी दायित्व में क्यी करने ॥ उदमें अभने के पृष्ठिका के लिए; बीर मा/
- (भ) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य बारिस्त्या को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिल्हाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :— (1) श्रीमती गंगा मंजूसिंग ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० डी० महता और प्रन्य ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना वाही कर्यों पूर्वोक्स संपर्ति के वर्षन के लिए कार्ववाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सर्वध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किस जा सकता।

स्पव्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्यां और पर्दोका, को उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समाहि।

मन्य भी

फ्लैंट सं० 4, जो, तल माला. वितय इमारत, वत्सल को०-ग्राँप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, सर्वे सं० 89, एच० सं० 5, 6, 7, कांदिवली (प), वस्वई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई- 4/37-ईई/16621/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को अजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सयायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

वक्ष बाह्र टी एन १ए६

बायकर ब्राधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-4, बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1986

निर्देण स० भ्रार्थ-4/37ईई/16561/84-85---श्रनः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लाट नं. 7, जो, जे-24, महाबीर नगर को-आंप हाउसिंग सोसाइटी लि. इहाण्कर वाडी, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं। और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण व्यप से वर्णित हैं। अधिकारों के कार्यानय बम्बई में रिजिन्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. स के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारोस 1-4-1985

का पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अल्प, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्यितिषात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण दिखित के जम्माजिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुइ जिसी माय की बाबता उक्त बीधितयम के जभीत कर दीनें की जनसरक की हायित्व में कमी करने या उसमें बाजमें में सुविधा के लिहा बीद/या
- (ख) एंसी किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नतः अव. उन्त निधिनियन की भारा 269-न की जन्मरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री दिख्य मी० दोशी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एच० एस० बडोदारीया श्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह शुभना वारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति से नर्पन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की सवींध, को भी सवींध नक के समाप्त होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्तिय बनाय:
- (म) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्वकटीकरण :-- इतमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभावित ही, वहीं कर्य होगा की उस अध्याय में विद्या उ गुक्षा है।

अन्स्ची

फ्लंट नं. 7, जे-24, महावीर नगर को-आप. हाउसिंग सोमाइटी लि., इहाणुकर वाडी, कोदिवली (प), बंबई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसा की क. सं. अई-4/37-ईई-16561/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-4, बस्बई

दिनां ए : य-12-1985 -------

प्रस्प बाइ . टी. एक. एस . -----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोप-4,

बम्बई, दिनां ए 4 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० श्रई-4/37ईई/16445/84-85—श्रतः मुझे। ए० प्रसाद,

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 19-बी, जो मधुरिमा की-श्रांपव हाउसिंग सोसायटी लिव, एमव जीव रोड, छादिवली (पव), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिस त करारनामा आयकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 एख के श्रीधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है दिनांस 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरितयों) के धीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किया गया है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप } वात्रता, उक्श अधिन नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भं) ऐसी किमी आय या किसी धन या जन्त शास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण लें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) हरे अधीर जिल्लीमिकत व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त 57---41601/85 1. श्री कें शाया दाणी।

(अन्तरक)

 श्री वि० जी० शहा और श्रीमती एस० वि० गहा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यशाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप 🤃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्बक्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाख तिश्वित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त विश्व-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही जर्य होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

वर्ष्य

फ्लैंट नं ं 19-बी, जो मधुरिमा को-ग्रांप० हाउसिंग सोमायटी, लि०, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैगा कि कि सं श्रई-4/37ईई/16445/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्रकृष् वार्षे , ठी, एक ्रस् अ-----

बाधकर अभिनियम,; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारुव वरकार

कार्यां नय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षक) भ्रजन रेज-4,

वम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985 निदेण सं० श्राई-4/37ईई/16333/84-85--श्रतः मुसे श्र० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास कर्ज़ने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,09,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अस्पति, जिसका सर्वे नं 20, एवं नं 5, मीं टीं एसं नं 695, व्हिलेंज, पोईसर, वेस्टर्न, एक्सप्रेस हायवे के पास, कांदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपावढ श्रमुग्ची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका कराएनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई म र्जिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्त्रमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विवदास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अस्त्रमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाग म्मा प्रतिफल निम्नसिलित उद्वेष्य से उन्त बंतरण निविष्य मों वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के श्रुभीन कट्ट योगे के ज्नारूक के व्यक्तिस्थ में कमी करने या उससे बतने में सृतिभा के लिए; शर्ट/बा
- (स) एसं िकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा चे स्टिप्न (1)

प्रतः शब्द, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—∾ 1. श्री जे० एफ़० मुर्झेफ़ली।

(ग्रन्तरक्)

2. मैं असं एच० घ्रो० एम० इ० प्रायवेट लि०। (ग्रन्तिरिती)

को वह भूषना थारी करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के वर्षन के दिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

जनत सम्पत्ति के अर्धन के सम्यन्ध में कोई भी आर्क्षण :---

- (क) इस न्या के राजपुत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि स्थित्यों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व स्थित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक के 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्म व्यक्ति इताय अधोहस्ताक्षरी के पास शिसिख में किए का गर्कोंगे।

अमुसूची

सम्पत्ति जिसका सर्वे नं 20, एच० नं 5, सी० टी० एस० नं 695, व्हलेय, पोईसर, वेस्टर्न, एक्सप्रस, हायवे के पाड, जांदिवली (प०), वस्वई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/16333/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक 4-12-1985 मोहर: प्ररूप आइ ें, टी. एन.. एस्..-----

अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण); श्रजीन रेजिन्य,

बम्बई, दिनांकः 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/16048/84-85—-श्रतः मुझे; **श**० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० ए, जिस्सा सी ० टी ० एस० नं ० 2 श्रीर 3, सी ० एस० नं ० 106 श्रीर 107, क्हिलेज, कांदिवली, बोरिवली, तालुका, बस्वई में िथन है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कर के ६ फिर है) श्रीर जिसका एगर-नामा श्रायक्तर श्रीधिनियम, 1961 की नद्यापा 269 एख श्राधीन बस्बई स्थित क्षम प्राधिनारी के सार्यात्व में एजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विक्ति में बारतियक रूप से किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुन्द्रं िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— ा. श्री एस० एय० मज्लपानी, ग्रीट रास्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० बी० नहार ग्रीर ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्शिक अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिरीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्यवित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

प्रनुसूची

प्ताट ए, जिसका सी० टी० एस० नं० 2 और 3, सी० एस० नं० 106 और 107 विहलेन, गांदिवली, बोरिवली तालुका, बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कर संश्वाई-4/37ईई/16048/84-85. श्राँप जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4 बम्बई

दिनांक 4-12-1985

कार्याचन् रहायक जावकर आवृत्त (नि<u>र्रा</u>क्षान)

श्रर्जन रेज-4.

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्राई-4/37ईई/16157/84-85—श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

आयकट विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संसम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो तल माला, गंगा, सेवा कुड को-श्राप० हाउसिंग सोयायटी लि०, मथुरादास कास रोड, नं० 1, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 जं, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्रत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्ति त व वास वास वासतिक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ब्रुश्यरण **वे हुन्दै किन्दी जाग की** वास्तान जनस्ता बीधिनिवृत्र के बचीन कर दोने के जनसङ्ख्य के बादिल में कानी कराने वा वसने न्याने में बृधियरा के हिन्दुः। और/या
- ्ल) एमी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वाडा प्रकट नहीं किया ज्या वा या किया जाना जाहिए था छिपान के सुनिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री एवं एवं वोटा धोर श्रीमती (१० एवं वोरा (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एच० ग्रार० गृहा ।

(भ्रन्नरिती)

को वह स्वता धारो करके प्वॉक्स सम्परित के वर्जन के तिहा कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कें अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस मूचना के राजभन्न में प्रकातन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील हे 30 दिन की जवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हे किसी व्यक्तिय ब्वास;
- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितवयूथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही रार्ण प्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [i]

अ**न्स्**ची

दुशान नं० 7, जो तल माला गंगा सेवा कुंड, को-स्राप० हाउसिंग सोपायटी, लि०, मथुरादाप कास रोड, नं० 1, कोशिंगनी (४०), यम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुमुची जैसे कि क० सं० श्रई-4/37ईई/16157/84-85 श्रीर जो स्क्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बस्बई

दिनांक 4-12-1985

माहर 🔞

प्ररूप आहर्ः टो. एन .एस . -------

आयक र अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांश 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई-4/37ईई/16367/84-85----अतः मझे अ० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 65, जो, 65ी मंतिल, जी० के० नगर, इमारत, नं० 3, गंगर, छेन, कादिवली (प०), बस्वई-67 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुभुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के प्रधीन बस्बई स्थन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त मम्पित के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खावा नाहम्मदुल्या, खाना

(अन्तरक)

2. नै तसं जी० के० डेबलपमेन्ट, कारपोरेशन,। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ्रीतए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्नेट नं ० ५६, में: ६ ी अंभिल, जी० के० नगर इमारत नं० 3, णंफर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुभूजी जैसा ि कि मं श्राई-4/37ईई/16367/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा, दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ०, प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-4, बम्बर्ड

दिनांक : य-12-1985

माहर 🛭

1-4-1985

प्ररूप आहूर .टी..एन..एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांछ 4 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्राई-./37ईई/16351/84-85---ग्रनः मझे, ग्र• प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं॰ ब्लाक नं॰ 12, जो 2 री मंजिल, बी-विंग, दिन्ती को-आप॰ हाउसिंग सोसायटी लि॰, श्राक्त ली रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपादद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अणित हैं) और जिस का कारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है दिनांक

क्षे पूर्विक्स संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

 श्रीमती एक्ष्ण तीव राना श्रीर श्रीमती यूव बीव राना

(भन्तरक)

2. श्री एच० एल० राना ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ब्लाक नंव 12 जो 2 री मंजिल बी-बिंग दिप्ती को-आप्रव क्षात्रींका को समझी क्रिक आफर्ली योड अंदिवली (पूर्व) बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-4/37ईई/16351/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> म्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूप आहर् .; टी. एन. एसा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजै-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई-4/37ईई/16045/84-85---केतः **मर्से,** ग्र**ा**० प्रसाद

कायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारों को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 9, जो 1 ली मंजिल, डी विंग, बोनाझा, इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रशोरु चक्रवर्ती, रोड, कांदिवली (प०), बस्वई-67 में स्थित (प्रीर इसने उणबद्ध श्रनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ने विंगत है) ग्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 एखके केंधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांछ 1-4-1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिकस के निए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसित उद्देषय से उक्त अन्तरण कि निम्निस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्कत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्म सलिम ए० प्राथवाला।

(श्रन्तरक) 2. मौससं रिक् फलैक्सो।

(भ्रत्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

जनसर्ची

यूनिट नं० 9. जो 1 ली मंजिल, डी-विंग, बोनाझां, इंडस्ट्रियल उस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रतुभूची जैप्ता कि ्क्र० सं० श्रई/37ईई/16045/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-4, **बम्ब**ई

दिनांक: 4-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर व्यक्तिका । 1961 (1961 का 43) की धारा पूर्व प के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बास्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4,

श्वम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० ग्राई-4/37ईई/16543/84-85---श्रतः मुङ्गे ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको मं० जमीन का हिस्सा जो, कान्हेरी, जिसका सी० टी० एस० नं० 553, 55% और 555/1 से 11, बोरिवली, अम्बर्ध में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 259 क ख के अधीन बम्बर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नंदह प्रतिकात में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: बाब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—

1. गोयल बिन्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. मैं सर्स श्री णिवत, हाउसिंग एण्ड डेबलपमेन्ट, प्रा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धे में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पात लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित हों, वहीं अधि हागा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

धनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो , कान्हेरी सी० टी० एस० नं० 553, 554, और 555/1, से 11, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० ष्राई-4/37ईई/16543/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 4, बम्बई

दिनाक : 2-12-1985

प्ररूप बाद. टी एन. एव. -----

भायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुखना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनज रेंज-4,

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० भ्राई-4/37ईई/16541/84-85---- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर शिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह दिस्त्राय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धावार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

अौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-12, जो साबरमती को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि० प्लाट नं० 200, 201, रोड नं० 10, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में जो पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के श्रिधीन बम्बई स्थित राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 1-4-1985

को प्रेंचित संपरित के उपित गाजार मून्य में कम के श्रामान प्रितिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रेंचित सस्म्पति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल कप से अधित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के बायित्व में कमी करने या उससे उसने में सुविधा के लिए; और/या

खतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को जाधारा (1) के अधीन निम्नीलिश्वत क्यक्तियों, जाधीन : क- 58—416GI/85

1. श्रीमती जयशी, पी० दोशी।

(ग्रन्तरक)

2. जे० एन० दवावाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के सिए कार्यवाहिया द-क करता हुँ।

उबस सम्पत्ति को अर्थन की ग्रंगि में कारि भी आक्षेप हु--

- (क) इस सुपना के राज्यभ में अकाशन की तारीय है 45 विक की उभी। या कर्मवेगी कावित्यों पर सुपना की तामील से 30 विन की अविभ, वो भी अविभ नाद में नमाप्त होती हों, ये भीतर कृषीका स्थानित राजने 100 कि मार्थित क्रांका
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशक की तारी से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्मीत में दितवष्प फिसी अन्य व्यक्ति हैं पास सिमित में भिरंद का सकींगे।

स्पद्धीक्षरण: -इश्में गाय्वत अन्दी और पद्मी का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क भी गरिभाषित भी को समाय भी दिया

अनुसुखी

पलैट नं० वी-12, जो सावरमती को-ग्राप० हार्जीसम सोसायटी लि०, प्लार नं० 200, 201, रोड नं० 10, दीजन नगर बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक स्रायकर प्राय्वन (निरीक्षण)
स्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्जन्यः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4,

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० श्राई-4/37ईई/16641/84-85--ध्रत:, मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीण जिसकी संव फ्लैट नंव ए/10, जो 2री मंजिल, राजदीप, कस्तूरबा, कास रोड 1, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-195

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी इस्य की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीर न्यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ::— 1. श्रीमती एन० डी०, भेहता।

(ग्रन्त रक)

2. श्रीमती ग्रार० एस० दोशी, और मन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्लाक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्यारा क्षोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पलैट नं ग/10, जो 2री मंजिल, राजशिप, कस्तूरबा कास रोड 1, बोरिवरली, (पूर्व), बम्बई, -66 में स्थित है। प्रनृसूची जैसा कि क० सं० प्राई-4/37ईई/16641/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 2-12-1985

क्षम् बाहु[®]् हो_ल पुष_ल पुष्_{लन्स}

भावकर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-म (1) के मधीन बुवना

कार्याभय । सहामक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० श्राई-4/37ईई/16567/84-85—श्रत: भुझे ए० प्रगाद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य, 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं पर्लंट नं 28, जो 1ली मंजिन, ए-7, इमारन, रत्तन नगर, प्रेमजीनगर और दौलन नगर के पास एस व्यो रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उजित बाबार मृस्य से कन के व्यवसान प्रतिकल, के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके व्यवसान प्रतिकल से, एसे व्यवसान प्रतिकल का पन्तह अस्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिशिवत उव्योग से उक्त कन्तरण जिनित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तद्वन से हुइ किय़ी बाय की बावत उपय किथिनियन के कभीन कर दोने के नन्तरक के कामितक वें क्रांती करने वा उसने वचने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (क) होती किसी भाव वा किसी वन वा अन्य आस्तियी की, जिन्ही भारतीय जायकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या भन-कर अभिनियस 1957 (1957 का 27) के अवीजनाय जन्ति दिया प्रकट नहीं किया व्या वा या किया जाना चाहिए था, कियान वें ब्रिया की जिल्हा;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों। अर्थात् ह

1. मैसर्स परम ग्रानन्द बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती डी॰ एम॰ देसाई।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथावत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वन्त कर्नारत के वर्णन के बानगर में माहि भी जानेय हु-

- (क), दुस सूचना को प्राचनम् को प्रकारक की ताड़ीच हो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण क्ष्मि प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 28, जो 1ली मंजिल, ए-7, इमारत, रत्तन नग प्रेमजी, नगर और दौलत नगर के पास, एस० वि० रोड, बोरियली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

श्रानुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/16567/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रिमस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 2-12-1985

मोहर 🕻

प्रारूप जाइं.टी.एन.एस.-----

ब्रायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानम, सहावन्त मायकर लायूक्स (विशीयम)

सर्जात रोज-४

बम्बई, विशांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश रां० आई-4/37ईई/16505/84-85--प्रत: मुझे ए० प्रसाद

नामकर प्रिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के संधीन सक्षम प्राण्डिकारी को यह विश्वास करने का कारण है थि। स्थापर सन्यशिः विशाधा सीवरः सामार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुवान नं० 4 जो हल माला ए-28 इमास्त रत्तन, नगर, प्रेमजी नगर और दौलहा नगर, के शस, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर जो पूर्ण, रूप से बिणत है) और जिसका करानामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कर के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक

को पूर्वा क्य सम्परित के उपित जाजार ब्ल्य से कम के स्थयभाव श्रीतफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्के यह निववास **कर**ने का कारण हैं कि स्थाप्क का स्थाप का उचित बाजार ब्रुक्य , उसके धरणमान प्रतिस्तर है । १ व धरपवता प्रतिसन का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और 🧼 क (अन्तरकों) और अन्त-रिस्ती (क्लिसिसे) क क्षेत्र एकं बन्दरण के लिए उन पाना गया **प्रांतफल** जिल्लाचित अध्योग है इस्त अन्तरस्य रिगस्ति में बास्तविक रूप हां कवित नहीं किया गया हूं ह--

- [का) अन्यास्य ६ (द्वर्ष किया को वाचन , जनव आधीनमा उन्हार कर दर्भ के बाररक के शामित्य व क्यों बहने या उपने व वचने वे व्यविधा क विकास अर्थन वर्ष
- (७) एसी किसी बाद वा किसी यह या अन्य बास्तियों का, जिन्हीं भारतीय बावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसट अधिनियम, या भव-भार मोच्चित्रमें , 1957 (1957 मा 27) व प्रयोचनार्थ अंबर्रिको पुनराव प्रकार नहीं किया गया था था किया जाना माहिए था, कियारे में श्रीवया के निए:

बहुः एव, उस्त वीशीनश्य की भाग 269-र के बन्धरण के, के, बहुत भौगीवर्गन की राज १८६ व की तस्पाध (1) हो अपीन , निव्नति विषय करिताया, अवस्ति :--

1. मैसस परम ब्रानन्द बिल्डर्स प्रायवेट लि०.

(ग्रन्तरक)

🕝 2ः श्री अरिवन्द कुमार राज पूरोहित ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना नारी कारके ग्योंक्ट सम्पत्ति के बर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हूं ।

सक्त सम्मरित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्थाना की राजपण में प्रकाशन की तारी**व है** 45 दिन की गविष या रत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड स्वता की अमीन से 30 दिन की ब्रमि, बो भी व्यविश्वाय के समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकि व्यक्तियाँ में से निसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस स्थना के उजन्य में प्रकाशन की तारीय से 45 दिल को भीतर उक्त स्थावय सम्पति में हित्बबुध बिली धना व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास धिवित में किए का सकति।

स्मिन्द्रीकरण (कन्द्रमाँ अध्यत सन्दर्ग मीर पर्यो का, सा उन्त क्षीन्यम्, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष धोना को उस अध्याय में विवा

दुकान नं 4, जो तल माला, ए-28, इमारत रत्तन, नगर, त्रेम जी नगर, और दीलत नगर, के पक्ष, बोरिवली (पू०); बम्बई-66 में स्थित है।

ग्रन्स्ची जैसा कि कि० सं० ग्राई-4/37ईई/16565/84-85 भौर जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 2-12र1985

मोहर 🖫

मुक्य मार्'्टी ्एन् एस् ्रव्यावनवानवान

जाबकर जीभीनयस, 1,961 (1961 की 43) की धारा 269-म(1) के जेभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकार नायुक्त (निश्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4,

बम्बर्ष, दिनांत 2 दिसम्बर, 1985 निदश सं० अई०-4/37-ईई-16146 84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 55, जो 3री मंत्रित, 8-9-10 इमारत रत्तत, नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुवी में ग्रीर जो पूर्ण क्य से विणित है) ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रीधितियम 1961 की धार, 269 कख के ग्रवीन बम्बई स्थित सक्स प्राविक गरी के कार्यात्य में रिकस्टी है दिलांक 1-4-1985

की प्रतिमत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निश्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्द्रक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्द्रक के सिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नीनिवत उद्देश्य से उद्देश कराएण लिखित में धास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है है-न

- (क) अन्तरक से हुं के किसी आय की बाल्ट, उपत्र अधिनियुत्र भी क्यीम कर दोने के अन्तरुक औ यानित्यु में कानी करने ना उत्तरे तकने में सुविधा के लिएह कोट/पा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विमही भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधि-विगय, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तिति ब्राह्म प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना जाहिये था, हिस्सा में सुविधा में लिए;

बतः अंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स परम जानन्द बिल्डर्स प्रायवेट लि० ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एए० ए५० सोनकील्ली।

(अन्तरिती)

को नह स्थना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के वर्षन के बियु कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उसत् संपरिता के नर्जन को संबंध में कार्य भी भाकाप :---

- (क) इस सुनना के राजपत्र में त्रकासन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद मं समाप्त होती हो, को भीतर प्रोक्त जिल्हा में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क स 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए का सकतेंगे।

ह्य्योकरणः व्यनमं प्रयुक्त प्रत्यां भार पदां का, जा उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन् स्ची

फ्लैंट नं० 55, जो 3री मंजिल, 8-9-10 इमारत, रत्तन नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसुचा जैसा कि कि कि साँ आई-4/37ईई/16146/84-8 और जो सक्षम प्राधि तरी बम्बई द्वारा, दिनां । 1-4-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयागर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, बस्बई

दिनांक : 2-12-1985

मोहर 🥫

प्ररूपः आर्दः टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजीन रेंज 4,

बम्बई, दिनां ह 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-4/37ईई/16392/84-85 ---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरी 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० जमीत का हिस्सा, जो पोईसर, विहलेज, कांदियला (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपादद श्रमुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 का धारा 269 क सके श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मोनोदा हेन्सीग्ज ग्रांस ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स रोझ बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध जिली अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ----इसमे प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अमृस्ची

जमीन का हिस्सा जो पोईपर व्हिलेंज, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है। सीठ रीठ एसठ नंठ 118 है।

अनुमुची जैसा ि क० सं० आई-4/37ईई/16392/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज4, **बम्बर्स**

दिनां क 4-12-1985 मोहर : सक्य आर्ड ् टी.. प्तः एक , क्लाक्क प्रकार

ब्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्थाना

भारत बहकार

कार्यासय, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1.

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेण सं० श्राई-4/37ईई/16109/84-85—स्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 8, जो 1ती मंजिल, जीर्तिंग, बोनान्सा, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक अप्रती रोड, धांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं (प्रीर इस्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 266 क्या के उधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजिस्टी दिनांक 1-4-1985

- की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान हितिक स के सिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, ऐसे प्रथमान प्रतिकल का बल्कह वित्रका से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अल्किरिविक्तें) के बीच एसे अल्बारण के लिए तम् नाया, गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक कम से कथित नहीं किया गया है हिल्ल
 - (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की धायत, उक्त जिमान के जधीन अर दर्भ के अन्तरक के वासित्य में कमी करने ये, उद्यश करने में सुविधा के सिए; और्/मा
 - (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्षिपाने में सुविधा के सिए;

भारा जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री एस० एन० कोहली।

(भ्रन्तर हः)

 श्रीमती उपावेन, एषा पटेल झार झन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीवत सम्मत्ति के अर्जन के निष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें
 45 दिन की जनभि का तत्श्रम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी
 कनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों को
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस बूचना के सचपन में प्रकाधन की बारींच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-ब्द्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा जकोंगे।

स्वक्रीकरणः -इसमें प्रश्नुवत सन्दों और पदों का, जो अवस निवास, को अध्याय 20 को में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता को उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं ० 8, जो 1 ली मंजिल, बोन श्रन्झा इण्डस्ट्रियल इस्टेट श्रमोक चक्रवर्ती रोड, ांदिवली (पू०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसा कि कार्न श्राई-4/37ईई/16109/84-85 श्रीर जोज सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई गिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहस्य अत्रयहर ऋत्युक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रोज-4, क्षम्बर्ध

दिनांक 4-12-1985 मोहर: श्रक्ष ाहै टी एवं एवं कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-थ (1) के अभीत सुर्यात

प्राहत सहसार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/16360/84-85---- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्तार मूल्य 1,00,000/- रु. ये अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बंगला नं० 2 (ग्राउन्ड--2), जो जी० के० नगर, इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बर्थ्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उधाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कर ने विणित हैं) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रीवित्समा 1961 की धारा 269 कल के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमार प्रतिफल को लिए अंसरित की गढ़ हैं और स्कों यह विश्वास इंदने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित याजार दृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के दृष्यमान प्रतिफल के दृष्यमान प्रतिफल के दृष्य प्रतिक्त से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) जार अतिरत्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए सथ पाया द्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उदत अन्तरण निश्विस के बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं 3—

- (क) मन्तरम चे शुक्ष विकास अस्य की भावया, उनस जीयनियम के बागीन कार योजे के शानरक के बाविस्त में कभी कार्य या समसे वचने मी कृष्टिना के लिए; और/मा
- (भ) ऐसी किसी आय वा किसी कन या जन्म वास्तियों की चिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहीं हुए था, छियाने में सुनिधा के िए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स ॐ अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- भौरासं श्राधिश गन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के० सी० सागर श्रीर श्रीमती एच० जे० सागर (श्रन्तश्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हं---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारींस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए आ राक्षेण।

स्थान किरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बा और पर्या का, जो उनत निर्माणियम के नध्याय 20-क में परिभावित हैं नहीं नर्थ होगा को उस जध्याय में विश्वा गया हैं॥

मण्डा

वंगला नं० 2 (ग्राउन्ड---2) जो जी० के० नगर इसारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प०), वस्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/16360/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गर्या हैं.

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

्रिनोक 3-12-1985 मोहर अ

प्रकास साह*. टी. एस. एस. ००० - ००००

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) को बंधीन बुधवा

III TEN

कार्यालय, सहायक नायकर वाय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज-1, वस्बई वस्वई, दिनां हे 4 दिसम्बंग 1985

निदेश सं० म्राई-4/37ईई/16137/84-85---म्रतः मुझे ए० प्रसाद,

नावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, विसका उपित बाबार मूख्य ..00,600/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 203, जो 2री मंजिल, जी० के० नगर, इमारत सं० 2, शंकर लेन, शंदिवली (४०), बस्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिल्ला श्रीरनामा आयार प्रशिक्तियम की धार धारा 269 ाब के श्रवीन वस्बई ्स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

का पूर्वेक्त तथ्पति के जीवत बाबार मृत्य से कम के ख्रामान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंगप्त्रों कि मंदित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रामान प्रतिफल से, एसे खर्जनान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ट से अधि क है है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे भन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नीलिखित उन्द्रक्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित का एसे ग्रंग गया है :---

- (कः अन्तरण में हुएं किसी आयं की नावल, उचके गंभीनगम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी अरमें या उसके बचने में मृतिभा के लिए । १८४०
- (क) ऐसी किजी जाव था किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-रार्थ अस्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया गया था चर्चक्रिया जाना वाक्षिण् था कियाने के मुविधा औ लिक्ट;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क. में जक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) ने प्रार्थन जिम्मिलि**बिक व्यक्तिकों, अधीत्** 3— 59—416GI/85 ाः मैसर्स भाशिश इन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तर्क)

2. श्री ए० के० शहा श्रीर श्रार० ए० शहा । (भन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के निष् कार्यवाहियां बुक् करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पन्नियों कर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर वृश्वीकर स्वान्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार देशा :
- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाय वधाहस्ताक्षरी को पास निवित्त में किए वा सकींगे।

स्वक्षाकरण — इसमें प्रकृतः शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्यम के अध्याय 20-क में पीरभाषिठ ही, वहीं कर्य होगा, जो उन अध्याम में दिया बदा है।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 203, जो 2री मंजिल, जी के० नगर इमारत नं० 2. अंक्रर लेन, लांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० छई-4/37-ईई/16137/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज-4, बम्बई

दिनां ह : 4-12-1985

प्रकप बार्या ठीः, प्रमाः, प्रमानन्यसम्बद्धाः

बाधकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धाल 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत बारकार

क्तर्याचन . बहायक नावकर नाव्यत (निर्याक्त्र)

ध्रर्जन रॉज-4, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

नानकार निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत निभिनितम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थावर सभ्यक्ति विश्वमा उपित वाबार मूल्य 1,00000/-रुट वे मिशक है

श्रीर जिसकी सं० भनेट नं० 2, जो मुन्दरम इमारत, एस० वि० रोड, फ़तेह्बाग, वादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की गारा 269 कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पृत्रोंक्य संपरित को उचित बाजार मूल्य से काम को शरममान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई

हैं और बुने बहू विश्वास करने का कारण हैं कि अधाप्तोंकत सम्मित का जीवत बाजार मून्य, जतके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिबद्ध से मिक हैं और मंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (मंतरितमों) के नीच एसे मंदर रण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, मिम्मितियस उद्देश्य से अवत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया हैं:---

- (क) श्रन्तरण श हार्ड किसी बाय की बाक्त, उत्तः की सीनाम के अधीत पर प्रोपेट अन्ताक की वायित्व म कमी करन या उससे बचन यो सुनिया के सिस्, ४३/बा
- (भ) ्मी किसी अध या किसी पन या अन्द आस्तिशों को, जिन्हों नारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, पा धन कर अधिनियम, पा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्नियों इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिल्हा जाना नाहिए था, खिलाने में भृतिभा के सिए;

तर २४. उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग की बनुसरण हो, मी अन्त अधिियम की भाग 260-च की उरभाग्य (१) के प्रधीन, निम्तिसिध्श व्यक्तियों, अध्ित् :--- मधर्स विलोश अन्स्ट्रमधन्स कंपनी , ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती मंजुला एल० तिबेदी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वार्शप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अदिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील को 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में है किसी स्पेक्ति इवादा;
- (श) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी जन्य व्यक्ति क्वारा जभोहस्ताक्षरों के पाल किसिस में किए या मकोंगे।

स्वक्शीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वो का, को उनके विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो मुन्दरम इभारत, एस० वि० रोड, फतेड्झाग, ठांदिबली (प०), बस्बई-67 में स्थित है।

श्रमुस्त्री जैसा कि कि ने सई-4/37ईई/16439/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्रका बाह् , टी. एन. एव ,-----

बे।वॅक्टर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन नुवता

नारत सरकार

कार्यान्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० बम्बई-4/37ईई/16532/84-85-- प्रनः मुझे. ए० प्रसाकु,

नायकर मधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्व 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-43, जो ।ली मंजिल, श्रमृतनगर, मल्लीना को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, लि०, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ने विणित हैं) श्रीर जिसवाद रारनामा श्रायत्र श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 हुख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाकार बूस्य से कान के क्षत्रभाल विकास करने का कारण है कि वकायुनीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार करने का कारण है कि वकायुनीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार बूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंवरण के किए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्योदय से उक्त अन्तरण कि वित वै वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से शुर्व किसी काय की बाबय, उक्त बिपिनिवृत्र के ब्यूपीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कार्यी कारने वा उसने बचने में सविधा के लिए। और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सूनिया के लिए;

कतः: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती पी०पी० मोरजारीया।

(भ्रन्ते र हा)

 श्रीमती शहा रेनुका किणोर ग्रीर श्री शहा किशोर ठाकरणी

(भ्रन्तरिती)

को वह व्यवा बारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्क तज्जित के अर्जुन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षा : ---

- (क) दस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व है 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ जनिए को में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां हुवाना;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष किसी व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के शस शिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाचीकरण: -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदा की, आ उच्च विधिनियम के विध्याय 20-के में परिभाणित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उसे अध्याय और दिया गमा है।

मनुसूची

फ्लैंट नं र्मा-43, जो । ली मजिल, श्रमृतनगर, मल्लीना को-ग्राप० हार्जासंग मोक्षायटी लि० एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), वर्म्ड-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैगा ि क० सं० श्राई-4/37ईई/16532/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

दिसांक 4-12-1985 मोहर:

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 विसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई-4/37ईई/16108/84-85---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,009/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० डी-7, जो 1 ली मंजिल, बोनान्झा इंस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती वेन, रोड,कांदिवली (पू०), बम्बई-6101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रिजस्ट्रा है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और मंतरक (भंतरकों) और मंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्वविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरकृतं सुद्धं किसी बाय की बावतः, उपस् विभिन्नयः के अभीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्थ मा कसी करन या उससं अचन में स्विधा के निए, और/या
- (थ) एस किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त जींधीनियम की धारा 269-ग के अन्तरभ मों, मौं, अञ्चन अधिनियम की धारा 269-घ की नप्रशासा (1) को अधीर, रिम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात :-- श्री एस० एन० कोहील ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पीर एच० गुढका ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यागः;
- (क) इस स्वना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीसं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिशिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट, नं० डी-7, जो 1 ली मंजिल, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, भ्रमोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसू ी जैसा कि ऋ० सं० श्राई-4/37ईई/16108/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 4-12-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, निकि 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई-4/37ईई/16481/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ग्रपार्टमेन्ट, नं० 3-डी/302, जो 3री मंजिल, पारस नगर, शंकर केन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीनन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिका ों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का किंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० जे० भिडे।

(भन्तरक)

2. रिमी एम० एच० शेठ, और श्री एच० एम० शेठ (ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

श्रपार्टमेन्ट, नं० 3-डी/302, जो 3री मंजिल, पारस नगर गंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-37ईई/16482/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

वक्ष बाही थीं एन एस . ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यांनय, सहायक बायकर बायक्त (किरक्षिक) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई--4,37--ईई/16091/84--85----- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें ध्रंसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं एपटेंट नं 68, जो, 1थी मंजिल, सत्यम इमारत, एप० बी० रोड़ फतेह्बाग, काँदिवली (प०), वम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान व्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर नृष्टे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वें कित संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफ ल्नीम्नलिखित उद्वेदय से उच्त अन्तरण विविक्ष में बास्तियक रूप से कथित नहीं विश्वा गवा है:—

- (क) कस्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त प्रधिताल के अपोन कर धन के अन्यक क दायिक माँ कमी करमें या दससं बचाने माँ सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अधीत्:— 1. मेसर्स जिलोक कस्स्ट्रम्शन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री एच० पी० डोलिकया ग्रौर ग्रन्य

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत स्थितिकों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विने के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलंबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पहर निकास में किए का सकेंगे।

स्वयोकरणः — इसमे प्रयुक्त व्यक्तों और पदां का, जो स्वतः अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में किन्न, वसाहै।

मम्स्ची

फ्लैंड न० 68, जो, 4थो मंजिल, सत्यन इमारत एप० वि० रोड़, फतेहबाग, क्रांदिवती (१०), प्रश्वते-७७ में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि कि मं० श्रई-4/37-ई5/16091/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1--4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

एऽ प्रमाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे→1, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

क्षम् वार्<u>ष</u>्टी पुरम् पुरस्वारमञ्

बायफर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में बधीन सूचना

नारत संस्थार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-हेंहै/16616/84-85---श्रतः मुझे, ए० प्रस्तद,

कायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 4, जो, 1ली मंजिल, हेरमेस श्रार्टमेंटन, मलजी नगर, एस० वी० रोड़, काँदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इपम उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राथकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पृथिनित सम्मत्ति के उणित बाबार मृश्व से कम के स्थान प्रतिकत के निष् बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृश्य उसके रहममान प्रतिकत्त सं, एसे सम्मान प्रतिकत का प्रवृह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण को लिए तब पाया गया प्रतिकत्त का, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बन्तर-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की यावत, उनके अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने मा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/सा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिवीं को, जिन्हों भाइतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, जिपाने में सूर्विभा के सिय;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कं अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :— 1. मिसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स

(अन्तर्ह)

2 श्री एस० हेनरी डिसोजा और रीटा डिसोजा (अन्तरिनी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीयत संपृत्ति के वर्षम के जिल्ल कार्यवाहियां सूच करता हूं।

डक्स संपत्ति को कर्षान को संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जनभि ना तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, को जी नवधि नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किस का सकी नै।

स्पाचित्रकाः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उचत किंतियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में दिया गवा है।

अन्यूची

फ्लैंट नं० 4, जो, ाली मंजिल, हेर्मिस अवार्टमेंट्य, मलजी नगर, एस० बी० रोड़, शाँदिवली (प०), त्रम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-4/37—हिई/16616/84–85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनाँक: 3~12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रैंज-4, बस्बई
बस्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निदेश स० ग्राई-4/37-ईई/16617,84-85--ग्रातः मुझेँ; १४० प्रसादः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, 5वीं मंजित, हैरमेम ग्रापटमेंट, मुलजी नगर, एम० बी० रोड़, कौदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और एणं रूप से वर्णित हैं। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के. से के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीस 1-4-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके खरयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेनर्स कनटिक ट्रेडर्स

(अन्तरक)

 सनंदा डी० ठाकर ग्रौर हीराबाई एस० ठाकर (ग्रन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक्षरणः---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया,-गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, 5वीं मंजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंट, मुलजी नगर, एस० बी० रोड़, कॉदिवली (प०), बम्बई-67 में में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16617/ 84-85 श्रौर जो सक्षम पाधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> य्र० प्रताद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, यम्बई

दिनौंक: 3-12-1985

प्रस्था आहें, टी. एन , एक. - - -

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा % ५२ व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरोक्षण)

श्रजंन रेंज- 4, बम्बई बम्बई, तिनाँक 3 दिसम्बर 1985 निदेश मं० श्रर्ड-4/37-ईई/16553/84--85---श्रनः मुझे, श्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत औधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिग्नकी सं० माला नं० 114/मी०, 1ली मंजिल, सर्वे नं० 191 (ग्रंग), 816 (ग्रंग), हनुमान नगर, बाकुर्ली विलेज, काँदिवली (पूर्वे), बम्बई—101 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद ग्रानुस्वी में ग्रीर पूर्ण कर से विणत है), ग्रीर जिसका कराजनामा ।ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 है, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में जिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेकित सम्पत्ति का विश्वास मुख्य उसके रायमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिष्ठत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अत्तीरीसयो) के बीच एसे अन्तरम के लिए तम पाम प्राप्ति कत, निम्नलिखित उद्योख से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या वृद्ध कर स्थानियम, या वृद्ध कर स्थानियम, या वृद्ध कर स्थानियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जना जा हुए कर, क्रियारों के प्रियोज

में, में, उक्त वांशीनयम की धारा 269-व में मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेनर्भ अनुवार बल्स्ट्रक्शन कमानो

(भ्रन्तरक)

मनर्स नेशनत इंजीनियरिंग कार्परिशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी कारकी पर्योक्षत उपरांग्स के अर्जन के तिक् कार्यमाहियां करता हुए।

स्वत सम्पत्ति कं वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीष से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध यांव भी समस्त होती हों, जो भीतर प्रविकास की सिहत में ने किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ए) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शिवर जनत स्थायर संपत्ति में क्रित-श्रद्ध किसी जन्म क्षिण प्रवार, अधायुम्ताकरी के पास । जिल्ला के किस का क्ष्मां ।

स्मर्द्धतारणः — इसमें अयुद्धत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधितिसम की अध्याय 20-क मां परिभाषित हो, तही अधी, होगा जो उस अध्याय मीं विया करा हो।

अनुसूची

माला नं० 114/सः, जो, ाली मंजिल, सर्वे नं० 191 (अंग), 816 (प्रंत्र), हनुदान नगर, श्राकुर्ली विलेज, कादिवली (पूर्व) में बर्ल्याई -101 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैला कि कि सं ग्रई-4/37-ईई/16553/84-85 श्रीर जो अक्षम अधिकारी, बम्बई ढारा दिनाँक 1-4-1984 5 की रजिस्टर्ड विया गया है।

> ग्रं० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह ग्राय हर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज−4, बम्बई

दिनाँक: 3-12-1985

मोहर ः

इक्य बाह्र . टी . एवं . एवं . -----

भायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भावकर बाय्क्त (निर्देशक)

भर्जन रेंज-1; नई दिल्लो

नई विल्लं विनौक 4 विसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-4/37-ईई/16184/84-85--ग्रतः मुझे, भ० प्रसाद.

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इत्तर्धे इसके परचाल् 'जनत विधिनियम' सहा नया हैं), की बारा 269-च के बधीन संजय प्राधिकाड़ी की, यह विश्वात कड़ने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उद्भित वाधाड़ जून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 3, जो, तल माला, श्रीजी अपार्ट-मेंटस, सीटीएस नं. 166/166/1, मालाड (उत्तर), होमूक-लानी मेन रोड नं. 3, इराणीवाडी कांदिवली (प), बंबई-67 में स्थित हैं। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। तारीख 1-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मृख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिप्क्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाद्य करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिप्रत सं,

होसे ध्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिकत उपहोचा के जनत अंतरण तिस्तित में बास्तिबक रूप से किमत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबता, क्या अधिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दिवस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भर या भन्य नास्त्रिकों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिरा या धनकर अधिनिरा या धनकर अधिनिरा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया मधा था या किया जान वाहिए था, छिपाने में सविधा के निष्ट:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-नर के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नतिषिक व्यक्तियों, जनकि क्रिक् 1. श्रीमती एल० के० सुबा।

(श्रन्सरक)

(2) श्री बी. जी. बेनीराम दारजी और अन्य । (अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पत्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

दुकान नं 3, जो, तल माला, श्रीजी अपार्ट में टम, सीटीएस नं 166/166/1, मालाड (उत्सर), होमूकलानी मेन रोड नं 3, इराणीवाडी, कांदिवली ($^{\circ}$), बस्बर्ड $^{\circ}$ 67 में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-4/37—ईई/16184/84—85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1—4—1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ग्र० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 4-12-1985

मोहर 🛭

GAT TIET. E. . QT . QT . CT.

भारतकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) का पाछ 269-म (1) के वधीन भूजना

TIES STREET

कार्यालय, अहायक आसंकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 4 बम्बई बम्बई दिनौंक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई- 4/37-ईई/16044,8 4-8 5--**मतः मुझे** भ० प्रसाद

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिए इसमें इसके परनात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च में अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थानर सम्मित्, जिसका उपित बाजार नृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. आँद्योगिक यूनिट नं. ए-43 जो बोनान्का इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 1ली मंजिल चञ्चती अशोक रोड़ काँविवली (पूर्व) बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अभिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, सारीख 1-4-1985

नी वृत्तीयत सम्परित के स्तित्व बाजार नृत्व से कन के स्थानन

) प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापनीकत बन्मरित का स्तित्व बन्धाद क्या का कारण है कि प्रवापनीकत बन्मरित का स्तित्व बन्धाद क्या , स्ति का स्थान प्रतिकल का निद्ध प्रतिकत से सीधक है और मंतरक (अंचरका) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीध एसे सन्तरण के निए स्व पाना गया प्रविक्ष का पिथनकि वित सम्बद्धिय से स्वत्य वंद्यक निर्माण के कारण के कारण का प्रवापन का प्रविक्ष का प्रवापन के स्वत्य के स्वत्य

- (न्म) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वृधीन कर दोने के बन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उत्तरी वक्तों में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आब वा किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में अविधा के लिए:

नदः अन, उन्त निर्मासम की भारा 269-ग के जम्बुरूक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सभीत् :--- 1. मैसर्स सिल्बर ट्रेंडिंग कम्पनी।

श्रीमती रत्नाबेन आर. छोडा

(बन्तरक)

(अन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्पन के निक कार्यवाहियां करता हूं।

बन्दा कन्त्रित के बन्दन से क्रम्यस्थ में सोहं भी मार्केट :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विम् की वयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित दूरारा:
- (क) इस सुकता को राजधन मों प्रकाशन को तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निस्तित में किए का सकत्त्री

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दी, यही अर्ज क्राणा, को उस अध्याय के दिया क्या ही।

अयर्ची

भोद्योगिक यूनिट म० ए-43, जो, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 1ली मंजिल, चक्रवर्ती प्रशोक रोड़, कॉंदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि भई -4,37-ईई,16044,84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रव प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंग्र-4, बम्बई

विनोक: 4-12-1985

प्ररूप बाह्र . टां. एन. एस .------

1. श्री पराग एन० कोठारी

(ग्रन्तरक)

2. श्री जे० जी० बालू

(ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

म्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16141/84-85--ग्रतः मुझे, भ्र० प्रसाद.

भौर जिसकी सं० प्लैट नं० 48, जो, यथी मंजिल, पातानी ग्राम, इमारत नं० 3, हेमू बालोनी काम रोड़ नं० 3, काँदिवली (प०), बम्बई-67 में थ्यित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप ने विज्ञत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीक्षेत्रियल, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई ियत लक्षम प्राधिकारों के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कर के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बंश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिबक रूप के कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत जबत अधि-जिथिनियस के अधीन छार दींचे के जन्तरक के दायित्व में कन्नी कारन या उससे उपने में सुविधा क्षे बिए;
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या जिया जाना चाहिए था, डिज्याने में मृविधा के सिए; और/या

बतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण ों, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बभीन, निम्मलिबिस व्यक्तियों, बर्भात् ध—- की यह सूचना जारी कासके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यग्रिहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी आवर्ष ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं **डे** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणं: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

बन्स्यी

पलैट नं० 48, जो, 4थी मंजिल, दानानी ग्राम इमारत न० 3, हेमू कालोना, क्रास रोड़ नं० 3, कॉदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37–ईई/16141/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनाँक 1–4–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी महायह श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 4-12-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंन-4, बम्बर्ष

बम्बर्ड, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्रर्द-4i37-ई $\frac{2}{9}$ 1662 $\frac{2}{9}$ 84-85 श्रदः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचाल जिल्हा अधिनियम' कहा गया है), की धार 269--स क्षे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ग्रौर जिस्की सं० पर्येट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, बी० के० नगर, इमारत नं० 1, शंकर लेन, कौदिवली (प०), बस्बई—67 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपात्रक अनुभूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से विशेष है), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के जिया बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के जिए अंदरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का जियत साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का संद्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उद्य अन्तरण लिखित में सम्बन्धिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी शाय या किसी धन का अम्य अप्रिंतियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की सपधारा (1) के अधीन, निक्तिकिक व्यक्तियों, वर्धात् ह— ाः मैसर्से प्राधिषां कन्स्ट्रक्शनः।

(पन्तरक)

2. श्री एन० जे० पारीख

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां भूरु करता हुं।

उदत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्वना की क्षिण से 30 दिन की अविध, यो भी भविध राद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इशमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क ऑफिशियम, के अध्याय 20-क मो सभा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्पी

फ्लैंट नं० 104, जो, 1र्जा मंजिल, जी० कें० नगर, इमारत नं० 1, शंकर लेन, कॉंदिवली (प०), बस्बई- 67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि नं श्रई-4/37-ईई/16626/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज⊶4, **यस्वर्**

विनौक: 3-12-1985

मोहर 🖫

वक्त वार्द्ःदीः एव .एव . -----

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर जायुक्त (निरिक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बण्बई बम्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16192/84-85--- अत: मुझे, भ० प्रसाद.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० दुरान नं० 2, जो, तच माल्ला, शालिमार प्लाट नं० 3, होली कास रोड़, बोरियली (प०), बम्बई—103 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर लिजिसका करारना । आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 1- 4-198 5

प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारिख 1- 4-198 5 को पूर्वों कर सम्मिति के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित्त का उचित बाजार बृद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाबा गवा प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्विष्य से उचत अन्तरण कि किया गया है किया

- (क) अन्धरण ते हुइं किसी बाव की वाबत्,ः ◆सत अधिनियम के अधीन कर दीने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ते किस्; और/या
- (क) एती किसी काय या फिसी धर्म पा अस्य जास्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

बता अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण वो, बी, उक्त कश्विमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) व्य विधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, बर्धाह क्र-- मैसर्स श्रेयम इटरप्राईज

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती यू॰ सी॰ नाम श्रीर प्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निचित में कियो जा सकी।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रस्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।।

मन्सूचो

दुकान नं 2. जो, तल माला, "शालिमार", प्लाट नं 3, होली कास रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16192/ 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टई कियागया है।

> ष्म० प्रताद सभाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

विनांक]: 3-12-1985

प्ररूप बाहु दी, एन एस , क्लान्स्ट

···· 1. मेस**र्स बी० धार० इंटरप्राई**जेस

(बन्तरक)

जायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुजना

2 भो टी० के० श्रीराम

(भन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई—4/37—ईई/16180/84—85→-ग्रत: मुझे, ग्र० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, तल माला, सिल्बेरोन सर्वे नं० 110 (ग्रंश), प्लाट नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1128, विलेज एक्सार, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-निषम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित को अस्तिकक रूप से कथित कहीं किया यथा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उच्च अधिनियंश के अधीन कर दोने के अन्तरक वाँ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अ निए; जोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिमिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातृ:—— का यह त्यना वादी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के वर्षन के किए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हतो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इशास;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में दित-बव्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये था सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अवदों और पदों का, बो अक्त अभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा, जो उस अध्यास में दिवा गया है।

भनुसूची

धुकान नं० 7 जो, तल माला, सिल्वेरीन, सर्वे नं० 110 (मंग), प्लाट नं० 14,सी० टी० एस० नं० 1128, विलेज एक्सार, बोरिवली (प०), बस्बई-103 में ज्यित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-4/37-ईई, 16180, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनाँक: 3-12-1985

स्रोहर ११

प्रकप आद⁹.टी.एन.एस.-----

वासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-4,37-ईई/16128/84-85--ग्रतः मुझे, भ० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान न० 3 जो तल माला. निर्माणाधीन इमारत "बोवा विस्टा" प्लाट न० 8, सर्वे न० 119, एच० नं० 7 (श्रंघ), सी० टी० एस० नं० 1017 विलेज एक्सार, तालुका बोरिवली, होली कास रोड़, श्राय० सी० कालोनों, बम्बई— में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिलका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 4 1985

को पुर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रधमान प्रतिक्षत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिक्षल से, ऐसे स्वयमान प्रतिक्षल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए स्वय पाया गया शित्कन, निम्नलिखित उद्विद्ध से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) अंतरक से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन अपर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अद अधिनियम, या धन- अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा ना किया आना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्,

क्तः अन्त अक्त ओधनियम की भारा 269-ग के जन्धरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स शांति इन्बेस्टमेंटम

(ग्रन्गरक)

2. श्री ग्रन्ड्रयू स्वामी ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

क्रो यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ू कार्यवाहियां करता हो।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

रचक्दीकरण: --इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3, जो, तल माला, निर्माताधीन इमारत, "बोबा विस्टा", प्लाट नं० 8, सर्वे नं० 119, एच० नं० 7 (श्रंण) सी० टी० एम० नं० 1017, त्रितेन एक्पार, तालुका बोरिवली, होली कान रोड़, श्राय० सी० कालोनी.. बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० तं० भ्रई 4/37-ईई/16126/ 84-85 भ्रौर जो सदाम प्राधिकारी, बन्धई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> श्र० प्रभाद लक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 3-12-1985

माहर:

बक्य बाह्य, टी. एव. एक्. मं म न न न

क्राप्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-4, यम्बई
वम्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर 1985
निदेश सं० भई-4/37-ईई/16177/84-85---मृतः मुझे .

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारणा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्जिन बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो, तल माला, मिल्वेरीन, सर्वे नं० 110 (श्रंभ), प्लाट नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1128, विलेज एक्सार, बोरिवली, (प०), वस्बई-103 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को व्योंक्त सम्मत्ति के उचित बाचार मूस्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्यास कदने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार नृस्त, उसके दरवमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकाध से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्दिरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तब पाना श्वा प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा व्ये विद्यु: अर्थर/या
- (ब) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ं, जिन्हों भारतीय आस्कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिपित्यम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के रधीन, जिस्तिशित व्यक्तियों, वर्धीत :----- 61---416GI/85

1. मेनसं बी० भार० एटरप्राईन

(भन्तरक)

2. श्री डी० डी० चौहान

(मन्तरिती)

न्द्रे यह सूचना जारी करके पृत्रेक्ति सभ्यत्ति के नर्जन के "लप् कार्यवाहियां करता हु"।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के यम्बन्ध में कीई भी वालेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वयिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ि। वित में किए वा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, का अनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुमुची

फ्लैट नं 1, जो, तल माला, शिल्वेरीन, सर्वे नं 110, (श्रंश), प्लाट नं 14, सी० टी० एप० नं 1128, विलेज एक्सार, बोरिवली (प०), वस्वई-103 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16177/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 की रिजम्टर्ड किया गया है।

> भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकक्तरी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-4, बस्बई

दिनौक: 3-12-1985

भोहर 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-मं (1) की अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्कत (निरीक्षण)

अर्जाश रेजि—4, वम्बई वम्बई, दिशास 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई—4/37—ईई/16178/84—85—अत: मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं -

श्रीर जिल्लकी संव फ्यंट नंव बी/302, जो, सिन्धरीन, आयव सीव कालोनी, सर्व नंव 10 (ग्रंग), प्लाट नव 14, सीव टीव एसव नव 1128, विलेज एनसार, बोरिसली (पव), धम्बई-103 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने बिण्ल है), श्रीर जिसका करारणामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित वक्षम प्राधि गरी के गार्थाल्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 मेसर्स बी० आर० इंटरप्राईजेज

(अन्तरक)

2. श्री ग्रीप श्रीमती बी० लोबो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्थी

प्लैंट न॰ बी/302, जो, सिल्वेरीन' आय॰ सी॰ कास्नोनी सर्वे न॰ 110 (श्रंश)' प्लाट न॰ 14, सी॰ टी॰ ए न॰ 1128, विलेज एक्सार, श्रोग्विली (प॰), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई- /37-ईई/16178/84-85 धीर जा एकम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 की श्लिस्टर्ड िया गया है।

अ० प्रसाद सलम प्राधि तरी ग्रहायक आयकर अध्युक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

विनांक 3-12-1985 मोहर अ० प्रसाद,

प्ररूप आईं. टी. एत. एस.-----

आध्यक्तर अभितिक्षक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संदुकार

कार्यावय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेभ रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनौं: 2 विसम्बर 1985 निवेश सं० अई~4/37-ईई/16171/84-85--अतः सुस्रें,

वायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने अप कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मूक्य 1,05,000/- रा. से अधिक है

भीर जिलकी सं० फ्लैट न० 5!, जो, विग-ए०, 5वीं मंजिल, वंसूधरा इमाएत, एस० त० 161/2/5, एस० वि० रोड़, बोरिवली, बम्बई में स्थित है (ग्रोर दलसे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिमिलम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्जेंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असमें द्रश्यमान प्रतिफाल के, एवे द्रश्यमान प्रतिफाल का पल्यह भितायत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) बीद बन्तरिती (अन्तर्कों) के बीच एको जल्यरण के लिए त्य पाया गया गरितफाल, निम्नीमिकत उन्हों किया पता अन्तरक (अन्तर्कों किया कर्य पाया गया गरितफाल, निम्नीमिकत उन्हों किया पता है है ----

- (क) अन्सरण सं हुद्रं किसी आय की बाबस उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में केमी करने या उससे बचने में कृषिया के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सूरियभा के लिए;

ंशतः जय, उक्त अभिनियम की भारा 269-न को अनुसरक मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च को जण्धाराः (1) कं अभीतः, निम्नलिधिः व्यक्तितयों. वर्णात् क्रेन्स्स श्री प्रभूदयाल अगरवाल

(अन्तरक्)

2. श्री मुरेश कुमार लाथ ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

अप्रमास्य अपन्तः कार्यः कार्यः कार्यः विश्वः कार्यनाहितः के कार्यन के लिए कार्यनाहिता करता हो ।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध वा छाड़ी भी वाक्षेत्र --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के गीतर उक्त स्थानर सम्मतित में हितश्यूष् किसी मृत्व व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्केंगे।

विकास प्रमुक्त धन्दों लीव वर्षे लग जा सकता मिनियम के जध्याय 20-के भी वरिस्साधित ही, यही अथ द्वीगा जो उस अध्याय मे विया सवा ही।

बम्सूची

पलैट न० 51, जो, विंग ए०, 54ी मंजिल, बसुन्धरा . **इमारत**, एस० न० 161/2/5, एस० वी० रोड़, बोरिवली बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि में अर्ड-4/37-हर्ड/16171/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिनारी, वस्बई द्वारा दिमाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्रशिक्षकारी सहायक आयक्ष अध्वन्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज−4, यम्बई

विमोक: 3-12-1985

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

बायकर म्थिनियुन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थां स्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जाभ रेज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिलांड 3 दिसम्बर्ग 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई/16117/84-85--अतः मुझे, **भ० प्र**साद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इबके पश्या: 'उस्त त्रिभिनयम' कहा नया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारल है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी गं० पलें नं० 202, जो, देरी मंजिल, आय० सी० कालोनी, रोड़ नं० 3, वोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इत्तन उपासद अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), ग्रीर जिसका अराग्यामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 प, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षमा प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित भाजार मृत्य से क्षत्र के दश्यमान शितका के सिए बंतरित की गई है और गुम्में वह विश्वाह करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त धंपरित को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान शितका से, ऐसे अवसान प्रीरक्त का पान्स, उसके दश्यमान शितका से, ऐसे अवसान प्रीरक्त का पान्स, अराधित से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (मंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के नियं तय प्रयापना शितका निकासितित उच्चेवन से बनत अन्तरण विविध्व के शस्त्रिक निकासितित उच्चेवन से बनत अन्तरण विविध्व के शस्त्रिक का कारण से कार

- (का) बन्तरण से सुद्ध किसी बाब की धादरा, सकत अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरण के अधिरण में कवी करने ना उससे नचने में सुविधा भी किस; बोहर/का
- (क) एसी किसी नाय वा किसी भन या जन्म नास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उच्या निर्माल, वा धन्-कर अधिनियंत्र, वा धन्-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ वन्याँद्वती द्वारा प्रकट नहीं किया वना वा या किना वाना वाहिए वा, किनाने में वार्यभा के लिए;

वस: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्सपण गै, मैं, उक्त किथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलीयत व्यक्तियों, अर्थात्:—— ं 1. मैं० सन्मात्त वन्स्दृतशस्य

(अन्तरक)

श्री लांमे दौततराम बालकृष्ण

(अन्तरिनी)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया फरता हु ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई बालोप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींबा से 45 दिन की सबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो की अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इन सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षारी के पान लिखित में किए जा तकों में

संख्यीकरण : — इसमें अयुक्त शक्यों और पदों का, जा ं उचक अधिनियम के अध्याय 20 क में वी। माक्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रनुस्पी

फ्लैट नं 202, जो 2री मंजिल, आय मी कालोनी रोड़ नं 3, बोरिक्ली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/16147/ 84-85 और जो प्रधान प्राध्यानारी, बम्बई द्वारण विधान 1985 को रजिस्टई किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहासक अग्रकर अ्वास (क्रिकेशण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिमांक: 3- 2-1985

प्रकृत मार्ड हो एक. ऐस. -----

बाय्काउ निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरर 269-म (1) में नभीन मूखना

८ सम्बद्धाः

कार्यां नव, तहानक नायकर नायकर (निरीक्षण)

अर्जभ रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनां छ 3 दिसम्बर 1985 निदेश मं० अई-4/37-ईई/16219/84-85--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

नावकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विस्तात करने आ कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट न० 503, जां, 5वीं मंजिल, भारत दिए इमारत राम गगर श्रोरिवली (ए०), बम्बई-92 में स्थित (श्रार इपते उपाधद्ध अनुभूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रार जिसान करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 209 ह ख के अधीत बम्बई स्थित राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है तारीख 1-4-1985 को गूर्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए गंतरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिकल से एसे रश्यमान प्रतिकल का प्र

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतक के वाजित्य के कमी करने या उससं यचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन वा बन्ध वास्तिकों को किन्हें भारतीय बायक र विधिनियम, 1922 (1022 था 11) या उपत्त गिर्धिनयम, वा बनकपुर विधिनयम, वा बनकपुर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रवासनार्थ जनतिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, किपाने जें सुविधा के सिए;

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं की बनुसङ्ख् मों, मीं, उप्तत अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के बभीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् क्रि-- मं० आक्षाि : न्स्ट्रवशन्सः

(अस्तरक)

2. श्री विश्वटोर डिलांमेन ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

का यह बुचना नारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति से सर्चन के विश् कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के तंत्रंभ में कोई भी शासीप :----

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संबंधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर बूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो शी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वीक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्यकृष किसी वन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निवास में दिन्यकृष किसी वन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास

स्वक्रीकारण :--- इतमें प्रशेवत भव्यों त्रीर प्रवों का, श्री खक्त अभिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विद्या गया हैं।

अनस्यो

पलैट नं० 503 जो 5वीं मंजिल भारत दिप इमारत राम नगर बोस्थिलो (५०), ब्रम्बई-92 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-4/37 र्रेई/16219/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमोक 1-41-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ा अन्य प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सद्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼ 1, बम्बई

विमांक: 3-12-1985

प्ररूप शार्च<u>.</u> बी<u>. पुन् पुर्स्_{य गार}ाकता</u>

नायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक सायकर सायक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई--4/37-ईई/16087/84-85--- श्रत मुझे, भ० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूरुब 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं बी/37, श्रीर 38, जो, 2री बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चें सिए?

अतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निक्तनिवित व्यक्तियों, अधीव् к⊶ 1. श्री मंगनलाल मोती चंद घहा

(ग्रन्तरक)

2. श्री भूपतराथ हीरालाल शहा श्रीर श्रेग्य। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिस्_न कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ध---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, को उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित -हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

पलैट नं॰ डी/37, श्रौर 38, जो, 2री मंजिल, गोर्धैन-बाग, ग्राफ एस॰ वी॰ रोड़, जांबली गल्ली, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसुची जसा ि कर सं० शई-4/37-ईई/16087/ 84--85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ष्म० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेज-4, बम्बई

वारीख: 4-12-1985

मोहर

प्रक्षम् जार्च _व दी , प्रम_ा प्र_{क्ष} , कार्

नामका निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 269-क (1) से नभीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, **ब¥बई**

बम्बर्ध, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ॰ अर्ड-4/37-र्डई/16494/84-85--- मतः मुझे, भ ॰ प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिस्की सं० दुशान नं० 8, जो, डी-विंग, गीताजिल नगर योजना, नं० 3, झाफ एस० वी० रोड़, बोरिवली, (प०, बम्बई-92 में स्थित हैं (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित हैं), मीर जिस्ता र राजनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

की पूर्नोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम की स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार संहरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण कि निम्नलिखित अन्तरण स्था है कि निम्नलिखित स्था कि निम्नलिखित अन्तरण स्था है कि निम्नलिखित स्था कि किया गया है कि निम्नलिखित अन्तरण स्था है किया गया है कि निम्नलिखित स्था कि किया गया है कि निम्नलिखित स्था कि किया गया है कि निम्नलिख स्था के किया गया है कि निम्नलिख स्था कि किया गया है कि निम्नलिख स्था से किया गया है किया गया है कि निम्नलिख स्था से किया गया है किया गया है कि निम्नलिख स्था से किया गया है किय

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की सन्तरक की दायित्व में कभी करने वा उक्क वचने में सुविका के लिए: बार/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन वा अन्य जारितयों का, जिन्हीं भारतीय आयकार शांभीनयम, 1002 (1922 का 17) था उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा में सिस्ह

नतः मत्र, उक्त निधित्यमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिकों अधीत क्रांक्त

- 1. श्री ग्रर्शिय वी॰ गेठ (चीफ प्रमोटर) (ग्रन्तरह)
- 2. मेसर्सं मार० एल० मेटल कारपोरेशन (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सम्बद्ध अस्पत्ति को जर्षन को संबंध में काहर भी ब्राइटेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अयिध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिए-बृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शब निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जा उक्क अपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुते अर्थ होया जो उस अध्यास में विका गवा है।

बन्स्स्

दुकान मं० 8, जो, डी-विंग, गितांजिल नगर योजना मं० 3, झाफ़ एप० बी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से भई-4/37-ईई/16494/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टइ किया गया है।

> भ० प्रसाद शक्षम प्र¦धिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॅज−4, बम्बई

विनोक: 3-12-1965

मोहर 🖫

प्रथम बाल्', ट्रॉ. एन ुप्स ुच्याच्या

काश्यार वर्षिणियम, 1961 (1961 का 43) करे गार्थ 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

मजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश मं॰ घर्ड-4/37-ईई/16345/84-85--- खतः मुसे, ष॰ प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

पौर जिसकी संव पर्लेट नंव 205, जो, 2री मंजिल, ए-थिंग, श्री गुभ प्रपार्टमेंट, एलव टीव रोड़, एट्चली एट्पव), बम्बई-92 में स्थित हैं (घौर इसने उपाबद ध्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप में विजत हैं), घौर जिसका करारनामा पायकर धिंदियम, 1961 की धारा 269क, ख के ध्रधीन; बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के क्षममान प्रतिफल के बिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब सावा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वत में बास्तरिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्थ) अन्तरण ते हुई किसी काय की, वाबस, उक्त धीभीनयभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के मिन्: बरि/या
- (क) देती जिल्ही भारतीय या निश्ली थन या अध्य जालितयों की जिल्हें भारतीय जायकर गणिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गणिनियम, या धन-कर श्रीधनिजम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा निजा जाना चाहिए था, कियाने में सीवधा चेतिकह

सत: अर्थ, उत्ता स्वितिसम् की धारा 269-मं की अनुसरण को, जी, उपल संधितिसम् की धारा 269-मं की उपधारा (1) से संधीत, रिप्तिमिणिल स्वीनसर्वों, संस्थित उल्ल- 1. मैं० संभव बिरुडसैं

(ग्रन्धरक)

2. श्री विमलचंद उदयभानजी कटायत **प्रां**र **प्रन्य**। (प्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कची के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की हारीचा के 45 दिन की अविधि या हत्संबंधी क्यक्रियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थित्यों में किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इसस्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहस्ताक्षरी को प्रत्य सिक्ति में किए जा सकाँगे।

बर्ज्यी

फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, ए-विंग, श्री शुभ प्रपाटमेंट, एल० टी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 से स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/16345/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को प्रजिस्टई किया गया है।

> म० प्रसाव सक्तम प्रोधिः तरी सक्तायक भागकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) भर्जन रोज-4, बस्बई

वारीब: 4-12-1985

मक्य आई. टी. एन. एस------

्र नामकर मीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधील सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ग्राई--4/37-ईई/16482/84-85--ग्रात: मुझे, ग्रा० प्रसाद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को स्वह विश्वास करने का कार कार हैं. कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, ए-विंग, सुमेर नगर, कोरा केन्द्र के सामने, एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपादि ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रौर जिसना करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल

- के पन्द्रह प्रतिकात से किथक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पाया ज्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण सिवित थे आस्टिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई क्रिसी आय की ल्क्सबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अञ्चरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1937 का एट के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षत: अब, उनत विधिनियम की धारा 269-म के बनूतरण में, में, उपना विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बाधीश, निकलिनीवस व्यक्तियों, अर्थात :---62—416GI/85 1. श्री भ्रशोक लक्ष्मीणंकर पंड्या,

(ग्रन्तरक)

2. श्री हिराचंद गुलाबचंद झवेरी ग्रीर ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना-जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुमना के राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की बनिध, जा भी अर्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (व) इस सुना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील लं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन बद्ध किसी अम्य स्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ास्यक्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त कर्म्यों और पदों की, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाश्यित है, बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो, ए-विंग, सुभेर नगर, कोरा केन्द्र के सामने, एस० बी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई~92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क० मं० श्रई--4/37-ईई/16482/ 84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज--4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्रकार शाहरे ही एट एस

बाबकर विभिन्नियाः . 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ए (1) के अभीत सकता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-4/37-ईई_/ 1649**8/84-85**-ऋसः मुझे, ऋ० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269- के संभी राज्य प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण ही कि स्थान सम्पन्ति जिसका तीनत बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर न्सिकी सं० दुशान नं० 11 जो, डी-विंग, गितांजलि नगर योजना नं०, 3 शाफ एस० ती० रोड, बोरिवली (प०) बम्बई 400092 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिल्हा करारनामा ग्रायक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजिस्टी है तारीख 1-4-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के जीवन वाजार मृत्य में कम के क्षायान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित को गई है और माने पर जिल्हा करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्षायमान प्रतिकात से, देने स्वयंत्र प्रतिकात का सन्द्र प्रतिकात से बीधक है ज'र अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकात कि निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) बन्दरभ से हुई किटी दास जी दावत तका निविन्त्रिय के जारीस कर दान में अन्तरक के निविन्त में किसी करने वा नवसे नजने में सुविधा के निवाह और/बा
- (व) ऐसी किसी बाग या किसी भन या बन्य आसित्सों को, विनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली इवारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना भाहिए था, कियाने से सुविक्श के जिल्हा;

अंध: व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखिड व्यक्तियों, अर्थाह :--- 1. श्री ग्ररविंद वि० शेठ (चीफ प्रमोटर)

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स ग्रार० एल० मेटल कारपोरेशन (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्पति को अर्थन के संबंध में कोई भी जाशेय ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रत्मुची

दुकात नं० 11 जो डी-विंग, गितांजिल नगर योजना नं० 3, ऑफ एस० वी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 मे स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16498/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिनस्टई किया गया है।

> ग्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

अक्ष बार्ष इ. ह्या एवं . - - -

भरवकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुमना

भारत तरकार

क्रमांसब, सहायक आयकर आयकर (तिरीधार) भ्राजीत रोज-4, बम्बई बम्बई दिनांः 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई 4/37-ईई/16497/84-85 - ग्रत: नुझे,

ग्र॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को अह विकास अपरे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित साबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, डी-विंग, गीतांजलि नगर योजना नं० 3, श्राफ एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उप।बद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर

जिसका करारनामा ग्रायार ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख ने ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान शिक्त के लिए कन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिकल से, एसे स्थयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाया गया प्रतिकल, निम्निसिवत उद्देश्य से उकत अन्तरण किसीचत में बास्तिबक स्थ से किथन नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी जाग की बागत उन्तः अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे प्रचल में कृतिका के जिल्हा सार/मा
- (ख) एरेबी किसी आय या जिसी धन या अन्य जारिसयों को चिन्हों बारतीय वायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, स्थितने में स्विधा के निका

सतः स्वतः, स्वतः अभिनियम की धारा 269 म को अवस्तार में, में, उक्त जीधनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री अर्रविद वि० शेठ (चीफ प्रमोटर)
 (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स चार० एल० मेटल कारपोरेशन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की शिए कार्यवाहियां १ क करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के कम्बन्य में खोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीक से 46 किन की क्वींच का स्टाइन्स के व्यक्ति है पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित विकास के किना के सामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित विकास के किना के सामाप्त की की कर पूर्वित की किना के की कर की कर की कर की कर की कर की कर की की कर की की कर की की कर की की कर की कर की कर की की कर कर की कर की कर की कर कर की कर कर की कर की कर की कर की कर कर की कर की कर की कर की कर की कर की कर कर की कर कर की कर की कर की कर की कर कर की कर की कर की कर की कर कर की कर की कर कर की कर कर कर की कर कर कर की कर की कर की कर कर कर कर की कर की कर कर कर कर कर
- (क) इस सूचिना के राजपत्र में अकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्प चिन्नी अन्य अधिका दूसीय अधाहरताकारी के साम निक्ति में विश्व का स्थाव

यनसूची

दुकाल नं 10, जो, डी-विंग गितांजित नगर योजना नं 3, आफ एड० औ० रोड, बोस्विली (ए०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैता ि क० सं० याई-4/37 ईई/16497/ 84-85 और जो जजन प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ा० प्रश**द** उट्टा नाधि गरी सहायक सायकर बास्**व**त (निरी**क्षण)** स्रार्थन रख-4, **बम्बई**

तारीख 3-12-19**85** मोहर प्रस्पे वार्षः दीः एव एसः -----

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक वायकार वाय्क्त (निरोक्सण)

शुर्जन २०५ ४, बम्बई

बम्बर्ड, दिनां ३ विसम्बर 1985

निदेश सं० ६:ई भे/ 37-ईई/ 16484/84-85-- अत मुझे--इ.० प्रसाद,

शायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त निभिन्नम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका जिसके जाजार मुख्य 1.00.000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 802, जो, 4थी मंजिल, निर्माणाधीन इसारत प्लाट नं० 377 378 ग्रास्ती श्रपार्टमेंट, टी० पी० एस० नं० 3 विजितासका बोरिवली (प०) बम्बई 92 में स्थित हैं (ग्रार इससे उपाबद्ध ग्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रांर जिसका दारारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धार 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के वार्यालय में रिजस्ट्री में, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाम गया प्रतिकान, निम्नितियत उद्देश्य से उचित अन्तरण निम्हत में यास्तविक रूप से किथा नहीं किया बया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बावतं उक्तं धार्मित्यम के अभीन कर दान के अन्तरक के शामितको स्न कमी करने या उससे बचने में सुन्तिभारके लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य कास्सियों की, जिन्ही भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ क्यारिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा विश्वा-भाना भाहिए। भा कियाने में सुविधा खें सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलि**श्वित व्यक्तियों, अर्था**त्ः— 1. मैं है कुड़िंग बिल्डसें

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रहणा स्रशोकः श्रायरेकर

(अन्तरिती) 🍑

को यह सूचना जारी करके प्रोंक्त संपत्ति के वर्जन के सिक्ष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी आक्षोप :---

- (क) इसं भ्यंता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी स्थापत बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पन्ति में हितवष्प
 किसी अन्यं व्यक्ति व्वारा अभीहस्ताक्षरी के पाइ
 निवित्त में किए जा सकेंगे।

अपद्धीकरण -- इसप्रे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषिक हों, बहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

भनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, निर्माणाघीन इमारत प्लाट नं० 377, 378, श्रारती श्रपार्टमेंटस, टी० पी० एस० रोड़, वजिरानाका, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/16484/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड कियाग्या है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

मोहरः

प्रकथ आहें. दी. एन. एस. -----

आग्रिंकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीस सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां ५ 4 दिसम्बर 1985

निवेश सं० अई--4/37-ईई/16160/84--85---अत: मुझे, भ्र० प्रसाद,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वसर करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स्टोग्नर नं० 23, जो, बेसमेंट फ्लोग्नर गोयल शापिंग झार्केड, एस० वि० रोड़ बोरिबली (प०) बम्बई- 92 में स्थित है (भीर इससे उपाबड भनुसूची हू भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा भायकर ग्रिधनियम 1961 की धारा 269क ख के भ्रधीन तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल से अधिक हैं आर अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिल उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्कविक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से इर्ष्ट्र किसी आज की बाबतः, उक्त अभिनियतः के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में 'कमी करने या उत्तदे बचने में सुविधा के सिंह; और/या
- (च) एसी किसी जाम मा किसी भन मा अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाम-कर रुधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उचत किथिनियम, मा धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिह्:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री श्रशों सिंव पंजाबी श्रौर श्रन्य

(अन्तर्य)

2. श्री हरी शंक्षर एस० दयाल (हि० ग्र० कु०) (ग्र-तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से सिक्सी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूखना के राज्यक में क्रिकाशन की तारीक के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावक संयक्ति मानाहरू किसी अन्य व्यक्ति वृज्या अधोहस्ताकरी के पास किसी में किए या सकेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निर्धानयमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्ध होगा जो उस अध्याय में विधाः गया है।

अनुसूची

स्टीअर नं० 23 जो बेसमेंट फ्लोग्रर गोयल शार्पिन भाकेंड एस० बी० रोड़ बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुनी जैसा कि कि सं० श्रई-4/37-ईई/16160/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्ट ई जिया गया ।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बस्बर्ष

दिनांक: 4-12-1985

प्रका वार्षं दी एव एव

नावकर निभानवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-4, बम्बाई

बम्बई, दिनाक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16499/84-85--ग्रहः मुझे ग्रंथ प्रसाद,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, डी-विंग, गितांजलि नगर योजना नं० 3, श्राफ़ एस० वी० रोड, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रित्रिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभायबंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्तरे क्याने में सुविधा वार्थित्व के सिए; वॉर/या
- (क) ऐसी किसी नाव वा किसी भन या अन्य जास्तिकों को जिन्ही भारतीय जाब-अर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए ना, जिपाने में सुविधा से सिहा;

चतः वय, उनके अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरम में, भें उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अरविंव वी० शेट (चीफ़ प्रमोटर) (ग्रन्सरक)
- 2. मेसर्स श्रार० एस० मेटल कारपोरेशन (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पीत के वर्जन के सिह्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्पक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाणिक हैं जहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

नम् सुची

दुकान नं 12, जो, डी-विंग, गितांजलि नगर योजन नं 3, ग्राफ़ एस॰ बीं॰ रोड, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि यई- 4/37-ईई/16499/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रोंज~4, बम्बई

विनांक: 3-12-1985

∓ोहर∶

प्ररूप नाई : टी : एन : एस : -----

बायकर बाधिनियस, 1961 (1961 का 43) का भाष 269-व (1) के बाधीन स्वाना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण)

भ्रजेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 विसम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई--4/37-ईई/16486/84--85---भ्रतः मुझे, भ्र० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 8, जो, सी-विंग, तल माला, बोरिवली, न्यू राजेश पार्क को-न्राप० सोसाईटी लि०, चंदा-वरकर रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 हु स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कि यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उचके व्यवमान अतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक. के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; अपरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन का काव आस्तिकों स्त्रों, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अहाः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के जनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधील, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री महेश अजलाल गणाला।

(भन्तरक)

2. श्री किशोर अञ्जलाल गणाहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे क्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अन्त संपति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधन :---

- (क) इस बूचना के राचपण में प्रकाशन की दार्शक के 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया सा गवा है

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, सी-विंग, तल माला, बोरिवली न्यू राजेश पार्क को-श्राप० सोसाईटी लि०, कंदावरकर रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूबी जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/16486/ 84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> म० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंंंंं –4, बस्बई

दिनांक: 4-12-1985

मोहरः

. प्रस्य **वार्ड**ु'दी*ु पुर*्वक्ता<mark>प्रस</mark>्कान

नाथकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985
निवेश सं० श्रई-4/37-ईई/16670/84-85--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 804, जो, 6ठी मंजिल, बी— बिग, साईबाबा धाम के पीछे, बाहुबली टावसें, साईबाबा टेम्पल के पास, देसाई घोठ नगर, ऑफ़ एस० बी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं (शीर इससे उपाबद अनुसूची से भीर पूर्ण कुप से विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारज है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का नन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया नवा क अधिकल जिल्ला सिकारित से अधिक तर्हीं किया गया है :---

- ः(क्क)ः बस्परमः वं हुई सिक्कीः नाय ः कीः वास्तः, तास्त्रः व्यक्तित्वनः तो वयीतः कर न वोते ने के अन्तरक वे दायित्व के कमी कारते वा खतते वसने के बृण्यिका के सिक्षः व्यक्तिवा
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कद-अधिनियम, 1,957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया वाया चाहिए था, डिपाने वें स्विधा खें विवदः

बह: बब उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, जै, उक्त बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, वर्षात् के 1. श्रीमती एन० जी० वहानवटी

(भ्रन्तरक)

2. श्री सतीश मण्लाल दोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारा करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45. दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितकद्व किंसी जन्य क्यिकत द्वारा अधोहस्ताकारी के पास विकास में किए आ सकती।

स्वाक्षीकरण:--इसमें श्रयुक्त कान्यों और पर्यो का, श्रारे उपक नियम, के कथाय 20-क में करिशावित हैं वहीं नर्भ होगा वो उस वश्यास में दिवा नवा है।

अनुस्ची

फ्लॅंट नं० 604, जो, 6ठी मंजिल, "बी" विग, बाहु-बली टावर्स, साईबाबा धाम के पीछे, साईबाबा टेम्प्ल के पास, देसाई शेट नगर, ग्राफ़ एप्त० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसा कि कि सं भ्रई 4/37 ईई/16670/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 4 12 1985

प्रकृत बाह . टी. एन. एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई--4/37--ईई/16671/84--85---ग्रतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उन्हें विधितियम' नद्धा गया हैं), की बाख 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रहे से अधिक हैं

आर जिसकी सं फ्लैट नं 301, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, बहुबली टावर्स, देसाई रोठ नगर, साईबावा धाम के पीछे, साई-बाबा टम्पल के पास, आफ एस. बी. रोड़, बेरिवली (प.), बंबई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में तिस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) इन्तरम में हुई किसी काय की शबत, उक्त इधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या तससे समने में मुविधा है निष्युः गरि/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 विश्व का 11) या उत्तत बिधिनियम, या जन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

63-416GI/85

1. श्री ग्राह्मिम काथावाला।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती वासुमती स्नार० देसाई स्नौर स्नन्य। (स्नन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकेंगे!

स्पष्टिमेकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्**ची**

फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, बाहुबली टावर्स, देसाई शेठ नगर, साईवाबा धाम के पीछे, साईवाबा टेम्प्ल के पास, ग्राफ़ एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई- 92 में स्थित है।

ग्रनुभुची जैसा कि क० सं० ग्रई- 4/37-ईई/16671/84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

प्राक्ष आध्र हो, एस, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्थना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4. बम्बई बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश स० अई- 4/37-ईई/16505/84-85--अत: मुझे, ग्र० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,** जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दकान नं० 21, जो, इ-विग, गितोजिल नगर योजना नं० ३, ध्राफ एस० बो० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92ी स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णिय है), और जिसका करार-नामा श्रायद:र श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य ी रजिस्दी है, तारीख 1--4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति-के उचित्र ताजार मूल्य से काम के बश्यमान प्र**लिफ**ल के िसए **अ**न्तरित की मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहंप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के शिए तब शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिविक रूप से किश्मित नेही किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की रावत, मिधिनियम के मधीन कर दोने के अंतरक जे दायिक में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; सर्दि ∕या
- (का) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के मिए;

अधः अग्र. अव्यतः अधिनियम की धारा 269 ग के अनमरण म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 📽 अधीत . निम्नलिभित ध्यक्तिमों , अर्थात :---

आ प्रश्वित ती० लंड (बीफ प्रभाटर)

(अन्तरकः)

. मेमर्म ग्रार० एल० मेटल हारपोरेणन

(ध्रन्नरिती)

को यह भ्यूचना जारी करके प्योक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शस् करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस भे 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यायित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोंकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

दुकान नं० 21, जो, इ-विंग, गितांजलि नगर योजना नं० 3, श्राफ एस० बा० रोड़, वोरिवला (प०), बम्बई-9 ह स्थित है।

भ्रन्ग्चो जैसा कि कल संल श्रई-4/37-ईई/16505/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1~4-1985 को एजिस्टड तिया गया है।

> গ্ৰহ সমাহ सक्षम आधिकारी महायक्त श्रायकर ऋष्यक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज-4. बम्बर्ड

दिशांक: 3-12-1985

प्रकार , भाषाँ है हो । एस , एस , ०००००

भाषकर श्रीभौनयन, 1961 (185 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीत स्थान

भारत श्रहकार

कार्याक्रम, सहायक नायकर माम्५६ (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, बंबद्द

बम्बद्दं, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

मभ्हे, अ। प्रसाद,

नियंश सं. अई-4/37-ईई/16484/84-85-- अतः, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा १69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैंट नं० 101, जो, ाली मंजिल, आरती अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 377, 378, टीं० पीं० एस० नं० 3, वाजिरानावा, बोरिकली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुवां में और पूर्ण हुए से बणित हैं), और जिसका करारनामा अपाकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यभान प्रतिफल से एमं दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्नत अंतरण लिखित में वास्तिविक ख्य में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से ह्यूक किसी आय की बाबस, उक्स को, जिक्ह भारतीय र वक्टर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजना अधिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला स्था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः बन, उक्त अभिनयम की भारा 269-म के जनसरण में, भी, उक्त अभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीम, निम्मीलिकित व्यक्तियों, अभीस् ्र—

1. मै० कुपा जिल्डर्स

(अन्तरभः)

2. शीमनी आशा मानंद सानील

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की जबीध, को शी जबीध बाद में माप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरा के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा में उस अध्याय में विद्या नया है।

Transition of the last

फ्लॅट नं० 101, जो, 1ली मजिल, निर्माणाधीन इसारत ग्रान्ती अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 377, 378,टी० पी० एस० 3 वजीरानाका, बीरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/16484/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रशाद गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकार ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-4, बम्बई

T 4-

दिनांक: 3-12-1985

प्रसम् वार्ौ्, टी. ध्यु, एसं. ००००० वायकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाठा 269-व (1) के विकीच सुम्मा

भारत सरकार

कार्याक्षय , बद्दायक मायकर बाव्यस (निद्रीक्षण)

श्चर्जन रोज--4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई/16350/84-85-- अनः मुझे, श्च० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 601, जो, 2री मंजिल, मेलर्स पार्वती ग्रपार्टमेंटस, एक्पार विलेत, बोरिखली (प०), बश्बई - 92 में स्थित है (ग्रीर इक्षम उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से भणित है), ग्रीर जिल्ह्या करारनामा ग्राय हर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय हु रजिस्ट्री है, नारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है बार मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि मणापूर्वोक्य सम्मत्ति का प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिफक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की बाबत उक्त मृशिष्यम के मशीन कर धरे के बन्धरक के शाधिरल के कमी करने या जनके वन्ते में सुविधा के सिए; मृद्धिंगा
- (क) इसी किसी बाग वा किसी भग या जन्य जास्तियों को, रैंबन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में खिस्ता

मधः अग, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण भें, भैं, उमत अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- भी सी० एग० पटेल और भन्य।
- (मन्दर्भ)

2. श्री मी० गांडिन्डो

(ग्रस्वरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होटी हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यो
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थाव रसम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पका है।

श्रनुसूची

फ्लैट न० 201, जो, 2री मंजिल, भेरार्च पार्वती अपार्ट-मेंटम, एक्सार विलेश, बोस्थिली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई -4/37—ईई/16350/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजरटर्ड िया ग्रंग है।

ग्र० प्रसाद सक्षम पात्रि अरी महायाः ग्रामश्रद यहाकृत (निरीक्षण) ग्रार्थन रोज-4, बम्बई

विनांक: 4-12-1985

प्ररूप बाड : टी. एम. एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनां 4 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रर्श्-4/37-ईर्र्ड/16347/84-85--श्रहः मुझे प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० पजैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, पार्वती ग्रपार्टमेंटस, एमेसार विलेज, बोरिवली (प०), बम्बई - 92 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध धनुसुची में ग्राँर पूर्ण रूप से वणित है), ग्राँर जिसका करारकमा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 2695, ख के प्रवीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिष्ट उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिविष्ट में सास्तिक रूप से किया वहाँ किया वहां है —

- (क) अनंतरण से हुई किसी लाग की बाजत, उकत आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शांवित्व में कमी करने या उससे बचने गे सुविधा के शिष्ट; बीड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-थ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपध्यक्त (1) सं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- 1. श्री सी० एम० पहेल और ग्रन्य।

(असरक)

2. थी मायकेल फर्नान्डीस

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्माल के कर्ड के सम्बन्ध में कोर्ड भी कार्श्वर :-

- (क) इस सूचना के 'रावपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की स्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तिया है से किसी व्यक्ति बनारा:
- (ब) इस स्चान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उच्न स्थायर सम्पत्ति में हित्यद्वेष किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के गस निष्ति में किए बा सके वें।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के लक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उम अध्याय में दिया गदा है।

श्रनसूची

फ्लैट न० 402, जो, 4थी मंजिल, पार्वती श्रपार्टमेंटस, एक्सार विलेज, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कि के सं ग्रई-4/37-ईई/16347/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० प्रसाद उक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-4, बम्बई

दिनां : 4-12-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-न्न (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई, बम्बई, दिनाँक 4 दिसम्बर 1985,

निदंश सं० आई4/37/ ईई/16347-84-85न्नतः सुत्ते ग्र० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रॉर जिसकी सं० फ्लेट नं० सी ८, जी 2री मजिल, मूल्य
रोसारीग्रो ग्रपार्टसेंन्टस. एक्सार बोखिली बम्बई में स्थित हैं
(ग्रॉर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रॉर पूर्न रूप से बर्णित हैं),
के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रधितियम 1908,
ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधितियम की धारा 1961
की धारा 269 के ख के ग्रबीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्री है दिनौंक 1-4-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के जीनत बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त संपत्ति का जीनत बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कमी करने या उक्क अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुबरण बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- ा. नारी मधाई।

(प्रस्तरक)

2. बिल्यम गोत्रेबाम।

(श्रन्तर्रा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फलेंट नं सी-8, जो, 2री मजिल, रोसारीओर प्रापार्ट मेंटस, एक्सार बोखिली (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसाकि का सं ग्रई-4/37-ईई/16165/ 84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टई या गया है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन, रेंज-4, बम्बई

दिनाँक :- 4-12-1985

माभ्रर :

प्रकृष वाद्र³, टी., व्य. एस.,-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्राजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक । दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड- 4/37-ईई/16488/84-85--श्रतः मुझे भ० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (नियं इसवें इसके परवात् उनत अधिनियम' अहा गमा है), की नाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- गः. सं अधिक है

श्रीण जिसकी सं फलंट नं ई-9, 2री मंजिल साईबाबा धाम साईबादा नगर एस० वी० रोड बोखिली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 1961 की धारा 269 क ख के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकाणी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 1-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्ममान श्रीतफ स के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाम की गायत, उसत अधिनियभ के अभीन कर दोने के अन्तरक के धावित्य में कमी करने या उससे अभने में मृतिया के सिक्ष्; सार/वा
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों भारतीय जायकार जिन्हों सिया, या धव-कर जिन्हों निया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जै विद्राः

- वोगःती गैल्ननीमाई मंदीयाम क्लनानी । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशीला पुरुषोतम दान गेहता ग्रीर ग्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीच, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुषमा के हायमून के प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्हाधारी के पास लिखित में किया जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, ओ उस कथा। में दिया गया है।

नन्स्ची

फलॅंट नं० ई-9 2री मंजिल साईबाबा धाम साईबामा नगर एस० बी० रोड बोखिली (प), बम्बई- 92, में स्थित है।

अनुसूची जैस कि कल्सं० श्रई-4/37-ईई/16488/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा बस्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> ग्रं० प्रभाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रंज-4, बस्बर्ष

बंदाः वायः, उपन विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण मीं, भीं, उपन विधिनियमं की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

दिनौंक: 4-12-19≱5

प्रकृप . बाह्य , टी . एत . एक , ०००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269 म (1) में मभीद संपना

वारत प्रशाह

कार्यालय, महायक अध्यक्त आयक्त (चिन्देशण) ग्राजीत रेंज-4. बस्वर्ड

बम्बई, दिवाँक 5 विशस्त्र 1985.

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/16340/34-85--- प्रतः मले. ऋ० प्रहाद.

कारेकर नीधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' अहा ग्या हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिह बाजार मुख्य 1 . 00 . 000 / - रहे. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० दुकात नं० 2, जो, तल माला, बैंबस पार्वती ग्रपार्टमेंटस, एक्कार, बोग्विकी, (प), बस्बई-52, में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अन्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस्ता जरारनामा आयकर श्रिधितियम 1961, की धारा 269, कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रायवजारी के कार्यालय से रजीस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1985

का वर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंधरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नोसियत नदद्वेष में उत्तर अन्तरण विचित्र में अस्ति दिक रूप के कथित नहीं किया भया है :--

- (क) गलरण से गर्व किसी भाग करें बागट. सनस किंदि किया है विक्रीय क्षेत्र होते से अवेद्रक हो। सुरीक्षाक को अली कामने का छुलकी क्यारे के प्रतिकार . of their others.
- रको एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को: जिन्हीं भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंश, या भम-कार अधिनियम (1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरितों दुशरा अकट नहीं किया मग्रा धा हा है। विकास अलग शाहिए था, फिलाने धे मिट्या ली लिए:

अत्वव. उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अलगरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात ---

1. थी। सीव एम० पटेल और अन्व। (अन्तरक)

2 श्री मती जान्ती देवी उदग राज ग्रीर ग्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता ह 🕽

रक्त सम्पर्धि के बर्धन में संस्था में कांग्रे भी बाधांप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में ही किनी व्यक्ति देशारा:
- (क) 🥯 अवना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भौतर उसत स्वापर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्य व्यक्ति दनारा, अभोहरताजरी के पास निवित वे किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

दुएन नं ० 2, जो, तल माला मैशर्स पार्वती श्रपार्टमेंटन एक्सार व्हिलेज, बोरिवली (प०), में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा की क० सं० ग्रई-4/37-ईई/16340/ 84-84 और जो, सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4. बर-°

दिनाँक:- 5-12-1985 मोहर :

प्रकप वार्षे ही एन एक ----

बावकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार कार्यांचय, सहायक जायकर जायक्त (निर्देशक) धर्जन रॉज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० **धर्द-** 4/37-**ईई**/16300/84-85--**मतः** मृक्षे घ० प्रसाद

आवकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहलीश 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 100,000/- रा. में अधिक हैं

पौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, जी, सम्जाग को-आँग० हाउसिंग सोसाइटी लि० शम्पोली रोड़, बोरियली (प), अम्बई-92 में स्थित है (धौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्री कर्सा प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सवाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 अप्रैल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मृक्य ने काम को स्वयनाय प्रतिकल को लिए अन्तरित् की गई और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के त्रीच एमे कन्तरण के सिए तय पाया भवा वित्रका, निम्निचित उद्वरिय है उक्त अन्तरण सिचित के वास्तिक रूप में किशन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य आफ्तियों करे, जिल्हे भारतीय जाव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अभिनियम, कर भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा अकट नहीं किया वशा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के सिद्ध;

सतः । सम् , सम्भा नाभीनयम की भारा 269-ग के जनतरण में , गैं , तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---64--416GI/85 1. श्रीमती शितल सुशिल चित्रे।

(भन्तरक)

 श्रीमती निरू रमेन बदीयानी भौर भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को वह जुलना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति से अर्थन से सिक् कार्यनाहियां करता हूं।

क्षमत कम्पत्ति के वर्षन के संबंध को कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, को भीतर पृथाँकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वक्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी को पास जिल्लित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

पलेट नं 15 जो, सजाग को-प्राप हार्जीसंब सोसाईटी लि , शिम्पोली रोड, बोरिकली (प); सम्बर्ध-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी कि संश्वर्षः 4/37-१६/, 16300/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

विनांक: 4-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

लायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985,

निर्वेण सं० प्रई--4/37—ईई/16622/84→85— अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) हिंगसे इसमें इसके नरपात् 'जयत अभिनियम' जान नदा हैं), जी भागा 269-कृषे नभीन सक्तम शामिकारी को यह विस्तास करने का सारण है कि स्थानर चन्नरिक, विसन्ता उच्छित नामार म्ह्य 1,00,000/- का से अभिक हैं

और जिसका संव फ्लेट मंव 403 जो, 4 थी मंजिल रुघानी पार्क, माया, जिसका सीटी एम नंव 785, 861 में 868, सिम्पोली रोड, लोबेलो (प्र), बम्बई - 92 में स्थित है, (भौर इससे और जिसका काररनामा भाषकर श्रिधिनियम 1961, की धारा 26 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, दिनांक 1 श्रप्रेल 1985

को वर्गोक्स संगीत के जीवत गावार मुख्य से कम के व्यवभाश प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है और भूओं यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानुनोंक्स संस्थित का अजित गावार मुख्य उसके दरवमान प्रतिकास से, होते व्यवभाग प्रतिकाश का पन्तद् प्रतिकास से गीभक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच होते जन्तरक वे जिल्ल सक्तरकों के बात गावा प्रतिकास, निज्यसितिक स्वयंदिक से क्वल जन्तरक सिल्ल कि विवास के भारतिकास कम से क्विंक कहीं किया कम है अन्त

- (क) बन्तरण ते शुरू किथी भाग की गावत, अवध अभिनियम के सुभीय काश वोगे हो स्वयुक्त से सामित्य में कामी करने वा क्यूने न्यूने में सुनिया भी किए; बीश्र/वा
- (क) एती किसी नाम या किसी भन वा नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया नामा चाहिए वा, जियाने में सुविधा वे सिक्ध;

अतः अव. ७६। अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1, रघुवंशः डेव्हलोपर्सं।

(भग्तरक)

2. श्री मती बिमला जैन धनजी चौहान और भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविभ या दुरखंगेंगें स्पीक्तमों पृष्ठ सुअवा की दामील से 30 दिन की सर्वभि, को और सर्वभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतप प्रवेकत स्विधानों में से किसी स्विध इंदाका;
- (स) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

क्यक्रिक्क्रम :--- ध्वमें प्रमुक्त धन्मों धौर पर्यो का, यो उनल क्षितियम, के कभ्याय 20-क में परिभावित हुँ, बहुई कर्य ह्यांगा को उस कभ्यान में दिवा क्वा है।

ममुस्ची

पलॅंट नं० 403, जो; 4थी मंजिल, जिसका सीटी एस नं० 765 861 से 868, रूधानी पार्क माया सिम्पोली रोड बोखिली, (प), बस्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसांकि कि सं स्थि-4/37-ईई/16622/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनोंक : 4-·12-1985

प्रकप आर्च ती वन प्रस् , नरानरान्यन वासकार विभिन्नियम , 1961 (1961 का 43), की भारा 269-व (1) के विभीन स्थला

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज--4, बम्ब६

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985,

निर्वेश सं० प्रई--4/37--ईई/16348/84--85--ग्रस : मुझे ग्र० प्रसाद,

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्हें अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- ं. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फलॅट नं 1, जो, तल माला, पार्वती प्रपार्टमेंटस एक्सार बोखिली, (प), बम्बई-92, में स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कारारनामा प्राथकर प्रधिनिधम, 1961, की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय में रजीस्ट्री हैं। दिनांक 1 प्रप्रेल 1985

लय में रजीरती हैं। दिनांक 1 अप्रेल 1985
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंत्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
क्य से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सी० एम० पटेल और अन्य।

(श्रन्तरक)

2. श्री मती नाटटी परेरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>उ</u>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कारीधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को अधित पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशांत्र करी क्षारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त संपत्ति में हितब बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

सम्बद्धिकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्ची

फलेट नं० 1, जो, तल माला पार्वेती ग्रपार्टमेंटस एक्सार बोखिल (प). में स्थित है।

भ्रनुसूचे जैसाकी कि० सं० भ्रई-4/37/ईई/16348/ 84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, बस्बई

विनोक:, 4-12-1985

मोहर 🗧

प्ररूप शाह्र .टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० अई--4/37-ईई/16467/84--85/, ग्रत: मुझे, ग्रु० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फलेट नं० 403, जो, 4थीं मंजिल, शेखर नगर, परेरा वाडी रोड, वेहिसर (५), बम्बई-68, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित्त है), और जिसका करारनामा आयकर श्रविनियम 1961, की धारा 269, क, खंके अधीन बम्बई स्थित सहम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीरद्री हैं। दिनांक 1 भप्रैल 1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिक्रस को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार ब्रूब्द, उचके अयमान प्रतिक्रस से, एसे स्वयमान प्रतिक्रस का पंचह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित वे बाकारिक क्य से कि बुद गृहीं किया नवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क), प्रेसी किसी आय वा किसी अन वा बन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या वा वा किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विभा की लिए;

क्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अस्तरक का, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. शेखर डेव्हलीपमेंस कॉपेरिशन।

(प्रस्तरक)

2. श्रीमदी, सुहासिनी रिषक्त रायकर।

(भन्वरिति)

को यह शूचना चारीं करके वृथींक्त सम्पत्ति ये वर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिहित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

फलेंट नं० 403, जो, 4थीं मंजिल मोखर नगर, परेरा वाडी रोड यहिसर (प). में स्थित है।

धनुसूर्व जैसानी क०सं० धर्ছ-4/37-ईई/16467/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गमा है।

> म० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, सम्बद्धे०

विनोक '-- 2-12-1985 मोहर प्रकृप कार्युं हो . एव . सूख . -------

बायकर बॉपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक गायकार गायकत (निश्विक) ग्रजन रेज⊶4, गम्बई

बम्बई, दिनोक 2 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० भई-4/37-ईई/16304/84-85--- भरा मुसे, ७० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकादी को यह विश्वास कड़ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित कासार मूल्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

जीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो प्रिमायसेस के साथ जिसका सर्वे नं० 137, एक० नं० 1,3, 3ए, 16 वी बारटनपाडा, दहिसर बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूर्वी में बीर पूर्ण रूप से बणित है), बीर जिसका करारनामा आयक: अधिनियम, 1961, की धारा 269, क, खें अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्रय, में रजीरही है, धिनोक 1 अप्रेल 1985

की प्रशेषित सम्पत्ति से उचित बाबार मूस्य से कम के रहयमान बित्यस के लिए बन्तिरत की गई है जार अझे वह विश्वाक करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का स्वित्त बातार मूज्य, उसके स्वयमान प्रतिक्रम से पृत्ते स्वयमान प्रतिक्रम का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जीर अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण में किए तब पाना बना बितियत निम्नीसिवित स्थ्रदेश से सकत अन्तरण हैं विश्वा के सास्तिक स्थ से कथित वहीं किया बना है द—

- (क) जन्तरण से हुए जिसी बाव की बावत सकत अधिनियम के स्थीन कर बाने के ब्लाइक के समित्य में कमी करने वा उक्की बंधने में सुविधा के बिए: अडि/वा
- (क) एवी कियी नाव या कियी वृत्य या स्था वारितकों करें, किन्हें भारतीय नायकर सीधनियम, 1822 (1922 का 11) वा अवद अधिनियम, धा वृत्यक्ष नियमित्रमा, 1957 (1957 का 27) में प्रयोगनार्थ वृत्यक्षित्र वृत्यक्ष वृ

नतः जन, जनत निधिनियम की भारा 269-के के समुखर्थ मी, मी, जनत निधिनियम की भारा 269-के की क्यांकि (1) के निधीन, निम्मीकेडिक व्यक्तिकों स्थाहि के 1. भी मगनभाग शामणी नाधय।

(मन्तरक)

2. मेसर्स ऋषिणाज हेन्द्रसोपमेंस कापीरिशन। (धनसरिसी)

की यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्मरित के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हों।

उन्त सन्मति के वर्षन के संबंध में कोई जी आसीप k-

- (क) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश शे 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्य व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इंड स्वना के राजपन में प्रकाशन की हारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति वृतारा बंधोहस्टाक्षरी के पास सिचित में किए वा सकतें।

न्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त संबंधी और पदी का, को संबंध व्यक्तियमः, के संब्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस संख्याय में विद्या व्या हैं।

वर्षको

समीम का हिस्सा को, प्रिमायसेस के साथ, जिसका वर्षे मं० 137, एक० नं० 1, 3, 3ए, 16वी, करटनपाडा, वहिसर, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा की क० सं० घई--4/37-ईई/16304/84-85 बीर जो सक्षम प्राप्तिकार बम्बई द्वारा दिनोक 1--4--1984 की रजस्वर्व किया वया है।

> य॰ प्रसाध, संबंध प्राधिकारी बहायक बायकर घायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रैंज-4, बस्बर्ट

पिशांक - 2~12~1936 बोहर • प्रारूप बाई .टी .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

इज़ैन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनोज 2 विसम्बर 1985 निवेंश सं० प्रई-4/37-ईई/16468/84-85-- स्रतः मुसे इर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फलेट नं० 303, जो, 3री मंजिल शिखर नगर परेरावाकी रोड, दिहिस्स (प), बम्बई-68, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में भौर पूर्ण रूप है विणात है), भौर जिल्ला करारतामा आमकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। विनांक 1 अप्रैल 1985.

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का ठारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया यया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्त्रिवृक्ष कम से क्रिथत नृहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की, बावर , बक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधर कैंसिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) औं अधीन, विकासिकिट व्यक्तियों, अव्यक्ति :---

शेखर डेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

3 थी मोहन यशवंत नेवरेकर ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियों सूक करता हुं।

उक्त सम्मिति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन की अविधि हा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किनी अन्य करोल्ल स्थाय के भाहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए आ सूक्ष्मिक

स्वक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है:

बन्स्ची)

फलैंट मं॰ 303, जो, 3री मंजिल, शेखर नगर परेरावाडी रोड दक्षिसर (प), बम्बई 68, में स्थित है।

जसा की बनुसूची क० सं० ब्राई-4,/37-ईई,16468, 84-85 भीर जो सक्षम प्राधि तारी बम्बई द्वारा दिनांक 4--4-1985 को रजिस्टकं किया गमा है।

> भ० प्रताद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्ष (निरीक्षण) धजन रंज-4, यम्बर्

विनोक: 2-12-1985

प्रकण बाइ ं टी. एन : एस : -----

भाषकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सूच्या

भारत सहकार

कार्यांसय, शहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)
य जैन रेंन -4, घम्बई
थम्बई, दिनोक 3 विसम्बर 1985

निवेंग सं० भई -4/37ईई/16179/85-85--- भवः मुझे ४० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उप्त अधिनियम' कहा गा है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० फलैंट नं० 14, जो धिरवेरिन, श्राय सी० कालोनी सर्वे नं० 110 (श्रंग), प्लाट नं० 14, सी० टी०एस० नं० 1128 विहलेज एक्पार, बोखिली बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्था विज्ञा है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के प्रधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्रो ई दिनांक 1 भन्नेल-1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उण्चित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्चित बाजार मृत्य मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरम से लिए तय नाया नया विकल, निम्नलिखित उप्योप से उक्त अन्तरण सिविद्य वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्) अन्सरण से हुइ फिसी आय की बायत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्थ में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के फिए; औ≾∕या
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य करिस्तयों की, विष्टुं आरतीय आयकर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने के स्विधा के लिए; आर्/या

अतः शवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत ८---- 1. मेसर्स बी॰ घार॰ इन्टरप्रायजेस।

(प्रनरः)

2. आ के॰ एम॰ मारवाडी।

(ग्रं सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्णन के तंत्रंभ में कोई भी वाक्षंप ए---

- (क) इसन्स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष धे 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों प्रस्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी जन्य व्यक्ति उचारा अधोहस्ताधारी के पास किस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होया को उस बन्धाय में विया पदा है।

बनुसूची

फातट नं 14, जो, जिल्लेरित, आय० सी० कौलोती सर्वे नं 110 (अंग), प्लांट न 14, सी० टी० एस० नं 1128 व्हिलेन एमडार, बोखली (प), बम्बई-103 में स्थित है

भ्रतुसुवी जैसाक्रिसं० ग्रई-4/37ईई/16179/84-85/ भीर जो सजन प्राजिकारी द्वारा दिनांच 1-4-1985 रजीस्टडें किया गना है।

> म॰ प्रसाद सक्तन प्राप्ति सार सहायक सायकर झायुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंजे-4, यम्बई

विनानः - 3-12-1985 मोहर: प्रकार बार्च .डी .एव .एस . ------

बायकर बीधीनयब, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन बुवना

भारत सरकार

कार्यालय , तहायक जायकर जायुक्त (निरीक्क) ग्रजीन ज रेंज--4, वस्वई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1955

निर्वेश सं॰ **पर्-4/37ईई/16042/84-85--- प्रतः**

मुझी घ० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० फलॅंट नं० 21, जो, 2री मंजिल, वास्तेव टेरेस, फायनल प्लाट नं० 624 बोखिली टी० पी० एस० 3 शिम्पोली रोड, कस्तूर पार्क बोखिली (प), बम्बई 92, में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण इप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा-भायकर ग्राधिनियम 1961, की घारा 269, क, च के भ्रधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री दें विनोक 1 ग्रोल 1985,

को प्वें वित्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंदौरती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणियत उच्चरित से उच्च अन्तरण कि जिल्ला के वास्तिक रूप से कथित गठीं किया व्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (व) एसी किसी नाम या किसी पन या अन्य शास्तिवीं की, जिन्हें भारतीय वायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनता निभिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने वे सविभा के निए;

अतः अव, उन्त अभिनियम की पारा 269-न के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की सपभारा (1) को अभीन, निम्नलि**वित व्यक्तियों, वर्षां** :---- 1. बीमती मिनस की असलकी।

(धरतरक)

वी भार॰ कै॰ कामत भीर भग्य।

(पग्वरिती)

की वह ब्याना चारी करने वृत्रीक्त सम्पत्ति से वर्षण से सिए वार्यनाहियां बुक्त करता हूं।

क्क्य सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीच से 30 दिन की जनिथ, जो भी मनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्टियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर एक्स स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा पदा है।

वनुसूर्वी

खर्मेंट नं • 21 जो, 2री मंजिल वास्त्रेव टेरेस फायनल ब्लाट नं • 624, बोरिवली टी० पी० एउ 3 शिम्मोती रोड कस्तूर पार्क रिबोबिली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रृतुखी जैसाकी सं० शई-4/37-ईई/16042/ 84-85 बीर जो सक्षम जप्राधिकारी द्वारा दिनांक 1-4-1988 को रबीस्टर्ड किया गया है।

प्रशास
 स्वाम प्राधिकारी
 सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)
 धर्जन रेंज-4.

विनोनः : 3— 1,2— 1986

प्रसम् बार्च . टाँ . एवं . एस . व 🕶 🚥 🗝

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) में अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांकु 3 दिसम्बर 1985

निर्वेश स० ग्रई-4/37ईई/16489/84-85--ग्रतःम्**म** श्र० प्रसाद,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इतमें श्यको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाषार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 जो, 1ली मजिल, महेण्वर .निकेतन कों-ग्रांप हाउसिंग मोशाईटी लि० सी-इमारत दावरकर गोड, बोखिली, (प), अम्बई-92, में स्थिन हैं भीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिस्का करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269, या, खा के जग्रधानन बम्बई स्थित सक्षम रजिस्ट्री है। दिनांक 1 ग्रप्रल प्राधिकारी के कार्यालय को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और नुभन्ने यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्णक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मुल्य उत्तक दश्यमान प्रतिफल ते, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत ते अधिक ही और अन्तरक (कन्त्रकों) और कन्त-रिती (बन्दरितियों) के बीच ए ते बन्दरण के लिए तब बाचा बना विकास निम्नसिवित् उद्देश्य से उस्त बन्तरम बिद्धित वो वास्त्रविक रूप से कविन्त नहीं किया वया है 🚁

- (क) सन्तरण संदुर्घ किसी नाय की नावस उपस अधिनियम के अधीन कर दने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, क्षार/या
- (क) एंसी किसी जाय या धन वा जन्म बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (.1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, वा वब-अद्धर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में हिया को जिए।

कतः अव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-त के अमूबरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 65—416GI/85 श्री फालजी भाडे श्री० परेल।

(भ्रास्तरक)

2. मेसर्स श्र'न) यिल्डर्स

(भ्रन्तरिती)

को बहु शूचना बारी कार के नृकांकित सम्मिति से अधीन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हो।

वक्त बन्दरित के वर्षन के बन्दर्भ में कोई भी बाक्सेप्रकार

- (क) इस स्वरं, ते राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर नृचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समान्य होती हो, के जीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में दे किसी व्यक्तियां हुए।
- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किंद के बीवर उक्त स्थादर सम्बद्धि में हिस्स्वकृष किसी जन्म स्थानित द्वाय न्थोहस्ताकरी के बाद सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरणः - इसमें प्रवक्त सन्दों और पदों का, वो अवस् अधिनियम का अध्याय 20-का में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भूषा है।

अनुस्ची

पलेट नं बी-4, जो, ाली मंजिल, महेण्वर निकेतन को-श्रॉप, हाउसिंग सोसाईटी लि० "सी" इमारत हर्षा, पार्क पदावरश्र रोड,बोखिली. (प). बम्बई-92 में स्थित है श्रृतसूची जेसा की ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/16489/84-85 और जो सक्षम जप्राधिशारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को राजस्टड िया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार क्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-4, बम्बई

दिनांबः : 3-12-1985

मोहरः

इत्य बार्ड . टी . व्य . एव . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदश सं० भ्रई-4/37-ईई/16623/84-85--श्रतः मुझै, ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं व्यत्वेद नं 303, जो, श्री योगेश्वरी ग्रापार्टमेंटसा सी दिन एस नं 133 और 133/1, मंडपेश्वर, बोदिस्ती, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धरा 269 क, क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यास्त्र में रिजर्ट है तारी खान-4-1885

को पूर्विक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने / का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्छ। प्रतिकृत से मिद्धक है और भन्दरक (कन्तरकों) और मन्दरिती (मन्दरितियों) के बीच ऐसे भन्दरक के लिए तय वाचा नवा प्रतिक्त क्य विस्कृतिकित उद्देश्य से उन्त भन्दरक विकित में बाक्तिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वावतः, उपक हिंधिनियम के जधीन कर वाने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी शाय वा किसी भन वा बन्य वास्तियाँ को; जिन्हें घारतीय धायकर सम्विवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाविषयम; वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विका गया या वा. विशा जाना बाहिए या, खिराने में प्रविद्या दे सिए।

ं बतः अव, जवत विधिनियम की भारा 269-व के नगुवरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) भैसर्स चारीओट बिल्डर्स।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीसी० जे० भोंसले।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितसों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिवियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभाणित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा व्या है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं 303, जो, श्री योगेश्वरी श्रपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 133 और 133/1, मण्डपेश्वर, बोरिवली, सम्बर्द में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० मई-4/37ईई/16623/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रॅज- 4, बम्बई

ं विनांक । 3–12−1985 मोहर ⊹

प्र**क्ष्म बार्च , टी** , एवं , **एस**्ट , -----

भाषकर निभिनियम, 1960 विश्वति का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० अई.4/37-ईई/16315/84-85---म्रतः मुझे अ० प्रसाद,

मायकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से बिधक हु"

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 जो, डी-19, बाज ग्रागर्टमेंटस, साई बाबा नगर ग्राफ़ एस० बी० रोड, बोखिली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप मे वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269, क. ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 1 ग्रमेल 1985

का प्राचित संपत्ति के उचित बादार मृत्य से कम के क्यान शितफा के सिए अंतरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्यें कित संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरे हे उचित अन्तरम निम्निलिख के साम वास्तिक रूप से किथित नहीं वि. , नया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्; जारू/वा
- (प) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सित्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशित व्यक्तियों, अर्थर [—— 1. श्री पी० जे० श्रोलिकया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० पी० गांधी ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वीक्त सम्मास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शक्कोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में श्रकाशन की तारीब वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थान पंपीए में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा ज नाक्षरी के पाण विवित को किए का सक्ति।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्धें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जम अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

फ्लैंट नं० 4, जी, डी/19, बाज श्रागर्टमेंटस साईबाबा नगर ग्रॉफ़ एस० बी० रोड, बोखिली (५), बम्बई 92 में स्थित है

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-4/37—ईई/16315/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

श्रव प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्रयक आयकर आयुक्त (त्रिरीक्षण), दर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकार वार्षः, क्षीः, एतः, एवः, - : - - -

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहाधक नावकर नावुक्त (निर्राक्षक)

ग्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 3 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/16530/84-85---ग्रतः मुझे ग्र० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पद्मार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रीर तिसकी फलेट नं 104 जो 1ली मंजिल प्रयाम कपा इमारत नं 1, एक्जर व्हिलेत रोड, बोखिली (प), वस्वई— 92, में स्थित है (स्रीर इसने उपावड़ स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), स्रीर जिसका रारानामा भायकर प्रधि-नियम 1961, की धारा 269, क, ख के स्रधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 1 स्रोल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को क्ष्यमान श्रीतफस को लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्राराज्यों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया जबा कि तफल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तीक रूप से कथित नहीं किया बया है।

- (क) गःतरण से हुए जिसी आयु की अल्ला, इन्स्त अधित्यत्र औं अधीन कर दोने ने श्रन्तह्रक औं दायित्य में कमी करने वा उससे वच्चे में सुविधा के सिए; और/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बंध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

बत: अब उक्त बाँधनियम की पारा 269-व के बक्बरक मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधील, जिस्लिखिट व्यक्तियों, बर्बाह्य हु---- 1. मेसर्स विजय कंपनी।

(मन्तरक)

2. श्रीमती च्योती बी० मखेयजा।

(मन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

वनत सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी विधि वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा में विक्षी पाल दुरास.
- (क) इस सूपना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- सब्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

लब्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुमूची

फ़लेट नं १०४, जो, ाली मंजिल, श्याम कृपा इमारस नं 1, एकपार व्हिलंज रोड, बोखिली (प), बम्बई 92 में स्थित है

श्रनुभूची जैसाकी क० नं० श्रई-4/37-ईई/16530/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजीस्टड किया गया।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहावक भागकर भागक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बाई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकथ बाह्री, टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैंज-4, बम्बर्ड

वम्बर्ध, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निवश वसं० ग्रर्ड-4/37-55/16440/84-85//श्रनः मुझे ग्रं० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर शिक्षकी सं फलेट नं 393 जो, 3री मंजिल, रोझवूड इमारत, श्रीय० सी० कॉलनी बोखिली (प), वम्बई 92, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं।), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय हर श्रीविनियम 1961 की धारा 269, ह, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। विशे 1 श्रीम 1985

भी पूर्वी के सम्मित के सिपत बाजार शृष्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उजित आजार बृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे कश्यमान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया वया प्रतिफल, विम्निलिश्वत उद्यश्य से उच्च अन्तरक निर्मित के बास्तिक कर से कथित नहीं किया वया है :---

- (क) अन्तरण स हुंद्दे किसी शाम की बायछ, उक्त मिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर्/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या नस्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए;

बद: जब, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अमुखरक हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मेसर्स गणेश एन्सट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक

2. श्रीमती विमना जी अग्रवाल।

(घन्तरिती)

ादी यह स्वाना जारी करके प्रशिक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता है।

सकत सम्पत्ति को अर्थन को तंबीध में कोई भी भारति :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहम्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए का सकोंगे।

स्वाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बभ्यायं 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ध होंगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है ।

धनुसूची

पलेट नं० 393 जो, 3री मंजिल रोझवूड इमारत भाय० सी० कॉलनी, बोखिली (प), गम्बई-92 में स्थित है। भनुभूची क० सं० प्रई-4/37-ईई/16440/84-85 जो सक्षम प्राप्ति गरी बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> म० प्रसाद गक्षम प्रीधिकारी सत्वायक आयक्ष्म (विरोक्षण) मजेव रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 3-12-1985

मोहरः

शक्य बा<u>द्र दी.पुन्</u>यास्य कार्याः

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० शई-4 |37-ईई|16442|84-85---प्रतः मुझे ग्र० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित आवार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं 103, जो, 1ली मंजिल , रोझवूड, श्रायं मी कालोती, बोरिइली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसके उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में प्रणित हैं), और जिसका करारतामा श्रायंकर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांचय में जिस्ट्री हैं। तारीख 1-4-प्रप्रैल, 1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से बन्ध के दूरवमान प्रतिफंल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण ही कि सभा पूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल से, एसे दूरवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से क्रीअस नहीं किया गया है दे—

- (क) बन्तरण से हुदै किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करुने वा सससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयध्या या किया बाना चाहिए था, क्रिपाने में सूविधा के सिए;

जत: जब, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग के अभूसरण कें, में, उक्त जिमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निज्नितिशिव व्यक्तिवाने, वर्मीव ए---

1. मैसर्म गणेश कन्स्ट्रुषणन कंपनी।

(श्रन्तर्क)

2. श्री प्रग्नेला फोन्मेका और प्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पितित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्र्यी

फ्लेट नं 2 103, जो, 1ली मंजिल, रोझवूड, ग्राय० सी० कालोनी बोरिष्ठली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसाकी कि सं० ग्रई-4/37-ईई/16442/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> म० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रज-4, बम्बई

विनांक: 3-12-1985

प्रस्य बाह्र , दी. एत. ध्स. ---- प्रस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-न्न (1) के अधीन स्थाना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

शर्जर रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देग मं० श्रष्ट-4/37-ईई/16072/84-85---अस: मुझे, श्र० प्रसाद

आयकर अधिनि में, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके जनते उच्ने अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र . सं अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 602, जो, बी-3, हरी ऑस फार्टमेंटस. एस० बी० रोड, बोस्पिली (प), बम्बई-92 में ख्यित हैं (और इसी उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में प्रणित हैं),/और जिसका नवारनामा आयकर अधिनिरम, 1961 की धारा 269क, ख दे अधीन बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यांत्र में रिजन्ही है। तारीख 1 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मा, रक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री० ई० बी० पिरानी।

(अन्तरक)

 श्रीमतो विमला डी० झवेरी और कुमारी ए० डी० झवेरी।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिति के वर्जन के हिस् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्र किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगी।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसुधी

पलेट नं 0 602, जो, बी-3 हरी ओम ध्रपार्टमेंटस , एस० वी ० लंड , बोरिवली (प), तस्वई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी कर संर कई-4/37-ईई/16072/34-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनाक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मोयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1935

नामकुर निर्भागमम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-वा (1) से मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बध्

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश मं० अई-4/37-ईई/16544/84-85--- प्रतः मुसे, अ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य १ १८०० (100/- रु. ने अधिक है

अंतर जिसकी सं० फ्लेट नं० 14ए/1, जो प्लॉट नं० 1. जय पूनीत नगर को-श्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एम० बी० रोड, बोरिखली (प), वम्बई-9% में स्थित हैं (ऑर इसके उपाबद्ध श्रन्सुची में ऑर पूर्ण रूप से घणित हैं)और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी हैं। तारीख 1 श्रश्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; अरि/मा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री विकास डी० तेंडूलकर।

(ग्रन्तरिती)

2 श्रीमसी गंगा एम० राजपूत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्बीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लेट नं 14ए/1, जो, प्लाट नं 1, एस० बी० रोड, अय पूनीत तगर को-घाँउ० हार्डासम पासाईटी लि०, बोल्विली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/16544/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1935 हो रजिस्टर्ड किया गया है।

> म० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकप शाहरी, हरि. हर्ग . एस . ------

1. श्री कें० डी० मानेक्र।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती इला दिलीय मेहता। 🕡

(भ्रन्सरिति)

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालयः सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई. तिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/16519/84-85----अन: मुझे प्रमाद

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने सा कारण 📌 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्ब 1.00.00/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संव फ्लेट नंव 411, जोव, श्री सांअदिर्शन िमाथ नेम की-प्रापं सोमाईटी, शमवाग, एस० बी० रोड. दीरिली (प); वण्बई-92 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुगुनि में और पूर्ण रूप से विणित है। और जिसका करार-ामा भाएकर शिष्टियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयः में रजिस्ट्री है। तारीखा । अप्रील, 1985

क्ष्मे पूर्वोक्त संपक्त के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्धत का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में गास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (%) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत . उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (e/) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा भन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का **27)** के प्रयोजनार्थ अन्सरिती दवारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनभाके सिए:

ਗਨਾ ਸ਼ਖ਼, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनसरण में उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) ँ जगील - रिक्किनिसित त्यक्तियाँ, प्रसानि :— 66-416GL/85

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्चन के हैंजह कार्यमहियां शरू करता हुं।

उमल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस समान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीव-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिवा गृह्या

श्रनुसुपी

पलेट नं० 411, जो, श्री साईदर्शन प्रिमायसेस को-श्राप० सोसाईटी, रामबाग, एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ७० नं० अई-4/37-ईई/16519/84 85 और जो सक्षय गारिकारी, यम्बई द्वारा दिलंक 1-4-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयक्त (लिरीक्षण) अर्भन रेंज-4, बस्बर्ड

दिनांक: 3-12-1985

प्रकृष बार्<u>टी.</u> शुन . एर . -----

1: श्रीमती मणिबेन गिरधर लाल शाह ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री डी० बी० पोपटानी।

(भ्रन्तरिती)

भाषकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ी 269-ज (1) के नभीन क्षत्रका

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्शक्तिण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्ड

बम्बर्ड, विनांक 3 विसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/16247/84-85—-श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद

हायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित प्राजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं एलेट नं 46-ए, जो, महावीर नगर को-श्रापि हाउसिंग सो उईटी लिंग, फ़्रीक्ट्री लेन, एन टीं रोड, बोलिक्ती (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुभूवी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिल्ला करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 श्रप्रैन, 1985

को प्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का करण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित्त बाजार ब्रूब्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और वंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया चया इतिफल निम्न्तिवित उद्देश्य से अवत अन्तरण के निम्न्तिवित अवस्थित नहीं किया वया हो किया अपन से किया नहीं किया वया हो किया स्था हो स्थापन स्था से किया स्था स्थापन स्यापन स्थापन स्

- (क) बन्तरण से हुवूँ किसी आय कि कावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व बाँ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बीद्व/या
- (क) एंनी किन्दी बाव या किसी धन था। बन्य आस्तियी की, जिन्ही प्रश्तीय वावजर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन- कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशिवार्ग धन्तियों प्रशासिक अन्तियों प्रशासिक विद्या गया था या किया बाना वाहिए वा, किया में सुविधा वे सिकः

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर , जिस्तीनियम व्यक्तियों, अर्थात (—— का यह बूचना जारी करके प्यानित संपरित के कर्चन के किह् कार्यवाहियां कार्या हो।

क्का कमरित के बुधन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंग उ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 हिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की बबीध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के वास लिसिट में किए जा सकेंगे।

ग्रनुमुची

फ्लेट नं० 46-ए, जो महावीर नगर को-ग्राप० हार्जिसम सोसाईटी लिं०, फ़ैक्ट्री लेन, एस० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/16247/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ग्र० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आइ^६.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/16228/84-85-अनः मुझे, अ० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि ा हिस्सा जिसहा रार्वे नं० 115, एच० नं० 1/10, सी० टी० एस० नं० 941, विलेज एकतार, बोरिबली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसहा करारनामा श्रीयर र श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित कक्षम प्राधि ारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1 श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उन्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या विज्ञा थन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री जासीम शहाबक्ष खान श्रौर श्रन्य।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती मुरेखा विलास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध .िकसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याथ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शन्यूचा

कृषि भूमि का ्रिम्रा, जिल्ला सर्वे नं० 115, एच० नं० 1/10, सी० टा० एम० नं० 941, विलेश एकसार, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुभुवी जैपाकी कर -ां० श्रई-1/37-ईई/16228/84-8 श्रीर जो ध्रिम श्रविदारी, बभ्वई द्वारा दिनोङ 1-4-1985 को रजिस्टई सिया गया है।

> श्र० प्रताद २५ ४ ४/छि .१री सहायक स्रायक्रर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) स्रजीव रोग-४, बस्बई

दितिक: 3-12-1985

प्रकथ आर्थः ही पुन्, एक् .. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत बरकार

कार्यास्य . सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

कावकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बिधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-व के स्थीन सका प्रधिकारी का यह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वानार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, अमृत सागर, एस० बी० रोड, विलेज मागठ,णे, हरी श्रोम अपार्ट-मेंट के पास, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुभूची में श्रीर पूर्ण कर ये बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 श्रप्रैल 1985

कां पूर्वोक्स सम्मक्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के दरमान शितफ त के लिए कन्तरित की गर्ध है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कस संपित्त का उधिक बाधार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हू, विन्धाः भागः का गायसः उक्तः समिनियम क अभीन कः वानं क अन्तरक के शायित्य में कामी कारने या उसस अभने में सुविधा के सिए; सहि/या
- (च) एसी किसी जाय या जिस्सी धन या जन्य आसिसा की जिस्ही भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्कल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देशरा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा की विद्या

नतः वर्ग, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग से बनुसरक हो. माँ, इक्त की भनियम की भारा 269-गे की उपभारा (1) के सरीन निम्नसिवित स्थितियों, अथित इ

- मैसर्स श्री सागर बिल्डर्सप्रायतेट लि०। (प्रनारक)
- 2. श्री एम० डी० महना ग्रांर श्रन्य । (ग्रन्सिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए । कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, जो में। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशाय;
 - (क) इस सृथना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयदीकरणः - इसमें प्रयुक्त वन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हाना को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

प्लेट नं 103, जो 1 ली मंजिल, श्रमूत सागर, एस० बीठ रोड विलेज मागठाणे, हुरी श्रोम अपार्टमेंट के पाप, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि %० सं> अई-4/37-ईई/16155/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद इक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक श्रायक श्रायक श्रायका सर्वीत में स्मायक

दिनांक ' 3-12-1985

मोह'र :

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रोज-4, बस्बई

बग्बई, दिनांव 3 दिन्यतर 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37 ईई/16697/84-85--ग्रहः मुझे अ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो, प्लाट नं० 14/19 सिटी क्षर्वे नं० 13/15, 13/21, देहाई श्रीर शेठ नगर, श्राफ़ एस० वी० रोड़, पोईसर बस डेपो के पास, बोरिवली, (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पृथिकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से ए'से दृश्यमान प्रतिपत्न का पंत्रह प्रतियत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विष् उस नाया गया प्रतिपत्न, जिम्मीनांकत उद्दोष्ट्य से उदल अन्तरण जिम्मिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया स्था है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देते के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं का धारा 269-य के अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स अरीहत इंटरप्राईजेस

(अन्तरफ)

2. श्रीमती विमला वि० कोठारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

क्ष डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु सूची

पलैट नं० 104, प्लाट नं० 14/19, जो, सिटी सर्वे नं० 13/15, 13/21, देसाई और शेठ नगर, आफ एस० वी० रोड़, पोईसर बस डेपों के पास, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-4/37-ईई/16697 84-85 और जो सक्षम प्रतिवृह्यारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिवस्टर्ड हिया गरा है।

> ग्र० प्रकाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भाषुका (तिरीक्षण) ग्रार्वन रोज-4, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां 🖰 3 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37-ईई/16352/84-85---म्रतः मुझे, म्रा० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 37, जो, 4थी मंजिल, मुंबई पोस्टल कर्मचारी को-प्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, सिटी सर्वे नं० 1334/1335, (प्राप), सर्वे नं० 163 एच० नं० 1 (प्राप), एक्सार विलेज, तालुका बोरियली ,बस्बई में स्थित हैं (प्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से बणित है), ग्रार जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 2690, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसर बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मुंबई पोस्टल कर्मचारी को-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० ए० मालोडे भ्रार अन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 37, जो, 4थी मंजिल, मुंबई पोस्टल कर्मचारी को-प्राप्ण हाउसिंग सोसाक्टी लिए, िटी पर्वे नं० 1334/ 1335 (ग्रंग), सर्वे नं० 163, एच० नं० 1 (ग्रंग), एक्सार विलेग, नालुरा बोरिवली, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्थ-4/37-ईई/16352 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र∘ प्र⊹ाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज~4, बम्बई

दिशोष : 3-12-1985

प्ररूप आर्ध . टी . एम . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्रण)

ग्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 4 दिसम्बर 1985 निर्देण सं० अर्ड--4/37-ईई/16182/84--85---- अर्थः मुझे, अर्थः प्रसाद,

णायकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का किन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर निमकी सं० दुष्तान नं० 11, जो तल माला, राम मंदिर रोड़, एल० टी० रोड़, एतंर, रामकृष्ण ग्रपाटंमेंटम, बोरिवला (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उण्जिब बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशाद से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एने किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री भौकतग्रली एण्ड सन्म

(ग्रन्तरक)

2. श्री दंसराज गांगली और भ्रत्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों जो भी तविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के नध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

पुकान नं । 11, जो, तल माला, राम मंदिर रोड़, एल । टी रोड, कार्नेर, रामकृष्णा श्रपार्टमेंट, बोरिवली (प०), बम्बर्ड – 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-4/37-ईई/16182/84-85 श्रीर जो सभम प्राधिकःरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेजे-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

मोहरः

प्ररूप आर्घ टी. एन. एस. ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत २६३-ए (1) के अधीन एचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्यंत रोज-4. बम्बई

बम्बई, दिनां रु 4 दिसम्बर 1985

निर्देश ग्रर्ड-ा/37-ई^स/16185/84-85--ग्रतः मुझे, ग्र**ु** प्रसाद

आएकर लिधिनियम 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 233-स के भीत सक्षम प्राधिकारी को यद विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्यन्ति, जिसका अधित राजार प्रूच्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202-ए०, जो निर्मानाधीन इमारत, निर्मात सी० टी० एस० नं० 22 (पी० एल०), शिम्पोली विलेन, साईबाबा नगर के पास, बोध्विली (प०), बम्बई- 400 0092 में स्थित हैं (श्रीप इस्ये उपाबड़ श्रनुसुची में और पूर्ण कर ने निर्मात हैं), और पिराध करारतामा आयार श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के तायिलय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 1-4-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति क उण्जित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफान के निए अन्तरिक की गई है और सभे यह विश्वपास करने का कारण है कि स्थाप्कींनल संपत्ति का उपित गाजार मुख्य इसके दश्यमान प्रतिफान सं. गोरो दश्यमान प्रतिफान का लखह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफान, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण में हाई किसी क्षाय की, बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वकः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के वन्सरण मों, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः ेनम्निलिकित व्यक्तियों. वर्षातः :---

- ा संतर्भ लाउद सम्ब नावश ए आगोजिस्ट्रेस (श्रद्धालय)
- 2. श्रीतम्ती हेल्ल, एध्नाथ रिस्पेट

(भ्रन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पृथींकर सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वका के राजपश्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ब्लिक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वासः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मा एकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संपत्ति ही वितराध किसी अन्य व्यक्ति व्यापा अधोहम्याक्षरी के प्राप्त निस्ति मो निगर का सकति।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

भ्रन्भूची

प्लैंट नं० 202/ए०, जो इमारत निर्मानाधीन, जिसका मी० टी० एफ० नं० 22 (गी० एल०) शिम्पोली क्लिन, गाईवाबा नगर के पान, बोधिनली (ए०), बम्बई- 92 में स्थित है।

अनुसूची जेना कि करु सुरू 4/37-55/16/18584-85 स्रोप जो एक्षप ग्रियारो, बस्बई हुए। दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भ्र**े प्रसाद** ंश्रम प्रशिक्षण शहासक **शा**याः शाणकः (िरीक्षण) ंकेर सम्बद्ध

दिनांक: 4-12-1985

मोहरः

प्ररूप नाइ.टॉ.एन.एस.-----

माधकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मंभीन सुचना

ब्रास्ट सरकार

कायालय, सहायक **आयक्तर जायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजेन रेंज—4, बबई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37-ईई/16107/84-85--धन: मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

'बायकार क्षिपित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसको परवात 'उक्त क्षिपियम' कहा गया है), की धारा 269- ह को अधीन सक्षम विध्वारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, तल माला, नंद धाम, एल० टी० रोइ, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख 1-4-1985

को प्रेंभित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अस्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निसिचत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिबक कण से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दे किसी बाव की बावत उपत समि-नियम के सभीन कार दोने के अन्तरक के दावित्य में कामी करने वा उनसे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, शिक्ष्ट भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्वाजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए वा, कियाम में स्विधा के लिए;

नतः नव, हनत विधिनयम की धारा 269-म के अनुनर्ध में, में, उनते अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) च कधीनः निम्निजिति अधिकत् अधिकत् कभात् ऽच्या 67---416GI/85 श्री हेमंत रावजी वोरा और भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2 श्री हंसराज गांगजी और ग्रन्य।

(मन्तरिती)

 बाँ वह सूचना बारी सरके प्वांक्त सम्परित के अधन के निष् कार्यगाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्र्श किसी अन्य क्येक्ट द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दुकान नं० 4, जो तल माला, नंद धाम, एल० टी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16107/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक। 4-12-1985 मोहर।

पक्ष **अस्त**े.टी एत एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुभीन सूचमा

नारत तरकार

कार्यालय, महायक **आयकर आयुक्त (निरोक्षण)** श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई--4/37--ईई/16500/84-85---श्रतः मुझे, ऋ० प्रसाद,

नायकण अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसुकी सं० दुकान नं० 19, जो, इ-विंग, गीतांजली नगर योजना, नं० 3, श्राफ एस० की० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थिन है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंद्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमि बतरण के लिए तय ज्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में अम्तिक हम में विश्व नहीं किया गया हैं क

- [क्कि) सर्वरण स सूद्धं किसी साम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोन के जिल्लाक के अधित्य में कमी कमने या उनसे बचने मा सुविधा के लिए अधिना
- (स) एसी कि.मी लाय या कि.मी भन या जन्य कास्तियां को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था था किया जाना चाहिए था, खियान मा स्थिया की निष्टा की न

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, प्रकृत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अधीन :--

- 1. श्री ग्ररविंद वी० शेठ (चीफ प्रमोटर) · (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स श्रार० एल० मेटल कारपोरेशन (श्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस नुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्वध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिन्धित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० 19, जो, इ-विंग, गीतांजली नगर योजना नं० 3, श्राफ एस० वी० रोड, बोरिवली (प०), अम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि १० सं० श्रई-4/37-ईई/16500/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भ्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रंरूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16501/84-85---ग्रतः मुझे, ग्र• प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव 20, जो, इ-विंग, गीतांजली नगर योजना नंव 3, स्नाफ एसव वीव रोड, बोरिवली (पव), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबह श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामी स्नायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरवमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उरवमान प्रतिफल से ऐसे उरवमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निमम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) द्योगी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निशिविहा स्मस्तियों, जर्थात् ए— मै० ग्ररविंद बी० शेट (चीफ प्रमोटर)

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स ग्रार० एल० कार्पीरेशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद गें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्यकिरणः—-इसमी प्रयुक्त शब्दो सीर पर्दो का, जो उक्त विधिनियमः, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ गुगा जो उस अध्याय मी दिया गया हो।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 20, जो, ई⊸विंग, गीतांजली नगर योजना नं० 3, श्राफ एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई— 92 में रिथत है।

श्रनुसूची जैसा कि के० सं० श्रई-4/37—ईई/16501/64—85 और जो क्षक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्रं० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकृष कार्य, टी. एम., एस. -----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के बधीन क्वना

नीरत परकार

कार्याजय, सद्दायक आवकर नायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई--4/37--ईई/16504/854-85-- अत: मुने, भ्र० प्रसाद,

नावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निथिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269- क अभीन संक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निथक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 15, जो, सी० एस० टी० विंग, गीतांजली नगर योजना नं० 2, श्राफ एस० वी० रोड़; बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपा - बद्ध श्रनुभूषी में और पूर्ण रूप सेवर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्स तम्बिस के उपित बाजार बूक्य से कन के दक्तजन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके उद्ध्यमान प्रतिफल से एको उद्ध्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिफल का क्ष्यमान प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच देवे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निक्निलिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि किता गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिस्सी आय की बावस, उक्त बोधनियम के अधीन कर धन के अन्तरक के बावित्य में कभी करने या जवारी व्याने में सृविधा के किए, बॉड√वा
- (क) एंदी किसी बाव या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, चिन्हुं आखीय बायच्छु विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। ज्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मो सुविभा के किए।

शतः जब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण तें, जै, कक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ग्ररविंद वी० शेठ (चीफ प्रमोटर)

(ग्रन्तरक)

2 मसर्सं थार० एल० मेटल कारपोरेशन। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन कः कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर जेविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित ह³, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस् गवा ह³।

भनुस्ची

दुकान नं 15, जो, सी० एस० पी० विंग, गीतांजली नगर योजना नं 2, बोरिवली भ्राफ एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रमुस्ची जैसा कि कि से ग्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

म्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-·1985

मोक्षर:

प्रस्य बार्च, टी. एन. एश.-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-व (1) के नधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/16590/84-85--- म्रत: ग्र० प्रसाद

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व क्टे अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

और जिसकी यं० फ्लैट नं० 7, जो. 4थी मंजिल, गोकुलधाम इमारत नं० 1, एसं० बी० रोड, बोरिबली (प), वस्बई 92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण ह्य मे वाणत है), और जिसना करारनामा स्रायकर स्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र जिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुन्य, उसके उध्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उदबोध्य से उथत अन्तरण लिखित मे शास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्दारण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त निभिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक दायिल्य में कभी करने या उसमें स्थन में सुविधा के लिए; बरि/या
- (सा) एम किसी आय या किसी अन या *अन्य* नास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अवन अधिनेश्वर, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (4957. का 27) के पर्याजनार्थ अंटरिनी दुवारा प्रकट नहीं किया गरा पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने विद्

बतः वयः, उक्त विधीनयम की भारा 269-ए के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के मधीन, निम्नीलिकत न्यक्तियाँ, अर्थांकु ह---

(1) श्री एस० डी० प्रधान ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती किर्तीगौरी अजलाल पटनी और श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उपत सम्परित के शर्जन के सक्वन्य में कोई भी काश्रोप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोच्त ध्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (था) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबदर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकते।

स्पक्कीकरणः—इसर्वे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अभिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया 👫

प्लॅंट नं० 7, जो 4थी मंजिल, गोकुलधाम इमारत नं० 1, एस० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-400092 में स्थित है।

ग्रन्सुची जैसा कि %० सं० ग्रई-4/37-ईई/16590/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है। ।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सवमा

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकार मायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निक्षेण सं० ग्रई-4/37-ईई/16279/84-85---ग्रतः मुझे, भ्र० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त क्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो स्टार गलक्सी श्रपार्ट-मेंट इमारत नं० "बी", एल० टी० रोड, बोरिवली (प) बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

कां पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के रिएए अप्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिसत उद्देश से उक्त अंतरण निसित में बाम्यविक रूप से किशत नहीं किया बया है: ---

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/स्थ
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिर द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) स्टार इंटरप्राईजस

(ग्रन्तरंक)

(२) श्री मुलजीभाई जे० गहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पृथींकत सम्परित से अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपरा स्टब्सिक अर्थन के सस्टब्स में कहा भी बाकांव :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्ञिन प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में एकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हिल्बव्य किसी बन्य-व्यक्ति व्यास क्योहस्ताभरी के पास निविध्य में किए का सकीने।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ स्वेश जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

अन्**स्**ची

फ्लैट नं० 102, जो, स्टार गलक्सी भ्रपार्टमेंट, इमारत नं० "बी", एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई पें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16279/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया हैं।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

भोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन., एस .------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन क्वना

प्राप्त चंडुकार

कार्यालय, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16519/84-85---- ग्रतः मुझे,

ग्र० प्रसाद

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुकान नंव 1, 2 3, जो, तल माला, अनुराधा इमारत, माणेक नगर, वोरिवरी (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रस्जिटी है. दिनांक 1-4-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उपित सावार मृत्य से कम् के अवसाद प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने -का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उपित याचार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिफल का पम्बह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब्भावा बना प्रतिफल, निकासिबात उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिषित में शस्तिक कप मे कथित नहीं किया बना है ए—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय की वायत अक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा को सियो; और या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 फा 11) या उक्त जिधिनियम, या चन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या का सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा ले किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तितयों, अर्थात्:—— (1) मैसर्स माणेक एन्ड एसोसिए६म

(अन्तरक)

(2) मैम्भं कलचूरी इंटरप्राइजेजः

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपर्दित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब है 45. विन की अविध या संस्थित व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागत:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा उक्षेंगे।

स्वव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, को उक्त विभिन्तियम के अध्याय 20-क में गिरम्गितत हाँ, वहीं वर्ष द्वारा, को उस मध्याय में दिया गया हाँ।

ननस्ची

दुकान नं० 1, 2, 3 जी, तल माला, श्रनुराधा इमारत, माणेक नगर, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूर्च जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16519/ 84-85 ीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 3-12-1985

प्रकृप बाई टी.एन.एस. -----

भाषकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

क भावता, सहायक आयकर आयक्य (निर्देक्ति)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई दिनां फ 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/16156/84-85--श्रतः सुझे ग्र० प्रसाद

श्रायकार क धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके परिवान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० बी, देसाई रोड़, नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्त्रास्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण निस्तर से वास्तविक अप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किनी आय की वायल, उक्त अभिनियम के अभीन कर कोने के अंतरक के दायित्य. में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के जिए. और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

वत: अथ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचिश व्यक्तियां, वर्धात २० (1) श्री पार्थिव पी० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशोर बी० शहा।

(मन्तरिती)

को यह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बक्षभ किसी अन्य विकत द्वारा जभोहस्त्याक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

अन्श्ची

फ्लैट नं० 204, जो 2री मंजिल, इमारत नं० "बी", देसाई नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ श्रई-4/37-ईई/16156/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी -पहाय ह श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बम्बई

दिनाक: 4-12-1985

मुक्क सार्व ही एन एवं . ------

नामकर निभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अभीन सुचना

मारत सहकाह

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक अदिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रद्य 4_l 3.7 ई \hat{z}_l 16613_l 8.1 85—स्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः सं अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, जो, बाधिना एड्टको-श्राप० हाउनिंग सोताबटी लिए, एन० नि० पा० रोड, सोडाबाला का लेन, बोध्विनो (१), बन्बेई में न्यित है (भीर इससे उनाबद्ध श्रमुक्ता में श्रीट एएं उन्न वे बिणित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थिन एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1985

को वृत्रीपत सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग्रह हैं और मृक्त ग्रह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा जमा प्रतिफस, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरच सिक्ति में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; सौर/वा
- (भा एसी कियो जाय या जिसी भन या अन्य जास्तियो की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिणान के हिए;

अतः अभ, तक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुतर्भ में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अ अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ए—— 68—416G1/85

- (1) श्रो संजयं कृपार गातोलाल गांधी। (प्रतरह)
- (2) श्री पंकाज भी ० णहा आरर अन्य । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन कं लिए कार्यवाहियां करता हु।

बब्द सम्मित्त के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुष्या के राजपत में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुष्या की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अविध का अस्ति होते हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान का निष्य में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन का भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हित-बद्ध कियों अन्य प्यक्ति दुनारा जमहिस्सोक्षरी के यह निष्यत में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसमा अयुक्त शब्दों और पदी का, जो उब्स्युं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषिट हैं, बहों अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्र*न्*सूची

फ्लैंट नं० 503, जो, बोरिवनी मयूर की श्राप्य० दाउमिंग, सोसायटी लि०, एय० बी० पी० रोड, सोडावाना ऋाम लेन बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

भ्रमुस्ची जैसा कि कुठ मंठ भ्रहे 4,37 ईई, 16619, 84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बन्धई बारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रताद मझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन-4, बस्बई ↓

दिनाँक: 4-12-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई जम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदश सं ० ग्राई-4/37-ईई/16278/84-85 श्रतः मुझे भा प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० फ्लैट नं० 007, जो, तल माला, कमला-कर भवन, एक्पार रोड, बोरिवली (प), वम्बई- 32 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयरकर श्रध-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनौंक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

. अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री प्रदान द महाराज करस्ट्रक्शन कस्पनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो जसीन्टा पिं**टो**।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन की निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी बाकीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उस्त अधिनियम के अध्याय, 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 007, जो, तल माला, कमलाकर, भयन, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। ध्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-4/37-ईई/16278/84-85 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई बारा दिनाँक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 4-12-1985

and the same of the same of

प्रकृष काई .टी. एन., एस.,-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 विसम्बर, 1985

निर्सेश सं० श्रई-4/37 ईई/16502/84 85—श्रतः मुझे, ष्रा० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 13ए, जो, सी० एस० पी० विंग, गिताँजली नगर योजना नं० 2, ग्राफ एस० वि० रोड, बोरियली (प), बम्बई 92 म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रांर जिसका करारनामा भागकर भाधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबक्ष, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण भो, भी उक्त कृधिनियम की धारा 269-श की उपभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री ग्रर्रावद वी० शेठ (चोफ प्रयोमोटर) (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स आर० एल० मेटल कार्पोरेशन। (अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० 13 ए, जो, सी० एस० पी० विंग, गीनौजली नगर योगना नं० 2, श्राफ ए० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं श्रई 4/37 ईई/16502/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

म्र० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 3-12-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37 ईई/16506/84 85—जित: मुझे, मुझे, ग्रा० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ल के अभिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिएकी संव दुकान नंव 18, जो, सीवएसव पीव विग, गोनॉजंली नगर योजना नंव 2, श्राफ एसव बीव रोड, बोन्बिली (प). बम्बई 92 में स्थिल है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमसूची में श्रीर पूर्ण क्य ने विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्या-लय, में रजिस्ट्री है, दिनौंक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथातपूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्रामित्क मा कभी करन का उसमें अभने को लिए; और/या
- (छ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चा हए था, छिपाने में सिवधा के सिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अप्रविः बी० गेठ (चीफ प्रमोटर) (प्रन्तरक)
- (2) मेसर्स स्नार० एन० मेटल कार्पोरेशन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) धन सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 18, जो, सी प्रमाणी 0 विग, गितौं जली नगर योजना नं 2, श्राष्ट्र एउ० वी परोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

्रप्रनुसूची जैसा िः क्र० सं० ग्राई-4/37-ईई l 16506/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-4-185 को रजिल्टर्ड स्थिम गया है।

ग्रं० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहस्यक श्रायकर श्रायक्त (बिरीक्षण) प्रति (बर्न) बस्बई

दिनाँक: 3-12-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -------

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-च (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयु**क्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, विनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/16507/84-85----श्रत: मुझे भा• प्रसाद.

नायकर तिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके प्रभात् 'उक्त किथी।यम' कहा गया है), की भारा 269-इ के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी यंव दकार नंव 1, जो डी-विंग गीतीजली नगर योजा नंव 3 शाफव एसव विंव रोख बोरिवली (प) बर्बाई-400092 में स्थित हैं (और इसले उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित हैं), और जिसका करारतामा शासकर एडिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीत बन्दाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिशांक 1-4-1985

कां पूर्वाक्त रम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वींक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अन्तरण

- (क) अन्तरण में हुई किसी आर की बाबत, उट अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दा त्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा तिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिमों, अर्थात् क्र-

- (1) श्री श्ररविष्य बीच शेठ (चीफ प्रमीटर) (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्भ श्रारः एलः मेटल कार्पोरेणनः। (प्रस्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में से किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्सची

दुकान नं 1, जो डी-जिंग गीमांजली नगर योजना नं 3 श्राफ एस० बी० रोड बोरियली (प) बस्बई-92 में स्थित है।

श्रमुस्त्री ग्रैसा दिः क्र॰ गं॰ अई-4/37-ईई/16507/ 84-85 और नां सक्षम प्राधिकारी बस्पई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> श्र० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई ।

दिनांक: 3-12-1985

मोहरः

मुख्य बार्ष . ही . एश् , एव . ------

नायक प्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-व (1) ने अभीन स्वना

भारत पहकां

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिलांक 3 दिसम्बर 1985 निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/16503/84-85-- अत: मुक्षे, अ.० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसकें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव दुकान नंव 14 जो विग गीतांजली
नगर योजना नंव 2 चाफ एसव वीव रोड बोरिवली (प0)
बस्बई-92 में स्थित है (और इसने उनाबद्ध जनुसूची में औ
पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर
प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बस्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय में रजिल्ट्री है दिनांक
1-4-1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि समाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृज्य, उराक दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बज्दह प्रतिमत से मिशक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-का निम्निजित उद्योग से उनत बन्तरण कि विश्व में वाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाग की बागत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्मित्य में कमी करने में उससे वचने में सुनिधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में युविभा के किए:

बतः अव, उत्तत विभिन्तियम की भारा 269-ग की बन्तरण मं, वें अवत विभिन्तियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, भिन्नसिविव व्यक्तियों, अर्थांक :---

- (1) श्री ग्रर्शवद वी० गेठ (चीफ प्रमोटर) (भन्तरक)
- (2) मैसर्स थ्रार० एल० मेटल कार्पोरेशन। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस तुष्पा कें राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धों नीर पर्यों का, जो उपक जीधनियम के अध्याय 20-क में परिआवित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नमा है।

वग्लुची

दुकात नं 14 जो सी एसं पी - विंग गीतांजली नगर योजना नं 2 श्राफ एस वी रोड बारिनी (प बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि नं ग्रई-4/37-ईई/16503/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक 3-12-1985 मोहर

THE RES IS SEE SEE STREET

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वना

THE THE

कार्याभव, तहायक शायकर शायुक्त (निर्दोक्क)

ग्रर्भन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनक 3 दिसम्बर 1985

निवेण सं० श्रई-4/37-ईई/16493/84-85---श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

मायस्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,30,000/- रूपमें विश्वास है

भोर जिनको पं० दुकार नं० 4 जो डी-विंग गीतांजली नगर योजना नं० 3 थाफ एस० विं० रोड, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वॉगन है) ओर जिसका करारतामा आयकर भिवित्यन, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अब-कर जीभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा जे सिए।

अतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्निनिक्ट व्यक्तियों सभीत् :---

- (1) श्री ग्रर्गविद वि० शेठ (चीफ प्रमोटर) (ग्रन्नरक)
- (2) मैसर्स भ्रार० एल० मेटल कार्पोरेशन। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी इं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद पें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

क्षा करी

दुकान नं० 4 जो डी-विंग गीत(जली नगर योजना नं० 3 श्राफ ग्स० वि० रोड, बोरीजली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि कि में ग्रई-4/37-ईई/16493/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

न्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 3-12-198**5**

मोहर

प्ररूप आर्ह, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिशांक 3 दिसम्बर् 1985

निवेश मं ० ग्राई-4/37-ईई/16508/84-85--- श्रतः मृ**से,** श्र० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यक प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की <mark>धारा</mark> 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00 '000/- रा. से अधिक **है** और जिसकी सब द्कान नंब 3 की डी-विंग गीताँजली नगर यं।जना नं 3, शाफ एस० वि ० रोड, बोल्यिली (५), बम्बई-92 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है), और जिसका कराज्नामा प्रायकर प्रधितिसम् 1961 की धारा 269क, ख के ऋधीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-4-1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिर्फल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के र्बन्च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ़्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण 🖈 मैं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधी। निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (े श्री अर्जिंद वि० शेठ (चीफ प्रमोटर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्म श्रार० एल० मेटल कार्पोरेघन। (ग्रन्स(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अमृस्पी

दुकाप नं० 3, जो, डी-चिंग, गीताँजली नगर योजना नं० 3, ग्राफ एस० वी० रोड, बोग्विली (प), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० शई-4/3*7-*ईई/16508/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ्र० प्रसाध मक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर शाजनत (निरीक्षण) रेज-4, बम्बई

दितांक: 3-12-1985

प्रकार वार्ड को का क्या क्राप्ट वर्ग

नायकर निर्माणनम्, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-व (1) ने नभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (किरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई त्रम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985 निदेण सं • भई-4/37-ईई/16509/84-85----अत: मुझे, भ• प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें तहकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर अंगील जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संबद्धकान नंब 2, जो, डी-चिंग, गीतांजली नगर योजना नंब 3, श्राफ एसव बीव रोड, बोरियली (प), वस्ब-92 में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंपत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा

269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के. प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सृविभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित स्पिक्तयों, अधीत् :——
69—416G1/85

- (1) श्री ग्रारचिंद वी० णेठ (चीफ प्रमोदर)। (श्रन्तरक)
- (2) मैं मर्स पार० एल० मेटल कार्पोरेणन। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रिश्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिण है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

दुकान नं 2, जो, "डी" विंग, गीतौंजली नगर योजना नं • 3, श्राफ एस० बी० रोड, बोरिबली (प), बम्ब -92 में स्थित है।

श्रातुस्ची जैसािक क० सं० श्रर्ड-4/37-ईई/16509/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में दिनांक 1-4-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-४, बस्बर्ध

विनांक: 3-12-1985

मोहर

मुक्त् वार्त<u>ः</u>यो .पुत्र<u>,पुत्र्,</u>========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सहस्यक्षक्ष क्श्यांलय, सहायक आयकर वायक्त (विद्रीक्षक)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिन्तक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16327/84-85---भ्रत: मुझे. ग्र० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 004, जो, इमारत नं० डी-25, योगी वृष्णा की-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, योगी नगर, एक्सार रोड, बोस्थिली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के वस्यमान अन्तरित प्रतिफल को लिए की गड विश्वास करने कारण है का यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उच्द्रोध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्सरण ने हुई किसी बाय की वावस, अक्स निधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी करव या किसी वन या बन्य बारिसकों की, चिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का १९) या उक्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति दुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया धाना चाहिए था, कियाने में बृधिया के लिए;

कतः अब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अपूसरण भें, में, उक्त अधितियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्मतिकित व्यक्तिकें के अर्थात क्र-

- (1) श्रीमती लक्ष्मी श्रार्० भाटिया और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) डॉ॰ प्रणांत श्रार० वागले। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त धंवति के वर्धन के शंबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सँ 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;

स्पद्धतीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया नेवा है।

धनुसूची

दुकान नं० 004, जो, इमारत, नं० डी-25, योगी कृष्णा को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, योगी नगर, एक्सरा रोड, बोरिचली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/16327/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

विनांक: 5-12-1985

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निर्देशिका) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनाक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16683/84-85---श्रत मुझे, ग्र• प्रसाद:

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इज्ञमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेंट नं० वी-001, जो, इमारत नं० 17, तल माला, एसके अपार्टमेंटस, आफ एस० वि० रोड, प्लाट नं० 7, साईबाबा नगर, बोरिबली (प), बम्बई-92, में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिनको करारामा जायकर घिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत के पंत्रह अतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिकी (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया जवा प्रतिकृत के ज, निम्निसित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिन्दित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी नाम वा सिसी भन वा कन्य नाभिक्षयों नर्स, जिन्हें भारतीय भायकर निभिन्यस, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यस, वा भनकर निभिन्सस, वा भनकर निभिन्सस, वा भनकर निभिन्सस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री जमशेद फली खान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फातिमा अव्वास तांवाचाला और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काण्याहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी स्पक्तिमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पत्रितमों में से शिक्षसी स्पन्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उकत स्थानर सम्परित में हितबह्ध किसी अन्य क्यांकत दुनारा, नभोहस्ताक्षरी के बात लिखिस में किमे जा सकीं।

स्थव्यक्षिक्यः --- इतयों प्रयुक्त शब्दों और बदों का को अक्त विधिनियस, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वध होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं बी/001, जो, इमारत नं 17, तल माला, एसके अपार्टमैंट्स, श्राफ एस० बी० रोड, प्लाट नं 7, साई-बाबा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि पं० श्रई-4/37-ईई/16683/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

वारीख: 5-12-1985

मोहरः

प्रमाण आहें . टी . एवं . ---------

नावकर समिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यासय , सहायक भायकर जावृक्त (भिर्दासण)

प्रजंत रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/16492/84-85---ग्रतः मुझे, भ० प्रसाद

बारकर बीधीनयस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उन्ह अधिनियम' कहा नया हैं) की भारा 269-क के बंधीन सक्षन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर स्थानर स्थानर अस्परित, जिसका उचित बाबार सूल्य

′1,00,000/- रा. से **व**भिक **ह**ै

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 40, जो, 3री मंजिल विग-डी, मंघज्योत इमारत, फैक्टरी कास लेन, बोरिवली (प). बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करारणामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पृथा कर सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफान को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्प्रांस का उचित बाजार मूल्य, उसको क्यमान प्रतिफास से, एसे क्षयमान प्रतिफास का नल्कह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक किए तय पाया नया प्रतिफास, निम्मीसिकत उद्योग्य से उसत अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उन्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कमी करने वा उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (व) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोपनार्थ नन्तीरित इवारा प्रकट नहीं किया नवा जा या किया जाना चाहिए था, कियाने में बुविधा के चिए;

क्षप्तः क्षा, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम को, जी, धनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कृषधीय. निम्निसिखित व्यक्तिकों, वर्षात् इ--- (1) वैणाली डैचलपमेंट कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) दोशी किरन कुमार श्रमरित लाल। (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संगीत के अर्थन के जिल्ला कार्यग्रहिमां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में म्कायन की बाडीय के 46 डिम की ज्यापि वा सरकान्त्रणी व्यक्तियों पर भूगा की तामील से 30 दिन की नयीप, यो भी वयीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियां में से किसी स्पन्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मा किए जा सकींगे।

स्यक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्यों और वर्षों का ओं उच्छ निधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, का उस अध्यास में विमा क्या हैं।

बम्बुची

प्रलैट नं० 40, जो. 3री मंजिल, विग-डी, मेघज्योत इमारत, फैंक्टरी क्रास लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92. में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-4/37-ईई/16492/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-4-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक' 5-12-1985

मोहर '

प्रकार बार्च हो हो हुन्। हुन्। क्षान्य का

वासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत स्वना

नारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नाय्वत (रिनरीक्रण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं ० घाई-4/37-ईई/16317/84-85:--प्रतः मुझे, घ० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नक्काल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्वाव्द सम्मित, विसका उचित नावार मृख्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 205, जो, 2री मंजिल, सिद्दी टावर, साईबाबा, नगर, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वंशित है),

श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर अधितियम

1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त आंकिन्यस थे उचीन कर दीन के बतरक की दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुनिधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिनों की, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) औं एण्डेजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना आहिए या, छिनाने में सुविधा की किया

WINNING TO

जतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित क्यक्तियों, अधीत्:— (1) मैसर्स राजीव आसानिएटस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शौवी कृष्णा प्रसाद बाथिजा । (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के क्यन के विस् कार्यनाहियां करता हो ।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की श्वीभ, को भी विधि माद में इमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वाय;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बश्रूथ किसी कन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए वा दकी ।

ननुसूची

प्लैट नं ० 205, जो, 2री मंजिल, "सिद्दी टावर", सार्दिबाबा नगर, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रन् सूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16317/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टब किया गया है।

म्र० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण), धर्जन रॅज-4, सम्बद्ध

विनोक : 4-12-1985.

मध्य बाह्री हो हुन पुरु ुरा ुरा क

नामकड विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के संधीत स्वता

भारत प्रकार

कार्याक्षय , सहायक नायकर नाव्स्त (विर्धालक)

ग्राजेंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं∘ ग्राई-4/37~ईई/16496/84-85:---ग्रतः मुर्से, प्र∘ प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्जाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं दुकान नं० 9, श्री-विंग, गीताँजली नगर योजना नं० 3, श्राफ एस वि रोड़, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान अिल्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्योग से उक्त अन्तरण सिवित में बास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वाक्त, उक्त वीधीनमम के गंधीन कह धने के बन्तरण के दायित्व के छमी अरमें या उससे वचने में सुविधा में निष्, औद्व/वा
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किना काना चाहिए था, स्थिपने यें सुविधा के सिर्द;

बत: जब, उभ्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुभारण में, में, उबक्ष अधिनियम को धारा 269-भ की अपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री अर्रीवंद वी शोठ (घीफ प्रमोटर)। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स भार० एल० मेटल कार्पोरेशन। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारती करको पुनोक्त सुम्मित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनक सम्पत्ति की कर्जन की संबंध में कोई भी बाख्येप हा-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानता में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए के सकेंगे।

स्यक्षीकरण ---इसमें प्रयुक्त शख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा ममा है।

धनुसूची

हुकान नं० 9, जो, श्री—िवग, गीर्तांजली नगर योजना नं० 3, श्राफ एस० वी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37—ईई/16496/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टढं किया गया है।

> म्र∘ प्रताद, सक्षम प्राधिकारो, स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरोधग), श्रर्जन रेंज⊶4, बम्ब**ई**

दिनांक: 3-12-1985

प्रक्ष बाद्दे टी. एन एस

(1) मैससं दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(यन्तरक)

(भन्तरिवी)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्द्रोश सं० श्रई-4/37-ईई/16458/84-85:---मतः मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,906/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 71. जो 7वीं मंजिल, ए-विंग, दलानी टायर्स इमान्त, कोरा केन्द्र, एस० वी० रोड़, बोरियली (प), बम्बई--92 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका जरारनामा श्राय घर प्रधिनियम, 1961 की धरा 261 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिन री के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते दह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गंपा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निम्नल में बान्तिविक अप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुं हैं किसी जाय की गवत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के चिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

(2) श्री माणेकलाल पी० शाह मौर मन्य।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्डि में से किए वा सकोंगे।

स्यच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

वनस्थी

ं पलैट नं० 71, जो, 7वीं मजिल, ए--विंग, दक्तानी टावर्स इमारत, कोरा केन्द्र, एस० वी० रोड़, बोरिक्नो (प), क्रम्बई--92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० भई-4/37-ईई/16458/84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनों-5 1-4-19 85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्र० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बस्बई

शक्त जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिश्वित, व्यक्तियों, अर्थात् ट—-

दिनौक: 4-12-1985

प्रका बार्ड ही एवं एसं . -----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन सुचना

गारत सरकार

कार्शाक्य, सहायक भावकर वायुक्त (मिरीक्रण) ग्रजन रेज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-4, 37-ईई, 1647 8, 84-85.—गतः मुझे, भ० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

मौर जिसकी सं व दुकान नं 41, जा, तल माला, शिव दर्शन कस्तूर पार्क, मिम्पोली रोइ, बोरिवसी (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमुची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के करवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबिस्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ष्ठ) एसी जिसी जाव वा जिसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्ररोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना साहिए था, क्रिपान में सुविधा के प्रियः

बार सब उस्त अधिनियम की भारा 269-म से अनुसरस में, में, उस्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधार (१) में अभीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, सर्थात् ७(1) श्री प्रभुलाल रनमल गुढका।

(मन्तरक)

(2) श्री श्रर्रविंद रामजा मार ।

(भन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिक् लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त कमिति के वर्णन के तंबीध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिस की अवधि, जो भी अवधि शाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (भ) इस सुभना के राज्यत्र में प्रकारण की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्क स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा प्रभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सन्देंगे।

स्यक्कीकरणः ----इसमे प्रयुक्त खब्दों और पद्दों का, जो उक्त निधिन्यम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं ० 14, जो, तल माला, शिव दर्शन, कस्तूर पार्क, सिम्मोली रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घई-4,37-ईई,16478,84-85 भीरजो सक्षम प्राधिकारी,बस्बई द्वारा दिनौंक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० प्रसाद, सक्षम प्राधि कारी, स**हायक ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 3-12-1985

मोहरः

प्रश्य आर्थः हो. एन. श्व. -----

बाधकर बिचितिसङ , १९६1 (1961 मा 43) की बारा 260-म (1) के अधीन सन्तरः

भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक वायकर नाम्कतः (निरीक्रण)

अर्जाः रेज-४, बस्बई

बम्बई, दिनांक ३ दिनम्बर 1985

निर्देश मं० अई--4/37--वीडी/18०24/84-85---अत: मुझे, अ० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० कन्सिल्टिंग कमरा नं० 12, जो, निर्मेश कुंत प्रिमायसेम को-अभि हाउकिंग संशियटी लि०, एस० बी० पी० रोड़, बोरिवली (५), अम्बर्ध-9: में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूत्री में स्रोर पूर्ण एप भित्रिक है), प्रीर जिसका करार-नामा अध्यक्तर अधिक्तिस, 1931 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बर्ष स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पर्योक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित को कर्षा कर्ष उठ जिल्लास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य प्रकल्ध करश्यान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्षय से जिल्ला है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरण को लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से क्यात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकरी ाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रामित्य में अभी फरने या उसम क्या में सुर्वेषण के जिए: सीक्/भा
- (ग) एंची किसी आप या किसी वन या अभ्य आस्तिकाँ को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 कि १) के एका अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किए। जरना चाहिए था. कियानों में जालिया के किया

(1) श्री एम० यू० पहला।

(अन्तर्क)

(2) श्री डी॰ एस॰ महा श्रीर श्रीमती बी॰ पी॰ जैस। (अन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी स्पितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- ्क) इस स्चना के उपभिष्य में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के मीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

धनुसूची

"क्रन्सिंटिंग कमरा नं० 12, जो, निमेष कुंज प्रियायसेन को— आप० हाउसिंग मोक्षायटी निः०, एए० बी०पी० रोड, बोरिबली, (प), यम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर मंद्र अई-34/37-ईई/16624/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसील 1-4-1985 को रजिस्टई तिया गया है।

> अ० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक अध्यक (विरीक्षण), अर्जन रेज-4, वस्या

दिशांक : 3-12-1985.

प्राक्ष्य बाह् . टी. एन. एस. ------

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भीरा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत महिकार

कार्यासक, सहावक बायकर नाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/16429/84-85:--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का कारण है कि संभाप्नोंकत संपत्ति का स्थित नाजार मृत्य, इसके परचात् 'उनत निभिनियम' कहा गया है, की भार 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० युनिट नं० 207, जो, 2री मंजिल, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी० पी० रोड़, बोरियली (५), बम्बई— 92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, श्रम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यात्र, में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त संपत्ति का उजित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गवा प्रतिकत, जिम्नीसिचित उज्वेक्तों से ध्रम्य वन्तरक सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्धरण मंधूमं किसी शास की नावत, उपक विधिनियम के अभीन कर कोने के अन्तरक के श्रावित्व में कभी करने वा उसमें अचने में सुवित्ता के लिए: बीर/वा
- (भ) ए जोरे किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्थियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनेत्रम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनेत्रम, या धन-कर विधिनेत्रम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा थे लिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग व्हे, अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मानजीभाई एस० पटेल श्रौर अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कंकूबेन लक्ष्मणभाई पटेल श्रौर अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्मति भी वर्षन को सम्मन्य में कीर्द भी आक्षेप ह्र---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी खंबें 45 विन की नविभ मा तत्सम्बन्धी स्पिक्तवों पर स्वना की तामी सु से 30 विन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पिक्तवों में से किसी स्पिक्त बुवास;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर सकत स्थावर कम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताझरी के शस विविद्य में किस् वा सकोंगे।

प्रनुसूची

युनिट नं० 207, जो, 2री मंजिल, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल, इस्टेट, एम० वी० पी० रोड़, बोजियली (प), बस्वई—92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/16429/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद, जक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुव्ह (भिरीक्षण), अर्जभ रेज-4, वस्बई

दिमांक : 4-12-1985.

मोहर 🖟

प्रकल नाइ , टी., एम ह प्रकार-----

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

धारत सद्दकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-जी/101/85-86:--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-सी, कैलास कुटीर, लोक विलक रोड़, सी० टी० एस०, नं० 630, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री रुती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्म से कम को दृदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि वधापूर्वीक्त सम्परिश्व का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्य-मान प्रतिकल से, ऐसे बस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-सिक्वित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उब्ध अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तर्क के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से लिए? जाँद/या
- (थ) एसी किसी आय वा किसी भन या जल्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा से किएड

श्रतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण मं, मं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीम, निम्नुसिचित व्यक्तिकों, अविद्यास (1) विदूल लक्ष्मण सकपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एस० सालवी ग्रांर अन्य।

(अन्तरिती)

को नह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्मति को अर्थन के जिए कार्यनाहिमां सुक करता हुई।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्मन्य में की है भी बाक्रोप हरू

- (क) इस स्वात के रावपत्र में प्रकाशन की कारीन वें 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वात की तामील से 30 दिन की स्वापि, वो भी जनिथ बाद में समान्त होती हो, के कीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवास्त्र
- (व) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विश के औतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस्सव्य किसी वन्त्र व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकरी के भाष्ट्र अने कर में किस् आ सकतें है।

स्वच्छित्य : — इसमें प्रयुक्त बाक्यों और पदों का, वो उक्त विधिनयम के अध्याय 20 क में परिकाषित है वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया वसा है।

वम्स्यी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-1820/83 श्रीर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 4-12-1985.

भ्रम् वार्' . क्षी . एन . एश् . ----

(1) श्री राजपाल पीरुष।

(अन्तरक)

काधकर निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

(2) एरा० देवराज भारद्वाज रतन।

(अन्तरिती)

भारत संस्काह

कार्यांक्य, महायक जायकार आयुक्त (निरीक्यण)

अर्जन रेज-7, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

वस्बर, 14नाक 4 1दसम्बर, 1985 र्देश सं० अई-3/37-जी/102/85-86:---३

निर्देश सं० अई-3/37-जी/102/85-86:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकाल नंव 1, जो, हिल अबोड अपार्टमेंट, गोवाल रोड़, सीवटीव एसवनंव 164, अर्थे नंव 15, एचव नंव 4, बोरि - वली (प), बस्बई में स्थित है (और इसरो उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित्र बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की नहां है और मुओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूका, उक्के स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का सम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए इय गया गया बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण ये हुई फिक्की शाम की बाबस, उक्त मधिनियन के नचीन कर योगे की अंतरक के धायित्व में अपनी भारने मा उससे बजने में सृष्टिश के सिक्स; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा कत्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय जामकर जिथित्रकम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथित्रकम, वा धन-कर जिथित्रियम, वा धन-कर जिथित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या या या किया बाना पाहिए था, किया से स्थित के सिक्ध;

ब्तः वयः, उत्तर विधिनयम् की शारा 269-ग वै ववृत्तरव में, में, उत्तर विभिनियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वधीनः निम्मतिबिद्ध व्यक्तियों, वर्षातः :---- को यह स्वया पारी कड़के पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्षन के किय कार्यवाहियां करता है।

ज्यत सम्मिति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 बिन की अविध, जो भी क्यां वार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उच्न स्थावर सम्पत्ति में दितवप्र किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, वशहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किसे का उन्होंने।

यम्बुकी

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 839/83 ग्राँग जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–2, बम्**बई**

दिनांक : 4-12-1985.

माहर :

बहुक बाहु हो . एन . ए**ड** . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के नभीन सूचना

वादरत अक्षा

कार्यासय, सहायक जायकर गायूक्त (नि<u>र्</u>यक्तिण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निर्धेश सं० अ**ई**- 4/37- ईई/16656/84-85 --अतः मुझे, **ग्र० प्रसाद**

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उज्जित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव ही-टाइप प्लैट तव 59, जो, 1ली मंजिल, सावंत सदत को-आप० हाउरित सो उईटी जिल, जीवन बीमा नगर, बोरिवली, बस्वई-103 से स्थित है (धोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का भ विशित है), आर किसका करारनामा आयवर अधिनयम, 1961 वीधारा 209 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायोज्य में रिजर्ट्री है, नारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह निश्वास करने का अनरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से किया गया है है—

- (क) बन्तरण तं हुइं किसी शाय की बाबत उक्छ बीधनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के निष्ठ; बीर/या
- (क) एंती किसी बाय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था किया स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) से अधीन, निम्नीलिश्त स्पिक्तियों, अर्थात् ध— (1) पंकज कुमार बैनर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंसाबेम डी० पटेल ।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वृर्वन के निष्

उक्त संपत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई शी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाए।
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतह उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी वै पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**धी

ही-टाइप फलैट नं० 59 जो 1 ली मंजिल, सावंत सदन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोरिबली (प), अम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/66156/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**~4, **बस्बई**

दिमांक : 3-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसाबर, 1985 निर्देश सं० अर्ध-4/37–ईर्ड/16645/84–85:—-ग्रनः मुझे, अ० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपेत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 10, जो, तल माला, प्रशांत राइन को-आप० इत्सिमिंग मोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिल्ट्री है तारीख 1--4--1984 को पूर्विक्त संम्योत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूख्य, उद्यक्त क्रयमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का क्षेत्र प्रविकास ने अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नितांकत उद्यक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है कि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/सा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री आर०के० शेठ ग्रौर एस० आर० गेठ। (अन्तरक)
- (2) श्री श्री० बी० ठाकुर । (अन्तरिनी)

को यह सुधना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वमुसूची

दुकान न 10, जो सल माला, प्रशांत सदम को-आप हाउसिंग सोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-4/37-ईई/16545/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद, सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)' अर्जन रेज- 1, कम्पर्फ

त्रिभाक : 3-12-1985

संब लोक सेवा शायोग नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे मप्रेन्टिसेज परीका, 1986 नई विल्ली, दिनांक 18 जनवरी, 1986

सं एफ 5/2/85 पं 0 1 (ख) — भारत के राजपन्न दिनांक 18 जनवरी, 1986 में परिवहन संवालय रेल विभाग (रेलवेकोर्ड) वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंनीनियरों की भारतीय रेल मेवा में स्पेशल क्लास अप्रेन्टिस के पदों पर नियुक्ति हेतु ध्यन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतल्ला, अहमदाबाध, ऐजल, इसाहाआव, अंगलीर, भोपाल, अम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, विल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैवराआव, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू औरहाट, कोहिमा, लक्जनक, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टेक्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, विवेक्सम, उवयपुर और विशाखापतनम में 15 जुलाई 1986 से एक परीक्षा ली जाएगी।

बायोग यदि जाहे तो उनत परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीनों में परिवर्तन कर संकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयाम किए जाएंगे तो भी प्रायोग प्रिस्थितिवा किसी उम्मीदवार को प्रपने विवक्षा पर प्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश मिल जाता है उन्हें समय सारिणी तथा परीक्षा (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। प्रमुखन्ध 1 परा 11 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के घाघार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की धनुमानित संख्या 14 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। इन रिक्तयों में धनुसूंचित जातियों और धनुसूचित जन जातियों के उम्मीववारों के लिए घारक्षण मारत सरकार बारा निश्चिन संख्या के न्धनुसार किया जाएगा।
- 3, परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववार को निर्वारित झावेवन प्रपक्त पर सिचव, संघलोक सेवा झायोग, झोलपुर हाउस, नई विल्ली—110011 को झावेवन करना चाहिए । निर्वारित झावेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण जिवरण वो द० (६० 2) देकर झायोग से जाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिचव, संघ लोक सेवा झायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली—110011 को मनीब्राइंग्र या सिचव, संघ लोक सेवा झायोग की नई विल्ली जनरल झाकचर पर देय भारतीय पोस्टल झाईर हारा मेजी जानीचाहिए। मनीब्राइंग्र/पोस्टल झाईर के स्थान पर चैक या करेंसी मोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये झावेदन-प्रपत्न भायोग के काउस्टर पर नगव भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा मकते हैं। दो रुपये (६० 2) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी: - उम्मीदवारों को बेताबनी दी जाती है कि वे प्रपने प्रावेदन
पक्ष स्वेशल क्लास प्रश्नेटिस परीक्षा 1986 के लिए निर्धारित मृदित प्रपत्न
भें ही प्रस्तुत करें । स्पेशल क्लास रेलवे प्रश्नेटिसेण परीक्षा, 1986
के लिए निर्धारित प्रावेदन प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए प्रावेदनपत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुन्ना श्रावेदन-पत्न श्रावश्यक प्रलेखों के साथ संचित, संघ लोक सेवा ग्रायोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 को 17 मार्च, 1986 17 मार्च, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेधालय, अरुणायल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालेन्ज, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू श्रीर कम्मीर राज्य के लहाज प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल श्रीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांती उपमण्डल ग्रंडमान श्रीर निकोबार ग्रीप समूह या लक्षद्वीप श्रीर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के श्रीर जिनके प्रावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से जाक ग्रारा प्राप्त होते हैं उनके

मामले में 31 मार्च, 1986 तक या उनसे पहले डाक द्वारा भवश्य फिजका विया जाए या स्वयं भायोग के काउन्टर पर जाकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद होने वाले किसी भी धावेदन पत्न पर विकार नहीं किया आएगा।

ध्रसम, मेघालय, श्रहणाचल प्रदेश, मिणपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू ध्रीर कश्मीर राज्य के लहान्त्र प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहील ध्रीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांगी उपमण्डल श्रंडमान ध्रीर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप ध्रीर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार से ध्रायोग यदि जाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 17 मार्च, 1986 से पहले की किसी तारीख से ध्रसम, मेघालय, ध्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालिण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम जम्मू ध्रीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहील ध्रीर स्पीति जिले तया चम्बा जिले का पांगी उपमण्डल श्रंडमान ध्रीर मिकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेश में रह रहा था।

- दिप्पणी(1) '--- ओ उम्मीदबार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने बाले झाबेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें झाबेदन पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार देलांके या क्षेत्र का नाम (अर्थात असम मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाज प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें मितिरिक्त ममय का लाभ न मिले।
- िष्पणी (2) :--- उम्मीवबार को सलाह दी जाती है कि वे प्रपने प्रावेवन-पत्न की स्वयं संघ लोक सेवा धायोग के काउन्टर पर जमा कराएं धथथा रिजस्टवं बाक बाक द्वारा भेजें। धायोग के किसी प्रत्य कर्मचारी की दिए गए धावेदन-पत्नों के लिए धायोग उत्तरवायी नहीं होगा।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीववारों को चाहिए कि वे मरें हुए धावेदन-पत्न के साथ रू० 36,00 (रू० छतीस केवल) का शृक्क जो संजिब संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकथर पर वेय रेखांकित मारतीय पोस्टेल प्रार्थर के रूप में हो, या सजिब संघ लोक सेवा भागोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई विक्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक बुफ्ट के रूप में हों, ग्रवस्य भेज दें।

भनुसुचित जातियों/भ्रनुसुचिन जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई मुक्क नहीं देना है।

ं विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भ्रपने यहां के भारत के उच्च भ्रायुक्त , राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुरूक इस प्रकार जमा करें, जिससे यह "051 लोक सेवा भ्रायोग परीक्षा शुरूक" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए भीर उसकी रसीद लेकर भ्रावेदन-पक्त के साथ भेज दें।

जिन प्रावेदन-पत्नों में यह प्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकवम प्रस्वीकार कर दिया आएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो निम्नलिखित पैराग्राफ 6 के ग्रन्तींगन निर्धारित गुल्क से छूट बाहते हैं।

6. श्रायोग यदि चाहे तो, उस परिस्थिति में निर्धारित शुरुक से छूट दे सकता है जब वह इस बान में संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 सार्च, 1971 के बीच को धविध में भूतपूर्व पानिस्तान (अब बंगना देश) से भारत श्रापा हुआ अस्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बहु वर्मा में वास्तविक रूप से प्रत्याविक मृखतः मारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत श्रामा है, या बहु श्रमतूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के प्रस्तांत श्रीलंका से बाक्तिक रूप में प्रत्यावित मृखतः भारतीय व्यक्ति है भौर 1 मवस्थर,

1964 को या उसके बाद प्रवाजन कर भारत भागा है या श्रीलंका से मूखतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रवाजन करने की संभावना है या भूलपूर्व पश्चिम पाकिस्तान, से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की भ्रविध के दौरान भारत प्रवाजन कर चुका था और निर्धारित शुरूक दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी उम्मीववार ने निर्धारित युक्त का भुगतान कर विया हो किन्तु उसे मायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे द० 21.00 (रुपय बक्कीस) की राशि वापस कर दी आएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे लिखी टिप्पणी-II की गर्तों के मनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदबार का मावेदन-पत्न यह सुचना प्राप्त होने पर ग्रस्कीकार कर दिया जाता है कि वह महंक परीक्षा में प्रसक्त रहा है भवना वह उपर्युक्त टिप्पणी के उपबन्धों की शर्तों की गरेका में प्रसक्त रहा है भवना वह उपर्युक्त टिप्पणी के उपबन्धों की शर्तों की भपेका मों का ग्रस्था पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुक्क वापसी का हक्तार महीं होगा।

उपर्युक्त भीर तीचे पैरा 8 में संबंधित क्यवस्था को छोड़कर प्रश्य किसी स्थिति में भाषोग को भुगतान किए गए शुक्क की वापसी के किसी वाबे पर न तो विचार किया जायेगा भीर न ही गुक्क को किसी धन्य परीक्षा या चयन के लिए भारक्षित रक्षा जा सकेगा।

- 8. यदि कोई उम्मीदवार 1985 में स्पेशल क्लास रेलवे धर्मेंटिसेज परीछा में बैठा है झीर सब वह इस परीका में प्रवेश का इक्छुक हो, तो वह परीका परिणाम का धवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतिद्धा किए बिना धपना धावेदन—पक निर्धारित तारीख तक प्रायोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1985 की परीक्षा के परिणाम के धाधार पर वियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1986 की परीक्षा के किए उनकी उम्मीदवारी उनके धनुरोध पर रह कर वी जाएगी धीर कर्त्ते परीक्षा शुरूक वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीद—वारी रह करने सवा शुरूक वापसी के बारे में उनका धनुरोध धायोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के फाइनल परिणाम "रोजगार समा—वार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के सन्दर सवस्य पहुंच जाएं।
- 9. सम्मीववार द्वारा भपना भावेदन-पद्ध प्रस्तुत कर देने के बाद, सम्मीववारी वापिस लेने के संबंध में किसी भी भनुरोध को विक्षी भो विश्वसित में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 10. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उष्टिलिखित परीक्षा योजना में निविष्ट किया गया था, सभी विषयों से प्रश्न-पक्षों व बस्तुपरक प्रश्न पूछें जायेंगे। नमूने के प्रश्न सिंहत बस्तुपरक परीक्षण संबंधी क्योरे के लिए कृपया "उम्मीदबार सूचना विवरिणका" के अनुबंध-II का अवलोकन करें।

एम० बालकृष्णन, उप समिव संघ लोक सेवा प्रायोग

धनुबंध I उम्भीदवार को धनुवेश

 उम्मीधवारों को चाहिए कि वे प्रावेदन-प्रप्रत मरने से पहले सोडिस प्रीर नियम व्यान से पढ़ कर यह देखा लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाल भी हैं या नहीं। निर्धारित गर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

ग्रावेदन~पत्न भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 मैं विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इक्ष्कुक है, मंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

जम्मीववार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध धमुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया आएगा। किन्दु जब कोई अम्मीववार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसनें उक्त परीक्षा हेतु प्रपने प्राधेदन में निर्िष्ट किया था तो उसे सबिव, संच लोक सेव प्रायोग, को इस बात का पूरा धोलिस्थ बधाने हुए एक पत्न रजिस्टडं बाक से अवस्य गेजना जाहिए कि वह केंद्र में गरिवर्तत क्यों जाहता है। ऐसे प्रनुरोधों पर गुणवत्ता के ग्राधाट पर विश्वार किया जाएगा किन्तु 16 जुन, 1986 के बाद प्राप्त प्रमुरोधों को कियी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को श्रायेदन-पत्र तथा पावती कार्ड मपने हाक से स्याही से अथवा बाल पाइन्ट पैन से ही भरने बाहिए। भवूरा या गलत मरा हुमा भावेदन-पत्र मस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीववार यह ध्यान रखें कि धावेवन-पक्ष भरते समय उन्हें भारतीय धंकों में केवल धंतरिष्ट्रीय रूपों को ही प्रयोग करना है। बाहें माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पक्ष, या उसके समकक प्रमाण-पक्ष में जन्म की तारीख हिन्दी धंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह मुनिश्चित कर ले कि वे धावेवन-पक्ष में प्रविष्ट करते समय इसको भारतीय धंकों के केवल धंतराष्ट्रीय रूप में ही निखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी वरतें कि धावेवन-पक्ष में की गई प्रविष्टियां अपट धौर सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां धपाठ्य या भामक है तो उनके निर्माणन में होने वाकी खाति या संवेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार हों।

जम्मीवबार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रायोग द्वारा प्राचेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविध्दियों को शदलने के लिए कोई पत्न प्रादि स्वीकार नहीं पित्या जाएगा। इस लिए उन्हें प्रावदण-पत्न सही क्य में परने के लिए जिलेक सांबंधानी अस्तनी चाहिए।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले भौद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के धन्य संगठलों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को धपमे आवेदन-पक्ष भायोग को सीखे भेजने चाहिए । यदि कोई ऐसा उम्मीदवार ्द्रपना भावेदन-पक्ष भपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है भोर वह संघ लोक सेवा भायोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा, मले ही वह नियोक्ता के भंतिम तारीख से पहले प्रस्तुन किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में धाकस्मिक या दैनिक वर कर्मचारी से इसर स्वामी या अस्थायी हैसियत से या कार्ये प्रभारित कर्मचारियों की हैसियस से काम कर रहे हैं ध्रथना जो लोक उक्कमों के ध्रधीन सेवारत है, उन्हें यह परिवचन (धंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित कुप से ध्रपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परोक्षा के लिए ध्रावेदन किया है।

जम्मीदवारों को घ्यान रखना लाहिए कि यदि धायोग को उनके नियोक्ता से उनके उकत परीक्षा के लिए धावेधन करने/ परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पक्ष मिलता है तो उनका धावेदन--पक्ष धस्त्रीकृत/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदवार को श्रयने ग्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखिन प्रमाण-पत्न ग्रवस्थ भेजने चाहिए:---
 - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टज मार्डर या बैंक डाफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
 - (2) बायु के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति लिपि।
 - (3) पौक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (4) उम्मीववार के हाल ही के पासपोर्ट धाकार (लगभग 5 सें० मी०×७ में० मी०) के फीएं। की दो एक जैसी प्रतिया इनमें मे एक प्रति स्नादेदन-प्रपत्न पर और दूसरी उपस्थित पत्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
 - (5) स्कूल और कालिज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त वियरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकृद के सम्बद्ध सफल— ताझी का उस्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं भ्रपने हाथ से लिखे भीर उस पर हस्ताक्षर करें।

- (6) जहां लागू हो बहां धनुसूचित जाति/धनुसूचित जनजाति का होने के दात्रे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की धनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां हो वहां घायू/शुल्क में छूट के दावें के समर्थन में प्रमाण-पक्ष की घनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (वेखिए नीचे पैरा 5 भीर 6)।
- (8) विश्वित् भरा हुआ उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न)।
- (9) लगभग 11.5 सें॰ मी॰*27.5 सें॰ मी॰ भ्राकार के थिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर ग्रापका पता लिखा हो।
- टिप्पणी (1) उम्भीववारों को भ्रपने भ्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त **मद (2), (3), (6), तथा (7), पर छल्लिका**त प्रमाण-पन्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपतित धिषकारी द्वारा प्रमाणित हो। प्रथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सस्या-पित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के ब्राधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेत् साक्षारकार के लिए महिता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मुल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर, 1986 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी जम्मीयवारी रह कर दी जायेगी घौर द्यागे विचार के लिए उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।
- टिप्पणी (2) मावेदन-पत्नों के साथ भेजी गईं सभी प्रभाण-पत्नों की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्साक्षर करने होंगे भौर तारीख भी देनी होगी।
- मद (1) से (5) तक उरिलाखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (6) और (7) में उरिलाखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 भीर 6 में दिया गया है।
 - (1) (क) निर्धारित शुस्क के लिए रेखांकित हुए भारतीय पोस्टल गार्डर:—

प्रत्येक पोस्टल मार्डर भनिवार्यतः रेक्कांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव संघ लोक सेवा धायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकथर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी धन्य बाक्ष्यर पर देय पोस्टल धार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। विरूपित या कटे फटे पोस्टल धार्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल भावेंगें पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताकार भौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहुर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए होंगे और न ही सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के जनरल डाकघर पर देय होंगे उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(क) निर्धारित मुस्फ के लिए रेखांकित बैंक ड्रापट:

बैंक ब्रापट, स्टेट बक झाफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सिंव, संघ लोक सेवा झायोग को स्टेट बैंक झाक इंडिया की मुक्य शाखा नई विल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो। 71—416GI/85

किसी धन्य बैंक में देव बैंक इपट किसी धी हालत में स्थीकार नहीं किए आएगे। विरूपित या कटे-फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे। टिप्पणी:— उम्मीदवारों को धपने ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैंक इपट की पिछली और सिरे पर धपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल धाउँरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल धाउँर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) आयु का प्रमाण-पल अयाया जन्म की बहु तारी का स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पल या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समक्ष्म माने गये प्रमाण-पल या किसी विश्व विद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटरों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों, जो उम्मीदवार उज्वतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर या माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पल की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

भ्रायु के सम्बन्ध में कोई ग्रन्थ दस्तायेज जैसे जन्मकुंडली शपथ-पन्न, नगर निगम से घौर सेवा धभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा श्रन्थ ऐसे ही प्रभाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

भन्देशों के इस भाग में भ्राए हुए मैद्रिकुलेशन/उच्चेतर मान्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न, याक्ष्यांश के भन्तर्गत उपर्युक्त वैकस्पिक प्रमाण-पन्न सम्मिलत हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उक्त्वत माठ्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न मैं जन्म की तारीक्ष नहीं होती है या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही विए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्भीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उक्त्वतर माठ्यमिक परीक्षा प्रमाण-पद्म की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उक्त्वतर माठ्यमिक परीक्षा उस्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में इस संस्था के विख्ला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीक्ष या वास्तिवक प्रायु लिखी होनी भाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि धावेदन-पत्न के साथ इन धनुदेशों में यथा निर्धारित प्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो धावेदन-पत्न प्रस्तीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल प्रायु से सम्बद्ध प्रविध्टि बाले पृथ्ट की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उभ्मीदिवार यह घ्यान में रखें कि धायोग उम्मीदिवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि धावेदन-पत्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है भीर इसके धाद उसमें परि-वर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा भीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3 : उम्भीवनार यह भी नोट कर में कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार शेषित कर देने भीर भ्रायोग द्वारा उसे भ्रयने श्रमिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्लन करने की भ्रमुभित नहीं दी जाएगी।

(3) बौक्षिक योग्यता का प्रमाण-पतः - उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्न की छन्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सनें कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं मैं से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी

(अर्थात् विश्वविद्यालयं या घन्य परीक्षां निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाण को उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए भीर प्रपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध घपने दाव के समर्थन में कोई घन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। घायोग इस प्रमाण के घौषितीं पर विजार करेगा, विन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाह्य नहीं हैं।

यदि उम्मीदिवार द्वारा अपनी शैकिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इण्टरमीडिएट या कोई प्रस्य धर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पन्न में सभी उसीण विषयों का उल्लेख महीं है तो उसे प्रिसिपल के इस भग्य के प्रमाण-पन्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने छाईक परीक्षा गणित के साब-साथ भौतिकी धीर रसायन विक्षान में से कम से कम एक विषय लेकर उन्होंने छी है।

जिस उम्भीवनार पर नियम 6(ग) या नियम 6(च) आगू होता हो तो उसे भपनी पैक्षिक , योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रिजस्ट्रीर/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के भ्रष्ट्यका से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में दिए गए प्रमाण-पन्न की प्रतिनिधि भवस्य प्रस्तुत करनी चाहिए। उम्भीववार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म

2. उन्होंने त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उन्वतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाघों में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है घौर उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीका में नहीं बैठना है।

स्रथवा

उन्होंने 'विषयविश्वालय द्वारा संचालित ज्ञिवर्षीय डिश्री कोर्स को प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा/*पंचयर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम परीक्षा की परीक्षा ' ' श्रेणी में उसीर्ण कर सी है।

3. उनके परीक्षा विषय निम्निष्वित थे:---

1

2

3.

4.

5.

 *पंजबर्षीय इंजीनियरी डिग्नी कोर्स के जिद्याधियों पर लागू नहीं होगा।

> (रजिस्ट्रार/प्रिंसिपल के हस्ताक्षर) (विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

तारीख ' · · · ·

स्थान : : : : :

*जो शब्द लागून हों, उन्हें कृपया काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया/दी गई टिप्पणी 1 लागू होता हो उसे जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिंसिपल/हैंबमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पन्न को प्रनुप्रमा- चित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके कुल संक विश्व- विद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या क्रितीय श्रेणी की संक सीमा के संवर्गत सनेते हैं।

हिष्पणी :—यि कोई उम्मीववार ऐसी परीक्षा में बैठ बुका हो जिसे उसीण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पाल हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थित में वह इस परीक्षा में अवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की धहुंक परीक्षा में बैठना बाहुता हो वह भी भावेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखतू—निर्म्चारित कार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिचल से एक प्रमाण-पत्र की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यवि वे भाष्य शर्ते पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परस्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति मनित्तम मानी जाएगी भौर यि वे भार्देक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र जलदी भौर हर हालत में 25 धगस्त, 1986 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रख की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को काहे वह इस परीक्षा के लिखित माग में उसीर्ण हो प्रवसा नहीं उपर्युवत सरबित के भीतर घाईक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पन प्रस्तुत करना होगा। इस धानुदेश का पालन न करने पर असकी उम्मीदवारी रह कर बी आएसी धीर वह अवना परिणाम जानने का घांछकारी नहीं होगा।

जो सब्द लाजून हों, उन्हें काट दें।

स्वान ''''

(4) कोटो की दो प्रतियां :— उम्मीदवार को अपने हास ही के पासपीर्ट झाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के कोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आबेदन-वल के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तूसरी प्रति उपस्थिति चलक पर निर्धारित स्वान पर लगा देनी चाहिए। कोटो की प्रत्येक प्रति के उत्तर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष स्थान वें:---उम्मीवकार को जेताबनी वी जाती है कि याद कोई माबेदन-पक्ष उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(4) लबा 3 (5) के मंतर्गत उल्लिखित प्रमाण-पक्षों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता भीर उसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पन्न प्रस्वीकृत किया जाएगा समा इसकी मस्तीकृति की म्रपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यिष कोई उम्मीदवार किसी अनुस्थित जाति या अनुस्थित जान जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें इसके माता-विता (या जीवित माता या पिता) धामतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उपमंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिससे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए मक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीक्से

विए गए कार्म में विए गए प्रमाण-पत्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-
लिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों
की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न जिले के ग्राधिकारी से लिया
जाना चाहिए जहां उम्मीदवार श्रपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से
गामतौ र पर रहता हो ।
ं भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए भावेदन करने वाले
मनुस्चित जाति भौर अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत
किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
जो गांव/कस्बा*
मण्डल* राज्य/
मण्डल*
, , आ ति/ [#] जनजाति
के/की* है जिसे निम्नसिखित के प्रधीन धनुसूचित जाति/धनुसूचित जन
जाति* के रूप मैं मान्यता दी गई हैं :
संविधान (भ्रनुसूचित जातियां) भ्रादेश, 1950@
तंबिज्ञान (मनुसूचित जनजातियां) म्रादेश, 1950@
तंविधान (धनुसूचित जातियां) (संग राज्य क्षेत्र) धावेश, 1951@
संविधान (मनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) मादेश, 1951*
[(धनुसूचित जातियां भीर प्रनुसूचित जनजातियां सूची (प्राशोधन) भादेश,
1956, बम्बई, पुनर्राठन भविनियम, 1960, पंजाब पुनर्राठन भविनियम,
1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रिधिनियम, 1970 घोर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र
(पुनर्राठन) प्रधिनियम, 1971 तथा प्रनुसूचित जातियां ग्रीर अनुसूचित
जनजातियां (संशोधन) प्रविभित्रक 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान
(अम्मू और कश्मीर) शनुसूचित जातिया भावेश, 1956@
संविधान (भंडमान भीर निकोशार द्वीप समृह) भनुसूचित जनजातिया
मादेश, 1959@ मनुसूचित जाति तथा मनुसूचित जनजातिया (संशोधन)
भिष्ठितियम, 1976@ द्वारा यथा संशोधित ।
संविधान (दादरा भीर नागर हवेली) धनुसूचित जातियां भावेश,
1962@
संविद्यान (पांडिवेरी) भनुसूचित जातिया भाषेश, 1964@
संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (उत्तर प्रवेश) मादेश, 1967@
संविधान (सोधा, दमन और दीयु) अनुसूचित जातियां मादेश,
1968@
संविधान (गोभा, बमन श्रौर दीयु) मनुसूचित जनजातियां भादेश
1968@
संविधान (नागालैंड) धनुसूचित जनजातियां घावेषा, 1970@
संविधान (सिक्किम) धनुसूचिन जाति धादेश, 1978@
संविधान (सिक्किम) अनुसूचिन जनजाति धादेश, 1978@
%2. प्रनुसूचित जातियों/प्रनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों के
मामले में लागू जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से प्रवणन कर
भुके हैं
यह प्रमाण-पत्न भी/भीमती/कुमारी @
ग्राम कस्या@ जिला मण्डल@
राज्य/संघराज्य सेन्न @ · · · जो
जाति/जनजाति @से सम्बद्ध है जिसे
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र@ में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में
मास्थता प्राप्त है. के पिता/माना @श्री/श्रीमती @को जारी प्रमाण–पत्र के माधार पर जारी किया जाता है।

• • • • वारा जारी ।
विनांक
% 3. श्री/श्रीमती/क्रुमारी* · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
भीर/या* उनका परिवार श्रामतौर पर गांव/कस्था*
ार राज्या का
····· राज्य/संघ [‡] राज्य क्षेत्र · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
' ' ' स्ह्रेने/रहती® हैं ।
हस्ताक्षर ' ' · · · · · · · · · · ·
** पदनाम · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
(कार्यालय की मोहर)
स्यान • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
तारी व ः · · · · · · · · · · · · · · ·
*गका/संस गाउस क्षेत्र

रराज्य/सघ राज्य काम

🕶 जो शब्द लागून हो उसे काट दें।

@कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट भादेश निर्विष्ट करें।

%जो **पैरा साग**्न हो उसे काट दें।

टिप्पणी :--वहां "धामतौर से रहते/रहती हैं" का धर्म वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन ग्राफ दि पीपल एक्ट 1950" की धारा 20 में हैं जाति/जन जाति प्रभाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों की सूची से।

(1) जिला मजिस्ट्रेट/भ्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर/क्रिट्टी कमिक्नर/एडीशनल डिप्टी कमिक्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल मजिस्ट्रेट/तास्लुक मजिस्द्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एकस्ट्रा भ्रसिस्टेंट कमिश्नर् ।

प्रियम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं।

- (2) चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट।
 - (3) रेवेन्यू प्रफसर जिनका घोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस इलाके का सबडिवीजनल प्रकसर जहां उम्मीदवार भौर/ या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट ग्रफसर लक्ष-द्वीप ।
- 5. (1) नियम 5 (ख) (ii) अध्यवा 5(ख) (iii) के अन्त~ र्गत ग्रायु में छूट ग्रीर या नोटिस के पैरा 6 के भ्रनुसार गुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देशा) में विस्यापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गये प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रस बंगला देश) के वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं भीर 1 जनवरी 1964 भीर 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में प्रवजन कर भारत भाषा है।
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के शिविर कमांडेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां बहु इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) सम्बद्ध जिले में गरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी म्रातिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
 - (4) प्रपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिबीजन का सब-**डिवी**जनल मफसर।
 - (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास श्रायुक्त पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुन-वाँस) कलकत्ता।

- (2) नियम 5(**ख**) (4) प्रथवा 5(**ख**) (5) के ग्रंतर्गत भाष में छूट भौर/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुरुक में छूट का दाना करने वाले श्रीलंका में प्रस्थावर्तित या प्रस्थावर्तित होने वाले मुसलः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च ग्रायुक्त के कार्यालय से लिए गये इस भागय के प्रमाण-पत्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिवालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक 퇂 जो प्रक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के घन्तर्गत 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद भारत प्राया है या प्राने वाला है।
- (3) नियम 5(ख) (6) प्रथम 5(ख) (7) के प्रस्तरांत प्रायु में छूट भौर/या नोटिस के पैरा 6 के घनुसार शुरूक में छूट का दावा करने वाजे वर्मी से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूताबास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि यह विज्ञालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जुन 1963 को या उसके बाद भारत भागा है भयवा यह जिस क्षत्र का निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिश्वालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह धर्मा से ग्राया हुआ **नास्तविक प्रत्याव**र्तित व्यक्ति **है भौ**र 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत भाषा है।
- (4) निगम 5 (खा) (8) भ्रथवा 5 (खा) (9) के अन्तर्गत श्रामु क्षीमा में इकृट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जा रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलाँग हुमा है महानिदेशक पुनर्वास रक्षा मंत्रालय से नीचे नि रित फामं पर लिए गए प्रमाण-पत्न की प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि वह दिवालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाफों में कार्य करते हुए विदेशी शक्षु के साथ संघर्ष में ग्रथना ग्रशांतिग्रस्त क्रोब में फोजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ भीर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हैं मा।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रणाम-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट..... के रैंक नं∘......कीकी रका सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शज़ु देश के साथ संघर्ष में/ अफ्रांतिग्रस्त भेक्ष में फौजी कार्रवाई के ौरान विकलांग हुए भौर उस विकलांगता के परिणामस्बरूप निर्मृक्त हुए।

> ह्स्ताक्षर..... नाम...........

*जो शब्द लागूम हो क्रुपया उसे काट दें।

- (5) सियम 5(**व**) (10) या 5(वा) (11) के धन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय क्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मिलस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पन्न की प्रनुप्रमाणित/प्रमणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से श्राया हुआ वास्तविक प्रस्यावर्तित व्यक्ति है भीर वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत महीं प्राया है।
- (6) नियम 5(ख) (12) या 5(ख) (13) के अन्तर्गत आयु--सीमा में छट चाहने वाले की निया, उगाँका तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (मृतपूर्व क्षांगानिका भौर जंजीबार) से भ्राए 🐉 उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलाबी, जेरे और देशियोधिया से प्रत्यावितित मारत मूलक उम्मीववार को उस को इस के जिलामजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवाम कर रहा है लिए गए प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बहु वाश्तव में उपर्युक्त देशों से प्राया है।
- (7) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त प्रविकारी (प्रापान-कालीन कमीशन प्राप्त भधिकारियों/ग्रल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त

श्रधिकारियों सहित) नियम 5(ख) (14) श्रथवा 5(ख) (15) की
मतौं के भ्रधीन श्रायु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम् यद
प्राधिकारियों में निम्नलिबित निर्धारित प्रपन्न में उन पर लाग होने वाली
प्रमाण-पत्न की एक प्रमाणित/प्रनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए।
(क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिकों पर लाग् :
प्रमाणित किया जाता कि स०
्रीकःनो
जिनकी जस्म की तरीख़है,
्तर्म
सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:
(क) उन्होंने पांच या पांच से प्रधिक वर्षों तक सैतिक सेवा की
है ग्रीर कार्यकाल के समापन पर कवाचार या श्रक्षमक्षा के कारण बखस्ति वा कार्यमुक्त होने के श्रलावा भ्रन्य ग्राधार १३
कार्यमुक्त हुए हैं।
्च) वेसैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक प्रयंगता या प्रकासता
के कारणको
कार्यमुक्त हुए हैं।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पश्नाम
मोहर
तारी ख
स्थान :
(ख) सेवारत/कार्मिकों पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि मं०
रैंकनामनाम
जिनकी जन्म की तिथि
वायुसेना में सेवा कर रहे हैं।
2. उन्हें से कार्यमक्त/सेवा
निवृत होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल
समाप्त होने की संभावना है।
सक्षम प्राधिकारी का
नाम तथा पवनाम
मोहर
स्थान
तारीब
प्रमाण-पत्न जारी करने वाले सत्रम याधिकारी निम्नलिखित हैं:
(क) कमीणन प्राप्त श्रीक्षकारियों (श्रापात कालीन कमीणन प्राप्त
अधिकारियों/प्रत्यकालिक सेवा कसीशन प्राप्त प्रधिकारियों
सहित) के मामले में :

थल मेना--मिलिटरी मेकेटरी की शाखा, बलसेना मुख्यालय, मई दिल्ली।

नौसेना--कामिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली। वायु सेना ज-कार्मिक निदेश। लयध्य शिकारी, वायु सेना मुख्यालय, नई विरुली।

(अ) नौसेना तथा वाय, सेना के जृत्यिर कमीशन प्राप्त प्रधिका-रियों/ग्रन्थ रैंकों तथासमकक ग्रक्तिकारियों के मामले में :---थल सेना---विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कायलियों द्वारा भौसेन।--बी० ए० बी० एस०, बम्बई।

वायु सेना--वायु सेना रिकार्स (एन०ई० म्रार० डब्ल्स्ट्र०), मई विल्ली।

- (8) नियम 5(का) (16) या नियम 5(का) (17) के उक्त प्रभागु में छूट भीर/या नोटिस के वैरा 7 के प्रत्नांत श्रुत्क में माफी चाहने बाते भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्थापित स्थानिस को निम्नलिकित में किसी प्राक्षिकारी से इस भाषाय के प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के श्रीच की भवधि के बौरान भारत प्रवजन कर चुका था:--
 - (1) विभिन्न राज्यों में ट्राजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के शिविर कमर्डिट;
 - (2) उस इताके का जिला मिक्स्ट्रेट जिसमें बह फिलहाल रहता हो;
 - (3) भ्रपने-ग्रपने जिलों में गरणार्थी पुनर्शन के प्रकारी मितिरिक्त जिला निजस्ट्रेट;
 - (4) अपने प्रभारान्तर्गत सब डिवीजन के अंदर सब डिवीजनल अफसर;
 - (5) शारणाधीं पुनर्वास का उपायुक्त ।
- (9) प्रसम में रहने वाले व्यक्ति को, जो नियम 5(ख) (18) प्रश्नश्चा 5(ख) (19) के प्रस्तांत प्रायु सीमा में छ्ट जाहतां है, उसको उस जिल। मजिस्ट्रेट से जिसके क्षेत्राधिकार में साधारण्यः उसका निवास रहा हो प्रथवा प्रसम सरकार हारा इसके लिए प्राधिकृत किए गए किसी धन्य प्राधिकारी से इस प्राथय के प्रमाण-वित्र की एक भिन्नप्रमाण्यित/सन्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1 जनवरी, 1980 से 15 धनरत. 1985 की धविध के धीराम प्रसम राज्य का प्रवासी रहा है।
- 6. औं उप्णीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii), (iii) भौर (8) में निर्दिष्ट किसी भी वर्ग से सम्बद्ध हैं भौर नोटिस के पैरा 6 के भ्रमुसार शुरूक में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपिकत भिष्ठकारी या संसद सदस्य या गण्य विकास रेडल के सदस्य से, इस भ्राशय का एक प्रमाण पक्ष लेकर उसकी अनुम्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निष्ठारित शुरूक देने की स्थिति में नहीं हैं।
- 7. यिं किसी श्यिक के लिए पानता प्रमाण-पन्न (एलिजिबिलिटी सिटिफिकेट) झालण्यक हो तो उसे झशीष्ट पानता प्रमाण-पन्न प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के परिवहन शंदालय-रेल विभाग (रेलवे शोड) को झालेबन करना चाहिए।
- 8, उभ्मीदवारों को चेताबनी ही जाशी है कि वे भावेदन-पक्ष भरते समय कोई झूठा क्योरा न वें भ्रष्टवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवार को यह चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्न स्थवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति को किसी प्रविष्टि को किमी भी स्थिति में न तो टीक करें न उसमें परिवर्तन करें भीर न उसमें कोई फेरबदल करें भीर न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या प्रस्कित प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई धर्मुढि स्थवा विसं-गति हो तो विसंगति के संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. ग्रावेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के स्थप में यह तर्क स्त्रीकार नहीं किया जाएगा कि ग्रावेदन-पत्न ही ग्रम्क तारीखा को भेजा गया गा। ग्रावेदन-पत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने आला परीक्षा में बैठने का पान ही गया है।

10. द्यायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक झावेदन-पत्न जिसमें देर से प्राप्त झावेदन-पत्न की सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा झावेदन-पर्क की प्राप्ति के श्रतीक के रूप में उम्मीदवार को झावेदन पंजीकरण संख्या सुचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को ज्ञकत परीक्षा के ग्रावेदन ~ पक्ष प्राप्त करने के लिए निर्धारित श्रंतिम तारीख से एक मान के श्रन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल ग्रायोग से पावती हेतु सम्पकंकरना चाहिए ।

इस तथ्य का कि उम्भीवन। र को माबेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर ती गाँ है मपने भ्राप यह अर्थ नहीं है कि माबेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है भीर मायेन द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदया को उसके मावेदन-पढ़ के परिणाम की सुचना यथाशीझ देखी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सुचित किया जाएगा। परम्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को झपने आवेदन-पल के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे झाथोग से ताकाल हंपन स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दाये से बंचित हो जाएगा।
- 12. संघ लोक सेवा घायोग ने "संघ लोक सेवा घायोग की बस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार निवरणिका" शीर्धक से एक समृह्य पुस्तिका कापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे संब्लोव सेव प्रायोग की परीक्षाओं या नगरों के साबी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिक। घौर पिछली पांच परीकाओं की नियमांचली तथा पारस्परिक प्रकार के प्रशन-पन्नों का उल्लेख करने वाले पैस्कलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल, लाइन्स, देहली-110054 के पास विकी के लिए सुलक है घौर इन्हें उनसे सीधे मेल घाईर धारा या नकद मुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवोली सिमेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक वावा खड़गींसग मार्ग, नई विल्ली-110001 घौर (2). उद्योग सबन, नई विल्ली-11001) स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउन्टर और (3) गवमंगेंट छाफ हिड्डिय वक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकता-1 से भी लिया जा सकता है। मैनुझल/पैस्कलेट झरत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न स्कसिल शहरों में स्थित एकेंटों से भी उपलब्ध है।

13. प्रावेदन-पन्न से सम्बद्ध पन्न व्यवहार--प्रावेदन-पन्न से सम्बन्ध सन्नी पन्न आदि तन्त्रित. तंत्र लोक सेवा प्रायोग, श्रीलपुर हाउस, नई विस्ली-110011 को भेजे जायें तथा उसमें नीचे लिखा स्पीरा प्रतिवार्ण दव से विया आए

- 1. परीक्षाका नाम
- 2. परीक्षाका महीना भीर वर्ष
- उ. प्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर, प्रथवा उम्मीददार की जन्म तिथि यदि श्रावेदन पंजीकरण सं०/ रोल मम्बर सूचित नहीं किया गया हो ।
- उम्मीदवार क। नाम (पूरा तथा बड़े भक्षरों में)
- 5- धार्वेदन-पक्ष में 'दया गया पत्र व्यवहार का पता।

विश्लेष ध्यान (1) जिन पक्षों में यह क्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विश्रेष इयःन (2) पर्वि किसी उम्मीदवार से कोई पत्न/सध्रेषण परीक्षा
हो चुकने के बाद शास्त होता है तो इस पर इयान
पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर इयान
न वेते क्षण कोई कार्यवाई नहीं की जाएगी।

14 पते में परिवर्तन :-- उम्मीदवार को इस बास की क्यवस्था कर लेंनी चाहिए कि उसके झानेदन-पन्न में उस्लिखित पते पर छेजे ग0 पत्न झादि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पसे परमिल जाया करें। पसे में किसी भी अकार का परिवर्धन होने पर झाथीग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उहिलाखित क्योरे के माथ यवाशीझ वी जानी वाहिए । झायोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है। किन्सु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

उम्मीदवार को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्सुपरक परीक्षण:

ग्राप जिस परीक्षा में बैठिने वाले हैं वह "वस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में भ्रापको उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको भ्रागे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए काई सुकाए गए उत्तर (जिसको भ्रागे प्रश्युक्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रश्येक प्रश्नांश के लिए ग्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य भाषको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देन। है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्तन होने के कारण भाषको कोई हानि न हो।

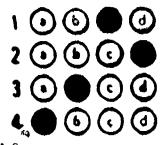
(सा) परीक्षण का स्थरूप:

प्रश्त-रत्र "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3 भावि के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी, दी चिह्न के साथ सुक्ताए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आवका काम एक सही या यदि भाषको एक से भाषक प्रत्युत्तर मही हागे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंन में दिए गए नम्ने के प्रश्नांश देख जें।) किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के निए भारको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि झाप एक से भिन्न को ते हैं तो आपका प्रत्युत्तर मनत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में भापको भाषम एक उद्धार पत्रक दिना जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति भाषको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेज वी जाएगी। शापको भ्रपने प्रत्युक्तर इस उक्तर पत्रक में लिखने हींगें। प्रक्रम पुस्तिका में या उक्तर पत्रक को छोड़कर भन्य किसी कागज पर लिखे गए उक्तर नहीं आणे जाएगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाणों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नाण के सामने, ए, बी सी, डी, चिन्ह बाले बृताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाण को पढ़ जेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन-सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के प्रकार वाले बृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (प्रापका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे विद्याया गया है। उत्तर प्रकाक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- प्रश्नाशों के उत्तरों के लिए केवल प्रच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं ग्रीर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलन निशान को खबलने के लिये उसे पूरा मिटाकर किर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए श्राप श्रपने माथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी घ्रसावधानी न हो जिसमें वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट घादि पड़ जाए या वह खराध हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- मापको परीक्षा मारम्प करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहलें परीक्षा भवन में पहुंचना होगा मौर पहुंचने ही म्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की धनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बात, प्रथन पुस्तिका भौर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यश्रेक्षक को सौंप वें। भाषका प्रथन पुस्तिका परीक्षा सबस से बाहर ले जाने की भनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा वण्ड दिवा जाएगा।
- 5. भ्रापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। ग्रापको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कूटबढ भी करने होंगे। इसके बारे में श्रापके नाम भ्रनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ मेजे जाएंगे।
- 6. प्रश्न-पुस्तिका में दिए गए सभी धनुदेश धापको सावधानी से पढ़ने हैं। इन प्रनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से धापके नंबर कम हो सकते हैं। धगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नाश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई मंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के धनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को धारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके धनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप प्रपत्ता प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, प्रापको प्रपत्ने साथ एक एच॰ बी॰ वें लिल, एक रखड़, एक पेंसिल शार्षनर और नीली का काली स्वाही वाली कलम भी लानी होगी। ध्रापको सलाह दी जाती है कि ध्राप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हाई बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण महीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम मुक् करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर प्रतक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(♥) विशेष धनुवेश :

परीक्षा भवन मैं अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक भाषकी उत्तर प्रतक देंगे। उत्तर प्रतक पर अविक्षित सुनाना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर आप यह प्रवस्थ देख में कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यया, उसे बंदलवा में। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रयम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखा दें। भाषको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक प्रयंदेशक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी नुझाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका गुढ़ता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि भाप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जिननी जल्दी काम कर सकते हैं करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अस्वन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ग्रांर बढ़ें भीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नाशों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर ही श्रापको श्रंक दिए आएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे आएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे हो पर्यवेक्षक ग्रापको लिखना बंद करने को कहें ग्राप लिखना बंद कर दें। प्राप अपने स्थान पर सब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक द्यापके पास भाकर मापसे सभी भावभ्यक वस्तुए लें जाएं भीर भापकी हाल छोड़ने की धनुमति दें। धापको परीक्षण पुस्तिका भौर उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट-- मसही/सर्वोत्तम उत्तर--विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

सामान्य प्रध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वेतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है ?

- (क) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से कम होता है।
- *(खा) रक्त का दाख वायुमंडल के दाब से ग्रधिक होता है।
- (ग) रक्त बाहिकाओं की भंदरूनी सथा बाहरी शिराभों पर दाब समान होता है।
- (घ) रक्त दाव बायुमंडल के दाव के धन्रूप घटता-बढ़ता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (কুৰি)

भरहर में, फुलों का अड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है ?

- (क) युद्धि नियंत्रक द्वारा छिङ्काव
- (ख) दूर-दूर पौधे लगाना
- (ग) सही ऋदु में पौधे लगाना
- (ष) थोड़े-थोड़े फासलें पर पौधे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

H₃ VO₄ का एनहाड्राइड्र निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO₃
- (b) VO₄ (c) V₂ O₃
- *(d) V₂ O₅

(धर्षशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होसा है ?

- (क) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (ख) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (ग) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से प्रधिक हो।
- (घ) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

6. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को भापक्षिक पैरावैसुताक 9 के पैरावैस्तुत से सम्पूरित किया गया है। यदि 'सी' मुक्त [अंतराल में संचरण वेग दशौता 🖁 तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3c
- (b) c
- *(c) c/3
- (d) c/9

7. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिप्रोक्लेस क्या होता है ?

- (क) म्रालिसोक्लेज
- *(ख) लैबोडोराइ
- (ग) एल्बाइट
- (ष) एनार्थाइट

s. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला धौर $\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx}$

समीकरण की संगत रखने वाला अक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निविष्ट है ?

- (π) y=ax+b
- (অ) y == ax
- (π) y=aex+be-x
- *(ч) у=асх-а

9. (भौतिकी)

एक झादर्श ऊष्मा इंजन 400° K भौर 300° K भौर तापकम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निस्नलिखित में से क्या होगी?

- (事) 3/4
- •(可) (4-3)/4
 - $(\pi) 4/(3+4)$
 - (甲) 3/(3+4)

10. (सांख्यिकी)

यवि क्रिपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसारण निस्टलिकित में से क्या होगा?

- (年) 42
- *****(**₹**) 3
- (ग) ∝
- (町) -5
- 11. (भूगोल)

बर्मा के विकाणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण | नम्नलिखित में से भग है?

- (क) यहां पर कानिज साधनों का विपुल भंडार है।
- 🗚 (खा) वर्मीकी मधिकांश नवियों का डेल्टाई भाग है।
 - (ग) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
 - (य) देश के धाधिकाँश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

बाह्यणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (क) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाध्यणवाद के अनुपायियों की संख्या बहुत मधिक यी।
- (ख) बाह्मण्याय भट्टत भधिक कर्मकोड भौर भाउम्बर से पूर्ण धर्म
- (ग) ब्राह्मणबाद के अभ्युदय के साथ, बिल संबंधी यक कर्म का महत्व कम हो गया।
- (भ) व्यक्ति के जीवन-विकास की निभिन्न दणान्नों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन-समूह कौन-सा है?

- (क) बौद्ध] न्याय, चार्वाक मीर्मासा
- (खा) न्यायं वैशेषिक, जैन भीर बौद्ध, चार्कक
- (ग) भ्रद्यैत घेदान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- *(घ) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

14. (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का धर्य निम्निष्यित में से क्या है ?

- (क) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (ख) किसी समुह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन ।
- (ग) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधित्य का चुनाव।
- (घ) श्रमिकों संघों ज्ञारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

15. (मनोवि**ज्ञा**न)

सक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किम को निर्देशित करती है ?

- (क) सक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- *(ख) भावात्मक भवस्था में न्यूनता

- (ग) व्यावहारिक अधिगम
- (घ) पक्षतापूर्ण ग्रधिगम

16 (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी हैं?

- *(क) ग्राम सरकार में महिलाम्रों तथा कमजोर यगों को ग्रीपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुन्ना है।
 - (ख) छुन्नाछूत कम हुई है।
 - (ग) वंचित वर्शों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
 - (घ) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:-- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th December, 1985

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Malhotra, a permanent Under Secretary in the Central Vigilance Commission as 'Officer on Special Duty' in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 17th December, 1985 for a period of 3 months under Rule 9 of the CVC(Staff) Rules, 1964.

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal, a permanent Section Officer of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 1200-1600 with effect from the forenoon of 17-12-1985 for a period of 3 months.

M. K. DIXIT,
Dy. Secy.
for Central Vigilance Commissioner,

New Delhi, the 11th December 1985

No. 2/8/85-Admn.—Consequent upon completion of her deputation period in this Commission on 2-12-1985 (AN), Smt. Kusum Prasad, IAS (Raj: 1960), Secretary, Central Vigilance Commission is granted earned leave for 60 days with effect from 3-12-1985 to 31-1-1986 (with permission to suffix Feb. 1st & 2nd, 1986 public holidays).

2. On expiry of the leave the services of Smt. Kusum Prasad will stand placed at the disposal of the State Govt. of Rajasthan,

K. L. MALNOTRA, Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 19th December 1985

No. 9/15/85-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Mullick, Joint Assistant Director, B.S.F. as Officeron-Special Duty in C.B.I., on ad-hoc basis for a period of one year from 1st December, 1985, on deputation.

R. S. NAGPAL.
Administrative Officer (E).
Central Bureau of Investigation.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 19th December 1985

No. O.II-1971/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 4-12-85 (FN), to 13-1-86 afternoon.

No. O.II-1971/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to acpoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 14-10-85 (FN), to 11-11-85 afternoon.

No. P. VII-3/85-Estt.-1—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants of CRPF to the rank of Commandant in an officiating capacity untill further orders.

2. They took over charge of the post on the dates as indicated against their names:—

						3
			- 4			
•	-	•	•	•	•	8-7-85
•			٠	•	•	8-7-85AN
	,	, .				

1 2	.,						3
3. M.C. Yaday	- ,						8-7-85
4. M.K.T. Garga	•					-	6-7-85
5. V.P. Sarcen			٠		•	-	1-8-85AN.
6. T.R. Arora						-	6-7-85
7. P. Kumar	-		•			•	6-7-85
8. Mohinder Sing	:h					•	5-8-85
9. N.K. Vij			•			•	5-7-85
10. N.P. Gurung			•		,	•	6-7-85
11. P.S. Sayarus	-			-	•	•	6-7-85
12. R.S. Phougat	-		•	•		-	2-8-85AN.
13. P.S. Verma	-		•	•		-	6-7-85
S.C. Mishra							12-7-85AN.
15 N.S. Yadav						٠	16 -7-85
16. M.I. Das					-	•	16-7-85
17. L.N. Vaishnay		٠		•	-		6-7-85

ASHOK RAJ MAHEE PATHI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 24th December 1985

No. 10/20/84-Ad.1.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, Shri S. N. Chaturvedi, Deputy Director (Data Processing), who is at present working as Joint Director (Data Processing) on ad-hoc basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to the post of Joint Director (Data Processing), on a regular basis, in temporary capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 30th October, 1985, until further orders.

The headquarters of Shri S. N. Chaturvedi shall be at New Delhi.

V. S. VERMA, Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700 001, the 19th December 1985

No. Admn.I/CIGO/470/116.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following officiating Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in temporary capacity w.e.f. the forenoon of 16-12-85 or the date on which they actually take over charge as Audit Officers in the Wing/Office noted against each whichever is later and until further orders. They should report for duty to the Officers noted against each.

Sl. No. Name and Wing/Office in which they will report for duty

S/Shri

- 1. Amal Kishore Bhattacherjec JDA (RADT).
- 2. Dilip Kr. Ghosh JDA (RADT).
- 3. Satya Kamal Chakraborty JDA (RADT),
- 4. Sunirmal Ghosh JDA (RADT).
- 5. Samarendra Nath Chowdhury DDA (RAJDT).
- 6. Anil Ch. Das DDA (Admn.).
- 7. Sunil Krishna Talukdar DDA (Admn.).

The inter-se seniority of the 7 officers will be follows:--

(1) Shri Amal Kishore Bhattacherjee, (2) Shri Dilip Kr. Ghosh, (3) Shri Satya Kamal Chakraborty, (4) Shri Sunirmal Ghosh (5) Shri Samarendra Nath Chowdhury, (6) Shri Anil Ch. Das and (7) Shri Sunil Krishna Talukdar.

S/Shri Anil Ch. Das and Sunil Krishna Talukdar immediately after joining at Calcutta will proceed to Farakka, Port Blair by the next available Train and Ship respectively.

Joining time and transfer T.A. will be admissible to S/Shri Anil Ch. Das and Sund Krishna Tatukdar according to normal rules.

(Sd./-) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ORISSA

Bhubaneswar, the 20th December 1985

No. Admn.J-IAD-29-con-1899.—The Accountant General (A&E), Orissa has been pleased to appoint Shri P. S. Iyer officiating Accounts Officer of this office in the substantive cadre of Accounts Officer with effect from 5-2-1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 23rd December 1985

No. 5222/A-Admn/130/83-85.—On attaining the age of superannuation Shri M. R. Ramachandran, Officiating Audit Officer, retired from service with effect from 30-11-85 (AN).

B. S. TYLE Jt, Director of Audit.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-1 CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th December 1985

No. Admn.I/O.O.No. 327.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri S. N. Mehra a permanent Section Officer (now Assit. Audit Officer) of this Office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840/1200/- with effect from the afternoon of 20th December, 1985 until further orders.

No. Admn.I/O.O. No. 328.—The Director of Audit, Central Revenues-I. New Delhi hereby appoints Shri Pritam Singh, permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200/— with effect from the forenoon of 23rd December, 1985 until further orders.

No. Admn.I/O.O. No. 329.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Waryam Singh a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200/- with effect from the forenoon of 24th December, 1985 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACOTRY BOARD

DGOF HORS. CIVIL SERVICE

New Dolhi the 24th December 1985

No. 16/85-A/E-1(NG)—The D.G.O.F. is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, with-

out effect on seniority in grades and on dates shown against each :-

S/Shri

 Hari Prasanna, Chakravarty, ASO (Ad-hoc) 	Offg. Assistant Staff Officer	From 10-12-85 (FN) until fur- ther orders.		
Sushil Kr. Chanda, ASO (Ad-hoc)	Do.	Do.		
3. Smt. Ranu Das,	Do.	Do.		

The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.

3. The above Officers will be on probation for two years w.e.f. 10-12-85.

S. DASGUPTA,
Director/Admn,
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER(C)

New Delhi, the 20th December 1985

No. Admn. I/4 (24)/80—In exercise of the powers conferred by Rule 9 of the Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules, 1965, and on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, CLC (C) is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity as Labour Enforcement Officer(Central) in this organisation with effect from the dates shown against each of them:

S. Name No.	Present post held	Date of confirmation as Labour Enforcement Officer (C)	-
1 2	3	4	5
S/Shri			
1. L.K.G. Bhatt	Sr. Labour, Officer, Kandla Port Trust, Gandhidham (Kutch)	15-8-79)
2. A.K. Roy	 ALC(C), Dhanbad. 	7-11-7	2
3. S.K. Mishra	· ALC (C), CLC's Hqrs, New Delb:	1-12-7 ,	3
4. R.N. Srivast	ava · ALC (C), Dhanbad.	1-1-7	4
5. S. K. Deb	· ALC (C), Raniganj	1-1-7	4
6, C.C.S. Redd	y · ALC (C), Bellary	1-1-7	4

1 2	3	4	5	1	2	3	4	5
<u></u>			<u> </u>	S/Shri				
S/Shri				36. V. Su		RLC (C), Kanpur.	11-6-77	
•				37. N.C.	Sarangi -	L.O. (C.P.)	11-6-77	
7. K. Ramakrishna	ALC (C)	1-1-74			- abb.	Dr. R.M.L.,	.,	
	(on deputation)					Hospital,		
	as I.R.O.,					Now Delhi.		
	Central			38, T. Vei	nkatosan ·	LEO(C)Retd.	29- 8-77	
	Warehousing				Mukhopadhya	v RLC(C).	9-12-77	
	Corporation,					Dhanbad.	2 32 ()	
	Madras.			40. S.N. I	Owivedi -	L.O. (C.P.)	9-12-77	
8. S.N. Sahay	ALC (C) Retd.	1-1-74				Ordnance	2 .2	
9. S.R. Pant	ALC(C), Kota	1-1-74				Factory, Kanpur		
10. S.P. Pipai	ALC(C),	1-1-74		41. M.C.	Joseph ·	LEO(C),	1-7-78	
	CLC's Hqrs.					Bangalore	. , ,	
	New Delhi.			42, G.C. S	Srivastava -	LEO(C), Indore	18-7 -7 8	
11. A.C. Nag	ALC(C) Retd.	13-5-74			Moolchan-			
12. B.K. Kapoor	ALC(C),	1-1-75		dani		ALC(C), Bhopal	22-2-79	
	Bilaspur.			44, Ravin	dra Pushpadh	ALC(C), Pune	3-6-79	
13. O.P. Sharma	ALC(C),	24-1-75		45. C.N.,		LEO(C), K.G.F.		
	Bombay,			46. H,K.J		LEO (C),	1-7-79	
14. G.P. Joshi	ALC(C),	25-1-75				Bombay	,	
	Bombay			47. S.N. F	Pathak	ALC (C), Jaipur	25-4-81	
15, P.K.K. Unni				48. H.D.		LEO(C), Retd.	25-4-81	
Menon · ·	LEO(C)Retd.	1-6-75		49. P.K. (LEO (C), Pune	17-5-81	
16, R.V. Boloor	ALC(C),	1-7 <i>-</i> 75				D20 (0)(1 and		
	Vasco-da-gama			The al	hove substan	tive appointments	are made	with th
17. C. Sivaramakrishna		22-11-75				C. received under		
	Visakhapatnam					the 11th Dec., 198		110, 11.12
18. Kulbhushan				27 (0)/105 11	to-17 dated	ino 11th Dec., 150.		
Vasishth · ·	ALC(C)	1-12-75						LAL,
	(on deputation)							
	(F					A	dministrative	Officeer
	as I,R,O.					A	dministrative	Officer
						A	dministrative	Officer
	as I.R.O.			maliferation in the Property		er magailteachtaí agus ann agus leitheann an thair ann an thair	···	Officer
	as I.R.O. Central				ISPAT AUI	A R KHAN MAN	···	Officeer
	as I.R.O. Central Warehousing					er magailteachtaí agus ann agus leitheann an thair ann an thair	TRALAYA	Officer
19. C.T. Chandiramani	as I,R,O. Central Warehousing Corporation, New Delhi.	20-12-75			I	R KHAN MAN KHAN VIBHAG	TRALAYA	Officer
	as I,R,O. Central Warehousing Corporation, New Delhi.	20-12-75 20-12-75			I	r khan man	TRALAYA	Officer
20. Smt. M. Benjamin	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd.				GEOLOGI	R KHAN MAN KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O	TRALAYA F INDIA	· Annabaggar
20. Smt. M. Benjamin	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd.	20-12-75			GEOLOGI	R KHAN MAN KHAN VIBHAG	TRALAYA F INDIA	n Anna baggar
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C),	20-12-75		No. 1	GEOLOGI Calcutta-700	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O	TRALAYA F INDIA cember 1983	5
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta.	20-12-75 20-12-75			GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 0016, the 17th De	TRALAYA F INDIA cember 198:	S Superin
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C),	20-12-75 20-12-75		tendents,	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 0016, the 17th De 13(AO)/85-19AT urvey of India	FINDIA cember 198: the following tave been :	Superinappointed
20. Smt. M. Benjamin21. R.K. Shukla22. R.N. Mulay23. M.J. Khemchan-	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C),	20-12-75 20-12-75		tendents, by the D	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 10rvey of India E	FINDIA cember 198: he following have been a	Superinappointed Adminis
20. Smt. M. Benjamin21. R.K. Shukla22. R.N. Mulay23. M.J. Khemchandani	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary	20-12-75 20-12-75 20-12-75		tendents, by the D trative Of	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 11rvey of India b 131, GSI on prossume Department	FINDIA cember 198: he following lave been amotion as on pay	Superinappointed Administaccording
20. Smt. M. Benjamin21. R.K. Shukla22. R.N. Mulay23. M.J. Khemchandani24. M. Tewari	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd.	20-12-75 20-12-75 20-12-75		tendents, by the D trative Of to rules in	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological Sirector Gene ficer in the the scale of	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14rvey of India be 15ral, GSI on prossume Department 25 pay of Rs. 650	FINDIA cember 198: the following tave been at the motion as on pay -30-740-35-8	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35
20. Smt. M. Benjamin21. R.K. Shukla22. R.N. Mulay23. M.J. Khemchandani24. M. Tewari	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd.	20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological Sirector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been and the pay -30-740-35-8 y capacity v	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35
24. M. Tewari	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay	20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological Sirector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14rvey of India be 15ral, GSI on prossume Department 25 pay of Rs. 650	FINDIA cember 198: the following tave been and the pay -30-740-35-8 y capacity v	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 100-EB-40-1200 late shown ag	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been a motion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders	Supering appointed Administration according 10-EB-35 with effective accord
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd.	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological Sirector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35-with effection
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 100-EB-40-1200 late shown ag	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders	Supering appointed Adminis according 10-EB-35 with effects.
 Smt. M. Benjamin R.K. Shukla R.N. Mulay M.J. Khemchandani M. Tewari D.C. Patni R.B. Singh M.T. Rughani 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N. No.	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been at the pay 190-740-35-8 y capacity wither orders Date appo	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35 with effection
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta.	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 100-EB-40-1200 late shown ag	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 tal, GSI on prossume Department 15 pay of Rs. 650 16 10 a temporar	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35 with effection
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No.	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 ral, GSI on prossame Department 15 pay of Rs. 650 16 n a temporar 16 rainst cach until fu	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date of appro	Supering appointed Administaccording 10-EB-35 with effection of intment
 20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 3.B. Chakrabo	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 ral, GSI on prossame Department 15 pay of Rs. 650 16 n a temporar 16 rainst cach until fu	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date appo	Superin- appointed Adminis- according 10-EB-35 with effect intment
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 ral, GSI on prossame Department 15 pay of Rs. 650 16 n a temporar 16 rainst cach until fu	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date of appro	Superinappointed Adminis according 10-EB-35 with effection in the first section of the first section in the first
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 3.B. Chakrabo	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India be 15 ral, GSI on prossame Department 15 pay of Rs. 650 16 n a temporar 16 rainst cach until fu	FINDIA cember 198: the following tave been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date appo	Supering appointed Administaccording 10-EB-35 with effect intment
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 CB. Chakrabo Mira Roy	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 11 urvey of India be 13 trail, GSI on pro- 15 same Department 15 pay of Rs. 650 16 n a temporar 17 ainst each until fu	FINDIA cember 198: he following have been a motion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date of appo	Superin- appointed Adminis- according 10-EB-35 with effect intment
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss I	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 B. Chakrabo Mira Roy	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 10rvey of India b 11ral, GSI on pros 15 pay of Rs. 650 17- in a temporar 17 pay of Rs. 650 18 inst each until fu	FINDIA cember 198: the following tave been important as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date apportant apportan	Superinappointed Adminis according 10-EB-35 with effection of intment 35 (FN) 35 (FN)
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss I	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the in the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 AB, Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/35-19A-T 10rvey of India E 11rtal, GSI on pro- 10 same Department 10 pay of Rs. 650 10/1- in a temporar 11 ainst each until fu 11 till 12 till 13 till 14 till 15 till 16 till 17 till 18 th December 16 till 18 th December 17 till 18 th December 18 till 18 til	FINDIA cember 198: he following have been a motion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date of apporation a	Superinappointed Administaccording 10-EB-35 with effect intment 3 S (FN) M. R
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Vijayawada LEO (C),	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss i No. 1. Rangachar	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 2.B. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG CAL SURVEY O OO16, the 17th De (3(AO)/85-19A-T urvey of India be ral, GSI on pro- same Department pay of Rs. 650 O-1 n a temporar rainst each until fu	FINDIA cember 198: he following lave been : motion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date of appo	Supering appointed Administ according 10-EB-35 with effect of intment M. B. Geologica
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam 33. K. K. Ahlowalia	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Bareilly	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules ir 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss I Rangachar Survey of	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the 1 the scale of 100-EB-40-1200 late shown ag ame 2 2 B. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed India as Ad	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG CAL SURVEY O OO16, the 17th De (3(AO)/85-19AT urvey of India be tral, GSI on prossame Department pay of Rs. 650 O/- in a temporar tainst each until furth rti 18th December O12(MRR)/85/19 d by the Director dimnistrative Office	FINDIA cember 198: he following have been amotion as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date appo	Superinappointed Administration of the superinappointed 10-EB-35 with effect of the superinappointed 35 (FN) M. Recological Geological Geological Superinappointed Geological Geological Superinappointed Superina
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam 33. K. K. Ahlowalia	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Bareilly L.O. (C,P.)	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss i Rangachar, Survey of Survey of Of Rs, 650	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the in the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 AB. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed India as Appointed India on pay 0-30-740-35-8	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19A-T 10 urvey of India b 11 pay of Rs. 650 11 a temporar 12 ainst each until fur 18th December 12(MRR)/85/15 15 by the Director 16 depth of Director 17 according to rule 18th 10-EB-35-880-40-1	FINDIA cember 198: the following tave been and the following tave been appropriately and the following tave appropriately appro	Superinappointed Administration Admi
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam 33. K. K. Ahlowalia	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Gliaspur LEO (C), Gliaspur LEO (C), Gliaspur LEO (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Bareilly L.O. (C,P.) L.O.D.,	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77		stendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d Sl. No. 1 1. Shri P 2. Miss I Rangachar, Survey of Survey of of Rs. 650 a temporar	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the in the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 CB. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed India as Ad India on pay 3-30-740-35-8 y caracity wi	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 1016, the 17th De 13(AO)/85-19AT 14 urvey of India to 15 pay of Rs. 650 16 in a temporar 17 pay of Rs. 650 17 in a temporar 18 inst each until furth 18 th December 112(MRR)/85/19 15 diby the Director 16 discording to rule	FINDIA cember 198: the following tave been and the following tave been appropriately and the following tave appropriately appro	Superinappointed Administration Admi
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra 32. P. Rajaratnam 33. K. K. Ahlowalia 34. V.D. Pande	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Bilaspur LEO (C), Glaspur LEO(C), Gaya ALC (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Bareilly L.O. (C,P.) L.O.D., Delhi Cantt.	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d Sl. N No. 1 1. Shri P 2. Miss i Rangachar, Survey of Survey of Of Rs, 650	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S irector Gene ficer in the in the scale of 10-EB-40-1200 late shown ag ame 2 CB. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed India as Ad India on pay 3-30-740-35-8 y caracity wi	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19A-T 10 urvey of India b 11 pay of Rs. 650 11 a temporar 12 ainst each until fur 18th December 12(MRR)/85/15 15 by the Director 16 depth of Director 17 according to rule 18th 10-EB-35-880-40-1	FINDIA cember 198: the following tave been and the following tave been appropriately and the following tave appropriately appro	Superinappointed Administration Admi
20. Smt. M. Benjamin 21. R.K. Shukla 22. R.N. Mulay 23. M.J. Khemchandani 24. M. Tewari 25. D.C. Patni 26. R.B. Singh 27. M.T. Rughani 28. S.K. Mitra 29. B.S. Rana 30 P.K. Singh 31. S.S. Mundra	as I,R.O. Central Warehousing Corporation, New Delhi. LEO(C) Retd. LEO(C), Retd. LEO(C), Calcutta. LEO (C), Bellary LEO(C), Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C) Retd. LEO(C), Bombay LEO (C) Retd. ALC (C), Nagpur ALC (C), Calcutta. LEO (C), Gliaspur LEO (C), Gliaspur LEO (C), Gliaspur LEO (C), Jabalpur. LEO (C), Vijayawada LEO (C), Bareilly L.O. (C,P.) L.O.D.,	20-12-75 20-12-75 20-12-75 20-12-75 19-2-76 9-3-76 9-4-76 8-5-76 1-8-76 21-10-76 1-6-77 11-6-77 11-6-77		tendents, by the D trative Of to rules in 880-40-100 from the d Sl. N. No. 1 1. Shri P 2. Miss i Rangachar. Survey of of Rs. 650 a temporar until furth	GEOLOGI Calcutta-700 2112B/A-3201 Geological S firector Gene ficer in the in the scale of 00-EB-40-1200 late shown ag ame 2 2. B. Chakrabo Mira Roy The 2126B/A-190 i is appointed India as Ad India on pay 0-30-740-35-8 y caracity wicer orders.	R KHAN MAN' KHAN VIBHAG ICAL SURVEY O 10016, the 17th De 13(AO)/85-19A-T 10 urvey of India b 11 pay of Rs. 650 11 a temporar 12 ainst each until fur 18th December 12(MRR)/85/15 15 by the Director 16 depth of Director 17 according to rule 18th 10-EB-35-880-40-1	FINDIA cember 198: the following tave been important as on pay -30-740-35-8 y capacity wither orders Date apportant apportan	Superinappointed Adminisaccording 10-EB-35-with effection of intment M. Recologica Geologica Geologica Geologica 1200/- in 120

appointed by the Director General, G.S.t. on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/+ in a temporary capacity with effect from the forenoon of 24-10-85, until further orders.

No. 12171B/A-32013(6-Min.Sr./C5-19A.—The President is pleased to appoint the following Mineralogist (Junior), Geological Survey of India on promotion as Mineralogist (Senior) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600. - in the same Department in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Dr. Dilip Kr. Nag-3-10-85 (F/N).
- 2. Dr. Deb Kr. Scn-3-10-85 (F/N).

No. 12161B/A-31013/Manager/85-19A.—The President of India is pleased to confirm Shri K. K. Guha in the post of Manager, Geological Survey of India, with effect from 31-7-82.

The 20th December 1985

No. 12196B/A-19012(3-GH)/83-19B.—Shri Gobinda Halder, Chemist (Jr.), Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 21-6-85 (A.N.).

The 23rd December 1985

No. 12220B/A-32013(AO)/85/19A.—The tollowing Superintendents, Geological Survey of India have been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each until further orders.

Name date of appointment

- 1. Shri C. R. Chatterjee-29-10-85 (F/N).
- 2. Shri B. M. Mondal-4-11-85 (F/N).

A. KUSHAR! Director (Personnel).

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTNG (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 16th December 1985

No. A-32014/1/84-RC.—The Chief Producer, Filma Division has appointed Shri H. P. Shrivastava, Officiating Recordist in Films Division, Bomoay to officiate as Chief Recordist on ad-hoc basis in the same office in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- from the forenoon of 1-10-1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTOR OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th December 1985

No. A,19023/5/83-A,III.—Shri S. R. Shukla, Marketing Officer of this Dtc., at Faridabad expired on 30-11-85.

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agril, Marketing Adviser,
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 17th December 1985

No. NPB/3(236)/85-Estt. J—Director (Engg.) Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints the undermentioned

personnel of this Board as Scientific Officer/Engineer Gr. 'SB' in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1985 until further orders.

SI. N No.	lanic			Preser	nt Grade
(1)	(2)			- *	(3)
S/S	hri				
1. Ma	ınish Das	•	•	•	Scientific Assistant 'C' (Pmt. S.A. 'B')
2. M.	L. Dogra	•	•		Foreman (Pmt A.S.O.)

T. S. ASWAL, General Administrative Officer, [for Director (Engg.),

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Kota, the 23rd December 1985

No. RAPS/Rectt./3(2)/85/S/124 dated November 1, 1985—Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station hereby appoints the undermentioned employees to the post of Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Station in a temporary capaity with effect from the date as shown against each until further orders.

Sl. Name of officer No.	Present Designation	Post to which appointed	Date of appointed to the post.	
1 2	3	4	5	
S/Shri				
1. Shambhu Dayal	· SAC	SO/SB	1-2-85	
2. M.M. Gupta	· SAC	SO/SB	1-2-85	
3. S.R. Patel	· SAC	SO/SB	1-2-85	
4. K.L. Gupta	· Foreman	SO/SB	1-8-85	
5. P.N. Goyal	· SAC	SO/SB	1-8-85	

The above comployees has assumed charge of their post in the grade of Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' on the Forenoon of the date as shown against their names.

B.G. KULKARNI, Administrative Officer (E)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 23rd December 1985

No. 05012/R/3/4914.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Naval Kishor Nagar to officiate Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Kota) in a temporary capacity w.e.f. November 29, 1985 (A/N), until further orders.

Ref. No. 05012/R/8/4915.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Maharaja Pillai Mathusoothanan, Selection Grade Clerk, Reactor Research Centre, Kalpakkam to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Manuguru) w.e.f. November 14, 1985 (F/N) in a temporary capacity until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY, Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL

AVIATION

New Delhi, the 16th December 1985

No. A.32014/5/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. D. Ram, Communication Assistant (at present working as Assistant Communication Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Communication Officer in the pay scale of Rs. 650-1,200/- on regular basis with effect from 16-7-1985 and until further orders):—

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the December 1985

No. 1/566-EST.—The Director General Overseas Communications Service, hereby appoints S/Shri R. N. Shet and P. D. M. A. Ekka, Supervisors, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same branch, with effect from the forenoon of the 18th March, 1985 and 21st March, 1985, until further orders, respectively.

R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General.

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 23rd December 1985

No. 16|119|66-Ests.1.—Consequent upon his attaining the age of Superannuation Shri B. K. Sharma, Research Officer, M. F. P. Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the service with effect from the afternoon of 30-11-1985.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute and Colleges

DIRECTORATE OF OWN SERVICES CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 23rd December 1985

No. F. No. 532|9|83-O&MS.—Shri Chandi Prasad, Officer Superintendent of the office of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise at present posted as Office Superintendent in this Directorate has assumed charge of the post of Addl. Asstt. Director in the Directorate of O&M Services, Customs and Central Excise, New Delhi with effect from the F.N. of 6th December, 1985.

N. K. BAJPAI Director

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2636.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 1 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhagan Datt Dogra S/o. Shri Diwan Chand Braham REGIDANCY Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Prasan Chand Bafna, 14, Industrial Area, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, situated at Bhagat Sagar Colony, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1480 dated 29-4-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-12-1985

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2637.—Wherens, I. MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereixafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. -- situated at Lodbour

Shop No. = situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free the transfer: and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-san Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

المستريب والمراب والمراب والمستريب والمسترين و (1) Smt. Lila W/o. Shri Gopal Dass Sindhi (Khatri) Viyas Ji Ka Nohara Out sido Jalori Gate, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kailas Wati W/o. Shri Rameshwar Dass Aggarwal 2nd Road, Saidar pura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop, situated at, roof and roof of second shop, Nana House Station Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1078 dated 1-4-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-12-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICAL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 11th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2638.-

Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving the second in the content of the second in the second able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 5/3 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as begreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Iqbal Ahmed S/o. Sckh Mohamed Ishak, R/o. 2545 Gate Habsakha, Delhi.

(Transferor)

 Parveen Kumar and Pradeep Kumar, R/o. 357, Bhomiyon Ki Gali, Gopal Ji ka Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herets as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 5/3 situated at Jaipur Govind Marg, Adarsh Nagar, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1131 dated 23-4-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commusioner of Income-tax Asquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-12-1985

Seal:

(1) Shri Udhaybhan Singh. Civil Lines, Almer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. K. Agarwal, A.M.C. 1135/28, Agarsh Nagar, Aimer.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

Jaigur, the 10th December 1985

Ref No. Raj./IAC(Acq.)/2639.— Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitain; an reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- .b) facilitating the concealment of any become or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property, situated at, A.M.C. 1135/28, Adarsh Nagar, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S.K. Ajmer vide registration No. 768 dated by t 1985

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the addition of the aforested property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recome namely:—73—416GI/85

Date: 10-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2640.—
Whereas 1, MOHAN SINGH,
being the Compilent Authority under Section 269B of the
Incompiler Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved
to continue that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00 600 and bearing No.
House property G-47 situated at Ajmer
(and mere fully described in the Schedule annexed hereto),
has beth to deferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ajmer on 19-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the ctoresaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
afor said exce ds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
said that the consideration for such transfer as agreed to
between the porties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Satyanaran Garg, S/o Ram Gopal Garg (Agrawel), R/o Patil Katla.
 Aimer.

(Transferor)

(2) Shri Brahm Deo Singh Chauhan, Asstt. Commandant, C.R.P.F., Mount Abu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property G-47, Anasagar situated at Ajmer, Anasagar Circular Road, Scheme, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ajmer vide registration No. 975 dated 19-4-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

FORM LT.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 10th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2641.-

Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the peng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-5. situated at Jaipur

Plot No. A-5. situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value on the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Baldey Singh S/o. Siri Piatap Singh, R/o. 441 III A. S. A. S. Nagar Chandigarh, Th. Shri Prem Singh, Shri Pratap Singh, and Smt. Harprith, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shi Suresh Chand & Shri Kishan Chand, S/o. Shri Jai Chand Rai Sindhi, C/o. Moti Medical Store, Vill. Sanganer, Distt, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the trivial in the said immovable in th

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-5, situated at Jammalal Bajaj Marg, C-Scheme, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 923 daied 2 4-1055.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2642.— Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Plot No. 300 situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sections, married: :—

 Shri Ishwarchand Agarwal S/o. Sh. Satyanarain, R/o. Link Road, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas & S/o. Nanikamram, Sh. Govindram S/o Sh. Gordhandas. Mohandas S/o. Sh. Gordhandas. 300, Anasagar Circular Road, Ajmer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 300, situated at Anasagar Circular Road, Ajmer, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 996 dated 22-4-85

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DEDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 10th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2643.—
Whereas I, MOIIAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00.000/- and bearing
Agri. land situated at Bhartpur
(and more fully described in the Schedule appared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhartpur on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said improvement of wakaler with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian locome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (37 of 1957):

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the name of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Durjan S/o. Shri Soni (Mali), R/o. Anah Gate, Bhartpur.
- (Transferor) (2) 1. Shri Radhakishan 3/o. Shri Isldayal Punjabl, R/o. Budh Ki Hart, Bharatpur.

- 2. Shri Satish Kumar Gupta,
- S/o. Shri Shyamlal Gupta,
 R/o. Pago.e Tehsil Kumher.

 3. Shri Narpat Singh S/o. Shri Charwan,
 R/o. Village Doharda, Teh. Roopvas,
- Bharatpur.

 4. Shri Kant Sharma S/o. Shri Laxminarayan, 18/o Vill. Bahnera Teh. & Dist. Bharatpur.

 5. Smt. Beena Khatri
- W/o. Shri Subash Chand, R/o. Anahgate, Bharatpur.
- 6. Shri Narendra Kumar S/o. Shri Meghraj Punjabi R/o. Anahgate, Bhara pur.
- 7. Shri Arjun Sahgal, R/o. Anahgate,
- Bharaipur. 8. Shri Chandra Prakash S/o. ShriVashudev Prasad Super, R/o. Lakshman Mandir. Bharatpur.
- 9. Shri Satyabhan Singh Dhakar,
- R/o. Lamota Kala Teh. Bayana, 10. Shri Banshilal S/o. Shri Pitamsingh Int. R/o. Vill. Pala Teh. Kumher.
- 11. Shrì Sugandh Singh S/o. Shri Kamala Singh Jat, R/o. Kavai Teh. Nadbai.
- 12. Shri Govind Singh S/o. Shri Jeet Singh, R/o, Lakpur Teh, Kumher.
- 13. Shri Ramjilal S/o. Shri Babusingh Yadav, R/o. Vill. Peernagar.
- Shri Badansingh S/o. Shri Kajeri Jat, R/o. Golebagh Road, Bharatpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Khasra No. 97 Chak No. 1 One bigha 15 birran elituated at Bhartpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bhartpur vide registration No. 544 dated 8-4-1985.

MOHAN SINGE Competent Authority Inspecting Amistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiour

Date : 10-1-1985

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-FAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JAIPUR

Juipur, the 10th December 1985

Ref., No. Raj./IAC(Acq.)/2644.—
Whereas 1, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Agri, land situated at Bhartpur
(and more fully described in the Schedule appeared berein)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhartpur on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alotesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer medicar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious, matualy:

Shri Man Singh,
 S/o. Shri Giriraj Singh Nai,
 R/o. Ghana Motel,
 Bhartpur.

(Transferor)

(2) Shyam Lal. Smt. Rashmy Devi; Smt. Manju Devi, Smt. Kiran Devi, Smt. Maya Devi Smt. Sita Devi, Shri Manju Ram, Shri Raj Kumar and Badri Pd., R/o. Bhartpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Part of 1/6 Chak No. 3 Khasra No. 3019 measuring 11 bighas 15 biswa situated at Bhartpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Bhartpur, vide registration No. 620 dated 19-4-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date .: 10-12-1985.

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

EDMAR MOITIZIUDOA. **JAIPUR**

Jaipur, the 10th December 1985

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2645.—
Whereas I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Page 1.00.000/c and hereing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Agri, land situated at Bhartpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhartpur on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Buddho W/o. Shri Bhogi Ram, R/o. Village Nagla Lodha Th. Distt. Bhartpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shrl Tribhuwan Nath S/o. Shri Rambabu Kayasth, C/o. Govt. Hospital, Bharatpur.
 - 2. Shri Purshotamlal S/o. Shri Kishanlal, R/o. Mohalla Gopalgarh, Bharatpur.
 - Smt. Sushma W/o. Shri Sureshchand Bharduag, R/o. Mandhi Ramdass, Mathura (U. P.)
 - 4. Shri Ramprakash S/o. Shri Maniram Jat, R/o. Gopalgarh. Bharatpur.
 - 5. Shri Ramcharan Singh S/o Shri Talram Singh Jat, R/o. Lakhan Pedhore, Teh. Kumber.

- Shri Girraj Kishore Sharma S/o. Shri Tikam Ram Sharma, Mohalla Basangate, Bharatpur.
- 7. Shri Narayandass S/o. Shri Chuhardmai Sindhi, R/o. Mathuragate, Bharatpur.
- 8. Smt. Rukmanidevi W/o. Shri Ram Bharonilai Meena, R.o. Neemadgate, Bharatpur.
- 9. Shri Shivdatt S/o. Shri Sumera Ram Jat. R/o. Nadbai Distt. Bharatpur.
- 10. Smt Ranjana Dube W/o. Shri Sureshchand Dubo C/o. Vishavmitra Gumbar Kila Bharatpur.
- Smt. Barati Devi W/o Shri Mahendra Kumar Khatri R/o. Ganga Mandir, Bharatpur.
- Shri Chandra Shekar S/o. Shri Ramjikak Jat. C/o. Rajasthan Vitya Nigam,
- 13. Shri Shekarchand S/o. Shri Manoharial Rejput, R/o. Budh Ki Hart, Bharatpur.
- 14. Shri Devendra Kumar S/o Shri Shambiradayal Mohalla Badibalan, Lakshman Mandir,
- 15. Shri Suresh Kumar S/o. Shri Chitarnial Vashya R/o. Mori Charbagh, Bharatpur.
- 16. Smt. Nirmala Devi W/o. Shri Rambabu Veshya, R/o. Bharatpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sai sai4 Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Bigha 15 Biswas Khasra No. 1726 Chak No. 3 situated at Bharatour, and more fully described in the sule deed registered by the S.R. Bharatour vide registration No. 539 dated 6-4-1935

MOHAN STNGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Daic 10-12-1985

Son) :

(1) M/s. Regency Towers "AAROCHI"

Block No. 2, Kapoerthale Commercial Complex,
Lucknew.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Mehan I.al.

(Kranalacay)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 108/37EE/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Shop No. UGF-30, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has ben transferred and the agreement is registered U/S, 269AB of the 1. T. Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Lucknow on 8-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforciald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Shop No. UCF-59 on upper ground floor, area—100 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 120, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

**The said Act, to the following property in the said Act, to the said Act,

Date: 22-11-1985

FORM MINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 109/37EE/ACQ .-- Whereau, L. VÎNOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Office No. 13 and 14 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah

Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8 4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 322) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

74-416GT/85

- (1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court. Hazratganj. Lucknow.
- (2) Col. S. Kumar (H.U.F.)

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

Explanation:—The terms and expressions well borns as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 13 and 14 on the 2nd floor measuring 599.52 ag. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg. Hab.bu lah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 11, dated 8-4-1985

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 110/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing
Office Nos. 4, 5, 6 and 7 situated at 11, M

Office Nos. 4, 5, 6 and 7 situated at 11, M. G. Marg. Lucknow

Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8.4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woodth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(2) Master Dhruv Halwasiya (Minor) Through Father Shri S. S. Halwasiya. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Nos. 4, 5, 6 and 7 on the VII floor measuring 1100 eq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 122, dated \$/4/1985

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

Scal ;

NOTIGE UNDER SECTION 260D(1) OF THE ENGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.IR. No. 111/37EE/ACQ,-Whereas, I, VINOD YUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 11 situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow

pound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8.4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said testament of transfer with the effect of:

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) theilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, meanly :-

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj. Lucknow.

(Transferor)

(2) Master Sharad Malhotra (Minor) Through Father Shri S. K. Malhotra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11 on the ground floor measuring 262.5 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 123, dated 8/4/1985.

VINOD KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

Sen! :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M E. Regency Towers, "AARCHI", Block No. 2, Kapoorthala Commercial Complex, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Shukla,

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

G.I.R. No. 112/37EE/ACQ.-Whereas, I, No. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. UGF-5 situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, he sespect of any income arising from the transfer: end/er
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a ported of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein en are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-5 on upper ground floor measuring 30 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A. Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 124, dated 8/4/1985.

VINOD KUMAR Competent Authority haspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknew

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22/11/1985 Seal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Regency Towers, "AAROHII", Block No. 2, Kapoorthala Comercial Complex.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Kunta Tekchandani.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARO LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

G.I.R. No. 113/37EE/ACQ,—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UGF-5 situaed at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent

269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8 /4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Shop No. UGF-9 on the upper ground floor measuring 11 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 125, dated \$/4/1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 22/11/1985

Shal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) M/s. Regency Towers, "AAROHI", Block No. 2, Kapoorthala Comercial Complex, Lucknow.

(2) Shri S. K. Jindal.

(Transferor)

(Transferçe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

No. G.I.R. No. 114/37EE/ACQ.—Wherens, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UGF-7 situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officil Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-7 on the upper ground floor measuring 95 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 126, dated 8-4-85.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, security, namely:—

Date : 22/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 115/37EE/ACQ.—Whereas, L. VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. UGF-12 situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow

Shop No. UGF-12 situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8 4/1985 Officer at Meerut under registration No. 8007 date 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair

Officer at Meerut under registration No. 8007 date 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in asspect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M's. Regency Towers.

"AAROHI",
Block No. 2,
Kapoorthala Comercial Complex,
Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Singhal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. LGF-12 on the lower floor measuring 110 sq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 127, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Acquisition Range, Lucknow

Dato : 22/11/1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R No. 116/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 13, situated at 20-A, Shlvaii Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u.'s 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following powers, namely:—

- (1) M/s Regency Towers,
 "A AROHI",
 Block No. 2,
 Kapoorthala Comercial Complex,
 Lucknow.
- (2) M/s. Bhartiya Sanitary and Hardware Stores, Lucknow.

(Transferor)

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13 on the lower ground floor measuring 110 aq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A. Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 128, dated 64-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 117/37EE/ACQ.-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the interpretational property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UGF-14, situated at 20-A, Shivaji Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—
75—416GI/85

(1) M/s. Regency Towers,
"AAROHI",
Block No. 2,
Kapoorthala Comercial Complex,
Lucknow.

(2) Smt. Meena Jain.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-14 on the upper ground floor measuring 95 aq. ft. in the Regency Towers, situated at 20-A, Shivaji Marg. Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 129, dated 8/4/1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range, Iucknow

Date: 22/11/1985

Soal :

(1) Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Rahul Suri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property?

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 118/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 9 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the L.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8 4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/ne

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Office No. 9 on the second floor measuring 370 sq. in the multi-storeyed building complex known as "VINAY PLACE", situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 130, dated 8/4/1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under *ubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22/11/1985

Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(2) Shri S, K. Sethia and Sons,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 119/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 11 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered u/s
269AB of the J.T. Act, 1961 in the office of the Competent
Authority at Lucknow on 8-4-1985

Authority at Lucknow on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons whuin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11 on the first floor measuring 535 sq. ft, in the multi-storeyed complex known as "VINAY PLACE", situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 131, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 22/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISTITON RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 120/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 3 situated at 11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/a 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent

Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration must than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Pushpa Nautiyal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersia as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3 on the accord floor measuring 525 sq. ft. in the multi-storeyed building complex known as "VINAY PLACE", situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Lucknow, under Sl. No. 132, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 121/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 11 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985

Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest il property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by afores than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(Transferor)

(2) Shri J. C. Chopra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 11 on the second floor measuring 535 sq. ft. in the multi-storeyed building complex known as "VINAY PLACE", situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 133, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 22/11/1985

=

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

No. G.I.R. No. 122/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 2, situated at 11. Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that VINOD KUMAR,

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Savitri Chawla, 2. Dr. Shobhit Chawla, 3. Shri Manoj Chawla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chap er.

THE SCHEDULE

Office No. 2 on the 3rd floor measuring 530 sq. ft. in the multi-storeyed building complex, situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 134, dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 22/11/1985

FORM ITNS ...

(1) Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ವರ್ಷ. ಎಲ್ಲ ರಾಜರಾಗ ಸಾಧ್ಯ ಪ್ರಜ್ಞ. ಮುದ್ದಾರು ಹೇಳು ಗಾರು ಸಂಗಾರ ಎಲ್ಲಾಗು ಬಿ.ಬಿ. 'ಎಂ....' ಎಲ್ಲಾಗು ಬಿ.ಬಿ. ಕಾರು ಕಾರ್ಯ

(2) Shri Inderjeet Malhotra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No G.I.R. No. 123/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 7 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the L.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 7 on the second floor measuring 274 sq. ft. in the multi-storcyed building complex situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 135, dated 8-4-1985.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22/11/1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Quick Construction and Engineering Co. (Pvt.) Ltd., Lucknow, Through its Director.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Seth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 22nd November 1985

Ref. No. G.I.R. No. 124/37EE/ACQ.—Whereas, I, VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 6 situated at 11, Ashok Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald

Authority at Lucknow on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 6 on the second floor measuring 435 sq. ft. in the multi-storeyed building complex situated at 11, Ashok Marg, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl. No. 136, dated 8-4-1985.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the fellowing persons namely;—

Date: 22/11/1985

Soul :

FORM ITNS----

(1) M/s. Watkins Mayor (Agrico) Pvt. Ltd., Nehru Garden Road, Jullundur City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s True Wheels Pvt. Ltd. United Bank of India Building, Sir P.M. Road, Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/5/85-86,--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No. land measuring 87 kanals 10 marlas and building thereon situated at 12/2 Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the Sch-duled annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Faridahad under Registration No. 255 dated 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to tween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 16 respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at 12/2, Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 255 dated 9-4-85 with the Sub Registrar, Faridabad,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under system (1) of Section 269D of the said Act, to the follow q persons, namely: -76-416 G1/85

Date: 26-11-1985

Seai :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/3/85-86.—Whereas, 1.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

land measuring 35 kanals 13 marlas situated at village Lakar-pur, Teh. Paridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 182 dated 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

The Control of the Co (1) Sh. Gajraj Singh S/c Sh. Harkesh & Others R /o Lakarpur, Tch. Faridabad.

(Transferor)

(2) Ajay Enterprises Ltd. Builders, Colonizers and Exhibitors, Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 35 kanals 13 marlas situated at village Lakarpur, Teh. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 182 dated 6-4-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./PWL/23/85-86.--Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. find more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palwal under Rhegistration No. 57 dated 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

and the papers region to the second of the s (1) Smt. Krishna Devi Wd/o Sh. Moti Ram R/o Palwal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Madan Lal Sh. Murari Lal
 Sh. Om Parkash

5. Sh. Oli Parkash
S5/0 Sh. Lalu Ram
4. Smt. Devi Rani
W/0 Sh. Chander Bhan
5. Sh. Hari Chand
6. Sh. Ganpat Ram
S5/0 Sh. Ghanshyam Dass
R/0 Mohalla Inderpuri,

Palwal Distt. Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the out sation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 234 sq. yds situated at Palwal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 57 dated 6-4-85 with the Sub Registrar, Palwal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date - 26-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/1/85-86.--Whereas, I.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. 44 kanals 12 marlas situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Histar under Registration No. 43 dated 2-4-1985 for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Harjeet Kaur Wd/o Sardar Hardial Singh

2. S. Amarjeet Singh

S/o S. Hardial Singh
Daljeet Singh
Hardial Singh
Model Town, Hissar,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Arjan Dass Aggarwal S/o Shri Huna Ram Aggarwal

2. Sh. Arjan Dass Aggarwal Karta of HUI-

3. Smt. Prem Lata Aggarwal W/o Sh, Ghanshyam Dass Aggarwal

4. Smt. Anuradha Aggarwal W/o Sh. Ashok Kumar 5. Sh. Vijay Kumar Aggarwal

6. Sh. Raghbir Aggarwal

Ss/o Sh. Jainarayan
7. Sh. Duni Chand Aggarwal
S/o Sh. Huna Ram Aggarwal Karta HUF

Sh. Salesh Aggarwal 9. Sh. Sachin Aggarwal Ss/o Krishan Kumar Aggarwal R/o H No. 50, Green Park, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were a prior deciring the period. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. in that Chapter.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being measuring 144 kanals 12 marlas situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 43 dated 2-4-1985 with the Sub Registrar. Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 18-11-1985

(1) Smt. Savitri W/o Sh. Balwant Singh S/o Sh. Wazir Singh R/o Gharonda Teh. Gharonda, Distt. Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Sh. Bhola Ram
2. Nakli Ram
3. Surinderpal
Ss s Sodagar
R/o Gharonda,
Distt. Karnal,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 2nd December 1985

Ref. No LAC Acq<CHD,2[85-86-—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Compet at Authordy under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a sair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing land measuring 8 kanals situated at Charonda Dialt. Kanal (and more fully described in the Schedale annesed here(o), has been transitived under the Registration Act, (908–(16 of 1908) in the Office of the Registration Office at Charonda Dialt.

of 1908) in the Office of the Registering Officer of Gharonda under Registration No. 136 dated 10-4-1985 for an apparent considering the inclusion like in the fact thanket value of the medical paper, included the fact thanket value of the medical paper, in an II cave reason to believe that between the map and of the outperty as aforesaid executify and of such apparent apparent and that the consideration for such manifer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The t./ms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 kanals situated at Gharonda Distt. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 136 dated 10-4-1985 with the Sub Registrar, Gharonda.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said A24, to the following persons, namely:—

Date: 2 12 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/13/85-86.--Whereas, I.

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House on plot No. E-27 situated at NIT, Faridahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 844 dated 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Bakshish Singh Saht S/o Sh. Pritam Singh R/o 6W/5 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harsh Nagpal W/o Sh. Nepal Dass Nagpal R/o 5E/50 B. P., NIT, Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcand persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined u_t Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house on plot No. E-27 situated at NIT, Faridabad and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 844 dated 23-4-1985 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Rohtak

Date: 5-12-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **ROHTAK**

Rohtak, the 9th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/2/85-86.—Whereas 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

48 acress 1 kanal 15 marlas situated at village Bir Firozoni

Teh. Kalka

Kalka under Registration No. 53 dated 9-4-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka on 9th bApril 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; #100 / Oc
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Tejwant Kaur D/o Sh. Bhagwant Singh R/o. 61/3, Chhotu Ram, Dehradun.

(Transferor)

(2) Sh. Anand Sarup S/o Sh. Har Bilas H. No. 510, Sector 8. Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ct 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official TAN TA Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 48 acres 1 kanal 15 marlas situated at village Bir Fizorzani Teh. Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 53 dated 9-4-85 with the Sub Registrar, Kalka.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Keishan Kumar Mehta S/o. Sh. Katha Lac. 1/2 %, DDA, Chaf Saray, New Delhi.

(Transferor)

(2) 5/Sh Sunder Shaym Satish Kumai R/o A-19, Prem Nagar, Sonepat.

(Transferec)

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th December 1985

Ref. No. LA.C./Acq. SPT/1/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Sector 14, Soneput

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transleared under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 14 of Income tax Rules, 1962 dated in Antil. 1785

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and los
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

Property being house situated at Sector 11, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 14 dated April, 1985 with the Sub Registrar, Sonepat,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rang. Rohtak

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely ;-

Date: 9-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/3/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No 223 situated at Sector 8 Panchkula Rs. 1,00,000/- and bearing No. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Kalka under Registration No. 67 on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as afore-believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I kereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the acquisition of the acquisition of the said Act, to the following persons, namely:—
77—416 GI/85

(1) Saft, Raj Kaur Wd/o late Si, Hukum Singh R/o H. No. 223, Sector 9, Panchkula.

(Transferor)

(2)Sh. Virendra Lal Thaper R/o H. No. 2710. Sector 38-C, Chundigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDULE

Property being house No. 223, Sector 8, Panehkula and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 67 dated 10-4-1985 with the Sub Registrar, Kulka.

B. L. KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Date: 9-12-1985

FORM LT.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. ROIITAK

Rohtak, the 3rd December 1985

Ref. No. I.A.C.Acq./KLK/1/85-86.--Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and beging No
land measuring 22 kanals 4 marlas situated at Village Ram

garh, Teh. Kalka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 4 dated 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that disconsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any knoome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely : --

(1) Sh. Jamu Singh Sh, Shankar Dass R/o Jaisinghpura, Teh Kalka, (Now Rathora Kalan, Teh. Murena, Distt. Murena) (M.P.).

(Transferor)_

(2) M/s. S. P. Spun Pipe Co. H. No. 1005, Sector 19-B, Chandigarh. through Sh. Parween Bindlish.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 kanals 4 marlas situased at village Ramgarh, Teh. Kalka, Distt. Ambala and as more mentioned in the sale dccd registered at Sr. No. 4 dated 1-4-85 with the Sub Registrar, Kalka.

> B. J., KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtak

Date : 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/9/85-86.—Whereas, 1. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing

Plot No. 2 A.P. measuring 32 kanals 4 marlas situated at Beer 4, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48 DD (4)

at Hissar under Registration No. 258 dated 11-4-1985 for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smi, Tej Kauc uraf Munni W/o Sh. Mohan Singh R/o Λ.P. Beer 5th, Mile Stone, Sirsa Road. Hissar.

(Transferor)

(2) Sh. Janardhan Dass Jindal S/o Sh Chandu Lal, R/o. Priti Nagar,

near Sh. Dharam Pal C.A.'s house.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 2 A.P. situated at Beer 4, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 258 dated 11-4-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range . Rohtak

Date: 25-11-1985

FURM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u> 1988 - Janes Britania (1988), il 1988 - 19</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./JDR/1/85-86. -Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proptrty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 19 & 20 situated at Garhi Mund Mosuma Gangesh Nagar Colony, Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ganesh Nagar Colony, Jagadhari under Registration No. 123 detail 0.4 1995

under Registration No. 123 dated 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) M/s. Chopra Land & Finance Co. Jagadhari through Roshan Lal Trikha S/o Sh. Ramjas R/o Ambala City.
2. Sh. Purshotam Lal Chopra S/o Gian Chand Chopra R/o 73, Krishna Colony, Yamunagar.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Parveen Garg
 W/o Sh. Subhash Chander Garg
 2. Sh. Kamlesh Malhotra

W/o Sh, Siri Ram Malhotra
3. Sh, Harbans Lal Malhotra S/o. Sh. Gopal Singh Malhotra, R/o Model Town, Yamunagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plots No. 19 & 20 situated at Garbi Mundi. Mosuma Siri Ganesh Nagar Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 123 dated 9-4-1985 with the Sub Registrar, Jagadhari

> B. L. KHATRI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Rohtak

Date: 21-11-1985

(1) Shri Kabal Singh S/o Shri Watan Singh r/o H. No. 395 Sector 8 Panchkula Teh. Kalka. (Transferor)

(2) Kuldcep Rai Rekhi S/o Shri Balwant Rai Ahluwalia R/o H. No. 395-P Sector 8, Panchkula Tch, Kalka.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Rcf. No. I.A.C./Acq./KLK/4/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 395-P situated at Sector 8 Panchkula,

Teh. Kalka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 116 dated 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforewid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house H. No. 395-P, Sector 8 Panchkula and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 116 dated 15-4-1985 with the Sub Registrar, Kalka.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 18th November 1985

Ref. No. I.A.C./ Λ cq./KLK/5/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 225 situated at Sector 7 Urban Estate,

Panchkula,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerine Officer at Kalka under Registration No 136 dated 16-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravındera Nath Pal S/o Shri Mukand Lal Pal R/o H, No. A-201, Varsovila Society, 4 Bungalow Road, Andheri (West Bombay).

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand Chopta S/o late Shri Nathu Ram Chopta
 (2) Smt. Savindra Kumari Chopta
 W/o Shri Subhash Chand Chopta
 R/o H. No. 708 Sector 8, Panchkula
 Teh. Kalka.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter

THE SCHEDULE

Property being plot No. 225 Sector 7 Urban Estate, Punchkula Teh. Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 136 dated 16-4-1985 with the Sub Registrar, Kalka.

B. I.. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-11-1985

(1) Shii Gian Chand S/o Shri Lakhu Ram R/o & B-Additional Piranwali, Bir Hissar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s B. D. Oil and General Mills, 6 KM Sirsa Road, Hisgar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. 1.A.C. / Acq. / HSR / 7 / 85-86. - - Whereas, I.

B. L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
No. land measuring 19 Kanals situated at Bir Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have here transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 4908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 438 dated 19-4-1985,

no. 438 dated 19-4-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the chilest of the said instrument. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income on an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 killas situated at Bir Hissar and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 438 dated 19-4-1985 with the Sub Registrar, Hissar,

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followers persons, namely:

Late: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 28th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/1/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have remean to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

No. plot measuring 516 sq. yds. situated at Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office has been transferred

of the Registering Officer at Gurgoan under Registration

No. 83 on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair parket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Suman Kochar W/o Shri Kalyan Dass R/o Flot No. 6 Virmani Missan 24 Mal Road,

(2) Karam Chand Uppal S/o Shri Ram Chand Uppal C/o M/s' K. C. Uppal & Co. 2679 Gandhi Motor Market, Kashmiri Gate, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 516 sq. yds. situated at Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 83 dated 1-4-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 28-11 1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

NO THE PROPERTY CONTRACTOR CONTRA

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/13/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 490-L situated at Model Town, Yamunanagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Jagadhari under Registration No. 396 on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

78-416 GI /85

(1) Shri Gurbaksh Singh S/o Ganda Singh, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

1. Shri Krishan t.al S/o Shri Sunder Chand.
 2. Smt. Prem Kanta W/o Shri Krishan t.al

3. Usha Rani,

Manoj Kumar.
 Sanjiv Kumar,
 490 L, Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 490-L, Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 396 dated 22-4-1985 with the Sub Registrar, Jagadhari,

> B. L. KHATRI Competent Authoria. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./KLK/6/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 211 situated at Sector 4, Panchkula,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka under Registration No. 143 on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of X-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tra -i/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :--

- (1) Shri Mahinder Singh S/o Shri Dayal Singh R/o 211 Sector 4, Panchkula.
- (Transferor) (2) Smt. Shakuntla Devi W/o Shri Mool Raj R/o Power Potri Farm, Railway Road, Chandigurh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undereigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and exepressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being house No. 211 Sector 4, Panchkula Teh. Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 143 dated 18-4-1985 with the Sub Registrar, Kalka.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Date: 21-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 3rd December 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./FBD/1/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 2253 situated at Sector 9, Faridabad, (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 126 on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferor and to:
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Joginder Kaur W/o Shri Surjeet Singh R/o 1555/9, Faridabad,
- (2) Shri Siri Niwas Kaushik S/o Shri Ram Sarup (2) Smt. Saroj Kaushik W/o Shri Siri Niwas R/o 734/7C, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 2253 situated at Sector No. 9, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 126 dated 4-4-1985 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dute: 3-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 2nd December 1985

Ret. No. I.A.C./Acq./AMB/3/85-86,--Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land measuring 14 kanals 14 marlas situated at Viliage Khojkipur Teh. & Distt. Ambala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration

No. 291 on 12-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. S/Shri Ram Murti

2. Jagan Nath

3. Prem Sons

- 4. Smt. Bohti widow 5. Smt. Prem Devi daughter of Shri Salag Ram S, o Shri Bansi
- 6. Smt. Ram Dulari widow

7. Ram Pal

8. Shri Pushpinder Sons

 Smt. Pushpa Devi daughter of Shri Harpal Singh uraf Phool Singh R/o Village Samalehri Teh. & Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram Sharma S/o Shri Lachhman Dass R/o H. No. 172-A, Prem Nagar Ambala City.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 14 marlas situated at village Khojkipur Teh. & Distt. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 291 dated. 12-4-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of fits notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 3rd December 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./KNL/11/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 13 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. land measuring 17 bighas 18.1/2 biswas situated at Karnal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 319 dated 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Lal S, o Shri Hira Nand r/o 17-18 Shakti Colony, Karnal.

(Transferor)

Smt. Prem Madhok wife
 Shri Rohat Madhok son
 Shri Bahadur Chand r/o 676/XIII,
 Urban Estate, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 47 bighas 18.1/2 biswas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 319 dated 23-4-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX,

> ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acg./AMB/52/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 4A situated at Preet Nagar, Ambala Cantt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 439 dated 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sudesh Kumar S/o Shri Bhagwan Dass r/o 4A, Preet Nagar, Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Gulshan Rai Bali S/o Shri Baldev Rai Bali R/o 904-B.5, Gaushala Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 4A, Prect Nagar, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 439 dated 19-4-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/9/85-86.—Whereas, I, B, L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Shop No. 19 situated at Patel Market, Karnal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 253 dated 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjit Singh Prithipal Singh sons of Shri Teja Singh S/o Nihar Singh R/o Sadar Bazar, Karnal.

(Transferor)

Shri Hari Ram S/o Shri Sadhu Ram
 Smt. Kaushala Devi W/o Shri Kishan Chand
 Smt. Shila Devi W/o Shri Parshotam Dass

R/o Tehsil Mohalla, Dhuri Distt. Sangrur (Pb.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined to Chapter $X^{\infty}A$ on the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 19 situated Patel Market, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 253 dated 17-4-1985 with the Sub Registrar, Karnal.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1985

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/2/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 966/4 A.M.C. situated at 1326 Block No. 4 Nadi Mohalla, Ambala City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No. 241 dated 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Tara Singh Anand S/o Shri Nidhan Singh, Taraptjeet Kaur wd/o Shri Sardar Singh r/o 4559/3, Hari Mandir, Ambala City. (Transferor)
- (2) Smt. Laxmi Devi Wd/o Shri Ram Kishan Shri Harbans Lal S/o Shri Ram Kishan R/o Shahabad Markanda Teh, Thanesar Distt, Kurukshetra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are dened ifin Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 966/4 A.M.C. 1326 Block No. 4 Naddi Mohalla, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 241 dated 10-4-1985 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-11-1985

FORM I'INS-

(1) Sh. Ram Rachhpal s/o Sh. Tej Ram r/o Kartarpuri Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Deep Shikha Estate (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg. New Delbl.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/17/85-86.—Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land measuring 22 kanal 15 marks situated at village Choma

Teh. & Distr. Gurgaon and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon under Registration No. 341 dated 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 kanals 15 marlas situated at village Choma Teh. & Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 341 dated 15-4-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
79—416 GI/85

Date: 21-11-85

(1) Sh. Sher Singh s/o Sh. Udami, r/o Narwana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./NRW/2/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, knying a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 16 kanals 6 marlas situated at Narwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwana under Registration No. 102 dated 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any squarys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parcely:—

(2) Sh. Ram Dhari, Sh. Ram Niwas ss/o Sh. Mangal Chand r/o Narwana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals 6 marlas situated Narwana and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 102 dated 15-4-85 with the Sub Registrar, Narwana.

B. L. KHATRI
Competent Authority
respecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 25-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/5/85-86.-Whereas, 1, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Land measuring 43 kanals 15 marlas situated at Village Arya Nagar Teh. & Distt. Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar under Registration No. 316 dated 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay the under the side Act in respect of any income arising from the transferor. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Ram Saran (2) Sh. Gobind Lal ss/o Sh. Kesar Dass r/o V. & P.O. Arya Nagar Teh. & Distt. Hissar. (Transferor)
- (2) Sh. Om Parkash (2) Sh. Mahinder Singh ss/o Sh. Lakshman r/o V. & P.O. Arya Nagar Teh. & Distt. Hissar. (Transferce)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undessign

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this meth in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given. In that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 43 kanals 15 marlas situated at village Arya Nagar Teh. & Distt. Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at 316 dated 15-4-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to Acquisition Range, Rohtak

Date: 26-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./DLI/7/85-86.—Whereas, I, B. L. KHA'TRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 37 measuring 2428 sq. yds. situated at D.L.F. Industrial Estate No. 1 Mewla Maharajpur Dis.t. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 601 dated 2-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Indin Card Clothing Company Limited, Bombay, Poona Road, Pimpri Pune.

(Transferor)

(2) Jest's Engineering Mehta Road Bombay (Now M/s Jest's Engg. Co. Ltd. Indra Palace 'M' Block Connaught Place, New Delhi-110001) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 37 measuring 2428 sq. yds. alongwith super structure thereon situated at DLF Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur Distt. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 601 dated 2-4-85 with the Sub Registrar, Delhi.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 21-11-85

(Transferce)

FORM ITNS---

(1) Sh. Harbans Singh s/o Sh. Ishar Singh r/o 24-B Bir Hissar P.O. Juglan Tch. & Distt. Hissar. (Transferor)

near Dabra Chowk, Hissar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/8/85-86.-Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 68 karals 3 marles including house thereon effected at Vill Black Bahara.

situated at Vill, Block Babran

situated at Vill, Block Babran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 632 dated 30-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sh. Jaswant Singh (2) Sh. Sumer Singh (3) Sr. Partap Singh ss/o Ch. Mani Ram r/o Sanwat Bhawan, Urban Estate No. 2,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given in that Chaptes.

THE SCHEDULE

Propjerty being land measuring 68 kanals 3 marlas including house thereon situated at village Block Babran Bir, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 632 dated 30-4-85 with the Sub Registrar, Hissar.

> B. L. KHATRI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 25-11-85

Coal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th November 19285

Ref. No. 1.A.C./Acq./GRG/14/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 13 biswas situated at Vill. Sikenderpur Ghosi Disti. Gurguon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 305 dated 11-4-85 tor an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. **samely:---

Sh. Nawal Singh, (2) Sh. Lakshmi Chand
 Sh. Siri Chand, (4) Smt. Birhma Devi,
 d/o Sh. Het Ram
 all r/o Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

(2) M/s Anoorag Construction Co. Pvt. Ltd., 24, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greate or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 13 biswas situated at Sikenderpur Ghosi Distt. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 305 dated 11-4-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dato: 25-11-85

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/27/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable prope tv. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. E.P. 713 situated at Railway Road, Reward

Shop No. E.P. 713 situated at Railway Road, Rewarl (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 59 dated 10-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Sh. Parbhu Dayal, (2) Om Parkash sso Sh. Howan Dass, r/o Mohalle Nai Basti, Rewari.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Rani Nagpal w/o Sh. Hari Chand Nagpal, Dentist, Railway Road, Rewari.

(Transferee)

(3) Sh. Surjeet Singh etc. I/hs. of Late Shri Sardara Singh s/o Sh. Jawala Singh r/o shop No. E.P. 710 to 713, Railway Road, Rewari.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property being shop No. E.P. 713 situated at Railway Road, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 59 dated 10-4-85 with the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-11-85

FORM I.T.N.S.---

No fice under section 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/27/85-86.—Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Soid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. ILP. 711, situated at Railway Road, Rewari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari under Registration No. 19 dated 19-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Durga Parshad, (2) Sh. Surender Kumar 53/0 Sh. Howan Dass v/o Mohalla Nai Basti, Rewari.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar Nagpal s/o Sh. Hari Chand Nagpal, Dentist, Rajlway Road, Rewari.

(Transferee)

(3) Sh. Surject Singh etc. I/hs. of Late Shri Sardara Singh s/o Sh. Jawala Singh r/o shop No. E.P. 710 to 713, Railway Road, Rewarl.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. EP 711 situated at Railway Road, Rewari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 19 dated 9-4-85 with the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dato: 26-11-85

(1) Sh. J. C. Grover s/o Sh. Ishwar Dass Grover, Sh. S. Rai Grover s/o Sh. J. C. Grover, r/o 451-L, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Deep Kalra s/o Sh. K. S. Kalra r/o Green Park, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Rohtak, the 2nd December 1985

Ref. No. 1.A.C./Acq./FBD/7/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

plot measuring 1187.88 sq. yds. situated at Sector 11 Faridabad (and more fully describe din the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 513 dated 16-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property being plot measuring 1187.85 sq. yds. situated at Sector 11, Farldabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 513 dated 16-4-85 with the Sub Registrar, Paridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

80-416 GI/85

Date: 2-13-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./AMB/51/85-86.-Whereas, L. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 kanals 12.1/2 market

situated at Ambala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1) 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambala under Registration No. 405 dated 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--Bombay on 26-4-1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely 1—

(1) Sh. Laxmi Chand S/o Sh. Bhaju Ram R/o Ambala City.

(Transferor)

(2) Baba Harbans Singh 2. Baba Jagir Singh Chela Baba Sant Gurmukh Singh Ji, Kar Sewa Wale R/o Pehwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being 2 flanals 12.1/2 marlas situated at Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 405 dated 18-4-85 with the Sub Registrar Ambala.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohta

Date : 9-12-85 Scal:

FORM LT.N.S.———

(1) M/s. Sigma Porslin, Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s. S. V. S. Sons & Sons HUF, 18-C, DLF Industrial Estate 1, Faridabad.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 29th November 1985

Ref. No. J.A.C./Acq./FBD/9/85-86.--Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 18-C

situated at Industrial Estate-1, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 734 dated 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aformaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion of the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being industrial plot No. 18-C. DLF Industrial Estate-1. Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 734 dated 18-4-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—

Date: 29-11-85

Scal:

(1) Smt. R. Laxman, 92, Ravindra Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Purshotam Dass Aggarwal S/o Sh. Gur Parsad R/o 20-21 P, State Bank Colony, Sector 5, Faridabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./FBD/4/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 341

aituated at 16-A, Uurban Estate, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 200 dated 6-4-1985

Faridabad under Registration No. 200 dated 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being house No. 341 Sector 16-A, Urban Estate, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 200 dated 6-4-85 with the Sub Registrar, Faridabad.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbak

Date : 5-12-85

Scal :

FORM ITNS----

(1) Shri Puran S/o Shri Panjaba R/o Village Tejli Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) The Kaiindi Co-operative House Building Society Ltd. Yamuna Nagar.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/14/85-86,---Whereas, I. B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

Land measuring 17 bighas 7 biswas situated at village Tojii Teh. Jagadhari (and more fully described in the Schedule appeared hereful).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari under Registration No. 444 dated 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment on my income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disched by the transferee for the purposes of the Ing an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 bighas 7 biswas situated at village Tejli Teh, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 444 dated 24-4-85 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

> B. L. KHATRI Component Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 5-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 26th November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./JDR/62/85-86.—Whereas, I, B, L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 170A, shuated at Model Town, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Jagadhari under Registration No. 398 dated 22-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shmeem Raghwan W/o Shri Swami Nathan Raghwan, R/o 170A-R, Model Town, Yamunanagar

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Rani D/o Shri Sadhu Ram President of Ldawa, Distt. Kurukshetra Shri Suresh Kumar S/o Shri ShivParshad R/o Village Mustafabad, Teh. Jagadharl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 170A-A, Model Town, Yamuna Nagar and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 398 dated 22-4-1985 with the Sub-Registrar, Jagadhari

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 26-11-1985

Goal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st November 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KNL/7/85-86.—Whereas, I, L. KHATRI,

B. L. KHATRI, being the Comp tent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Industrial shed situated at Kunipura Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 210 dated 15-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by under than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the anid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, if respect of any income arising from the manufer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue -? this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely .--

(1) Shri Gopal Dass S/o Shri Lal Chand, R/o 90AD, Wazir Chand Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tek Chand Aggarwal S/o Shri Ganesh Dass 2. Smt. Nirmal Wati W/o Shri Tek Chand Aggarwal W/o Shri Fee Chand Aggarwal
3. Smt. Anita Gupta
W/o Shri Hari Om
4. Shri Nawal Kishore
Sa/o Shri Tek Chand Aggarwal
5. Shri Madhu Sudan
Ss/o Shri Tek Chand Aggarwal
Partners of M/s. Tek Chand Aggarwal & Sons, Loha Bazar, Kapurthala (Punjab).

(Transferce)

(3) M/s. Tiger Rubber Industries, Kunjpura Road, Karnal,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Property being Industrial shed situated at Kunjura Road, Karnal and as more mentioned in sale deed registered at Sr. No. 210 dated 15-4-85 with the Sub-Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 21-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, 106—282, KANCHAN BHAWAN, CANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanput, the 4th November 1985

Ref. No. M/684/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. R/11/122 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 24580 dated 19-4-1985

Ghaziabad under Registration No. 24580 dated 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravindra Nath Bajaj S/o Shri Shanti Swarup Bajaj R/o R/11/122 Raj Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Karuna Agrawal W/o Shri V. K. Agarwal R/o K. C. 103, Kavi Nagar, Ghaziabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the asspective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O.licial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. R-11/122 Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DA5
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-11-1985

Soal :

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 4th November 1985

Ref. No. M/685/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R/10/152 situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration No. 25398 dt. 30-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and low
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—81—416 GI/85

 Shri Ashoka Chandra Sharma S/o Shri Vinod Chandra Sharma R/o 234 Satya Niketan Nanakpura, New Delhi-21.

(Transferor)

(2) Shri Director Bhushanlal Mittal S/o Shri Tora Chandra Mittal (Mittal Engineering Works Pvt. Ltd.), R/o 12 Avas Vikash Colloney, Civil Lines, Muradabad.

(Transferee)

(3) -Do-

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10/152 Raj Nagar, Ghaziabad covered Area

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-11-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF, 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. M-687/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, buying a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 126 situated at Suraj Pur

(and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Not. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under Registration Not. 35% at. 19-4-1985

Dadari under Registration No. 35% dt. 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeso? propert, and I hav, rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or avasion of the transferor to now tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

(1) Shri Japal Soo Ramphool, Roo P.O. Khach Teh. Dadari, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Kumar Shivraj Kumar S/o Shri Sita Ram R/o J 58. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Chak No. 126, Surajpur, Dadari, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-12-1985

Seal',

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. 688/85-85.--Whereas, 1, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the theorie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematier reterred it as the said Act'), have reason to believe that the immuniable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

No. 62 to 66, & 426 situated at Habibpur (and more infly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 or 1908) with the Competent Authority u/s. 269 AB the said Act read with rule 49DD of Income-tax rules 1962 at

Dadari under Registration No. 3507 dated 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid projectly and a have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exaceds the apparent consideration therefor by more than ritteen per cent of such apparent consideration and that has consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-atx 224 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ved Ram S/o Raghubir Teh. Dadari, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Chri Lexanon Swarup Agatwal s/o Shri Chajida Nand R/o 15/1, Ashaf Ali Road, New Delhi.

(Transefree)

(3) -Do-

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by pay once person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that therein.

THE SCHEDULE

62 to 66, 68 & 428 Teh. Dudari, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. 689/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

421 situated at Gulavati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under Registration No. 3530 dt. 30-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in request of any incume arising from the transfer. 224/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Kanwal Singh, S/o Shri Bhim Singh R/o khurde, Dadari. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Singh S/o Om Parkash Singh, R/o 30 Phirolshah Road, New Delhi.

(Transferee)

(3) -Do-

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 421 Villago Gulavati, Dadari.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-12-1985

Seel :

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Or 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106—282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. M-692/85-86.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 67, 69, 429 situated at Habirpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dadari under Registration No. 3508 dt, 24-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Ved Ram S/o Raghubir Vıllage Habibpur, Dadri, Ghaziabad.
- (2) Shri Lakhan Swarup Agarwal 5/0 Sachidanand, 15/1, Asaf Ali Road, New Delhi.
- (3) Do -

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of jubilication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 67, 69 & 429 Habibour, Dadari,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

Kanpur, the 11th December 1985

Ref. No. M-693/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 50 situated at Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 24957 dt. 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 369°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nirmal Joti Bajaj W/o Naresh Kumar Bajaj, R/o 56 Modal Town, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Nutan Prakash Tyagi S/o Om Prakash Premi R/o IlIrd G-58, Nehru Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) ---Do---

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hrd G-58, Nehru Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range.

Date : 11-12-1985 Seal :

(1) -Do-

FORM ITNS-

(1) Virma Devi Wd/o Shri Lila Ram R/o Dospur, Khurja Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gaje Singh S/o Shri Pratap Slngh, Arya Nagar, Delhi-92.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106--282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. M-697/85-86.--Whereas, L.

H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 122 situated at Dospur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja under Registration No. 1835 dt. 17-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 122, Despur, Khurja, Bulandashar.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followng persons, namely :--

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106—282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th December 1985

Ref. No. M-702/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. 117 situated at Malikpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad under Registration No. 3018 dt. 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

 Shri Rameshwar Singh \$/o Hari Singh, R/o Malikpur, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Anand Swarup Singhal S/o Shri Nand Kishore Singhal, Habibpura, Ghaziabad

(Transferoe)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 117, Malikpur, Ghaziebad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-12-1985

Service of the service of

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1985

Ref. No. H. R. DAS. No. M.-709/85-86.—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/2347 situated at Hakikat Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Saharanpur under registration No. 4076 dated 18-4-85 for an apparent consideration which is less have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said 222 2 the following persons namely:— 82-416 GL/85

(1) Shri Radha Krishan Gandhi S/o Jassa Ram R/o C-6/11 Ranapratap Bag Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan Sahagel S/o. Ratanlal Sahgal R/o Jawahar Park Saharanpur.

(Transferee)

(3) Shri Bal Kishan Sahgal S/o Ratanlal Sahgal R/o Jawahar Park Saharanpur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2/2347 Hakikat Nagar, Sabaranpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 12-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kangur, the 12th December 1985

Ref. No. M. 710 85-86, -Whereas, I, H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No situated at Laudhaura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered and the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer/with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 at Roorkee

under registration No. 2444 dated 12-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Satish Kumar 8/0 Bhushanlal Villi ge Lauchaura, Baharanpur,

(Transferor)

(2) Abdual Mazid S. o Immandar Village Landaena, Saharanpur,

(Transferee)

(3) Ab tual Mazid S/o Immamdar Village Liudhaura, Saharanpur,

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whicheve, would expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are befined in Chapter XNA of the said Antiwhall have the same meaning as given in the Phante:

THE SCHEDULE

Village -- I audhauta Roorkee, Saharanpur,

H. R. DAN Competent Authority Inspecting Assistant Computesioner of Income-tax Acquisition Pange, Kenpur-

") (tell- | 12-12) 5 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1985

M. 711.85-86.--Whereas, I, Ref. No. H. R. DAS

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-35 situated at

Kirata Nagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority under Section 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 at Dadri

under registration No. 3262 on 9-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the thir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Sardor Hardeep Singh S/o Sardar Sant Pynta Singh R/o A-235 Surya Nagar, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) Kishauri Lal Verma S/o Beni Ram R/o K-35 Kirta Nagar New Delhi.

(Transferce)

(3) Kishauri Lal Verma S/o New Delhi, Beni Ram R/o K-35 Kirta Nagar (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

HAPPANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-253, Surya Nagar Ghaziyabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 11-12-85.

NUTRICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ONCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1985

Ref. No. M. No. 712/85-86.—Whereas, I, II, R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

the said Act read with rule 48 DD of Income-tax Rules, 1962 has been tronsferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Competent Authority under Section 269AB of at Ghaziabad under registration No. 2939 on 8-4-85 for an apparent consideration which is ices than the fair

for an apparent consideration which is itself than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrament of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New therefore, in purvance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Achal Kumar Jain S/o Shri Lakhpat Rai Jain H. No. 5245 Sadar Bazar Delhi-6.

(Transferor)

(2) Surendra Kumar Jain c/o M/s. Caltek Hosiery Mills, Bara Hindu Rao, Delhi-6.

(Transferee)

(3) Sutendra Kumar Jain C/o M/s, Caltek Hosiery Mills, Bara Hindu Rao, Delhi-6.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term and expressions used herein as are leaned in Chapter XXA of the said Act, what have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shaibbabad, Dadari Ghaziyabad.

H, R, DA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 11-12-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1985

Ref. No. 725/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS

H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-bearing No. 13/438, 438/1 13|1473, situated at

Khurd Kala Garurulla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 Saharanpur under registration No. 3680 on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the charge of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mahesh Dutta Misra S/o Asha Ram Deoband, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Barkat Ali S/o Mohd. Akhatar R/o Dhali Khal, Saharanpur.

(Transferce)

(3) Barkat Ali S/o Mohd. Akhatar R/o Dhali Khal, Saharanpur. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mesaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13/438, 438/1, 13|1473 Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 12-12-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

et elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektrik elektri

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th December 1985

Ret No. M. 738, 85-86, -- Whereas, 1, H, R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No KH-43 situated at

Kavi Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), tand more ruly described in the Schedule annexed heretof, has been transferred and registered under Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Computent Authority u.'s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 at Ghaziabad under registration No. 23377 dated 4-1485 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have coson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Krishna Nayar W/o Shri B. D. Nayar R/o K. H. 43 Kavi Nagar Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shrimati W/o Late Shri Suresh Chand Agarwal R o Nehru Nagar, Ghaziyabad.

(Transferce)

(3) Smt. Smimati W.o Late Shri Soresh Chand Agarwal R/o Nehru Nagar Ghaziyabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Oficial Gazette or a period of 30 days from the servers of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: "This terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.4. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House o. K.H. 43 Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 6-12-85.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1985

Ref. MD. 59/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 525, situated at Rajendra Nagar,

Kajendra Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 at Dehradun under registration No. 3249 dated 8-4-85 for an experant consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay ax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; and/or
- (b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, it, parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Suraj Mukhi W/o Sh. S. L. Pachauria 97/2 Rajendra Nagar Dehradun.

(Transferor)

(2) K. P. Sharma 30-B Khud buda Dehradun,

(Transferee)

(3) K. P. Sharma 30-B Khud buda Dehradun,

(Person in occupation of the property)

(4) K. P. Sharma 30-B Khudbuda Dehradun.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 252 Rajendra Nagar Dehradun.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated: 11-12-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1985

Ref. No. No. MD-69/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/1, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer/with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 under registration No. 3786 at Dehradum on 22-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

 Autar Siegh Chug 2. Sme. Surenda Chug
 Rukesh Intrasingh 15-A Chandar Road, Dehradur.

(Transferor)

(2) Mountain Towers & Resort Hotels, (P) Ltd. Through Saxt Surinder Chagh w/o A. S. Chugh 15-A—Chandar Road, Dehradun

(Transferee)

- (3) Mountain Towers & Resort Hotels. (P) Ltd.
 Through Smt. Surindar Chagh S/o A. S. Chugh
 15-A—Chandar Road, Dehradun.
 (Ferson in occupation of the property)
- (4) Mountain Towers & Resert Hotels (P), Ltd. Through Smt. Surindar Chugh S/o Sri A. S. Chugh 15-A—Chandar Road, Dehradun. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

3/1 Astlay Hall Rajpur Road Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisifion Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Dated: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1985

Ref. No. MD. 76, 85 86.—Whereas, I, H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-vax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000 and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 27000 at Kairana on 30-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andky

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or so Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following netsons in amely :— 83-416 GI/85

(1) Vijendra Kumar and Others, Rajauli House, Saharan Pur,

(Transferor)

(2) Sabir Ali and Others S/o Sri Ibraheem Hosan Pur Lahari Muzaffar Nagar,

(Transferec)

(3) Sabir Ali and Others S/o Sri Jbraheem Hasan Pur Lahari Muzaffar Nagar,

(Person in occupation of the property)

(4) Sabir Ali and Others S/o Sri Ibraheem Hasan Pur Lahari Muzaffar Nagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in surface to the undersegned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Gardan (13-14-0) at Vill-tsmail Pur Muzaffar Nagar.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Dated - 28-11-1985

Scal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMID-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th November 1985

No. MD-81/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000' - and bearing No.

a house situated at Feerjadgan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act,

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, with the Competent Authority u.s. 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 under registration No. 2492 date 20-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Babbley of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 195 ' (27 of 1957);

(1) Anwar Ahmad Vill—Kairara—Muzastar Nagar,

(Transferor)

(2) Saida W/o Seeda Kairana Muzeffar Nagar.

(Transferee)

(3) Saida W/o Seeda Kairana Muzaffar Nagar. (Porson in occupation of the property)

(4) Saida W/o Seeda Kairana Muzaffar Nagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House in 324 Yards area at Peerjadan—Kairana Muzaffar Nagar.

> H. R. DA9 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1985

No. MD-87/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/780,

situated at Dhandawali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer/with the Competent Authority u/s. 269AB of

at Karana on 20-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Satendra Singh Vill-Boraut Meerut.

(Transferor)

(2) Raj Bala W/o Har; Singh Vill—Dhindali Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(3) Raj Bala W/o Hori Singh Vill – Dhindali Muzaffar Nagar

(Person in occupation of the property)

(4) Raj Bala W/o Hari Singh Vill-Dhindali

Muzaffar Nagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6/780 at Kairara.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-12-1985

FORM JINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1985

Ref. No. MD-88/85-86.---Whereas. J. H. R. DAS

H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 748 situated at Baral Partapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Meerut

with the Competent Authority u/s. 269AB of with the competent Attending up. 2.29743 of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 under registration No. 8987 date 10-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income ansing from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys as other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

n americani tri (1) Ram Kumai Slo Mahabir Prasad, Delhi Gate, Meerut.

(Transferor)

(2) Shiba Financiers Co. Abu Lane, Mecrut.

(Transferce)

(3) Shiba Financiers Co. Abu Lane, Meerut. (Person in occupation of the property)-

(4) Shiba Financiers Co. Abu Lane, Meerut. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Khasra No. 748, Mauza Partapur,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 9th December 1985

Ref. No. MD-89/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 156 situated at Saket

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 9094 date 12-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, hi respect of any income arising from the transfer; inii /er
- (1/) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shakuntala Devi W/o Satish Chand Police Line Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal Singh S/o Sri Lal Singh 142 Prabhat Nagar Meerut.

(Transferee)

(3) —Do— (Person (s) in occupation of the property)

(4) —Do— (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 156, Plot No. D-142 Saket; Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

(1) M/s Kapil International Private Ltd., Hardwa.

(Transferor)

(2) Rajendra Kumar c/o Shiva Hotal, Hardwar.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) ---do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LAN'N PARK, KANPUR-208 012

> Kanpur-208 012, the 12th December 1985

MD-95/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 590 situated at Kankhal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran and and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar under registration No. 1069 date 10-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Sekhpura-Kankhal, Hardwar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the represent property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur, the 9th December 1985

Ref. No. MD-98/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Bagrejpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 2419-3420 date 28-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajat Kumar s/o Rajendra Kumar, c/o Upper Doab Sugar Mills, Shamali, Muzzaffarnagar.

(Transferor)

(2) H. L. Paper Ltd., through Satish Chand Goyal Promoters, Meerut Road, Muzzaffarnagar. (Transferee)

(3), --do-(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 850, 858, 852/978, 858/979 858/985, Bagrejpur, Khatauli.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. MD-99/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act.) have revson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 3419-3420 date 18-4-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truty stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7);

Now, therefore, in pursuance of Sect n 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajat Kumar s/o Rajendra Kumar, c/o Upper Doab Sugar Mills, Shamali, Muzaflarnagar.

(Transferor)

- (2) H. L. Paper Ltd., through Satish Chand Goyal s/o Harbans Ltd, Promoters, Meerut Road, Muzaffarnagar.
- (3) —do—
 (Person(5) in occupation of the property)
- (4) —do--(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Curzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Agrl. land, 853, 854, 855, 856, 857, 859 & 979 at Jansath, M. Nagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

Scal;

FORM I.T.N.S. 187---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 28th Noember 1985

Ref. No. MD-101/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

403, 436 situated at Madarpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana under registration No. 1877 date 17-4-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 ShriRajendra Kumar, Madarpura, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Harbans s/o Harikesh, Roshanpur, Dorali, Meerut.

(Transferee)

(3) —do—

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No. 403, 436, at Vill. Madarpur, Sardhana, Meerut.

M. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, tenetore, in paratiance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
84—416 GI/85

Date: 28-11-85

Soal:

FORM I.T.N.S. 187----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 3rd December 1985

Ref. No. K-219/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127-U/9 situated at Hiralalnagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8716 dated 8-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gur Dayal Singh, 127/U/9, Harala Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Bisheswar Dayal 8/0 L. S. Tiwari, 8/200 Arya Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) -do-

(Person(s) in occupation of the property)
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 127/U/9 Hirala Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-12-1985

Scal;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 9th December 1985

Ref. No. K-220/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. aituated at Bingama Kanpur (and more fully deposited in the Catalan).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8939 dated 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indiar Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Madho Ram & Raja Ram, s/o Kartar Ram, 133/88, Juhi Kalan, Kanpur.

(2) Modern Garden Cooperative Housing Society Ltd., 5/16, Begum Purwa, Kanpur.

(Transferee)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

253, 271, 539, 540 & 541 Vill. Bingama Distt. Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 9-12-85

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-221/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1183 etc. situated at Mauja Bassa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8998 date 15-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sundari w/o Ram Charan & others R/o Vill. Bassa Distt. Kanpur.
- (2) Deokinagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., 130/100A Baghahi, Kanpur.
- (3) —do—
- (4) —do—
 (Person(s) in occupation of the property)
 - (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazutta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell make the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 1183, 1185 1186, 1205, 1206, 1212, 1391, 1392, 1393C 1397 at Vill. Bassa Distt. Kanpur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inchaetax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-223/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 70 situated at Gangapur

(and more fully described in the Schedule annexed breeto). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8985 date 15-4-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, sa respect or any income arising from the transfer; andlot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tav Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jyoti Prasad s/o Lalloo, R/o Vill. Gangapur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Nagar Samaj Sahkari Avas Samiti Ltd., through Secy. Surendra Singh R/o K-58, Yasoda Nagar, Kanpur.

(Transferos)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) ---do---(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag, land No. 70 at Vill. Gangapur Diett. Kangur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-224/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

465 situated at Gangapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 3987 date 15-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the baid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Jaswant s/o Bisram Singh & others R/o Vill. Gangapur Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Nagar Samaj Sehkari Avas Samiti Ltd., through Secy. Surendra Singh R/o Vill. Jagaipur, Kanpur.

(Transferce)

(3) --do--

(Person(s) in occupation of the property);

(4) ←do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land No. 465 at Vill. Gangapur Distt. Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-226/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 601 situated at Ratan Lal Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8846 dated 9-4-85 tor an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to bt disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260°C of the said Act, to the following perions, namely:—

 Shri Harbhajan Singh s/o Sardar Gurbachan Singh, R/o 12/7 Bamba Road, Gomti No. 5, Kanpur.

(Transferor)
(2) Shri Kishore Kumar Dhawan s/o Ayaga Ram
Dhawan,
R/o J-2/97-W Block Juhi,
Kanpur.

(3) --do--

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 601, Ratan Lai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-85

Scal:

FORM I.T.N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-230/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land, situated at Berhat Banger (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 8476 date 15-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to that that the fair registration to the state of the believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shiv Shankar, Shiv Narain, Shiv Kumar & others, R/o Kikhipurwa, Maharajpur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kunwarlal s/o Hazarilal R/o Rikhipurwa, Maharajpur, Distt. Kanpur.

(Transferce)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag. land at Vill. Behrat Benger, Distt. Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this net/ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-12-85

The same are true to proceed the

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-232/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127-183-WI situated at Saket Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 9499 date 30-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformuld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Narinder Kaur w/o Sardar Ajeet Singh R/o oppsite Rly. Station, Sirpur Kagaz Nagar, Distt. Adelabad (Andhra Pradesh).

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar Gandhi & Jugal Kishore Gandhi 124A/246, Govind Nagar, Kanpur.
 - (Transferee)
- (3) —do—
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

127/183 W-I, Saket Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—85—416 GI/85

Date: 9-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR

Kanpur, the 2nd December 1985

No. K-236/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing 25-B situated at Dada Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Kanpur under registration No. 10093 on 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which caght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Shanker Mal Jajotia s/o Shri R. K. Jajotia, 25-B, Dada Nagar. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Lal Parkashchand and Shri Bisheshar Das, Brij Mohan, 109/363, G. T. Road, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons whim a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inter_red in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given.

THE SCHEDULE

Plot No. 25-B, Dada Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-12-85

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Zam Zam Tannery, 90/254, Heera Man Ka Purwa, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Agarwal, 15/255, Civil Lines, Kanpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106, 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1985

No. K-237/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Kanpur under registration No. 62 24 on 30-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) (acilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) in: ilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex. Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable acquerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kampur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date , 9-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 9th December 1985

Ref. No. K-240/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market valuet exceeding Rs. 1 1,00.000/- and bearing No.

117/M/78 situated at Rawatpur (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerng Officer at

Kanpur under registration No. 9900 on 24-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Narain Das Khanna s/o late Shri Kesher Chand Khanna,
 R/o 121/625, Khanna Hotel,
 Prest. 117/M/78, Kakadeo,
 Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Wati w/o Ram Avadh & Others, 117/M/78, Rawatpur, Kanpur.

(3)

- (Transferee)
- (4) (Person(s) in occupation of the property)

 —Do.—

 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.
H. No. 117/M/78, Rawatpur, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(4)

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 2nd December 1985

Ref. No. K-241/85-86.—Whereas, I, II. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under Registration No. 10037 on 27-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid p.o. crty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 114 ag end to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any faccome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tast Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sarwa Mal Rajoria 6/0 R. K. Jajoria, 25A, Dada Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Nag & Others, Dorshanparwa, Kanpur.

-Do.-

(Transferce)

(3) —Do.—
(Person(s) in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Azad Nagar,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

FORM ITNS ---

(1) Shri Laxmi Shanker Seth, 2A/228A, Azad Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ganesh Shanker Seth, Dr. Shashi Seth, 2A/228, Azad Nagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BIIAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1985

No. K-242/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Azad Nagar, Kanpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tar Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Kanpur under registration No. 9941 on 24-435

the Competent Authority
Kanpur under registration No. 9941 on 24-4-35
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Property at Azad Nagar, Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the folly wing persons, namely :-

Date . 9-12-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR

Kanpur, the 9th December 1985

No. K-247/85-86.--Whereas, I. H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing 84/195 situated at Karvalo Nagar,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Kanpur under registration No. 10274 on 24-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following seeding minola :—

(1) Shri Ram Singh s/o Saligram, R/o 84/195, Karvalo Nagar, Kánpac

(Transferor)

(2) Smt. Sarda Devi Kalujarudo Shashimohan Kativar. R/o 84/195, Karvalo Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the ressective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 84/195, Karvalo Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

Scal &

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME TAX ACT, 1901 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Metilal Mota s/o Late Shri Shambu Nath Mota, 149/12 Shaster Mayor, Kanpur.

(Transferor)

(2) Raj Kumar Mehrotra s/o Late Shti R. S. Mehrotra, 111/440A, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Kanpur, the 9th December 1985

Ref. No. K-249/85-86.--Whereas I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing 25/H16/C-1, Indra Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Kanpur

at Kanpur under registration No. 10157 dated 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interesced in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **ADD**IOT

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); H. No. 25/H16/Block No. C/1 Indra Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/262, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. K-252/85-86.—Whereas I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Delhi Seyanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Kanpur

under registration No. 8898 date 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than difference the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tratisfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

86-416GI 85

(1) Shri Ram Avtar Chhotey Lal, 1/0 Village Talia Bhagwati, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Nehru Smarak Sankari Avas Samiti Ltd., 128/35-6-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Nehru Smarak Sahkari Avas Samiti Ltd., 128/35-6-Block, Kidwai Nagar, Kanpur,

(Person in occupation of the property)

(4) Nehru Smarak Sahkari Avas Samiti Ltd., 128/35-6-Block, Kidwai Nagar, Kanpur, (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land at Delhi, Seyampur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

K-253/85-86.—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127/w-I/1-40, situated at Saket Nagar

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registring Officer the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 with the Competent Authority u/s 269AB of at Kanpur

under registration No. 8599 on 6-4-85

for an apparent consideration which is ten than the fair market value of the aforesaid property and I have reason at believe that the fair market value of the property as a storesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parities has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) Darshan Singh Tuli s/o Amir Chand & Others, r/o 127/6 H-Bluck. Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar Gupta & Ravindra Kumar Gupta, r/o 127/w-1/1-40, Kanpur.
- (3) Shri Vijay Kumar Gupta & Ravindra Kumar Gupta, 1/o 127/w-1/1-40, Kanpur.

Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Vijay Kumar Gupta & Ravindra Kumar Gupta, r/o 127/w-1/1-40, Kappur.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used itsrein as are defined in Chapter XXA of the said mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 127/w-I/1-40, Saket Nagar, Kanpur,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, (06/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-274/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Mau Agra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 at Agra under registration No. 9783 on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I tereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Vinod Kumar Jain,
 s/o Sri Bhagwan Das Jain,
 r/o 5/487, Katra Etwari Lal Khan Nai Ki Mandi,
 Agra,

(Transferor)

(2) Dev Nagar Sahakari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra c/o Sri Dev Pal Singh.

(Transferee)

(3) Dev Nagar Sahakari Grah Nirman Samiti Ltd. Sri Dev Pal Singh.

Person(s) in occupation of the property)

(4) Dev Nagar Sahakari Grah Nirman Samiti Ltd.
Agra, C/o Shri Dev Pal Singh.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(5100) Sq. yards 1 Bigha 17 Biswa, situated at Mau Agra.

H. R. DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. 1.ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-276/85-86, -- Whereas, I, H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 19 situated at Bhogi Pura, Agra
(and more fully described in the Scedule annexed hereto, has
here transferred under the Registration Act, 1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-ax Rules, 1962 under registration No. 9683 on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanton of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 469D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:-- (1) Shri Ghere 5/0 Sri Bhola. r/o Alpatiya Mauja Bhogipura, Teh, and Distt. Agra.

(Transferee)

(2) Neelgiri Sahakari Awas Sanati Ltd. Agra, c/o Sri Picem Dati Pathak, Bhogipura, Agra.

(Transferee)

(3) Neelgiri Sahakari Awas Sanati Ltd. Agra, c/o Sri Preem Datt Pathak, Bhogipura, Agra.
(Person in occupation of the property)

(4) Neelgiri Sahakari Awas Sanati Ltd. Agra, c/o Sri Preem Datt Pathak, Bhogipura, Agra.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land area 3 Bigha 3 Biswa bearing A/o No. 19, situated at Alpatiya Bhogipura, Agra.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-277/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 85, situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 10753 on 26-4-1985

under registration No. 10753 on 26-4-1985

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of gransfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smit. Usha Bansal, w/o K. C. Bansal, Belon Ganj, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Nihal Chand Jain 6/o Sri Khun Chand Jain, 2, S.B.I. Colony, Agra.

(Transferee)

(3) Shri Nihal Chand Jain, s/o Sri Khan Chand Jain, 2, S.B.I. Colony, Agra. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Nihal Chand Jain,

5/0 Sri Khan Chand Jain, 2, S.B.I. Colony, Agra. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 85 area 572 sq. yard. at Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 9-12-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282 KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-297/85-86.—Wherens, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13, situated at Agra

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Kegistring Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 10662 on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

(1) M/s. Anil Metal Industries, H.O. Aaluari Par. & Teh. Agra.

(Transferor)

(2) M/s. Anil Metal Industries (Rolling Mill Division) H.O. 24/173. Bag Ram Sahai, Loha Mandi, Agra.

(Transferce)

- (3) M/s. Anil Metal Industries, (Rolling Mill Division) H.O. 24/173, Bag Ram Sahal, Loha Mandi, Agra. (Person(3) in occupation of the property)
- (4) M/s. Anil Metal Industries, (Rolling Mill Division) H.O. 24/173. Bag Ram Sahai, Loha Mandi. Agra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Khasra No. 13/3-3-14 Mauja, Kaluari.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 1 - 9-12-1985 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 105/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-304/85-86.—Whereas I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1.00.000/- and beauteq Plot, situated at Mauris House, Allgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 at Aligarh

under registration No. 2923 date 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rasid Jamshad s/o Irshad Ali Khan,
 r/o Khurshad Mangil,
 Bagpat, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Senghaniya Smt. Usha Singhaniya, Maris Road, Aligarh.

(Transferce)

- (3) Shrl Vinod Kumar Senghaniya, Smt. Usha Singhaniya, Maris Road, Aligarh. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Vinod Kumar Senghaniya, Smt. Usha Senghaniya, Maris Road, Aligarh. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 474.16 eq. mt. Maind House Marish Road, Aligarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-328/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the incomedax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 110, si uated at Namar Rasulpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registration Officer at with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Incomedax Rules, 1962 under registration No. 6457 date 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair at Faridkot

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/oe
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following page 13, namely :---

(1) Shri Ram Niwas s/o Shri Baenke Lal, r/o Tunderwalani.

(Transferor)

(2) Smt. Surujo Devi w/o Sri Krishan, r/o Banke Namer Rasulpur.

(Transferce)

- (3) Smt. Surajo Devi, W/o Shri Krishan, r/o Banke Namas Radulpur, (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt. Surajo Devi w/o Sri Krishan,
 r/o Banke Namar Rasu!pur.
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 110. Banke Namar-Rasul-pur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFMCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-329/85-86 - Whereas, ,I H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preporty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 51, situated at Nizamabad, Firojabad

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 6378 in April, 1985

at Firojabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

87—416GI/85 (1) Shri Mahesh Chandra Sharma s/o Sri Braj Gopal Sharma, r/o Bypass Road, Firojabad, Agra.

(Transferor)

(2) Friends Sahakari Awas Samiti, Firojabad, C/o Sri Shri Niwas Gupta, Hamman Ganj, Firojabad.

(Transferee)

(3) Friends Sahakari Awas Samiti, Firojabad, C/o Sri Shri Niwas Gupta, Hamuman Ganj, Firojabad. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Friends Sahakari Awas Samiti, Firojabad, C/o

Sri Shri Niwas Gupta, Hanuman Ganj, Firojabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot bearing No. 51 in area 38047 s.ft.. situated at Sukhmalpur, Nijamabad Par. and Teh. Firojabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th December 1985

Ref. No. A-331/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Purani Mandi, Firojabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules 1962 read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 at Firojahad under registration No. 6223 in April, 1985 for un apparent consideration which as less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresant property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ablant of

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) factinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Shri Sudeep Chand Chaturvedi s/o Sri Subodh Chandra Chaturvedi, Chauki Gate, Firojabad.

(Transferce)

(2) Smt. Kusum Jain w/o Sri Pramod Kumar Jain and others, r/o Chauki Gate, Firojabad,

(Transferce)

- (3) Smt Kusum Jain w/o Sri Piamod Kumar Jain and others, r/o Chauki Gate, Firojabad, (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt. Kusum Jain w/o Sri Pramod Kumar Jain and others, r/o Chauki Gate, Firojabad,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Purani Mandi, Firojabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. CHD/I/85-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 710, situated at Sector 8B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kapil Dev s/o
 Sh. R. S. Kapur &
 Smt. Urmil Khanna w/o Sh. N. L. Khanna,
 r/o 363, D. II Vinay Marg,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurdip Singh Chahal (HUF), through its Karte, Sh. Gurdeep Singh Chahal s/o
S. Dala Singh,
S. 470, Greater Kailash Part II,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 710, Sector 8B, Chandigarh. (The Property as mentioned in the sale deed No 604 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. CHD/3/65-86.—Whereas I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 3203, Sector 21-D, Chandigarh

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely ---

- (1) 1. Sh. Hukam Chand s/o Sh. Kundan Lal,
 2. Sh. Prem Rumar s/o late Sh. Ram Nath for self and as general attorney of
 - 3. Smt. Bhagwanti Devi,

 Sh. Parkash Chand,
 Smt. Santosh Kumari, wife son daughter repetively of late Sh. Ram Nath,
 Smt. Vidya d/o late Sh. Ram Nath through wife son, daughter res-

- her general attorney Sh. Prem Kumar, 1/0 H. No. 1216, 21-B, Chandigarh, 7. Sh. Desh Bandhu s/o Sh. Ram Nath, 8. Smt. Sheela Rani w/o Sh. Bhim Sain Gupta,
- All residents of H. No. 1216, 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Harbhajan Kaur Lamba w/o

Sh. Darshan Singh,
Dr. Tejinder Singh Lamba and
Sh. Jagdip Singh Lamba, both sons of
Sh. Darshan Singh Lamba,

Through Sh. Jagdip Singh Lamba, 1/0 S.C.F. No. 65, Phase 7, Mohali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3203. Sector 21-D, Chandigarh (Property as mentioned in Registration deed No. 21 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

(1) Smt. Harminder Kaur w/o Sh. P. S. Nath, House No. 17, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harnam Singh \$/o S. Hardit Singh, r/o Una. now at House No. 17, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. CHD/4/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Half share in House No. 17. situated at Sector 21-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of House No. 17. Sector 21A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 24 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, : hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985

Best

FORM I.T.N.S.-

NOTICE_UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. CHD/8/85-86,-Whereas 1, **JOGINDER** SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinselter referred

to as the 'sa.d Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 568, situated at Sector 36B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the parties has not been truly stated in the said fortune. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mehtab Singh s/o Sh. Santokh Singh, r/o House No. 568, Sector 36B, Chandigarh.

(Transferer)

(2) Shri Arjun Singh Jolly 8/0 Sh. Jodh Singh, Sh. Gurvinder Singh 8/0 S. Arjun Singh Jolly, residents of House No. 333, Sector 37A, Chandigarh. (Transferae)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 568, Sector 36B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 57 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANEG, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. CHD/12/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 - and bearning House No. 34, situated at Sector 19A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-axid exceeds the apparent consideration therefore by more

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

 Shri Roshan Lal S/o Sh. Panna Lal R/o H. No. 34, Sec. 19A, Chandigarh through his G.P.A. Smt. Ajit Kaur W/o S. Mehar Singh, House No. 669, Sector 33B, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Dharamvir Singh, S/o S. Jaswant Singh, Smt. Sarvjit Kaur W/o Sh. Dharamvir Singh, R/o H. No. J. 12/15-H/2/8, Baulia Bagh, Ram Katora, Varanasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 34, Sector 19A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 91 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. Chandi./14/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 149, Sector 16-A. Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following propers, namely:—

(1) Shri Inderpal Sood S/o Shri Anant Ram Sood House No. 149, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) S/Shri Harjit Singh Dharmbir Singh, Balbir Singh & Narender Pal Singh sons of Shri Jaswant Singh r/o 122 Naya Bazar, Meerut Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 149, Sector 16-A, Chandigarh. (The property as mentioned in Sale deed No. 109 of April 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGÉ, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. CHD/17A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 76 situated at Sector 5. Chandiearh

House No. 76 situated at Sector 5, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh/Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following MITTORIA TRANSPORTY :---88-416GI/85

(1) S/Sh. Shiv Rattan Luthra, Major Kirti Krishan Luthra, Mrs. Prabha Kasturia, Mrs. Mrinalini Prem Lal, Mr. Aditya Talwar & Lalit Mohan Talwar all r/o D-104, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

(2) Shri Vikram Sehgal S/o Shri Netar Krishna Sehgal R/o 4/90, first floor, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(3) M/s. Gujral Estates (P.) Ltd.,17, Bara Khamba Road, New Delhi. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 76. Sector 5, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sal e deed No. 718 of 4/85 of the Registering Authority, Delhi and in No. 369 of June, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Date : 11-12-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/1A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

House No. 405 situated at Phase VII, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Lekh Raj Bedi S/o
 Sh. Guranditta Mal,
 House No. 3119, Sector 47, Chandigarh.
 (Transferor)

(2) Shri Sujan Singh S/o Sh. Budh Singh, HE-79, Phase-I, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 405, Phase VII, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 24 of April, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chander Mohan Khanna S/o Shri Basheshvar Nath Khanna r/o House No. 1254, Sector 21-B, Chandigarh, (Transferee)

(2) Smt. Balwant Kaur W/o Sh. Mohan Singh r/o Jawalapur Distt. Saharanpur (U.P.).
(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/1B/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing House No. 523, Phase-IV, Mohali Tehsil Kharar situated at Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

House No. 523, Phase-IV, Mohali Tehsil Khararfl The property as mentioned in sale deed No. 36 of April 1985 of the Registring Authority, Kharar).

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

row, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/1C/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 279 situated at Phase II, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any locome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1322) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Mohinder Kaur D/o Sh. Harnam Singh, r/o House No. 169, Phase II, Mohali, G.P.A. of S. Bulwant Singh S/o Sh. Chanan Singh C/o M. G. Ashoka Girls College, Sirhind Mandi, Distt. Patiala. (Transferee)
- (1) Shri Dharam Singh S/o Sh. Gokal Chand House No. 568, Sector 36B, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 279, Phase II, Mohali Tehsil Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 117 of April,1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/1E/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 52, Phase VI. Mohali Tehsil Kharar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair another value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Parmod Bala Sood W/o Sh. Shiv Kumar r/o House No. 2006, Sector 23-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Ved Kaur W/o Sh. Santokh Singh Bhatia & Sh. Amarji t Singh Bhatia S/o Sh. Santokh Singh Bhatia, resident of House No. 52, Phase VI, Mohali Tehsil Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given te that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 52, Phast VI, Mohali Tehsil Kharar. (The property as mentioned in sale deed No. 165 of April 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/IG/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 16 Kanal 7 Marlas situated at Vill. Daon, Tehsil Kharar

Land 16 Kanal 7 Marlas situated at Vill. Daon, Tehsil Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the that fact, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh S/o Sh. Jeewan Singh r/o Basti Bawa Khel Tehsil Jalandhar general attorney of Smt. Surenderpal Kaur, W/o Ltc Shri Rajbir Singh Uppal r/o Basti Bawa Khel, Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh Atwal S/o Sh. Boota Singh r/o House No. H-35, Green-Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 16 Kanal 7 Marlas Vill. Daon Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in sale deed No. 209 of

(The property as mentioned in sale deed No. 209 of April 1985 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/6/85-86.-Whereas, 1, JOGINDER SINGH.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition

Range, Ludh ana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as me said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. situated at Vill Daon Tehsil Kharar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in May 1985 for an annaent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by hiore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Shri Kartar Singh S/o Shri Jiwan Singh, R/o H. No. 218, Sector 33-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Sh. Surjit Singh Atwal S/o Shri Boota Singh, H-35. Green Park Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Land measuring 7 Kanals 15 Kanals in Village Daon Tehsil Kharar.

(The property as mentioned in sale deed No. 831, of May 1985 of the Registering Authority, Kharar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/9/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Land 6 Kanal 12 Marlas situated at Vill. Daon, Tehsil Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kharar in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kartar Singh, S/o Shri Jeewan Singh, R/o Basti Bawa Khel Tehsil Jalandhar, General attorney of Smt. Surenderpal Kaur W/o Shri Rajbir Singh. R/o Basti Bawa Khel, Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh Atwal S/o Shri Boota Singh, H-35, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 Kanal 12 Marlas in Vill. Daon Tehsil Kharar. (The property as mentioned in sale deed No. 1055 of May 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

riew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/1-BB/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair marker value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and beating
No. Land measuring 2 Kanals 3 Marle 1/3 share
situated at Vill. Ballo Majra, Kharar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of smaller with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, sa respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-89-416GI/85

- (1) 1. Sh. Fauja Singh S., o Sh. Kehar Singh, H. No. 2565/12, Gali Kamboa, Katra Sher Singh, Amritsar Special Attorney of Smt. Surjit Kaur W/o S. Fauja Singh, H. No. 2565/1, Gali Kamboa Katra Sher Singh, Amcitsar, (Transferce)
- (2) Sh. Surjit Singh Atwal S/o S. Boota Singh, R/o H. No. H-35, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 2 Marle situated at Ballo Maira, Tehsil Kharar (Property as mentioned in Registration Deed No. 79 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Kharar),

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-198

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. K. R. Aggarwal S/o Sh. Nand Lal, R/o 576/11-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Teg Singh Chhabra, F-3/3, Model fown, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/2-A/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Sucome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
H. No. 892, Phase 3-B-II, situated at Moball, final proper fully described in the Schedule, property.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties her not been tride cated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269P of the said Act, to the follow-

me persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said propersy may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 892, Phase 3-B-II, Mohali (Property and persons as mentioned in Sale Deed No. 213 of April, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

The second secon

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th Décember 1985

Ref. No. KHR/2-C/85-86.--Whereas, I,

JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Property No. 536, situated at Phase-I. Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) tacilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Fow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jasbir Singh S/o S. Surjan Singh, R/O House No. 617, Sector 16D, Chandigarh, GPA of Sh. Ravi Kumar, Advocate, C/o H. No. 617, Sector 16D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh S/o Lal Singh, House No. 1615, Sector 38B, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 536, Phase-!. Mohali, Teh. Kharar (The property as mentioned in the sale deed No. 251 of April, 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. KHR/2-D/85-86.—Whereas, f. JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Auguisition

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop-cum-Flat No. 62, Phase-V, Sector 59, Mohali Teh.

Kharar.

situated at Kharar Teh. Mohali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred order the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which open to be aircicsed by the transferso for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the enid Act, I hereby metal: traced in the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Shiksha Rani W/o Shri Om Parkash resident of House No. 14, Phase I. Mohali Teh. Kharar.
 (Transferer)
- 1. Smt. Ram Kaur, W/o Sh. Gian Singh and
 Shii Pritpal Singh S/o Shri Gian Singh,
 R/o Prime Road, Molvi Ahata, Shimla. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-Flat No. 62 Phase V, Sector 59. Mohall Teh. Kharar (The property as mentioned in the sale deed No. 362 of April 1985 of the Registering Authority, Kharar (Kharar).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL KEVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludh ana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/2-F/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horomator referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 52 Bighas 14 Bisla

situated at Vill. Kurdi Tehsil Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Jarnail Singh S/o Shri Kehar Singh. R/o Kurdi Tehsil Kharar,

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-operative House Building Society Itd. Kothi No. 706, Sector 20-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 52 Bighas 14 Bisla at Vill. Kurdi Tehsil Kharar (The property 83 mentioned in sale deed No. 390 of April 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

(1)Sh. Ramesh Chander & Mukand Gupta, Ss/o Shri Ved Parkash Gupta & Shri Ved Parkash Gupta, S/o Shri Shubh Ram,

R/o Bhaini Bhaya Tehsil Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/2-G/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Seal :

Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have Plot No. 880-C-881, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 880-C-891 situated at Phase 3B-2 Mohali Teh. Kharar (and more fully asscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instanment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- -(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt. bimla W/o Sh. Milkhi Ram, R/o Sohor Distt. Patiala.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 880C-881, Phage 3-B-2 Mohali Tehsil Kharar (The property as mentioned in the sale deed No. 401 of April 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhlana, the 10th December 1985

Ref. No. KHR/2-H/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 38 Kanals 18 Marla situated at Bur Maira, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1985

for an apparent considration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Apt, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Smt. Lajo, Sh. Kaka Singh, Sh. Raghbir Singh, Sa/o Shri Chhaju, R/o Par Majra, Teh. Kharar.

(Transferor)

(2) M/s S. P. Machine (P) Ltd., Co. Bar Majra, Regd. Office 123/393, Fazal Gan, Kanpur through S. Hatdeep Singh, Director Company.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 38 Kanals 18 Marle at Bar Mafra, Teh. Kharar (Property as mentioned in Registering Deed No. 429 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

real:

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 10th Pecember 1985

Ref. No. SMI /6/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 70, The Mall, Simla situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rouson to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the obligated :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and ör
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Committee. Simla (1) Himachal Pradesh Congress through Sh. Gian Chand, President Congress Committee, Simla.

(2) Smt. Ravinder Walia W/o Sh. Mahavir Walia, R/o 207, Ahluwalia Street, Khanna C/o Sh. O. P. Walia, Marina Annexe, The Mall, Simla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 70, The Mall Simla (Property as mentioned in Sale Deed No. 264 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Shimla).

> JOIGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. NLG/3/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land mensuring 26 Bighas 15 Bisway situated at Tahliwala, Teh. Nalagarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalagach in April, 1985

*or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of survey with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any acreeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attornaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow--- -- TWODS namely :--

90-416GI/85

- (1) Sh. Chetan, Sh. Teja Ram, Sh. Marna Ram Ss/o. Sh. Khushla Ram of Village Tahliwala Pargana, Teh. Nalagarh through general attorney Sh. S. S. Multani R/o Bromley Estate, Bharari, Simla. (Transferor)
- (2) M/s. Gellop Gella Tins (P) Ltd., Tahliwala through Deep Raj, Supervisor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 26 Bighas 15 Bisway at Tahliwala, Tch. Nalagech (Property as mentioned in Registration deed No. 137 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Nalagarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Bange, Ludhlava

Date : 10-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INDECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/11/85-86.-Whereas, I,

HOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3/4th share of House No. B. 15.230 situated at Nirankari Street, Miller Ganj, Ludhiana,

(and more fully described in the Sche'lule annexed here!o), has been transferred under the Registration Act, 1508 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985.

at Ludniana in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instruction of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid set, in respect of any income arising from the transfer: and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sh. Surjit Singh, Mehar Singh Ss/o Sh. Shadi Singh, Smt. Surjit Kaur Wd and Kanwaljit Singh, Inderjit Singh, sons and Daljit Kaur, Narinder Kaur, Manjit Kaul ds/o S. Bachan Singh, C/o Birdi Cycles, Indl. Area-B, Ludhiana. (Transferor)

(2) Smt. Chand Kaur Widow and S/Sh. Mukhtiar

Singh, Mohan Singh, Dorshan Singh, Ame Singh Surinder Pal Singh, sons S. Sant Singh, Amarpal R/o B. 15.230, Kucha Nirankari No. 2, G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th share of H. No. B. 15.230, Nirankari Street, Miller Ganj, Ludhiana (The property as mentioned in the ale deed No. 139 of April, 1935 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/88/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Incom:-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/2 and bearing No. ½ share of H. No. B-26-729/3,

situated at Tarf Kera Bara New Lajpat Nagar, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

at Ludhaus in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to netween the parties has not been truly stated in the said distributed in the said distrib

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Harish Kumar S/o Sh. Om Parkash S/o Sh. Charanji Lal,
 R/o 1289 Rajinder Nagar, Ludhiana.
 (Transferor)

(2) Smt. Such Lata W/o Sh. Vijay Kumar, Sh. Vijay Kumar S/o Sh. Brij Lal, R/o 1687, Basant Kutia Maleri Gali, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property of be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of H. No. B-26-729/3 Tarf Kara Bara New Lajpat Nagar, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 913 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Non, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/117/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 share of H. No. B-31-1138/1, situated at Mundian Kalan, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said tentrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income erising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Balwant Singh S/o S. Mota Singh, R/o Vili. Mundian Kalan, Teh. Ludhiana.
- (2) Sh. Rajinder Pal Singh minor son of Shri Hira Singh through father and natural guardian Sh. Hira Singh S/o S. Naranjan Singh, R/o H. No. B-30-1386/1, Mundian Kalan Ludhiana C/o. M/s. Naranjan Singh Kertar Singh, Link Road Ludhiana.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of H. No. B-31-1138/1, Vill. Mundien Kalan Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1317 of April. 1985, of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dato: 6-12-1985

Seal r

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF TRE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/103/85-86.—Whereas, I, JOGINDER JINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value extending Rs. 1,00,000] and bearing No. House No. B-XI-1093 share situated at 1961 (5aa), Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid and a consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of numsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishan Lal S/o Shri Chanan Dass, R/o 132, Kidwai Nagar, Luahiana.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Lal Chand and Sh. Ved Parkash, Ashok Kumar sons of Shri Lal Chand. R/o B-IV-427. Chewal Bazar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-VI-1093. Iqual Gani, Ludhlana (The property as mentioned in Sale Deed No. 1111 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlaum

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Date : 10-12-1985

Seal

TORM TINS

the street of th

(1) Shri Chandu Ram S/o Sh. Labhu Ram, Mohiader Ram 9,0 Shri Ganu Ram and others, Jawahar Nagar Camp, Ludhicaa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

(2) Shvi Gurdip Singh S/o S. Gurdit Singh, 65. New Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

ACQUISTION RANGE, LUDIHANA CENTRAL RESENUE BUILDING

(b) by any other person interested in the said imator-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ludhiana, the 11th December 1985

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/71/85-86.—Whereas, I, 30GINDER SINGH, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and boaring No. 4 shore of House No. B. 18.3699/B situated at Model Gram Road, near ESI Hospital, Ludhians (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means wising from the transfer. andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

t share of H. No. B. 18.3699/B, Model Gram Road, near E.S.I. Hospital Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 667 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/55/85-85.—Whereas, L JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269R of the Importe fan Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No. Property No. B-2, 1543/39

situated at Bhadaur House, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

which is 'ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tatr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transies with the object of :

- (a) inciditating the reduction or everion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Nahar Singh S/o Shrl Swaran Singh general attorney and Sh. Joginder Singh Sidhu S/o Shrl Sajjan Singh, R/o 7-D, Sarabha Nagar, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Sh. Gurmit Singh S/o Sh. Bhagat Singh, Smt. Varyam Kaur W/o Sh. Bhagat Singh, R/o 38, Nehru Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

(3) 1. M/s. Dhanda Jewellars, Windsor Hotel,
 M/s. New India A surence Co., R/o B.II.1543/39, Bhadaur House Ludhiana. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice the Official Garette or a period of 30 days was the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (ii) by any other person interested in the said immoable property within 45 days from the date of the publication of this notice of the Otheral Garator

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property No. B-2-1543/39, Bhadaur House, Ludhiana The property as mentioned in sale deed No. 409A of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Autho ity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. LDH/17/85-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reuson to believe that the immovable

property, having a fair market value
Rs. 1.00.000/- and bearing
No. B-V-1279/1(Old) and B-VI-86 (New)-1/5th share,
Madhapuri Kusha No. 1, LuJhiena,

situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at In-thiann in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iranster with the object of :-

(1) S/Shri Dewan Chand, Ashok Kumar. Satish Kumar sons of Shri Girdharl Lal. Tabela Khazanchian Choura Bazar, Ludhiana, Shri Vijay Kumar S/o Sh. Bihadi Lal, 68, Club Road, Ludhiana, Smt. Sheela Devi W/o Shri Sham Lal, R/o B-67, Kithchlu Nagar, Ludhiana and Shri Giri Raj Kumar S/o Sh. Om Parkash, R/o 202, Kachi Gali, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Jain S/o Shri Kharaiti Lal and Smt. Parkash Rani W/o Shri Madan Lal, 1368, Baghwali Gall, Ludhiana.

(Transferco)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzzare or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (3) factivating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegular property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

THE SCHEDULE

House No. B-V-1279/1 (old) and B-VI-86 (New) 1/5th share, Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 252 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-12-1985

FORM ITNE- -

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

production and the second seco

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. LDH/18/85-86.-Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1279/1 (Old) and B-VI-86 (New) 1/5th share, situated at Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office. of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any irrome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ing Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following n-rsons, namely:— 91-416G1/85

- (1) Smt. Sheela Devi W/o Shri Shom Lal, R/o B-67, Kitchlu Nagar, Ludhiana, Shri Giri Raj Kumar S/o Shri Om Parkash, R/o 202, Kachi Gali, Ludhiana, Shri Vijay Kumar S/o Shri Bihari Lal,
 68. Club Road, Ludhiana and
 S/Shri Dewan Chand,
 Ashok Kumar,
 Satish Kumar sons of Shri Girdhari Lal,
 R/o Tabela Khazanchian, Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Madan Lal Jain W/o Sh. Kharaiti Lal and Smt. Porkash Rani W/o Sh. Madan Lal Jain, 1368, Bagh Wali Gali, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MinFlamation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V-1279/1 (Old) & B-VI-86 (New) 1/5th share Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana (The property as mentioned in Sale Deed No. 253 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiava

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. LDH/19/85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs: 1,00,000/- and bearing No.
B-V-1279/1 (Old), B-VI-86 (New) 1/5th share situated at Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Vijay Kumar S/o Bihari Lal,, 68. Club Road, Ludhiana, Shri Giri Raj Kumar S/o Shri Om Parkash, R/o 202, Kachi Gali, Ludhiana, Smt. Sheela Devi W/o Shri Sham Lal, B-67, Kitchlu Nagar, Ludhiana and S/Shri Dewan Chand, Ashok Kumar, Satish Kumar sons of Shri Girdhari Lal R/o Tabela Khazanchaian, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Jain S/o Sh. Kharoiti Lal & Smt. Parkash Rani W/o Sh. Madan Lal Jain, 1368, Bagh Wali Gali, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V-1279/1 (OLD) and B-VI-86 (NEW) 1/5th share Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 254 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. Ludhiana/20/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-V-1279/1 (Old), B-VI-86 (New) 1/5th share

situated at Madhopuri Kucha No. 1, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Giri Raj Kumar S/o Sh. Om Parkash, 202, Kachi Gali, Ludhiana, Sh. Vijay Kumar S/o Sh. Bihari Lal, 68, Club Road, Ludhiana, Smt. Sheela Devi W/o Shri Sham Lal, B-67, Kitchlu Nagar, Ludhiana and S/Shri Dewan Chand, Ashok Kumar, Setish Kumar sons of Shri Girdhari Lal R/o Tabela Khazanchaian, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Jain S/o Sh. Kharaiti Lal & Smt, Parkash Rani W/o Sh. Madan Lal Jain, 1368, Bagh Wali Gali, Ludhiana,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-V-1279/1 (OLD) and B-VI-86 (NEW) 1/5th share Madhopuri Kucha No. 1, Ludbiana (The property as mentioned in sale deed No. 255 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range
Ludhiana

Dato: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/89/85-86,---Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/12 share of H. No. B-II-1372, situated at G. P. O. Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:--

(1) Manju Varsha Salony D/o Sh. Bhagwan Dass R/o 4/40 W. E. A, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Mahendra Singh S/o Sh. Amar Singh R/o H. No. B-II-1372, G. P. O. Road, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of H. No. B-II-1372, G. P. O. Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 921 of April, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range Ludhiana

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/90/85-86,--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/12 share of H. No. B-II-1372, situated at G. P. O. Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1909), in the office of the Paristering Officer at Ludhiana 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana

in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notive under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Manju Varsha Salony D/o Sn. Bhagwan Dass R/o 4/40 W. E. A, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ealbir Singh S/o Sh. Amar Singh R/o H. No. B-II-1372, G. P. O. Road, Ludhiana.

('Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of II, No. B-II-1372, G. P. O. Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 926 of April. 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/93/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. 1/12 share of H. No. B-II-1372, situated at G. P. O. Road, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Manju Varsha Salony
 D/o Sh. Bhagwan Dass
 R/o 4/40 W. E. A, Karol Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kulwant Singh Sh. Amar Singh R/O H. No. B-II-1372, G. P. O. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 share of H. No. B-II-1372, G. P. O. Road Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 987 of April. 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/25/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. B.7.128 situated at Pindi Street, Ludhiana. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Tek Chand S/o Sh. Bishan Chand R/o H. No. B.7.128, Pindi Street, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Kumar S/o Sh. Roshan Lal, R/o H. No. B.6.239, Kucha Maleri Gali, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

1/3rd share of H. No. B.7.128, Pindi Street, Ludhiana. (The Property as mentioned in the sale deed No. 746 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

and the state of the control of the state of FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludbiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/53/85-86.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. B.7.128 situated at Pindi Street, Ludhiana. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Tek Chand Bhakoo
 Sho Sh. Bishan Chand
 R/o H. No. B.7.128, Pindi Street, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Kumar S/o Sh. Munshi Ram, House No. B.6.239, Maleri Gali, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B.7.129, Pindi Street, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 404 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range I-udhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th December 1985

Ref. No. LDH/94/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Rs. 1,00.000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. B.7.128 situated at Pindi Street, Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—416GI/85

Shri Tek Chand Bhakoo
 S/o Sh. Bishan Chand
 R/o H. No. B.7.128. Pindi Street,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Varinder Kumar S/o Sh. Roshan Lal, House No. B.6.239, Maleri Gali, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B.7.128, Pindi Street, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 988 : April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range
Ludhiara

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/120/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. B.24.69/8-1A situated at Tarf Saidan, Ludhiana

situated at Tarf Saidan, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Baldev Raj Ahuja
 S/o Sh. Sahib Ram
 R/o B-5-306, Islamia School Road,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Jaspal Singh Kalra S/o Sh, Jai Singh Kalra R/o B-24.69/8-A Kashmir Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-24.69/8-1A, Tarf Saidan, Ludhiana. (The property as mentioned in sale deed No. 1347 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Competent Authority
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

FORM TIRE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

SIONER OF INCOME-TAX

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. LDH/121/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. B-24.69/8-1B, situated at Tarf Saidan, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or wester of the lithing of the transferor to pay tax under the said Miss, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Sunita Ahuja
 W/o Sh. Baldev Raj Ahuja
 R/o B-5-306, Islamia School Road,
 Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gurpartap Singh Kalra S/o Shri Jai Singh Kalra R/o B-24.69/81, Kashmir Nagar, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-24.69/8-1B, Tarf Saidan, Ludhiana. (The Property as mentioned in sale deed No. 1348 of April 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/79/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-18-339 (Kothi No. 641-R)

situated at Model Town Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely :-

(1) Sh. Pushpinder Kumar S/o Sh. Harbans Lal R/o 641-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Ajit Singh S/o Balbir Singh R/o 641-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SECTION IN

1/4 share of H. No. B-18-339 (Kothi No. 641-R) Model Town Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 836 of April. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6-12-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/82/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share of H. No. B-18-339 (Kothi No. 641-R) situated at Model Town Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesual exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, samely:—

 Sh. Pushpinder Kumar S/o Sh. Harbans Lal R/o 641-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Surinder Singh S/o Balbir Singh R/o 641-R, Model Tewa, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-18-339 (Kothi No. 641-R) Model Town Ludhians.

(The property as mentioned in the sale deed No. 852 of April. 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-wax
Acquisition Range, Ludhisna

Date: 6-12-1985

Boni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE LINCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Parkash Singh S/o Sh. Gurmej Singh, Village Dherl, Teh. & Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Dev Singh S/o Avtar Singh, R/o W.Z.A-14, Malik Park, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/131/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Measuring 6 Kanals 15½ Marle at Village Dheri, Teh. Ludhiana situated at Village Dheri, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanal 15‡ Marle at Village Dheri, Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in Registration deed No. 1485 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, narrely:—

Date: 1142-1985

Heat :

FORM NO. LTNS.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, I.UDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/131-A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Land Measuring 6 Kanals 15½ Marke situated at Village Dheri, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlog.
- (b) fucilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Parkash Singh S/o Sh. Gurmej Singh, Village Dheri, Teh, Ludhiana,

(Transferor)

(2) S. Baljit Raj Dev Singh S/o Avtar Singh, S/o Avtar Singh, R/o 2183, Mushtaq Ganj, Ludhiana.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a parted of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 6 Kanal 151 Marie at Village Dheri, Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in Registration deed No. 1376 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Parkash Singh S/o Sh. Gurmej Singh, Village Dheri, Teh, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh S/o Avtar Singh, R/o W.Z.A-14, Malik Park, New Delhi-59.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/131-B/85-86.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov--ble property, baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Measuring 6 Kanals 15½ Marle situated at Village Dheri, Teh. Ludhiana (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: maid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanal 151 Marle at Village Dheri, Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in Registration deed No. 1394 of April, 1985 with the Sub-Registrar, Ludhlana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the m Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-12-1985

The second secon

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/73/85-86.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable proper'y having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Half share of House No. B.18.3958/11 (Plot No. 160) situaced at Model House, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludh'ana in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)*

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons samely : -93--416GI/85

(1) Sri Tarlochan Singh S/o S. Nihal Singh R/o 160, Model House, Ludhiena.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh S/o S. Joginder Singh R/o 1105, Harnam Nagar. Ludhlana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--Thi terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ishare in House No. B.18.3958/11 (Plot No. 160) Model House, Ludhiana.

(Property as mentioned in the sale deed No. 720 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Ludhlana

Date: 11-12-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/73A/84-85,---Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
I share in H. No. B.18.3958/11 (Plot No. 160) situated at
Model House. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) S. Tarlochan Singh, S/o Nihal Singh, R/o 160, Model House, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Manit singh, S/o S. Joginder Singh, 1105, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of H. No. B. 18-3958/11 (Plot No. 160), Model House Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 786 of April, 1985 of the Registering Authority. Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhizon

Date: 11-12-1985

Soal:

AND TO COME TO THE STATE OF T FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1981)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ret. No. LDH/13/85-86.—Whereas, I, JOUINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have record to believe that the manufacture begins as fair market value according movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 1/3rd share of H. No. B.XXVI.318 (Kothi No. 62) situated at south Model Gram, Ludhians (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the lighlity of the transferor to pay tax under the said Avi, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian insense-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purenance of Section 2695 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692 of the said Act, to the "silewing sersons, namely :--

(1) Shri Mohan Singh, S/o S. Gurdit Singh, 62, South Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur, W/o S. Avtar Singh, 212, Model Gram, Ludhiana.

(Transferce)

ptions, if any, to the acquisition of the miles and in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- or person interested in the said improvthis property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B.XXVI.318 (Kothi No. 62), South Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 201 of April, 1985 of the Registering Authority), Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Aust. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/68/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1/3rd share of House No. B.XVIII.318 (Kothi No. 62) situated at South Model Gram, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect pay cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been α which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mohan Singh, S/o S. Gurdit Singh, R/o 62. South Model Gram, Ludhiana.
 (Transferor)

(2) Shri Avtar Singh,S/o Shri Harl Singh,62, South Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B.XVIII.318 (Kothi No. 62), South Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 632 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the large of this notice which subservers namely:—

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL R EVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LOH/115/85-86.—Whereas, I, JOGINDER S!NGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the bind Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Portion of H. No. 3.23.658 situated at Bye-pass Road, Sherpur Kalan, Yu Ihiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhland in April, 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Common Wealth Spinning & Knitting Mills (P) Limited, through G.P.A. ahri Raman Bhalla, Mills S/o Shri Manmohan Bhalla, R/o 353/2, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Bensal, S/o Shri Mahavir Parsad, R/o B.6.423, Kucha Karta Ram, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s H, R. Foundry & Engg. Works, Textile Colony, H. No. 8.23.658, Sherpur, Bye-pass Road, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.23.658, Bye-pass Road, Sherpur. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1278 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOMETAX, ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. UDH/10/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Kotni 140. 271 (Munic.psi No. B.20.1221/51) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred upler the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in \mathbb{A}_1 , if 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ravinder Singh Grewal, S/o Chri Lachhm o Singh, R/o 1028, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Inderpai Singh S/o S. Joginder Singh, Jagjit Singh S/o S. Kuldip Shigh, Manjit Kaur W/o S. Joginder Singh, Jagjit Kaur W/o S. Jagjit Singh, Smt. Gaman Kaur W/o S. Rajinder Singh, 172A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 27J (Municipal No. B.20.122/51) Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 122 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhianu, the 11th December 1985

Ref. No. DHR/1/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 9 bigbas 8 Biswas situated at Dhurl, District

Darigi ur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dhuri in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Tulsi Rice & Genj. Mills, th.ough partners ohri Sham Lal, Raj Kumar, Kaushal Kumar, Sheel Kumar, Ravi Kumar, all C/o Shri Sham Lal, r/o Dhuri, District Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Shanker Rice & Gonl, Mills, through platners Shri Ashok Kumar, Smt. Bimla Devi, Rajeshwar Dass Lindal as Karta of his HUF M/s Rejudhwar Dass & Sons, Shri Vinod Kumar, Smt. Kiron Bala, Smt. Raj Rani all residents of Dhuri, District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oliveral Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighes 8 biswas at Dhuri, District Sangrur. (The property as mentioned in the deed No. 159 of April, 1985 of the Registering Authority, Dhuri.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

Coal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/2A/85-86.—Whereas, L JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1/8 share of H. No. B-XX-1195/21 (Plot No. 211) situated

at Sarbha Negar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

(1) Shri /Gaur Bahadur Parsad, 8/0 Shri J. B. Parshad, r/o 21, I. Sarbha Nagar, Ludhiana now H. No. 128, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur, w/o S. Manjit Singh, S. Manjit Singh s/o S. Bachan Singh, r/o 7-E, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic. Gazetta

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/8 share of H. No. B-XX-1195/21 (Plot No. 21, I) Sarbha Nagar, Ludhlana. (The priperty as mentioned in the salue deed No. 21 of April, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority
> Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the voresaid property by the issue of this notice ander the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 11-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/109/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]

Rs. 1.00,000/- and bearing 1/3rd share of H. No. B-XXVI-318 (Kothi No. 62) situated at South Model Gram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

at Ludhiena in April. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesal! property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transfefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any sponeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C in his said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

94-416GI/85

(1) Shri Mohan Singh, 8/o Sil Gurdit Singh,
r/o 62, Stuoh Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Aytar Singh, 5/o Shri Hari Singh. r/o 62, South Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of 'he publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B-XXVI-318 (Kothi No. 62) South Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1182 of April. 1985 of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/64/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00.000/- and bearing

1/5th share of property No. B-XV-959 situated at Indl. Area, B, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Uttam Singh, Shri Sunder Singh, r/o Partap House, Partap Nager. Ludhiana. (Transferor.
- (2) M/s Man Singh & Sons, B-15-977, Indl. Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of property No. B-XV-959, Indl. Area-B, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 503 of April, 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-12-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/116/85-86.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/5th shere of property No. B-XV-959 situated at Indi. Area-B. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed kerete), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

there are apparent consideration which is loss than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sensite apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) fasilitating the reduction or evacion of the hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Uttam Singh, s/o Shri Bunder Singh, r/o Partap House, Partap Nagar, Ludhiana, (Transferor)
- (2) M/s Man Singh & Sons, B-15-977, Indl. Area-B, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective necessary, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th shere of property No. B-XV-959, Indl. Area-B, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 1285 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhians

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely,:—

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th December 1985

Ref. No. LDH/57A/85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1/2 share of SCF No. B-XX-1160/63 situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Avtar Singh,
 5/0 S. Banta Singh,
 r/0 B-XX-1150/63, Sarabha Nagar, Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur, w/o S. Tejinder Singh Sahni, r/o 41-A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of SCF No. B-XX-1160/63, Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 447 of April, 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6-12-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Rcf. No. LDH/66A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/3rd share of H. No. B-20-1355 situated at Tarf Karabara, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been in ensurement under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April. 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sint. Paramjit Kaur, w/o S. Amarjit Singh, r/o Vill. Boparai, District Ferozepur.

(2) Smt. Darshan Kaur w/o S. Lab hSingh and Smt. Satwant Kaur w/o S. Rajinder Singh, r/o 3895, Hira Road, Ludhiana.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be anade in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guerrie

Explanation:— The terms and expressions used herein be are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/3rd share of H. No. B-20-1355, Tarf Karabara, Ludhisma

(The property as mentioned in the sale deed No. 521 of April, 1985, of the Registering Authority, Ludhians.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlans

Date : 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th December 1985

Ref. No. LDH/66/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 1/3rd share of House No. B-20-1355 situated at Tarf Karabara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1985 for an apparent consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Paramjit Kaur W/o Shri Amarjit Singh, V. Boparai, Distt. Perozepur.

(Transferor)

(2) Smt. Darshan Kaur Wd/o S. Labh Singh & Smt. Satwant Kaur W/o S. Rajinder Singh, 3895, Hira Road, Ludhiana.

(Tranfserce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in H. No. B.20.1355, Taraf Karabara, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 614 of April, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 11-12-1985

Scol:

NOTICE UND ERSECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. CHANDI/9/85-86.--Whereas, L. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000%

and beating No. House No. 2051. Sector 21-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Avter Singh Auluck S/o Shri Mehar Singh Auluck R/o House No. 2024, Sector 21-C. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Himmat Singh S/o Shri Mehar Singh & Smt. Mohinder Kaur W/o Shri Himmat Singh R/o House No. 430, Sector 22-A, Chandigarh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 430, Sector 22-A, Chandigarh (The property as mentioned in sale deed No. 72 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhlana

Date: 10-12-1985

Seal -

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. CHANDI/5/85-86.-Whereas, I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 3296, Sector 15-D, Chandigarh situated at Sector 15-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sham Kaur W/o Shri Madan Singh R/o Kothi No. 3296, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Gopal Sint Rajiv Gopal
S/o Shri Jagat Ram Goel
Upper Kaithu, Simla &
Smt. Pampa Sood
W/o Shri Satya Pal Sood
R/o Set No. 6, Bushahar House,
Ram Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the statement of the statem Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3296, Sector 15-D, Chandigarh (The property as mentioned in sale deed No. 32 of April, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th December 1985

Ref. No. CHANDI/6/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S.C.F. Site No. 314 situated at Motor Market & Commercial Complex, Mani Mazra (U.T.) Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---95-416GI/85

(1) Shei Prem Chand S/o Shri Sant Ram, R/o Vill. Slampur, P.O. Gulla Diste. Kurukshetra (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh S/o Shri Mehar Singh R/o Kothi No. 108, Sector 7, Panchkula Distt. Ambala (Haryana). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. Site No. 317, Motor Cycle Market Commercial Complex, Mani Mazra (U.T. Chandigarh). (The property as mentioned in sale deed No. 53 of April, 1985 of Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Hira Lal and Manchar Lal both Ss/o Shri Deta Ram R/o 30/187-A, Vikram Vihar,

(1) Shri Mohan Lal Bhatia S/o Shri Kanaya Lal Bhatia, R/o IF/118, Lajpat Nagar,

New Delhi.

(Transferor)

Lajpat_Nagar, New Delhi. New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/1.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding

and or

Rs. 1.00.000/- and bearing
No. 30/187-A, Vikram Vihar, mg. 123.66 sq. yds. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property bearing No. 30/187-A, Vikram Vihar, New Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi, measuring about 123.66 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the exquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/2.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. E-38, Greater Kailash-II, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

New Delbi in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

 Shri: Inderjit Singh Arora, R/o E-57, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mani Lal J. Bhatt, Smt. Pushpa Bhatt, R fo E-104, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire first floor with servant quarter on Mazanine floor in Building No. 38, in Greater aKilash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 25-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX: ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/3.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000- and bearing Plot No. N-3, Greater Kailash-1, Mkt. mg. 27 sq. yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Sudha Wadhawan Wo Shri Subhash Chander Wadhawan R/o E-87, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jasbir Singh Chawla S/o Late Shri Pritam Singh Chawla, Mrs. Mani Raj Kumar W/o Shri Raj Kumar Jethmalani R/o Street No. 4, House No. 23-B/331, Rajgarh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up stall on plot No. 3, Block 'N' mg. 27 sq. yds. at Greater Kailash-I, Mkt., New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR-111/4-85/4.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. M-51, Greater Kailash-II mg. 1332 sq. ft.

Shop No. M-51, Greater Kattash-11 mg. 1332 sq. 11. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hubbitty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s, Hindon Rubber Pvt. Ltd., through its Director Arun Mehia, 83, Nevyog Market. Ghaziabad (U.P.)

(Transferor)

(2) Mohan Bhai Makhi Jani Sini Krisban Makhi Jani both K/o C-54, May Fair Garden, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement measuring 1332 sq. ft. built on Shop Plot No. M-51, Greater Karlash-H, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date . 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-85/5.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 15/93-A, Lajpat Nagar-IV, New Delhi

situated at New Delhi
(and paore fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persóm; namely :--

- (1) Smt. Lajwanti R/o 17, Karan Nagar Jammu, through attorney Virender Kumar R/o H. No. 8, Rajinder Bazar, Jammu. Master Vipin Gupta, Master Sanjay Gupta Master Sanjiv Gupta, all at present staying at New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri J. N. Raina S/o Shri A. R. Raina, R/o 15/93-93A, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15/93-93A, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/6.—Whereas, J, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-37, Lajpat Nagar-IV, mg. 100 sq. yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end|or

(b) facilitating the controllerent or any income of memorys or other access which have not bee which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1)Shri Ram Lal Luthra S/o Shri Ganda Mal R/o 10/45, Nehru Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. I. Kardam S/o Shri Shiv Lal R/o L-2/20-A, D.D.A. Flats, Kalkaji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold plot of land bearing Plot No. D-37, measuring 100 sq. yds. situated in Amar Colony Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1985

A THE PARTY OF THE

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

..... ஆ. சம்தா**ணர்** மாரார் பார்க்கிய கூடிய மார்க்கிய நடியில் கூடிய கூடிய நடிக்கிய கூடிய க

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Prem Lata, S-488, Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri C. L. Puri and others, S-488, Greater Kailesh-I, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/7.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

1,00,000/- and bearing No. S-488, Greater Kailash-I, mg. 215 sq. yds.

situated at Now Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as rioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer. As agreed, to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ₩ď/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor flat built on total land of 2151 sq. yds. at S-488, Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 26-11-1985

FORM I'M

(1) Shui Sham Narain Aggarwal S/o Late Shri Kanhaiya Lal R/o E-126, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shani Johan W/o Shri Gurjit Singh Johan R/o C-170, Greater Kailash-I, New Delhi-48

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi: the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIIII34-85/8.—Whereas. I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (Section 269B of the Income-

No. E-126, Greater Kallash-I, New Delhi, mg. 208 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the present to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said bastrament of wanter with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sale preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this motion
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein EXPLANATION: -- The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roof above Ground Floor for construction of 1st 2nd floor, part property No. E-126, Greater Kailsh-I, New Delhi, measuring 208 sq. yds.

> R. P. RAJESH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Corapetent Authority Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice thader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-11-1985

Seal:

96-416GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-[AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF_ALL ROAD. NEW DELIH

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC / Acq-1/SR-III / 4-85/9.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

18/59, Lajpat Nagar-I, New Delhi Mg. 160 sq. yards situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of tht said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Shri S. R. Kohli S/o Shri Amii Chand, Ro 1B/59. Lajpat Nagar. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Tuteja Wyo Shri D. C. Tuteja and Miss Sunita D/o Shri Lok Nath.. 1B/59 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Classite or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons hover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1B'59, Lajpat Nagar, New Delhi Measuring 100 sq. yards

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L. Aggarwal House. 4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 22-11-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/10.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomt-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ummovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agricultural land in village Jonapur—mg. 17 Bighas and 14 biswas situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Begistration Office and

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to echeve that the fair market value of the property as afore-mid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Rajinder Kumar Ahuja, R. S. Batra, Sunit Kumar Ahuja, Ravinder Kumar Ahuja & Satya Vir Malik. R-836, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Gulkap Carpets (P) Ltd., A-12, Vandhna Bullding, 11, Tolstoy Marg. New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 Bighas 14 Biswas bearing Khasra No. 3/17, 3/24, 8/4, and 8/7, situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 22-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC Acq.I/SR-III 4-85, 11.—Whereas, I, B. P. RAJESII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land mg 15 Bigha and 14 Biswas stitleted in Village Jonapur, New Delhi

rand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

is) factiating the reduction or exagon of the habitive of the transferor to pay tax under the said Act in verpect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely::---

S/Shri (1) Rajinder Kumar Ahuja, R. S. Batta, Sund Kumar Ahuja, Ravinder Kumar Ahuja and Saty_{it} Vir Maljk, R-836, New Rajinder Nagar,

New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Virender Kishore Gulhati, Master Vishal Gulhati (Minor) & Master Varun Gulhati (Minor), 3.4/D, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

whall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 Bighas 14 Biswas bearing Khasra Nos. 3/16, 3/25, 8/5, 4/21/2 and 7/1/1 situated in Village Tompur (Tch. Mehrauli), New Delhi.

R. P. RAH SH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4/14A, Asaf Ali Road-New Delhi

Data + 22 14-1985 Sent;

(1) Shri Sharan Pal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kusum Kala, 82-A, D.D.A., L.I.G. Flats, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/12.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2nd floor of property No. E-219, G.K.-II, Mg. 675 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1985 situated at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end / or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Barsati set, 2nd floor of Property No. E-219, Greater Kailash-II, New Delhi, Mg. 675 sq. ft.

R. P. RAJESH,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-85/13.—Whereas, I,

R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have realest volum averaging. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

M-66, Greater Kailash-II, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Kanwar Inder Singh, E-51, N.D.S.E. Part-1, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mantas Shilpalayas (P) Ltd., A-6, Ring Road, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferor)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-66, Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Date : 26-11 1985

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. 1AC 'Acq.1/SR-III/4-85/14.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; - and bearing No.

Shop No. 8, Jangpura Market, Mg. 88 sq. yards situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby ineinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shu Hauley Singh S/o Late Stri Vir Singh R/o C-I 222, Lujpat Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Subhash Kumac Munjal S/o Shri Nand Lal Musjal. Smt. Sushma Munjal W/o Shri Subhash Kumar Munjal and Smt. Nirmala Kumar W/o Shri Nand Lal Munjal, All R o Il-C, 26. Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Property No. Shop No. 9, Lingpura Market, New Delhi measuring about 88 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4 14A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/16—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C-I/80, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yards
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration
more than fifteen per cent of such apparent
consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrumen' of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1's of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smc. Vidya Wan W/o Late Shri Ram Lal R/o 6/630-A, Gobiodpuri, Kalkaji, New Delini,

(Transferor)

(2) Shri Parkash Bhatia S/o Laté Kanayalal and Shri Ravi Bhatia S/o Smi Gopal Bhatia, C-I/80, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the widersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imacovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-1/80, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yards,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 22-11-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTHER FINDS R SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. fAC/Acq.I/SR-III/4-85/17.—Whereas, I, B. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 23 the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 17, Block D, area 342.30 sq. yards in the Railway Refugees Rehabilitation and Housing Building Co-operative

Society in Bahapur, New Delhi

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; NYET /OY
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (12.7) (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following zersons namely:—

97--416GT/85

- (1) Shri Badri Nath Gopal and Smt. Shakuntla Devi, R. o B-2/85, Safdarjung Enclave, New Delhi,
- (2) Smt. Champal Bagla, Shri Vincy Bagla, R/o No. B-66, N.D.S.E. Part-II, New Delhi-49.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 in Block D, area 342.30 sq. yards in the Railway Refugees Rehabilitation and Housing Co-operative Society in Bahapur, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/18.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No. B-277, Greater Knilesh-I, Mg. 321 sq. yards

situated at New Delhi

situated at New Deini (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income utility there the meters sa4 / ma
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 47 1977 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Smt. Gulab Devi Pincha W/o Shri Hem Raj Pincha R'o B-277, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Saraswati Holdings (P) Ltd., Having its Registered Office at 3/6, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi, Through its Director Shri Pradecp Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-277, admeasuring 321 sq. yards in the residential colony knwon as Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/19.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 430, Greater Kailash-II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s Bhatia Apartments, A-18, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Uppal, (HUF), C-58, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T vo bed, two bathroom drawing diving 2nd floor front port on alongwith 1/10th undivided share in land at E-540, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Data: 22-11-1985

Sea

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-85/21.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land Mg. 2 Bigha and 2 Bigwa in Village Bijwasan situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985 New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sad Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Subhash S/o Shri Muni Ram, R/o Pahar Ganj, New Delhi.

(Transie -

(2) M/s. C. Yyall & Co. (Const.) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 2 Biswas comprised in Kaimi No. 176 min (5-2) situated in Village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Alı Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Hamely :--

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/22.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land Mg. 7 Bighas in Village Bijwasan

situated at New Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely (1) M/s, G. L. Sikka & Co., Ashoka Estates, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. C. Lyall & Co., (Const.) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Bighas comprised in Kaimi No. 176 min (7-0) situated in village Eijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Λeq.I, SR-111/4-85/23.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. G-151, Kaikaji, New Delhi, mg. 200 yds. situated at Naw Delhi

New Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed heretor, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any baconic of any moneys or other asset: which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Davinder Kumar and Sh. Surinder Kumar, R/o. OA-1, 94, Paschim Vihar, New Delhi-63.

(Transferor)

(2) Sh. Des Raj Madan, E-292, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHULLE

G-151, Kalkaji, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent_Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Roal New Delhi

Date: 22/11 1985 Seal:

FORM I'TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSF 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85 '24,---Whereas, I,

R. P. RAIESH, being he Competent authority under Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. C/62. Defence Colony, mg. 325 sq. yds. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schodule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26 he said Act, to the following persons, namely .-

(1) Sh. Rajindra Nath Gulati, Karta HUF S to Sn. Chuni Lal Gulati, R/o B-1, Harmes House, 1989, Convenant Street, Poona-1, through attorney of Sh. Kailash Nath, D-II/80, Pandara Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Batra S/ο Sh. Charan Dass Batra, R 'ο Λ-55, Malviya Nagar, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed property bearing No. C-62, Measuring 325 sq. yds. situated at Defence Colony. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 25-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE -://--::... ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Rof. No. IAC/Acq-I/SR-fII/4-85 '25.--Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S-368, Greater Kailash-II, mg. 300 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

of New Delh in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Mys. shehpark leaves (F) Ltd., the extraction of Contentash Sing's Shehpuri, N.2. Lapposh Euclave, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Mas. Shukla Beshu Chandramani W.o. Ch. U. 14. Ram Chandel emani. Mrs. Pagin Indue Vaswani W/o Sh. I. Veswani. Mrs. B. R. Sadhwani W/o Sh. Raju Sadwani all R. o. 8-368 Greater Kailash-II, New Delbi. New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in our time to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicate a of the number in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Property No. S-368, mk. 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Araf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22/11/1985

FORM TINS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELH(

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85, 26.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-581, Greater Kailash-II, mg. 400 sq. yds. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphy. following persons, namely :---98-416GI/85

(1) M/s. Shahpuri Investment (P) Ltd., 5/70, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gulab Devi Pincha and Sh. Raj Pincha, R/o E-581, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two & half storeyed single Unit House No. 581, in Block 'E', measuring 400 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 11/11/1985

FORM MINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI, HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85/41,—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-544, Greater Kailash-II, mg. 562 sq. yds. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Amar House Builders, through attorney Sh. B. B. Agarwal S/o Sh. R. R. Agarwal, R b B-47, N. D. S. E. I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Apar Singh Sh. Apar Singn S/o Sh. Nanak Singh through attorney Mr. P. N. Khanna S/o Sh. Gopal Das Khanna, A-45, Chander Nagar, Janakpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion on second floor of property No. E-544, mg. 562 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Da e : 25/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMERTAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq-1/SR-III/4-85|28.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. N-84, Greater Kailash-1, mg. 295 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tractly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the sus-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1 Sh. Davinder Kumar S/o Sh. Late Har Gopal and Smt. Vinod Sarin W/o Sh. Davinder Kumar, N-84, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Enkay Builders (P). Ltd., through its Director Manject Singh, 36, New Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Terrace over ground floor of property No. 84, Block 'N' mg. 295 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 25 11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III 4-85/29.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing

No. M-49A, Kalkaji, New Delhi, mk. 200 sq. yds. situated at

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerng Officer at at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the preperty as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-ter Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mohd. Afaq S/o, Mohd. Ishtiaq, R/o 5383, Rehman Street. Chandni Chowk and Mohd. Ashafaq S/o Mohd. Ishtiaq, R/o 3419, Rehman Street, R/o 5419, Reh Chandni Chowk, Delhi.

(Transferoi}

(2) Sh. Deepak Bhatia S/o. Sh. Tirlok Chand Bhatia, R/o B-64, East of Kailash. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MPLANAMON: -- The terms and expressions used herein as ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. H-49-A, measuring 200 sq. yds. situated at Kulkaji, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asuf Ali Road
New Delhi

Date: 28/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III 4-85/30.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

Shop No. 66-M, Greater Kailash-I, mg. 196 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at New Delhi in April, 1985

at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Premvati Seth W/o Sh. R. N. Seth, R/o 6007, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhushan Kumar Uppal S/o Late Sh. Mulkh Raj Uppal, R/o A-2/35, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop plot No. 66, Blook 'M' measuring 196 sq. yds. Greater Kailash-I, Market, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85/31.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-1, West Nizamuddin, New Delhi, mg. 233 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the regstering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) l'acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be efsclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— Sh. Tara Chand Dewan S/o Shri Pursotam Das Dewan, R/o C-II-85-A, Lawrance Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Badinm Chemicals Works (P) I.td., through its Director Z. Rahman Nayyar, R/o 4348/C-G, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. E-1, measuring 223 sq. yds. situated at Nizamuddin West, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 26/11/1985

Beal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF

(1) Smt. Manorama Devi W o Late Sh. Kanwar Sain, R/o G-41(B), Kulkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jawahar Lal S/o Late Sh. Bhoja Ram, R/o 329/331, Sunlight Colony, New Delhi-14.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTU COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85 '32,--Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

No. G-41(B), Kalkaji, New Delhi, mk. 100 sq. yds. situated

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the rassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee that the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. G-41(B), Kalkaji, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :--

Date: 28/11/1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 25th Novermber 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85/33.—Whereas, 1, R, P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. E-368, Greater Kailash-II, New Delhi situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mater with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) Smt. Asha Choudhary W/o Sh. Suresh Chandra Choudhary, R. o E-368, G. F. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pramila Savlani W/o Sh. G. P. Savlani, Sh. Rajesh Salvani S/o Sh. G. P. Salvani, Miss. Suman Salvani D/o Sh. G. P. Savlani, R/o B-2. Tulsi Vihar, Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE.

First floor and bearsati floor of property No. E-368, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJUSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 25/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85, 34.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2nd floor of property No. E-126, Gr. Kailash-I, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Mrs. Shani Johan W o Sh. Gurjit Singh Johar, R/o C-170, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Tulsidas G. Vasandani S/o Sh. Gobindram B, Vasandani, Sm. Rekha Rani T. Vasandani W/o Sh. Tulsidas G. Vasandani, R/o 27-Bungalow Road, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor apartment consisting of two rooms, one hall, two toilets, one kitchen and a store in property No. E-126, Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4/14-A, Asaf Ali Roal New Delhi

Date: 22-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

(1) Dr. Kaverjit Singh Gujral S/o Sh. Gurachan Singh, R/o G-26, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurjeet Singh Johan S/o Sh. Ajit Singh Johar, R/o G-170, Greater Kailash-, New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/4-85 35.—Whereas, L. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing House No. E-190, Greater Kailash-I situatedat New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforenaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

House No. E-190, Greater Kailash-J, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following acrsons, namely ;-

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ, Λ\$ΛF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1985

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/4-85/36.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 1AB/77, Laipat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Dharam Paul Khattar Ist-C/132, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar Kalra Ist-F/104, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey House No. 1st-B/77, Lajpat Nagar, New New Delhi, mg. 100 sq. yds.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 22-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/4-85/37.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
K-100AB, Kalkaji, mg. 200 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

 Sh. Narendra Nath Ranganath Kulkarni S/o Sh. Ranganath Ganesh Kulkarni K/100-AB, Kalkaji, New Delhl.

(Transferor)

(2) Shri Kanshi Ram Bansal S/o Lala Arun Dass R/o J-3/362, DDA Flats, Kalkaji, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the accupisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Property No. K/100-AB, Kalkaji, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aggarwal House, 4/14A
Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1985

FORM NO. ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-IJI/4-85/38.—Whereas. I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot. No. B-52(Defence Colony Colony, 325 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument co gansfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tau Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons Besselv :---

- (1) Major A. K. Malik S/o late Mulk Raj Malik R/o C-94, Defence Colony, New Delhi Karta of Major Mulk Raj Malik and Sons, (HUF) (Transferor)
 - (2) Shri Kawaljit, S/o Shri Sajjan Singh B-52, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. B-52, measuring 325 sq. yds. Defence Colony, New Delhi.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 26-11-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

IAC/Acq.I/SR-III/4-85/39.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. B-19, Defence Colony, mg. 325 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: agd/er
- (b) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Capital Limited 19. R. N. Mukherjee Road, Calcuttal.

(Transferor)

(2) Mr. Rohitasava Chand S/o Sh. Krishan Chand and Mrs. Mina Chand W/o Mr. Rohitasava Chand R/o G-7, N.D.S.E.-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions EXPLANATION :used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-19, Defence Colony, New Delhi, measuring 325 sq. vds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-11-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-85/40.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D-6/20, Vasant Vibar, mg. 400 sq. yds. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to setween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eleject of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Arindam Sen S/o late Amar C-145, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Gopal Singh Dr. Gopal Singh
S/o late Atma Singh
Inderjit Gopal Singh
W/o Dr. Gopal Singh
Mrs. Jasleen Singh
D/o Dr. Gopal Singh
R/o 7, Poorvi Marg,
Vasant Vihar,
Naw Delhi New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 88 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on lease hold plot No. D-6/20, measuring 400 sq. yds. Vasant Vihar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramani Sundram S/o Sh. N. Sundram R/o 94/1, Baird Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. Parveen Kumar Aggarwal S/o Sh. Atma Ram R/o 68, Baber Road, New Delhi-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-85/41.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 96 Baird Road, New Delhi, mg. 2269 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Plot No. 10, Block No. 90, known as No. 96, Baird Road, New Delhi-1, mg. 2269 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 262D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 25-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE//4-85/1627.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 207 at 19, B. K. Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the_Registering Officer at

IAC/Acq. Range -I on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s. Kailash Nath and Associates 1006, Kanchenjunga, Barakhamba Road. New Delhi-1.

(Transferer)

 M/s. Sherman International (P) Ltd. D-94, Bimalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: -- The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 on 2nd floor of proposed multi-storeyed commercial building 'ARUNACHAL' at 19, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 2-12-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1628.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Fiat No. 313 at 2, Tlak Marg, mg. 1500 sq. ft. situated at New Delbi.

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of

the Registering Officer at

the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen are consideration for such transfer as agreed the provides has not been tally retained in the cold. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventee of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concenlment of any income or any unners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

(1) Ravindera Properties (P) Ltd. 2. Tilak Marg, New Delhi,

(Transferee)

(2) Mr. Hemant Ghadha M-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that That int

THE SCHEDULE

Flat No. 313, 3rd floor, 2, Tilok Marg, New Delhi measuring 1500 sq. ft.

> R. P. PAJESH Connectent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Aggarwal House, 4/14A
> Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-12-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISHTON FANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD, NEW DELHT

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq!/37EE/4-85/1629.—Wherens, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (13 cf 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8 on 19, B. K. Road, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range -I on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kailash Nath and Associates 1006, Kanchanjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Master Sachin Sharma and Master Sushani Sharma both Minors, through lattice and natural guardian Mr. D. R. Sharma W-129, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8on 2nd floor, area 500 sq. ft. in proposed multi-storeyed commercial building ARUNACHAL at 19, Barakhamba Road, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, J hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1630 - Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-33, N.D.S.E. Part-I, mg. 985 sq. ft. situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range -I on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ob ject of-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Abhay Bhatnagar & Mr. Ajay Bhatnagar C-33, NDSB Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. M. L. Verma & Smt. Savitri Devi R/o 671, Kotla Mubarkpur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Feet front portion at C-33, NDSE Part-I, First Floor measuring app. 985 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delni

Date: 2-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1631.--Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat on 5th floor, 34, Ferozshah Road, mg. 1844 sq. ft. situted at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of

has been transferred under the 1.1. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range -I on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incor arising from the transfer-and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Vikas Chandra & Vincet Chandra 8. Ishwar Nagar (East), Mathura Road, New Delhi-65.

(Transferor)

. (2) Smt. Tani Bhargaya & Sh. Rajcev Bhargava R/o 18, G. Maharani Bagh, New Delhi-65.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in South Tower on the 5th floor, in the proposed multistoreyed building at 34, Ferozakah Road, New Delhi, measuring 1844 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Dato: 2-12-1985

Seel :

FORM ITNS-

(1) M/s. R. K. International M-3, Greater Kailnsh-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Jair Transportation (P) Ltd., I-23, Maharani Bagh, New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1632.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 at 7, Tolstoy Marg, mg. 443 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range -I on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sall immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte:

THE SCHEDULE

Flat No. 103 on Ist floor in 7-Tolstoy Marg, New Delhi measuring 443 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 2-12-1985

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref No IAC/Acq-I/37EE/4-85/1633.—Whereas I, R. P. RAIESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (derein: fer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, brying a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l-Rs. 1,00,000, and brains No.

Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 409-A 6, Nehru Place, mg. 405 sq. ft.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC./Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have get been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pragati Construction Co. (Devika Tower), 4th floor Sheetla House 73-74, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Harbir Singh Rahi and Master Ashish Baweja (Minor) U/G of Sh. Harbir Singh Rahi, 26/52, Punjabi Bagh, West), New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 409A in multistoreyed building, Devike Tower 6, Nohru Place, New Delhi measuring 405 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 2-12-1985

FORM ITNS ---

· NOTICE I NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1634.--Whereas, I, R. P. RAJESH, k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, at 89 Nehru Place mg, 680 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in he Office

of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mindeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in surruence of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Suresh Chander, Dinesh Chander R/o 537, Chandani Chowk, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. P. K. Jain (HUF) Master Jainreet Singh S/o Co. Jaswant Singh & Sh. Manor Jain S/o Sh. L. R. Jain E-179, Kalkaji, New Delhi.

(Transferoe)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. M-20 in 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 680 m. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New DelhL

Date: 2-12-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1635.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' bave reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-19, Con. Circus, mg. 337 sq. ft. situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in he Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

(a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any secome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 101-416G1/85

(1) Ruchika Constructions (P) Ltd. 15/4581, Aggarwal Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. S. L. Nanda R/o S-417, Greater Kailash, New Delhi, and Dr. Asha Pasricha R/o D-4, Ansari Nugar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of one commercial flat measuring 337 sq. ft. on Illrd floor in the building under construction on plot No. A-19. Connaught Circus, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 2-12-1985

Seed :

PORM ITNS

(1) Consolidated Machines (P) Ltd. B-93, Lajpat Nagar-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. D. Khambatta, 162, Jorbagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1636.—Whereas. I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Agr. land situated in vill, Deoli, mg. 1, Bigha 13 biswas citrated at Nav. Delbi.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitation the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eacht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, thtrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha-13 Biswas Khasra No. 8/2, revenue estate of village Deoli Tehsil Mehrauli, New Delhi with building under construction.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 2-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1637.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1402 at 89, Nehru Place, mg. 409 sq. ft.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been registered under the 1.T. Act 1961 in the Office of IAC/Acq. Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. K. L. Oswal & Sons 301, Meghdoot. 94, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

Mrs. Sarla Raizada W/o Sh. Sushil Kumar Raizada, D-40, N.D.S.E. Part-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1402 at 89, Nehru Place, (Skipper Tower), New De hi measuring 409 sq. ft,

> R. P. RAHISH Competent Authority Inspecting Assistant Commi stoner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 2-12-1985

Set1:

procession and the second

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

No. 100 company of the contract of the contrac

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1637-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. A-2, Mkt. Road, Gole Mkt, mg. 1274.65 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) DLF Universal Limited, H.O. 21-22, Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tapoti Jhunjbunwala W/o S. Amitab Jhunjhunwala, R-18, South Extn.,-II, New Delhi-49.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. A/2, in building on plot No. 2, Block No. 95, Market Road, Gole Market, New Delhi, mg. 1274.65 sq.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anto Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

(1) Elite Developers (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Ram Ditta Jiwanda Ram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1638.—Whereas, I, R. P. RAJESH

oring the Neupetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-2 Plot No. 36, Kailash Colony Fxgn, mg. 420 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully describe) in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the LT. Act 1961 in the Office of the egistering Officer at

IAC/Acq. Range-1, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, is respect of any mooms arising from the transfer; and /04
- (b) facilitating the conceals ent of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disc osed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Narang Public Charjitable Trust, A/43. New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propercy may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-2 in proposed Elite House at plot %. 36, Community Centre Kailash Colony Extr. (Zamrudpur), Mew Delhi, mg. 420 sq. 1t.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding; for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dited: 2-12-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIHI

New Dolhi, the 2nd December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/4-85/1639.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 503 at 38, Nehru Place, mg. 584 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Ind in Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saxt Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Ansal Poperties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Pratina Sabharwal, W/o Mr. Y. Sabharwal, R/o 18, Circus, Avenue, Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property musy he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by now other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 at 38. Nehry, Place, New Delhi, mg. 584 sq.

R, P, RAJESH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Dated: 2-12-85

Scal ·

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1640.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 816, at 14, K. G. Marg. mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-J, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax. Act, 1957 (27 of 1957); Ansal Properties & Industries
 (P) Ltd. 115. Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Kishan C/o India Agencies (Regd) Gobind Mausion Block (H), Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 816 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Sheetal Chadha. A-5, Occate, Kailash Euclave-I, New Leihi.

(Transferor)

(2) Ch. Brij Mohan Sachdev, 130, Golf Links, New Delhi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.J/37EE/4-85/1641.—Whereas, I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000] and bearing

Flat No. 1323, at 89, Nehru Place, mg. 385 sq. 1t.

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC/Acq. Range I. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following occupant, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1323, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 385 sq. ft.

R. P. RAJESH Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. New Delhi

Dated: 2-12-85

(1) Mrs. Chandra Mittra, A-26. Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. B. Mittra, A-26, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1642.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 413 at 26, K.G. Marg, mg. 190 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
102—416GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Flat No. 413 (one room on flat No. 4) in the multistoreyed building. "KAILASH" at 26. Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 190 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delbi

Dated: 2-12-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

and the second s

(Transferor)

(2) Miss Rama Behl D/o Late Sh. Diwan Chand Behl R/o 27/55, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)_

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1643.—Whereas, I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 12 E-Block, Nehru Place mg. 569 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 12 on 7th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, in Nehru Place, New Delhi, area 569 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following sersons, remely:—

Dated: 2-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1644.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 818 at 14, K. G. Marg, mg. 535 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has 'een transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Rango-I, in April 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Ansal Properties & Industries,
 (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,
 New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Suresh Virmani, Mrs. Neena Virmani C/o Virmani Associates,

E-1, Connaught Place, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquestion of the add property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the cald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 818, in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi measuring 535 aq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 2-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1645.—Whereas. 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 817 at 14, K. G. Marg, mg. 345 sq. ft.

Flat No. 817 at 14. K. G. Marg, mg. 545 sq. 11. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. Ansal Properties & Industries, (P) I.td., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) Miss Ritika Arora (Minor) Miss Meeta Tirora (Minor) U/G Shri R. K. Arora C-85, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 817 in Amba Road, at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 345 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A. Asaf Ali Road New Delhi

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1646.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 815 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endlor
- (b) facilitating the concealment of any income any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries, (P) Ltd., Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Gopal Krishan Mrs. Usha Krishan, Master Sanjeev Krishan, Master Saurabh Krishan H-22, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 815 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 2-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1647.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 814 at 14, K G. Marg, mg. 450 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with 'he object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endi/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ansal Properties & Industries, (P) Ltd., Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) Mrs. Sushma Sawhney, Mr. Gulshan Sawhney C/o Shri J. P. Sahni, 263, Kardan Sahiv Villa, Bareilly (U.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 814 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I
> Aggarwal House, 4/14A, Asaf All Road New Delhi

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1648.—Whoreas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 808 at 14, K. G. Marg, mg. 505 sq. ft.

Flat No. 808 at 14, K. G. Marg, mg. 505 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1.

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s. Ansal Properties & Industries,. (P) Ltd., Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Salesworth India (P) Ltd. C/o Kn. Mahender Singh—Traveller-LB-2, Ansal Bhawan, 16, K. G.. Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chair.

THE SCHEDULE

Flat No. 808 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 505 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road Acquisition Range-I New Delhi

Date: 2-12-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1649.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fari market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 807 at 14, K. G. Marg, mg. 505 sq. ft.

Flat No. 807 at 14, K. G. Marg, mg. 505 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Ansal Properties & Industries, (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Salesworth India (P) Ltd. C/o Kn. Mahender Singh Traveller-LB-2, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 807 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 505 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14A, Asal Ali Road Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 2601 of the Said Act to the following persons, paracly:--

Date: 2-12-1985

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1650.—Whereas, I, B. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 804 at 14, K. G. Marg, mg. 400 sq ft.
situated at New Delhi z z z z z z z z z z
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the
Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I,
on April 1985

market value of the expressed exposerty and I have reason to believe that the fair market wains of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chart of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the insufer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of its aforesaid property by the issue of this unice undersub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
103—416GI/85

(1) M/s. Assal Proporties & Industries (2) Ltd., 115, Assal Dhawan, 16, K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Jyoti Aberoi, Master Deepak Oberoi, 13/28, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in (se Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, and days period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 400 sq ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-L
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 2-12-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I ΛGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1651.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent vensideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Suhel Duggal Mrs. Jasicon Duggal R/o P-7, Haus Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Amba Deep at 14, K. G. Marg. New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. LAC/Acq.I/37EE/4-85/1652.—Whereas, I, B. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1606 at 14, K. G. Marg, mg. 300 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(2) Nanak A. Bhatia (HUF) Karta N.A. Bhatia, .: Anand Brothers (HUF) Karta Manohar Lal, Madan Batra C/o Shalog Agencies, 105, Madhuban 55, Nchru Place New Delhi-19. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1606, Amba Deep, 14 Kasturba Gandhi Marg, New Deli, measuring 300 sq. ft.

> R. P. RAJESF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 2-12-1985

FORM ONS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOMENTAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37BE/4-85/1654.--Whereas, I, B. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1951 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 1:-A, at Elock 'E' Nehru Place, mg. 484 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I, or April 1985. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration where is tens runn too market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atomisaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer and to be known the second consideration for such transfer and to be known the second consideration for such transfer and the second consideration for such as the second consideration for such as the second consideration and the second consideration for such as the second consideration and the second consideration are second consideration. consideration for such transfer of agreed to be ween the per-ties has not been truly stated in the said instruction as transfer with the object of :-

- to desirable the exception of or statement of the stateme of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers Earl (b)
- (a) isometating the concastment of any income or any moneys or other askets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the exoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Dharminder Gandotra and Mr. Shallender Gandoira ss/o Late Shri D. R. Gandotra 31/16, East Patel Nagar, New Delhi-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the storesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever regiod expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 11-A, on 9th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, approx, area 484 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Daet: 28-11-1985

(1) Mrs. Kusum Lakhina, G-47, Kalkajı, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss, Kavita Lokhina & Master Lavesh (akhina (Minors) E-511, Greaterf Kallash-II, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1655.--Whereas, I, B. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
P. N.o 988A, Gali No. 9, Govind Puri Kalkaji, mg. 1500 sq
ft. situated at New Dehli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq.Range-I. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :=-the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 988-A, Gali No. 9 Govind Puri, Kalkaji New Delhi measuring 1500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1656.—Whereas, I, B. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Plot No. 141, Sukhdev Vihar Near Okhla mg. 276 sq. yds. situated at New Cullsi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of \$957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Anil Sood S/o Shri L. N. Sood A/47, New Friends Colony. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Kumar S/o Shri Bhavnath Chowdhary, R/o 130, Hari Nagar, Ashram, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 141, Sukhdev Vihar, (Near Okhla), New Delhi, area 272.6 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 29-11-1985

nerikana urusu pelebara

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1657.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. G-78B, Kalkaji, New Delhi, mg. 900 sq.ft

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1 Smt. Dropadi Nanomal Motwani, Sh. Anup Kumar Nanomal Motwani, Sh. Raj Kumar Nanomal Motwani, Smt. Bhanu Prakash Nanomal Motwani, all r/o D-8, Sindhi Colony, Sasmira Marg, Nçar Worli, Bus stop, Bombay. (Transferor)
- (2) Mrs. Raj Rani Maini, Mrs. Madhu Maini, R/o G-291, Nanakpura, New Delhi-21. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Lease-hold plot No. G-78B, located at Kalkaji, New Delhi registered with Sub-registrar, New Delhi-1 and govt. built property registered with sub-registrar, New Delhi, about 900 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
New Delhi

Date: 29-11-1985

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Frag iti Construction Co., (Devika Tower), 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Deihl.

(Fransfer or)

(2) Mr. Romi Wadhwa, 357, Johnapur, Meharauli, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 'AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE-4-85/1658 —Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1101-B. at 6, Nehru Place, mg. 500 sg.ft

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/ork

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the treasferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hureby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapte

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1101-B, in multi-storeyed Building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1659.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the immova property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Flat No. 1101-A, at 6, Nehru Place mg. 525 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of his liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; sud/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:-104-416GI/85

(1) Pragati Construction Co. (Devika Tower)
4th floor, Sheetla House, 73-74,
Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rajico Englneers (P) Ltd., 204, Pragati House, 47-48, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1101-A, in multistoreyed building, Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi, mg. 525 sq.ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 4/14A. Asaf Ali Road, New Dolhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1660.—Whereas I.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1660.—Whereas I, R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Basement No. 8, 21, B. K. Road, mg. 500 sq. ft. situated at Naw Delbi.

of transfer with the object of :-

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at JAC/Acq Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 44/44
- (4) Accilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the survoses of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2697 of the 46ld Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Joginder Kaur, E-565, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nisha Chandra, 54, Manford Way, Chigwell, Essex, (H.K.) C/o Mr. R. L. Garg, 33, SFS, House, Sheika Sarai-I, New Delhi-17.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Middle Basement No. 8 in 21, Barakhamba Road, New Delhi, (under construction) mg. 500 sq.ft.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 4/14A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 29-11-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1661.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. GF-11, at 38, Nehru Place, mg. 479 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-1, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ut transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Dhiraj Kala, 304, Asha Deep, Hailey Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-11 at 38, Hehru Place, New Delhi, measuring 479 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS----- 187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg. New Delbi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. 1AC/Acq.I/37EE/4-85/1662,—Whereas I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 407 at 38, Nehru Place, mg. 560 sq.ft.

situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 1.13101 9911dx9 policed 194901qm

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

THE SCHEDULE

Flat No. 407 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq.ft

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the fiddian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. 1AC, Acq.I, 37EF/4-85/1663,—Whereas 1, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 406 at 38, Nehru Place, mg. 592 sq. ft.

No. Flat No. 406 at 38, Nehru Place, mg. 592 sq. It. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset: which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he Act to the following persons, namely:—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

 M/s. Guimohar Hotels (P) I.td.
 16. Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(Transferor)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 592 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-11-1985

Seid:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. AlC/Acq.1/37EE/4-85/1664.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

No. Flat No. 408 at 38, Nehru Place mg. 580 sq.ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in Office (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of the registering Officer at IAC/Acq. Range-J, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclised by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 29-11-1985 Seal:

THE PARTY OF THE P

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ansal Properties & Industries (P) Lt, 115, Ansal Bhawan, 16, k.G. Marg, New Delhi. (2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj,

New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1665.-Whereas. I. R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. 403 at 38, Nehru Place, mg. 584 sq. ft.

situated at New Delhi

has been transferred under the I.T. Act 1961 in Office (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of grenater with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937)?

Flat No. 403 a t 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 584 sq.ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following **₹.1802£ 1120017 :—**

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

· ACQUISITION RANGE-I, AGGAKWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1666.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 410 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft.

No. 410 at 38, Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred under the I.T. Act 1961 in Office of IAC/Acq. Rauge-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries, (P) 4.td., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi,

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd. 2E, Io, Ansari Road, Darya Ganj,

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 580 sq.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

blow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 29-11-1985

FORM ITNS----

(1) Anial Properties Properties & Industries (P) Ltd., 115. Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Defhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSP, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.I·37EE/4-85/1667.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 's and bearing

No. Flat No. 409 at 38, Nehru Place, mg. 409 sq.ft,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument that the consideration with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any majorys or other amous which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409 at 38, Nehru Place, New Delhi, meauring 450 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

105-416GI85

Date : 29-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIITON RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

No. IAC/Acq.1/37EE 4-85/1668.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 402 at 38, Nehru Place, mg. 485 sq.ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Office at IAC Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Ansal Propercies & Industries (P) Itd., 115, Ausal Bhawan, 16, K.G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 485 sg.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Trate: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/4-85/1669.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 411 at 38, Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmohar Hotels (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 411 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said As a the following persons, namely :--

Date: 29-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Saroj Sethi, Mrs. Ravi Bhasin, R/o 42/48, Punjabi Bagh, New Delhi.

('Transferce) -

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1670.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 204 in Amba Deep, at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons namely :--

Date: 28-11-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-85/1671,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 201, at 14. K. G. Marg, mg 400 sq. ft. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

on April 1988
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nascts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor) (2) Miss Tara Gupta (Minor), Mrs. Manjula Gupta, 96, Model Basti,

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FKPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 400 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 28-11-85

FORM (.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Surinder Sondhi, B-87, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-85/1672.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 202 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-1, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-11-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No._IAC/Acq.-1/37EE/4-85/1673.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 810 at 14, K. G. Marg, mg. 615 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Dolhi.

(Transferor)

میوند تا این در درست با در در مامی بشدند.

(2) M/s. M. P. D. Associates, A-1/18, Saidarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 810 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi measuring 615 sq. ft

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 28-11-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/4-85/1674.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 809 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I. on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

 M/s Prakash Associates, 110, Meghdoot, 94, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 809 at Amba Deep at 14. K. G. Marg, New Delhi, measuring 450 sq. ft

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Delhi New Delhi

Date: 28-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/4-85/1675.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 209 at 14, K. G. Marg, mg. 425 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely':-

106-416GI/85

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nita Agarwal, B-4-58, Safdarjung Enclave, New Delhi-29.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 in Amva Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 425 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 28-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-85/1676.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have magon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 802 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at New Delbi.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi

(Transferor)

(2) Miss Rina Anand (Minor) U/G. Dr. (Mrs.) J. Anand, R/o E-11, Defence Colony, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 806 in Amva Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/4-85/1677.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 819 at 14, K. G. Marg, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC/Acq. Range-I, Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the association of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Yuvinder Anand u/g Dr. J. Anand, R/o E-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 819 in Amba Deep in 14, K. G. Marg, New Delhi measuring 450 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Date: 3-12-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/3/EE54-85/1678.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing . Flat No. 1201 at 14, K. G. Marg, mg. 800 sq. ft. situated at New Delhi

has been transferred under the 1. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. K. N. Bhat (HUF), 9, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1201 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 800 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/4-85/1679.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1505 & 1505 at 14, K. G. Marg, mg. 700 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 og 1961) in the office of the IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Punjab Bone Mills, 524, New Jawahar Nagar, Jullundur City, Punjab.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1505 and 1506 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, mg. 1000 sq. ft.

R. P. RAJESH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGG.\RWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/4-85/1680.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1604 at 14, K. G. Marg, mg. 400 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Clincer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linesity of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourboses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Arora, Mrs. Sudesh Arora c/o Sh. S. P. Arora, I/67, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1604 in Amba Deep at 14, K. G. Marg, New Delhi, measuring 400 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/4-85/1681.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404 at 38, Nehru Place, mg. 360 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accorded to here. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s.Gulmohar Hotels (P.) Ltd., 2F/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 360 kg ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/4-85/1682.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 405 at 38, Nehru Place, mg. 360 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Office at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely: --

- M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.
- (2) M/s. Gulmohar Hotels (P.) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

SHORTHARD CONTRACTOR OF THE STATE OF THE STA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 405 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 360 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Rond, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/4-85/1683.—Whereas I,

Ref. No. IAC/Acq. 1/3/EE/4-03/1003.—VILLETON A, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401 at 38, Nehru Place, mg. 476 sq. ft. situated at New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officre at

of the Registering Officie at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gulmour Hotels (P.) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing so the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 476 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sauce of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 107-416GI/85

Date: 3-12-1985

Soal:

FUNDAMENT MATCH

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. 1AC/Acq. 1/37EE/4-85/1684.—Whereas I. R. P. RAJESH,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIGNER OF INCOME-TAX

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1414-A, at 38, Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Office: at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

(1) Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Dharamveer Sharma Dr. Dharamveer Shaema Mr. Vivek Dugal c/o New Delhi Ploy Clink, K-35, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 1414-A, at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I New Delhi

Date: 3-12-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/4-85/1685.—Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1216 at 38, Nchiu Place, mg. 598 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Office at IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Agarwal, Neeraj Agarwal U/G N. P. Agarwal, Miss Sweta V. Kavadi, Miss Shruti V. Kavadi, U/G V. N. Kavadi, 184, Siddharth Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Chicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1216 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 598 aq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGF-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/4-85/1686.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 1211 at 38, Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act, 1961 in the Office of the Registering_Officre at

IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Alok Varshneya, c/o Dr. M. S. Agarwal, 15, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1211 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 3-12-1985

FORM TIMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/4-85/1687.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

GF-9, at 38, Nehru Place, New Delhi, mg. 500 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Office at

IAC/Acq. Range-I, on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Bharat Kholsa,
Miss Bhawna Khosla U/G
Sh. Rakesh Khosla,
A-49, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-9 at 38, Nehru Place, New Dolhi, measuring 500 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/4-85/1688.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing GF-10, at 38 Nehru Place, mg. 427 sq. ft. situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officre at

IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh B. Kale, 304, Asha Deep, Hailey Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-10 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 427 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/4-85/1689.--Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Space No. B-24, at 38, Nehru Place, mg. 455 sq. ft. situated at New Delbi.

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officre at IAC/Acq. Range-I, on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

- (1) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.
- (Transferor). (2) Sh. Desh Bandhu Sood s/o Sh. R. P. Sood, Mrs. Shanta Sood w/o Sh. D. B. Sood, L-12, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. B-24, at 38, Nohru Place, New Delhi, measuring 455 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/4-85/1690—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-5, at 38, Nehru Place, mg. 605 sq. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

has been transferred under the income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lattern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Ansal Properties & Industries, 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Service Bureau of India, 407, Saraswati House, 27, Nehru Place. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this moitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-5 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 605 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

Seal ;

(1) M/s Ansal Properties & Industries 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Meet Kale, s/o Shri R. B. Kale, 304, Asha Deep, Hailey Road, New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/4-85/1691.—Whereas, I.

R. P. RAJFSH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1214 at 38. Nehru Place, mg. 580 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herto),

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer. As agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

Flat No. 1214 at 38, Nehru Place, New Delhi, measur 580 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Rond, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 3-12-1985

Sen1:

108-416/31/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya Rajav Luxmi Shah, 5, Bhagwan Das Road, New Delhi-1,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/4-85/1692.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 407 at 34-F, Ferozeshah Road, mg. 1600 sq. ft.

simuted at New Delhi

(and more fully described in the Schodule annoxed horete), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IACAcq. Range-I in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers sed/w

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 407 area 1600 sq. ft. and one open car parking space in proposed multistoreyed Group Housing Scheme Adishwar Apartments' at 34, Ferozeshah Road, New Delhi-1.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1693.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. I.G.F. 51, at 17, B. K. Road, mg. 276 sq. ft. situated

at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M/s. Polt Deals, 301, Meghdoot Building, 94, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Smt. C. Uma Kamuth, w/o Shri C. H. Kamath, R/o 13/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L.G.F. No. 51 (1st Basement), at 17, Barakhamba Road, Connought Place, New Delhi, measuring 276.2 sq. ft. on super area basis.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1694.--Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair marktt value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. B-4 at Kailash Colony, mg. 378 sq. ft. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Elite Developers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Vinay Kumar Aggarwal, S-374, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gereire

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4 in proposed Elite House at Plot No. 36, Community Centre, Kailash Colony Extension (Zamroodpur), New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-12-1985

(1) S. Avturjeet Singh, 13-B, Pusa Road, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Ghei, M-183, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1695.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503 at 89, Nehru Place, mg. 370 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as according to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 503 area 370 sq. ft. at 89, Nehru Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delbi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Deta: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1696.—Whereas, I, RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 617 at 89, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferm for the purposes of the Indian Income-tax Apt. 1922. (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Radhika Investments. A-69, New Priends Colony, New Delhi, and M/s. Riski Visconi & Sons (MUF). C-11, Chirag Effelave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sandeep Arora, 8/o Shri Mohan Lal Arora, 4, Abhishake Bunglow, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 617, Skipper Tower, 89, Nehru Place, area 560 sq. ft. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing porsons, namely :--

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF./4-85/1697.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 408 A. at 6, Nehru Place, mg. 210 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961, in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said. instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the I main Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Mathur, Shri Akhlesh Chandra Mathur, R/o D-12 S.D.E.I.D.C. Industrial Complex, Rohtak Road, New Delhi-41.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in that Chapter, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 408A, in multistoreved building Devika Tower, 6, Nehru Place. New Delhi, mg. 210 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Denois manely :--

Date: 3-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/4-85/1698.—Whereas, I. R. P. RAJES,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503A, at 6, Nehru Place, mg. 210 sq. ft. situated at New Dolbi.

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

on the Registering Onker at IAC/Acq. Range-I, on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) M/s. Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohit Agarwal U/G Atam Agarwal, 1998, Naughara, Kinari Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 503A, in multistoreyed Building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 210 sq. ft.

R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ATT ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC /Acq 1/37FE/4-85/16991.—Whereas. 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1 00,000 /- and bearing

Flat No. 509A, of 6, Nehrn Place, mg 405 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acg. Range-I, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monope or other seeds which have not which ought to be disclosed by the tra the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (31 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax est, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said At 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property of the said Act, the following proper ing persons, nargely (----109---416GI/85

(1) Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4m door, Sassua House, 73-74 Notice Frace, New Both

(Transferor)

(2) M/s. Basant Kumar (HUF), D-1/89. Satya Marg. Chankya Puri, New Dethi-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 809 V, in multistoreyed Building Devika Tower, 6, Nohru Place. New Delhi, measuring 405 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-I New Delhi

Date + 4-12-1985 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FF/4-85/1700, -Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000,'- and hearing No. Shop No. 2B, Khan Market, mg 59-5 sq. yds. situated at Naus Dalbi.

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred undtr the I.T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I. in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Sint, Amit Kam, w/o Late Sardar Surat Singh, R/o M. 64, Greater Railash-1, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Naram Malhotra, s/o Shri Shori Lal Malhotra, 147, Vinobhapuri, New Delhi and Moster Puneet Malhotra, s/o Shri Shiv Narain Malhotra, r/o 147. Vinobhapuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Generatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2B. Khan Market, New Delhi, measuring 59.5 sq. yds.

> R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Nehtu Place Hotels I.td., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Doon Minerals, 98, Nash Villa Road, Dehradun (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI- ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/4-85/1701.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 12, F. Block, Nehru Place, mg. 569. sq. ft. situated

at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the I.T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I. in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives n that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 12 on 9th floor in Block E' of Hotel-cumcommercial Complex, in Nebru Place, New Delhi aren 569 sq. it.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rakesh Kholsa &Sons (HUF), A-49, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Jet Air Transportation (P) Ltd., 1-23, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE 4-85/1702.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. J 00,000/- and earing No. Flat No. 104 at 7, Tolstoy Marg, mg. 446 sq. ft. situated at New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Call of the registering Officer at LAC Acq. Range-I, on April,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as 'greed to betwen the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor in 7-Tolstov Marg, New Delhi-1, measuring 446 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4/12/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-L AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE 44-85/1703.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 201 of 12.1 Value.

Flat No. 201 at H-1, Kalkaji, mg, 700 sq. ft. situated at New Delhi

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer in INC/Acq, Range-I, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namily =

(1) M/s. Galaxy Builders (P) Ltd., Flat No. 3, Sood Building, Tel Mill Marg. Ram Nagar, New Delhi-55.

(Transferor)

(2) M. S. Suresh Goel (HUF), S-83, Panchshilla Park, New Delhi-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 (Second floor) at H-1, Kalkaii (Alaknanda Community Centre), measuring 700 sq. ft

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 4/12 '1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/4-85, 1704.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value

Rs. 10,000/- and bearing

Flat No. 177, at 38, Nehru Place, mg. 363 sq. ft. situated at

New **Delh**i

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Mr. Sanjiv Mehra S o Sh. S. P. Mehra, R/o W-64. Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Gupta, 56, Sanik Farm (Khanpur), New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The torms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 117 1st floor in 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 363 eq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Dellai

Date: 4/12/1985

FORM LT N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Renu Nanda, D-108, Defence Coloлу, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Miss. Sonali Nanda and Master Sanjeev Nanda, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

IAC/Acq-1 '37EE/4-85/1705,---Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 1, at 47-48, Nehru Place, mg. 630 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the l. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq, Range-I, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

1/3rd share of shop No. 1 on 1st floor measuring 630 sq. ft. at 47-48, Pragati House, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4/12/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Ved Prakash, M.B.B.S., III/F/21, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Baba, A-210, Lajpat Nagar-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> 4/14-A, ASAF ALI ROAD ACQUISITION RANGE-I 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC 'Acq-1/37EF./4-85/1706.—Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. Shop No. 89, Lajpat Nagar, mg. 400 sq. ft summed a New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 85, Central Market, Lajpat Nagar, New Delhi-24. measuring 400 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal Hou e 4/14-A, Asaf Ali Road New Delai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

VCÓNISILION BYNCE I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-85/1706-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair marker value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Space No. 14A, Block-F, Nehru Place, mg. 638 sq. ft. situated

at New Delhi

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq, Range-1, in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of instanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas act, 1957 (27 of 1957);

 (1) M/s. Norm Place Hotels Ltd., Elos Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Sh. R. S. Anand (HUF) S/o Sh. Rai Bahadur, Sh. S. Kabul Singh, R/o A-9/14, Vasant Vibar, New Delhi-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 14A on 8th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, in Nehru Place, New Delhi, Approx. area 638 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 4-12-1985

The state of the s

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. 1AC/Acq-I 37EE/4-85/1707.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. F. 8, at 90, Nehru Place, mg. 307 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has ben transferred under the 1. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-1 in April,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reaster with the object of :—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any tachets or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely. ing persons, namely :-

(1) Dr. Sheila Mehra W/o, Sh. N. K. Mehra and Sh. N. K. Mehra S o Late Sh. B. D. Mehra, J-27, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Chandok Enterprises, V-37, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-8, on Ground Floor of 307 sq. ft. covered area in building No. 90, Mansarovar, Nehru Place, New Delhi-19.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-1

ate : 4/12/1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE 4-85/1708.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing Flat No. B(5th floor) 9, B. K. Road, mg. 1600 sq. ft. situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I in April,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Diffects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in ect of any incume arising from the
- (b) facilitating the concealment of any mesons or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) M/s Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M. s. Klassik Garments (P) Ltd., 72-73, Nariman Bhawan, Nariman Point, Bombay-400021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 'B' on 5th floor in proposed mulistoreyed Group Housing Scheme NILGIRI APARTMENTS at 9, Barakhamba Road, New Delhi and one car parking space, mg. 1600 sq. ft.

> R, P, RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date: 4/12 /1985

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/4-85, 1709.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Space No. 89, in L.G.F. in 17, Barakhamba Road, mg. 203 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under hite I. T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair masket value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by maore than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I mereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Neelem Sharma W/o Maj. Pradeep Sharma C/o Iidentificatoin Systems, 118, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anuradha Gupta W/o Mr. Baij Nath Gupta, R/o 192, Pakki Sarai, Aligarh (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. 89, in Lower Ground Floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 203 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-12-1985

Scal:

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC Acq-III/37EE/4-85/861.—Whereas. I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 403 on the 4th floor in 9. Cama Place situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April. 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as afore-sail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tex Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the self-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the imne of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Kajeco Industries. Sultanganj, Agra.

(Transferor)

(2) Tawecty Trust, through trustee, Somanjit Chaudhary, D-344, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Country or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 403, on the 4th floor in 9, Cama Place, New Delhi. 550 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/4-85/862.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/-and bearing
No. X-17, Hauz Khas situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range III
New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent cherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ashwani Kumar, A-6, Ring Road, N. D. S. E.-l, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Bhuvanesh Chhabra, Chhabra Traders, Fahaheel Industrial Area, Fahaheel, Kuwait, C o. Mr. M. Malhotra, 3/5993, Dev Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B, on first floor of plot no. X-17, Hauz Khaa. New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 10/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1991)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/4-85/864.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. C-14, N. D. S. E.-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range III New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Asha Rani C/o. A-6, Ring Road, N. D. S. E.-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Kumar Vij, Smt. Uaha Vij, R/o. 1, Clenville Close, Liverpool-25 (U.K.) presently R/o C o. Sh. 1. P. Handa, R/o. C-3/360. Lodhi Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'C' on first floor of C-14, N. D. S. E.-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 10-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/865.---Whereas, J. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

nad bearing No. C-14, N.D.S.F. II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the 1.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Asha Rani C/o A-6, Ring Road, N.D.S.E. I, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Viswa Bandhu Agarwal, Ramesh Chandra Agarwal, Rukesh Narang C/o H-89, South Extn. 1. Ring Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed rear flat on ground floor of C-14 N.D.S.E. Part-III, New Delhi,

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Asha Rani
 C/o A-6, Ring Road,
 N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Gupta, HUF R/o B-36, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IH AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/866.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing No. C-14, South Extension, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the 1.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III.

New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcaald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Proposed Domestic Storage Space No. 'D', Part of lower ground floor, on C-14, South Extension Part-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
111—416GI/85

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1985-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/867.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 6, No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd., L-34, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transftror)

(2) Mrs. Radhika Sundram & Master Rajeev Sundram, A-15, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -- The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 ground floor of No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 224 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/868.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. UGK-5, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

No. UGK-5, 5, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (1) Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Kishan Chand Mohindero & Mr. Pankaj Mohindra, 37, Sector 19-A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignet:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offiical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kosk UGK, on upper ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Approx, Area 62 sq. ft.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 10-12-1985

FORM JINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Asha Rani A-6, Ring Road, N.D.S.E.-I, N.D.S.E. I, New Delhi

(Transferor)

(1) Mrs. Ritu Sharma 1360, Laxmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IN AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.HIJ/37EE/4-85/869.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

304, C-3, Karam Pura, Comm. Centre,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC. ACQ.III, New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Domestic storage space No. F (Rear) on lower ground floor plot No. C-14, N.D.S.E. Part-II, New Delhi. Area—229 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Accuisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following resons, namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/870.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. B-5, 20, Yusaf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Oxford Engineers (P) Ltd. 18/48, Commercial Complex Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Saraswathy Nair & Mr. N. Radhakrishnan, E-9, Press Enclave, Saket, New Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement B-5, in Oriental Apartments, 20 Yusaf Sarai, New Delhi. Area 315.26 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/872.--Whereas, I, SUNIL CHOPRÁ,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-4, Oriental Apartment, 20, Yusaf Sarai

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 (43 of 1951) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Oxford Engineers (P) Ltd. 18, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. J. C. Chopra, & Mrs. Kamla Chopra 3,, Co-op. Society, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcand persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as a man defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given la that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. S-4, in Oriental Apartments, 20 Yusaf Sarai, New Delhi. Area 336.70 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Aftab, Ritika & Gourav, 225, School Road, Jogadhari (Haryana State).

New Delhi.

(1) For Oxford Engineers (P) Ltd.,

18, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Enclave,

(2) Smt, Luxmi Devi, Sh. T. R. Agnihotri

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/873,---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202, 20, Community Centre, Yusaf Sarai

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is Itss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202.2nd floor in Oriental Apartments, 20, Community Centre, Yusaf Sarai, New Delhi, Area 382.75 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 12-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/874.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. C-3, Flat No. 308, Karam Pura,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the f.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act. to the following persons. namely:— (1) M/s. Uppal Builders, A-6, Ring Road, NDSE, Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Inder Pal Singh Pasricha & Smt. Manpreet Kaur, J-5/140, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed Office Space, Flat No. 308, on third floor at C-3, Karam Pura, Community Centre, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMENTAL ACC. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Uppal Builders, A-6, Ring Road, N.D.S.E., New Dollo

(Transferor)

(2) Shri Suresh C, Bhandari & Smt. Veena Bhandari, A-76, Double Storey Flats Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGG/SEW VI HOUSE 4/14 A. ASAF ALL ROAD NEW DILLHI

Nev Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.tif/37FF/4-85/875---Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Campetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No

No. 304, C-3, Karam Pura, Comm Centre,

situated: at New Delhi-

(and more taily described in the Schedule approved hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC, ACQJII, New Delhi in April, 1985

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursustice of Section 269C of the said Act, I hereby initiate properties for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2607 of the said Act, to the following netsons, namely 112—416GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed office Space Flat No. 304, on third floor at C-3, Karam Pura. Community Centre, New Delhi. Area 335 sq. ft

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/876.—Whereas, I SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-60. Preet Nagar Co-op. House Bldg. Society

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III.

New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri Prem Nath Arora, H. 20, Ashok, Vihar Ph. I. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Shri Om Prakash Yadav, R/o, H. No. 362, Kutha Ghanti Ram. Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing is the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-60, measuring 208 sq. yds. situated at Preet Nagar Co operative House Building Society 1(L. Delhi.

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Oelhi

Date: 12-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashwani Kumar, A-6, Ring Road, N.D.S.E.-11 New Delhi.

(Transferor) (2) Dr. (Mrs.) Neena Bohra, Dr. Neclam Kumar Bohra, Y-83, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref., No. IAC/Acq.III/37FF/4-85 886.--Whereas, I. SUNIL CHOPRÁ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. L60.000/- and bearing No.
X-17, Hauz khas situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the LT. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQJH.
New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of trapsfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer? and for

(b) facilitating the conceatment of my income in any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquiaition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A', on ground floor, of X-17, Hauz Khas, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ashwan; Kumar. A-6, Ring Road, N D.S.F. II, N. Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/887.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

X-17, Huaz Khas,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, in the Office of the registering Office₁ at I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. Dhanjit Vadra, & Mrs Urmila Vadra, Prerna Samoj Road, Aligarh.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: Inc terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Suid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1.57);

THE SCHEDULE

Proposed residential flat No. 3, on first floor, of X-17, Hauz Khas, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in the proceedings for the acquisition of the aferceasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10 12-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.111/37HE/4-85,888 - - Whereas I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the isamevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 206, 3, NWA Punjabi Bagh

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he I. F. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I A C. ACQ III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair more reason property and t have reason to believe that the fair more value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of gransfer with the object of t—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property he the intue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rishi Pal Properties (P) 704, Pragati Lower Rajondra Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K, C. Chhabra A-26-1 Tilak Gali Kashmere Gate, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Space No. 206, 2nd floor Pal Mohan Apartments, 3 NWA. Panjabi Bagh, New Delhi. Area 800 sq. ft.

SUNIL CHOPRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Dolhi.

(Transferor)

(2) M/s. Competent Builders, 101, Competent House, F-Block, Connaught Place, New Delhi.

(Transference)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. 1AC'/Acq.III/37EE/4-85/889.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair narket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5, Bhikaji Cama Place,

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, in the Office of the registering Officer at LA.C. ACQ.III. New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the far market value of the afcressid property and I have reason to believe that the fair market salue of the property as aforesaid exceeds the apparent or siderallon becausely as interesting the apparent or siderallon because by more than lifteen per cent of sun apparent or so so ration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stored in the said maximum of canster with the object of sec.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating for todaction on praying of the imbility of the transferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ر أعجم

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any success in any moneys or other assets which have not been on which ought in he disclosed by the transferse to, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Wing No. C, Lower Ground floor at building No. 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area for 12 car parkin.

> SUNIL CHOPRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuancy of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processings to the acquisition of the cforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 10-12-1985

Jaipur.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NFW DELHI New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/890.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sharda Apartments (P) Ltd., A-6, Ring Road, N.D.S.E., I, New Delhi.

(2) Mrs. Shashi M. Maheshwari, 281, Natariyon Ka Rasta,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 5, on ground floor at 1/3, Patel Nagar, New Delhi. Area 504, sq. ft.

> SUNIL CHOPRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. NEW DFLHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/891.- Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1311, 1, Rajindra Place, situated at New Delhi (and more fully described in the 5 hedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQAII, New Delhi in April 1985

in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(1) Raj Kumar Chopta, Bungalow No. 7 Street No. 5, Shantiniketan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Lords Group Housing Finance Itd., R-39, Vikas Marg, Sakarpur, Delhi-92.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 1311, Padma Tower 1, Rajindra Place, New Delhi. Area 580 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiistion Range-III, New Delhi.

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/893.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-601, in 3, Cama Place

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
113—416GI/85

(1) Ansal Properties & Industries, 115, Ansal Bhawan, K.G. Marg, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Master Gaurav Mohan Puri & Mrs. Indra Puri C/o.Mr. R. M. Puri, 2/A-1, Gcetanjali Enclave, N. Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-601, in 3 Bhikazi cama place, New Delhi, Area 296 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 9-12-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/894.--Whereas, f. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. C-14, N. D. S. F. Part-II, situated at New Delhi

1311, 1, Rajindra Place, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Aut. or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the kaue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

1) Smt. Asha Rani, A-6, Ring Road, N.D.S.E. I New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Jindal, 83-C, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the addressal persons which a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Domestic storage space no. 'F' (Front) on lower ground floor of plot No. C-14, N.D.S.E. Part-II, N. Delhi. Area 229 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquiistion Range-III, New Delhi.

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/895.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

239/9, Bhikaji Cama Place,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC. ACQ.III,

New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linerument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of praction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kul Parkash Chandra,
 DLF, Industrial Area Najafgarh Road,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) Mast. Rajan Chadha, C-117, Anand Niketan, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 239/9, Phikaji Cama Place, New Delhi, Arca 304, sq. ft.

SUNII. CHOPRA
Computent Audiority
Inspecting Assistant Commission (**) Incommiss,
Acquiistion Range-III. New Orlhi.

Onte: 10 12-1985 Seat :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Sneh Tiwari, R/o F-68, Green Park, New Delhi.

 Mr. Ved Parkash Chanana, 19/3, Pant Nagar, Jangpura, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/896.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. H-6, Masjid Moth, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

J.A.C. Acq. III, New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceilment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19.77);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same manning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. H-6, Masjid Moth Residential Scheme, New Delhi

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1985

 M/s. Kaushalya Educational Trust Throuh Shri Vivek Kapur Trustee, 11/4-8, Pusu Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) It. Col. J. B. Kuchal, 108, Basant Enclave, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI HOUSE, 4,14A ASAI: ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III 3711 4-85/897.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

6. Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi

6. Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than them per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer was agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to vay tax under the said Act, in respect of any meaning from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be elselosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the induce of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor Unit 'C' of No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 690 sq. ft.

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Kaushalya Educational Trust Through Shri Vivek Kapur, Trustec, 11/4-8, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar & Shri Rakesh Gulati, 984/7, Mehrauli-2 T-1, Chirag, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. 1AC/Acq.III/37EE/4-85/898. -Whereas, 1. SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

6, Kalshalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961 in the office of the

I.A.C. Acq. III. New Delhi on April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concea ment of any income or any moneys or other same which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the adian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1977).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement of unit 'C', in No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 635 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 10 !2 1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.111. 37EE/4-85 '899,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1.00,000/- and bearing No. 6, Kalshalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. Acq. III, New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the Ensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 192: (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Kaushalya Educational Trust Through Shri Vivek Kaput, Trustee, 11 4-8. Pusa Roa, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaya Jaitly, 26, Tughlak Crescent, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit 'E' Hat No. 105, in No. 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 720 sq. ft.

> SUNII CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

=- --- --

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. M. Balakiishnan (Retd.), 18-A, Dr. Coyajec Marg, Pune-411001,

(Transferor)

(2) Mr. T. Ramachandran, D-I/183, Satya Marg, Chanakyapuri, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ACGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/4-85/900.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H-103, Sem Vihar, Sangam Marg, R. K. Puram situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

in the office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. H-103, Som Vihar, Sangam Marg, R. K. Puram, New Delhi. Area128 sq. mtrcs.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act to the following DOESONO. TRUNKY :---

Date: 10-12-1985

FORM ITNS----

 M/s, Ram Kishan Associates Pvt. Itd., E-31, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Ahuja S/o Shri O. P. Bhatia, W-79A, Greater Kailash-l, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/901.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 79, Killa No. 5 and 6 Mehrauli situated at New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.J. Acq. III, New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sain immor-able property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bigha 10 Biswa, Mustatil No. 79, Killa No. 4, 5 and 6 Mehrauli, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-->
114-416 GI/85

Date: 10-12-1985

FORM ITNS----

10 ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/904.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. C-61, Prect Vihar, House Bldg. Society Ltd.,

situated at Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

I.A.C. Acq.III, New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of may become arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not. I hereby initiat: proceeding: for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely : -

(1) Shri Madhu Sudan Gupta, Smt. Nirmal Gupta, Smt. Shashi Gupta, Smt. Deepa Gupta, all R. o. 22/37A, Sir Shanmugam Chettiar Road, R.S. Puram, Coimbatore, (Transferor)

(2) Shri Subhash Chand Jain, Mr. Jai Parkash Jain, Mr. Ashok Kumor Jain, Mr. Parmod Kumar Jain, Mr. Rakesh Kumar Jain,

all r/o C-7/9, Krishna Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-61, admeasuring 570 sq. yds, situated in the area of Preet Vihar, house building society Ltd., Delhi,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Delhi / New Delhi.

Date: 10-12-1985

FORM ITNB

(1) Bombay Builders (P) Ltd. 18 Comml. Complex Malcha Marg,. Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Radha Rani Bhadauria, 18-B, MIC Flat, Shaikh Sarai Phase-I, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19661 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE|4-85|5-85|913,--- Whereas I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the memovable

rransfer with the object of :--

oroperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 106, 19, Yusaf Surai, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the Registering Officer at 1.A.C. Acq. III, New Delhi, in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 106, (1st floor) at plot No. 19, Yusaf Sarai, New Delhi-16, in Oriental Apartments. Area 356.7 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.{II/37EE|4-85|5-85|915.--Whereas I, SUNII CHOPRA

being the Composent Authority under Section 269B of the reconserver Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the baid Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 101, 20, Community Centre, Yusaf Sarai,

situated at New Deihi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. III, New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Commercial Centre, Malcha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sona Ram Mehre. G-12. Masiid Moth. New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, (1st floor) in Oriental Apartments, 20, Community Centre, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 346.10 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII AGGARWAL HOUSI:, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. 1AC, Acq.H1 37EE, 4-95[5-85]916.—Whereas I.

SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

No. S-5, 20, Yusaf Sarai, No. S-5, 20. Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has ben transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of LA.C. Acq III, New Helhi in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideratem for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Oxford Engineers (P), Ltd., 18, Commercial Complex, Malchis Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baluja Shoe Co., B-27, Connaught Place, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. S-5, ground floor Oriental Apartment, 20, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 336.70 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi.

Date: 9-12-1985

AND THE RESERVE OF THE PERSON OF THE PERSON

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85|5-85|925.—Whereas I, UNIL CHOPRA,

seeing the Competent Authority under Section 269B of the same way her, 1961 (4.) of 1961) (heremafter referred to as the said Act.) have reason to bolieve that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

No. 207,19, Community Centre, Yusaf Sarai, situated at New Dolh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. Acq. III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the and pattern of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andice
- (b) tacilitating the concentment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Flat No. 207, (2nd floor) in Oriental Apts., 19, Community

Centre, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 387.51 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Bombay Builders (P) Ltd., 18, Community Complex, Malcha Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shashi Puri, 3/19, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Thapter

Date: 9-12-1985

FURM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVRENNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/4-85|926,....Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 303, 19. Yusaf Sarai, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. Acq. III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomati: Enciave, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s. Sunglow International (P) Itd., 108, Jorbagh, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor in Oriental Apartments, 19, Yusuf Sarai, New Delbi. Area 395 17 sq. ft.

SUNIL CHOPRA Computer Authority Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Dibi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.---

MODICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE MICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IH AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI TROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/4-85/1090.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

R. Fish 500 - and bearing No. 201, 201 Must Sarai, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C Acq.III, New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets winch have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

- (1) Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Marcha Marg, Comm. Comelox, Diplomatic I nelave, New Delhi.
- (Transferor) I. Mrs. Molly Midha, 19 Kirbi Place
 Jessore Circle, Dahi Cant New Delhi

 Mis. Nirmal Bleggana, F-71, 1st floor, South

 - Extension-I, New Delhi
 3. Mrs. Nandi Bhalla,
 223. SFS, DDA Flats Hauz Khas, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 01, 2nd floor, in O iental Apar'ments 20 Yusaf Sarai, New Delhi, (Area 404.51 sq. ft.).

> SUNIL CHOPRA Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 10-12-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Builders India (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Faclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Baluja Shec Co., B-27, Connaught Place, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/4-85 (10-85)11091.— Whereas I. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and beating No. Shop No. 5-6, 19. Yusuf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. S-6, Ground floor 19, Yusuf Sarai, New Delhi. Area 675.90 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manufacture.

Date: 9-12-1986

Seal:

115-416 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE|(4-85/10-35)|1092,— SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
A-9, Naraina Resi. Scheme, situated at New Delhi has been transfered under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the Office of the

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocated by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Aditya Datt. 11 B. Rajinder Park, Pusa Road,

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Khanna & F-114, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot 800 sq. yds. A-9, Naraina Residential Scheme, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION R.\NGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1985

1AC/Acq. III/SR-II/4-85|2567.--Whereas I, No. Ref. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

BL-41, Block L. situated at Hari Nagar, Village Tehar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

(1) Smt. Harl Devi Grover w/o Shri S. M. Grover, r/o BL-41, Block L, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ram Saran Dass Sharma s/o Pd. Pokhar Dass,
2. Smt. Amarjit Sharma w/o
Ram Saran Das Sharma,
r/o WZ-242-A, Virender Nagar,
1/o WZ-242-A, Virender Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid perions within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. BI-41, mg. 200 sq. ydy, et L-Block, Hari Nagar, Village Tehat, New Deshie

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Com alsooner of Income-tax Acquisition Range-HI, Delhi New D lhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely :-

Inte : 5-12-1985

deal:

(1) Sh. Gurcharan Singh Giani r/o F-8. Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Kumari, 1/0 WZ-161, Varınder Negar,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/4-85|2568.-Whereas I, SUNIL CHOPRA,

sunit chopped the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 2L-11, 'G' Block, Hari Nagar, situated 'at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. GL-11. measuring 533, sq. yds. 8t 'G' Block, Hari Nagar, Vill. Tehar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Date: 2y-11-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 174 A. ASAT ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Ac.III/SR-II/4-85/2569.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 43, Magi Pur, Puniabi Bagh.

situated at New Delhi

>

that III -SEC. 1]

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of conster with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the wid act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the atoregaid property by the issue of this notice under sub-section 111 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sh. Ram Nath Vij s/o Sh. Faqir Chand, r/o 18/20, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rakesh Vaid s/o Sh. Jagan Nath Vaid, r/o 18/20, Rajinder Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S.S. House on plot No. 43, on West Avenue Road, Punjabi Bagh, area of Vill. Madipur Delhi State. Delhi, mg. 555.55 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II|4-85|2578.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. C-56B, situated at Indeport, New Delhi

C-56B, situated at Indeport, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) iscalitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which cught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the stid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following permots, namely:—

(1) Smt Parkush Devi w/o Shri Jaswant Rai Madan. r/o C-7, Vikaspuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar s/o Shri Mehar Chand, r/o C-56B, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Canastra.

Explanation:—The terms and expressions used lagrein as:
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

C-56B, constructed on haif portion of plot No. C-56, measuring 364-11/13 sq. yds. situated in the area of village Naraina, in the abadi of Inderpuri, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Comretent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-II|4-85|2571.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1.7/20, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishan Lal s/o L. Bal Chand r/o J-7/20, Rajouri Garden, New Delhi.

(Fransferer)

(2) Shri Tarlok Chand s/o Mchanga Ram and Sarla Devi w/o Shri Shori Lal both r/o J-7/F-80. Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J-7/20, Rajouri Garden, New Delhi 143 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 29-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II|4-85|2572.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
J-12/63, situated at Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans fer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Kamla Devi wd/o Ram Parkash,

- 2 Kanta Duggal, w/o R. N. Duggal, 5-A/85, NIT, Faridabad.
 3. Shanta Dhawan, 4* Ravi Malhotra
 5 Industrial Problem

- 5. Inder Prabha 6. Lekha Bhasin
- 7. Shashi Arora C-A/13, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nisha Gupta w/o Shri Arvind Kumar, 182, Katra Baryan, Fateh puri, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Correirs

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

J-12/63, Rajouri Garden, New Delhi measuring 200 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

ryow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said nct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 29-11-1985

FORM ITNS----

AND A THE ASSESSMENT OF THE PARTY OF THE PAR

NIMICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4714-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. 12 C A.q. III-SR-III-4-85|2573.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

FA-1 10 Inderpuri, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) Shri Sampuran Singh 8/6 Jaswant Singh, 17/0 FA-1/10, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajesh Gulati sco-Sh. R. R. Gulafi, & R. P. Gulati, ss/o. Sh. N. I. Gulati, r/o. 7A/9, Channa Market, Karol Bagh, New Dothi S'Mandi, L. Hi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property EA-1/10, Indeputit, New Delhi. measuring 250 sq. yds. Khasra No. 1609.

> SUNTL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely

116-416GT/85

Date : 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 1/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR·II[4-85]2574.—Whereas I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. I.BL-00. Kh. No. 872 and 877. Hari Naçar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property, and 1 have reason

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. R. P. Rhaskar s/o Sh. Hoti Lal. B. L.-90. Hari Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. I. P. Tuteja s/o S.R. Tuteja, BL-90, Hari Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. LBL-90, built on freehold plot No. B-L-90, on area 206.6 sq. yds. part of khaera No. 872, and 877, of Hari Nagar. New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-12-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

. Partie in the property forms of the great state of the second st

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Roshan Lal Aggarwal, 1/0 24/52. Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) I Pritam Singh Gurbachan Kaur
 Master Harpreet Singh. 24/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. LAC SUNIL CHOPRA, LAC, Acq. III/SR-II|4-85|2575.—Whereas 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 24/52, Punjabi Bagh, identify at New Pulls.

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unde Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration meretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herely to defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 24/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1985

Mention and Ministry Transport of the Street Control of Transport Transport Transport Transport Transport Transport

FORM ITNS-

(1) Chander Kanta Sibal, A-208, Janak Puri, New Delhi.

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) New Delhi.

(2) 1. Sh. Quidayal Mebra Sco. Sh. Kishan Chand Mehra and 2. Sint. Satish Mehra w/o wyo Sh. Gurdyal Mehra, 170 57/1787, Naiwala, Karol Bagh,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/11-A. ASAF A).1 ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC. SUNIL CHOPRA, IAC Acq. III/SR-II]4-85,2576.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 208, Block No. A-2, Pankha Road, situated at New Deihi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und for
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

wow, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 208, Block No. A-2, Pankha Road, Res. Scheme, New Delhi. mg. 231 sq. mtrs.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

Scal.

FORM ITNS

NOTILE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Nev Della (2) Sh. Kinnal Kumar Sama s. o.

(1) Sh. Nirmal Singh & Kuldip Singh, 88/0 S. Thakat Singh, r/o B1/15-L. Block Huti Nagar,

(Transferor)

Sh. Krishan Lal. 1/o E-58. Tagore Garden, Exten., New Delhi,

(Transferoe)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION KANGLAIII, AGGARWAI TIDUSE, 1 14-A. ASAU ALI ROAD. NEW DELFII

New Delin, the 6th December 1985

Ref. No. LAV. Acq. HL SR-II, 4-85-2577.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and beating No. WZ 109-1. Days Nagar, situated at New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Debt on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the law market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfets andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. WZ-409 I, part of Khasra No. 1499, plot No. 31, mg, 240.11/18, sq. yds. at Janak Park, Hari Nagar, New Delhi. area of vill. Tihar Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II|4-85|2578.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 73-A and 74 Vill. Jawala Heri, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and between

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferent to pur tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the enid Act, to the following persons, manualy:—

 Shri Jagdish Kumar Gupta 8/0 Nasib Chand Gupta, r/o H. No. 15 road No. 29, Punjabi Bagh, New Delhi.
 Sh Dalip Kumar Kapoor 8/0 Sh. Acharaj Lal Kapoor, r/o H. No. 9, Block No. 28, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjay Kumar Jain s/o Sh. Mauji Ram Jain, 1/o 24, East Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plots of land bearing Nos. 73-A & 74 in block No. C, measuring 400 sq. yds. near Rohtak Road. Delhi, Kh. No. 4/9. Vill. Jawala Heri, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Date : 11-12-1985

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC SUNIL CHOPRA, IAC/Acq. 111/SR-11/4-85/2579.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H-93/1A. Shivaij Park, situated at New Delhi (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Jai 1al & Swarn Singh, ss/o Sh. Bharat Singh, r/o H-93/1A, Shivaji Park New Delhi.
- (2) Smt. Kanwal Bhandari w o Sh. Ashok Kumar Bhandari, r o \$-10. Shivaji Park,

(Transferee)

(Transle or)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. H-93 '1A, measuring 143 sq. yds at Shivaji Park, New Delhi

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

6-12-1985 Date

Seal

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th December 1985

Rel. No. IAC SUNIL CHOPRA, 1AC/Acq, III/SR-II[4-85]2580,---Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4/55. Punjabi Bagh, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sn. Ram Parkash Thakral, co. 51/7, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kamakhya Prashad Agarwal, Co Bishmil Chabua, P.O. Dibrugarh. at present 6/55 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the curvies of metics on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chaoter

THE SCHEDULE

Plot No is on Road No 55 measuring 35 to sq. yds. situated at Punjabi Bagh, area of village Madiput Stale, Delhi

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC, Acq. III/SR-II|4-85|2582.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. ER/Shon 39 Inderpuri Extn., Vill. Naraina, without of Dalbi

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diten percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ame /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons namely (2)

117---416GT/85

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

- (1) Smt. Harjit Kaw. Sh, Surinder Singh, Sh. Mohinder Singh, 5/0 Sh. Pritpal Singh and Sh. Pritpal Singh 5/0 Sh. Nawab Singh, all r/c 32, Housing Society. New Delhi S.E. Part-1, New Delhi.
- (2) Smt. Kamlesh Rana w/o Sh. Pyare Lal Rana, r/o RA-52, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thinactice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. ER/Shop-39, measuring 200 sq. yds. situated at Inderpuri Extension area of Vill. Naraina, Delhi State,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 29-11-1985

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2583.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

9/65, Punjabi Bagh, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

(1) Smt. Savitri Devi W/o Sh. (Late) Basant Lal Aggarwal, R/o 3/14, Roop Nagur,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Raj Rani Berry

1. Shil. Rail Rain Berry,
2. Sh. Avinash Chander Berry,
3. Sh. Dharmendra Berry,
4. Sh. Bhupendra Berry,
5. Smt. Lata Berry,
6. Smt. Chitra Berry,

7. Smt. Shashi Berry. all R/o 3, Berry House, Tolly Ganj, Circular Road, Calcutta-53,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land No. 9, regd 65, mg. 279.55 sq. yds in class 'D' Punjabi Bagh, Village Madipur, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Malkiat Singh S/o Sh. Visakha Singh, R/o F-19/1-A, Varinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

Sh. Har Bhajan Singh, S/o Sh. Sajjan Singh, R/o QP 152, Pritam Pura, Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/S-II/4-85/2584.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

F-19/1-A, Virinder Nagar, Vill. Tehar, situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is. respect of any income arising from the transfer, and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income 01 may memora or other assets which have Bei or which ought to be disclosed by been transferee for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore,in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective postens. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official üszette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given is that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. F-19/1-A, measuring 150 sq. yds. At Varinder Nagar, Village Tehar, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2585.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. $1,00,000/\sim$ and bearing

No. 18/52, situated at Punjabi Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sardar Singh S/o Jaimal Singh R/o 18/52, Punjabi Bagh, Delhi

(Transferor)

(2) 1. S. Paramjit Singh S/o Ram Singh 2. Vikram Jit Singh

3. Rana Singh S/o S. Parmajit Singh, R/o D-14A/11, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person: whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Kothi No. 18 Road No. 52, Punjabi Bagh, Delhi. 881.85 sd. mtrs.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC / Acq111/SR-11/84-85/2586.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

peng the Competent Authority under Section 269B of the income-ten Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 45/25, Prehlad Pur situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

avew, uncreasers, in pursuance of Section 269C of the said ness. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid recoperty by the issue of this notice under missection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. Brij Mohan S/o Sohan Lal, Vill Charkhi Dahri, Distt. Bhiwani (Haryana).

(Transferor)

(2) M/s, Recco Allays (India) (P) Ltd., Chowk Motia Khan, New Delhi through its M/Director Sh, Purun Chand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas 2 Bishwa No. 45/25, (2-16) 52/4 (3-6 Vill. Prehlad Pur, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Lachhman Singh. R/o 37 W. A. Road, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Nand Singh, 2. Jasbir Singh,

3. Gurbir Singh,

R/o 30/73, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. IAC/Acq111/SR-4/4-65/2587.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

SUNII. CHOPRA, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37, W. A. Road, Class 'C' Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Cumst.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given int Chapter.

THE SCHEDULE

37, W. A. Road, Class 'C', Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asssistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :--

Date: 13-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2588.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RA-74, Kh. No. 1610, Inder Puri Extn., No. 2, with the last Public Pub situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- A. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Sint. Shobha Gupia R/o RA-74, Inder Puri, New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur R/o 1974/9, Chuna Mandi, Pahar Ganj New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Mpl. No. RA-74, out of khasra no. 1610, situated in the area of village Naraina, in the abadi of Inder Puri Exta. No. 2, an approved colony, N. Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 29-11-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2589.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-13/23-D, Vill. Tatarpur, C/99, Kh. No. 539, Fatch Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

1a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fallowing persons, maruely:—

(1) Sh. Ujagar Singh Uppal R/o 113/23-D, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sita Sons, at 502, Haiderkuli Ch. Ch. Delhi. through its partners Sh. Ram Porkash Chandhok, Sh. Madan Lal Chandhok, Smt. Shashi Bala, Smt. Sudesh Chandhok and Smt. Veena Chandhok.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. Property No. J-13/23-D. measuring 200 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ADDITION COMMIS-MONRE OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2590.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
D-70 situated Fatch Nagar, New Delhi.
(and mere fully described in the Schedule annuel hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on April, 1985

nas been transferred times the Registration Act, 1906 (1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of quanties with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

118—416GI/85

(1) Subhash Malik S/o Shri Ram Nath D-0, Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 1. Smt. Rajender Paul Kaur W/o Shrì M. J. Khurana
 2. Sh. Satinder Pal Singh S/o Shri Amar Singh R/o G-145, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Camette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said heat, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-70, measuring 200 sq. yds. Fatch Nagar, Village, Tehar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, he 6th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2591.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-201, Hari Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the

nas been insisteried that the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mohinder Singh, C-201, Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Saroop Singh, C-201, Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-201, measuring 200 sq. yds. at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi village-Tehar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2594.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12, Madi Pur Colony, Known as Punjabi Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Gurbachan Singh S/o Sh. 9tma Singh, R/o 12, West Avenue, Punjabi Bagh,

(Transferor)

(2) Sh. Dharma Pal Maini & Sons (HUF) through Karta Sh. Dharam Pal Maini R/o R-125, Maya Puri Phase-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold property no. 12, meas. 279.55 sy, yds on Road No. W. A. class 'D' situated in the area of vill. Madipur colony known as Punjabi Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, he 6th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2595.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-wax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 95, Vill. Tihar

Plot No. 95, Vill. Than situated at New Delhi (and Elore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :-

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Rakeah R/o WZ-115/A, Meenakshi Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Laxmi Narain Arora, R/o 7/31, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertigued---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 95, vill Tihar, New Delhi. Area 203 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85, 2596.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
C/99, Kh. No. 539, Fatch Nagar,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on April, 1985
for an apparent, consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (1) Subhash Chander, Ashok Chopra, Lalit Chopra sons of Bansarsi Lal. Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Nainjan & Inderjit Singh, & Rajinder Kaur, R/o A-3/81, Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this nutice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by my other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evastor of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

C/99, Kh. No. 539, 200 sq. yds. Fateh Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely:P—

Date: 6-12-1985

Scal :

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/4-85/2597.—Whereas, i, SUNIL CHOPRA,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have re son to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5/181, Subhash Nagai, situated at New Delhi faud more fully described in the Schedule annexed hereto),

fauld more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16.1) 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the law market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Maya Devi W/o Sh. Boota Ram through General Attorney Sh. S. Arjun Singh, S/o S. Bishan Singh, R/o A-2/50, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor

(2) S. Avtar Singh,S/o S. Mohinder SinghR/o 5/191, Tehar I, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as . are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built leasehold property on area 100 sq. yds. No. 5/191, Tehar I, Subhash Nagar, New Delhi,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 11-12-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/.\cq111/SR-11/4-85/2598.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/180, Subash Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at construct with the consideration with the consideration with the consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Subhash Chander R/o 8-A/2, Geeta Colony, Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Jai Dev S/o Sh. Chuni Lal R/o 1/(80, Subhash Nagar, Tihar-I, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/180, Subhash Nagar, New Delhi. area measuring 100 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Respectite
Delhi/New Delia

Date: 13-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Rcf. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2599.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Rd. No. 70, Punjabi Bagh, situated at Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Parketterion Art 1008 (16).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Jagir Singh S/o Uttam Singh, 10/70, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Chaman Lal, S/o Muni Lal, 61/6, Ramjos Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transfer**ec)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined-in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10. Rd. No. 70. Punjabi Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition R nm-HI Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

Sead:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi. (2) Shri Satinder Kumar S/o Shri Gobind Ram R/o 5/57, Tilak Nagar, New Delhi.

R/o 17-40, Punjabi Bagh,

(1) Smt. Neelam Grover,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEI HI

New Delhi, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-11/4-85/2600.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/59 and 60 situated at Tilak Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any lacence arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other anets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Or. No. 5/59 and 60, mg. 124 sq. yds. situated at Tilak Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--119---416GI/85

Date: 13-12-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-II/4-85/2691.--Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Qr. No. 5/57, and 58, Tilak Nagar, situated at New Delhi (and reason fully described in the Schedule approach beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

(1) Sh. Satinder Kumar S/o Sh. Gobind Ram, R/o 5/67, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anita Grover, R/o 17/40, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transfer (C)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Or, No. 5/57, and 58 measuring 128 sq. yds. situated at Talak Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA |

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-III/4-85/1040.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-max Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immaovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. (T-1) Green Park Extn., New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, huby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Kamal Kanta M. A., D/o Pt. Jai Kishan Zutshi
W/o Sh. M. K. Kaul then
R/o Quarter No. 16-A, Meteorological Department Quarter, Lodhi Colony, New Delhi now R/o 61/1, Manmohan Bldg. Yusuf Sarai, New Delhi-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Nırmala Jain W/o Sh. Jai pal Singh Jain R/o 12/8, Yusuf Sarai, New Delhi and and Mrs. Bimla Devi Gupta, W/o Sh. Laxmi Chand Gupta, R/o 201, Gautam Nagar, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing piece of land bearing plot No. 1, Block 'Y' (T-1) measuring 203, sq. yds. situated in the Block Y (T-1) measuring 203, sq. yds. situated in the Residential Colony known as Green Park Extension in the Revenue Estate of Yusuf Saral, at Delhi-Kutub Road New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-JII Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1985

NOLICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Dina Nath, R/o D-IA/56, Janak Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Vasdev Shawani, R-535, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-I/II/4-85/1041.—Whereas. I, SUNIL CHOPRA,

sunt. Chopra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/42. Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Govt. built Original quarter asbestos sheets, bearing No. 7/42, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 6-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqiii/SR-III/4-85/1041-A.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section $\iota(1)$ of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Kulwant Singh, Daler Singh, S/o Bhola Singh, Waryam Singh S/o Khushal Singh, R/o Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pradeep Kumar S/o Sh. M. R. Mittal, R/o B-2/62, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 775 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 776 (4 bighas and 16 biswas), Kh. No. 806 (3 bighas and 11 biswas), Khasra No. 807, (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 808 (4 bighas and 16 biswas Khasra No. 809 (4 bighas and 16 biswas) situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 12-12-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/4-85/1041B.—Whereas, I, SUNIL GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the inthrovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kh. Nos. 810, 811, 812, 813 Village Chhattarpur situated at Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and het the consideration for such transfer as agreed to between the transferois and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any measure or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Kulwant Singh, Daler Singh, Sons of Bhola Singh, Waryam Singh, S/o Khushal Singh, R/o. Village Chhatrarpur, Tehsil Mearauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar son of Sh. M. R. Mittal, Ro. B-2/62, Safdariang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 810 min (2 bighas & 8 biswas), 833 min (2 bighas and 9 biswa), Khasra No. 811 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 812 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 813 4 bighas and 16 biswas) situated in Village Chhattarpur, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/4-85/1042.—Whereas, I, SUNIL GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/34, Ramjas Road, Karol Bagh, situated at New Dellicand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 c)

No. 52/34, Ramjas Road, Karol Bagh, situated at New Delle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ct 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kuldip Singh, P./o. 52/34, Ramjas Road, W.E.A. Karel Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Chand Goel, S/o 47/4722-23, Pengar Pura, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The forms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold land with ringle storeyed building No. 5234, Ramjas Road, Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi, Measuring 256 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi,

Date: 12-12-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Yash Pal Sethi & Others 148-A, Sunlight Colony, (DDA), New Delhi.

(Transferce)

(2) Shri Ghansham Dass Sharma, Bunglow 145, Sector 19-A, Chandigarh-160019. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/4-85/1403.—Whereas, I, SUNIL GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

no said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-28. NDSE Part II. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an appearent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market salue of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay the transfer respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The terms and Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

K-28, NDSE Part-II, New Delhi. (Double storeyed) 200 Sq. Yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Delhi/New Delhi. .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 28-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/4-85/1043A.—Whereas, I, SUNIL GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Musta il No. 33 vituated at Vill. Mehrauli, Tehsil Meh-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ₩zŧont, hamery 120-416GI/85

(1) Shri Ramesh Gupta & Janak Rani, R/o B-7/117-A. Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ashish Gupta (Minor), S/o Sh. Saiyanarain Gupta & Vikas Gupta (Minor), S/o. Sh. Gian Chand Gupta, R/o. S-334, Greater Kailash-I, New Dalhi

2. Sachin Gupta (Minor) S/o Sh. Satish Kumar Gupta. R/o. E-274, Greater Kailash I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aconisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the verticely persons whichever period expues tater:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as The terms and expression uses and Act, are defined in Chapter NNA of the said Act, shall have the second as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 9 biswas, Mustatil No. 33. Killa No. 371, 4 bighas and 8 biswas, Mustatil No. 33, Killa No. 13/1, 4 bighas and 16 biswas, Mustatil No. 33, Killa No. 12, 4 bighas and 16 biswas, Mustatil No. 33, Killa No. 9, in village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-12-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985 -

Ref. No. IAC/AcqIII/SR-III/4-85/1044.--Whereas, I, SUNIL GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. K-98 Harr Khas Englave situated at New Delhi

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. K-98, Hauz Khas Enclave situated at New Delhi at New Delhi in April, 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than eaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Ram Partap R/o K-98, Hauz Khas, New Dlehl, Now residing at C-2, Swami Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Satinder Dev Tewari, S/o. Late Shri Shiv Dayal Tewari, 2. Mrs. Sneh Tewari, 3. Sh. Sanjay Tewari All R/o F-68, Green Park, New Delihi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property beaing No. K-98, Hauz Khas Enclave New Delhi, measuring 500 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 10-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, BOMBAY

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. ARb-II/37EE. 18927/84-85/1044-A.-Whereas, 1, SUNIL GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Kh. No. 1215 & 1216, Vill. Chhattarpur, situated at Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 oi 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating bte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, massely :--

- (1) Ram Chander, Ram Singh, Phool Singh sons of Nathua, R/o Village Chhattarpur, Tchsil Mehrauli, New Delhi.
- (2) Shri Sanjay Sharma, S/o Shri P. C. Shaama, Smt. Shashi Sharma W/o Sh. P. C. Sharma, R/o. W-94, Greater Kailash-I New Delhl. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 baghas and 16 biswas, Khsara No. 1216 and 4 bighas and 1 biswas, Khasra No. 1215, situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delri.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 12-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sushila Agarwal, Birla Mills, Delhi-7.

(Transferor)

(2) M/s. Evergreen Sweet House, S-38, Green Park, New Delhi.

(Tranfesree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUDE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/4-85/1046.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
No. G-55, Green Park situated at New Delhi
(and more fully desc. b d in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer

at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey, old build house No. G-55, Green Park, New Delhi 200 sq. yds

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by an issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/4-85/1046A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 1213, 1212/1, 1212/2, 1214, 1202, 1209 cituated at Village Chattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the contestment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Ram Chander, Ram Singh, Phool Singh, 58/0 Nathua, r/o village Chattarpur, Tehsil Metrauli, New Delhi.

- 1. Ram Lal Sahni S/o Chandi Ram Sahni,
 2. Sharwan Kumar Sahni
 S/o Ram Lal Sahni,

 - 3. Subhash Sahni,
 3. Subhash Sahni,
 S/o Ram Lai Sahni, all resident of 42-A,
 Friends Colony, East Mathura Road,
 New Delhi, (1/2 share), and
 4. M/s. Kaushlya Farms (P) Ltd., E-8,
 N.D.S.E.I., New Delhi, through its Directors
 Yashpal Mehra, C. L. Mehra, and
 Ashwani Kumar Mehra (1/2 share).
 (Transfel

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Kh. No. 1213 (4 bighas and 16 biswas), Khasra Nos. 1212/1 (0 bighas and 8 biswas), 1212/2 (4 bighas and 8 biswas), Khasra No. 1214 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1202 (4 bighas and 18 biswas), Khasra No. 1202 Khasra No. 1209 (0 bigha and 21 biswas), 1210 (4 bighas and 11 biswas) situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax ing Assistant Commissioner of the Commissioner Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/4-85/1046B.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Kh. No. 1225, 1197, 1226/2, 1240/2/2, situated at Village Chattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betseen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlifts of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Ram Nandi w/o Pokher Singh for self and as natural guardian of her minor son Jitender s/o Pokher Sinch, Ram Singh, Daya Nand ss/o Prabhu, all r/o village Chattarpur, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Ram Lal Sahni S/o Chandi Ram Sahni, 2. Sharwan Kumar Sahni S/o Ram Lal Sahni,

3. Subhash Sahni, S/o Ram Lal Sahni, all resident of 42-A,

Friends Colony, East Mathura Road,
New Delhi, (1/2 share), and

4. M/s. Kaushlya Farms (P) Ltd., E-8,
N.D.S.E.I., New Delhi, through its Directors
Yashpal Mehra, C. L. Mehra, and
Ashwani Kumar Mehra (1/2 share).

(Tranfesree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 1225 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1197 (4 bighas and 16 biswas), Khasra Nos. 1226/2 (2 bighas and 16 biswas, 1240/2/2 (3 bighas and 0 biswas), situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-11-1985

and the same of th FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/4-85-1046C.--Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

roperty flaving a ran market value of the property flaving a ran mar Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the falr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in triate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following eersons, namelv:--

- (1) Jitender (Minor) s/o Pokhar Singh, through his mother and natural guardian Smt. Ram Nandi w/o Sh. Pokhar Singh, Ram Singh, Daya Nand ss/o Sh. Parbhu, all c/o village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New (Transferor)
- Ram Lal Sahni S/o Chandi Ram Sahni
 Sharwan Kumar Sahni S/o Ram Lal Sahni,
 - Subhash Sahni, S/o Ram Lal Sahni, all resident of 42-A.

Friends Colony, East Mathura Road,
New Delhi, (1/2 share), and
4. M/s. Kaushlya Farms (P) Ltd., E-8,
N.D.S.E.I., New Delhi, through its Directors
Yashpal Mehra, C. L. Mehra, and
Ashwani Kumar Mehra (1/2 share).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Agricultural land bearing Khasra Nos. 1205/1/1 (0 bigha and 19 biswas 1205/1/2 (2 bighas and 5 biswas), 1205/2/2 (1 bigha and 12 biswas), Khasra No. 1199 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1204 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1285 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1195 (4 bighas and 16 Biswas), Khasra No. 1286 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 1200 (4bighas and 16 biswas), village Chhattarpur, Tehsil Mehruali, New Delhi.

SUNTL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 12-12-1985

Scal:

FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nehpal, Gan Chand, Khazan, ss/o Saroopa, Smt. Khazani, Vidya, Beero d/o Saroopa, Nihali, Gulabo ooth W/o Saroopa, r/o village Ghitorni, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)

(2) Trishla Jain, w/o Mohinder Kumar Jain, r/o D-1-A, Green Park, New Delhi.

(Transferes)

Olffice of the inspecting assistant commissioner of income-tax.

ACQUISITION RANGE-IF AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. AC/Acq-II/SR-III/4-85/1047A.—Whereas, L SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khasra Nos. 177 220, 224, situated at Village Ghitorni Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubfication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 1815.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 177 (4 bighas and 16 biswas) Khasra No 220 (4 bighas and 16 biswas), Khasra No. 224 (4 bighas and 16 biswas), situated in village Ghitorni Tehsil Mehrauli, New Delhi.

GUNH. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/4-85/1048A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000.— and bearing No. Mustatil No. 10, Killa No. 9 & 10 situated at village Mehrauli

Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer, und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act, I hereby initiate procuedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following wersom: namely:—

(1) S/Sh. Jagdish Mukhtiar Singh ss/o Ch. Narain Singh, r/o village Masoodpur, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Gupta S/o Shri J. K. Gupta r/o B-7/117-A, Safdarjang Enclave New Delhi and Sh. O. P. Nagpal S/o Shri T. D. Nagpal, R/o 19, Basant Enclave, Palam Marg Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 10 biswas and 4 bigha 16 biswas of Mustatil No. 10, Killa No. 9, & 10 in village Mchrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-11-1985

Scal:

121--416GI85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.HI/SR-HI/4-85/1048.—Whereas, I SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

and bearing No.

Mpl. 5734 & 5735, K. Bagh, situated at New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(e) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gauri Shanker S/o Shri Duli Chand, r/o 2571, Basti Punjabiyan, Old Subzi Mondi Delhi & Sh. Tara Chand S/o Sh. Bilasrai r/o 21/35, West Patel Nagar, N. D. & Radhey Shyam S/o Shri Roor Mal r/o 787, Kishandutt Gali, Subhash Road, Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Amar Singh Verma S/o late Shri Rura Ram, r/o A-3/302, Paschir Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Double storey, Pacca built house bearing Mpl No. 5734 & 5735 Ward No. 16, Gali No. 81, undivided lease held land measuring 75 sq. yds. undivided Kh. No. 604 Khewat No. 1 min. Khatuni No. 87, situated in Block A Basti Rehgar, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-4, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. AC/Acq.III/SR-III/4-85/1049.—Whereas, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

27, Block-C, Green Park, Extension situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the id instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :---

(1) Smt Sabita Dass, r/o C-27 Green Park, Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Mal Singhvi S/o Shri Prakash Mal Mrs Sushil Singhvi r/o E-65, South Extension Part-I, New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire first floor part property bearing No 27, (Double storeyed) Block No. C measuring 1445.25 st ft, total measuring 312 sq. yds. ni Residential Colony known as Green Part Extension, New Delhi.

> SUNIL CHOFRA Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-11-1985

Scal :

(1) Shri Darshan Lal 4-A/31, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok & Kanwal, 4-A/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, AGGARWAL HOUSE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|4-85|1050.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Qr. No. 4-A/40, Old Rajinder Nagar, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than infiteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195!)) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 4-A/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, AGGARWAL HOUSE, NEW DI-LIN

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC Acq.III/SR-III/4-85|1051.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. H-43, Green Park Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed by between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concea ment of any income or any moneys or other ame s which have not been er which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Pradeep Kumar Kapoor, R/o 6/28, Shanti Niketan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chiranji I al Jaio, Smt. Mridula Jaio, (Master Sanjoev Jain, Master Deepak Jain (Minors) R-o. X-5, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Mool Chand and others. (Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-43, Green Park Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 28-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, AGGARWAL HOUSE, NEW DELHI

New Dolhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq,JII/SR-III/4-85|1052Λ,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mustatil No. 54 Killa No. 7 (4—16). 14 min (1—16)), 4(4—16), 3/1 (0-18) situated at Vill. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising frees the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which each to be sticlesed by the transferse for the purposes of the ridian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the trid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedints for the acquisition of the aforesai deproperty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Phool Bindra w/o. Sh. N. K. Bindra, R/o L-34, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Khosla S|o. Shri B. P. Khosla, R/o B-3/48, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas and 6 biswas, bearing Mustatil No. 54, Killa No. 7(4-16), 14 Min (1-16), 4 (4-16), 3/1(0-18), situated in Village, Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 12-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/4-85/1053.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-5A, Hauz Khas situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tiffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tes Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri O. P. Mahindra s/o Late Sh. Kanta Ram Mahindra, r/o C-14, South Extension-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Samir Dhindra through his father and natural guardian Sh. A. D. Dhingra, r/o 50, Tivoli Court Ballyganj, Circular Road, Calcutta-700019.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. A-54, measuring 433 sq. yds. at Hauz Khas, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 9-12-85

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ram Gopsl seo late Lala Ram Dass. 25 'C, Royd, Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi. r/o 166, Block A-I, Safdarjung Resi. Scheme, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. JII/SR-III/4-85/1055,-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 166, I-A, Safdarjang Res. Scheme situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2, Share in property No. 106, Block I-A, Safdarjung Res. Scheme, New Delhi. Measuring 303, sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/Nev. Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following петвопя, пате!у :-

Date: 12-12-85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S. Faqir Singh s/o late S. Singh, r/o 14/14, Tilak Nagar, New Delhi.
 S. Wazir Singh, r/o 19/2-B, Tilak Nagar, New Delhi.
 Smt. Gurcharan Kaur, r/o 13/10, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Bharat Estate & Builders.71, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1056.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2176, Chuna Mandi, Paharganj situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

7/8, undivided share in property bearing No. 2176, Street No. 1, Block No. 8, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi, measuring 186, sq. yds. Khasra No. 955-956/787, boilt on plot on. 9.

SUNIL CHOPRA
Complete that healty.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 12-12-85

(1) Smt. Shani Bai, 3/31, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1746 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Roshani Bai, 338, Arjan Nagar, Gurgaon (Hn.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITIÓN RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1058.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horninafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Qtr. No. 331, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collect of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 3/31, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-85

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/Acq 11I/SR-IJI/4-85/1059.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1048, Vill. Chhattarpur, Tchsil Mehauli, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927)

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Daljit Kaur, Flat 'L' Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Divya Khurana, 1/0 56, Gólf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas, Khasra No. 1048, with far mhouse, tubewell and other fittings and fixtures. Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111, Delhi/New Delhi

Date: 6-12-85

(1) Mr. J. D. Shelty.

FORM I.T.N.S.——

(1) Sh. Vijay Kumar Dhall, r/o 185, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. A. L. James s/o late Thomas Jomes r/o Jaiaw Shillong Meghalaya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ACGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1985

Ref. No. LAC/Acq 1H/SR-JII/4-85/1060.—Whereas, 1, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.049/- and bearing No.

A-41, NDSF Pt-II, New Delhi situated at New Delhi (and now felly described in the Schedule property)

A-41, NOSF Pt-II, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Construction made on second floor of house no. A-41, N.D.S.E. Part-II, New Delhi consisting of 4 Rooms, 2 bath rooms, 2 kitchen, one store, open terrace alongwith proportionate share of land underneath, Mimty on 2nd floor and also roof of second floor, built an plot no. A-41, NDSE Pt.-II, measuring 411 sq. yds. New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date: 29-11-85

Seal ;

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1061.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding

as the 'sala Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00.000/- and hearing No. Vill. Chatta pur, 'Tel-sil, Mehrauli situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annoxed hereto), has be a transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the Collect of the registering Officer at New Delhi on April 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cast of such apparent consideration and that the canade after to, such apparent consideration and that the parties has my been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bala Ram, 2. Sh. Vijay Kumar, 3. Sh. Om Parkash, 4. Smt. Basu Bai, all r/o 370 Villago Chattarpur, Tehsil, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. C. D. Agrawal, 2. Smt. Pushpa Agrawal, 3. Sh. Anup Agrawal, 4. Smt. Kalpana Agrawal, all r/o C-696, New Friends Colony, New Delhi. 5. Sh. Vipin Mahajan, 6. Smt. Meena Mahajan, r/o 19, Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi. 7. Sh. Yashdev Mahajan, 8. Smt. Sangeeta Mahajan, r/o 8-44, Greater Kailash-I, New Delhi. 9. Sh. I. S. Arora, 10, Smt. Nirmal Arora, A-75, Derawala Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a regiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 Bighas, 8, Biswas agricultural land comprised in Khasra Nos. 619/3(0-5), 619/4(0-15), 619/6(1-19), 619/7(4-16), 619/8(4-13), situated at Village Chattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi'New Delhi

Date: 13-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAS ACE, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1062.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the fund Act), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. 1/12 und/v/7 d shale of H. No. 3-444, Kh. No. 2967/1820 and 3015 1.314, G.fr. No. 3, plot No. 27, Basti Remain R. Sarsh M. Delhi

Bengar, A. Bagh, N. Delhi (and more tally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the Office of the registering Officer at New Dehil on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecast property, and I have reason to ballove that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Parmod Kumar Jain r/o 3363, Christian Colony, Karol Bagh, New Delhi through his duly constituted Gen. Attorney Sh. Gian Chand 8/o Sh. Chuttan Lal. (Transferor)

(2) Sh. Om Parkashji r/o 3444, Gali no. 2 & 3, Regharpura. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a poriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expères later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :--

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of H. No. 3444, measuring 50 sq. yds. (i.e. 1/2 of 100 sq. yds.) khasra no. 2967/1820 and 3013/2314, Gali No. 3 plot no. 27, block no. R, Ward no. XVI, Basti Reghar, Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-mx Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

New therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-85

FOLM ITNS

(1) Smt. Kala Wati & Mito Namada 1 o 23:041, Old Rajader Negat, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Jaspal Singh, r/o 2678, Bendon Pura, Karol Bach, Rew Colli-Grantferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/11-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-JII/4-85/1063.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tat Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

24/41, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and ! have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Incomp-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the nadersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gametos or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lattest-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nervia as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 24/41, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r of Incone Tax
Acquisition Range-III.
Dollar New 10 150

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, process; pr

Date: 11-12-85

THE HIGH UNDER SECTION 269D(1) OF THE J. 155 ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III SR-III/4-85/1065-A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ias Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Mustatil No. 10, Killa No. 11 & 20/1, situated at Village Mehran'i Tousil Mehranii. New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has be in hansferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1000). 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi oa April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ser cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad /or
- (b) facilitating the concentratest of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid respecty by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following metrone mamely :--

- (1) Asha Ram, Ram Phal, Mohinder Singh, Karter Singh ss/o Chandgi, R/o Village Masoodpur, Mehrauli, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Ramesh Gupta, Naresh Gupta ss/o Sh. J. K. Gupta Smt. Amita Gupta w/o Sh. Suresh Gupta, r/o B-7/117-A, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, it may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Mustatil No. 10, Killa No. 11 min East (2 bighas and 9 biswas), 12 min East (2 bighas and 12 biswas), Multatil No. 10 Killa No. 20/1 (3 bighas and 12 biswas) 11 min East (0 bigha and 12 biswas), 12 min East (0 bigha 12 biswas) situated at Village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
> Acquisition Renge-III
> Delhi/New Delhi

Date: 12-12-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1065B.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Kh. No. 1177(2-5), 1179 (1-33), 1091/1(1-0),

1088 (2-2), 1089 (2-4), situated at village Chhattarpur, Tehsil

Mehrauli New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparen consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I berely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namelv

123-416 GI/85

- (1) Om Prokash s/o Musaddi r/o Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd., 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, through its Director Sh. N. K. Bindra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 1177 (2 bighas and 5 biswas), 1179 (1 bigha and 13 biswas), 1091 (1 bigha and 0 biswas), 1038 (2 bighas and 2 biswas), 1089 (2 biswas & biswas) situated in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 12-12-85

(1) Karanjit Singh, 70, Regal Building, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rita Grover, Flat No. 201, R-1, Hauz Khas Enclave,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMUSSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. waichever period expires later,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/4-85/1069.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

> EXPLANATION:—The terms and expressi & used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, R-I. Hauz Khas Enclave, New Delhi situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of (---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oneht to be disclosed by the trunsferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, on Upper ground floor covered area 1005 Sq. ft. in building R-1. Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith one-eleventh, undivided land, viz. approx. 46,88 sq. yds. out of the total plot area of 515,77 sq. yds.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 28-11-85

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IV/4-85/1432.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and hearing No.

and bearing No.

1. Block-D, Jyoti Nagar, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on April 1985

New Deini on April 1963
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jit Singh S/o S. Bohadur Singh r/o 8/47, East Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) Sb. Kailash Chand Jain & Smt. Madhu-Jain R/o 2-P, Chandra Nasratpura, Ghaziabad, U.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and te expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House on plot No. 1, block D, measuring 411.7 sq. yds: situated at Jyoti Nagar, (East) area of village, Gokalpur, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Dated: 6-12-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 6th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-1V/4-85/1433.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2, Block D. Jyoti Nagar, Delhi State, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Surinder Kaur W/o Sh. Kuldip Singh, R/o 1183/B/1, Rohtas Nagar, Shahadra, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Neeru Jain W/o Sh. Naresh Kumar Jain, C/o Rubber Rolls & Plastic Enterprices, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot no. 2, block D. mg. 379.5 sq. yds. situated at Jyoti Nagar East area of Vill. Gokalpur, Delhi State Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Dated: 6-12-185

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/IV/4-85/1434.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-1/3, Krishan Nagar, sltuated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. O. P. Bhatnagar S/o Late Sh. Bal Mukand, R/o E-1/3, Krishan Nagar. Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Gupta, & Sh. Sudhir Kumar Gupta, E-14/5A, Krishan Nagar, Delhi-51,

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unacraigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-1/3, measuring about 273 sq. yds. situated at Village Ghondli, in the abadi of Krishan Nagar, Delhi-51.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :-

Dated 12-12-1985

Seal : :

FORM TINS

(1) Ahmed Miyan A. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sent. Aruna A. Mistry.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIT'ON RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16594/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 259B of the Impone-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Bldg. B-I Avadhoot Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed nercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tex Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Bldg. B-I Avadhoot Nagar, C.S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16594/84-85 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-12-1985

FORM LT.N.S.---

(1) M/s. Vaibhav Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. R. Shelar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. ARIV/37EE/16094/84-85.--Whereas, I.

Ref. ARIV/37EE/16094/84-85.—whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Louis, Apartment, 466, Shivisji Road, Dobiese (E) Rombay-68

transfer with the object of :--

Dahisar (E), Bombay-68, ituated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the remainder attent for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

Louis Apartment, 466, Shivaji Road, Dahlsar (E), Bombay-68. The agreement has been registeed by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16094/84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax; Acquisition Range-V, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subcertion: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-12-1985

Scal:

1-4-1985.

(1) Mrs. Geeta Vijay Anvekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

(2) Ashok Vasant Rege.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16473/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. B-12, Bldg. No. A-IV, Avdhoot Co.op. Hsg. Scty. Ltd. C.S. Marg, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B.12, Bidg. No. A-IV, Avdhoot Co.op. Hsg. Scty. Ltd. C.S. Marg, Dahlsar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16473/84-85 on 1-4-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Dated: 2-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Thakorbhai Desai & Sons.

(Transferor)

(2) Mr. Vikram R. Parekh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Eembay, he 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16170/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Amhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Shop No 5, Dhuai Apartments, Wamaniao Sawant Road, Maratha Colony Dahisar (E), Bombay-(8.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intercated in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Not 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Dhiraj Apartments, Wamanrao Sawant Road. Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16170/84-85 on 1-4

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely 124-416 GI/85

Dated: 2-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s, Kamal Builders.

(Transferor)

(2) Sh. C. K. Gogari.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16026/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 9, Nirmala Niketan, W.S.
Road Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecting per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the acduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, In respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor Nirmala Niketan, W.S. Road, Dahisar

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16026/84-85 on 1-4-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the sent Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

Dated: 2-12-1985

(1) Mr. D. S. Padwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. G. Thombie & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bomhay, the 2nd December 1985

Ref. ARIV|37EE|16336|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat G|10, B-1 Bldg. Shree Avdoot Co-op. Hsg. Scty.

Ltd., C. E. Road, Dahisar Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same n eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. C|10, Bldg. B-I, Shree Avadhoot Co-op Hsg. Scty, Ltd., C. S. Road, Dahisar (E), Bombay-68,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16336-84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 2-12-1985.

(1) M/s. Kamal Builders.

(Transfero :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. V. Savla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bomhay, the 2nd December 1985

Ref. ARIV/37EE/16525/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 15, 5th floor, Nirmala Niketan, W.S. Road,
Dahisar (E), Bombay-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is register under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-4-1985
for an apparent consideration which is less than the toic

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 5th floor, Nirmala Niketan, W. S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16525/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-12-1985

FORM 1.T.N.S.----

(1) M'. Dattani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. P. Pandhiyar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUIVISION RANGE-IV BOMBAY

Bomhay, the 2nd December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rel. ARIV/37EE/16450/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 3. ground floor, Nand Dham at Bhausaheb
Parab Road, Dahisar (W), Bourbay-68
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-fax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Nand Dham Bldg. at Bhausaheb Parab Road, Dahisar (W), Bombay-68,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16450/84-85 on 1-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

A Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 2-12-1985

(1) M/s. Dattano Associates.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishore Jamnasingh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUIVISION RANGE-IV **BOMBAY**

Bomhay, the 2nd December 1985

Ref. ARIV. 37EE/16138/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the hald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 12, ground floor, Nand Dham at Bhausaheb Parch Road Dahieur (W) Rombur-68

Parab Road, Dahisar (W), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1Objections, if way, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons. whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested is the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 12, ground floor, Nand Dham Bldg., Bhausaheb Parab Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16138/84-85 on 1-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 2-12-1985

(1) Shri A. P. Dodhia

(Transferor)

(2) Mr. K. M. Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16308/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. A/8, Gulistan Appt. S. V. Road, Dahisar (E), Plot No.
CTS. 1053, Dahisar (E), Bombay-68, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is register under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1.) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/8, Gulistan Appt. S. V. Road, Dahisar (E), Plot No. CfS. 1053, Dahisar (E), Bombay-68.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16308/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 2-12-1985

rusa re pasarente en arrente en ... FORM ITNS----

(1) M/s.Thakar Construction

(Transferor)

(2) Dr. Shailendra Kumar G. Goval

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIVI37-EF/16389/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1 lat No. 6, grd. floor Radhakrishan Aptt. S. No. 53, H. No. 2, 3 & 4, CTS. No. 1182/104, village Dahisar Tal Borivli RSD situated at Rombay.

B.S.D. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

authority at has been transferred and the agreement is register unda Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office to the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westle-Lax Apr. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PARI ANATION - The terms and expressions used herein no are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, grd. Floor Radhakrishna Appt. S.V. Rd., Sl. No. 53 H. No. 2, 3, 4, C.T.S. No. 1182/104, Village Dahlsar Tal Borivli B.S.O.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/16389/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Gompetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated : 2-12-1985

(1) Mr. V. S. Vishwanathan

(Transferor)

(2) Smt. Ha A. Negandhi

('Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16163/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 11, Sunderbaug, Co-op. Hsg. Sety I.td., S. V. Road,
Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at oBmbay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

The same of the sa

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Sunderbaug Co. op. Hsg. Scty. Ltd., S. V. Rd., Dahisar (1) Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/16163/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-125--416GI/85

Dated: 2-12-1985

(1) Shri R. G. Sharma & Ors

(Transferor)

(2) Shri V. M. Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16198/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Dahisar Sarita Society, Y. R. Tawde, Off R.A. Mahtre Road, Dahisar (W), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infection per cent of such apparent therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other petson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dahisar Sarita Society, Y. R. Tawde Road, Off R. A. Mahtre Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16198/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

FORM ITNE

(1) Sh. N. Kapporchand Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. P. Bhatta & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16161/84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. C/18 flat, 4th floor. Dahisar Gauray, H. S. Joshi Road, Dahisar (E). Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the ameniment is a gistered u/s-269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/18, 4th floor, Dahisar Gaurav, H. S. Joshi Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16161/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 2-12-1985

(1) M/s. Dattani Associates

(Transferer)

(2) Mr. R. Parwani & Mrs. M. Parwani

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EF/16369/84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 20, ground floor Nand Dham at Bhausaheb Parab

Shop No. 20, ground floor Nand Dham at Bhausaheb Parab Road, Dahisar (W), Bombay-68, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent uthority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 20, ground floor, Nand Dham Bldg. at Bhausaheb Parab Road.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16369/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

(1) Shri Avinash Khire

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. D. Pangre

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16673/84-85.—Whereas, I. Λ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and busines

Plat No. 44-B. Charinaton Bldg, plot bearing S. No. 918 J. S. Read, Dubisar (%) Boxes, y 68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has from transferred and the agreement is register under Section 769AB of the factor day Act, 1961 in the class of the Competent uthority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 44-B, Chandralok, plot bearing S. No. 918, J. S. Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16673/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Dated: 2-12-1985

persons, namely -

FORM ITNS——

(1) Smt. S. H. Chauhan & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjana R, Padukone

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16341/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403, 4th thorn, Amend Co-op. Hig. Sety. Ltd., Carter Road No. 4, Borivii (c). Limbay-60 stanted at Bombay (and more fully described in the Schidule annexed hereto), has been transcerted and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for their transfer as affected to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor Anand Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Carter Road, No. 4. Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16341/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16448/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. B-26, 2nd floor in Samarpan, Daulat Nagar Road
No. 3, Borivil (E) on C.T.S. No. 2544 Plot No. 26, Bombay66, situated at Rombay-

66, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered u's
Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M. Talib Hussain Kasturi
- (2) Smi. V. J. Dalid & Ors.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this plate in the Official Gazette

Explanation;—The terms and expressions used been as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-26 on 2nd floor in Samarpan Daulat Nagar Road, No. 3, C.T.S. No. 2544, Plot No. 26, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16448/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16666/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000% and bearing No.

Nensey Complex Co-op. Hsg. Society Ltd. Western Express High Way Borivli (E). Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.4.85 Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the trunsfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

ت المحادث الم (1) Mr. Narsınha Laxman Shettigar

(Transferor)

(2) S.R. Valme & Mr. P. S. Valme

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on , the respective persons, vor period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Nensey Complex Co-op. Hsg. Scty Ltd. Western Express Highway Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16666/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

(1) Roshan Enterprises

(Transferor)

(2) Ravivadan V. Shah & Ors.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16432/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Roshan Apartment Plot 468 flat Nos. 601, 603 and 604 4th Kasturba Road, Borivli (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

126-416 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Roshan Apartment plot 468, flat Nos. 601, 603 and 604, 4th Kasturba Road, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16432 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

(1) Sh. B. S. Talwar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. D. A. Thorat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16536/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 605, 6th floor, Pratap Apartments, 3rd Carter Road

Borivli (F), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds 'be apparent consideration that the ferror cent of such apparent consideration apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, Pratap Apartments, 3rd Carter Road, Borivii (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16536/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 2-12-1985

(1) Shri N H. Nerai.

(Transferor)

(2) Shri R. A. Gill & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION. RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV, 37EE/16487/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Haresh Shopping Centre Daulat Nagar, Road,

No. 3, Borivli (E), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Λct, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, small have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4. Haresh Shopping Center Daulat Nagar Rd. No. 3, Botivh (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. AR-IV 16487/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 2-12-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Dattani Constructions

(Transferor)

(2) Mr. G. G. Sharma.

(Transleice)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION. RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/278E/15449|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 35, ground floor Dattani Park, Western Express

Highway Kandivli (E), Bombay-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evapion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the initian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property v may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires bater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used began as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, ground floc, Labani Part, Western Express Highway, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 16140.84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 3-12-1985

(1) Shri D. S. Rao.

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri R. M. Lanjekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION. RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16335 84-85.—Whereas I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having the market value cleenting

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, Sai Kripa Co-op. Scty. Dhanukar Wadi, Kan-distil. Pombay 67.

divili, Bombay-67. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AP of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent considration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

nay be made in writing to the undersigned:

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sai Kripa Co-op. Scty., flat No. 22, Dhanukar Wadi, Kardivli. Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16335/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

sub- Date: 3-12-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

FORM IINS---

(1) M/s. Ajay Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharatiben H. Lal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION. RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16218/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 346-A, Pran Kutir, Survey No. 65, Hissa No. 1, Ram Gally Off S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1964 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instanment of transfer with the chiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind in Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 346-A, Pran Kutir, S. No. 65. Hissa No. 1, Ram Gally, Off. S. V. Road, Kandivii (W), Bembay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/16218/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—Seal:

Data: 3-12-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Khaja Mohommadulla Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16366/84-85,—Whereas, I. Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 64, 6th floor G. K. Nagar, Bldg. No. III, Shankar
Lanc, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. 64, 6th floor G. K. Nagar Bldg, No. 3 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16366/84-85 on 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Excel Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Chandulal V. Zatakia,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16454/84-85.—Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 21, 2nd floor, Sniv Darshan at Shankar Lane,
Kandivli (W), Bornbay-67, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 2nd floor, Shiv Darshan at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay 67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/16454/84-85 on Authority, 1-4-1985,

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Eombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-1-1985

(1) M/s. Excel Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. J. K. Zatakia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT **COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No.AR-IV/37EE/16455/84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Ist floor Shiv Darshan S. V. P. Road, Opp. Municipal Garden, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-27—416 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Ist floor Shiv Darshan at S. V. P. Road, opp. Municipal Garden, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16455/84-85 on

1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 3-12-1985 ·

(1) Shri A. R. Somaya.

(Transferer)

(2) Shi T. B. Shimawat,

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16451/84-85,--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. 2 ground floor Shiv Tirth at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67
situ ted at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this antice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 ground floor Shiv Titth at Shankar Laue, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16451/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

Seul:

(1) Smt. Ganga Manjusingh.

(Transferor)

(2) Shri B. D. Mehta & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16621 84-85.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4-Vinay ground floor, Vatsal Co-op. Flsg. Scty. Ltd., S.V. Rd., S. No. 5, 6, 7, Hissa No. 89 Kandivli (W), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomotes: Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same menning as given

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

THE SCHEDULE

4-Vinay, ground floor Vatsal Co-op, Hsg. Scty. Ltd., S. No. 89, Hissa No. 5, 6, 7, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR-IV/16621/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV. Bombay

ice under subto the following Date: 4-1-1985

Seel:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dilip C. Joshi.

(Transferor)

(2) H. S. Vadodaria & Ors.

(Transferce)

TICE WNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-JV/37-FE/16561/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, J-24, Mahavir Nagar Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Dahanukarwadi, Kaodivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys to other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19 7 (27)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, J-24, Mahavir Nagar Co-op, Hsg. Sety. Ltd., Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16561/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infliste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4/12/85

(1) Shri K. R. Dani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. G. Shah & Smt. S. V. Shah.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16445/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19-B, Madhurima Co-op. Hsg. Sety. Ltd., M. G. Road, Kandivli (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of bransies with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

THE SCHEDULE

Flat No. 19-B, Madhurima Co-op Hsg. Scty. Ltd., M. G. Road, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16445/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-12-1985

FORM ITNS———

(1) Mr. J. F. Murzello.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. H.O.M.E. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16333/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

Property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 20, Hissa No. 5, C.T.S. No. 695 at Village Poisar,
Near Western Express Eighway, Kandivli (E) Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edicat of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in char Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 20, Hissa No. 5, C.T.S. No. 695 Village Poiner Near Western Express Highway, Kandivli, (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16333/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assti, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-12-1985

(1) S. S. Malpani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. B. Nahar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTENG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/16048/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see its 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1 00 000/- and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot A of C.T.S. Nos. 2 & 3 and C.S. Nos. 106, 107 at Village Kandivli, Borivli, Taluka, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exaceds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fheilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferous for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires letter;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that that r.

THE SCHEDULE

Plott A of C.T.S. Nos. 2 & 3 and C.S. Nos. 106, 107 at Village Kandivli, Borivli, Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE16048//84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

Sen1:

anatum. The properties FORM ITNS----

(1) H. L. Vora and Smt. V. H. Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. H. R. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16157/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Ra. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 7, ground floor Ganga Sheva Kunj Co-op. Hsg.
Sety. Ltd. Mathuradas Cross Road, No. 1, Kandivli (W), Bombay-67.

Bombay-67 situated at Bombay has been transfered and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the meid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Acr. to the following sersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor Ganga Seva Kunj Co-op. Hsg. Scty. I.td. Mathuradas Cross Road, No. 1, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16157/84-85 on 1-4-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-12-1985

Scal:

FORM LT.N.S.——

(1) Mr. Khaja Mohommadulla Khan.

(Transferor)

(2) M/s. G. K. Development Corpn.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16367/84-85,—Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 65, 6th floor, G.K. Nagar Bldg., No. 3, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is register, under

has been transfered and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 65 6th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 3, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/16367/84-85 on Authority, 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

128-416 1 GI/85

Date: 4-12-1985

Seal;

(1) Smt. S. C. Rana Smt. U. B. Rana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. L. Rana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16351/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fant market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Dipti. Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Block No. 12, 2nd floor B-Wing, Akruli Road, Kandieli (E), Edubay-101 (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transfered and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mark avaise of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such annarent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dipti. Co.op. Hsg. Scty. Ltd., Block No. 12, 2nd uoor B-Wiag, Akruli Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16351/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

(1) M/s. Salim A. Kathawalla,

(2) M/s. Rinku Flexo,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16045/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 9, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Fstate Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any moons or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 easys from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 9, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16045/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 289°C of the mist. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1985

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Shree Shakti Hsg. & Development P. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16543/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land at Kanheri, C. T. S. Nos. 553, 554 and 551/1

to 11, Borivi Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has ben transferred and the agreement is registered U/S. Piece of land at Kanheri, C.T.S. Nos. 553, 554 and 551/1 at Bombay on 1, 4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1:) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Piece of land at Kanheri bearing C.T.S. Nos. 553, 554 and

551/1 to 11, Borivli Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16543/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

(1) Smt. Jayshree P. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) J. N. Davawala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16541/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

B-12, Sabarmati Co-op, Hsg. Soty. Ltd. Plot No. 200, 201 Road, 10, Daulat Nagar, Borivli ("), Bombay-66. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitair; we reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

B-12, Sabarmati Co-op. Hsg. Soty. Ltd., Plot No. 200, 201, Road No. 10, Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16541/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

FORM ITNS ---

(1) Smt. N. D. Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. R. S. Doshi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16641/84-85.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A/10, Rajdeep, 2nd floor Kasturba Cross Road 1, Borivli

(E), Bombay-66,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority
at Bombay on 1/4/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
litteen par cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/10, Rajdeep, 2nd floor Kasturba Cross Road, 1 Borivli (E). Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR-IV/16641/84-85 on Authority, 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Date: 2-12-1985

(1) M/s, Param Anand Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. D. M. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16567/84-85.-Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value emording Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 28, 1st floor in A-7, Bldg, at Rattan Nagar, Near Premji & Daulat Nagar, S. V. Road Borivli (E), Bombay-66. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in open of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 1st floor in A-7, Bldg. at Rattan Nagar, Near Premji & Daulat Nagar, S. V. Road Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16567/84-85 on 1-4-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arvind Kumar Raj Purohit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16565/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, ground floor, A-28, Rattan Nagar Bldg. Near Premji Nagar, & Daulat Nagar, Borvli (E), Bombay-66. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor A-28, Bldg. Rattan Nagar, Near Premji Nagar, & Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16565/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 2-12-1985

Seal ;

Programme and the contract of the contract of

FORM ITNS

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. S. Sonkolli,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-IV 37EE/16146/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 55 on 3rd floor in 8-9-10 Bldg, situated at Rattan Napar, S. V. Road, Borivli (F), Bombay-66.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is egisteted at 8 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the Competent at Bombay on 1/4/1985

for an annarent consideration, which is less than the fair-

at Bombay on 1.4/1985 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforest it property, and I have reason believe that the fair market value of the property as accretised exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly exacted in the said instrument of transfer with the object of !—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any measure or any moneys or other assets which leave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE.

Flat No. 55 on 3rd floor in 8-9-10 Bldg, situated at Rattan Nagar, S. V. Road, Borivli (F), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/16146/84-85 on 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 129-416 G1/85

Date: 2-12-1985

DEM ITNS FORM I.T.N.S.—

(1) Monica Henriques & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Rose Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16392/84-85—Whereas, I, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land at Poisar Village, Kandivli (W), Bombay-67.

riand at Poisar Village, Randivil (W), Bombay-67, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been 'ransferred and the agreement is registered u/s 269AB of the IT. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. hever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at Polsar Village, Kandivli (W), Bombay-67, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16392/84-85 on 1-4-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4 12/1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. S. N. Kohli.

(Transferor)

(2) Mrs. Ushaben H. Patel & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITIÓN RANGEAV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37-EE[16109/84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Unit No. 8, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E) Bombay-6 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 8, 1st floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16109/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated , 4-12-1985

Scal:

(1) M/s. Ashish Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. K. C. Sagar & Mrs. H. J. Sagar

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ret. AR-IV/37EE/16360/34-85. - Whereas, L.

A PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Banglow No. 2 grd j-2 at G. K. Nagar Bldg. No. 1 at Shanlar Lane Kandivli(W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 2 grd — 2 at G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. ARIV/16360/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 3-12-1985 Seal :

FORM ITNS.-----

(1) M.'s. Ashish Constructions

(Transferor)

(2) Mr. A. K. Shah and R. A. Shah

(Pransteree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMECTAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bonibay, the 4th December 1985

Ret. No. ARIV/37-EE/16137 84-85.--Whereis, 1. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

and the said Act) have reason to believe that the himbovaole property, having a fair market value execution R, 1 00,000 - and bearing Flat No. 203, 2nd floor G, K, Nagar Bldg, No. 2, Shanian Lane, Kondryli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-Find exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian lacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Gazette

FAULANATION :- The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar .. Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/16137/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 4-12 1985

Scal:

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Manuala L. Trivedi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

ARIV 37-EE/16439/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and beating No. Flat No. 2, Sunderam Bldg. S. V. Road, Fatebbaug Kandivli (W) Bombay-67

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Competent Authority
Bombay on 1-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reseon to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the eaid instrument
of transfer with the object of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any iscome arising from the tenneler; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982. (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax, Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Sundaram Bldg S. V. Road, Fatchbaug, Kandi-II (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authoity, Bombay under No. ARIV/16439/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated . 4-12-1985 Scal :

and the second s FORM ITHE

(1) Smt. P. P. Morjaria,

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shah R. Kishore & Shri K. T Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37 EII/16532/84.85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. C-43. Ist floor, Amurul Nagar, Mallina Co-op. Society Ltd., M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha; been tran ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per Fort of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-43. 1st floor, Amrut Nagar, Mallina Co-op, Sety Ltd., M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The ogreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16532/84-85 on 1-4-85.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Dated : 4-12-1985

Scal:

LORM HINS

Mr. S. N. Kohil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. H. Gudhka.

(Transferer)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.FE/16108/84 85. -- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1.00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. D-7. Ist floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (F), Bombay-101 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D-7. Ist floor Bonaza Industrial Estate. Ashok Chakravarti Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Amborny, Bombay under No. ARIV. 16108 / 84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-12-1985

(1) Shri P. J. Bhide.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. H. Sheth & Shij H. S. Sheth,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16481/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Apartment No. 3-D/302, Paraanagar, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have hear trunsferred and the agreement is registered, under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority
Bombay on 1-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xere is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumer. I transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 3-D, 302 Paraanagar, Shankar Lane, Kandivlí (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under No. ARIV/16481/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombny

increase. In pursuance of Section 269C of the said tereby initiate proceedings for the acquisition of the d property by the issue of this notice under sub-u (1) of Section 269D of the said Act, to the following con namely:— -0-416GI/85

Dated: 4-12-1985

(1) M/s, Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri H. P. Dholakia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay; the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/1601/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovbeing the Competent able property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1,00,000/- and cearing
No. Flat No. 68, 4th floor Satyam Blgd, S. V. Road, Fatchbaug Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computer. the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein EXPLANATION:are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 68, 4th floor, Satyam Bldg. S. V. Road Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16091/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Rang

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pathols banely :--

Dated: 4-12-1985

(1) M/s. Karnatak Traders

(Transferor)

(2) Mr. S. Henry D'Souza & Rita D'Souza

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16616/84.85. Whereas, I, A. PRASAD.

peing the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 14, 1st floor, Hermes Apartments, Moolice
Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, First floor Hermes Apartments, Mooliec Nagar, S. C. Road, Kandivli (W) Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16616/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 3-12-1985

Seal ·

(1) M/s. Karnatak Traders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunanda D. Thaker Hirabai H. Thaker.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16617/84.85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- andn bearing

No. Fint No. 5, 5th floor, Hermes Apartment, Mooljee Nagar S. V. Road, Kandiyli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

HE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor, Hermes Apartment, Mooljee Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16617/84-85 on 1-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-12-1985

. FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Alankar Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. National Engineering Corp. "

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985 .

Ref. No. AR-IV/37EE/16553/84-85.—Wherens, I, A. PRASAD.

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Gala No. 114/C Ist floor S. No. 191 (pt) 816 (pt)
Hanuman Nagar Akruli Village Kandivil (E) Bombay-101
(ord. many fully described in the Schedule unreved bareto)

No. Gala No. 114/C Ist floor S. No. 191 (pt) 816 (pt) Hanuman Nagar Akruli Village Kandivli (E) Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 4961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 114/C 1st floor S. No. 191 (pt) 816 (pt) Hanuman Nagar Akruli Village, Kandivli (E), Bombay-101,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16553 84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-12-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION_RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.11/16184/84-85-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, ground floor Shreep Apartments, CTS No. 166, 166/1. Hemu Kalani Main Rd. No. 3 Irani Wadi, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority. of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. L. K. Suba.

(Transferor)

(2) Shri B. G. Veniram Darji & Ors.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used factor as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor Shreeji Apts. CTS No. 166/166/1, Malad (North) Hemukalani Main Rd, No. 3, Irani Wadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16184/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-12-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Parag S. Kethary.

(2) Mr. J. G. Balu.

(Transferor)

(Transferee)

._____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAK, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. A. PRASAD, ARIV/37EF/16141/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 48, 4th floor Dattani Gram Building No. 3, Hemu Kalani X-Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 4th floor Dattani Gram Bldg. No. 3, Hemu Kalani X-Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16141/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-12-1985

FORM ITNS...

(1) M/s. Silver Trading Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Ratnaben R. Chheda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.IV/37EF/16044/84-85.—Whereas, I. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Unit No. A-43. Bonaza Industrial Estate, 1st floor Chakravarty Ashok Road, Kandivli (E), Bombay-67, situated at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1.1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industriai Unit No. A-43, at Bonaza Industrial Estate, 1st floor, Chakravarty Ashok Road, Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR IV/16044/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-12-1985

FORM TINS-

(1) M/s. Ashish Construction.

(Transferor)

(2) Mr. N. J. Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

AR.IV/37EF/16626/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104. 1st floor, G.K. Nagar Building No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, G.K. Nugar Bldg. No 1 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16626/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 131-416GI/85

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Shreyss Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Y. C. Vaz & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16192/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Shop No. 2. ground floor, Shalimar, Plot No. 3, Holy Cross Road, Borivli (W), Bombay-103.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or avadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 2, ground floor, Shalimar, Plot No. 3, Holy Cross Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16192/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

Scal:

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor) (Transferec)

(2) Mr. T. K. Sriram.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISTTION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

AR IV/37EE/16180/84-85.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Shop No. 7, ground floor, Silverine, S. No. 110 (pt) Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W), Bom-

bay-103.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Silverine, S. No. 110 (pt) Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16180/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

(1) M/s. Shanti Investments.

(Transferor)

(2) Andrew Swamy & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EF/16128/84-85,---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 3, Boa Vista Plot No. 8, S. No. 119, Hissa No. 8, C.T.S. No. 1017, Village Eksar, Taluka Borivli

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expramation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Boa-Vista Plot No. 8, S. No. 119, Hissa No. 7 (pt). C.T.S. No. 1017 of Village Eksar, Holly Cross Road, I.C. Colony, Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AP. IV/16128/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-12-1985 Seal :

2037

(1) M/s, B. R. Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. D. Chauhau.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37FE/16177/84-85,-Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing'
Flat No. 1, ground floor, Silverine, S No. 110 (pt), Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Fksar, Borivli (W), Bombay-103

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Silverine, S. No. 110 (pt), Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16177/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1985

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. B. Lobo & J. Lobo.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16178/84-85,---Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No,
Flat No. B/302, Silverine, P.C. Colony, S. No. 110 (Pt),
Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W),
Rombaut 103 Bombay-103, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/302, Silverine, I.C. Colony, S. No. 110 (Pt.), Plot No. 14, C.T.S. No. 1128, Village Eksar, Borivli (W). Bombay-103

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16178/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

FORM I.T.N.S.———

(1) Mr. P. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. K. Lath & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16171/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, A Wing, 5th floor, Vasundhara Building, 161/2/5, S. V. Road, Borivli (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 1-4-1985

the Competent Authority at Bemoay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

4b) facilitating the concealment of any income or any stoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expises later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Fiat No. 51, A Wing, 5th floor, Vasundhara Building, 161/2/5, S.V. Road, Borivli (W), Bombay, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EF/16171/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Sanman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) L. D. Balkrishna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16147/84-85.--Whereas, I. 1, PRASAD,

poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, I.C. Colony, Road No. 3, Borivali (W), Bombay-103.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor, I.C. Colony Road No. 3, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16147/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commusioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-12-1985

POPM ITAS

(1) M. S. Agap &: C mottures a

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Victor Dlomen & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV-37EE/16219/84-85.—-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, 5th floor, Bharat Deep Building, Ram Nagar, Borivali (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Thansfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transieree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samply:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective, persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Bharat Deep Building, Ram Nagar, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37t/F/16219-04-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 3-12-1985

Seal :

132-416 GI/85

(1) Mr. M. M. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. B. H. Shah & Ors.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16087/84-85.—Whereas, I, PRASAD,

N. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nov. D/37 & 38, 2nd floor, Gordhan Bag, Off. S. V. Road, Jambally Gally, Borivali (W), Bombay-92, situate at Bombay (and more fully described in the schedule approved hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 196I in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. D/37 & 38, 2nd floor, Gordhan Bag, Off, S. V. Road, Jambally Gally, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/16087/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

FORM ITNS-

(1) Shri Arvind V. Sheth (Chief promoter).

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UND ERSECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the

Bombay, the 3rd December 1985

publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning we given be that Chapter.

Ref. No. AR.IV/37EE/16494/84-85.— Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 8, D-Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registred under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meanys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 8, D-Wing Off. S. V. Road. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16494/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 3-12-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Sambhav Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. U. Katawat & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.IV/37FE/16345/84-85.— Whereas I, Λ. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the sneome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 205. 2nd floor, A wing. Shri Subh Apartment,
L. T. Road. Correcti (W), Bombay-92
(and more tully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registred under Section 2698B of the Income tax Act 1961 in the office of

Section 209.4B of the Income tax Act 1931 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-198.5 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 205, 2nd floor, A wing, Shri Subh Apartment, L. T. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARAV/37EE/16345/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby midiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 4-12-1985

(1) Mr. A. L. Pandya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. G. Ihaveri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANCE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16482/84-85.— Whoreas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Hat No. 201, A wing, Sumer Nagar, opp. Kora Kandra, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registred under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent off such apparent consideration and that the spondideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANA ION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, A wing, Sumer Nagar, off. Kora Kandra, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/57EF/16482 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-12-1985

(1) Shri Arvind V. Sheth (Chief promoter) (Transferor)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16498/84-85.-

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000. - and bearing No. Shop No. 11, D-Wing, Geetamali Nagar Yojna No. 3, Otl. S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registred under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority as Whereas I, A. PRASAD,

the Competent Amhority at Bombay on 1.4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 11, D-Wing, Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. AR-IV/16498/84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-12-1985

(1) Shri Arvind V. Shath (Chief promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. s. R. L. Metal Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV-BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16497/84-85.... Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 10, D-Wing, off. S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registred under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 10, D-Wing Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16497/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1985

FORM ITNS ----

(1) M/s. Krupa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. A. A. Achrekar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/16484/84-85.--

the Competent Authority at

Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (horeinafter referred to as the saul Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Plot No. 377 & 378, T.P.S. III, 5th Road, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registred under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the cosmideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, plot No. 377 & 378, T. P. S. III, 5th Road. Vazita Naka, Bonivii (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16484/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 3-12-1985

(1) Mr. A. C. Punjabi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. S. Kyal H.U F.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16160/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Store No. 23. Basement floor, Goyal Shopping Arcade,
S.V. Road, Boirvali (W). Bombay 92
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Comp. tent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Store No. 23, Busement floor, Goyal Shopping Arcade, S.V. Road, Borivali (W), Bombay 92.

The agreeement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16160/84-85 on 1-4-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of he add Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 'name'ly:—

Date: 4-12-85

Scal:

133-416GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37FE/16499/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-No. Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 12, D-Wing, Off S.V. Road Berivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the irrue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. V. Sheth (Chief Promoter)

(Transferor)

(2) M/s. R.L. Metal Corporation

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 12, D-Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16499/84-85 or 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-12-85

FORM ITNS-

(1) Mr. M. V. Ganatra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. V. Ganatra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/16486/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000), - and bearing
No. Flat No. 8. ground floot, Borivali New Rajesh
Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Chandavarkar Road, Borivali (W), Bombay192

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for and apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

Flat No. 8, C Wing, ground floor, Borivali New Rajesh Par Co.op. Hsg. 85c. Etc., Chundravarkar Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent rightonty, Bombay under No. ARIV 37FE-16486/84-85 on 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iodian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-12-85 SimUz

(1) Mrs. N. G. Vahanvati.

(Transferor)

(2) Mr. S. M. Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37FE/16670/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 604, 6th floor, B Wing, Bahubali Towers, near Saibaba Temple, Desai Setha Nagar, Off. S.V. Road, Borivali (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of the property as a foresaid exceeds the second exceeds the sec than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, B Wing, Babubali Towers, Near Saibaba Temple, Desai Seth Nagar, Off. S.V. Road, Borivali (W), Bombay.

The agreemnet has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16670/84-85 on J-4-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-85

FORM ITNS ----

(1) A. S. Kathawalla

(Transferor)

WOTICH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. R. Desai & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-IV, BOMBAY

Bomboy, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV 37LE. 16671/84-85,-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 301, and flao. A wing, Bahubali Towers, Neur Saibaba Temple, Desai Selh Nugar, Off. S.V. Road, Borivali (W), Bombay-92

situated at Bombay (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AU of the income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay 15x under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mitted . List

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A Wing, Bahubali Towers, Desai Seth Nagar, Near Saibhba Temple, Off, S.V. Road, Borivali (W).. Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16671/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atores at corperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (4) he said Act, to the following person, camely .--

Thus: 3-12-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Sarvind V. Sheth (Chief promoter)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37.EF, 16505/84-85.4-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property; having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No. Gectanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 21, C-Wing, Off S. V. Road, Borivit (W), Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred Section 269AB of the Incomed x Act. 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concent tent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discluded by the transferre for the purposes of the Indian neome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pers us, namely :--.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 21, C-Wing, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV-16505/84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Date : 3/12/85

FORM ITNS----

(1) Krupa Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Anand Sanil,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16485/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property, having a fair masket value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Flat No 101, First floor plot No. 378, 78 T.P.S. III Vaziranaka, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid 'xceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- . (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Ist floor, Plot No. 377-78, T.P.S. III, Vaziranaka, Borivli. (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15484/84-85 on Authority, Bombay 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3/12/85

FORM ITNS----

(1) Mr. C. M. Potel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. Godinho

(Transferce)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16350/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, 2nd floor, H. No. 12, S. No. 208, Eksar village Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

TRIBUDENS (PREELLES BORD), FOR CLES OF BUILDING BUILDING FREE CONTRACTOR OF STREET

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the sort Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, H. No. 12, S. No. 208, Eksar Vil-Jage Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16350/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4/12/85

AND THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PARTY

FORM ITNS-

(1) Mr. C. M. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Michaell M. Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV. 37.EE / 16347 / 84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, S. No. 12, Eksar village, Borivali (W),

Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and apparent consideration therefor by

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, S. No. 208, H. No. 12, Eksar village, Porivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/37EE/16347/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD · Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---134-416GI/85

Date: 4-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(1) Nari Matai.

(Transferor)

(2) William Goveas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16165/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C-8, 2nd floor, Rosario Apartments, Eksar, Borivali

(W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period empires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gapette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-8, 2nd floor, Rosario Apart ments, Eksar, Borivali, (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16165/84-85 on 1-4-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:-

Date: 4-12-85

Seal 4

(1) Mrs. M. G. Kalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16488/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. E-9, 2nd floor, Saibaba Dham, Saibaba Nagar, S. V.

Flat No. E-9, 2nd floor, Saibaba Dham, Saibaba Nagar, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. S. P. Mehta & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-9, 2nd floor, Saibaba Dham, Saibaba Nagar, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16488/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-85

(1) Mr. C. M. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. U. Yadav & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SJONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16340/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 2, ground floor, H. No. 12, S. No. 208, Eksar

village, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is icss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- . EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter MNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, H. No. 12, S. No. 208, Eksar village, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16340/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 4-12-85

Seal:

Now, therefore, in puredance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section £69D of the said Act, to the followhas persons, namely :- -

(1) Smt. S. S. Chitre.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΤΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. R. Badiyani & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV 37.EE/16300/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Compostent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, Sajag Co. op. Hsg. Soc. I.td., Shimpoli Road, Borivair (W). Bombay-92 (and more fully described in the Schedule appreced hereto),

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269/AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to that the consideration the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Sajag Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Shimpoli Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16300/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 4/12/85

FORM J.T.N.S .-

(1) Raghuvanshi Developers.

(Transferor)

(2) Smt. V. D. Chauban & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37.EE/16622/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Maya 403, 4th floor, C. T. S. No. 765, 861 to 868, Rughani Park, Sumpoli Road, Bonvali (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paritrs has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. T.S. No. 765, 861 to 868, Rughani Park, Maya, 403, 4th floor, Sumpoli Road, Borivali (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16622/84-85 on 1-4-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tor, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/12/85

PART III -- SEC. 11

FORM (TNS---

(1) C. M. Patel & Ors.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. N. Pereira.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARJV, \$7.EE/16348/84-85.--Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, ground floor, S. No. 208. II. No. 12, Eksar Village, Borivali (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registerred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, S. No. 208, H. No. 12, Eksar Village, Borivali (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16348/84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 4/12/85

(1) Shekar Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. S. R. Raikar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16467/84-85.---Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, Shukhar Nagar, Pereira Wadi Rd., Dahisar (W), Bombay-68.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office, of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovabte property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403. 4th floor, at Shukhar Nagar, Percira Wadi Rd., Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16467/84-85 on 1-4-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3/12/1985

FORM ITNS . (1) Shii M. S. Jadhav.

(Transferor)

.(2) M/s. Rishiraj Development Corpa,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR IV/37I/F/16304/84-85,--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter reformed to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing No.
Piece of land bearing Survey No. 137, Hissa No. 1, 3 & 3A 16B at Dahisar (E), Taluka Borivli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered enter. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing Survey No. 137, Hissa No. 1, 3 & 3A 16B City Survey No. 2739 at Dahisai (E), Taluka Borryli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16304/84-85 on 1-4-

Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range- IV Bombay

Date: 3-12-1985

Sent

FORM 1.1.N.S.———

(1) Shekhai Development Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETING OMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Y. Nevrekar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. ARIV/37EF/16468/84-85,—Whereas, I, Λ , FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-/ and bearing No.

Flat No. 303, 3rd floor at Shekhar Nagar Percirawadi Rd., Dahicar (W). Rombov-68

Dahisai (W), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-4-1985

at Romany on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor at Shekhar Nagar Perciriwadi Rd., Dahisar (W). Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Ambority, Bombay under No. ARIV/16468/84-85 on 1-4-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range- IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 2712/1985

Scal

a grayer in the first that we have the second with the contraction of the contraction of

FORM ITNS

(1) M/s B. R. Enterprises.

(2) Mr. K. S. Marwah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16179/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 1 (6) 600% and beginn New

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 14. Silverline, I. (. Colony, S. No. 110 (pt)
C. T. S. No. 1128, village Fksar, Borivali (W), Bombay 10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by maga-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any momeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, : hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Silverline, 1. (, Colony, S. No. 110 (pt) C. T. S. No. 14 Plot No. 1128, village Eksar, Borivali (W), Bombay-103,

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16179/84-85+111-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range- IV
Bombay

Date: 3-12-1985

FORM ITNS (1) Mrs. Minal. D. Salvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. K. Kamat & Ors.

(Transferce).

GOVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV, 37EE /16042/84-85,-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Flat No. 212 2nd floor Vasudev Terrace Plot No. 34, 35 & 49 & 50 final plot No. 624 TPS III, Shimpoli Road, Kasturpark, Borivh (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

ion an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the little likely of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 212 2nd floor Yasudev Terrace Plot No. 34, 35 & 49 & 50 final plot No. 624 TPS JH, Shimpoli Road, Kastupark, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16042 84-85 on 14-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate presenting for the infinite of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 3/12/1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri F. O. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shruti Builders,

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/371:E/16489/84-85,-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Hlat No. 4-B, Ist floor Maheshwar Niketan Co. op. Hsg.
Sety, Ltd. C-Bldg Harsha Park, S. No. 89, H. No. 5.
Chandavarkar Road, Bottyli (W), Bombay-92.

(and more fully described in ... Schedule annexed hereto), has been transfered, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the sa

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; عو/ النعد

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957);

rune, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Cartamation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No 4-B 1st floor Maheshwar Niketan Co. op. Hsg. Sety. Itd., C-Bldg Harsha Park, S. No. 89, II. No. : Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV 16489 84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV Bombay

Date : 3/12/1985

Seal

FORM 1.T.N.S.---

(1) M/s Chariot Builders.

(Transferor)

(2) C. J. Bhosle,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Rel. No. ARIV/37EE/16623/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303 in Shree Yogeshwari Aportments, C.T.S. 133 & 133 [Mandapeshwar Borivii, Hombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lastic of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 Shree Yogeshwari Apartments, CTS No. 1

and 133/1 Mandapeshwar Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16623/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV Bombay

Date: 3/12/1985 Scal

FORM ITNS-

(1) Mr. P. J. Dhokha:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. P. Gandhi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV 37EE/16315/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 4, D/19, Baj Apartment, Saibaba Nagar, Off, S. V. Road, Borivili (W), Bombay-92.

ituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tificen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causter with the object of the

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

Hlat No. 4, D/19, Baj Apartment, Saibaba Nagar, Offs. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 16315/84-85 on 1-4-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sakl Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:

Date: 3/12/1985

FORM IT.N.S.----

(1) M/s. Vijay Company (a partnership firm). (Transferor)

Smt, Tyoti V. Makhecha.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/16530/84-85.--Whereas, L. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the recome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104, 1st floor Shyam Krupa No. 1 at Eksar Village Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of recofer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wenith-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons animaly :-

(a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor Shyam Krupa Bldg, No. 1 at 1 ksru Village Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16530/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV

Date: 3/12/1985

FORM I.T.N.S,———

(1) M 's. Ganesh Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (42 OF 1961)

(2) Sm¹, Vimla, G. Agrawal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION KANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16440/84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing I-lat No. 303, 3rd flor Rosewood Bldg. at I. C. Colony, Borivali (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereic), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteea per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of pransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 393, 3rd floor Rosewood Bldg. at L.C. Colony, Borivali (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16440/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- IV Ben hay

Date: 3-12-1985

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this potition under subsection (1) of Section 2691) of the sold act, to the following ersona, namely :--136-416 GI/85

_ ·--

FORM ITNS-

(1) M/s. Ganesh Construction Co.

(Transferer)

(2) Mr. Agnelo Fonseca & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16442/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 103, 1st floor Resewood I. C. Colony, Borivli (W),

Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evacion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor Resewood I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16442/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follownersons, namely —

Date: 3-12-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. E. V. Pirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vimla D. Zaveri & Miss A. D. Zaveri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. I.A.C./Acq./KLK/2/85-86.—Whereas I, A. PRASAD,

A. FRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 602 B-3, Hari Om Apartments, S. V. Road, Borivli (W). Rombay, 92

(W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer mith the chief truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; madi/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 602 B-3, Hari Om Apartments, S. V. Road, Borivli

(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16072/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-12-1985

(1) Shri Vikas D. Tendulkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Ganga M Rajput,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-1V BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16544/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 14 A/1, Plot No. 1. S. V. Road, Jai Punect Nagar
Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Boriyli (W), Bombay-92.

Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Borivlj (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 14 A/1, Plot No. 1, S. V. Road, Jai Puncet Nagar Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16544/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 3-12-1985

Scal:

(1) Shri K. D. Manekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ila Dilip Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV , BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16519/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 411 Shree Sai Datshan Premises co-op. Society Rambaug, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bom/bay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 411 Shree Sai Darshan Premises co-op. Society Rambaug, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16519/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 3-12-1985

Scal:

(1) Mrs Manibe G. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. D. B. Poptani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16247/84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000- and bearing No. Flat No. 46-A, Mahavir Nagar Co. op Hsg. Society Ltd., Factory Lane, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computert Authority the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. in that Chapter.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein ask are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 46-A, Mahavir Nagar Co. op Hsg. Society Ltd., Factory Lane, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16247/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-12-1985

(1) Mr. K. S. Khan & Ows.

(Transferor)

(2) Mrs. Surekha Vilas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref No. ARIV/37EE/16228/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 115, Hissa No. 1/10 CTS No. 941 of Village Eksar at Borivli (W).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax et, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax et, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) dacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The turms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Survey No. 115, Hissa No. 1/10 CTS No. 941 of Village Eksar at Borivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16228/84-85 on 1-4-85.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-12-1985

(1) Shree Sagar Builders P Ltd.

(Transferor)

(2) M. D. Mehta & Ots.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Surjit Singh Atwal S/o Shri Boota Singh, LH-35, Green Park Extension, New Delhi, (Transfer

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16155/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana,

Range, Ludhiana, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 1st floor. Amrut Sagar, S. V. Road, village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomestar Act, 1961 in the office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property mmy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Gut Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Amrut Sagar, S. V. Road, village Magthane, Near Hariom Apartment, Borivli (W), Bombay-92
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16155/84-85 on 1-4-85

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav.

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 3-12-1985

(1) M/s. Arihant Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimla V. Kothari,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EF/16697/84-85,-Whereas, I.

A. PRASAD,

JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14 & 19, City Survey No. 13/15, 13/21 in Desai & Seth Nagar Off, S. V. Road, Near Poisar But Deptt, Borivli

(W), Bombay.

(W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax ct, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument it transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the mirroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

TH' SCHEDULE

Flat No. 14/19, City Survey No. 13/15, 13/21 in Desar & Seth Nagar Off, S. V. Road, Near Poisar But Deptt. Borivli

(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16697/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
137—416 GI/85

Dated: 3-12-1985

Mumbai Postal Karamchari Co. op. Hag. Socy. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. S. Malode & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16352/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 37, 4th floor Mumbai Postal Karmachari Co. op. Hsg. Sety Ltd. S. No. 163 Hissa No. I (pt) city Survey No. 1334/1335, Borivli Eskar Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37, 4th floor Mumbai Postal Karmachari Co. op. Hsg. Scty. Ltd. S. No. 163 Hissa No. I (pt) city Survey No. 1334/1335, Borivli Eskar Village Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16352/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-12-1985

(1) Shoukatali & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hansraj Gangji

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTALT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16182/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Shop No. 11, ground floor, Ram Mandir Road, L. T. Road, Corner, Ramkrishna Apartment, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration resaid that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put "cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11. ground floor, Ram Mandir Road, L. T. Road, Corner, Ramkrishna Apartment, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16182/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-12-1985

Scal:

(1) M/s. Raut & Dadarkar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. R. Pimple.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16185/84-85.--Whereas, I, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202/A, C.T.S. No. 22 (pt) Shimpoli village near Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 202/A, C.T.S. No. 22 (pt) Shimpoli village near Saibaba Nagar Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16185/84-85 on 1-4-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Davie : 4-12-1985

(1) Mr H. R. Vora & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. H. Gangji & Ors,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th Dccember 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16107/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing

Shop No. 4, ground floor, Nand Dham, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which enght to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Nand Dham, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16107/84-85 on 1-4-1985

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 4-12-1985

(1) Arvind V. Seth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16500/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the lincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 19, E-Wing, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 19, E-Wing, Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/16500/84-85 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-thx.
> Acquisition Range-14, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

FORM I.T.N.S. 187-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV/37EF 16501/84-85.—Whereas, 1, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gestanjali Nagar Jojna No. 3, Shop No. 20, E-Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-my Act, 1957 (27 of 1957); (1) Arvind V. Seth (Chief Promoter).

(Transferor)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 20, E-Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16501/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Rombay

Now, herefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

Scal:

(1) Arvind V. Seth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR.IV/37EF/16504/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Geetanjali Nagar, Yojna No. 2, Shop No. 15, C-Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reusen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective 'persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **≋ad**i/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tear Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gectanjali Nagar Jojna No. 2, Shop No. 15, Cap Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16504/84-85 on 1-4-1985.

> A, PRASAD Competent Author y
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely: persons, namely:

Date: 3-12-1985

Scal :

FORM ITNS---(1) Shri S. D. Pradhan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri & Smt. K. V. Pattni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR, IV/37EE/16590/84-85,---Whereas, I, A PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 7, 4th floor, Gokuldham Bldg. No. 1, S.V. Road, Borivli (W). Bombay-92.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 4th floor, Gokuldham Bldg. No. 1, S.V. Road. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, IV/16590/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-138-416 GI/85

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Star Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Muljibhai J. Shah.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

AR.IV/37EE/16279/84-85.--Whereas, T. Ref. No.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Star Galaxy Apartment, Flat No. 102, Building B, L.T.
Road, Borivii (W). Bombay.

situated at Bombay

tand more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Star Galaxy Apartment, Flat No. 102, Building B, L.T. Road, Borivli (W), Bombay, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, IV/16279/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-12-1985

(1) M/s. Manek & Associates.

(Transferor)

(2) M/s, Kalchuri Enterprises.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR.IV/37EE/16390/84-85.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop Nos. 1, 2, 3 on ground floor in Anuradha Building Manek Nagar, Barvli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property- as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of pay income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelsh-tan Act, 1957 (27 of 1917);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the sespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 1, 2, 3 on ground floor in Anuradha Building Road, Vorivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent athorty, Bornbay under No. ARAV 16519-84-85 on Authorty, .-4-1985,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3 12-1985

(1) Shri P. P. Shab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K, C, Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/16156/84-85.--Whereas, I. PRASAD,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Flat No. 204, 2nd floor B-Bldg., Desai Seth Nagar, S.V. Road, Borvli (W), Bombay-92.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor B-Bldg. No. B. Desai Seth Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16156/84-85 on 1-4-1985,

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-12-1985

(1) Shri S. S. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pankaj C. Shah & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

No. AR.IV/37EE/16619/84-85.—Whereas. 1. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, Mayur C.H.S. I.td., Borivli (W), Bombay,

situated at Bombay (and more fully described in 11. Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object c".

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 503, Mayur C.H.S. Itd., Bo ivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.IV/16619/84-85 on Authority, 1-4-1985.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recrome, namely :-

Date: 4 12-1985

____ FORM ITNS

(1) M/s. Sadanand Maharaj Construction Co. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mrs. Jocinta Pinto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

AR.IV/37EE/16278/84-85.-Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, ground floor, Kamalakar Bhuvan, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been of which caght to be diclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the maid Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, ground floor, Kamalakar Bhuvan, Eksar Road, 3orivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16278/84-85 on 1-4-198*5.*

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-IV,
> Bombay

Now, thtrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-12-1985

Scal:

(1) Arvind V. Sheth (Chief Promoter),

(Transferor)

(2) M/s. R. I. Metal Corporation,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR, IV/37EE/16502/84-85.—Whereas, J. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said ext. 1: the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 2, Shop No. 13A, Cap Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/16502/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

FORM ITNS ...

(1) Arvind V. Sheth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. I. Metal Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV; BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR.IV/37EE/16506/84-85.—Whereas, I, Ref. A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have feason to believe that the limitovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gectanjali Yojna No. 2, Shop No. 18, Cap Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Act. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 2, Shop No. 18, Cap Wing, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR, IV/16506/84-85 on Authority, 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 3-12-1985

Scal:

FORM ITNS

(1) Arvind V. Sheth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Timosferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. AR.IV 37FF/16507 /84-85.--Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gectanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 1, D-Wing Off S. V. Road, Borivii (W), Bombay-92.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of timnsfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemain property by the inside of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -- 139-416 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gectanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 1, D-Wing Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV-16507/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Rombay

Date: 3-12-1985

FORM LT.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEAV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV /37EE /16503 /84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Geetanjali Nagar Yojna No. 2, Shop No. 14, Cap Wing Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Met. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

(1) Arvind V. Sheth (Chief Promoter).

(Transferor)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte:

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 2, Shop No. 14, Car Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92.
The exceement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16503/84-85 on 1-4-1985:

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 3-12-1985

FORM ITNS

(4) Shri A. V. Sheth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. I. Metal Corporation,

(Transferce)

GOVERNMENT OF

OFFICE OF THE 14811 CLING ASSIDE COMMISSIONER OF PNCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ВОМВЛҮ

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/87EE/16493/84-85,... Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Gectaniali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 4, D-Wing, Oil S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys oFr other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tent the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person; within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Circette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the hald immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the spirit Act, shall have the same measure as give a in that Chapter

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 4, D-Wing,

Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16503/84-85 on 1-4-1985.

> Λ . PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows: ing persons namely :-

Dated : 3-12-1985

Scal :

FORM J.T.N.S. 187-

(1) Arvind V. Sheth (Cheif Promoter).

(Transferor)

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISIT!ON RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16508/84-85,--Wherens, I. A. PRASAD.

h. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 3, D-Wing, Gi. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Rombay and more fully described in the

situated at Bombay (and more fully described in the

Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 3, D-Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16508/84-85.on 1-4-1004

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated : 3-12-1985

FORM I.T.N.S. (1) Arvind V. Sheth (Cheif Promoter).

(Transferor).

(2) M/s. R. L. Metal Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV 37EE/16509/84-85. -Whereas, I, A. PRASAD,

being the (ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Sectional No. 1, Shop No. 2, D-Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sparties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FARMANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 2 D-Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W). Bombay-92
The agreement has been registered by 11 Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16503/84-85 on 1-4-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Dated: 3-12-1985

Seal:

1985

(1) Mrs. Laxmi R. Bhafia & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prashant R. Wagle,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. ARIV/37EH/16327/84-85.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and

bearing No.
Shop No. 4, D-25, Yogi Krishna C. H. Ş. Ltd., Yogi Nagar Eksar Road, Borivli West, Bombay-92

situated at Bombay (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombuy on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair coarter value of the aforesaid property and I have resear to

ctarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than riticen for cent of onch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Incilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Shop No. 4, D-25, Yogi Krishna C. H. S. Ltd., Yogi Nagar Eksar Road, Borivli West, Bombay-92
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16327/on 1-4-1985,

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE / 16683/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B 001, Bldg. No. 17, Gr. floor, Eskay Apt., offi. S. V. Road, Plot No. 7, Saibaba nagar. Borivali (W). Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1937 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: (1) Mr. J. F. Khan.

(Transferor)

(2) Mrs. F. A. Tambawala & Ora,

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B/001, Bldg. No. 17. Gr. floor, Eskay Apt., Off. S. V. Road, Plot No. 7, Sajbaba nagar, Borivali (W). Bombay-92 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bonibay under No. ARIV/3711 16683/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 3/12/1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Vaishali Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Doshi Kirankumar Amritlal,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16492/84-85.-- Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 40 3rd Fl. D-Wing Meghjyot Bldg, at Factory Cross Lane, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever would expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 40 3rd Fl. D-Wing Meghjyot Bldg, at Factory Cross Lane, Borivli (W), Bombay-92.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16492 on 1-4-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-12-1985

Scal

FORM I.T.N.S. (1) M/s. Rajeev Associates.

المنظم ا

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Borabay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16317/84-85,--Whereas, 1, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, 2nd floor, Siddhi Tower, Saibaba Nagar, Borivali (W), Bombay 92.

situated at Bombay (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (2) Mrs. S. K. Prasud Bathija.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay as under the said Act. in respect of any lacome arising from the transfer; region (w

Flat No. 205, 2nd floor, Siddhi Tower, Saibaba Nagar, Borivali (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16317/84-85 on 1/4/1985.

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 and of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now therefore, it, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following neisons, namely 140-416 G1/85

Dated : 4-12-1985

(1) Arvind V. Sheth (Chief Promoter).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. I., Metal Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16496/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinacter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Res. 1,00,000 - and bearing No.

Gectanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 9, D-Wing, Oil.

S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason 13 helieve that the fair market value of the aforesaid exaceds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect 6, any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 9, D-Wing, Off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16496/84-85 on 1-4-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 3-12-1985

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Maneklal P. Shah J. M. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. ARIV 37EE/16458/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing
Flat No. 71, 7th floor Λ-Wing Dattani Towers at Kora
Kendra S. V. Road, Borivii (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office oi the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; nand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ad are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meranag as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 71. 7th floor A-Wing Dattani Towers at Kora Kendra S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16458 84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 4-12-1985

(1) Shri P. R. Gudhka.

(Transferor)

(2) Shri Avrind Kamji Maru.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16478/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), here reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 14, Ground floor, Shiv Darshan Kastur Park,
Simpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14. Ground floor, Shiv arshan Kastur Park, Simpeli Road, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/16478/84-85 on 1-4-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 3-12-1985

FORM ITNS-

(1) Shri M. U. Pahuja.

(Transferor)

(2) Shri D. N. Shah and Smt. B. P. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bornbay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV, 37EE/16624/84-85.—Whereas I A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable projectly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Consulting room No. 12 Nimesh Kuni Co. premises Co. Op. Hsg. Sety. Ltd. S.V.P. Road Borivli (W) Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thanster as agreed to between the parties are not been taken to the parties. has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Consulting room No. 12 Nimesh Kunj Co. premises Co. Op. Hsg. Scty. I.td. S.V.P. Road Borivli (W) Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/16624/84-85 on 1-4-

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons numely :-

Dated: 3-12-1985

Seal:

FORM I.T.N S .--

(1) Mr. M. S. Patel.

2. Mrs. K. L. Patel I Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/16429/84-85.-Whereas, I, PRASAD,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 407, 2nd floor, Mendepeshwar Indl. Estate, S.V.P. Road, Borivali (W), Bombay 92 si uated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the correspond to resister under

has been transferred and the agreement is register Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 407, floor, Mendepeshwar Indl, Estate, S. V. P. Road, Borivali (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16429/84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-12-1985.

Scal:

FORM I.T.N.S.———

1. Mr. Vithal Laxman Sakpal.

(Transferor)

2. Smt. S. S. Salvi & Ors

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37G./101/85-86.--Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Kailas Kutir, plot No. B-c, Lok Tilak Rd, C. T. S. No. 630, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid according to the apparent consideration therefore have not according to the property as aforesaid according to the apparent consideration therefore have not according to the according

- market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to bt disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following perions, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1820/83 dated 10-4-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III. Bombay

Dated: 4th December, 1985.

Scal:

FORM I.T.N.S.----

(1) Rajpal Paurush.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Devraj Bhardwaj Ratan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 4th December 1985.

Ref. No. AR.III/37G:/102/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. Shop No. 1, Hill AbodoApartment at Gowan Road,
C.T.S. No. 164, S. No. 15, H. No. 4, Borivli (W),

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 12-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 839/83 dated 12-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 4-12-1985

Seal:

Now,, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

FORM LT.N.S.-

(1) Pankar Kumar Bancrice.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hansaben D. Patel.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16656/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D type flat No. 59, let floor Sawant Sadan Co.op. Hsg. Scty Ltd., Borivli (W) Jeevan Bima Nagar, Bombay-13,

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as pageed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-141-416 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D type flat No. 59, 1st floor Sawant Sadan Coop. Hag. Scty. Ltd., Borivli (W), Jeevan Bima Nagar, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16656/84-85 on 1-4-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 3-12-1985

Seel -

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri R. K. Seth & S. R. Seth.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Thakur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay the 4th December 1985.

Ref. No. ARIV/37EE/16545/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 10, ground floor Prashant, Prashant Sadan Co.op Hsg. Scty. Ltd., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authorny at Bondbay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The versus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said · ine winic meaning as given in that Chapter. 144

THE SCHEDULE

Shop No. 10, ground floor Prashant Sadan Co.op. Hsg. Scty. Ltd., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/16545/84-85 on Authority, 1-4-1985.

> A. PRÁSAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in rursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 3-12-1985

Seal:

and a second residence of the second residence of the

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2021 1985-86.—Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bungalow No. 17 of 3B IB type on Plot No. 17, situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the tair market value of the property as aforesaid

believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

142-416 G1/85

(1) M/s. Dedhia & Associates, Kirti Vijay, Sewri Naka, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Urmilaben Jayastilal Kothari, & Shri J. C. Kothari, M/s. Kiritkumar Brothers, Ashok Chambers, Devji Ratanshi Marg, Danabunder, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 17 of 3B IB type on Plot No. 17, situate at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area 2605 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 2021/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 11-11-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1986

New Delhi, the 18th January 1986

No. F.5/2/85-EI(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on the 15th July, 1986 in accordance with the Rules published by the Ministry of Transport, Department of Railways (Railway Board), in the Gazette of India dated the 18th January, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE. WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure 1, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 14. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi-General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.
- NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1986. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1986, WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dhelpur House, New Belai-110 011 by post or by personal delivery at the counter

on or before the 17th March, 1986 (31st March, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 17th March, 1986 and whose applications are received to post from one of the areas mentioned above) accompaniet by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam. Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram. Manipur, Nagaland, Tripura. Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Jakshadweep or abroad from a date prior to 17th March, 1986.

- Note (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rupees Thirty-six only) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/ SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "0.51 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatrlate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective

repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Fakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rupees Twenty-one only) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- S. If any condictor who took the Special Class Railway Apprentices' Examination held in 1985 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 Examination, his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1985 examination in the Employment News.
- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HITH AS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERFAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules was consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates" Information Manual" at Annexure-II.

M. BALAKRISHNAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE-I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why

he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 16th June, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only international form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application. Form he uses international form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no consequence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application forms corectly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent of temporary capacity or as workcharged employeds other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit the undertaking that they have informed in writing their Head of office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for /appearing at the examination, their application shall be rejected/candidates shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with the application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
 - (ii) Attested/certified copy of certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one copy pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.

- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable. (See paras 5 and 6 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
- (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATION ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETIED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BUREQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER. 1986. THEY SHOULD KEFP THE ORIGINALS OF THE CHTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATES OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.
- NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee...

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must not that to is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly cossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bunk be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational qualification-

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining

body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the Uniersity/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate:

2. He/She* has passed the first year examination under the three year degree course/first year Examination of the five year Engineering Degree Course/first year Examination of the three year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

OR

He/she* has passed in division the first/second* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering degree Course* conducted by the University of

- 3. @He/She* was examined in the following subjects:
 - 1.
 - 2.
 - 3.

4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)

(Name of the University/College/Institution*)

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the refige of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may

apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 25th August, 1986.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate:

				conducted by
••••••				
(i)	•••••			
(ii)	•••••	• • • •		
(iii)	•••••	•		
(iv)	•••••	•		
			(0)	re of Principal)

*Strike out whichever is not applicable.

Place.....

(iv) Two copies of photographs.-

A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of

the district in which his parents' or surviving parent) ordi- narily reside, who has been designated by the State Govern- ment concerned as competent to issue such a certificate; in both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordi- education. narily resides otherwise than for the purpose of his own
The form of the Certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:
This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* of village/town* of the State/Union Territory* Caste/Tribe* which is recognised as Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:
the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950@ the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950@ the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@ the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists Modification Order. 1956 the Bombay Reorganisation Act. 1960 the Punjab Reorganisation Act. 1966 the State of Himachal Pradesh Act. 1970, and the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act. 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976.]
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caster Drder 1956@ the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and
Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@ the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1954@ the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh Order, 1967@ the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
the Constitution (Gos, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@ the Constitution (Gos, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@
Order, 1951 the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@ the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order 1979@ %2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/
Union Territory Administration. This certificate is issued on the basis of the Schedule Caste/Scheduled Tribes certificate issued to Shri/Shrimati*
Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*. of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribc* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe*
in the State/Union Territory* issued by the

%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinatily reside(s) in village/town* of	
Territory* of Signature Designation	
(with seal of office	
Place	
Date Union Territory	
*Please delete the words which are not applicable.	
@Please quote specific Presidential order.	
%Delete the paragraph which is not applicable	

Note.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/ or his family normally resdes.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshdaweep.
- 5. (1) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile Fast Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964. and 25th March 1971:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his iharge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

- (ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b) (iv) or 5(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to make the indian original to make the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (vi) or 5(b) (vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Service, claiming age concession under Rule 5(b) (viii) or 5(b) (ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities, with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the Certificate to be produced by the candidate:-

*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repartiate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (romerly Tanganyika avr. Zanzibar) or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b) (xii) or 5(b) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ESOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(b) (xiv) or 5(b) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Retired Personnel

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

Name and Designation of the Cometent Authority

Station

Date

SEAL

(B) Applicable for serving personnel.

2. He is due for release/retirement w.e.f.....
is likely to complete his assignment of five years by......

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

Authorities who are competent to issue certificates are as fellows:-

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs,

Army-Military Secretary's Branch, Army Hqrs, New Delhi.

Navy-Directorate of Personnel Naval Hqrs, New Delhl,

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hqrs, New Delhi.

(b) In case of ICOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.

- (viii) A displaced person from crstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xviii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the tollowing authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (ix) A resident of Assam claiming age concession under Rule (5b)(xviii) or 5(b)(xix) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate within whose jurisdiction he ordinarily resided or from any other authority designated in this behalf by the Government of Assam, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August, 1985.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para f(i), (ii), (ni) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an affested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Paniament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A nerson in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Transport, Department of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or supress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or offer or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso tacto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this prevision, will deprive the candidate of any claim to contact deration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Mannual tor U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110 054 and may be obtained from him direct by Mail orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Kivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyeg Dhawan, New Delhi-110 011 and (ii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Rey Road, Calculted. The Mannual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECTETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DISOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY. CONTAIN THE FOLLOWING FARTICULARS:
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) APPLICATION RESIGTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION ELGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION

AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hercinafter referred to as item) several suggested answers (hercinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

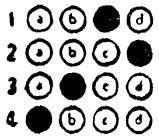
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the cramination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator,/ Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses unlicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note-*denote the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₂ VO₄ is

- (a) VO₁
- (b) VO₃
- (c) V₂O₃
- (d) V₂O₆

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when:

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be.

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c) y=aex+--be-x

*(d) y=acx-a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- •(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a vinomial variate is 5. The variable can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) x
- (d) --5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indin History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated, to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Budhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa.
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvākā.
- (c) Advaita, Vendanta, Samkhya, Carvaka Yoga.
- *(d) Buddhism, Sämkhya, Mimāmsā, Cārvāka.

14. (Political Science)

Functional representation' means :

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association,
- (c) election of representatives in vocational organization.
 (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal.
- *(b) reduction of the drive state.

- (c) instrumental learning. (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

NOTE:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.